

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-2021



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

विषय-सूची

निदेशक की कलम से	04
अधिकासी मंडल	12
वित्त समिति	13
भवन निर्माण एवं कार्य समिति	14
वरिष्ठ सदस्यगण	14
प्रशासन	17
पीआईसी, अध्यक्ष, सह-समन्वयक, वार्डन और व्यायामशाला	18
भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के बारे में	24
♦ दूरदर्शिता और लक्ष्य / लक्ष्य और रणनीतियाँ	26
परिसर के बारे में	28
♦ शैक्षिक क्षेत्र निर्माण ब्लॉक	32
♦ आवासीय क्षेत्र निर्माण ब्लॉक	34
पर्यावरण अनुकूल परिसर की पहल	36
शैक्षणिक	38
विद्यापीठ	55
उत्कृष्टता केंद्र	72
हमारे संकाय	83
प्रकाशन	97
अनुसंधान, विकास और सहयोग	135
♦ 2020-21 की अविरत प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	135
♦ वर्ष 2020-21 के लिए परामर्श/विकास परियोजनाएं	143
♦ 2019-21 के दौरान आयोजित स्पार्क परियोजना	148
♦ कोविड-19 के खिलाफ किए गए शोध	149
♦ वर्ष 2020-21 में भरे गए पेटेंट	159
संकाय द्वारा आमंत्रित व्याख्यान / प्रस्तुति / सम्मेलन / कार्यशाला / कार्यक्रम / संगोष्ठी / व्याख्यान / वार्तालाप	160
संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में संकाय द्वारा भाग लिया	168
संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन	171
संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ	173
संकाय पुरस्कार/सम्मान/विशिष्टता/अध्येतावृत्ति/ उद्योग इंटरशिप/छात्रवृत्ति/सदस्यता	173
विशिष्ट आंगतुक	176
केन्द्रीय पुस्तकालय	178
कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रकोष्ठ (CITSC)	184
वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ	186
स्टार्ट-अप केंद्र	191
ई-कक्ष	192
राजभाषा एकक	194
आयोजन	196
छात्र गतिविधियाँ	237
वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक वित्तीय विवरण आर एवं डी पावती और भुगतान	292



प्रो. रत्नम वी. राज कुमार
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान भुवनेश्वर

निदेशक की कलम से...

पिछला साल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर (भा. प्रौ. सं.) के स्थापना का बारहवाँ साल था। संस्थान का स्थायी परिसर 936 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जिसे अब एक शांत, हरे और सुसंगठित परिसर में विकसित किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी, ने 24 दिसंबर 2018, को संस्थान के परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया।

मैं पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की समर्पित भावना के साथ, संस्थान की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. विशिष्ट झलकियाँ

वैश्विक स्तर के संस्थानों में इस संस्थान को सर्वोत्तम बनाने और राष्ट्र को अपने गौरवशाली अतीत को फिर से स्थापित करने के उद्देश्य से, हाल ही में संस्थान के दृष्टि कथन को महत्वाकांक्षी बनाया गया है, जो इस प्रकार है -

“भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर को विश्व स्तर पर उत्कृष्ट स्नातक और नए ज्ञान के सृजन के लिए पहचाना जाएगा”

इस प्रयत्न में शिक्षण-शिक्षा, अनुसंधान, बुनियादी ढाँचा एवं अन्य संचालन आदि सभी कार्यों के मानकों को बढ़ाने, और नए मानकों को स्थापित करने के लिए हम अथक प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर का परिसर उत्कृष्ट सुविधाओं और विश्व स्तर के बुनियादी ढाँचे वाले छात्रों के लिए सबसे सुरक्षित शीर्ष कुछ परिसरों में से एक है। यह परिसर स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त है तथा इसमें स्वस्थ वातावरण है।

कई अनूठी नवीन विधियों का निर्माण करके महामारी से समझौता किये बिना संस्थान ने अपने सामान्य उच्च मानकों पर शिक्षा प्रदान की, जो निम्नलिखित हैं -

- भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर एकमात्र भा. प्रौ. सं. (और पहला) है जिसने ऑनलाइन कलम और कागज आधारित व्यापक परीक्षा आयोजित करने का एक बहुत ही अनूठा और अभिनव डिजाइन तैयार किया है और इसे अपने छात्रों को स्नातक करने के लिए लागू किया है (प्रचण्ड कोविड के दौरान भी)।
- व्यावहारिक अभ्यास सहित पूर्ण प्रयोगशाला अभ्यास प्रदान करना।
- अपने पिछले दो दीक्षांत समारोहों का आयोजन एक बहुत ही अनूठी और नवीन पद्धति से किया गया, जिसमें छात्रों ने प्रत्यक्ष रूप से व्यक्तिगत भागीदारी के साथ अपनी डिग्री प्राप्त की।

इस विषय पर, शायद संस्थान ने दुनिया भर में नए मानक स्थापित किए हैं। इसके अलावा, वैश्विक मानकों पर शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता में, संस्थान को महामारी के दौरान कभी भी बंद नहीं किया गया है, और अब तक पहले से ही 70% छात्र परिसर में हैं, उनकी भौतिक उपस्थिति के साथ कक्षाएं और प्रयोगशाला अभ्यास चल रहे हैं। साथ ही बहुत उच्च मानकों पर शिक्षाविदों की पेशकश करते हुए, इसने पूरे समुदाय का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित

किया और इस प्रकार संस्थान अपने छात्रों (महामारी के दौरान हमेशा से परिसर में रहने के लिए एक अच्छा अंश चुना गया) की रक्षा कर सकता है, अभी तक सर्वोत्तम महामारी काल के लिए एक उत्कृष्ट तरीके से शून्य मामलों दर्ज किये गये।

बुनियादी क्षेत्रों में नौकरियों के मामले में इस साल का प्लेसमेंट शानदार रहा है और संभवतः आईआईटी में सबसे अच्छा रहा है। कंपनियां हमारे छात्रों के प्रदर्शन से प्रभावित हैं और हम परिसर प्लेसमेंट के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करते हैं।

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर स्वयं को विश्व के सर्वोत्तम संस्थानों में लाने हेतु शिक्षा के बहुत ही मूलभूत पहलुओं पर कार्य कर रहा है। हालांकि, रणनीतिक पहल ने न सिर्फ संस्थान के विकास को बढ़ावा दिया है, बल्कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों परिदृश्य में संस्थान के रैंकिंग प्रदर्शन में बहुत ही महत्त्वपूर्ण वृद्धि नजर आई है।

राष्ट्रीय

रैंकिंग प्रणाली	एन.आई.आर.एफ अभियांत्रिकी	टाईम्स अभियांत्रिकी	इण्डिया टूडे	वीक हनसा	टाईम्स रिसर्च
भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का रैंक	22 (पिछले वर्ष)	1	11	15	1

अंतरराष्ट्रीय

रैंकिंग प्रणाली	क्यू. एस. वर्ल्ड	क्यू. एस. वर्ल्ड एशिया	टाईम्स उच्च शिक्षा वर्ल्ड	टाईम्स उच्च शिक्षा एशिया
भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का रैंक	701-750	233	801-1000	251-300

2. शैक्षणिक कार्यक्रम

पिछले साल, संस्थान में दूसरे एवं तीसरे पीढ़ी के भा. प्रौ. सं. में सबसे अधिक बी-टेक के 420 पदों पर दाखिला हुआ जो अब बढ़ कर 475 हो गया है, एमएससी और एमटेक कार्यक्रमों में प्रवेश क्रमशः 125 और 246 हैं।

वर्तमान में छात्रों की संख्या 2490 है (बी टेक 1174, दोहरी- डिग्री 418, एम.टेक 388, एम.एस.सी 178, पीएचडी-332) जो दूसरी पीढ़ी के भा. प्रौ. सं. में दूसरे नंबर पर है। इस संस्थान में 143 पूर्णकालिक शिक्षक सदस्यों, बहुतायत में अनुलग्न प्राध्यापक, 25 अधिकारी और अन्य सहायक कर्मचारी हैं।

यह संस्थान बी-टेक के 6, दोहरी डिग्री कार्यक्रम के 9, एम.एससी के 5 एवं एम.टेक के 14 पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है, इसके साथ

ही 7 विद्यापीठ पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करती है। शैक्षिक वर्ष 2020-2021 में दाखिल लेने के लिए पीएचडी, एम-टेक, एम.एससी. तथा बी-टेक जैसे पाठ्यक्रमों में दाखिला क्रमशः 24, 24, और 25 अगस्त तथा 15 नवम्बर को हुई।

संस्थान ऑकलैंड विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करती है जिसमें दोनो संस्थानों के बीच शैक्षणिक स्थानांतरण तथा सहयोग के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करेगी।

3. कुछ अनूठी उपलब्धियां

1. **विदेशी शिक्षकों की भर्ती:** अपने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय ज्ञान के प्रदान करने के साथ साथ अपने राष्ट्र गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय वेतन पर

दीर्घकालिक अवधि के लिए विदेशी मूल के संकाय सदस्यों को भर्ती करने में भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर सफल रहा है। यह प्रयास अनूठा तथा SPARC और VAJRA योजनाओं से आगे बढ़कर है।

- II. **बहु-विषयक शिक्षा:** एनईपी 2020 द्वारा व्यक्त उसी दृष्टि को साझा करते हुए, संस्थान अपने अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए, अंतिम तीन वर्षों के लिए समग्र और बहु-विषयक शिक्षा-प्रसार को बढ़ावा दे रहा है। संस्थान अपने पाठ्यक्रमों में भारतीय गणित (प्राचीन और आधुनिक) और "कार्यात्मक और संचारात्मक संस्कृत", भारतीय दर्शन का परिचय, भारतीय दर्शन का तत्व, ओडिसी नृत्य के अलावा अग्रणी तकनीकी पाठ्यक्रम जैसे डेटा साइंस, नैनो साइंस और ऑगमेंट और आभासी वास्तविकता शामिल है।
- III. **अनुसंधान केंद्रों और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के समूह को बढ़ाना:** संस्थान राष्ट्रीय प्रासंगिकता और प्रभावी अनुसंधान को बहुत अधिक महत्व देता है और मात्रा की तुलना में गुणवत्ता को प्रोत्साहित करता है। हमने शोध के 10 क्षेत्रों को विश्व स्तर पर अच्छी पहचान बनाने के उद्देश्य से परिभाषित किया है और इन क्षेत्रों में बहुत प्रासंगिक योगदान दिया है।
- IV. **उत्कृष्ट नियोजन:** पिछले -5 वर्षों में नियुक्तियों तीन गुना से अधिक वृद्धि के साथ-साथ, संस्थान कुछ वरिष्ठ भा.प्रौ.सं. से बेहतर नियोजित कर रहा है। संस्थान ने सभी भा. प्रौ. सं. की तुलना में सबसे अधिक बुनियादी क्षेत्रों में नियोजन दर्ज किए हैं।
- V. **जेईई एडवांस के लिए जोनल आईआईटी:** संस्थान ने जेईई एडवांस परीक्षा आयोजित करने के लिए जोनल कोऑर्डिनेटर (जेडसी) के रूप में आयोजन का दर्जा प्राप्त किया, और उन दो में से एक है जिसे सभी दूसरी पीढ़ी के आईआईटी में यह दर्जा मिला है। संस्थान ने पूरे ओडिशा राज्य के लिए स्वतंत्र रूप से जेईई एडवांस -2020 परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी ली और बिना किसी कठिनाई के इसे सफलतापूर्वक आयोजित कर सका। 2020 में संस्थान ने ओडिशा में पहली बार स्वतंत्र रूप से और सफलतापूर्वक भा.प्रौ.सं. के आर्किटेक्चर एपीट्यूड टेस्ट (AAT) का आयोजन किया। 2021 में संस्थान ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी जेईई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।
- VI. **राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पूर्ण भागीदारी:** संस्थान मंत्रालय के सभी कार्यक्रमों में बहुत सक्रियता से भाग लेता रहा है।

4. कोविड -19 के दौरान गैर-समझौतावादी शिक्षा

इस भयानक कोविड -19 महामारी ने हमारे जीवन को और हमारी शिक्षण के तरीके को बदल दिया है। संस्थान, महामारी की स्थिति के समय भी बिना किसी समझौते के विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को निम्नलिखित माध्यम से पूरा करता है -

संस्थान ने पूर्व-योजना एवं लॉकडाउन अवधि से पूर्व कारवाई कर बिना किसी अंतराल के पूरी तरह से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने में सफल रहा।

ऑनलाइन माध्यम से, कलम और कागज पर परीक्षाएं और ऑनलाइन निरीक्षण को आयोजित करने की एक अनूठी विधि विकसित की गई है और इसे स्प्रिंग 2019-20 सत्र के ठीक बाद से संस्थान के सभी छात्रों के लिए पूरी तरह से परीक्षा आयोजित करने के लिए पूरी तरह से सफलता हासिल की है। स्नातक होने वाले छात्रों को परीक्षा मानकों में कोई समझौता किए बिना स्नातक किया गया था। यह अभ्यास अब सामान्य हो गया है और हमने समय पहले ही इस सत्र के मध्य सेमेस्टर की परीक्षा को पूरा कर लिया है।

निदेशक, संक्याध्यक्ष (शैक्षणिक) और विद्यापीठाध्यक्षों द्वारा केंद्र तथा विद्यापीठ स्तर पर छात्रों के साथ सक्रिय संपर्क बनाए रखने के लिए, छात्रों के सभी वर्गों के साथ ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए हैं।

नवोन्मेष की भावना को जारी रखते हुए, 9वें दीक्षांत समारोह को हाइब्रिड मोड द्वारा एक अनूठे और अभिनव लाइव रूप में आयोजित करने का कार्यक्रम है, जिसमें छात्र इस महामारी के दौरान भौतिक या जीवंत रूप से उपस्थिति दर्ज करके डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

5. कोविड -19 के खिलाफ अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

कोविड -19 से लड़ने के लिए बहुत सारे शोध कार्य और उत्पाद विकास सफलतापूर्वक किए जा सकते हैं। इनमें यूवीसी चेंबर, कम लागत वाले वेंटिलेटर, शील्ड, सैनिटाइज़र, सैनिटाइज़ेशन स्टेशन, ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीवायरल पेप्टाइड्स का डिज़ाइन, ड्रग री-पर्पोज़िंग, मास्क की प्रभावशीलता का अध्ययन जैसे उत्पादों का सफल विकास शामिल है।

6. अनुसंधान एवं विकास और भरे गये पेटेंट

अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं: अनुसंधान और विकास गतिविधियों ने समय के साथ तेजी से प्रगति की है, और कुल 100

प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं वर्ष (2020-21) के दौरान संस्थान को विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से लगभग रु.18.44 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन स्वीकृत परियोजनाओं के अलावा, लगभग 86 परियोजना प्रस्ताव के लिए लगभग रु. 58.48 करोड़ जमा किए गए हैं जो प्रगति पर हैं।

हाल के कुछ उद्योग-अकादमिक सहयोग और अनुसंधान एवं विकास पहल के साथ-साथ राष्ट्रीय/राज्य मिशनों से जुड़ी परियोजनाएं निम्नलिखित हैं -

- जैमिंग यूएवी के लिए एड ऑन राडार पर एक शोध परियोजना को अंजाम देने के लिए अगस्त 2020 के दौरान आर्मी एयर डिफेंस कॉलेज के साथ अनुसंधान सहयोग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यूएस से संबंधित विभिन्न संचार प्रौद्योगिकी का अध्ययन किया जाएगा और एक प्रोटोटाइप सी-यूएस विकसित किया जाएगा।
- संस्थान राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास मिशनों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहा है, जिसका नाम है: "अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रभावित करना (इम्प्रिंट)"। इम्प्रिंट के तहत सात परियोजनाएं हैं। स्वीकृत परियोजनाओं के अलावा, 10.61 करोड़ रुपये के कुल 14 प्रस्ताव इम्प्रिंट के तहत प्रगति पर हैं।

प्रक्षेप के अनुसंधान क्षेत्र: संस्थान ने इन क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त योगदान देने के उद्देश्य से अनुसंधान के निम्नलिखित नौ क्षेत्रों को परिभाषित किया है -

- जलवायु परिवर्तन और चरम घटनाएं,
- ऊर्जा,
- संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता (एआर-वीआर),
- पर्यावरण और स्थिरता,
- डेटा साइंस और मशीन इंटेलिजेंस,
- आईओटी और अगली पीढ़ी के नेटवर्क,
- जल,
- सूक्ष्म और नैनो विनिर्माण और संसर,
- नैनोसाइंस और प्रौद्योगिकी।

हमारा जलवायु विज्ञान समूह बहुत अनूठा है, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, एनओए, यूएसए के तूफान अनुसंधान विभाग,

पड्यू विश्वविद्यालय, आईएमडी और आईएनसीओआईएस के साथ सहयोग करता है और पहले से ही वैश्विक प्रतिष्ठा प्राप्त है। इसने हाल ही में आने वाले चक्रवातों, यास, अम्फान, फनी और हुदहुद के बारे में लगभग 5/6 दिन पहले भविष्यवाणी की, जो भारतीय परिस्थितियों के लिए नवीनतम मॉडलों के अनुकूल बहुत सटीक है। फिलहाल यह आईएमडी का एकमात्र विकल्प है जो सत्यापन में मदद करता है।

ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रियलिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस देश का एक अनूठा केंद्र है जो इस रणनीतिक क्षेत्र में एक इको-सिस्टम विकसित करने में राष्ट्र की मदद कर रहा है। केंद्र ने नौ अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को मंजूरी और समर्थन दिया है। केंद्र ने 9 से 10 जनवरी 2021 के दौरान देश भर से 4 विजेताओं के साथ एआरवीआर पर एक भव्य हैकार्थॉन का आयोजन भी किया है।

सहयोगात्मक अनुसंधान: संस्थान बहुत सक्रिय रूप से दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में लगा हुआ है। वेस्टर्न ओंटारियो विश्वविद्यालय, लंदन; मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ विश्वविद्यालय; उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय, यूएसए; वारविक विश्वविद्यालय, यूके का वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप (WVG); बफेलो विश्वविद्यालय, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, यूएसए (SUNYAB); डॉ डैश फाउंडेशन, यूएसए; सामग्री निर्माण के इंजीनियरिंग केंद्र, शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय, चीन; ऑकलैंड विश्वविद्यालय और संयुक्त अनुसंधान, छात्र इंटरशिप और संकाय के लिए कई अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अन्य सहयोगी विश्वविद्यालयों में शामिल हैं। संस्थान में शैक्षणिक, अनुसंधान और अन्य सहयोगी कार्यक्रमों के लिए असंख्य विशिष्ट आगंतुक भी थे।

संस्थान के संकाय और शोध छात्रों द्वारा अब तक लगभग 47 पेटेंट के लिए आवेदन दायर किए गए हैं और संख्या बढ़ रही है।

संस्थान ने पिछले साल 578 पत्र प्रकाशित किए, जिसमें 449 पत्रिकाएं, 103 सम्मेलनों और 16 पुस्तक अध्याय शामिल थे।

7. एक वैश्विक स्तर का परिसर बनाना और सुविधाओं का उन्नयन

संस्थान के परिसर में 936 एकड़ जमीन है और यह नए भा. प्रौ. सं. में सबसे बड़ा है और सभी 23 भा. प्रौ. सं. में से दूसरा या तीसरा सबसे बड़ा परिसर है। 2016-17 के अंत में, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने, चरण -2 के तहत 2500 की छात्र सामर्थ्य के लिए संस्थान को पूरी तरह से विकसित करने के लिए

850 करोड़ रुपये मंजूर किए। मुख्य योजना को फिर बनाया गया है और **संस्थान भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर में एक ग्लोबल क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर और कैम्पस एंबियंस** बनाने में लगा हुआ है। अगले 6-12 महिनो के भीतर आधारिय संरचना 3.50 लाख क्षेत्र वर्ग मीटर होने जा रही है।

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर पर्यावरण अनुकूल की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बहुत प्रतिबद्ध है, तथा एक हरित पट्टी को बना रहा है, परिसर और आस-पास के स्थानों को हरा-भरा बनाने में लगा हुआ है और पिछले 5 सत्रों में फल और औषधीय बागों के लगभग 40000 पेड़, इवनयू प्लांटेशन और फूलों की किस्में लगाई गई हैं। इस प्रकार कई हरित पहलों को अपनाया है। यहाँ रहने वालों के लिए परिसर को बहुत ही सुखद बनाया गया है और यह अच्छा वातावरण के साथ एक हरा भरा परिसर भी है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने छात्रों द्वारा पावर वाहनों के उपयोग पर प्रति बंध लगा दिया और छात्रों, संकायों, कर्मचारियों और स्वास्थ्य सेवाओं के स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देने के लिए "साइक्लिंग कल्चर" को शामिल किया। संस्थान पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट निपटान यांत्रिकी और हरित निर्माण तंत्र से जीआरआईएचए अनुपालन और पर्यावरण के साथ उर्जा और जल हार्वेस्टिंग तंत्र को अपना रहा है।

42 एकड़ की जमीन पर विकसित खेल सुविधा सभी प्रमुख भा.प्रौ.सं. में अच्छी होने जा रही है। खेल के मैदानों और कोर्ट के चारों ओर वृक्षारोपण हो रहा है और कंक्रीट की दीवारों या धातु की बाड़ के बजाय हरी झाड़ियों की एक मनोरम बाड़ होगी जिसे हरियाली हेतु विशिष्ट रूप से तैयार किया गया है।

कार्य के इस चरण के तहत संस्थान ने चरण-2 के तहत निम्नलिखित सुविधाओं को पहले से ही जोड़ दिया है

- छात्रों के लिए एक पूर्ण क्षमता का छात्रावास (800 क्षमता) तथा छात्रों के लिए आंशिक क्षमता का एक छात्रावास (400 क्षमता),
- छात्राओं के लिए एक छात्रावास (400 क्षमता),
- निदेशक का बंगला,
- छात्र गतिविधि केंद्र,
- खेल परिसर,
- मानविकी, समाज विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ भवन तथा
- लेक्चर हॉल कम्पलेक्स

एनबीसीसी द्वारा पीएमसी के माध्यम से निर्माण कार्य करवाया जाना था तथा 2019 तक बुनियादी ढांचे के निर्माण को सौंपना था। अब उन्होंने इसे मार्च 2022 तक पूरा करने का वादा किया है।

8. संकाय मामले एवं सम्मान

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर संकाय चयन के लिए कुछ वरिष्ठ भा.प्रौ.सं. से भी अधिक मानकों को अपना रहा है, हालांकि अच्छे अंक प्राप्त करने में अधिक समय लग सकता है। निदेशक और संकायाध्यक्ष की एक टीम ने 7 से 11 नवंबर, 2019 तक सिंगापुर विश्वविद्यालयों और संस्थानों का दौरा किया, जो बहुत उज्ज्वल पोस्टडॉक्टरल और पीएचडी छात्रों को भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर में संकाय पदों के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया था।

उच्च क्रम के शिक्षण-सीखने का माहौल बनाने के प्रयास में, संकाय सदस्य जिन्हें उच्चतम छात्र सुझाव मिले, उन्हें शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया और उत्कृष्ट सेवाओं और अनुसंधान कार्य के लिए निदेशक प्रशस्ति पुरस्कार दिया गया है। पुरस्कार विजेताओं का विवरण नीचे दिया गया है -

2020 के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार

1. विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीनिवास पिनिसेटी को समग्र सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए
2. आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. निर्मलेंदु आचार्य
3. विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनूप थॉमस
4. मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. राज कुमार गुडुरु

2020 में उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशस्ति

1. छात्र मामले के डीन प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी
2. आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के एसोसिएट प्राध्यापक डॉ. राजन झा
3. विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के एसोसिएट प्राध्यापक डॉ. सुभ्रांसु रंजन सामंतराय
4. यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु

2020 में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशस्ति

1. वार्डन डॉ. शांतनु पाल
2. कंप्यूटर और आईटी सेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. बाराथराम रामकुमार
3. डॉ. श्रीनिवास भास्कर कारंकी, प्रभारी प्राध्यापक(परामर्श)

पिछले वर्ष के दौरान, हमारे संकाय को उनकी अकादमिक उपलब्धियों के सम्मान में कई अकादमिक विशिष्टताएं, सम्मान, विशिष्ट फेलोशिप, सहयोगी, व्याख्यान, प्रतिष्ठित पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। यहाँ कुछ का उल्लेख है -

प्रो. आर. के. पांडा को डीयूओ-इंडिया प्राध्यापक अध्येतावृत्ति 2020 से सम्मानित किया गया है, जिसमें स्टटगार्ट विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एंड्रस बार्डोसी जर्मनी सहयोगी के रूप में हैं।

डॉ. रेम्या नीलांचेरी को इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट महिला (अध्ययन का प्रमुख क्षेत्र - पर्यावरण इंजीनियरिंग), वीनस अंतर्राष्ट्रीय महिला पुरस्कार - VIWA 2020 से सम्मानित किया गया है।

डॉ पी आर बुरारापु को 01.03.2021 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स (आईएफ: 2.193) जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया है।

डॉ. एस आर सामंतराय को अध्येता, आईईटी (इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी), यूके-2020 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. राजन झा ने एसईआरबी स्टार अध्येतावृत्ति प्राप्त की।

एसईआरबी से सम्मानित प्रो. टी.वी.एस. शेखर को SERB द्वारा आंवटीत क्वालिफाइड यूनिवर्सिटी आइडेंटिफिकेशन डॉक्यूमेंट (SQUID): SQUID-1966-TS-5279 ।

प्रो. परलापल्ली वेंकट सत्यम को वर्ष 2021-2029 के लिए सम्मानित किया गया (दो कार्यकाल के लिए, प्रत्येक कार्यकाल में 4 वर्ष): माइक्रोस्कोपी के लिए एशिया पैसिफिक सोसाइटीज की समिति के कार्यकारी सदस्य, CAPSM - माइक्रोस्कोपी के लिए इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज का एक हिस्सा (वैज्ञानिक का पूर्ण सदस्य) परिषद - संयुक्त राष्ट्र।

डॉ. वासुदेव राव अल्लू को जर्नल ऑफ मैथमैटिकल इनइक्विलिटीज सम्मान के संपादक से सम्मानित किया गया।

9. छात्र उपलब्धियां

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में "छात्रों का व्यायामशाला" छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र है। परिषदों ने पूरे वर्ष कई

गतिविधियों का आयोजन किया। वार्षिक तकनीकी-प्रबंधन उत्सव विसनेयर, सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव अल्मा फिएस्टा तथा उद्यमिता मीट ई-शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जो नए मानक स्थापित करता है।

हमारे छात्रों ने इंटर-आईआईटी तकनीकी और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शीर्ष पुरस्कार जीते हैं और अन्य संस्थानों या विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित खेल आयोजनों में पुरस्कार जीते हैं। यह विवरण निदेशक की रिपोर्ट की हार्ड कॉपी में दिया गया है साथ ही इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया है।

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक

- क) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के **श्री आदित्य पाल**, बी.टेक के सभी शाखाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्राप्त करने जा रहे हैं।
- ख) सिविल इंजीनियरिंग के **श्री संकेत डे चौधरी** एम.टेक के सभी विशेषज्ञताओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए प्रतिष्ठित निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त करने जा रहे हैं।
- ग) भौतिकी (बुनियादी विज्ञान स्कूल) के **श्री सौविक चक्रवर्ती**, एम.एससी के सभी शाखाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए प्रतिष्ठित निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त करने जा रहे हैं।
- घ) अठारह (18) छात्र अपनी संबंधित शाखाओं/विशेषज्ञताओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए संस्थान के **रजत पदक** प्राप्त किये ।

10. सामाजिक दायित्व और वाह्य कार्यक्रम

भारत सरकार की भावना को ध्यान में रखते हुए, उन्नत भारत अभियान को शुरू करने के लिए, इस संस्थान ने **कई आउटरीच गति विधियों को शामिल किया, जिसमें 6 गांवों को विकसित करने में मदद** की गई। वृक्षारोपण, कार्यशाला के सत्रों का संचालन करना, स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाएं प्रदान करना कुछ अभियान जैसे नो टू प्लास्टिक, बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित करना, आदि गतिविधियाँ चलाई गई हैं।

यह संस्थान प्रतिबद्ध रूप से मंत्रालयों के कार्यक्रमों में भाग लेता है। उदाहरण के रूप में शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुशंसित सांस्कृतिक पहलुओं को प्रदर्शित करते हुए संस्थान ने सभी राज्यों के 17 जोड़े में संचालन किया।

11. उद्यमिता और स्टार्टअप गतिविधि

प्रतिबद्धता के साथ अपने छात्रों के बीच उद्यमिता संस्कृति को पोषित करने के लिए अपने लक्ष्य को जारी रखते हुए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के ई सेल ने 26-29 मार्च, 2021 के दौरान ई-शिखर सम्मेलन - 21 के 7 वें संस्करण का आयोजन किया, जिसमें कई कार्यशालाएं और प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम हुए। इस वर्ष के ई-शिखर सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए "रेगन ऑफ रेजिलिएशन" थीम के साथ किया गया था। शिखर सम्मेलन में प्रमुख अतिथि वार्ता, सम्मेलनों और कई नई पहलों के साथ-साथ फुटफॉल, प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भागीदारी में तेजी से वृद्धि देखी गई। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को श्री क्रिस गोपालकृष्णन, डॉ. किरण बेदी और अन्य विशिष्ट व्यक्तित्व और व्यवसायी उद्यमी को सुनने का मौका दिया।

ई-सेल के तहत प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र आईओटी के क्षेत्र में तीन परियोजनाओं के साथ मजबूत हो रहा है और पीआई द्वारा विकसित किए जा रहे पोरोटाइप के साथ वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में सफल कार्यान्वयन दिखा रहा है। निकट भविष्य में टीआईसी के तहत समर्थन के लिए संकाय और छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्रोटोटाइप विकास के लिए ऐसे और प्रस्ताव विचाराधीन हैं।

12. सतत शिक्षा गतिविधियाँ

वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से सात (07) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, सम्मेलन, संकाय विकास कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

2018 में, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (QIP) केंद्र स्थापित करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) से मंजूरी मिली। बाद में, सीईपी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर इंजीनियरिंग संस्थानों के संकाय सदस्यों को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में विभिन्न विषयों में पीएचडी डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश देकर अपने अकादमिक और शोध करियर को बढ़ाने के अवसर प्रदान कर रहा है। वर्ष 2020-21 के दौरान, पांच (05) संकाय सदस्यों को पहले ही पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकित किया जा चुका है, जबकि 04 और पूर्व-पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकित हैं। इसके अलावा, एआईसीटीई (मार्च, 2021) द्वारा अनुमत 2020-21 के लिए 15 नं शॉर्ट टर्म कोर्स (एसटीसी) मई-जुलाई, 2021 के दौरान पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने शिक्षा मंत्रालय के ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (GIAN) के तहत दुनिया भर के प्रख्यात प्रोफेसरों के समर्थन से 32 लघु अवधि के पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। इसके अलावा, जीआईएएन के तीसरे चरण के

लिए आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा 31 अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।

वर्ष 2020-21 के दौरान, SPARC प्रोजेक्ट (P468) के तहत "ऊर्जा-कुशल एंबेडेड हेल्थकेयर सिस्टम के लिए VLSI आर्किटेक्चर" और "डेटा-संचालित आईओटी और स्मार्टफोन स्वास्थ्य निगरानी के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग तकनीक" पर दो इंडो-यूएसए ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म पाठ्यक्रम "ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गई है। अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं प्रो. केशव के. पारही और प्रो. अलीना तालकाचोवा ने पाठ्यक्रमों के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए हैं। SPARC प्रोजेक्ट (P420) के तहत "न्यूमेरिकल मेथड्स इन रेडिएटिव" नामक एक अन्य पाठ्यक्रम भी आयोजित किया गया है। यूएसए के न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी के विकिरण ऊष्मा हस्तांतरण में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विशेषज्ञ प्रो. सुनील कुमार ने पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया है।

13. पूर्व छात्र मामलों से संबंधित जानकारी

हालांकि यह दूसरी पीढ़ी का आईआईटी है, संस्थान ने अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क को जल्दी बनाने और इसे जीवंत बनाए रखने के लिए पहल की है। संस्थान ने 20-21 में निम्नलिखित बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए -

पैन आईआईटी यूएसए: ग्लोबल समिट

- भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने भा.प्रौ.सं. 2020 में एक डिजिटल बूथ / लाउंज की स्थापना की: फ्यूचर इज नाउ इवेंट पैन भा.प्रौ.सं. USA द्वारा आयोजित किया गया।
- माननीय प्रधान मंत्री मोदी के मुख्य भाषण की अध्यक्षता में, इस कार्यक्रम में दुनिया के शीर्ष सीईओ और सीटीओ ने दुनिया भर के आईआईटीयनों को कई अन्य लोगों के बीच महामारी के बाद की दुनिया जैसे विषयों पर संबोधित किया।
- भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के डिजिटल बूथ ने हमारे नवीनतम पूर्व छात्रों के न्यूजलेटर को प्रदर्शित किया और नए विजन स्टेटमेंट पर प्रकाश डाला।
- डिजिटल लाउंज के माध्यम से कई उपयोगी नेटवर्किंग पर कार्य किए गए।

पूर्व छात्र-छात्र परामर्श कार्यक्रम

- पूर्व छात्र प्रकोष्ठ ने विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी परियोजनाओं पर सहयोग के माध्यम से पूर्व छात्र-छात्र संबंधों को मजबूत करने के लिए सफलतापूर्वक एक परामर्श कार्यक्रम शुरू किया है।

- छात्र दल पूर्व छात्रों के नेटवर्क तक पहुंच गई है और उनका समर्थन बेहद सकारात्मक रहा है। यह पूर्व छात्र-छात्र संबंधों के निर्माण में एक नया अध्याय है।
- फरवरी 2021 के महीने में, पहली सहयोगी परियोजना ने तीन छात्रों को शामिल किया है, जिन्हें आईआईटी भुवनेश्वर और दिल्ली के पूर्व छात्रों द्वारा सामूहिक रूप से सलाह दी जा रही है।

निम्न कार्य प्रगति पर हैं

- न्यूजलेटर के ऑटम संस्करण पर काम चल रहा है और इसे मार्च, 2021 के महीने में जारी किया जाना है।
- हम परामर्श और करियर परामर्श पर अपनी पहल को आगे बढ़ाने के लिए पैन आईआईटी यूएसए संगठन के साथ अपनी तरह के पहले दीर्घकालिक परामर्श कार्यक्रम में सहयोग कर रहे हैं।
- पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के सहयोग से अकादमिक परिषद छात्र समुदाय को संभावित करियर पथों और उन्हें प्राप्त करने के तरीके के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए विभिन्न कैरियर पथों में फैले पूर्व छात्रों के साथ एक पॉडकास्ट श्रृंखला की योजना बना रही है।

14. आभार

अपने उच्च मानकों में संस्थान के कामकाज और इसकी पूरी गतिविधियों को सभी हितधारकों अनुसंधान एवं विकास संगठनों और विभागों को प्रायोजित करने वाली एजेंसियां और उद्योग;

हमारे सभी शिक्षकगण, छात्रों, कर्मचारियों अन्य संगठनों और हमारे पूर्व छात्रों के पेशेवर, की पूर्ण भागीदारी और समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता था। संस्थान भारत के अपने निरंतर और सतत प्रोत्साहन और समर्थन के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का आभारी है।

अपनी बात समाप्त करने से पहले, मैं स्नातक सभी के छात्रों, पुरस्कार विजेताओं और पदक विजेताओं को बधाई देता हूं और उनके जीवन में सभी खुशीयों, पेशेवर सफलताओं और पूर्णता की कामना करता हूं।

जय हिन्द !

प्रो आर वी राज कुमार

31 अगस्त 2021



अधिकासी मंडल

अध्यक्ष



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह
पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और
स्वतंत्र निदेशक, एज्योर पावर
ग्लोबल लिमिटेड
[28.08.2020 से]



प्रो. रत्नम वी. राज कुमार
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान भुवनेश्वर
[27.08.2020 तक]

सदस्यगण



प्रो. रत्नम वी. राज कुमार
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान भुवनेश्वर



डॉ. राकेश रंजन
अतिरिक्त सचिव (टी.ई.),
शिक्षा मंत्रालय (एमओई),
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110115



**श्री संजय कुमार सिंह,
आईएएस**
आयुक्त-सह-सचिव,
कौशल विकास और तकनीकी
शिक्षा विभाग
ओडिशा सरकार भुवनेश्वर



प्रो. वी के तिवारी
निदेशक, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर
खड़गपुर- 721302 (पश्चिम बंगाल)



**कोमोडोर वी.के.जेटली,
आईएनएस(अवकाश प्राप्त)**
अध्यक्ष
सी-क्यूब कंसल्टेंट्स, सी- क्यूब
कंडक्ट्स प्रोग्राम्स इन बिज़नेस
एक्सीलेंस,
नई दिल्ली-110077



प्रो.सरोज कुमार नायक
प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान
विद्यापीठ
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
भुवनेश्वर



प्रो. एन.सी साह
प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
भुवनेश्वर

सचिव



कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

वित्त समिति

अध्यक्ष

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह
पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और
स्वतंत्र निदेशक, एज़्योर पावर ग्लोबल लिमिटेड
[28.08.2020 से]

प्रो. रत्नम वी. राज कुमार
निदेशक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
[27.08.2020 तक]

सदस्यगण

प्रो. रत्नम वी. राज कुमार
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

प्रो. सरोज कुमार नायक
प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

डॉ. राकेश रंजन
अतिरिक्त सचिव (टी.ई),
शिक्षा मंत्रालय (एमओई)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110115

प्रो. एन.सी साहू
प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

श्रीमती दर्शना एम. डबराल
उच्च शिक्षा विभाग जे एस व एफ ए
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
सरस्वती भवन, नई दिल्ली-110 001

सचिव
कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

प्रो. वी के तिवारी
निदेशक, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर
खड़गपुर- 721302 (पश्चिम बंगाल)

भवन निर्माण एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

प्रो. रत्न वी. राज कुमार

निदेशक,

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

सदस्यगण

श्री भक्त कवि दास

मुख्य महाप्रबंधक (पी व सी)

आईडीसीओ, भुवनेश्वर

श्री संसार पटनायक

भूतपूर्व एडीजी, सीपीडब्लूडी

भुवनेश्वर

इआर. मनोरंजन मिश्रा

मुख्य अभियंता (डीपीआई एवं रोड)

कार्यशाला विभाग, ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर

प्रो. एन.सी.साहु

प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

डॉ. पी दिनाकर

विद्यापीठाध्यक्ष, आधारीक संरचना विद्यापीठ

भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान भुवनेश्वर

सचिव

कर्मल (डॉ.) सुबोध कुमार

कुलसचिव

भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान भुवनेश्वर

वरिष्ठ सदस्यगण

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	स्थान
1.	प्रो. रत्न वी. राज कुमार	अध्यक्ष (पदेन)	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
2.	प्रो. सुजीत रॉय	सदस्य	डीन (आर एंड डी) / प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (रसायन विज्ञान)
3.	प्रो. प्रवास रंजन साहू	सदस्य	डीन (शैक्षणिक मामले) (26.03.2020 से एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया)
4.	प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी	सदस्य	डीन (छात्र मामले)
5.	प्रो. एस.के. महापात्रा	सदस्य	डीन, सीई / प्रमुख, मानवीकी समाजिक विज्ञान और प्रबन्ध विद्यापीठ
6.	प्रो. आर.के. पांडा	सदस्य	डीन, एए और आईआर
7.	प्रो. एस.के. नायक	सदस्य	डीन (एफ एंड पी)

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	स्थान
8.	प्रो. आर.के. पांडा	सदस्य	प्रमुख, पृथ्वी महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (01.03.2020 से 2 वर्ष की अवधि के लिए 28.02.2022 तक या अगले आदेश तक)
9.	प्रो. टी.वी.एस. शेखर	सदस्य	प्रमुख, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
10.	प्रो. एन.सी. साहू	सदस्य	प्रमुख, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (01.07.2019 से प्रभावी)
11.	डॉ. मिहिर कुमार पंडित	सदस्य	प्रमुख, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ (01.07.2019 से प्रभावी)
12.	डॉ. दिनकर पासला	सदस्य	प्रमुख, आधारीक संरचना विद्यापीठ (01.03.2020 से 3 वर्ष की अवधि के लिए 28.02.2023 तक या अगले आदेश तक)
13.	प्रो. पी.वी. सत्यम	सदस्य	प्रमुख, खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ (01.03.2020 से 2 वर्ष की अवधि के लिए 28.02.2022 तक या अगले आदेश तक)
14.	प्रो. यू.सी. मोहंती	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, पृथ्वी महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
15.	प्रो. वी. आर. येरिकालापुडी	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (गणित) (24.10.2020 तक)
16.	प्रो. एच.के. मिश्रा	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, पृथ्वी महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
17.	प्रो. रामभटला जी शास्त्री	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, पृथ्वी महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
18.	प्रो. गोदाबरिशा मिश्रा	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, मानवीकी समाजिक विज्ञान और प्रबन्ध विद्यापीठ
19.	प्रो. जोहान्स यूजीन मैरी हॉबेन	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, मानवीकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ (31.12.2019 तक)
20.	प्रो. ब्रह्मा देव	सदस्य	एमजीएम चेर प्राध्यापक, खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ (14.01.2020 तक)
21.	प्रो. एक्सेल हॉफमैन सदस्य	सदस्य	अतिथि प्राध्यापक, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (25.05.2020 तक)
22.	प्रो. प्रवाल सिन्हा		अतिथि प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (अगस्त 2020 से प्रभावी)
23.	प्रो. सुधाकर पांडा	बाहरी सदस्य	निदेशक, एनआईएसईआर भुवनेश्वर (23.03.2021 तक)
24.	प्रो. गोपाल कृष्ण नायक	बाहरी सदस्य	निदेशक, आईआईआईटी भुवनेश्वर (23.03.2021 तक)
25.	प्रो. राधामाधब दाश	बाहरी सदस्य	कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (23.03.2021 तक)
26.	प्रो. सुधासत्व बाहरी बसु	बाहरी सदस्य	निदेशक, आईएमएमटी भुवनेश्वर (24.03.2021 से 2 वर्ष)
27.	प्रो. (डॉ.) अजय कुमार सिंह	बाहरी सदस्य	कुलपति, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक (24.03.2021 से 2 वर्ष)
28.	प्रो. हरिहर होता	बाहरी सदस्य	कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (24.03.2021 से 2 वर्ष)
29.	डॉ. मनोरंजन सत्वथी	सदस्य	सह - प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यालय (23.03.2021 तक)
30.	डॉ. सब्यसाची पाणि	सदस्य	सह - प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ, (23.03.2021 तक)
31.	डॉ. पुष्पेन्द्र भूनिया	सदस्य	सह - प्राध्यापक, आधारीक संरचना विद्यापीठ (23.03.2021 तक)
32.	डॉ. अनिमेष मंडल सदस्य	सदस्य	सह - प्राध्यापक, खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ (23.03.2021 तक)

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	स्थान
33.	डॉ. सीमा बहिनीपति	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (23.03.2021 तक)
34.	डॉ. राजकुमार गुडुरु	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ (23.03 2021 तक)
35.	डॉ. प्रशांत कुमार साहू	सदस्य	सह - प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2020 से 2 वर्ष तक)
36.	डॉ. स्नेहासिस चौधरी	सदस्य	सह - प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2020 से 2 वर्ष तक)
37.	डॉ. सुमंत हलदार	सदस्य	सह - प्राध्यापक, आधारिक संरचना विद्यापीठ (24.03.2021 से 2 वर्ष तक)
38.	डॉ. मानस मोहन मोहापात्रा	सदस्य	सह - प्राध्यापक, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2021 से 2 वर्ष तक)
39.	डॉ. सस्मिता बारिक	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2021 से 2 वर्ष तक)
40.	डॉ. किशोर कुमार साहू	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ (24.03.2021 से 2 वर्ष)
41.	डॉ. विनोज. वी	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2021 से 2 वर्ष)
42.	डॉ. शांतनु पाल	सदस्य	वार्डन / सह - प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
43.	डॉ. एस मोहापात्रो	सदस्य	अध्यक्ष, व्यायामशाला / सह - प्राध्यापक, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ
44.	डॉ. राजेश रोशन दाश	सदस्य	अध्यक्ष केंद्रीय पुस्तकालय / सह - प्राध्यापक, आधारिक संरचना विद्यापीठ
45.	डॉ. चंद्रशेखर भामिडीपति	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जेईई
46.	डॉ. सुभ्रांसु रंजन सामंतराय	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जीएटीई
47.	डॉ. राजन झा	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जेएएम
48.	डॉ. विभूति भूषण	सदस्य	उप पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय
49.	श्री ऋषि गुर्जर	छात्र आमंत्रित	अनुसंधान विद्वान, आधारिक संरचना विद्यापीठ (फरवरी, 20 से फरवरी, 21 तक)
50.	सुश्री औरोशिखा दास	छात्र आमंत्रित	अनुसंधान विद्वान, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (फरवरी, 21 से)
51.	श्री सौम्यजीत घोष	छात्र आमंत्रित	उपाध्यक्ष, व्यायामशाला (जून, 2020 तक)
52.	श्री एस निरंजन	छात्र आमंत्रित	उपाध्यक्ष, व्यायामशाला जुलाई 2020 से
53.	कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार	सचिव	कुलसचिव

प्रशासन

निदेशक

प्रो. रत्नम वी. राज कुमार

संकायाध्यक्ष

संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य)

डॉ. प्रवास रंजन साहू

ईमेल: deanac@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (संकाय एवं योजना)

प्रो. सरोज कुमार नायक

ईमेल: deanf@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास)

प्रो. सुजीत रॉय

ईमेल: deansa@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (छात्र कार्य)

प्रो. वी आर पेदिरेड्डी

ईमेल: deansa@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (सतत् शिक्षा)

प्रो. स्वरुप कुमार महापात्र

ईमेल: deance@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष

(पूर्व छात्र कार्य एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

प्रो. आर. के. पंडा

ईमेल: deanaa@iitbbs.ac.in

विद्यापीठाध्यक्ष

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

डॉ. टी.वी. शेखर

ईमेल: hos.sbs@iitbbs.ac.in

पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु

विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. आर. के. पंडा

Email: hos.seoc@iitbbs.ac.in

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. एन.सी.साहू

ईमेल: hos.ses@iitbbs.ac.in

मानविकी, सामाजिक विज्ञान

एवं प्रबंध विद्यापीठ

प्रो. स्वरुप कुमार महापात्रा

ईमेल: hos.hss@iitbbs.ac.in

आधारिक संरचना विद्यापीठ

डॉ. दिनकर पसला

ईमेल: hos.sif@iitbbs.ac.in

यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

डॉ. मिहिर कुमार पंडित

ईमेल: hos.sms@iitbbs.ac.in

खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ

अभियांत्रिकी विद्यापीठ

प्रो. पी.वि.सत्यम

ईमेल: hos.smmme@iitbbs.ac.in

अधिकारी

कर्मल (डॉ.) सुबोध कुमार

कुलसचिव

ईमेल: registrar@iitbbs.ac.in

श्री देव राज रथ

संयुक्त कुलसचिव

ईमेल: jtregistrar@iitbbs.ac.in

श्री अनुज प्रधान

अधीक्षक अभियंता, सिविल-1

ईमेल: anujpradhan@iitbbs.ac.in

श्री विमलेंद्र मोहंती

अधीक्षक अभियंता, सिविल-2

ईमेल: se.civil@iitbbs.ac.in

श्री संकु दास

सिस्टम अभियंता

ईमेल: sanku@iitbbs.ac.in

डॉ. विभूति भूषण साहू

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

ईमेल: dylibrarian@iitbbs.ac.in

श्री मानस कुमार बेहरा

सहायक कुलसचिव

ईमेल: ar.est@iitbbs.ac.in;

ar.ce@iitbbs.ac.in

डॉ. शैलेंद्र नारायण रौतरे

सहायक कुलसचिव

ईमेल: ar.rd@iitbbs.ac.in

श्री प्रदीप कुमार साहू

सहायक कुलसचिव

ईमेल: ar.acad@iitbbs.ac.in

श्री के.साईकिरण

सहायक कुलसचिव (22.10.2020 तक)

ईमेल: saikiran@iitbbs.ac.in

श्री अंकित परमानंद बागड़े

सहायक कुलसचिव

ईमेल: ar.sp@iitbbs.ac.in

श्री रवि कुमार पटनायक

सीडीपीओ

ईमेल: tpo.cdc@iitbbs.ac.in

श्री शंभूनाथ साह
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
ईमेल: sambhu@iitbbs.ac.in

डॉ. मंसूर अहमद खान
चिकित्सा अधिकारी
ईमेल: mansoor@iitbbs.ac.in

श्री प्रशन्न कुमार दास
ओ एस डी(वित्त और खाता)
ईमेल: prasanna@iitbbs.ac.in

श्री चंद्र बड़े
प्रोग्रामर
ईमेल: chandra@iitbbs.ac.in

डॉ. आशिमा सर्खेल
चिकित्सा अधिकारी
ईमेल: ashimasarkhel@iitbbs.ac.in

श्री सुशांत कुमार पोद्दार
ओ एस डी(शैक्षणिक)
ईमेल: osd.academics@iitbbs.ac.in

श्री के.रविन कुमार डोरा
कार्यकारी अभियंता (सिविल)
ईमेल: rabindora@iitbbs.ac.in

डॉ. सुभाशीष नाग
चिकित्सा अधिकारी
ईमेल: subhasish@iitbbs.ac.in

मनीषा मिश्रा
छात्र परामर्शदाता (30.06.2020 तक)
ईमेल: manisha@iitbbs.ac.in

श्री विश्वरंजन प्रधान
सहायक कार्यकारी अभियंता(यांत्रिकी)
ईमेल: biswaranjan@iitbbs.ac.in

डॉ. नाबा किशोर पटनायक
चिकित्सा अधिकारी
ईमेल: nkpatnaik@iitbbs.ac.in

श्री शालीन शाषिधरण नायर
जनसंपर्क अधिकारी
ईमेल: pro@iitbbs.ac.in

लेफ्टिनेंट कमांडर राज कुमार
मुख्य सुरक्षा अधिकारी
ईमेल: cso@iitbbs.ac.in

डॉ. गगनदीप कौर मक्कर
छात्र परामर्शदाता
ईमेल: gagandeep@iitbbs.ac.in

पीआईसी, अध्यक्ष, सह-समन्वयक, वार्डन और व्यायामशाला

नाम, विद्यापीठ	पद	अवधि
प्राध्यापक प्रभारी		
डॉ. गौरव बरतरिया यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-ई-सेल	17.09.2018 से
डॉ. अरुण कुमार प्रधान यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-प्रशिक्षण एवं स्थानन (वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ)	01.07.2016 से
डॉ. मिहिर कुमार पंडित यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-अतिथि गृह	01.07.2016 से
प्रो. वी.आर.पेदिरेद्दी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-स्थायी परिसर	18.07.2015 से
प्रो. वी.आर. पेदिरेड्डी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-सुरक्षा	01.07.2016 से
डॉ. पी.के.साहू विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी (नेटवर्क एवं सुरक्षा)	01.07.2016 से
डॉ. आर.आर दास आधारिक संरचना विद्यापीठ	पीआईसी-यातायात सेवा	01.07.2016 से

नाम, विद्यापीठ	पद	अवधि
डॉ. एम.सबरिमलाई मणिकंदन विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-बागवानी (गृह)	16.06.2015 से 04.11.2020 तक
डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-बागवानी (गृह)	05.11.2020 से 17.12.2020 तक
डॉ. ताराकांत नायक आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-बागवानी (गृह)	18.12.2020 से
डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-बागवानी (शैक्षणिक)	19.07.2016 से
डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-परामर्श सेवा	29.06.2016 से
डॉ. सत्यनारायण पाणिग्राही यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-आईपीआर	06.11.2012 से
डॉ. सी.एन.भेंडे विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-संस्थागत संगोष्ठी	03.04.2018 से
डॉ. निलाद्री बिहारी पुहन विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-वेब सेवा	26.07.2019 से
डॉ. चन्द्रसेखर पेरुमल्ला विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-विद्युत कार्य	07.06.2019 से
डॉ. सुमंत हालदार आधारिक संरचना विद्यापीठ	पीआईसी-सिविल कार्य	01.03.2020 से
डॉ. श्रीनिवास पिनिसेटी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-ईआरपी	11.04.2018 से
डॉ. प्रशांत साहू विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-संवर्धित वास्तविकता एवं आभासी वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र	01.07.2019 से
डॉ. राज कुमार सिंह पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी- राजभाषा एकक	28.03.2015 से
डॉ. योगेश भुमकर यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-स्टार्ट अप केंद्र	29.12.2020 तक
डॉ. एम.सबरिमलाई मणिकंदन विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-स्टार्ट अप केंद्र	30.12.2020 से
डॉ. राजन झा आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-परीक्षा	20.04.2018 से
डॉ. मानस एम.महापात्र यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-समय सारणी	07.07.2017 से
डॉ. राजकुमार गुदरू मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंध विद्यापीठ	समाचारपत्र समिति	11.04.2018 से

अध्यक्ष/सभापति

प्रो.सुजीत रॉय आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-संस्थान की क्रय समिति	11.01.2021 तक
प्रो. पी. वी. सत्यम आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-संस्थान की क्रय समिति	12.01.2021 से
डॉ.भरतराम रामकुमार विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीआईटीएससी	05.09.2019 से

नाम, विद्यापीठ	पद	अवधि
डॉ. पी.आर.साहु विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीपीएमसी	01.07.2016 से
डॉ. आर. आर. दाश आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष- केंद्रीय पुस्तकालय	01.07.2016 से
डॉ. मानस एम. महापात्र यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीआईएफ (केंद्रीय उपकरण सुविधा)	01.07.2016 से
डॉ. अनिमेष मंडल खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ	सह-अध्यक्ष-सीआईएफ (केंद्रीय उपकरण सुविधा)	01.07.2016 से
डॉ. सी.भामिदिपति आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जेईई	01.08.2016 से
डॉ. राजन झा आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जेएएम	01.08.2016 से
डॉ. सुभ्रांशु रंजन सामंतराय विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जीएटीई	01.08.2016 से
डॉ. रम्या नीलान्वेरी आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष-महिला कल्याण समिति	01.03.2021 तक
डॉ. देबलिना घोष विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष- आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)	21.12.2020 से
डॉ. ससमीता बारीक आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष- महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी)	02.03.2021 से
प्रो. आर.के पांडा आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष- आवास आवंटन समिति	27.02.2015 से
प्रो. एस के महापात्रा यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष- संस्थान के चरण -2 कार्यों में एचवीएसी से संबंधित कार्यों की निगरानी के लिए आंतरिक समिति	11.01.2021 से
प्रो. ब्रह्मदेव एमजीएम चेर प्राध्यापक	अध्यक्ष - संस्थान के आगामी चरण -2 कार्यों में आंतरिक ध्वनिकी और ऑडियो सिस्टम आदि से संबंधित कार्यों की डिजाइन की जांच और निरीक्षण करने के लिए आंतरिक समिति	02.03.2021 से
डॉ. वी. पाण्डुरंगा यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष- संस्थान के आगामी चरण-2 कार्यों में व्याख्यान कक्ष परिसर और सभागार में बैठने की व्यवस्था की गुणवत्ता- नियंत्रण, स्थापना, कमीशन आदि की जांच और निगरानी के लिए आंतरिक समिति	15.03.2021 से
प्रो. आर.के पांडा आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष- संस्थान के आगामी चरण -2 कार्यों में वर्षा जल संचयन प्रणाली की योजना, जांच और डिजाइन मूल्यांकन करने के लिए आंतरिक समिति	30.03.2021 से
डॉ. सुभांकर पती खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ	समन्वयक - पूर्व छात्र मामले और अंतर्राष्ट्रीय संबंध	07.10.2015 से
डॉ. स्नेहासिष चौधरी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	समन्वयक - एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी	01.07.2016 से
डॉ. स्नेहासिष चौधरी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	समन्वयक - ईएए	01.07.2016 से
डॉ. श्रीकांत गोलापूडी खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ	समन्वयक - ईएए	08.04.2019 से
डॉ. बी हनुमंत राव आधारिक संरचना विद्यापीठ	सह - समन्वयक- ईएए	01.07.2016 से

नाम, विद्यापीठ	पद	अवधि
डॉ. बी.सी मण्डल आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सह - समन्वयक - ईएए	08.04.2019 से
डॉ. सीमा बहिनिपती आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सह - समन्वयक, यूबीए कार्यक्रम	11.04.2018 से
डॉ. तारकनाथ नायक आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सह - समन्वयक, यूबीए कार्यक्रम	11.04.2018 से
डॉ. गोदाबारीश मिश्रा मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंध विद्यापीठ	शैक्षिक समन्वयक	12.09.2018 से
प्रो. एस. के. महापात्रा यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	समन्वयक - क्यूआईपी	29.08.2018 से

वार्डन

डॉ. शांतनु पाल आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	वार्डन	01.07.2016 से
डॉ. श्रीनिवास बी.करंकी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लड़के)	01.10.2015 से
डॉ. योगेश जी.भूमकर यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लड़के)	08.07.2016 से
डॉ.सौरभ सिल पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लड़के)	08.07.2016 से
डॉ. भरतराम रामकुमार विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लड़के)	08.07.2016 से
डॉ. मान्शिनी बेहरा आधारिक संरचना विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लड़कियाँ)	01.01.2020 से

व्यायामशाला

डॉ. शंकरसन महापात्रा विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष, व्यायामशाला	13.02.2017 से
निलाद्री बिहारी पुहन विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार, छात्र व्यायामशाला की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियां	14.07.2018 से
डॉ. ओलिव रॉय विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार, छात्र व्यायामशाला की विज्ञान एवं खेल गतिविधियां	26.07.2019 से
डॉ. योगखोम केसोरजित सिंह पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ	कोषाध्यक्ष- व्यायामशाला	08.04.2019 से
डॉ. मानस्विनी बेहेरा आधारिक संरचना विद्यापीठ	सलाहकार- (सामाजिक-सांस्कृतिक)	08.04.2019 से
डॉ. मिहिर कुमार पंडित यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार, छात्र व्यायामशाला की क्रय समिति	14.07.2016 से
डॉ. वी पांडुरंगा यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार, छात्र व्यायामशाला के वित्तीय समिति	14.07.2016 से

कर्मचारी

निदेशक कार्यालय

सुहाना प्रवीन
[कनिष्ठ लेखा अधिकारी]
श्री उना सुजीत
[कनिष्ठ अधीक्षक] (09.12.2020तक)
श्री गिरीश कुमार पित्ता
[कनिष्ठ अधीक्षक]
(08.12.2020 से)
श्री रमेश कुमार पांडा
[कनिष्ठ सहायक]
रमेश चन्द्र बिस्वाल
[चालक]

कुलसचिव कार्यालय

श्री प्रदीप कुमार पटनायक
[व्यक्तिगत सचिव]

अनुसंधान एवं विकास अनुभाग

श्री अनिरुद्ध बाई
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री उना सुजीत
[कनिष्ठ अधीक्षक] (10.12.2020 से)

केंद्रीय प्रेषण

श्रीमती सौरावी बेहेरा
[कनिष्ठ सहायक]

वित्त एवं लेखा अनुभाग

अजित कुमार साहु
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री संबित रंजन महांती
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री रघुनाथ बेहेरा
[कनिष्ठ लेखा अधिकारी]
श्री गुरु प्रसाद साहु
[कनिष्ठ लेखा अधिकारी]
श्री विवेक केडिया
[कनिष्ठ लेखा अधिकारी]

संकायाध्यक्ष (संकाय एवं योजना कार्यालय)

श्री सत्यब्रत घोष
[कनिष्ठ अधीक्षक]

भंडार एवं क्रय अनुभाग

श्री राजसेखर बेंडी
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री अभिषेक कच्चप
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री जोगारू चिंताला
[कनिष्ठ सहायक] (23.12.2020तक)

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एकक

श्री प्रदीप कुमार पोद्दार
[स्वच्छता निरीक्षक]

स्थापना अनुभाग

श्रीमती जिग्याषा बेहेरा
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्रीमती स्मृति स्मरणिका कुमार
[कनिष्ठ सहायक]
श्री अरूप कुमार पंडब
[कनिष्ठ सहायक]
श्री विक्रम अलागंदुला
[कनिष्ठ सहायक]

संकायाध्यक्ष सतत् शिक्षा कार्यालय

श्री हिमांशु भूषण साहू
[कनिष्ठ सहायक]

केंद्रीय पुस्तकालय

श्रीमती संगीता साहु
[वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक]
श्री दिलिप कुमार परिडा
[वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक]

सुरक्षा एकक

श्री तपन कुमार महापात्र
[सहायक सुरक्षा अधिकारी]

शैक्षणिक अनुभाग

श्री सत्यजीत सारंगी
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री अभिमन्यू महल
[कनिष्ठ अधीक्षक]
निवेदिता पटनायक
[कनिष्ठ अधीक्षक]
श्री गौरी शंकर मिश्र
[कनिष्ठ सहायक]

सीआईटीएससी

श्री रबीनसन बेहेरा
[सहयोगी नेटवर्क प्रबंधक]
श्री तिलेश्वर महतो
[तकनिशियन सिस्टम प्रबंधक]
श्री रंजित राव
[तकनिशियन नेटवर्क प्रबंधक]

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

श्री निहार रंजन पंडा
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री सुशांत साहू
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री तारपडा दे
[कनिष्ठ तकनीकी]
श्री समीर कुमार जेना
[कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]
श्री सुकेश कुमार मिश्र
[कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]
श्री नरेश कोपुला
[कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]
श्री मार्शल टुडू
[कनिष्ठ सहायक]

खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

श्री रामकृष्ण पन्तंगी
[कनिष्ठ तकनिशियन अधीक्षक]
श्री सोनू कुमार गोयल
[कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]

चिकित्सा एकक

प्रभावती एम
[स्टाफ नर्स] (05.02.2021 तक)
श्रीमती स्वर्णलता स्वाई
[स्टाफ नर्स]
श्री श्रीनिबाश पाणिग्राही
[फार्मासिस्ट]
श्री डी.कन्नन
[फार्मासिस्ट]

छात्र व्यायामशाला

श्रीमती सुनीता वर्मा
[शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक]
श्री बिस्वजीत पेगु
[शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक]

बागवानी

श्री कमीरेड्डी विस्वेस्वारा रेड्डी
[बागवान]

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

श्रीमती मधुस्मिता
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
दिव्यदर्शिनी महापात्र
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री संतोष कुमार साहू
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री बिक्रम रंजन बेहेरा
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री दिलिप कुमार बिसवाल
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री बीराट केशरी नन्द
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री बृजमोहन मोहपात्र
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री रायमोहन बेहेरा
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री तजुद्दीन अहमद
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री कृष्ण चन्द्र नायक
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री मृणल दत्ता
[कनिष्ठ तकनिशियन]
(30.12.2020 तक)

अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ

ईआर.दीप्ती रंजन पटनायक
[कनिष्ठ अभियंता (सिविल)]
श्री अभिषेक दास
[कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)]
श्री गजेन्द्र बेहेरा
[कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)]
श्री रुपेश कुमार प्रधान
[कनिष्ठ अभियंता (सिविल)]

केन्द्रीय उपकरण सुविधा

श्री विदया सागर वज्ज
[कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]

आधारिक संरचना विद्यापीठ

सुप्रियारानी मोहांती
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री समीर कुमार सेठी
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
अकस्मिका सारंगी
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री सौभाग्य कुमार बेहेरा
[कनिष्ठ तकनिशियन]
श्री अमिया चन्द्र सिंह
[कनिष्ठ तकनिशियन]

यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

श्री आलोक कुमार नायक
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री मलाया कुमार राउतराय
[कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]
श्री सिद्धार्थ बिस्वाल
[कनिष्ठ सहायक]
श्री दिलीप कुमार साहू
[कनिष्ठ तकनीशियन]
श्री सुनील कुमार प्रधान
[कनिष्ठ तकनीशियन]
श्री विभूति मोहंती
[कनिष्ठ तकनीशियन]
श्री पूर्णेंद्र कुमार बिसोई
[कनिष्ठ तकनीशियन]

भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के बारे में

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की स्थापना भारत सरकार द्वारा 2008 में प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 1961 यथासंशोधित 2012 के अंतर्गत की गई है। इस अधिनियम को 24 मार्च 2011 को लोकसभा और 30 अप्रैल 2012 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (उच्च शिक्षा विभाग) द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 1961 में संशोधन की अधिसूचना के साथ 29 जून 2012 से भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान का रूप दिया गया एवं इसे भारतीय राजपत्र में प्रकाशित भी किया गया।

संस्थान ने 22 जुलाई 2008 से भा. प्रौ. सं. खड़गपुर के परिसर से कार्य करना शुरू किया था और 22 जुलाई 2009 को अपना परिचालन भुवनेश्वर शहर में स्थानांतरित कर लिया। संस्थान ने अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभागों के बजाय विद्यापीठों की अवधारणा को अपनाया है। वर्तमान में सात विद्यापीठ शैक्षणिक कार्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं।

वर्तमान में संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान, सिविल, विद्युत, ईसीई, यांत्रिक अभियांत्रिकी, धातु विज्ञान और पदार्थ अभियांत्रिकी में बीटेक (ऑनर्स) शामिल है। संस्थान शैक्षणिक वर्ष

2016-17 से 10 छात्रों की भर्ती के साथ यांत्रिक और सिविल में संयुक्त डिग्री पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। संस्थान 2 वर्षीय एम.एस सी और एम.टेक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2009-2010 से डाक्टरेट कार्यक्रम शुरू किया और जुलाई 2012 में संयुक्त एमटेक-पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की पेशकश की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर योजना, वास्तुकला और डिजाइन का एक नया विद्यापीठ शुरू करने की योजना बना रहा है इस विद्यापीठ में तीनों विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की पेशकश की जाएगी संस्थान में कार्य करने वाला यह आठवां विद्यापीठ होगा। वर्तमान में दो अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे भा.प्रौ.सं खड़कपुर और रुड़की में ऐसे पाठ्यक्रम चलते हैं।

इस संस्थान ने मोटे तौर पर प्रतिपालक संस्थान भा.प्रौ.सं खड़गपुर के पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम पाठ्यविवरण और अन्य शैक्षणिक के नियमों को अपनाया है जो छात्र केंद्रित शैक्षणिक पद्धति और भागीदारी सीखने पर बल देता है। शैक्षणिक कार्यक्रम एक नवोदित उद्यमी के लिए बहुत प्रासंगिक पाठ्यक्रमों से लैस है पूरे संस्थान को प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और स्टार्ट-अप के लिए संस्थान में 40,000 वर्गफुट का क्षेत्र छात्रों के लिए उपलब्ध है।



यह संस्थान व्यक्तित्व निर्माण, रचनात्मकता, अभिनव मानसिकता और क्षमता को पोषण करता है चाहे वह विज्ञान या प्रौद्योगिकी प्रबंधन में हो या मानव उत्कृष्टता के अन्य क्षेत्रों में हो, आने वाले कल के नेतृत्वकर्ता तैयार करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संस्थान युवा मन के लिए किसी भी मार्ग को चुनने और चुने हुए क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा संस्थान हरित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुशल और प्रभावी प्रशासन, प्रभावी स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, समानता और ज्ञान सहित एक कल्याणकारी संस्थान बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2015-16 से अरगुल स्थित अपने स्थाई परिसर के सभी शैक्षणिक कार्य शुरू कर दिया है। संस्थान का अंतिम स्थानांतरण 14 जुलाई, 2018 को संपन्न हो गया, जिसके बाद संपूर्ण प्रशासनिक पद का परिचालन स्थाई परिसर से आरंभ हो गया। यह संस्थान व्यक्तित्व के सभी पहलुओं शैक्षणिक, अनुसंधान, सांस्कृतिक खेल, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी अच्छी तरह से योग्य संकाय सदस्य, अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है जो व्यक्तित्व के सभी पहलुओं में छात्रों के कौशल समूह के तेजी से विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान

करता है। विश्व भर में विदेशी विश्वविद्यालयों, उद्योगों और संस्थानों के साथ हमारे संस्थान के कई सहयोग छात्रों को शिक्षा अनुसंधान और उद्योग में वैश्विक प्रवृत्तियों को उजागर करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। इंटरशिप, अनुसंधान परिजनों और विनियम कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों कार्यकाल में पर्याप्त अवसर हमारे छात्रों के बीच एक प्रमुख प्रवृत्ति रही है। पिछले 10 वर्षों में संस्थान ने 1810 छात्रों को (बीटेक, एमटेक, पीएचडी, एमएससी आदि) की डिग्री प्रदान कर चुका है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 3575 से अधिक मूल शोध पत्र प्रकाशित करके ज्ञान का विस्तार किया है। छात्रों ने सम्मेलनों और प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार भी जीते हैं।

संस्थान विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय एजेंसी रैंकिंग में लगातार अपनी रैंकिंग बढ़ा रहा है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टी.एच.इ) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी इम्पैक्ट रैंकिंग 2021 के अनुसार, संस्थान को दुनिया में 801-1000 वां स्थान दिया गया है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टी.एच.इ) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में संस्थान को 251-300, टाइम्स हायर एजुकेशन



(टी.एच.इ) इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 301वां - 350वां और QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2021 में संस्थान को 233वां स्थान दिया गया है। तीन विश्वविद्यालय मिशन रैंकिंग (रूस) ने 2020 में संस्थान को 801-900 में स्थान दिया है। इसके अलावा, आईआईटी भुवनेश्वर को विभिन्न विश्वसनीय राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा स्थान दिया गया है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) -एमओई 2020 द्वारा संस्थान को इंजीनियरिंग में 22वां और समग्र श्रेणी में 56वां स्थान दिया गया है, टाइम्स इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट रैंकिंग 2020 और इंडिया टुडे बेस्ट इंजीनियरिंग द्वारा अनुसंधान क्षमता में संस्थान रैंक 1 और इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी में एसटीएच। कॉलेज 2020 में संस्थान को 11वां स्थान मिला है।

दूरदर्शिता और लक्ष्य

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नाम का ब्रांड विरासत में मिला है। यह तथ्य इस संस्थान को न केवल अपने विरासत के प्रति योग्य होने का बल्कि नवाचारों की दिशा में मार्ग प्रशस्त करके विशिष्ट और प्रतिष्ठित होने का भी पहचान दिलाता है। (लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए) दूरदर्शिता, लक्ष्य, उद्देश्य और रणनीतियाँ और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के बुनियादी मूल्यों का विवरण निम्नलिखित है।

दूरदर्शिता

“भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर उत्कृष्ट स्नातकों और नए ज्ञान के निर्माण के लिए विश्व स्तर पर पहचाना जाएगा”

लक्ष्य

- स्वयं को एक सीखने वाले समुदाय का आकार देना- जहाँ हम काम करते हैं, सुनते हैं और एक दूसरे का सम्मान करते हैं।
- अनुशासन सीमाओं के तहत क्रियात्मक रूप से काम करने के लिए संकाय, शोधार्थियों और छात्रों को प्रोत्साहित करना और सुविधा प्रदान करना।
- नवाचार एवं अविष्कार, डिजाइन एवं निर्माण और उद्यमशीलता के क्षेत्रों में छात्रों की उत्साह भावना को बढ़ावा देना।
- रचनात्मक और संज्ञानात्मक विचारों को सुगम बनाने के लिए गतिशील, लचीला और समग्र रूप से डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम को विकसित करना और बढ़ावा देना।
- उद्योग और संस्थान के बीच उत्पादक भागीदारी के लिए प्रयास करना।

लक्ष्य और रणनीतियाँ

बौद्धिक विकास और कौशल अधिग्रहण का समर्थन करने वाले विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक कार्यक्रमों और वातावरण को बढ़ावा देना

- पाठ्यक्रम विकास और वितरण में गंभीर रूप से विश्लेषण करना और अपने ज्ञान को प्रभावी ढंग से संश्लेषित करने और लागू करने की योग्यता के लिए कौशल को बढ़ावा देना।
- सीखने की प्रक्रिया में क्षेत्र, राज्य, राष्ट्र और दुनिया की बदलती जरूरतों को पूरा करना।
- विविध, पूरी तरह से व्यस्त, शिक्षार्थी केंद्रित परिसर वातावरण का निर्माण करना।
- अंतर्राष्ट्रीय इंटरशिप औद्योगिक परियोजनाओं के अवसरों, छात्र विनिमय और विदेशों में भागीदारी अध्ययन को सुविधाजनक बनाकर छात्रों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक को सुदृढ़ करना।
- खोज विज्ञान और समाधान विज्ञान पर समान रूप से बल देना।
- कक्षाओं में अनुसंधान प्रारंभ करना।

विश्व स्तरीय अंतःविषय अनुसंधान और विद्वानों के प्रयासों का विस्तार करना

- विशिष्ट अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना जो वास्तविक जीवन के साथ-साथ भविष्य के मुद्दों को संबोधित करें।
- विभिन्न विद्यापीठों के भीतर और उनमें एकीकृत और सहक्रियात्मक अंतःविषय अनुसंधान को सुदृढ़ करना।
- अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों के भागीदारों के साथ जुड़कर संस्थान के अनुसंधान आधार और समर्थित बुनियादी ढांचे को व्यापक और सुदृढ़ करना।
- विश्व स्तरीय संकाय सदस्यों पोस्टडॉक्टरल फेलो, डॉक्टरल और स्नातकोत्तर छात्रों के प्रतिभा का पूल बनाना।
- एक उत्कृष्ट सहायक कर्मचारी संरचना बनाना और नियमित रूप से उनकी दक्षताओं को अपग्रेड करना।
- विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी आधार पर बौद्धिक गुणों और प्रोटोटाइप के भंडार में स्वयं को विकसित करना।

प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके एक स्वस्थ समाज को बनाए रखने में समर्थन और सुदृढ़ीकरण प्रदान करना

- सामुदायिक संगठन और सामाजिक उद्यम को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए एक संस्थागत रचना स्थापित करना।

- संस्थान के प्रचार संबंधी दिशानिर्देशों में सामुदायिक संबंध स्थापित करना ।
- सामुदायिक विकास में संकाय और छात्रों के प्रयासों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत करना। आधिकारिक बयानों और प्रतिलेखों में प्रयासों और लाभों को स्वीकृति देना ।

संस्थान के लिए सुदृढ़ और टिकाऊ आर्थिक आधार की स्थापना ।

- सुदृढ़ कोष बनाने हेतु प्रायोजित परियोजनाओं परामर्श और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करना और सुविधाजनक बनाना।
- प्रायोजित पदों और छात्रवृत्ति के लिए वृत्तिकोष को आकर्षित करने के लिए ब्रांड मूल्य का उपयोग करना ।
- विशेष रूप से सार्वजनिक निजी साझेदारी के माध्यम से संस्थागत प्रयोगशालाओं से उभरती प्रौद्योगिकियों के व्यवसायीकरण में उद्यमशीलता के प्रयासों का समर्थन करना ।

स्वस्थ और मजबूत भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर परिवार का निर्माण

- सकारात्मक कामकाजी वातावरण को बढ़ावा देना और बनाए रखना तथा एक बेहतर सेवा गुणवत्ता संभाले रखना ।

- पेशेवर विकास के अवसरों के विस्तार के माध्यम से कर्मचारियों के समर्थन में सुधार करना।
- संस्थान की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों को अत्यंत ईमानदारी के साथ निभाना।
- सक्रियता के सह और पाठ्येतर गतिविधियों का पोषण करना और बनाए रखना।
- निष्पक्षता, विश्वास और परस्पर सम्मान के माध्यम से संबंध स्थापित के लिए वातावरण बनाना ।

बुनियादी मूल्य

नवाचार और आविष्कार के दिशा में उभरते छात्रों को अभियंताओं और वैज्ञानिकों के रूप में सम्मान करना, विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पोषण और पूछताछ की भावना को प्रोत्साहित करना।

प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पूरी क्षमता बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना, दूसरों के विचारों और अधिकारों का सम्मान करना।



परिसर के बारे में

भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर का स्थाई परिसर 936 एकड़ जमीन में फैला हुआ है। यह बरुणेइ पहाड़ी की तलहटी में स्थित है, जो अपने समृद्ध इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। परिसर एक अद्वितीय शांत और प्रदूषण मुक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। परिसर में शैक्षणिक क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र, प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान पार्क के लिए क्षेत्र शामिल है।



महानदी आवास

800 क्षमता वाले छात्रों का छात्रावास मेस सुविधाएं आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई, व्यायाम और शारीरिक स्वास्थ्य, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस कोर्ट, मीडिया मनोरंजन कक्ष और प्रकाश प्रणाली के साथ 24 घंटे उच्च सतर्क सुरक्षा प्रणाली व्यवस्था एवं व्यक्तिगत छात्रावास के कमरे में गीगाबाइट इन्टरनेट और एटीएम सुविधाएं मौजूद है।



सुवर्णरेखा आवास

200 क्षमता वाले छात्रों (महिला) छात्रावास स्वतंत्र मेस सुविधाएं आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोईघर, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट और सौर प्रकाश प्रणाली व्यवस्था वाली 24 घंटे हाई अलर्ट सुरक्षा प्रणाली के साथ व्यक्तिगत छात्रावास के कमरे में गीगाबाइट इन्टरनेट सुविधाएं मौजूद है।



ब्रह्मपुत्र आवास

800 छात्रों की क्षमता वाले लड़कों का छात्रावास जिसमें एकल कमरा, स्वतंत्र मेस, आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई, बहुदेशीय हाल, 24 घंटे उच्च सुरक्षा प्रणाली और एकल कमरों में गीगाबाइट इन्टरनेट की सुविधाएँ उपलब्ध है।



गंगा आवास

400 छात्राओं की क्षमता वाले लड़कियों का छात्रावास जिसमें एकल कमरा, स्वतंत्र मेस, आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई, बहुदेशीय हाल, 24 घंटे उच्च सुरक्षा प्रणाली और एकल कमरों में गीगाबिट इन्टरनेट की सुविधाएँ उपलब्ध है।



खेल सुविधा

- ◆ क्रिकेट के मैदान
- ◆ वॉलीबॉल कोर्ट
- ◆ बास्केटबॉल कोर्ट
- ◆ टेबल टेनिस कमरा
- ◆ टेनिस कोर्ट



संकाय और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा

- ◆ 80 आवास वाले संकाय आवास खण्ड
- ◆ 40 कमरे वाले अतिथि भवन
- ◆ कर्मचारियों के लिए 40 आवासिक भवन
- ◆ छोटा बाज़ार
- ◆ 200 बैठने की सुविधा वाली सामुदायिक केंद्र



अतिथि भवन

अतिथि भवन में संलग्न शौचालय और सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ कुल 42 एकल और दोहरी विस्तरिय वातानुकूलित कमरे शामिल हैं। ऑनलाइन बुकिंग और ई-भुगतान की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।



निदेशक बंगला

भवन का क्षेत्रफल 506 वर्ग मीटर है जिसमें 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था के साथ दीवार से घिरा हुआ है और बगवानी रसोई की सुविधा है।



Medical Unit

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा इकाई

नोवेल कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। इस कठिन और संकट के समय में भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर मेडिकल यूनिट तेजी से प्रतिक्रिया दे रही है, अन्य आवश्यक सेवाओं के साथ चौबीसों घंटे काम कर रही है। चिकित्सा इकाई 24X7 डॉक्टरों और नर्सों की सेवाओं, सभी जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन, नेबुलाइज़र मशीन, ईसीजी मशीन, ग्लूकोमीटर, मल्टीपारा मॉनिटर और 24 घंटे की फार्मसी से सुसज्जित है।

हमारे मानद निदेशक के मार्गदर्शन में, एक कोविड टास्क फोर्स का गठन किया गया था जो लगातार चल रही स्थिति के आधार पर SOP तैयार कर रही है। छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की नियमित स्क्रीनिंग, बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध आदि सहित सभी शिविर स्थलों के लिए सावधानियां और निवारक उपाय किए गए थे। उचित और समय पर स्वच्छता के उपाय किए जा रहे हैं। हमारे परिसर में एक पूरी तरह से संचालित अलगाव केंद्र स्थापित किया गया था और वहां कोविड-19 पॉजिटिव मामलों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जाता है। आइसोलेशन, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग जैसे कदम व्यवस्थित तरीके से किए जाते हैं। सकारात्मक मामलों का अक्सर पालन किया जाता है और उसी के अनुसार इलाज किया जाता है। संस्थान के अन्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ चिकित्सा इकाई को "शून्य कोविड मामले और शून्य मृत्यु दर" के आदर्श वाक्य के साथ संचालित किया जाता है।

चरण- II का निर्माण

एमओई ने भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के चरण- I और II निर्माण के लिए 1260 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। जिसमें से 1260 करोड़ रुपये, भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर ने चरण- I के लिए 410 करोड़ की प्रारंभिक अनुमानित लागत को मंजूरी दी थी और CPWD को AA और ES दिया गया और आईआईटी भुवनेश्वर के दूसरे चरण के निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार NBCC (इंडिया) लिमिटेड को नियुक्त करके दूसरे चरण के निर्माण के लिए 850 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई गई थी। मार्च 2019 तक संस्थान के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 850 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं।

निम्नलिखित भवन/सुविधाएं एनबीसीसी द्वारा पीएमसी के रूप में निर्माणाधीन हैं।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मी.)	प्रारंभ की तिथि	एनबीसीसी के अनुसार पूरा होने की संभावित तिथि
क) प्रगति पर काम करता है				
एमएस. कृष्णा बिल्डर्स				
1.	लड़कों का छात्रावास (800 सीटर) - 1 नं.	24504	20.04.2017	भवन 15.07.19 एवं 10.10.19 के दौरान आईआईटी द्वारा अधिग्रहण किया गया, दोष सुधार लंबित है।
2.	गर्ल्स हॉस्टल (400 सीटर) - 1 नं.	15043		
एमएस. सिम्प्लेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड मेसर्स। गिरधारी लाल कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड				
1.	लड़कों का छात्रावास (800 सीटर) - 1 नं	24504	27.11.2017	31.08.2021
2.	प्रकार - एक संकाय क्वार्टर (44 नंबर)-2 यूनिट	11342		क1- 31.05.21 क2- 31.07.21
3.	टाइप-बी फैकल्टी क्वार्टर (88 नंबर) -4 यूनिट	20658		ख1- 31.05.21 ख2- 31.07.21 ख3-31.07.21 ख4- 30.06.21
4.	टाइप-सी स्टाफ क्वार्टर (88 नंबर) -4 यूनिट	18280		ग1- 31.08.21 ग2- 31.08.21 ग3-31.07.21
5.	टाइप-डी स्टाफ क्वार्टर (44 नंबर) - 2 यूनिट	6733		घ1- 30.06.21 घ2- 31.05.21
6.	निर्देशक का बंगला	474		पूरा हो गया है और दोष सुधार लंबित है
7.	छात्र गतिविधि केंद्र (स्विमिंग पूल 50 x 25M सहित)	4350		30.06.2021
8.	औषधालय	1224		31.08.2021
9.	सभागार (1500 क्षमता)	5281		31.12.2021
10.	मिनरल्स, मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स, अभियांत्रिकी विद्यापीठ	3648		31.07.2021
11.	पृथ्वी महासागर और जलवायु विज्ञान के विद्यापीठ	3648		31.07.2021
12.	मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ	1582		31.07.2021
13.	केंद्रीय कार्यशाला	2554		30.06.2021
14.	केंद्रीय अनुसंधान और इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधाएं	2508		30.06.2021
15.	लेक्चर थियेटर (60 सीटर क्लास रूम -48 नंबर, 120 सीटर क्लास रूम -22 नंबर, 240 सीटर क्लास रूम - 4 नंबर)	26354		एलएचसी-1-31.12.21 एलएचसी -2- 31.03.22 एलएचसी -3-31.08.21
एमएस. एसएनएस इंफ्राकॉन प्रा. लिमिटेड				
1.	वाणिज्यिक परिसर (अकादमिक)	1443	01.06.2018	31.05.2021
2.	वाणिज्यिक परिसर (आवासीय)	1143		
3.	एसईएस भवन का विस्तार	8468		
एमएस. ललितेंद्र सत्यथी और मै. गुरुमहाराजा एंजिकॉन प्राइवेट लिमिटेड				
4.	अरगुल परिसर में सीवरेज नेटवर्क का निर्माण		14.11.2018	31.12.2021
एमएस. श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड				
1.	विवाहित विद्वानों के लिए दक्षता छात्रावास	7555	14.12.2018	31.08.2021
2.	एसआईएफ भवन का एक तरफ विस्तार	3105		
3.	एसएमएस बिल्डिंग का एक तरफ विस्तार	3128		
4.	एसबीएस भवन का एक तरफ विस्तार	2564		

क्रं सं.	कार्य का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मी.)	प्रारंभ की तिथि	एनबीसीसी के अनुसार पूरा होने की संभावित तिथि
एमएस. श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड				
1.	बाहरी विकास (जैसे सड़क, नाली, खेल के मैदान, खेल के मैदान, उपकरण कक्ष, साइकिल कार पार्किंग, एलएचसी और स्कूल में भूमि की कटाई और ओपन एयर थिएटर		03.03.2019	31.12.2021
एमएस। जेएम एनविरो टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड				
1.	स्काडा प्रणाली के साथ एसटीपी		29.06.2019	31.05.2021

चरण -2 निर्माण की तस्वीरों के रूप में दिनांक 31.03.2021

शैक्षिक क्षेत्र निर्माण ब्लॉक



ऑडिटोरियम: आरसीसी संरचनात्मक कार्य पूरा हुआ, छत पर बना ढांचा का कार्य और अन्य परिष्करण कार्य प्रगति पर है। लगभग 57% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



एलएचसी -1: संरचनात्मक कार्य पूरा हुआ, गुंबद काम और अन्य परिष्करण प्रगति पर है। लगभग 77% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



एलएचसी -2: संरचनात्मक काम 70% पूर्ण हुआ। लगभग 43% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



एलएचसी -3: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 93% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



केंद्रीय कार्यशाला: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 82% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसएमएमएमई: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 93% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसईओसीएस: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 93% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसएसएसएम: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 93% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसआईएफ एक्सटेंशन: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है। लगभग 69% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसएमएस एक्सटेंशन: स्ट्रक्चरल कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 69% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसबीएस एक्सटेंशन: स्ट्रक्चरल कार्य पूरा और काम खत्म करना प्रगति पर है लगभग 69% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसईएस एक्सटेंशन: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है लगभग 84% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



सीआईआरएफ: संरचनात्मक कार्य पूरा और काम खत्म प्रगति पर है। लगभग 81% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ ।



एसटीपी: एसटीपी काम के लगभग 90% पूर्ण ।

आवासीय क्षेत्र निर्माण ब्लाक



टाइप-सी 1 और सी 2 क्वार्टर: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है।



टाइप-सी 3 क्वार्टर: संरचनात्मक कार्य पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है।

सी टाईप लगभग 62% सीडी में पूरा निर्माण पूरा करना



टाइप-बी 1 और बी 2 क्वार्टर: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है।



टाइप-बी 3 और बी 4 क्वार्टर: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा और परिष्करण कार्य प्रगति पर है।

बी टाईप क्वार्टर लगभग 68% काबिल प्रकार में बिल्डिंग पूरा हुआ।



लड़कों के लिए छात्रावास -3: स्ट्रक्चरल वर्क के बारे में 72% पूर्ण हुआ और परिष्करण कार्य प्रगति पर है



लड़कों के लिए छात्रावास -3: स्ट्रक्चरल वर्क के बारे में 72% पूर्ण हुआ और परिष्करण कार्य प्रगति पर है



टाइप-डी 1 और डी 2 क्वार्टर: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा हुआ तथा परिष्करण कार्य प्रगति पर है

डी टाईप क्वार्टर का लगभग 91% भवन का काम डी प्रकार में पूरा हुआ



टाइप-डी 1 और डी 2 क्वार्टर: स्ट्रक्चरल वर्क पूरा हुआ तथा परिष्करण कार्य प्रगति पर है

डी टाईप क्वार्टर का लगभग 91% भवन का काम डी प्रकार में पूरा हुआ



औषधीय: संरचनात्मक कार्य पूरा हुआ तथा साफ-सफाई कार्य प्रगति पर है लगभग 58% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



औषधीय: संरचनात्मक कार्य पूरा हुआ तथा साफ-सफाई कार्य प्रगति पर है लगभग 58% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



वाणिज्यिक परिसर (आवासीय): स्ट्रक्चरल कार्यपूर्ण और साफ-सफाई कार्य प्रगति पर है लगभग 42% बिल्डिंग कार्य पूरा हुआ



स्वीमिंग पूल : ढांचागत कार्य पूर्ण। समाप्त का काम चल रहा है।



फुटबॉल, एथलेटिक ट्रैक और भाला ग्राउंड: के बारे में 50% कार्य पूरा हुआ



क्रिकेट ग्राउंड : करीब 60 फीसदी काम पूरा हो गया है।



हॉकी ग्राउंड: लगभग 85% कार्य पूरा हुआ



बास्केट बॉल वॉलीबॉल और टेनिस कोर्ट: लगभग 90% काम पूरा हो गया है।

पर्यावरण अनुकूल परिसर की पहल



भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के परिसर को पर्यावरण अनुकूल बनाने हेतु विदेशी और स्वदेशी पर्णपाती और शंकुधारी पेड़ और पौधों (लंबे जीवन के लंबे समय तक ऊंचे पेड़ फूल और औषधीय पेड़ फलों के पेड़ खजूर और चीड़ के पेड़) सहित हरियाली और अधिक जीवंत लगने के लिए 2015 में बागवानी गतिविधि शुरू की गई थी अगले पंचवर्षीय योजना में बागवानी में मुख्य ध्यान नए निर्माण वाले क्षेत्रों में भूमिर्माण करना और इमारतों के पास औषधीय पौधों से सजी हरे भरे बगीचों से सजावटी के साथ उद्यान बनाने पर केन्द्रित होगा जो परिसर के छात्रों और निवासियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बनाए रखते हैं। पानी और व्यय दोनों को बचाने के लिए परिसर में जल सिंचाई प्रणाली स्थापित की जाएगी। बागवानी अनुभाग केवल जैविक उर्वरक उपयोग करने के बारे में सख्त है।

पौधारोपण पहल: आईआईटी भुवनेश्वर का मानना है कि राल्फ वाल्डो इमर्सन कहते हैं, "हजार वनों का निर्माण एक शंकु में है। बलूत का फल समृद्धि, युवावस्था, शक्ति और आध्यात्मिक विकास का प्रतीक है, इसका मतलब है कि एक पेड़ लगाने का एक छोटा सा प्रयास लंबे समय तक चल सकता है। प्रकृति और धरती माता की रक्षा करने का तरीका जिससे आप सभी सहमत होंगे, यह हमारे समय की ज्वलंत आवश्यकता है।

आईआईटी भुवनेश्वर हरित पट्टी को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक प्रतिबद्ध है और इसलिए परिसर और आसपास के स्थानों को हरा-भरा बनाने की दिशा में मानवीय कदम उठाता है। आईआईटी भुवनेश्वर ने परिसर में उत्कृष्ट परिदृश्य और हरियाली का निर्माण और रखरखाव किया है। वृक्षारोपण शिविर स्थलों के लिए काम करने और आवासीय स्थान का आनंद लेने के लिए महत्वपूर्ण एक स्वस्थ वातावरण बनाने में भी मदद करता है। पिछले कुछ वर्षों में लगाए गए 40,000 पौधों के अलावा। इस साल अब तक तीन हजार से ज्यादा पौधे रोपे जा चुके हैं। विदेशी और स्वदेशी सदाबहार और पर्णपाती फूल वाले पेड़ और पौधे जैसे बौहिनिया, यूजेनिया, फॉक्सटेल पाम, आदि कुछ ऐसी किस्में थीं जिन्हें विदेशी और प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने के लिए स्वस्थ इको-सिस्टम बनाने के लिए लगाया गया था। फानी से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हर संभव प्रयास किया गया। नए पौधों के रोपण के साथ, पुराने को बहाल किया गया और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अधिकांश पेड़ और पौधे बच गए। हमारे परिसर की चारदीवारी के साथ सागौन वृक्षारोपण से संबंधित विशाल कार्य पूरा किया गया। ये कुछ हाइलाइट्स हैं जो ग्रीन कैम्पस को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

साइकिल अनुकूल परिसर पहल- भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर ने छात्रों द्वारा पॉवर वाहन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया और छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और समुदाय के स्वास्थ्य लाभों पर विचार करके और पर्यावरण जोखिम कारकों को नियंत्रित करने के लिए “साइकिल संस्कृति” को शामिल किया। संस्थान ने विद्यापीठों और छात्रावासों के बीच एक साइकिल की सवारी को प्रोत्साहित करने हेतु प्रत्येक भवन में साइकिल पार्किंग बनाने एवं सुविधाजनक पेड़ सहित साइकिल पथ प्रदान करके “साइकिल अनुकूल परिसर” बनाने के लिए आधारभूत संरचना विकास योजना शुरू किया है।

ऊर्जा-संचयन पहल: भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर ने कार्बन फुटप्रिंट और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए मौजूदा भवन की छत पर 049 मेगावाट क्षमता के साथ एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित और चालू किया। मई 2019 में अत्यंत भीषण चक्रवात फानी के दौरान यह सुविधा नष्ट हो गई। आईआईटी मेसर्स एजेंसी के साथ मिलकर काम कर रहा है। एस.आर. खराब कारीगरी के कारण नुकसान के रूप में अपनी लागत पर पुनर्स्थापन के लिए कॉरपोरेट्स और 185 KMPH से कम हवा की गति में

टिके नहीं रहे, जबकि उन्हें आईआईटी द्वारा आवश्यक 200 KMPH तक की हवा की गति का सामना करने का वादा किया गया था।

जल संचयन पहल भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर ने छत का वर्षा जल संचयन और सतह वर्षा जल संचयन के बुनियादी ढांचे का निर्माण शुरू किया है और परिसर कोजीरो डीसचार्ज बनाने के लिए एक विशिष्ट अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण यंत्र स्थापित किया है।

ग्रीन बिल्डिंग इमारतें 'GRIHA' (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) 4 और 5 अनुरूप हैं। इमारत निर्माण पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन के रूप में मान्यता प्राप्त फ्लाइंग एस ईटों का उपयोग करके किया जाता है क्योंकि यह इमारत को ठंडा और स्वच्छ वातावरण रखने में मदद करता है।

पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट निपटान: भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर में बायोडिग्रेडेबल और नॉन बायोडिग्रेडेबल श्रेणियों के साथ कूड़ेदान तैनात किए गए हैं।



भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर रैगिंग मुक्त है

संस्थान दृढ़ता से रैगिंग विरोधी नीति का पालन करता है और इसे सच्चे कार्य भावना के माध्यम से लागू करता है। संस्थान में यह प्रणाली सही रूप से लागू हो, यह सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से निगरानी सहित, समय-समय पर कार्यवाही करता है। इसके अलावा प्रशासन संबंधित संकाय और कर्मचारियों को नए शामिल होने वाले फ्रेशर्स के साथ-साथ वरिष्ठ छात्रों को संस्थान की नीति के बारे में मूल्यांकन करने और उनके साथ बातचीत वाली प्रथाओं और व्यक्तित्व निर्माण के प्रति भाईचारे का विकास के बारे में परामर्श देने के लिए कई बैठकों का आयोजन करता है।

संकायध्यक्ष (छात्र कार्य) सभी गतिविधियों पर वार्डन एवं संकाय सदस्य के सहायता से इसे रैगिंग मुक्त बनाने के लिए बारीकी से निगरानी करते हैं। नवागंतुकों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए संकाय सदस्य नियमित रूप से हॉस्टल में जाते हैं और नवागंतुक एवं वरिष्ठ छात्र के बीच आपसी बातचीत सुनिश्चित करते हैं और शुरुआती कुछ महीनों के दौरान छात्रावास में रातें बिताते हैं

शैक्षणिक



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर भारत के विशिष्ट प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है जो उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से ज्ञान और नवाचार के निरंतर निर्माण से प्रेरित है। संस्थान का उद्देश्य उद्योग के साथ उत्पादक साझेदारी के माध्यम से छात्रों के बीच रचनात्मकता और संज्ञानात्मक सोच को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए गतिशील और लचीले पाठ्यक्रम को विकसित करना और आगे बढ़ाना है। पर्याप्त सक्षम टेक्नोक्रेट और वैज्ञानिक प्रदान करने के लिए बदलते परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर ने बी.टेक और दोहरी डिग्री में छात्रों की संख्या को 419 से बढ़ाकर 475 कर दिया है, जिसमें महिला छात्रों के लिए अतिरिक्त सीटें भी शामिल हैं; एमएससी में छात्रों की संख्या 100 से 125 तक इंडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए @ 10% आरक्षण के कार्यान्वयन के साथ, एम टेक में 246 के अलावा छात्रों की वर्तमान संख्या 2486 छात्रों (बी.टेक। - 1174, दोहरी डिग्री-417 एमटेक - 388, एमएससी - 178, पीएच.डी-329)। संस्थान में 143 पूर्णकालिक संकाय सदस्य, 25 अधिकारी (22 नियमित आधार पर और 3 अनुबंध पर) और अन्य सहायक कर्मचारी हैं। यह संस्थान अपने 7 स्कूलों में 6 बी.टेक 9 संख्या दोहरी डिग्री कार्यक्रम, 5 एमएससी, 14 एम टेक कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए पीएचडी, एम टेक, एमएससी, बीटेक

और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश क्रमशः 24, 24-25 अगस्त और 15 नवंबर, 2020 को हुआ।

कोविड 19 कई तरह से आईआईटी भुवनेश्वर को बहुत गंभीरता से प्रभावित कर सकता था। मार्च 2020 में पहले चरण के लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही संस्थान में बहुत से नवीन, सक्रिय और अग्रिम कार्रवाई की गई है। समय पर निम्नलिखित कार्रवाइयों के कारण संभावित नकारात्मक प्रभावों को बहुत प्रभावी ढंग से और सफलतापूर्वक टाला या हाशिए पर रखा जा सकता है।

जीरो-गैप के साथ ऑनलाइन शिक्षा पर स्विच करना

गुणवत्ता, पाठ्यक्रम सामग्री और शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ समझौता किए बिना शिक्षण और सीखने को ऑनलाइन मोड में अत्यधिक प्राथमिकता के साथ लिया गया था। पूर्व-योजना और अच्छी तरह से कार्रवाई करने के कारण संस्थान बिना किसी अंतराल के ऑनलाइन शिक्षा पर स्विच कर सकता है।

लॉकडाउन अवधि से पहले संस्थान ने छात्रों को लॉकडाउन अवधि के दौरान परिसर में रहने या घर जाने का विकल्प दिया। 400 से अधिक छात्र छात्रावासों में वापस रहे, नियमित स्वास्थ्य जांच और परामर्श के माध्यम से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया। संस्थान अपने शिविरों को कोविड-19 से बचा सकता था और कोविड-मुक्त था, केवल डेढ़ महीने की एक संक्षिप्त अवधि को छोड़कर, परिसर के बीच लेब कक्षाओं के टेबल पर किए गए प्रयोगों के लाइव वीडियो स्टीमिंग के माध्यम से आयोजित किया गया था जो अद्वितीय है। शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से समय पर कक्षाएं चलाई जा सकती हैं।

ऑनलाइन द्वारा पेन और पेपर परीक्षा आयोजित करना और मूल्यांकन पर कोई समझौता नहीं करना

पिछले सत्र में (वसंत 2019-20) वास्तविक समय ऑनलाइन निरीक्षण के साथ व्यापक और विस्तृत ऑनलाइन परीक्षा (पेन और पेपर) आयोजित

करने की एक अनूठी विधि को घर में विकसित किया गया है और सभी छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए इसे सफलतापूर्वक अपनाया गया है। ऐसा करने वाले 23 आईआईटी में शायद यह इकलौता आईआईटी है। निवर्तमान छात्रों को परीक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना समय पर स्नातक किया गया। यह प्रथा एक दिनचर्या बन गई है, जो 2020-21 की शरद ऋतु और 2020-21 के वसंत में लागू होती है। इन अनूठी उपलब्धियों के साथ संस्थान को फिक्की हायर एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2021 में अस्तित्व श्रेणी के 11-30 वें वर्ष में प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। संस्थान देश में एक रोल मॉडल के रूप में काम करेगा और आने वाले समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा।





Students appearing in Online Examination from personal Area

संस्थान ने अपने शिक्षाविदों को असम्बद्ध मानक में चलाया और 1 वर्ष के बी.टेक और दोहरी डिग्री को छोड़कर मई 2021 को अपने सभी छात्रों के लिए 2020-21 की अपनी वसंत के समाप्ति सत्र की परीक्षा पूरी की, जिसमें देर से प्रवेश तथा सभी आईआईटी में सेमेस्टर की देर से शुरुआत के कारण डेढ़ महीने का समय लगेगा।

नए छात्रों के लिए प्रवेश, कायाकल्प और अभिविन्यास (आर एंड ओ) कार्यक्रम

संस्थान ने ऑनलाइन मोड में शरद सत्र पीएचडी प्रवेश चयन (लिखित परीक्षा और साक्षात्कार) आयोजित किया। पीएचडी एमटेक और एमएससी नवआगन्तुक और नियमित यूजी, डुअल-डिग्री, पीजी और रिसर्च स्कॉलर

के लिए प्रवेश ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे। उनकी शिक्षा ऑनलाइन शुरू हुई, जिससे उन्हें महामारी के दौरान एक चुनौती के रूप में अपने शिक्षाविदों को पूर्ण मानकों पर चलाने वाले संस्थान से अपनेपन की भावना मिली। महामारी के दौरान छात्रों की नैतिकता को ऊंचा रखने के लिए, संस्थान ने तीन बार फ्रेशर्स और निरंतर छात्रों के साथ संस्थान प्रमुखों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। छात्रों को सत्रों में भाग लेने, अपनी समस्याओं को साझा करने और समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इन सत्रों से छात्रों को काफी फायदा हुआ है।



नए प्रवेशकों (बी.टेक/डुवेल डिग्री/पीएच डी/एमटेक/एमएससी) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आभासी मोड पर आयोजित किया गया था स्कूलों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए इंटरैक्टिव टू इंटरैक्टिव पर वार्ता की एक श्रृंखला का आयोजन किया जिसमें छात्रों को व्यापक अनुशासन ज्ञान देने के लिए स्कूल के विशेषज्ञों द्वारा इंजीनियरिंग विभिन्न विषयों का अवलोकन प्रस्तुत की गई थी। संस्थान ने छात्रों के कैम्पस में आने के बाद आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के कार्यक्रमों का आयोजन कर उनका कायाकल्प करने की योजना बनाई है। यह कार्यक्रम पिछले साल पूरे सेमेस्टर के लिए फ्रेशर्स के लिए आयोजित किया गया था। छात्र गतिविधि क्लब और परामर्श प्रकोष्ठ नए लोगों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करते हैं, जिसमें उन्हें संस्थान व्यायामशाला की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया जाता है, ओडिशा के आसपास के ऐतिहासिक और स्मारकीय महत्व के स्थानों का दौरा कराता है ताकि उन्हें अतीत में इलाके, संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूक किया जा सके।

9वां दीक्षांत समारोह एक अद्वितीय हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया:

आईआईटी भुवनेश्वर ने अपना 9वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, एक बहुत ही अनोखे हाइब्रिड मोड में लाइव कुछ डिग्री प्राप्तकर्ताओं की व्यक्तिगत रूप से भागीदारी के साथ और बाकी ऑनलाइन मोड में। दीक्षांत समारोह आयोजित करने का यह तरीका कई अन्य सहयोगी संस्थानों द्वारा अपनाए गए तरीकों की तुलना में अपनी तरह का पहला अनूठा तरीका था।

9वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 4 दिसंबर 2020 को सामुदायिक केंद्र, अर्गुल कैम्पस, आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक', मुख्य अतिथि के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित हुए और दीक्षांत भाषण दिया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय धोत्रे, ने ऑनलाइन अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के चेयरमैन, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. रत्नम वी. राज कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर कुल 446 स्नातक (200 बी.टेक, 141 एम टेक. 70 एमएससी, और 35 पीएचडी) को डिग्री प्रदान की गई।

बी.टेक से श्री आदित्य पाल। (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) को सभी बी.टेक क्षेत्रों में टॉप करने के लिए भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। शाखाएं, एम.टेक के श्री संकेत डे चौधरी (पर्यावरण इंजीनियरिंग) को सभी एम.टेक में टॉप करने के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम और एमएससी के श्री सौविक चक्रवर्ती (भौतिकी) को सभी एमएससी में टॉप करने के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कई अन्य भोजन और धर्मादा पुरस्कार भी वितरित किए गए।



2020-21 की शैक्षणिक जानकारी

प्रस्तुत कार्यक्रम

4 वर्षीय बीटेक कार्यक्रम	सिविल अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
5 साल की दोहरी डिग्री (बीटेक + एमटेक)	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प में एम टेक, यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + विनिर्माण अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + संरचनात्मक अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक + परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक, पर्यावरण अभियांत्रिकी में बीटेक; कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बीटेक+कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, विद्युत अभियांत्रिकी में बीटेक+पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स में एमटेक, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में बी टेक + एमटेक में पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक
एम टेक कार्यक्रम	जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी, संरचनात्मक अभियांत्रिकी, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प, तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, पावर सिस्टम अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
संयुक्त एमएससी-पीएचडी कार्यक्रम	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित विज्ञान, भूविज्ञान, वातावरण और महासागर विज्ञान
पीएचडी कार्यक्रम	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ, मानविकी, सामाजिक और प्रबंधन विज्ञान विद्यापीठ, आधारीक संरचना विद्यापीठ, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ, खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

वर्षवार स्वीकृत (अनुमोदित) दाखिला

शैक्षणिक कार्यक्रम	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18
बीटेक और दोहरी डिग्री	437	389	350	350
एमटेक	246	246	173	154
संयुक्त एम एस सी - पीएचडी	125	100	100	100
पीएचडी			449	

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में छात्रों की वर्षवार भर्ती संख्या

साल	बी टेक और दोहरी डिग्री	एमटेक	एम एससी	पी एचडी.	कुल
2010-11	126			25	151
2011-12	112			21	133
2012-13	113	42		50	205
2013-14	148	50	57	44	299
2014-15	164	71	71	48	354
2015-16	162	74	76	58	370
2016-17	249	106	73	61	489
2017-18	338	125	70	51	584
2018-19	354 *	156	75	90	675
2019-20	407 *	192	82	63	744
2020-21	442 *	221	96	117	876

** अधिसंख्य महिला छात्र और प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा किये छात्रों सहित

कुल वास्तविक छात्र संख्या (2020-21)

कार्यक्रम	पुरुष छात्रों की संख्या	महिला छात्रों की संख्या	कुल छात्रों की संख्या	राज्य के भीतर	राज्य के बाहर	सामाजिक रूप से पिछड़े (अनु. जाति, अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग)
बीटेक और दोहरी डिग्री	1337	254	1591	60	1531	814
एमटेक	324	64	388	80	308	178
एम.एससी	128	50	178	31	147	93
पीएचडी	255	74	329	135	194	127

कोर्स के हिसाब से छात्र संख्या

बीटेक और दोहरी डिग्री

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या		2020-21 में छात्रों की कुल संख्या		2019-20 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1.	बीटेक (सिविल अभियांत्रिकी)	62	48	13	169	31	32	0
2.	बीटेक (विद्युत अभियांत्रिकी)	62	55	13	199	40	34	3
3.	बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एंड अभियांत्रिकी)	63	51	14	205	40	40	1
4.	बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी)	50	41	10	159	29	34	7
5.	बीटेक (यांत्रिक अभियांत्रिकी)	62	51	14	179	35	35	0
6.	बीटेक (धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी)	25	19	6	76	12	13	1

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या		2020-21 में छात्रों की कुल संख्या		2019-20 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
7.	दोहरी डिग्री (यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प में एम टेक)	12	11	3	56	9		
8.	दोहरी डिग्री (यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम टेक)	13	10	2	51	6		
9.	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + विनिर्माण अभियांत्रिकी में एम टेक)	13	12	2	40	7		
10.	दोहरी डिग्री (सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + संरचनात्मक अभियांत्रिकी में एम टेक)	13	8	3	42	10		
11.	दोहरी डिग्री (सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + परिवहन अभियांत्रिकी में एम टेक)	13	8	3	35	7		
12.	सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + पर्यावरण अभियांत्रिकी में एम टेक)	13	8	3	27	7		
13.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी टेक + कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक,	12	10	2	39	8		
14.	विद्युत अभियांत्रिकी में बी टेक + पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव में एम टेक	12	10	2	35	8		
15.	धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी में बी टेक + पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी में एमटेक	12	8	2	25	5		
	कुल	437	350	92	1337	254	188	12

एमटेक

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या		2020-21 में छात्रों की कुल संख्या		2019-20 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1.	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	20	12	2	20	11	13	0
2.	पावर सिस्टम अभियांत्रिकी	20	13	4	27	8	10	3
3.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स ड्राइव	20	13	5	27	7		
4.	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	20	18	1	27	5	9	7
5.	यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प	20	20	0	35	2	18	1
6.	तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी	20	17	0	33	1	15	1
7.	विनिर्माण अभियानत्रिकी	20	16	2	31	2		
8.	संरचनात्मक अभियांत्रिकी	14	13	2	20	3	7	3
9.	परिवहन अभियांत्रिकी	13	11	1	18	1	3	1
10.	पर्यावरण अभियांत्रिकी	13	12	1	16	2	6	3
11.	जल संसाधन अभियांत्रिकी	13	8	3	13	5	2	6
12.	भूतकनीकी अभियांत्रिकी	13	7	5	12	7		
13.	जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी	20	13	3	26	4	13	2
14.	धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी	20	12	2	20	11	13	0
	कुल	246	187	34	324	64	110	31

एम.एससी.

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या		2020-21 में छात्रों की कुल संख्या		2019-20 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1.	रसायन विज्ञान	26	16	6	29	13	7	7
2.	भौतिक विज्ञान	26	15	7	28	14	11	2
3.	भौतिक विज्ञान	24	15	4	31	9	12	4
4.	भूविज्ञान	25	15	8	29	9	13	5
5.	वातावरण और महासागर विज्ञान	24	8	2	11	5	9	0
	कुल	125	69	27	128	50	52	18

पीएचडी

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या		2020-21 में छात्रों की कुल संख्या		2019-20 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1.	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	449	22	19	68	30	10	2
2.	पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ		8	3	27	6	3	0
3.	विद्युत विज्ञान विद्यापीठ		15	3	50	12	7	0
4.	मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ		4	2	9	10		
5.	आधारिक संरचना विद्यापीठ		12	6	34	10	5	1
6.	यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ		10	0	39	1	4	0
7.	खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ		11	2	28	5	2	1
	कुल	449	82	35	255	74	31	4

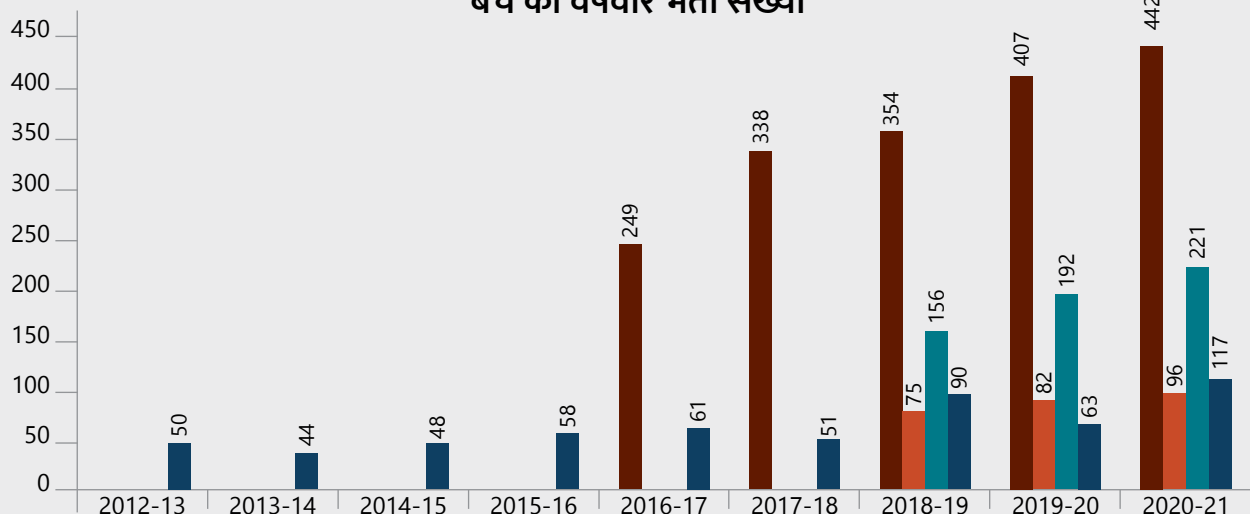
शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए प्रत्येक छात्र का कुल शुल्क (प्रति सेमिस्टर)

पाठ्यक्रम	सामान्य	ओबीसी-एनसीएल	एससी/एसटी/पीडब्लूडी	प्रायोजित
बीटेक	₹1,48,759.00	₹1,48,759.00	₹48,759.00	लागू नहीं
एमटेक	₹53,759.00	₹53,759.00	₹48,759.00	₹73,259.00
एमएससी	₹48,759.00	₹48,759.00	₹48,759.00	लागू नहीं
पीएचडी	₹51,259.00	₹51,259.00	₹48,759.00	₹50,759.00

2020-21 तक विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का सचित्र प्रदर्शन

(रिकॉर्ड पर आधारित प्रवेश)

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम में छात्रों के मौजूदा बैच की वर्षवार भर्ती संख्या



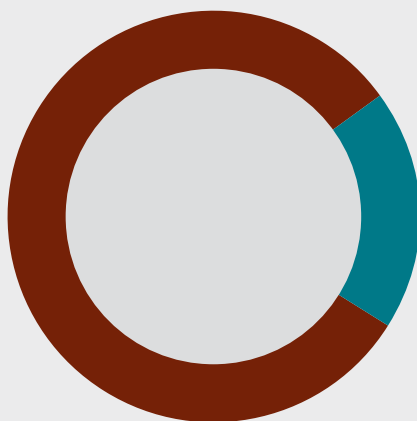
	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
■ बीटेक					249	338	354	407	442
■ एम.एससी							75	82	96
■ एमटेक							156	192	221
■ पीएचडी	50	44	48	58	61	51	90	63	117

■ बीटेक ■ एम.एससी ■ एमटेक ■ पीएचडी

लिंगवार छात्र शक्ति

पुरुष
2276

81%

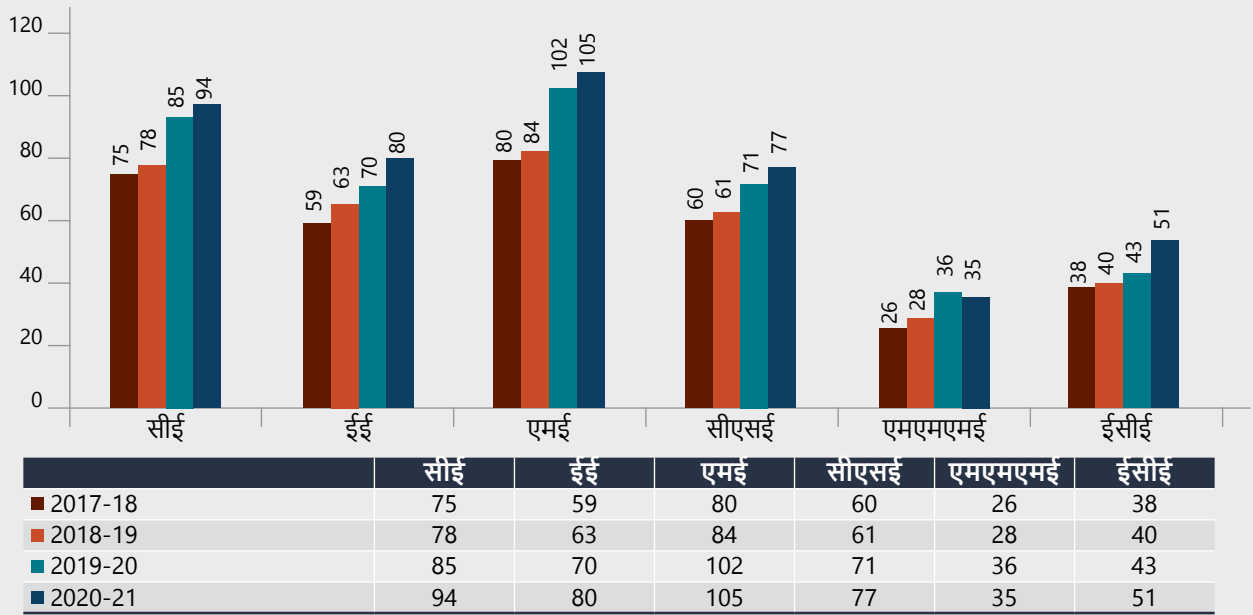


11%

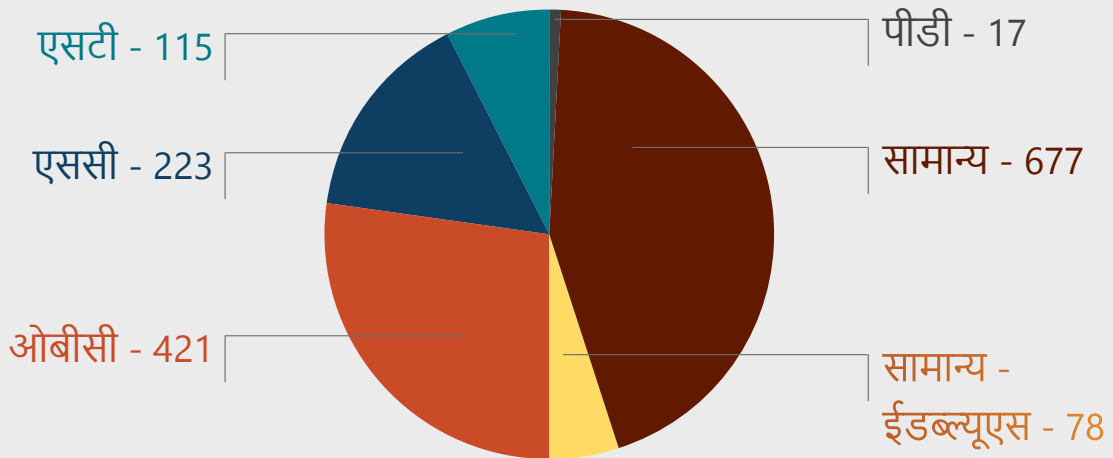
महिला
517

बी.टेक. एवं डुवेल डिग्री कार्यक्रम

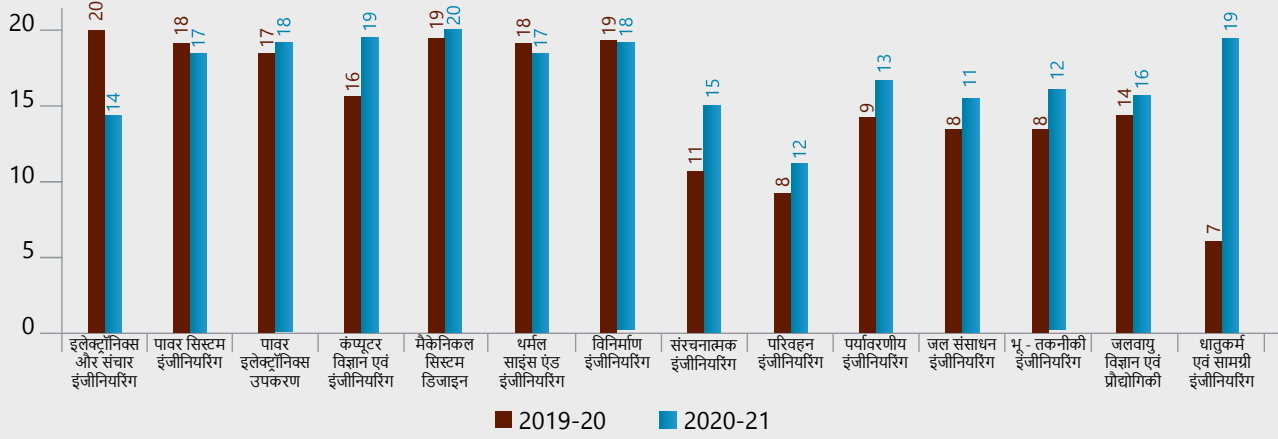
बी.टेक. एवं डुवेल डिग्री कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले छात्र (वर्ष वार)



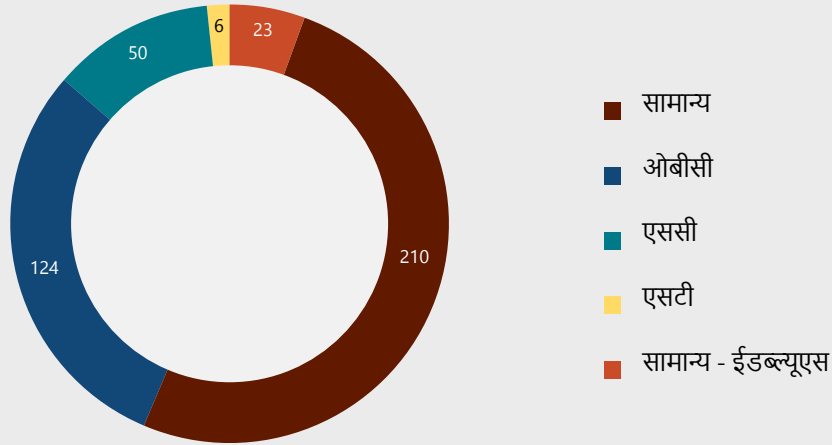
छात्रों का श्रेणीवार प्रवेश



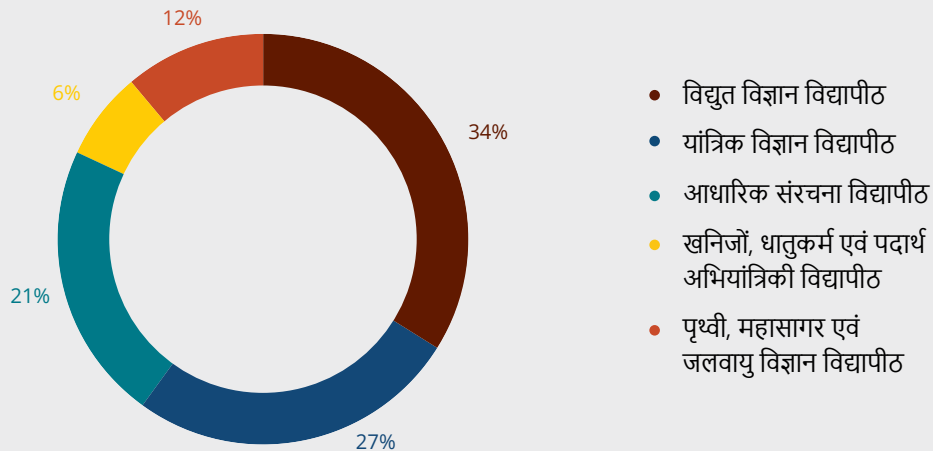
प्रवेश स्थिति (विभिन्न विषयों में)



विभिन्न श्रेणियों में छात्रों का वितरण

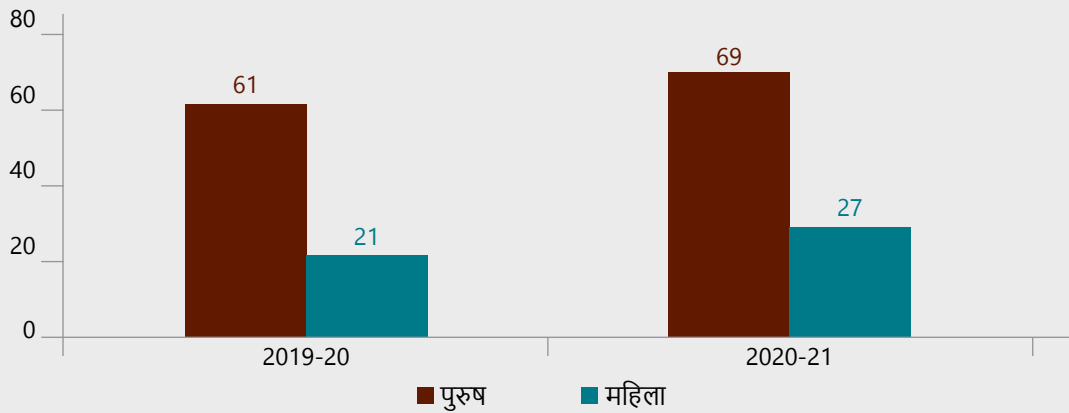


छात्रों का विद्यापीठ वार प्रतिनिधित्व

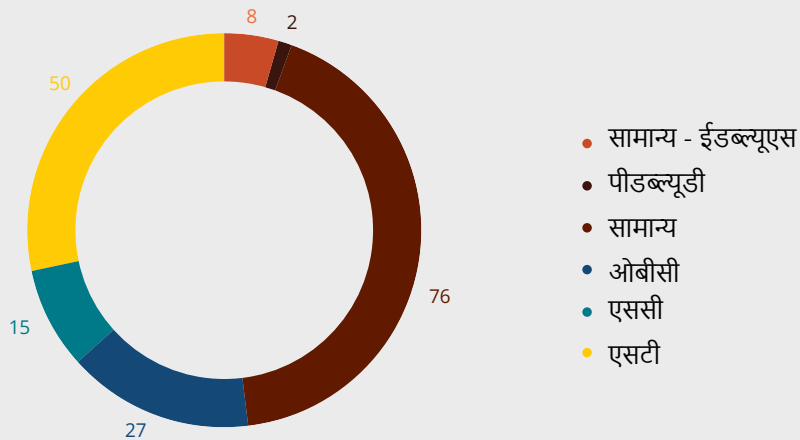


संयुक्त एम.एससी. - पीएच.डी. कार्यक्रम

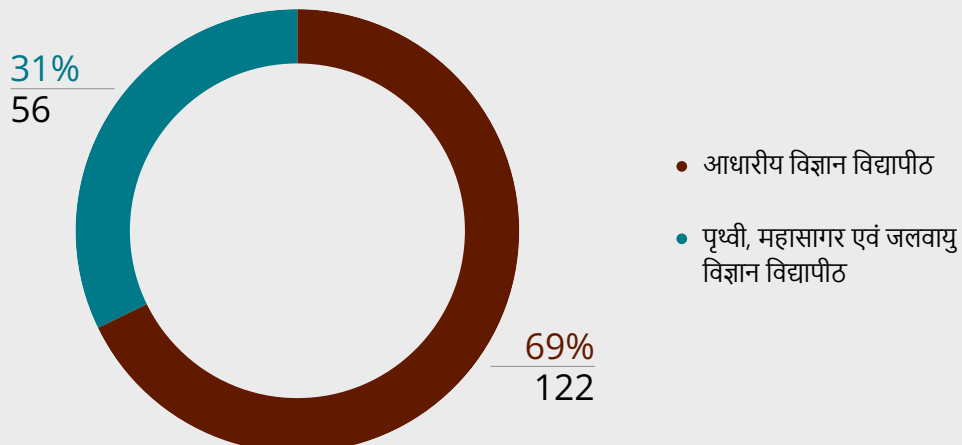
लिंगवार सांख्यिकी

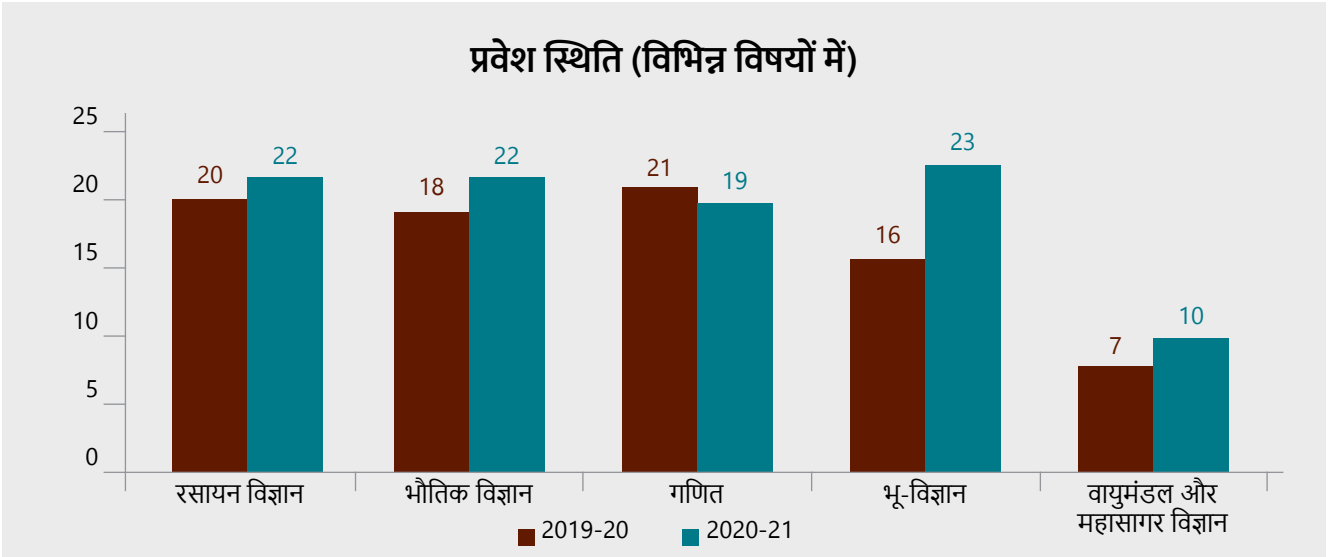


विभिन्न श्रेणियों में छात्रों का वितरण

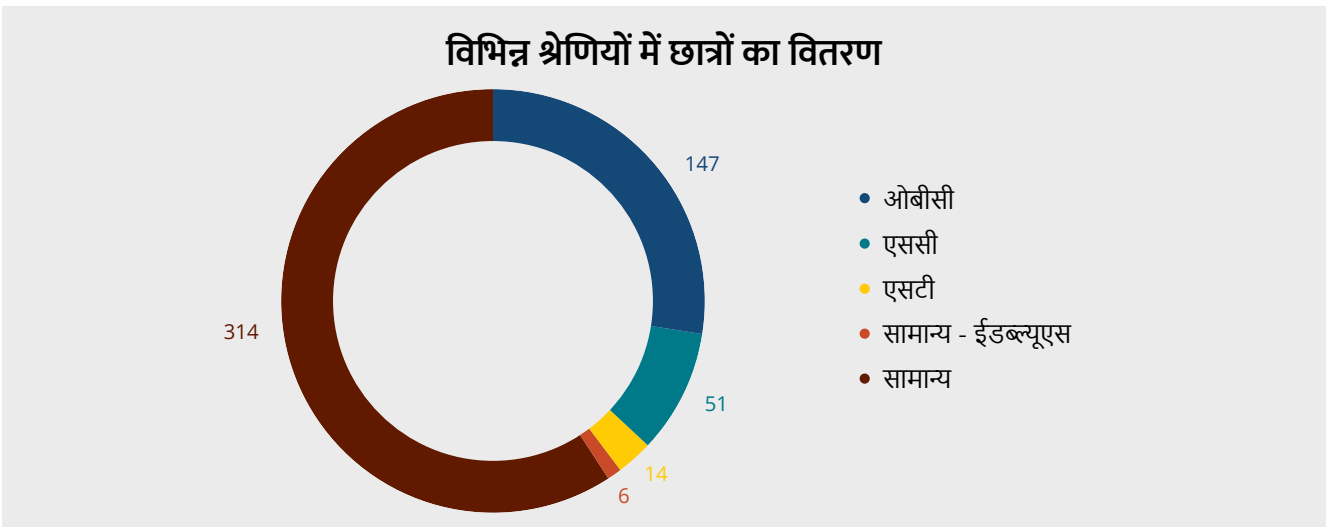
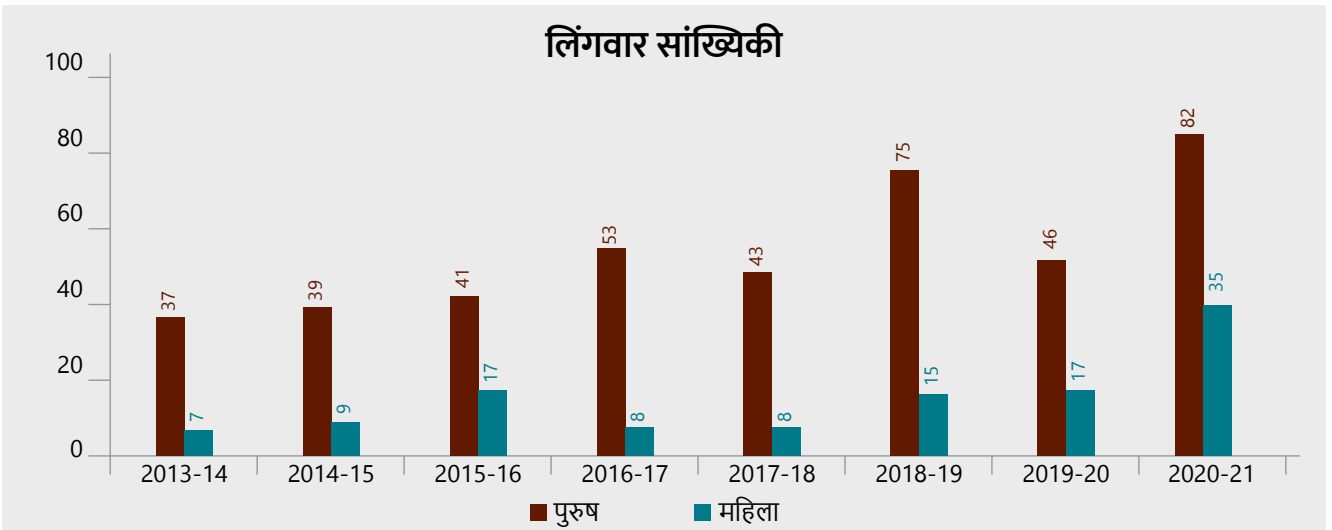


छात्रों का विद्यापीठ वार प्रतिनिधित्व

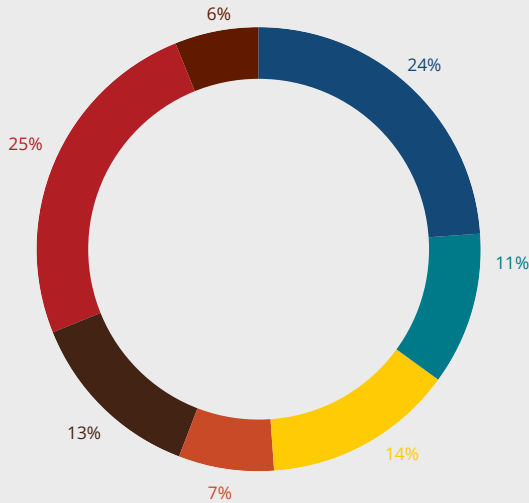




पीएच.डी. कार्यक्रम



पीएचडी शोध छात्रों का प्रतिनिधित्व विद्यापीठ वार



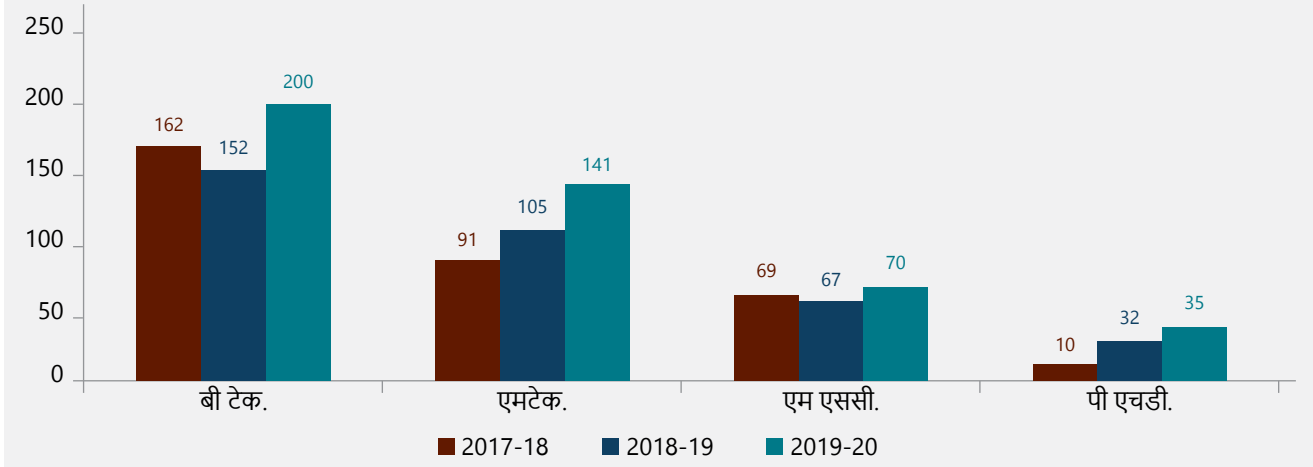
- विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
- यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ
- आधारिक संरचना विद्यापीठ
- खनिजों, धातुकर्म एवं पदार्थ विज्ञान विद्यापीठ
- पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
- आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंधन विद्यापीठ

ग्रेजुएशन डेटा (पिछले तीन साल)

विषयों	पी एचडी.	एमटेक.	एम एससी.	बी टेक.
ग्रेजुएशन डेटा 2017-18				
सिविल अभियांत्रिकी		1		34
कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी				43
विद्युत अभियांत्रिकी				38
यांत्रिक अभियांत्रिकी				38
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी		14		
पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी		11		9
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी		6		
यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प		14		
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी		16		
पावर सिस्टम्स अभियांत्रिकी		14		
आधारिक संरचना अभियांत्रिकी		8		
परिवहन अभियांत्रिकी		7		
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	3			
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	2			
आधारिक संरचना विद्यापीठ	1			
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	2			
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ	2			
वातावरण और महासागर विज्ञान			4	
रसायन विज्ञान			16	
भूविज्ञान			15	
गणित विज्ञान			18	
भौतिकी विज्ञान			16	
कुल	10	91	69	162
ग्रेजुएशन डेटा 2018-19				
सिविल अभियांत्रिकी				32
कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी				44
विद्युत अभियांत्रिकी				35
यांत्रिक अभियांत्रिकी				31

विषयों	पी एचडी.	एमटेक.	एम एससी.	बी टेक.
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी		14		
पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी				10
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी		07		
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी		15		
यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प		13		
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी		16		
पावर सिस्टम अभियांत्रिकी		11		
आधारिक संरचना अभियांत्रिकी		08		
परिवहन अभियांत्रिकी		09		
पर्यावरण अभियांत्रिकी		05		
जल स्रोत अभियांत्रिकी		07		
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	13			
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	08			
आधारिक संरचना विद्यापीठ	04			
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	03			
मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंधन विद्यापीठ	02			
पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ	02			
वायुमंडल और महासागर विज्ञान				
रसायन विज्ञान			17	
भूविज्ञान			12	
गणित विज्ञान			21	
भौतिकी विज्ञान			17	
	कुल	32	105	67
ग्रेजुएशन डेटा 2019-20				
सिविल अभियांत्रिकी				32
कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी		16		41
विद्युत अभियांत्रिकी				37
यांत्रिक अभियांत्रिकी				35
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी		13		41
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी		18		14
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी		15		
यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प		19		
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी		16		
पावर सिस्टम अभियांत्रिकी		13		
आधारिक संरचना अभियांत्रिकी		10		
परिवहन अभियांत्रिकी		4		
पर्यावरण अभियांत्रिकी		9		
जल स्रोत अभियांत्रिकी		8		
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	12			
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	7			
आधारिक संरचना विद्यापीठ	6			
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	4			
मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंधन विद्यापीठ				
पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ	3			
खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ	3			
वायुमंडल और महासागर विज्ञान			9	
रसायन विज्ञान			14	
भूविज्ञान			18	
गणित विज्ञान			16	
भौतिकी विज्ञान			13	
	कुल	35	141	200

पिछले तीन वर्षों में स्नातक हुए छात्रों का चित्रमय प्रतिनिधित्व



छात्रवृत्ति:

बी.टेक और डुवेल डिग्री और संयुक्त एम.एससी-पी.एचडी

कार्यक्रम	छात्रवृत्ति का नाम	2020 (बैच)	2019 (बैच)	2018 (बैच)	2017 (बैच)	2016 (बैच)
बी.टेक और दोहरी डिग्री	एमसीएम छात्रवृत्ति 2020-21	70	45	37	65	--
	मुफ्त छात्रवृत्ति 2020-21	--	--	6	1	--
	वित्तीय सहायता 2020-21	--	7	1	5	2
संयुक्त एम.एससी-पी.एचडी	इन्सपायर और अन्य छात्रवृत्ति	4	11	--	--	--

सम्मेलन में भागीदारी, पुरस्कार और पदक

कार्यक्रम	पुरस्कार और पदक	राष्ट्रीय सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
बी.टेक	6	--	--
एम.टेक.	7	--	--
संयुक्त एम.एससी-पी.एचडी	5	--	--
पी.एचडी	35	6	4

2020-21 में विशेष कार्यक्रम

कार्यक्रम	दिनांक
वरिष्ठ सभा बैठकें	17.04.2020
	02.06.2020
	30.06.2020
	10.07.2020
	11.08.2020
	05.01.2021
9वाँ दीक्षांत समारोह	04.12.2020
13वाँ स्थापना दिवस	12.02.2021
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28.02.2021

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (SBS)



विद्यापीठ के बारे में

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ एक अनूठा विद्यापीठ है जिसमें भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और जैव विज्ञान के क्षेत्रों में अंतःविषय अनुसंधान पर जोर दिया जाता है।

वर्तमान में आधारीय विज्ञान विद्यापीठ इस प्रकार कार्यक्रम प्रदान करता है:

- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित में संयुक्त एमएससी-पीएचडी कार्यक्रम
- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और जैव विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम
- पोस्ट-डॉक्टोरल कार्यक्रम

विद्यापीठ को अपने दो उत्कृष्टता केंद्र पर गर्व है, जिसका नाम है- एमओई सेंटर ऑफ़ एक्सिलेंस फॉर नोवल एनर्जी मैटेरियल (सीनेमा) और एस के दास सेंटर ऑफ़ एक्सिलेंस ऑफ़ बायोसाइंस और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी (एसकेबीईटी)

सांख्यिकी

- संकाय की संख्या: 41
- प्रकाशनों की संख्या (2020): 196
- मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट्स से युक्त अध्ययन कक्ष की संख्या: 6
- 2020-21 की अविरत प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: 43

प्रमुख शिक्षण क्षेत्र

यह विद्यापीठ भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर में चल रहे अंडरग्रेजुएट (बी.टेक) कार्यक्रम में मूल विज्ञान पाठ्यक्रमों (जीव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और गणित) को समर्थन प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह विद्यापीठ रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और गणित विषयों में (संयुक्त एम. एससी.-पीएचडी कार्यक्रमों) पूर्ण रूप से एम. एससी. प्रदान करता है। प्रत्येक एम. एससी. कार्यक्रमों में प्रवेश क्षमता 20 है।

प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

विद्यापीठ विभिन्न अंतःविषय अनुसंधान का लाभ उठाता है। हालांकि, प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों को व्यापक रूप से जीव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित और भौतिक विज्ञान के विषयों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

जीव-रसायन विज्ञान

प्रोटीन रसायन विज्ञान और स्पेक्ट्रोस्कोपी विभिन्न रोगों से संबंधित विभिन्न छोटे हीट शॉक प्रोटीन की संरचना-कार्य का विलिनीकरण (मोतियाबिंद, कुष्ठ रोग और तपेदिक); एएए+एटीपास, कैसर बायोमार्क्स।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान अनुसंधान में तीन व्यापक अनुसंधान क्षेत्र हैं - अजैविक, जैविक एवं भौतिक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान

अजैविक रसायन विज्ञान: बायोमेडिसिनल रसायन: चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग के लिए टी 1, टी 2 और पैरासीइएसटी आधारित कंट्रास्ट एजेंट; पत्तूरोजेनिक और क्रोमोजेनिक केमोसेंसोर: संवेदन वाले पिंजरे, आयन और कुछ खतरनाक और विस्फोटक अणु / आयन्स।

समन्वय रसायन विज्ञान: [nXn] ग्रिड कॉम्प्लेक्स और 3डी-4एफ धातु कॉम्प्लेक्स और उनके मैग्नेटोकेमिस्ट्री और उत्सर्जन गुणों का संश्लेषण; समन्वय कॉम्प्लेक्स का जैव-वैज्ञानिक दृष्टिकोण: धातु आयनों के असामान्य रूप से उच्च ऑक्सीकरण अवस्था का स्थिरीकरण; आयनिक तरल पदार्थ और उनके आवेदन; होमो और हेटरोमेटेलिक कॉम्प्लेक्स के संश्लेषण और समन्वय के पहलू; धातु आधारित एंटी कैसर/इमेजिंग एजेंट; कार्यात्मक सामग्री और ल्युमिसेंट सामग्री; नैनोपार्टिकल आधारित सेंसर; धातु-कार्बनिक और सहसंयोजक खुला फ्रेम (एमओएफ और सीओएफ) यौगिक; फंक्शनल ऑर्गनोमेटेक्स का डिजाइन, फ़ाइन केमिकल्स के लिए मल्टीमेटेलिक कैटलिसिस, C1- प्लेटफ़ॉर्म केमिकल्स का नोवल एक्टिवेशन, C- H, C-O, C-N, C- एक्स ऑर्गेनोमेटेलिक टेम्प्लेट, ग्रीन केमिस्ट्री पर एक्टिवेशन: ऑन-वॉटर कैटलिसिस, नैनोपार्टिकल कैटलिसिस।

जैविक रसायन: हेटेरोसायकल रसायन, चियरल पूल एप्रोच का उपयोग करके असममित संश्लेषण; इन्टैन्टियोसैलेक्टिव कटैलिसीस और नई प्रतिक्रिया के तरीके; जैविक गुणों के साथ नई आणविक संस्थाएं; डिपोलर साइक्लोडिशन; सी-एच फंक्टीलाइजेशन, पेरीसाइक्लिक प्रतिक्रियाएँ, मेटाथेसिस, यूम्पोलंग रसायन, रेडिकल रसायन विज्ञान, समुद्री क्षारीय संश्लेषण, टेरेपेनोइड्स और पॉलीकेटाइड आधारित प्राकृतिक उत्पादों में अप्लिकेशन के लिए पारंपरिक और नए कार्यात्मक समूह परिवर्तन; कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान, नावल सिंथेटिक तरीका विकास, जैव सक्रिय प्राकृतिक और अप्राकृतिक उत्पाद संश्लेषण; सुपर मोल्युकुलर रसायन विज्ञान, आणविक मान्यता, पॉलिमर रसायन: चिरल पॉलिमर का संश्लेषण और चिरल प्रेरण में उनके अनुप्रयोग; अचिरल और चिरल रेजिन का संश्लेषण और संश्लेषण में उनके अनुप्रयोग; पीआईएल धातु नैनोकणों और उनके अनुप्रयोगों इस्थिरीकरण; पॉलीइलेक्ट्रोलाइट-डीएनए इंटरैक्शन अध्ययन; गैस पृथक्करण झिल्ली के लिए जनहित

याचिका; परमाणु अपशिष्ट उपचार के लिए एमआईपी और रेजिन का संश्लेषण; (आरएएफटी व्युत्पन्न) आयनिक, पीएच, तापमान और विलायक उत्तरदायी होमो- के संश्लेषण और दवा वितरण के लिए अपने आत्म-संयोजन के लिए कोपोलिमर्स को ब्लॉक करें; डिजाइन, संश्लेषण और पेट्राइड्स की विशेषता; पौधों से व्युत्पन्न प्राकृतिक उत्पादों के एंटीकैंसर और रोगाणुरोधी गतिविधियां।

भौतिक, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान: आणविक मॉडलिंग; आणविक गतिशीलता (एमडी) सिमुलेशन; बाध्य और क्षणिक अवस्था के ऊर्जावान और गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए बहु-विन्यास क्वान्टम यांत्रिक विधियों का विकास और अनुप्रयोग; गैर-एडियाबेटिक ("परे-बोर्न-ओपेनहाइमर") में फोटोकेमिकल प्रतिक्रियाओं की जांच; क्वान्टम मैकेनिकल (क्यूएम) और मिश्रित क्वान्टम मैकेनिकल - आणविक मैकेनिकल (क्यूएम / एमएम) विधियों का उपयोग करके रासायनिक प्रतिक्रियाओं का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग; क्यूएम / एमएम विधियों का उपयोग करके बीटा-लैक्टम आधारित एंटीबायोटिक दवाओं की ओर बैक्टीरिया प्रतिरोध की जांच।

गणित

गणित में अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र का विश्लेषण, एप्लाइड फंक्शनल एनालिसिस, कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स और फ्रैक्टल्स, मैट्रिक्स थ्योरी, ग्राफ थ्योरी, ऑप्टिमाइजेशन थ्योरी, क्यूइंग थ्योरी, एप्लाइड प्रोबेबिलिटी मॉडल, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, न्यूमेरिकल मेथड और सॉफ्ट कंघ्यूटिंग हैं।

भौतिक विज्ञान

प्रयोगात्मक

- पीवीडी, पीएलडी, सीवीडी, एमबीई, और एमओसीवीडी विकास प्रक्रियाओं और विधियों में विशेषज्ञता।
- परिवहन माप और चुंबकीय और इलेक्ट्रॉनिक गुणों सहित अन्य भौतिक संपत्ति मापों में विशेषज्ञता, टनलिंग माइक्रोस्कोपी और स्पेक्ट्रोस्कोपी, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे और आयन स्कैटरिंग, क्रायोजेनिक तापमान माप।
- सेंसर और डिवाइस निर्माण और उनके अनुप्रयोगों पर विशेषज्ञता।
- नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी और क्वान्टम तकनीक, सतह और इंटरफेस भौतिकी के दायरे में निम्न-आयामी प्रणालियों (1 डी और 2 डी सामग्री) के विकास, लक्षण और प्रोटोटाइप अनुप्रयोग।
- ऊर्जा अनुप्रयोगों, सेंसर अनुप्रयोगों, औद्योगिक अनुप्रयोगों और रणनीतिक अनुसंधान के लिए नवीन सामग्री।
- दृढ़ता से सहसंबद्ध इलेक्ट्रॉन प्रणाली, वास्तविक समय कैनेटीक्स का अध्ययन जिसमें अल्ट्राफास्ट डायनामिक्स शामिल हैं।
- ऑप्टिकल फाइबर सेंसर, नैनो- और जैव-फोटोनिक्स, टेराएर्टज़ सेंसिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी, वेवगाइड और इंटरफेरोमीटर, क्वान्टम ऑप्टिक्स के लिए सामग्री।

- त्वरक आयन बीम आधारित अनुसंधान जैसे इंजीनियरिंग नैनोस्ट्रक्चर सामग्री, आयन-पदार्थ इंटरैक्शन प्रक्रिया, स्कैटिंग प्रेरित संश्लेषण और आयन स्कैटिंग, परमाणु और आणविक सतह भौतिकी के साथ लक्षण वर्णन।

थ्योरी / कम्प्यूटेशनल

- कम्प्यूटेशनल भौतिकी और क्वांटम जानकारी पर विशेषज्ञता
- पहले सिद्धांतों आणविक गतिशीलता सिमुलेशन, क्वांटम परिवहन, क्वांटम जीव विज्ञान
- गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी, नैनोमैग्नेटिज्म, क्वांटम अपव्यय और विघटन
- कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी; 2 डी सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुण; कार्यात्मक सामग्री; ऊर्जा भंडारण; क्रोमैटिन तह और डीएनए ट्रांसक्रिप्शन।
- सैद्धांतिक और प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी: क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत, क्वांटम सूचना, स्ट्रिंग सिद्धांत, ब्लैक होल (सिद्धांत) और मानक मॉडल भौतिकी से परे (प्रयोग - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग)

विषयवस्तु क्षेत्र

- क) आकस्मिक घटनाएं और ऊर्जा सामग्री: 2 डी परतें, सौर कोशिकाओं, सुपर कैपेसिटर और ईंधन कोशिकाओं के लिए नैनोस्ट्रक्चर
- ख) डिवाइस भौतिकी: सेंसर, फोटोनिक डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य देखभाल
- ग) कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी
- घ) क्वांटम तकनीक: क्वांटम सूचना (सिद्धांत), क्यूबिट्स (भविष्य), क्वांटम प्रौद्योगिकी पर आधारित उपकरण

भौतिक विज्ञान, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ का ध्यान अनुशासन द्वि-आयामी (2 D) संक्रमण धातु डाइक्जिनोजाइड्स (TMDs) (MX₂ जहां M धातु का केंद्र जैसे Mo, W और X chalcogen, जैसे S, Se, Te) के परिवार पर आधारित सामग्री के संश्लेषण और विस्तृत लक्षण वर्णन (संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक, सामयिक, और सहसंबद्ध क्वांटम राज्यों) पर केंद्रित है। प्रभावी रूप से, अगले पांच वर्षों की योजना पृष्ठभूमि ज्ञान का निर्माण करना है जो क्वांटम कंप्यूटरों की प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकियों पर काम करने के लिए आवश्यक होगा। संक्षेप में, प्रस्ताव 2 डी TMD संरचनाओं, क्वांटम नैनोफोटोनिक्स, और क्वांटम परिवहन और गतिशीलता के सैद्धांतिक पहलुओं के आकस्मिक इलेक्ट्रॉनिक गुणों पर केंद्रित है।

दो आयामी सामग्री एक दशक से अधिक समय से संघनित पदार्थ भौतिकी के मामले में सबसे आगे हैं। ग्रेफ़ीन और hBN में शामिल होना 2 डी TMD का एक परिवार है जो धातु, अर्धचालक, फेरोमैग्नेटिक और सुपरकंडक्टिंग से लेकर टोपोलोजिकल चरणों तक विविध विद्युत गुणों को प्रदर्शित करता है।

TMDs ने वैन डेर वाल्स (वर्टिकल) और लेटरल हेटोस्ट्रक्चर को साकार करके "डिज़ाइन द्वारा सामग्री" के माध्यम से भौतिक संरचना बनाने

के लिए एक एवेन्यू भी खोला है। स्वतंत्रता की कई डिग्री (उदाहरण के लिए व्यक्तिगत TMD परतों के गुण, उनके स्टैकिंग, और vdW HS में परतों के बीच सापेक्ष एजिमयुटल रोटेशन; व्यक्तिगत TMD परतों के गुण और पार्श्व HS में इंटरफ़ेस का प्रकार) हमें डिजाइन द्वारा इन सामग्रियों को संश्लेषित करने में सक्षम करते हैं " जो पारंपरिक सामग्री प्रणाली में मौजूद नहीं है नतीजतन, 2 डी TMD द्वारा गठित जटिल पार्श्व और ऊर्ध्वाधर हेटोस्ट्रक्चर नए उभरते और जटिल घटनाओं का पता लगाने के लिए और भी समृद्ध और बहुमुखी मंच प्रदान करेंगे जो कि उनके प्राचीन समकक्षों में कमजोर या अनुपस्थित हैं। इन सामग्रियों में क्वांटम बिट्स के साथ-साथ अगली पीढ़ी के सौर कोशिकाओं, ट्रांजिस्टर, डायोड, पी-एन फोटोडायोड्स और सीएमओएस डिवाइसों की प्राप्ति में संभावित अनुप्रयोग होंगे। जबकि नई विदेशी भौतिक घटनाएं और उनके तकनीकी महत्व की विभिन्न टीएमडी संरचनाओं में परिकल्पना की गई है, भौतिकी की खोज के लिए व्यापक प्रायोगिक अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर की योजना निम्नलिखित है:

1. **संश्लेषण:** हम पटल आकृति विज्ञान की भविष्यवाणी करने के लिए और विकास की प्रक्रिया का अनुकूलन करने के लिए एक औचित्य ढांचा प्रदान करने के लिए नए गणितीय और कम्प्यूटेशनल मॉडल विकसित करने का प्रस्ताव करते हैं। इस समझ का उपयोग करते हुए, हम विकास प्रतिक्रियाओं के कैनेटीक्स और थर्मोडायनामिक्स की अवधारणाओं का उपयोग करके विभिन्न 2D TMD सामग्रियों को संश्लेषित करने की योजना बनाते हैं। टीएमडी संरचनाओं को महसूस करने के लिए हम मुख्य रूप से रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) तकनीक का उपयोग करेंगे। हम 2D TMDx सामग्री, vdWHS (वर्टिकल) और लेटरल TMDx के टर्नरी को संश्लेषित करने का लक्ष्य रखते हैं। जबकि टर्नरी एलॉयस अपने इलेक्ट्रॉनिक गुणों के अधिक सटीक ट्यूनिंग की अनुमति देता है, पार्श्व और ऊर्ध्वाधर हेटोस्ट्रक्चर उनके इंटरफ़ेस पर आकर्षक और विदेशी 1D इलेक्ट्रॉनिक अवस्था के अधिकारी होंगे।
2. **संरचनात्मक लक्षण वर्णन:** संश्लेषित TMD संरचनाओं का संरचनात्मक लक्षण वर्णन रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (एफएम), स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोपी (एसटीएम) का उपयोग करके बाहर निकाला जाएगा। एफएम और एसटीएम माप का उपयोग TMD संरचनाओं की छवि के लिए किया जाएगा, जो कि आगे बढ़ने की प्रक्रिया के अनुकूलन के लिए पार्श्व आकार और परत की मोटाई के निर्धारण के लिए है। एफएम ज्ञान के भंडार जैसे लोचदार के नक्शे मापांक, आसंजन, विरूपण, स्थानीय सतह चालकता, और संपर्क क्षमता रिकॉर्ड करने की क्षमता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, एसटीएम माप का उपयोग ओएमडी संरचनाओं की छवियों को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाएगा, जिसमें ओक्सिक रिज़ॉल्यूशन की सतह के पुनर्निर्माण vdW हेटोस्ट्रक्चर में इलेक्ट्रॉनिक गुण जैसे सुपर लैटिटिसेस के साथ-साथ अवस्था के इलेक्ट्रॉनिक घनत्व, कार्य फ़ंक्शन के बारे में जानकारी अभिग्राहित की जाती है। इसके अलावा, हम संश्लेषित संरचनाओं के इलेक्ट्रॉनिक, ऑप्टिकल व लैटिस कंपन गुणों की जांच करने के लिए रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करेंगे।

3. **विद्युत परिवहन माप और उपकरण:** हम TMD संरचनाओं पर आधारित उपकरणों का एहसास करेंगे और एक साफ कमरे के वातावरण में इलेक्ट्रॉनिक परिवहन के माध्यम से उनके इलेक्ट्रॉनिक गुणों की जांच करेंगे। इस छोर की ओर, हम बड़े क्षेत्र TMD संरचनाओं का उपयोग करके फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर (एफईटी) और हॉल बार ज्यामितीय उपकरणों का निर्माण करेंगे। एफईटी ज्यामिति हमें वाहक प्रकार, वाहक गतिशीलता (अक्सर एक योग्यता का आंकड़ा इस्तेमाल किया जाता है) और TMD संरचनाओं में वाहक घनत्व को मापने की अनुमति देगा।
4. **क्वांटम ऑप्टिकल माप:** हम एकल फोटॉन की पीढ़ी के लिए विभिन्न 2D क्वांटम डॉट एमिटर (QDE) के विद्युत, ऑप्टिकल और चुंबकीय लक्षण वर्णन और उनके हेट्रोस्ट्रक्चर का अध्ययन करेंगे।
इसके अलावा, संश्लेषित QDEs को नारोविश के साथ एकीकृत किया जाएगा और हम इसके फोटॉन एमिटर के प्रति इसके विरोधी गुच्छेदार व्यवहार, संतृप्ति माप और युग्मन दक्षता का अध्ययन प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल रूप से करेंगे। इसके अलावा, QDEs के नैनोवायर के युग्मन में एमओआरई अंतर्दृष्टि करने के लिए, ध्रुवीकरण निर्भरता उत्तेजना और उत्सर्जन किया जाएगा। इन प्रणालियों का उपयोग अणु पहचान के लिए किया जाएगा।
5. **कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग:** हम एक बड़े संगणकीय खोज TMD और उनके हेट्रोस्ट्रक्चर की पहचान करने के लिए। इसके अलावा TMD सामग्री का इंटरलेयर स्टैकिंग अनुक्रम और आस-पास के विभिन्न अभिविन्यास मोनोलेयर्स आगे रचना चरण अंतरिक्ष का विस्तार करता है। सामग्रियों का यह वर्ग रचना में इतना व्यापक और विविध है कि प्रयोगों के माध्यम से विशाल पैरामीटर स्थान में "सर्वश्रेष्ठ कलाकारों" की पहचान करना अव्यावहारिक और महंगा है। नतीजतन, एक उच्च-थ्रूपुट कम्प्यूटेशनल स्क्रीनिंग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जहां रासायनिक और यांत्रिक स्थिरता, इंटरलेयर स्पेसिंग में बदलाव, हेट्रोस्ट्रक्चर निर्माण के दौरान परतों में तनाव और बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक गुणों को कुशलता से बनाया जा सकता है। हम आनुवंशिक संरचना और मशीन सीखने जैसे मौजूदा दृष्टिकोणों के आधार पर नवीन रचना की खोज और संपत्ति की भविष्यवाणियों के लिए उच्च पथ के दृष्टिकोण को भी तैयार करेंगे।
6. **क्वांटम डायनेमिक्स और क्वांटम थर्मोडायनामिक्स:** 'डिजाइनर सामग्री' उपकरणों की गहरी समझ को बढ़ाने और क्वांटम की तैयारी के लिए बिट आधारित तकनीकों की जांच करने के लिए, हम क्वांटम डायनेमिक्स, नैनोस्केल में क्वांटम परिवहन और क्वांटम थर्मोडायनामिक्स के मूल सिद्धांतों को देखेंगे। पहले सिद्धांतों से शुरू करते हुए, हम नई पद्धतियों को विकसित करने का लक्ष्य रखते हैं और क्वांटम गतिकी, तापीय ऊर्जा प्रबंधन और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स में उपन्यास घटना को संबोधित करने के लिए नए कम्प्यूटेशनल उपचारों को लागू करने का प्रयास करेंगे जो क्वांटम कंप्यूटरों की प्राप्ति के लिए आवश्यक हैं।

भौतिकी अनुशासन की ताकत का विवरण

हम दृढ़ता से मानते हैं कि भौतिकी के संकाय सदस्य, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक संघनित भौतिकी के क्षेत्र, जैसे नैनो और माइक्रो फोटोनिक्स, ओपन क्वांटम सिस्टम, ब्लैक होल और स्ट्रिंग सिद्धांत, प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान में काम करने वाले दुनिया में वैज्ञानिक समुदाय के सबसे अच्छे समूहों में से एक हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्यों का कई प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों जैसे टीआईएफआर मुंबई, टीआईएफआर हैदराबाद, आईआईएसईआर पुणे, आईसीटीएस बैंगलोर, आईआईएससी बैंगलोर, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा, एनटीयू सिंगापुर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, अल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड; कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक नॉलजी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, किंग्स कॉलेज लंदन, टीयू वियना और केयू ल्यूवेन के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है।

अत्याधुनिक सुविधाएँ

विद्यापीठ ने उन्नत अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद की है। केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा के माध्यम से उन्नत इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधाओं की स्थापना की गई है:

- एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर
- स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- रमन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- रेमोमीटर न्यूक्लियर मैग्नेटिक
- रेसोनेंस (NMR)
- भौतिक गुण मापन प्रणाली
- गैस क्रोमेटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री

भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर, बेले और बेले-2 के सहयोगी केईके जापान, दोनों के सदस्य हैं और लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी), सीईआरएन, जिनेवा के सहयोगी सीएमसी के सदस्य हैं।

विद्यापीठ पूरी तरह से एक केंद्रीय कंप्यूटिंग सर्वर प्रणाली से सुसज्जित है और उच्च कंप्यूटिंग अनुसंधान और विश्लेषण के सभी प्रकार के लिए एकीकृत और कार्यात्मक है।

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ की प्रयोगशालाएँ

वर्तमान में आधारीय विज्ञान विद्यापीठ प्रासंगिक आधुनिक उपकरणों से लैस हैं जिसमें निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं:

- परमाणु आणविक और भूतल भौतिकी प्रयोगशाला
- जैव रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- जैवयंत्र प्रयोगशाला

- रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला
- समन्वय रसायन विज्ञान और सामग्री रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- समन्वय रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- सैद्धांतिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- मात्रा रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- प्रयोगात्मक उच्च ऊर्जा भौतिकी प्रयोगशाला
- एम.एससी रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- एम.एससी गणित प्रयोगशाला
- एम.एससी भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला
- चुंबकीय पदार्थ प्रयोगशाला
- नैनो फोटोनिक्स व प्लसमोनिक्स प्रयोगशाला
- नैनोस्ट्रक्चर वह सॉफ्ट मैटर भौतिकी प्रयोगशाला
- जैविक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- जैविक संश्लेषण प्रयोगशाला
- प्रोटीन रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- मात्रा रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- अक्षय उर्जा प्रयोगशाला
- आणविक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- स्नातक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- स्नातक भौतिकी प्रयोगशाला

संरचनात्मक क्षमता

वर्तमान में उपलब्ध प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक सुविधाएँ निम्नलिखित हैं:

सुविधाएँ	अनुसंधान
भौतिक सम्पदा माप यंत्र (PPMS)	निम्न तापमान-(2के) और उच्च चुम्बकीय क्षेत्र (9टी)
के लिए यांत्रिक परिवहन माप	For creating dissimilar heterostructures
स्पंदित लेज़र डेपोजिशन सेटप	भिन्न हेटैस्ट्रक्चर बनाने के लिए
क्षेत्र उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	संश्लेषित TMD संरचनाओं के रूपात्मक और तात्विक लक्षण वर्णन के लिए
रमन स्पेक्ट्रोमीटर- (ट्रिपल रमन स्पेक्ट्रोमीटर, T64000, होरबा)	TMD संरचनाओं के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के अनुकूलन के लिए
सौर सिम्युलेटर	सौर सेल माप के लिए
प्रोकुरमेंट की प्रक्रिया में स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप (परिवेश की स्तिथी)	TMD संरचनाओं के संरचनात्मक और यांत्रिकी लक्षण वर्णन के लिए
तार बांधनेवाला	नमूना धारको पर उपकरणों के संबंध के लिए
सिंगल क्रिस्टल और पाउडर एक्सरे डिफ्रेक्टोमीटर	संरचनात्मक लक्षण वर्णन और चरण विश्लेषण के लिए
स्त्रोत मीटर+ इमपैडेंस एनलासर+ नैनो-भोल्टमीटर	विद्युतीय विशेषताओं के लिए
समय हल फोटोल्युमिनस	तीव्रता से विद्युतीय निष्क्रिय प्रक्रियाओं के लिए
इलेक्ट्रॉन-व आयन-इम्लासन सेटअप(मूल रूप से विकसित)	TMDएस और नैनोमीटर के आयन /इलेक्ट्रॉन संसोधन के लिए
आप्टिकल माइक्रोस्कोप	संरचनाओं के आप्टिकल उपयोग के लिए
एमएटीएलएबी+ लैब वियु+ कोम्सोल+ भीएसपी	पदार्थ और भौतिक गुणों के कम्प्यूटेशन्ल और मॉडलिंग के लिए

पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (SEOCS)



विद्यापीठ के बारे में

पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ की स्थापना 2012 में अत्याधुनिक शिक्षा के विकास लिए बौद्धिक, अनुकूलित और जीवंत वातावरण एवं सतत विकास के लिए पृथ्वी-महासागर-वायुमंडलीय अंतः क्रियात्मक प्रक्रिया का एकीकृत अंतर अनुशासनत्मक प्रणालीगत दृष्टिकोण के माध्यम से पृथ्वी तंत्र विज्ञान में अनुसंधान करने के लिए की गई है। पृथ्वी एक जटिल और गतिशील प्रणाली है। इसके काम को समझना और उसकी मूल्यांकन करना आवश्यक है; इसकी गतिशीलता का ज्ञान न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि सतत जीवन के लिए भी आवश्यक है। पृथ्वी वैज्ञानिक, वायुमंडलीय वैज्ञानिक और समुद्रीय वैज्ञानिकों के पास, मौजूदा जलवायु संकट के माध्यम से ग्रह की मदद करने का चुनौतीपूर्ण दायित्व है।

हालांकि प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध, ओडिशा प्राकृतिक आपदाओं और चरम घटनाओं जैसे उष्णकटिबंधीय चक्रवात, भारी वर्षा, हीटवेव, गरज और बिजली, बाढ़, आदि, सूखे से भी ग्रस्त है। यह क्षेत्र बड़े खनन कार्यों और कोयले के दहन, तटीय क्षरण, मैंग्रोव की कमी, प्रदूषण आदि के कारण बड़े पैमाने पर समस्याएँ का सामना करता है। प्रसिद्ध चिल्का झील और सिमिलिपाल जैसे जैव-रिजर्व क्षेत्र गंभीर खतरों में हैं। भले ही ये स्थानीय और क्षेत्रीय समस्याओं के रूप में दिखाई देते हैं, लेकिन इनके दूरगामी वैश्विक प्रभाव हैं। इन उपर्युक्त क्षेत्रीय अनुसंधान चुनौतियों में योगदान देने वाले अनुसंधान के साथ कई अन्य वैश्विक क्षेत्रों में, SEOCS भी इन उपर्युक्त क्षेत्रीय अनुसंधान चुनौतियों में योगदान दे रहा है। वर्तमान में SEOCS निम्नानुसार कार्यक्रम प्रदान करता है:

शैक्षणिक कार्यक्रम

- संयुक्त M.Sc. भूविज्ञान संयुक्त एमएससी में पीएच.डी. - वायुमंडल और महासागर में पीएचडी 1 -- विज्ञान
- जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम टेक.
- भूवैज्ञानिक, वायुमंडलीय और महासागरीय विज्ञान में पीएचडी

स्कूल भूविज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्रों में डॉक्टरेट अनुसंधान के अवसरों के अलावा स्नातकोत्तर स्तर के डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है। पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान के मौलिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं के अलावा छात्रों को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान में अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार करने में सक्षम बनाता है।

स्कूल का उद्देश्य अच्छी तरह से प्रशिक्षित, शिक्षित तथा जल और वायु की सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का विकास, हाइड्रोकार्बन, आपदा वार्मिंग, भविष्यवाणी और तैयारी, वाटरशेड और बाढ़ प्रबंधन, तटीय क्षरण, पर्यावरण प्रदूषण मूल्यांकन, संसाधन संरक्षण और पुनर्चक्रण, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विकास, जलवायु परिवर्तन भविष्यवाणी और सामाजिक-आर्थिक कल्याण पर प्रभाव जैसे विभिन्न मुद्दों को संबोधित करना सक्षम मानव संसाधन बनाना है।

स्कूल का शोध भौतिक समुद्र विज्ञान निगरानी और समुद्र विज्ञान मॉडलिंग पर केंद्रित है। वायुमंडलीय विज्ञान में अनुसंधान ने पर्यावरण मॉडलिंग के अलावा भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून और उष्णकटिबंधीय चक्रवात की गतिशीलता और भविष्य की भविष्यवाणियों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया। भूविज्ञान अनुसंधान ने तटीय जलभृतों, भूजल प्रदूषण में खारे

पानी का प्रवेश तटीय प्रक्रियाएं, पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, बहु-सहस्राब्दी समय के पैमाने पर शताब्दी में पुरापाषाण काल और पुरापाषाण काल की समझ, क्रस्टल विकृति आदि को हल करने और समझने पर ध्यान केंद्रित किया है।

सांख्यिकी

- संकाय की संख्या 11
- पोस्ट-डॉक्टरल अध्येता: 03
- पीएच.डी. सम्मानित/प्रस्तुत: 09
- पीएच.डी. छात्र नामांकित: 11
- पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 33
- एम.एससी. छात्र की संख्या : 51
- एम.टेक की संख्या की छात्र: 25
- प्रकाशनों की संख्या (2020): 49
- चल रहे प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं = 15

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं

स्कूल ने भूभौतिकीय और भू-रासायनिक विश्लेषण, पेट्रोलॉजिकल और पेलियोन्टोलॉजिकल अध्ययन, पेलियोसीनोग्राफी और पेलियोक्लाइमेटोलॉजी हाइड्रोजियोकेमिकल पर्यावरण अध्ययन, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, मॉडलिंग और विजुअलाइज़ेशन मौसम विश्लेषण और पूर्वानुमान, और वायुमंडलीय और महासागरीय प्रक्रियाओं के सिमुलेशन के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं स्थापित की हैं। प्रयोगशालाओं की सूची इस प्रकार है

- एडवांस जियोकेमिस्ट्री लेबोरेटरी
- एडवांसड मिनरलॉजी एंड क्रिस्टलोग्राफी लेबोरेटरी
- एप्लाइड पेलियोन्टोलॉजी लेबोरेटरी
- क्लाइमेट ऑब्जर्वेटरी
- क्लाउड फिजिक्स
- कम्प्यूटेशनल भूभौतिकीय प्रयोगशाला

- भूभौतिकीय प्रयोगशाला
- हाइड्रोजियोलॉजिकल मेट्रोलॉजिकल प्रयोगशाला
- इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला
- मॉडलिंग और विजुअलाइज़ेशन प्रयोगशाला
- महासागर प्रयोगशाला
- अयस्क भूविज्ञान प्रयोगशाला
- पेट्रोलॉजी और भू-रसायन प्रयोगशाला
- रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रयोगशाला
- संरचना भूविज्ञान प्रयोगशाला
- तलछट विज्ञान प्रयोगशाला
- पैलियोक्लाइमेटोलॉजी पैलियोसियनोग्राफी प्रयोगशाला
- मौसम विश्लेषण और पूर्वानुमान प्रयोगशाला

संस्थान को आईआईएसईआर बेरहामपुर से सटे लौदीगांव के पास समुद्र तट के साथ भूमि का स्वामित्व भी मिला है, ताकि बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में और उसके आसपास भूमि-समुद्र संपर्क प्रक्रियाओं की निगरानी की जा सके। इसकी परिकल्पना रीयल-टाइम ऑब्जर्वेशनल डेटा एकत्र करने और बंगाल की खाड़ी की बारीकी से निगरानी करने के लिए की गई है। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थान चुनौतीपूर्ण वैज्ञानिक समस्याओं का सहयोग करने और उनका समाधान करने के लिए आगे आए हैं।

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (SES)



विद्यापीठ के बारे में

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी। वर्तमान में यह विद्यापीठ निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है:

- विद्युत अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय बी.टेक.
- विद्युत अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में 5 साल की दोहरी डिग्री (बीटेक और एमटेक)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी, पावर सिस्टम अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव में एमटेक (जुलाई 2019)

- पीएच.डी. कार्यक्रम: विद्युत विज्ञान के सभी प्रमुख क्षेत्रों में

विद्यापीठ में शिक्षण और अनुसंधान दोनों में एक विशिष्ट रिकॉर्ड है। संकाय सदस्य अनुसंधान और विकास में सक्रिय हैं और उच्च प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अग्रणी पत्रिकाओं में और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध निष्कर्ष प्रकाशित कर रहे हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्य परामर्श की संख्या में और सरकार और प्रमुख उद्योगों द्वारा प्रायोजित परियोजना गतिविधियों में सम्मिलित हैं।

सांख्यिकी

- संकाय की संख्या: 29
- नामकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 10

- पीएचडी छात्रों की संख्या स्नातक: 05
- एम. टेक की छात्र नामांकन संख्या: 66
- पीएचडी छात्र नामांकन की संख्या: 18
- प्रकाशनों की संख्या (2020): 52
- 2020-21-32 के लिए चल रहे प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

अत्याधुनिक सुविधाएं

स्कूल में वीएलएसआई प्रणाली डिजाइन और निर्माण प्रयोगशाला, आरटीडीएस प्रयोगशाला, अक्षय ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला, विकिरण प्रणाली डिजाइन प्रयोगशाला और अनुप्रयोग विकास और अनुसंधान के लिए कम्प्यूटेशनल सुविधाओं सहित कई अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और सुविधाएं हैं। एम्बेडेड सिस्टम टूल्स और MATLAB से जुड़ी पूर्ण एफपीजीए कार्यान्वयन और विकास सुविधाएं महत्वाकांक्षी डेवलपर्स के लिए एक आसान मंच प्रदान करती हैं।

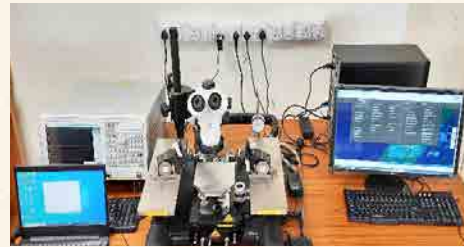
प्रयोगशालाएं

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बहुत ही बुनियादी बातों से लेकर आधुनिक रुझानों तक स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और शोध विद्वानों को प्रशिक्षित करने के लिए स्कूल में पूर्ण प्रयोगशालाएं हैं। छात्र आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं और उपकरणों का उपयोग विभिन्न सर्किटों, परियोजनाओं, कार्यक्रमों के डिजाइन और परीक्षण और इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में विभिन्न शोध पहलुओं की अवधारणाओं के प्रमाण के लिए करते हैं। वर्तमान में, 34 प्रयोगशालाओं में शामिल हैं:

- उन्नत संचार लैब
- एल्गोरिथम लैब
- एनालॉग और डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स लैब
- बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स लैब
- बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग लैब
- क्लाउड लैब
- कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग लैब



- कंप्यूटर आर्किटेक्चर और एम्बेडेड सिस्टम लैब
- कंप्यूटर नेटवर्किंग लैब
- कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन लैब
- डेटाबेस सिस्टम लैबोरेटरी
- डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग लैब
- इलेक्ट्रिक मशीन लैब
- इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी लैब
- फैक्ट्स और पावर क्वालिटी लैबोरेटरी
- हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग लैबोरेटरी
- इमेज एंड वीडियो प्रोसेसिंग लैब
- मेजरमेंट एंड इंस्ट्रुमेंटेशन लैब
- माइक्रो-फैब्रिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन लैब
- मल्टीमीडिया लैब
- ऑपरेटिंग सिस्टम और डीबीएमएस लैब
- ऑप्टिकल कम्प्युनिकेशन लैब
- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक ड्राइव लैब
- पावर क्वालिटी और फैक्ट्स लैब
- पावर सिस्टम एनालिसिस एंड प्रोटेक्शन लैब
- रियल टाइम डिजिटल सिमुलेशन (आरटीडीएस) लैब
- रियल टाइम एम्बेडेड सिस्टम लैब
- रियल-टाइम सिग्नल प्रोसेसिंग लैब
- रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम आरएफ,
- माइक्रोवेव और कैरेक्टराइजेशन लैब
- सिम्प्योरिटी लैब
- सिग्नल प्रोसेसिंग लैब
- स्मार्ट ग्रिड और हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम लैब
- टेलीमेडिसिन लैब
- वायरलेस संचार और सेंसर नेटवर्क लैब
- वीएलएसआई सिमुलेशन लैब



मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंध विद्यापीठ (SHSS&M)



विद्यापीठ के बारे में

इस विद्यापीठ का उद्देश्य मानविकी और अन्य सामाजिक विज्ञान में अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा प्रदान करना है। यह एक पूर्ण विभाग के रूप में विकसित हुआ है जिसमें तीन अलग-अलग विषयों - अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और मनोविज्ञान में विशेषज्ञता प्रदान करती है। छ: युवा और गतिशील संकाय की एक टीम होने के नाते यह विद्यापीठ पर्यावरण, वित्त, प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और तंत्रिका विज्ञान जैसे अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अच्छी तरह से निपुण ज्ञानी नागरिक उत्पन्न करना चाहता है जो तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता, सहानुभूति का सही सम्मिलित रूप होगा।

आँकड़े

- संकाय की संख्या: 07
- पीएचडी उपाधि प्राप्त छात्रों की संख्या: 09
- वर्तमान में नामकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 17
- पीएचडी थीसिस प्रस्तुत छात्रों की संख्या: 01
- प्रकाशन की संख्या (2020): 19
- चल रहे अनुसंधान परियोजना : 01
- पूर्ण अनुसंधान परियोजना: 01
- शैक्षिक पुरस्कार / फैलोशिप / फण्डिंग: 3

डाटा बैंक के साथ एकीकृत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला

आईसीएलडीबी का उपयोग अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सामाजिक आर्थिक चरों की गणना और भविष्यवाणी के लिए किया जाना है।

अनुसंधान क्षेत्र

- अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम
- वन संसाधन प्रबंधन
- कृषि क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- खनन क्षेत्र और उत्पादकता; प्राकृतिक संसाधन का मूल्यांकन
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- बीमा
- अंग्रेजी में भारतीय लेखन;
- प्रवासी/डायस्पोरा साहित्य; यात्रा साहित्य; आत्मकथाएं; रचनात्मक लेखन;
- फिल्म अध्ययन और लोकप्रिय संस्कृति
- पोस्टकोलोनियल विश्व साहित्य; अमेरिकी साहित्य; कनाडाइन साहित्य
- पार-सांस्कृतिक संचार; व्यापार संचार
- क्लिनिकल मनोविज्ञान: संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान गोलाद्ध पार्श्वता, व्यक्तित्व, न्यूरोलिंग्गोलिक्स
- ईएसएल शिक्षार्थियों की महत्वपूर्ण शब्दावली विकसित करना; संज्ञानात्मक पठन कौशल; दूसरी भाषा अधिग्रहण; शिक्षक शिक्षा और विकास; संचार कौशल; प्रौद्योगिकी और भाषा सीखने
- गैर-पश्चिमी दार्शनिक विद्यापीठ: अद्विता वेदांत, बौद्ध धर्म और भारतीय दर्शन के अन्य विद्यापीठ।

आधारिक संरचना विद्यापीठ (SIF)



विद्यापीठ के बारे में

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का आधारिक संरचना विद्यापीठ अभियांत्रिकी शिक्षा में उत्कृष्टता, ज्ञान का निर्माण, अनुसंधान में नवाचार और पेशेवर सेवाओं में नेतृत्व को समर्पित करने के लिए निर्माण हुआ है। विद्यापीठ का लक्ष्य स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम में एक असाधारण शैक्षणिक और अनुसंधान वातावरण प्रदान करना है। विद्यापीठ की शैक्षणिक गतिविधियों ने मौलिक सिद्धांतों की व्यापक समझ, वास्तविक विश्व सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं की चुनौतियों को संभालने के लिए रचनात्मक क्षमता का विकास, और वास्तव में अंतःविषय समस्याओं को हल करने की विश्लेषणात्मक क्षमता पर जोर देती है। हमारा लक्ष्य चुनौतीपूर्ण अभियांत्रिकी समस्याओं में अनुसंधान करना है और सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न उप-विषयों में कुशल अभियांत्रिकी समाधान प्रदान करना है। इस विद्यापीठ का मुख्य केन्द्र बिन्दु पर्यावरण अभियांत्रिकी, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, संरचनात्मक अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी और जल संसाधन अभियांत्रिकी में अनुसंधान करना है।

वर्तमान में विद्यापीठ निम्नानुसार कार्यक्रम प्रदान करता है:

- सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक, सिविल अभियांत्रिकी में दोहरी बीटेक डिग्री+पर्यावरण अभियांत्रिकी में, एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में दोहरी बीटेक डिग्री+संरचनात्मक अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में दोहरी बीटेक डिग्री+परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक।
- पर्यावरण अभियांत्रिकी में एम.टेक, स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में एमटेक, परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, जल संसाधन अभियांत्रिकी और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी में एमटेक।
- पीएचडी कार्यक्रम

विभाग मूल रूप से बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान और परामर्श में सक्रिय रूप से शामिल है और विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और विभिन्न संगठनों को परामर्श के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी सलाहकार समर्थन प्रदान करता है।

आँकड़े

- संकाय की संख्या: 21
- वर्तमान में नामकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 36
- एमटेक छात्रों की संख्या: 81
- दोहरी उपाधी वाले छात्रों की संख्या: 15
- प्रकाशन की संख्या(2020): 85
- 2020-21 में चल रही प्रायोजन अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या - 14

अत्याधुनिक सुविधाएँ

विद्यापीठ में वास्तविक विश्व सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं को संभालने में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए स्टाड प्रो, स्टाड प्रो फाउंडेशन पीएलएक्सआईएस 3 डी, एबीएक्यूयूएस, एचवाईडीआरयूएस 3 डी, वीएमओडीफ्लो और जीआईडी मॉडलिंग और सिमुलेशन पैकेज के साथ उन्नत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला का सुविधा है। विद्यापीठ की पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न पानी और अपशिष्ट जल का विश्लेषण करने के लिए एएस, जीसी, फ्रीज ड्रायर, रेडियोमीटर, यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, जीटा संभावित सह कण आकार विश्लेषक, आदि जैसे अत्याधुनिक उपकरण से सुसज्जित है। भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में जीपीआर, चक्रीय ट्रायलक्सियल सेटअप, लेजर प्रोफाइलोमीटर, लचीली दीवार परमिमीटर इत्यादि के साथ परीक्षण फ्रेम जैसे उन्नत उपकरण हैं। संरचनात्मक इंजीनियरिंग और ठोस प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाएं विभिन्न प्रकार के सिविल इंजीनियरिंग संरचनाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के लिए गतिशील एक्ट्यूएटर, शेक टेबल, सर्वो नियंत्रित संपीडन परीक्षण मशीन, एनडीटी उपकरण, संक्षारण विश्लेषक आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। परिवहन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला उन्नत प्रयोगों और सिमुलेशन जैसे बिटुमिनस मिक्स डिजाइन, फुटेशन मूल्यांकन, रूटिंग मापन, बहु-मोडल शहरी परिवहन नेटवर्क, यातायात प्रवाह आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। परिवहन प्रणाली योजना और यातायात इंजीनियरिंग क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए प्रयोगशाला के लिए एक कम्प्यूटेशनल सुविधा है। जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला फ्लूवियल हाइड्रोलिक से संबंधित विभिन्न प्रयोगों और सिमुलेशन करने में सक्षम है, जो डूबे हुए और उभरती वनस्पति के माध्यम से बहती है। प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों जैसे नीचे दिखने वाली और साइड दिखने वाला ध्वनिक डोप्लर वेलोसमीटर, ध्वनिक डोप्लर प्रोफाइलर्स, तरंग जनरेटर और फ्लो विजुअलाइजेशन उपकरण जैसे सेंसर के साथ टिलटिंग फ्लुयुस और फ्लो विजुअलाइजेशन उपकरण एमआईकेआईएसएचएचई साफ्टवेयर, वाटर डेपथ रिकार्डर, डिजिटल फ्लोमीटर आदि।

प्रयोगशालायें

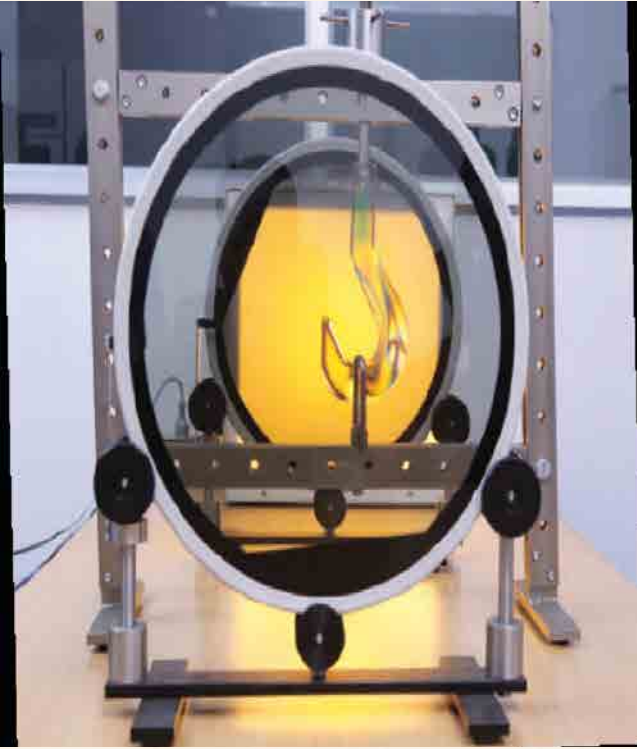
आधारीय संरचना विज्ञान विद्यापीठ वर्तमान में आठ अच्छी तरह से सुसज्जित स्नातक और स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं के साथ इस प्रकार चलता है:

- उन्नत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला
- कंक्रीट प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
- अभियांत्रिकी यांत्रिकी प्रयोगशाला
- पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- भू-जल विज्ञान प्रयोगशाला
- हाइड्रो-मौसम विज्ञान प्रयोगशाला
- मृदा गतिशीलता प्रयोगशाला
- संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- सर्वेक्षण प्रयोगशाला
- परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

उपरोक्त सभी प्रयोगशालाएं सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र के किसी भी सूक्ष्म विशेषज्ञता में उच्च अंत अनुसंधान कार्यों को करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। अत्यधुनिक प्रयोगशालाओं के अलावा, कक्षाएं मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं। इसके अलावा, स्कूल में 20 फैकल्टी केबिन, पांच क्लासरूम, 80 डेस्कटॉप कंप्यूटर, एक सेमिनार रूम और एक ऑडियो-विजुअल सुविधा के साथ एक क्लासरूम, मनोरंजन कक्ष और सम्मेलन कक्ष है।

स्कूल विभिन्न एजेंसियों / उद्योगों जैसे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एनबीसीसी, वेदांत लिमिटेड, आईडीसीओ, वोल्टास लिमिटेड, ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन (ओएमसी), आरडब्ल्यूएसएस (ओडिशा सरकार) और टाटा स्टील लिमिटेड के साथ अनुसंधान और परामर्श कार्य में सहयोग कर रहा है। वर्तमान में, स्कूल 12 शोध परियोजनाओं पर काम कर रहा है। स्कूल में 3 चल रहे SPARC प्रस्ताव हैं। इसके अलावा, हमारे संकाय भारत और विदेशों में नियमित रूप से शोध पत्र सम्मेलन प्रस्तुत करते हैं, कार्यशालाओं के सम्मेलनों में आयोजित करते हैं और निष्कर्ष अनुसंधान के लिए हाल ही में, यूजी फ्रेशर्स, सभी बीटेक और सिविल इंजीनियरिंग में दोहरी डिग्री छात्रों को अद्यतन ज्ञान प्रदान करने और उन्हें सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों से अवगत कराने के लिए के लिए विदेशी संकाय से व्याख्यान 22 फरवरी 14 अप्रैल 2021 से आयोजित किए गए थे।

यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ (SMS)



विद्यापीठ के बारे में

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ वैश्विक रूप से सक्षम और स्थानीय रूप से प्रासंगिक दोनों होने का प्रयास करता है।

वर्तमान में विद्यापीठ निम्नानुसार कार्यक्रम प्रदान करता है:

- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बीटेक, यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बीटेक+ यांत्रिकी सिस्टम डिजाइन में एमटेक, यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बीटेक+थर्मल विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बीटेक+विनिर्माण अभियांत्रिकी मैकेनिकल में एमटेक।
- यांत्रिकी सिस्टम डिजाइन में एमटेक
- थर्मल विज्ञान और अभियांत्रिकी में एमटेक
- विनिर्माण अभियांत्रिकी में एमटेक
- पीएचडी कार्यक्रम

विद्यापीठ के प्रमुख क्षेत्रों में सिस्टम डिजाइन, ऊर्जा और पर्यावरण, उन्नत विनिर्माण, स्वायत्त रोबोटिक्स, कृषि स्वचालन और उत्पाद डिजाइन शामिल हैं। विद्यापीठ के संकाय सदस्य भी विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों में बुनियादी शोध में भी शामिल हैं, जबकि प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और प्रक्रियाओं को बनाने में अपनी साझा विशेषज्ञता को मिश्रित करने के लिए भी एक साथ आ रहे हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को समृद्ध करेंगे। विद्यापीठ योगदान के तीन महत्वपूर्ण मार्गों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका देखता है - (i) मानव, (ii) ज्ञान और (iii) उद्योग चक्र के निर्माण के माध्यम से धन पूंजी का निर्माण।

आँकड़े

- संकाय की संख्या: 19
- बीटेक छात्रों की संख्या 213
- दोहरी उपाधि की संख्या : 170
- एमटेक छात्रों की संख्या: 98

- 2020-21 में नामांकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 07
- 2020-21 स्नातक पीएचडी छात्रों की संख्या : 05
- 2020 में प्रकाशनों की संख्या: 60
- 2020-21 की अविरत प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: 21

अत्याधुनिक सुविधाएं

उन्नत उत्पाद विकास प्रयोगशाला में एक उच्च अंत फोर्टस 400 एफडीएम आधारित रैपिड प्रोटोटाइपिंग मशीन और एक उच्च सटीकता 3-डी ऑप्टिकल प्रोफाइलोमीटर है।

थर्मो-तरल प्रयोगशाला में विभिन्न गर्मी हस्तांतरण घटनाओं के दृश्य के लिए नेक्सा पीईएम ईंधन सेल प्रशिक्षण प्रणाली, लौ प्रसार और स्थिरता इकाई और मशीन-जेनर इंटरफेरोमीटर है।

उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला में 400 वाट फाइबर लेजर माइक्रो वर्कस्टेशन, लेजर-मिलिंग हाइब्रिड प्रोसेसिंग और एक स्पंदित माइक्रो-इलेक्ट्रोफॉर्मिंग जैसे विभिन्न इन-हाउस विकसित उपकरण हैं। इसके अलावा, प्रयोगशाला में रिवर्स अभियांत्रिकी, सीएनसी मिलिंग और गियर हॉबिंग मशीन के लिए डिजिटाइज़र के साथ सीएनसी राउटर भी है।

प्रयोगशालाएं

स्कूल में प्रमुख उपकरणों के साथ निम्नलिखित प्रयोगशाला भी है।

उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

ऑप्टिकल प्रोफाइलोमीटर, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, प्रिंडर्स, लेजर आधारित माइक्रो-मशीनिंग वर्कस्टेशन।

CAD / CAM / CAE प्रयोगशाला

स्कूल में एक कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला है जिसमें रे ट्रेसिंग सॉफ्टवेयर, ANSYS सॉलिडवर्क्स NASTRAN, हाइपर वर्क्स, प्रो-ई CATIA ADAMS, COMSOL, MATLAB, लैब व्यू ASAP - PRO, DELMIA, स्मार्ट टीम और Tecplot360 जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयर पैकेजों के साथ 45 वर्कस्टेशन स्थापित हैं।

सेंस एंड प्रोसेस लेबोरेटरी

साउंड इम्पीडेंस ट्यूब, हैंडहेल्ड साउंड एनालाइज़र

सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला

कठोरता परीक्षण मशीनें: रॉकवेल, ब्रिनेल, विकर्स, स्पींग परीक्षण मशीन, टोरसन परीक्षण मशीन, रोटरी बेंड थकान परीक्षण मशीन, एरिचसेन कपिंग टेस्ट मशीन, फोटो-लोचदार बेंच, आईजोड।

चरपी प्रभाव परीक्षक और 100 टन यूनिवर्सल परीक्षण मशीन।

ऑटो-थर्मल लैब

मच-जेन्डर इंटरफेरोमीटर सेटअप

मशीन और तंत्र प्रयोगशाला

एपिसाइक्लिक गियर ट्रेन उपकरण, स्थिर और गतिशील संतुलन, शाफ्ट का चक्कर, गायरोस्कोप, गवर्नर, एन्टी फ्रिकसन बियरिंग हाईड्रो डार्नामिकल्यूब्रिकेशन, बेसिक कार्बोनेटोक्स डेमोनेस्ट्रेशन।

फ्लुइड डायनेमिक्स लेबोरेटरी

4 चैनल हॉट वायर एनीमोमीटर, 70 सीएफएम 13 बार स्कू टाइप कंप्रेसर द्रव चिपचिपाहट के माप के लिए प्रयोगात्मक सेट अप, प्रवाह माप उपकरण, विसर्जित निकायों पर बलों के लिए उपकरण, श्लेरेन फ्लो विजुअलाइज़ेशन सेटअप, कपलान टर्बाइन, 3 अक्ष बल सेंसर, ट्रैवर्स के साथ पिटोट जांच और 2 डी टाईम हल पीआईवी।

सूक्ष्म-तरल पदार्थ प्रयोगशाला

High speed उच्च प्रतिदीप्ति गति कैमरे, औंधा रोशनी सूक्ष्मदर्शी, उल्टे माइक्रोस्कोप, सिरिज पंप, ड्रापलेट्स डिस्पेंसर और हाई इण्ड वर्क स्टेशन।

हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला

रेडिएशन हीट ट्रांसफर यूनिट, अस्थिर स्टेट हीट ट्रांसफर यूनिट, साइकिल इनवर्जन वाल्व के साथ कंबाइंड साइकल रेफ्रिजेशन यूनिट, क्रिटिकल हीट फ्लक्स बायलिंग हीट ट्रांसफर यूनिट, 5Å ~ 3 ट्यूब बंडल बायलिंग हीट ट्रांसफर टेस्टिंग सेटअप, पीसीएम आधारित इलेक्ट्रॉनिक चिप कूलिंग सेटअप, कॉन्टैक्ट एंगल गोनियोमीटर, डिफरेंशियल स्कैनिंग थर्मामीटर, सोलर, फिलामेंट ड्रोस कंडेनसेशन यूनिट।

आईसी इंजन प्रयोगशाला

परिवर्तनीय संपीड़न अनुपात इंजन, अक्षीय प्रवाह गैस टरबाइन यूनिट, लौ प्रसार और स्थिरता यूनिट, नेक्सा ईंधन सेल प्रशिक्षण प्रणाली, खुले ईएसयू और निकास गैस विश्लेषक के साथ 4 स्ट्रोक 4 सिलेंडर सीआरडीआई डीजल इंजन।

उन्नत उत्पाद विकास प्रयोगशाला

फ्यूज्ड डिपोजिशन मेथड आधारित रैपिड प्रोटोटाइप प्रोडक्शन सिस्टम, ऑप्टिकल थ्री डायमेंशनल (3 डी) प्रोफाइलर सिस्टम।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मेक्ट्रोनिक्स लैब

स्टीवर्ट प्लेटफॉर्म, हमनाईड रोबोट प्लेटफॉर्म (बायोलाईड और लैमार्क), मैनिपुलेटर आर्म, हेक्सापॉड रोबोट, चार पहिया रोबोट, टेबलटॉप सीएनसी मिलिंग और टर्निंग मशीन।

उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

ऑप्टिकल प्रोफिलोमीटर, ग्राइंडर, लेजर-आधारित माइक्रो-मशीनिंग वर्कस्टेशन।

मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला

प्रोफाइल प्रोजेक्टर, ऊंचाई मास्टर, सटीक सतह प्लेट, और अन्य मापने वाली उपकरण।

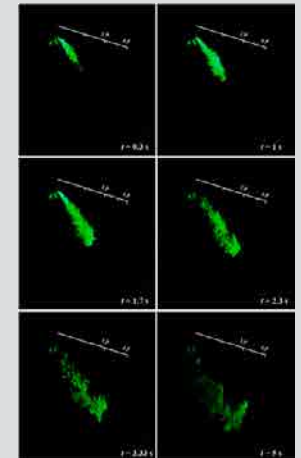
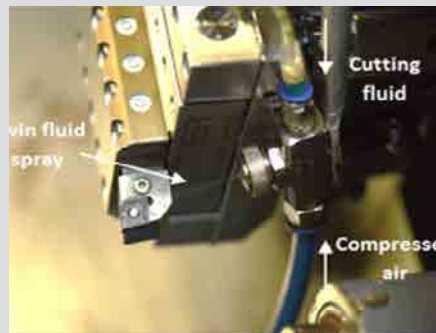
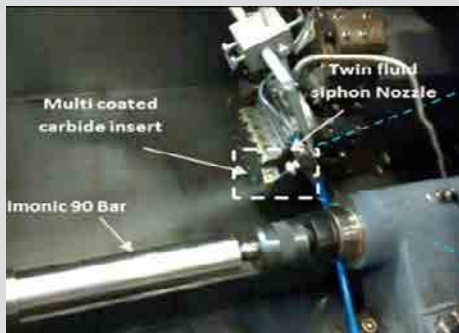
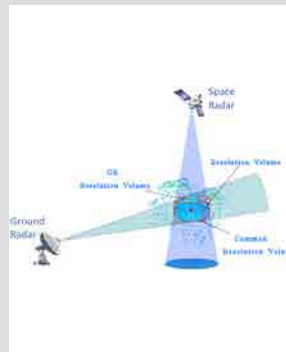
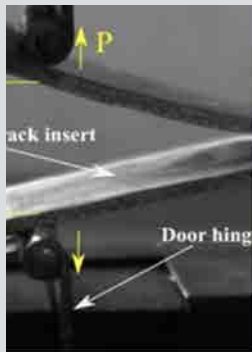
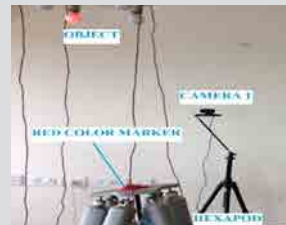
सीडब्ल्यूएफ प्रयोगशाला

टीआईजी और एमआईजी वेल्डिंग, सामान्य प्रयोजन बेल्ट ग्राइंडर और सतह पॉलिशर, हाइड्रोलिक नमूना मार्जेंटिंग प्रेस, इंडक्शन फर्नेस,

प्रतिरोध भट्टी, फाउंड्री उपकरण और मशीनरी, मफल फर्नेस, 80 टन हाइड्रोलिक प्रेस।

मशीन टूल्स और मशीनिंग लेबोरेटरी

वायर कट ईडीएम, अल्ट्रासोनिक ड्रिलिंग सह मिलिंग मशीन, सीएनसी वर्टिकल मिलिंग सेंटर, मास्टर गियर हॉबलिंग, रेडियल ड्रिलिंग मशीन, इंडस्ट्रियल ग्राइंडर, लेथ मशीन, मिलिंग मशीन, हाइड्रोलिक सरफेस ग्राइंडर, ड्राई सिंकिंग ईडीएम, पीजोइलेक्ट्रिक टाइप 6- कंपोनेंट डायनेमोमीटर, लैपिंग मशीन, टेलीरोण्ड (सतह गोलाई माप)।



IIIT भुवनेश्वर के एक अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि पांच परतों वाले मास्क में बूंदों का न्यूनतम रिसाव होता है जो कोविड-19 और इसी तरह की अन्य बीमारियों के हवाई संचरण को ट्रिगर कर सकता है।

खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ (SMMME)



विद्यापीठ के बारे में

2012 में स्थापित भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर में खनिज, धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विद्यापीठ एक अनूठी पहल है जहां खनिज, धातु और सामग्रियों को स्थानीय रूप से प्रासंगिक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के लिए सहयोगात्मक रूप से अस्तित्व में आया है। वर्तमान में विद्यापीठ निम्नानुसार कार्यक्रम प्रदान करती है:

- धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिक में बीटेक
- धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिक में बीटेक+एमटेक की दोहरी डिग्री
- धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिक में एमटेक और
- पीएचडी कार्यक्रम

भारत के सबसे अधिक खनिज समृद्ध राज्यों में से एक ओडिशा राज्य में स्थित इस विद्यापीठ को पता है कि जब आर्थिक रूप से अपने अंतिम उत्पाद में परिवर्तित हो जाता है तो खनिज से अधिकतम आर्थिक लाभ कैसे प्राप्त किया जा सकता है जिससे अंतिम लाभ होता है।

आँकड़े :

- संकाय की संख्या 12
- चल रही प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या: 17
- आयोजित गोष्ठियों की संख्या: 02
- पीएच.डी की छात्र संख्या ने स्नातक किया (2020-21): 02
- प्रकाशनों की संख्या (2020): 53

अनुसंधान क्षेत्र

स्कूल के प्रमुख क्षेत्र हैं: परिवहन और संरचनात्मक सामग्री, ऊर्जा सामग्री और उपकरण, सामरिक और कार्यात्मक सामग्री, विभिन्न निर्माण प्रक्रियाएं (एडिटिव मैनुफैक्चरिंग सहित)। स्कूल की गतिविधियों का फोकस बहुत दिशात्मक है जिसमें शिक्षण और अनुसंधान दोनों पर जोर दिया गया है। इस संबंध में, स्कूल ने भुवनेश्वर में खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी) के साथ साझेदारी के माध्यम से प्रगति के लिए एक रोड मैप तैयार किया है और वारविक विश्वविद्यालय, में वारविक मैनुफैक्चरिंग ग्रुप (डब्ल्यूएमजी) के साथ छात्र और संकाय विनिमय यूके और शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय, चीन। स्थायी चेयर प्रोफेसरशिप स्थापित करने के लिए स्कूल को एमजीएम ग्रुप से 30 मिलियन आईएनआर का उदार अनुदान भी मिला है।

अत्याधुनिक सुविधाएं

विद्यापीठ लगातार अपनी उन्नत प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं को बनाने और अपग्रेड करने का प्रयास करता है। विद्यापीठ ने ईडीएक्स और ईबीएसडी सुविधा के साथ एक फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप प्राप्त किया है जो केंद्रीय उपकरण सुविधा के तहत है। अन्य में माइक्रोस्कोपी सुविधाएं जैसे कि छवि विश्लेषण सुविधा, पिघलने और गर्मी उपचार सुविधाओं, नमूना तैयारी, सार्वभौमिक कठोरता, परीक्षण मशीन इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटर क्लस्टर के साथ मल्टीस्केल के साथ एक साथ मेटलोग्राफी सुविधा जैसे माइक्रोरेटेड और सीधे ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप शामिल हैं।

प्रयोगशालाएं

विद्यापीठ स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण और संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों को पूरा करने के लिए कई प्रयोगशालाएं विकसित कर रहा है। वर्तमान में इसमें निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं:

- इलेक्ट्रोमैटलर्जी और थर्मोडायनामिक्स प्रयोगशाला
- उच्च तापमान प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- यांत्रिक परीक्षण प्रयोगशाला
- धातु विज्ञान प्रयोगशाला
- मॉडलिंग और सिमुलेशन प्रयोगशाला
- ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला
- भौतिक धातु विज्ञान प्रयोगशाला

- सामग्री विशेषता प्रयोगशाला
- प्रक्रिया नियंत्रण और इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला
- पाउडर प्रसंस्करण प्रयोगशाला

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान विभाग से प्रायोजित परियोजनाओं के संकाय सदस्य प्रौद्योगिकी में लगे हुए हैं। यूजीसी-डीईई ऑफ साइंटिफिक रिसर्च कंसोर्टियम कलपक्कम प्लानिंग समन्वय विभाग - ओडिशा सरकार उच्चतर आविष्कार योजना -एमओई, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, नेवल रिसर्च बोर्ड और खान मंत्रालय, भारत सरकार ।

स्कूल सक्रिय रूप से टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड, जिंदल स्टेनलेस स्टील्स लिमिटेड और प्रदीप फॉस्फेट्स लिमिटेड जैसे उद्योगों को तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है।



उत्कृष्टता केंद्र

आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केन्द्र (VARCoE)

आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता (वीआर और एआर) उद्योगों और अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में बड़े पैमाने पर नवाचार की क्षमता है। यह अनुसंधान और नवाचार वर्तमान में उद्योगों की श्रेणी में है, जिसमें उत्पाद और कौशल विकास, स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान, कला और वास्तुकला, परिवहन, निर्माण, पर्यटन, मनोरंजन, शिक्षा और उत्पादकता सॉफ्टवेयर शामिल हैं। ओडिशा सरकार, एसटीपीआई, लोकोप्रोपिस्ट जैसे श्री सुब्रतो बागची और सुश्री सुष्मिता बागची और आईआईटी भुवनेश्वर के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इस उत्कृष्टता केंद्र को शुरू करने के लिए एक साथ आए हैं।

उद्देश्य

इस केंद्र का उद्देश्य आभासी, संवर्धित और मिश्रित वास्तविकता के साथ-साथ मोबाइल कं प्यूटिंग, एपिजेनेटिक और विकासवादी रोबोटिक्स, और हेप्टिक संचार सहित इंटरैक्शन प्रौद्योगिकियों पर विशेष जोर देने के साथ विषयों की एक विस्तृत स्पेक्ट्रम का विस्तार करना है। केंद्र आभासी वातावरण में निकट वास्तविक 3D उपयोगकर्ता इंटरफेस और खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण के लिए उन्नत तरीकों और एल्गोरिदम के विकास के लिए अनुसंधान, शिक्षण और सेवाओं में संलग्न होगा। रक्षा, सिमुलेशन विज्ञान, उत्पादन तकनीक, उत्पाद विकास, तंत्रिका विज्ञान, वास्तुकला, और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए, दुनिया भर में सभी प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ मिलकर और उद्योग के भागीदारों के साथ मिलकर आवेदन-चालित, अंतःविषय अनुसंधान पर जोर दिया जाएगा।

हमारा उत्कृष्टता केंद्र डिजिटल परिवर्तन को प्राप्त करने के लिए संवर्धित और आभासी वास्तविकता समाधानों के विकास और विकास पर प्रकाश डालता है। इस उत्कृष्टता केंद्र ने उद्योग, शिक्षा, अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं और नवप्रवर्तकों के बीच साझेदारी का लक्ष्य रखा। आईआईटी भुवनेश्वर उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

- आभासी और संवर्धित वास्तविकता और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, उत्पाद विकास, प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देना।
- अत्याधुनिक एल्गोरिदम और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आभासी और संवर्धित वास्तविकता की सहायता में उन्नत एल्गोरिदम, अनुप्रयोगों और विधियों के लिए एक अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास और परीक्षण सुविधा / प्रयोगशालाओं का विकास करना।
- उद्योग की जरूरतों और प्रासंगिकता के आधार पर विशिष्ट कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म विकसित करना।
- नई पीढ़ी के उद्यमियों और इनक्यूबेटर्स का उत्पादन करना, जो ऊष्मायन और स्टार्ट-अप सुविधाओं का लाभ लेने के लिए तैयार हैं।

- एआर - वीआर के क्षेत्र में शोधकर्ताओं का एक मुख्य समूह बनाना।
- वर्चुअल लैब सहित शिक्षा में एआर - वीआर का अनुप्रयोग (प्राथमिक, माध्यमिक, कॉलेज और उच्च शिक्षा में हो सकते हैं)
- स्किलिंग और स्किलिंग सिस्टम विकास में एआर - वीआर का अनुप्रयोग।
- बायोमेडिसिन / बायो इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य देखभाल उतापदों में एआर / वीआर के अनुप्रयोग।
- इमर्सिव विजुअलाइज़ेशन
- कुछ चुनिन्दा स्टार्टअप को स्टार्टअप ग्रांट प्रदान करना जिनका पंजीकरण स्टार्टअप केंद्र भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, STPI - भुवनेश्वर अथवा स्टार्टअप - ओडिशा और पुरे भारत से कुछ सबसे नवीन परियोजनाएँ को।
- ग्लोबल वर्चुअल रियलिटी एसोसिएशन जैसे संघों से जुड़ना, और बाद में भुवनेश्वर में एक अध्याय बनाना
- वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी पर वर्कशॉप, हैकथॉन और स्टार्ट-अप कॉलोकियम (WAVR-2021) [09 अप्रैल - 10 अप्रैल 2021]

आईआईटी भुवनेश्वर ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI), मैट्री और ओडिशा सरकार के सहयोग से हाइब्रिड मोड में वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी पर दो दिवसीय (09-10 अप्रैल, 2021)

कार्यशाला, हैकथॉन अप कोलोकियम का आयोजन किया। कॉन्क्लेव और हैकथॉन के उद्घाटन समारोह का उद्घाटन एसटीपीआई के महानिदेशक और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ओमकार राय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, और प्रतिभागियों का स्वागत आईआईटी भुवनेश्वर के प्रोफेसर आर के पांडा, डीन एलुमनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस द्वारा किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की उत्पत्ति और संस्थान में एआरवीआर में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" के दो स्पष्ट आह्वानों को ध्यान में रखते हुए, विनिर्माण, अनुसंधान और विकास गतिविधियों और एआर-वीआर के मुख्य क्षेत्रों में नेतृत्व का निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की आवश्यकता महसूस की गई थी

उन्होंने एआर-वीआर डोमेन में विघटनकारी और प्रेरक उत्पादों / समाधानों के निर्माण के लिए नवोदित उद्यमियों, इंजीनियरिंग छात्रों के लिए संस्थान के सीओई द्वारा वर्ष 2020 में कॉन्क्लेव और हैकथॉन के सफल लॉन्च और निष्पादन का भी उल्लेख किया। उन्होंने अनुप्रयोग विकास से लेकर ड्राइविंग सिमुलेटर डिजाइन तक कई मोर्चों पर एआर-वीआर पर चल रहे शोध कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस दिशा में और पहल की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने संस्थान में AR-VR (VARCOE) में उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण के लिए आईआईटी भुवनेश्वर के साथ हाथ मिलाने के लिए श्रीमती सुष्मिता बागची, अध्यक्ष, मो स्कूल, और श्री. सुब्रतो बागची, ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण, एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार। और एसटीपीआई के परोपकारी समर्थन को भी स्वीकार किया।

मुख्य अतिथि डॉ. ओंकार राय, निदेशक, एसटीपीआई ने पथ-प्रदर्शक समाधान प्रदान करके दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों का समाधान करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारतीय आईटी उद्योग के लिए चुनौतियों पर काबू पाने और इसे दुनिया भर में फैले दर्शकों के लिए एक उदाहरण बनाने में देश का समर्थन करता है। उन्होंने दोहराया कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को उत्प्रेरित करने के लिए एआई, एमएल, आईओटी, एआर और वीआर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने, व्यापार मानदंडों को और आसान बनाने और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता और सहयोगी अनुसंधान और नवाचार के लिए एक उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर जोर दिया, जिससे देश के नागरिकों के लिए स्वदेशी किफायती उत्पादों के निर्माण के लिए तकनीकी कंपनियों और स्टार्ट-अप की मदद की जा सके। उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर और प्रो. आर.वी. राज कुमार को एआर-वीआर के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य के लिए प्रशंसा किये। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सीओई देश में अपनी तरह का पहला है और आने वाले समय में इसे एक अगुआ के रूप में देखता है।

VARCOE इमर्सिव विजुअलाइज़ेशन और अनुप्रयोगों में R & D करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जो कौशल विकास को बढ़ावा देता है, अभिनव शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से जनशक्ति निर्माण और प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमिता को बढ़ावा देता है। कॉन्क्लेव और हैकथॉन में कई अतिथि वार्ताएं, इंटरैक्टिव सत्र, छात्र टीमों द्वारा कार्यशालाएं शामिल हैं। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान कुछ सम्मानित वक्ताओं में श्री निहव जैन, लीड सॉफ्टवेयर इंजीनियर (एसडीके एंड टूल्स), मैजिक लीप, कनाडा, डॉ. पी पी रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की, श्री प्रवीण भानीरामका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अर्थात विशेषज्ञ, श्री सनान गोयल, प्रोजेक्ट मैनेजर- भारत प्रश्न क्या वास्तविक है, रमेश अनुमुकोंडा, चीफ गेमर, संस्थापक ए प्लस एसोसिएट्स एलएलपी और डॉ नेहा तुली असिस्टेंट प्रोफेसर, चितकारा विश्वविद्यालय और सह-संस्थापक 6DoF द्वारा वार्ता शामिल है। । वार्ता और सत्रों के बाद अंतिम दिन एक पुरस्कार समारोह होगा।

इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. आर.के पांडा, डीन एलुमनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, डॉ. पीके साहू, प्रोफेसर-इन-चार्ज, VARCOE, डॉ. राजन झा, एसोसिएट प्रोफेसर और सदस्य, VARCOE, डॉ. वी. पांडुरंगा, एसोसिएट प्रोफेसर, और डॉ. कोडंडा राम मंगीपुडी, सहायक प्रोफेसर, भी उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह का समापन आईआईटी भुवनेश्वर के पीआईसी - VARCOE डॉ. पी.के. साहू, के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

डब्ल्यूएवीआर - 2021 का विस्तृत कार्यक्रम कार्यक्रम इस प्रकार है।

पहला दिन (09-04-2021)

उद्घाटन सत्र	स्वागत भाषण प्रोफेसर आरके पांडा, डीन (एए एंड आईआर)	10:00 AM-10:15 AM	
	उद्घाटन भाषण प्रो आर वी राज कुमार, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर	10:20 AM-10:40 AM	
	मुख्य अतिथि का संबोधन	10:45 AM-11:05 AM	
	अतिथियों का अभिनंदन	11:05 AM-11:10 AM	
	डॉ. प्रशांत कुमार साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन , पीआईसी-VARCOE	11:10 AM-11:15 AM	
सत्र -1	श्री निहव जैन लीड सॉफ्टवेयर इंजीनियर (एसडीके और टूल्स), मैजिक लीप, कनाडा	AR / VR में बहु-उपयोगकर्ता सहयोगी वातावरण	डॉ. योगेश भुमकर 12:00 PM-01:00 PM
सत्र -2	डॉ पी पी रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की	एआर और वीआर मशीन लर्निंग	डॉ पीके साहू और डॉ डी पी डोगरा 02:00 PM 3:00 PM

सत्र 2 क	श्री शुभम गर्गिश श्री बी नायक श्री अरविंद एस	हैकाथॉन अवधारणा, विचार, और मॉडल प्रस्तुति	डॉ राजन झा, डॉ सौम्य प्रकाश दास, श्री स्मरण सत्यथी, ऊष्मायन प्रबंधक, ईपी बीबीएसआर, श्री सानन गोयल परियोजना प्रबंधक, भारत, प्रश्न वास्तविक क्या है 03:00PM-05:30 PM
सत्र 2 ख	श्री अंकित ए भुराने श्री प्रद्युम श्री वर्मा अरविथ आर	हैकाथॉन अवधारणा, विचार, और मॉडल प्रस्तुति	डॉ. मनोरंजन सतीपथी डॉ कोडंडा राम मंगीपुडी, प्रोफेसर अशोक पांडा, श्री नीरज रूपारेल, ग्रुपेम

दूसरा दिन (10-04-2021)

सत्र 3	प्रवीण भानीरामका, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अर्थात विशेषज्ञ	डिजाइन और इंजीनियरिंग उद्योग के लिए आभासी और संवर्धित वास्तविकता-अनुप्रयोग, वर्तमान स्थिति और भविष्य	डॉ. वी. पांडुरंगा 09:05-10:00 AM
	श्री. सानन गोयल परियोजना प्रबंधक - भारत प्रश्न वास्तविक क्या है	एआरवीआर उद्योग का वास्तविक तकनीकी दायरा तथा हार्डवेयर और साफ्टवेयर दोनों में हल करने के लिए संभावित समस्याएं	डॉ पी के साहू 10:00 AM-11:00 AM
	श्री अनुमुकोंडा, पूर्व कंट्री मैनेजर, यूनिटी	अवास्तविक इंजन: एआर / वीआर एमआर यूज केस वीआर	डॉ. सौम्या पी दाश 11:00 AM -11:50 am
सत्र 4	श्री अमित कुमार श्री संकेत मोहंती श्री भानु शर्मा श्री विवेक गोरेपति	हैकाथॉन अवधारणा, विचार, और मॉडल प्रस्तुति 11:25 AM-01:25 PM	डॉ. सत्यनारायण पाणिग्रही, डॉ. किशोर कुमार साहू, श्री. प्रवीण भानीरामका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अर्थात विशेषज्ञ
सत्र 5A	डॉ. नेहा तुली, सीओ, सहायक प्रोफेसर चिकारा विश्वविद्यालय और सह-संस्थाप 6DOF	ऑगमेंटेड रियलिटी की भूमिका एड-टेक 02:00 PM-02:30 PM	डॉ श्रीकांत गोलापुडी, सुश्री लोपा मिश्रा जाना, सीओओ, ईपी बीबीएसआर, श्री सानन गोयल, प्रोजेक्ट प्रबंधक - भारत, प्रश्न
सत्र 5A	श्री सुशांत, श्री अपूर्व जैन श्री दिपायन चौधरी श्री येलगावकर	हैकाथॉन अवधारणा, विचार, और मॉडल प्रस्तुति 02:35 pm-05:05 PM	
सत्र 5B	श्री इन्फेंट सैम क्रिस्चियन श्री दिव्या जी श्री अबिनेश आर श्री निशिथरा एन	हैकाथॉन अवधारणा, विचार, और मॉडल प्रस्तुति	डॉ. मनो रंजन सत्यथी, डॉ. श्रीकांत गोलपुडी, प्रो. एके पांडा, एसटीपीआई बीबीएसआर, श्री धवल जोशी, बिगसाइक 02:35

स्टार्टअप संगोष्ठी

सत्र 6	श्री इन्फेंट सैम क्रिस्चियन श्री दिपायन चौधरी श्री बी नायक डॉ. नेहा तुली श्री सिद्धार्थ आर्य श्री नरेंद्र	शॉर्टलिस्ट करने के लिए संभावित स्टार्टअप द्वारा प्रस्तुति	श्री सुबोध सुचन निदेशक एसटीपीआई मुख्यालय, श्री मानस पांडा, निदेशक एसटीपीआई, बीबीएसआर, डॉ प्रशांत कुमार साहू, डॉ एमएस मणिकंदन, डॉ. योगेश कुमार, डॉ. सत्य नारायण पाणिग्रही, श्री प्रवेश कुमार, एक्सेचर, श्री अनुमुकोंडा, पूर्व कंट्री मैनेजर, एकता 02:30 PM-05:05 PM
--------	--	---	--

पुरस्कार वितरण

समापन सत्र	05:20 PM-05:40 PM	प्रो. भारमोदेव, आईआईटी, भुवनेश्वर, डॉ. पीके साहू, पीआईसी-वरको, डॉ. श्रीकांत, डॉ. के.राम मंगिपुडी, डॉ. एमएस मणिकंदन, निदेशक अनुसंधान पार्क	
------------	-------------------	---	--

विशेषज्ञों की बातचीत का सारांश नीचे सूचीबद्ध है।

विशेषज्ञ वार्ता 1

शीर्षक: एआर / वीआर में बहु-उपयोगकर्ता सहयोगात्मक वातावरण

वक्ता: श्री निहव जैन

विषय: यह वार्ता उन बुनियादी बातों का परिचय देती है जो सहयोगी वातावरण बनाने के पीछे जाती हैं और डेवलपर को एंड-टू-एंड यात्रा का वर्णन करते हुए 2 सामान्य कार्यान्वयन प्रतिमान दिखाए गए थे। एआर समस्याओं को हल करने के लिए अपने आवेदन को संभव बनाने के लिए आगे बढ़ना होगा।

विशेषज्ञ वार्ता 2

शीर्षक: मशीन लर्निंग का उपयोग कर एआर और वीआर

वक्ता: डॉ. पी.पी. रॉय

विषय: यह वार्ता ने एआरवीआर में मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वार्ता 3

शीर्षक: डिजाइन और इंजीनियरिंग उद्योग के लिए आभासी और संवर्धित वास्तविकता - अनुप्रयोग,

वक्ता: श्री प्रवीण भानिरामका

विषय: इस वार्ता में डिजाइन और इंजीनियरिंग उद्योग में पुनर्विक्रय और उद्योग में पुनर्विक्रय को कम करने के लिए एआर/वीआर के उपयोग के विषय को शामिल किया गया है। वार्ता ने जहाज निर्माण उद्योग से संबंधित 2 केस स्टडी की प्रदान की।

विशेषज्ञ वार्ता 4

शीर्षक: एआरवीआर उद्योग का तकनीकी दायरा और हार्डवेयर और सॉफ्ट दोनों में हल करने के लिए संभावित समस्याएं

वक्ता: श्री सनन गोयल, क्यूडब्ल्यूआर

विषय: वार्ता मुख्य रूप से एक्सआर उद्योग और संभावित समस्याओं को हल करने पर केंद्रित थी।

विशेषज्ञ वार्ता 5

शीर्षक: अवास्तविक इंजन: एआर/वीआर/एमआर उपयोग के मामले

वक्ता: श्री रमेश अनुमुकोंडा

विषय: वार्ता में मुख्य रूप से अवास्तविक इंजन और रीयल-टाइम 3डी ऑब्जेक्ट निर्माण में इसके उपयोग पर प्रकाश डाला गया था

विशेषज्ञ वार्ता 6

शीर्षक: शिक्षा में संवर्धित वास्तविकता की भूमिका व

वक्ता: डॉ. नेहा तुली

विषय: वार्ता एआर के उपयोग का परिचय देती है/ शिक्षा क्षेत्र में वीआर के साथ-साथ शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव भारत के लिए परिवर्तन की आवश्यकता है।

समापन दिवस

आईआईटी भुवनेश्वर ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI), मेट्री और ओडिशा सरकार के सहयोग से आईआईटी भुवनेश्वर में AR-VR कॉन्क्लेव और हैकार्थॉन पर दो दिवसीय (9 -10 अप्रैल, 2021) कॉन्क्लेव सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस अवसर पर ओडिशा के प्रोफेसर ब्रह्मा देव, एमजीएम चेयर प्रोफेसर, आईआईटी भुवनेश्वर विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, सम्मानित अतिथि, प्रोफेसर ब्रह्मा देव, एमजीएम चार प्रोफेसर, आईआईटी भुवनेश्वर ने सभी भाग लेने वाले संस्थानों और टीमों को उनके उत्साह और नवीनीकरण के लिए बधाई दी। एआर-वीआर डोमेन में नवोदित उद्यमियों और इंजीनियरिंग छात्रों को प्रोत्साहन देने में सफल उन्होंने सीओई में एआर-वीआर में अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में भी उल्लेख किया, जो जल्द ही उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे पूरे देश के लोग अग्रणी होंगे। संस्थान में प्रशिक्षण और कार्यशालाओं से गुजरना होगा। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दो दिवसीय कॉन्क्लेव और हैकार्थॉन ने देश के सर्वोत्तम दिमागों को मिलाकर उत्तेजक सत्रों का दावा किया, जिससे एआर-वीआर के क्षेत्रों में उपयोगी परिणाम प्राप्त हुए।

पी.के. साहू, PIC-VARCOE, आईआईटी भुवनेश्वर ने दो दिवसीय कॉन्क्लेव और हैकार्थॉन की समापन रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर WAVR-21 के आमंत्रित वक्ताओं, सत्र अध्यक्षों और जूरी सदस्यों को प्रो. ब्रह्मा देव द्वारा वर्चुअल मोड पर सम्मानित किया गया। समापन समारोह के बाद एआर-वीआर कॉन्क्लेव और हैकार्थॉन के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

तीन सर्वश्रेष्ठ टीमों ने **50,000, 30,000 रुपये और 20,000 रूपये का नकद पुरस्कार जीता। श्री विवेक गोरेपति (आईआईटी हैदराबाद), श्री प्रद्युम्न वर्मा (केआईआईटी विश्वविद्यालय), और श्री संकेत मोहंती (उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान, डीआरडीओ, पुणे)** के नेतृत्व में टीम का नेतृत्व कर रहे थे। इसके अलावा एक लाख रुपये का सांत्वना पुरस्कार भी दिया। श्री आदित्य येलिकर (मुंबई विश्वविद्यालय) को 10,000 का पुरस्कार दिया गया। नकद पुरस्कारों के अलावा इंटरशिप के अवसर और XROM से प्रथम पुरस्कार विजेता को उपहार की घोषणा की गई। साथ ही एक्सरोम द्वारा तीन और टीमों के लिए इंटरशिप प्रावधान की पेशकश की जाएगी। विजेता और चयनित प्रविष्टियां जिन्होंने हैकार्थॉन के दौरान (60%) से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें VARCOE में एक ऊष्मायन सुविधा की पेशकश की जाएगी। यह भौतिक/आभासी ऊष्मायन हो सकता है। इस संबंध में एक औपचारिक पत्र/प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी से उचित अनुमोदन के बाद जारी किया जाएगा।

इन्क्यूबेशन के लिए इच्छुक स्टार्ट-अप का मूल्यांकन चयन समिति द्वारा किया जाएगा, जो स्टार्ट-अप को लोक्रियम राउंड का मूल्यांकन करेगा और उपयुक्त पाए पर उन्हें रु. 5 लाख प्रदान करेगा (VARCOE, आईआईटी भुवनेश्वर के तहत एक तरह के अपनी गतिविधियों को स्थापित करने के लिए)

क्र. सं.	नाम	पुरस्कार श्रेणी	राशि (रु में)
1.	श्री विवेक गोरेपति, आईआईटी हैदराबाद डॉ रोहित जी, एम्स भुवनेश्वर रागा लिखिता मुसुनुरी, आईआईटी हैदराबाद डॉ देवयानी सिंह, एम्स भुवनेश्वर	प्रथम पुरस्कार	₹50000.00
2.	प्रद्युम्न वर्मा, केआईआईटी, अनिर्बान दास, केआईआईटी, शर्मा, केआईआईटी, ऐशिका दास, केआईआईटी	दूसरा पुरस्कार	₹30000.00
3.	श्री संकेत मोहंती, रिसर्च फेलो कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी डीआरडीओ गिरिनगर पुणे	तीसरा पुरस्कार	₹20000.00
4.	श्री आदित्य येलगवाका (पूर्व मुंबई विश्वविद्यालय), इंफोसिस	सांत्वना पुरस्कार	₹10000.00

समापन समारोह में VARCOE, के प्रभारी प्रोफेसर, डॉ. पी.के साहू, आईआईटी भुवनेश्वर के सहायक प्रोफेसर डॉ. श्रीकांत गोलापुडी, और डॉ. कोडंडा राम मंगीपुडी, भी उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह आईआईटी भुवनेश्वर के सहायक प्रोफेसर डॉ. कोडंडा राम मंगीपुडी, द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ।



नवीन ऊर्जा सामग्री के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CENEMA)

मुख्य अनुसंधान का ध्यान नवीन ऊर्जा सामग्री के लिए उत्कृष्टता केंद्र पर केंद्रित है जो अत्याधुनिक प्रयोगात्मक, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल विधियों का उपयोग करके उन्नत ऊर्जा सामग्री पर काम करता है। समूह ने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा संचयन और भंडारण दोनों के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित करने के लिए दृढ़ दृष्टिकोण अपनाया है। चूंकि ऊर्जा एक बहुआयामी अनुसंधान विषय है, इसलिए वहनीय पद्धतियों के आधार पर अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने के लिए एनआईएसईआर, आईओपी और आईएमएमटी जैसे संस्थानों के साथ सहयोगात्मक सहयोग शुरू किया गया है।

केन्द्रित क्षेत्र

- ऊर्जा रूपांतरण के लिए उत्प्रेरक के रूप में और अगली पीढ़ी के ऊर्जा भंडारण उपकरणों (ई.जी.बैटरी, सुपर कैपासिटर) के लिए उत्प्रेरक के रूप में उच्च ग्रेड, नवीन और बहुक्रियाशील सामग्री / यौगिकों को संश्लेषित करना।
- सममित, असममित और हाइब्रिड कॉइन-सेल जैसा सुपर कैपासिटर उपकरणों का निर्माण और इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे व्यापक अनुप्रयोगों के लिए बड़े मॉड्यूल के विकास की संभावनाओं का पता लगाना।
- कटाई/भंडारण मॉड्यूल के मुख्य घटकों के रूप में उपयोग करने के लिए प्रचुर मात्रा में, कम विषैले और गैर-खतरनाक तत्वों या यौगिकों का उपयोग करें, और औद्योगिक सहायता की मदद से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा तेजी से व्यावसायीकरण के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाएं
- पहले सैद्धांतिक घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत के माध्यम से विस्तृत सैद्धांतिक मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण ऊर्जा संबंधित अनुप्रयोगों के लिए सर्वोत्तम संभव सामग्री / यौगिकों को छानने में एक तरीका तैयार करना।
- यह ऊर्जा संचयन और भंडारण दोनों के लिए एक अनुकूलित प्रणाली खोजने में मदद करेगा, और इसके अलावा अवांछित संश्लेषण / लक्षण वर्णन / माप चरणों को समाप्त करके समय और लागत दोनों को कम करेगा।
- केंद्र ने अगली पीढ़ी की ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों यानी सुपर कैपासिटर के अनुसंधान और विकास की देखरेख की है, और व्यापक अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों, उद्योग भागीदारों (नालको और टाटा) के साथ दृढ़ सहयोगात्मक सहयोग और राष्ट्रीय

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक समुदायों के साथ अनुसंधान उत्पादन के प्रसार (और साझाकरण) के संदर्भ में ऐसा करना जारी रखा है। हमारा सैद्धांतिक समूह ऊर्जा संचयन और भंडारण से जुड़ी समस्याओं के सबसे व्यवहार्य और अनुकूलित समाधान खोजने में मदद करने के लिए व्यापक और कठोर मॉडलिंग-आधारित गणना करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

एक नजर में गतिविधियाँ

- हाइड्रोथर्मल, सोल-जेल, और भाटा विधियों जैसी तकनीकों के माध्यम से बड़े पैमाने पर संश्लेषण दो आयामी स्तरित संक्रमण धातु चालकोजेनाइड्स और उनके ग्राफीन हाइब्रिड के आधार पर उच्च प्रदर्शन इलेक्ट्रोड सामग्री और उत्प्रेरक को वहन करने के लिए।
- कुछ प्रकार की सामग्रियों की तैयारी और विशेष अनुप्रयोग के लिए रासायनिक वाष्प जमाव तकनीक के माध्यम से उच्च अंत प्रयोगशाला संश्लेषण का कार्यान्वयन।
- स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए लचीला और कॉम्पैक्ट सुपरकैपासिटर मॉड्यूल का विकास। हम बिजली और ऊर्जा आधारित अनुप्रयोगों दोनों में उपयोग के लिए इलेक्ट्रोड के सममित और असममित विन्यास दोनों का उपयोग करके 2032 प्रकार के कोएन-सेल सुपरकैपासिटर उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं।
- हाइड्रोजन और ऑक्सीजन प्राप्त करने के लिए जल-विभाजन की प्रतिक्रिया के लिए धातु-मुक्त उत्प्रेरक का संश्लेषण, क्रमशः ईंधन कोशिकाओं और धातु-वायु बैटरी के लिए उपयोग किया जाता है। केंद्र में कुछ द्वि-कार्यात्मक उत्प्रेरक सामग्रियों को विकसित किया गया है जो एचईआर और ओईआर के प्रति अच्छी विद्युत रासायनिक गतिविधियों को दर्शाता है।
- हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया दोनों को बढ़ावा देने के लिए कम लागत और पृथ्वी प्रचुर मात्रा में सामग्री की खोज करके व्यावसायिक रूप से उपलब्ध श्रेष्ठ-धातु-आधारित अत्याधुनिक उत्प्रेरक के लिए उपयुक्त विकल्प ढूंढना।
- एक्स-रे विवर्तन, फील्ड-एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, हाई-रेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, एलिमेंटल मैपिंग, एनर्जी डिस्पर्सिव एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और एक्स-रे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी आदि के माध्यम से व्यापक सामग्री लक्षण वर्णन। सामग्री लक्षण वर्णन के लिए केंद्र और सहयोगी संस्थानों में उपलब्ध कराया गया है।

- सुपरकै पेसिटर उपकरणों की विस्तृत विद्युत रासायनिक जांच (सममित, असममित और हाइब्रिड कॉन्फिगरेशन में) और सटीक परिणामों के लिए उच्च-अंत विद्युत रासायनिक कार्यस्थल की सहायता से जल विभाजन।
- सिनेमा कम लागत वाले और दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों पर भी काम कर रहा है जिसे सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल में एकीकृत किया जाएगा ताकि दूरद राज के स्थानों में ग्रिड से वंचित आबादी को बिजली की निरंतर आपूर्ति प्रदान की जा सके।
- मॉडलिंग दृष्टिकोण के माध्यम से, हमने डेंड्रिटिक विकास के सबसे उल्लेखनीय मुद्दे को सफलतापूर्वक संबोधित किया है, जो अक्सर लिथियम-आयन सिस्टम में पाए जाते हैं, थोक धातु-लिथियम की जगह या इसके यौगिक को लिथियम-परमाणु-समूहों के साथ बदलने की संभावना दिखाते हैं। यह न केवल लिथियम-आधारित बैटरी प्रणालियों में वृक्ष के समान विकास के मुद्दे को समाप्त करेगा, बल्कि एक उपयुक्त इलेक्ट्रोलाइटिक विलायक के चयन के माध्यम से क्लस्टर-आधारित बैटरी की शुद्ध प्रभावी इलेक्ट्रोड क्षमता को भी बढ़ाएगा।

उद्योग सहभागी

- विभिन्न सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से नाल्को और टाटा जैसे उद्योगों के साथ साझेदारी और तेजी से व्यावसायीकरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास के लिए अत्याधुनिक निर्माण और लक्षण वर्णन तकनीकों को साझा करना।
- हाल के एक काम में, हमारे समूह ने पाउडर धातु विज्ञान मार्ग के माध्यम से एक एल्यूमीनियम-ग्राफीन समग्र प्रणाली को संश्लेषित किया है, जो तांबे की तुलना में उत्कृष्ट तापीय चालकता मूल्यों को दर्शाता है। उक्त सम्मिश्रण, अपने बढ़े हुए तापीय चालकता गुणों के कारण सौर जल तापन मॉड्यूल में उपयोग के लिए धातु तांबा के लिए एक संभावित कम लागत वाला विकल्प है। कं पोजिट का संश्लेषण और निर्माण नाल्को के उद्योग सहयोगी के रूप में सक्रिय सहयोग से किया गया है।
- 3 करोड़ रुपये की कई नवीन अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से सेनमा में नालको के साथ मजबूत सहयोग शुरू किया गया है।

प्रकाशन/ पेटेंट और स्टार्ट-अप

हमने हाल ही में नालको के सहयोग से एल्यूमीनियम-ग्राफीन कं पोजिट की बढ़ी हुई थर्मल चालकता ने अपना काम किया है। इस विषय पर पांडुलिपियों के रूप में अतिरिक्त परिणाम भी सूचित किया गया है। दो पेटेंट हमारे निष्कर्षों पर और कुछ पाइप लाइन पर दायर किया गया है। नालको के साथ सहयोगी परियोजनाओं में, हमने वाणिज्यिक हित के कई परिणाम हासिल किए हैं जैसे एल्यूमीनियम-ग्राफीन कं पोजिट के बेहतर थर्मल गुण, उच्च यांत्रिक शक्ति और वर्तमान वहन क्षमता और कम लागत वाले ऊर्जा भंडारण उपकरण। परिणाम जल्द ही सहकर्मी द्वारा पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाएगा और प्रासंगिक पेटेंट भी दाखिल किया जाएगा।

हम किफ़ायती और अनुकूलित सौर ऊर्जा चालित फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के विकास के लिए अक्षय ऊर्जा अनुसंधान पर भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, के पहले स्टार्ट-अप 'KARMA' के साथ सहयोग करना जारी रखे हैं और पूरे भारत में दूरद राज के स्थानों में ग्रिड से वंचित घनी आबादी के लिए उचित चैनलों के माध्यम से समान वितरित करते हैं। साथ ही, हम अपने देश में नवीकरणीय ऊर्जा के दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सौर संचालित माइक्रो-पंप-सेट और छोटे ठंडे भंडारण वाहनों के लाभों को समझने में मदद करने के लिए एक बड़े फ़्रेमर बेस और छोटे पैमाने पर विक्रेताओं से जुड़ रहे हैं।

एस. के दाश जीव विज्ञान और अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (SKBET)

2014 में इस उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना यूएसए के डॉ. दास फाउंडेशन द्वारा उदार अनुदान के साथ प्रोबायोटिक्स और जीव विज्ञान के व्यापक क्षेत्रों में शोध करने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में की गई थी। केंद्र में सूक्ष्म जीव विज्ञान, कोशिका जीव विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान पर अनुसंधान करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाजनक उपकरणों के साथ एक विश्व स्तरीय प्रयोगशाला की व्यवस्था है।

18 दिसंबर 2018 को नई शोध प्रयोगशालाओं का उद्घाटन एम्स भुवनेश्वर के निदेशक डॉ. गीतांजलि बतमनामने; अध्यक्ष और यूएसए प्रयोगशालाएं, एलएलसी के संस्थापक डॉ. सीता कांत दाश; भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, के निदेशक प्रो. रत्नम वी. राजकुमार; और सह-समन्वयक, स्केबेट, प्रो. सरोज कुमार नायक द्वारा किया गया था।

केंद्र का लक्ष्य प्रोबायोटिक्स न्यूट्रास्यूटिकल्स और फार्मास्यूटिकल्स विकसित करना है जिनका उपयोग प्रतिरक्षा में सुधार, उम्र बढ़ने की प्रक्रियाओं को कम करने और विभिन्न गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों के इलाज के लिए किया जा सकता है। एसकेबीईटी की स्थापना के प्रारंभिक वर्षों में, केंद्र ने अत्याधुनिक प्रोबायोटिक्स अनुसंधान करने के लिए अपनी क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया। केंद्र ने उनके प्रोबायोटिक गुणों के लिए विभिन्न संभावित प्रोबायोटिक उपभेदों की जांच की और नौ उपन्यास प्रोबायोटिक उपभेदों की सफलतापूर्वक पहचान की, जो एक आठ मल्टीड्रग-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के खिलाफ रोगाणुरोधी गतिविधि के संबंध में प्रोबायोटिक स्ट्रेन, एलए डीडीएस1 की स्थापना की। नए पहचाने गए प्रोबायोटिक्स उपभेदों में से दो बाहरी मीडिया में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट का स्राव करते हैं। इसलिए, इन दो उपभेदों की जांच

कैंसर विरोधी और सूजन रोधी विकारों के लिए की जा रही है और सुसंस्कृत स्तनधारी कोशिका प्रणालियों में प्रभावी पाए गए हैं। सभी नौ प्रोबायोटिक्स उपभेदों का वर्तमान में C57BL/6 और BALB/c माउस मॉडल में परीक्षण किया जा रहा है और उन्हें सुरक्षित पाया गया है। मोटापे, मधुमेह, और विभिन्न सूजन संबंधी विकारों की रोकथाम/उपचार के लिए माउस मॉडल में इन प्रोबायोटिक्स उपभेदों के साथ आगे के अध्ययन वर्तमान में चल रहे हैं। केंद्र में पहचाने गए प्रोबायोटिक्स उपभेदों का उपयोग करके इन-विट्रो में सोलह सिनबायोटिक उत्पादों को तैयार और विशेषता दी गई है। इन सोलह उत्पादों का सेल कल्चर में अध्ययन किया जाएगा, और माउस मॉडल के बाद जराचिकित्सा, सूजन और जठरांत्र संबंधी विकारों को कम करने/उपचार करने के लिए चिकित्सकीय परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा, केंद्र से तेरह लेख प्रकाशित किए गए हैं और सत्रह शोध प्रबंध परियोजनाओं को 2020 की गर्मियों तक केंद्र में सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। केंद्र अगली पीढ़ी के प्रोबायोटिक्स उपभेदों की खोज करने और नए प्रोबायोटिक्स उत्पादों को नया करने के लिए संपन्न और आगे बढ़ रहा है जिनका उपयोग किया जा सकता है। पोषक तत्वों की खुराक के साथ-साथ विभिन्न गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और सूजन संबंधी विकारों के औषधीय हस्तक्षेप के रूप में कया जा सकता है। केंद्र उपरोक्त विकारों को रोकने/उपचार करने के साथ-साथ मानव की जीवन प्रत्याशा में सुधार करने के लिए सिंथेटिक माइक्रोबियल उत्पादों का नवाचार करने के लिए भी काम कर रही है।



एसकेबीईटी की माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला में एक नया स्थापित लियोफिलाइज़र



एसकेबीईटी की आण्विक जीवविज्ञान प्रयोगशाला में एक नई स्थापित जल विआयनीकरण इकाई



एसकेबीईटी की सेल बायोलॉजी प्रयोगशाला में एक नया स्थापित बीएसएल 2 जैव सुरक्षा कैबिनेट



एसकेबीईटी की सेल बायोलॉजी प्रयोगशाला में एक नया स्थापित बीएसएल 2 जैव सुरक्षा कैबिनेट

डिजाइन इनोवेशन सेंटर (DIC)

डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) की स्थापना नेशनल इनिशिएटिव फॉर डिजाइन इनोवेशन (एनआईडीआई) योजना के तहत की गई है, जिसे एक बल गुणक के रूप में काम करने के लिए लॉन्च किया गया है जो देश को विश्व स्तर की प्रतिस्पर्धी पर भारतीय उद्योग बनाकर मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह नवाचार और रचनात्मकता पर केंद्रित डिजाइन आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के तहत एक पहल है। इस योजना के तहत बीस डिजाइन इनोवेशन सेंटर, एक ओपन डिजाइन स्कूल (ओडीएस) और एक नेशनल डिजाइन इनोवेशन नेटवर्क (एनडीआईएन) के साथ डिजाइन शिक्षा की पहुंच को अधिकतम करने के लिए भी स्थापित किया गया है।

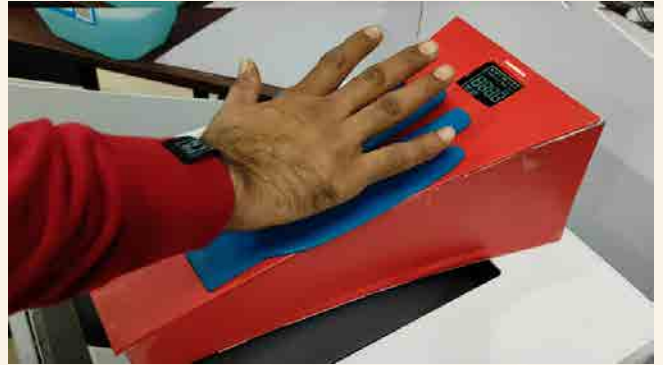
नेशनल इनिशिएटिव फॉर डिजाइन इनोवेशन (एनआईडीआई) योजना के तहत आईआईटी, भुवनेश्वर में एक डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) की स्थापना पूर्वी भारत में डिजाइन सीखने और नवाचार की शुरुआत के लिए एक अच्छा अवसर है। डिजाइन इनोवेशन सेंटर, आईआईटी भुवनेश्वर ने रचनात्मकता के क्षेत्र में 2015 से अब तक कई प्रगतिशील भागीदारी में खुद को शामिल किया है। यह नवोदित इंजीनियरों में परियोजनाओं को शुरू करने के लिए नवीन सोच की संस्कृति का संचार करता है, जो मुख्य रूप से बच्चों के लिए शैक्षिक और समुदाय संचालित उत्पादों के विकास की ओर ले जाता है, लेकिन निश्चित रूप से, यहीं तक सीमित नहीं है।



2020-21 के दौरान अभिनव अवधारणाएं अमल में लाई गईं

1. स्वचालित गैर-संपर्क तापमान मूल्यांकन उपकरण

किसी व्यक्ति की सतह के तापमान को मापने की एक विधि "नोटच" या गैर-संपर्क तापमान मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग है, जैसे कि इन्फ्रारेड टेलीथर्मोग्राफिक सिस्टम या गैर-संपर्क इन्फ्रारेड थर्मामीटर। अन्य तापमान मूल्यांकन उपकरणों, जैसे कि मौखिक थर्मामीटर के उपयोग के लिए शारीरिक संपर्क की आवश्यकता होती है जिससे महामारी के दौरान संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, DIC, आईआईटी भुवनेश्वर ने किसी भी व्यक्ति के तापमान का पता लगाने के लिए एक स्वचालित गैर-संपर्क तापमान मूल्यांकन उपकरण विकसित किया है। इन उपकरणों के कई फायदे हैं, लेकिन इन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करने की जरूरत है। चूंकि ऊंचा तापमान निर्णायक रूप से एक कोविड-19 संक्रमण का संकेत नहीं देता है, इसलिए यह निर्धारित करने के लिए कि किसी को कोविड-19 संक्रमण है या नहीं, आगे के मूल्यांकन और नैदानिक परीक्षण की आवश्यकता है।



2. ऑटोमेटिक नॉन-कॉन्टैक्ट हैंड सैनिटाइज़र,

जब से कोरोना वायरस आया और दुनिया भर में फैला है, हैंड सैनिटाइज़र की मांग बढ़ गई है। आमतौर पर एक हाथ से पंप को दबा कर तरल सैनिटाइज़र निकाल कर सैनिटाइज़र किया जाता है। इससे कई लोग पंप के हैंडल के संपर्क में आ जाते हैं, जिससे वायरल ट्रांसमिशन का खतरा बढ़ जाता है। बाजार में कुछ हैंड सैनिटाइज़र अपने आप पंप हो जाते हैं। हालांकि, चूंकि सैनिटाइज़र कंटेनर और पंप डिवाइस केवल उसी निर्माता द्वारा उत्पादित उत्पादों के बीच

संगत होने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसलिए उपभोक्ताओं को हैंड सैनिटाइज़र को बदलने पर तरल के लिए कंटेनर को फिर से खरीदना होता था। इसके अलावा, कोई भी मार्केट सैनिटाइज़र, सैनिटाइज़र फैलाने वाले क्षेत्र और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए धुंध तकनीक प्रदान नहीं करता है, यहां तक कि इसे बिना किसी रुकावट के चलाने के लिए रिचार्जबल सपोर्ट भी नहीं देता है। डीआईसी, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 2 अलग-अलग प्रकार के स्वचालित (आईआर आधारित) हैंड सैनिटाइज़र विकसित किए हैं, जिसमें सभी नवीनतम सुविधाएँ शामिल हैं।



संस्करण 1: औद्योगिक उपयोग के लिए अपने स्वयं के पंप सिस्टम, कंटेनर और धुंध प्रौद्योगिकी के साथ स्वचालित हैंड सैनिटाइज़र।



संस्करण 2: अपने स्वयं के पंप सिस्टम, कंटेनर, धुंध प्रौद्योगिकी और व्यक्तिगत उपयोग के साथ-साथ औद्योगिक उपयोग के लिए रिचार्जबल बैटरी पैक के साथ स्वचालित हैंड सैनिटाइज़र

संस्करण 3: दूरस्थ दूरी से स्तर और बैटरी की स्थिति की जांच करने के लिए आईओटी सुविधा के साथ दूसरा संस्करण । (परियोजना में अवधारणा)

3. स्मार्ट ऊर्जा कुशल या वाट क्षमता नियंत्रित एलईडी

वाट क्षमता ऊर्जा उपयोग के लिए माप की एक इकाई है और लोग अपने उपयोग के अनुसार अलग-अलग वाट क्षमता के आधार पर प्रकाश बल्ब खरीदते हैं। यदि आप चाहते हैं कि दीपक अधिक प्रकाश डाले, तो एक उच्च वाट क्षमता वाला बल्ब खरीदते हैं। कम रोशनी के लिए, कम वाट क्षमता को चयन करते हैं। आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक कमरे में 2-3 से अधिक LEDS लगाना पड़ता है। इस अवधारणा के साथ आगे बढ़ना उचित नहीं है।

उपरोक्त समस्या के समाधान के लिए आईटी भुवनेश्वर के डीआईसी, ने एक स्मार्ट वाट क्षमता नियंत्रित एलईडी विकसित की है जिसकी वाट क्षमता या दूसरे शब्दों में, आईआर रिमोट द्वारा उपयोग के अनुसार लुमेन को नियंत्रित किया जा सकता है। जो महीने के अंत में बिजली बिल का भुगतान करते समय अच्छी मात्रा में यूनिट बचा

सकती है। यह कम पैसे में उतनी ही रोशनी से आपके घर को रोशन करता है। एक औसत परिवार अपने ऊर्जा बजट का लगभग 5% प्रकाश व्यवस्था के लिए खर्च करता है। ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था पर स्विच करना आपके ऊर्जा बिलों में कटौती करने के सबसे तेज़ तरीकों में से एक है।

विकसित एलईडी न केवल ऊर्जा कुशल उपकरण है बल्कि एक आपातकाल के समय सहायक भी है। बिजली या बिजली कटौती के अभाव में, यह अपना काम जारी रखता है क्योंकि इसे वॉटज खपत के आधार पर 3-5 घंटे के लिए अनवरत चलाने के लिए डिवाइस के साथ एक बैटरी पैक शामिल किया गया है

डिवाइस को अन्य संचार तकनीक जैसे ब्लूटूथ और वाई-फाई के साथ भी जांचा जाता है। आईआर रिमोट को स्थानीय क्षेत्र के लिए एलईडी को ब्लूटूथ से जोड़ने वाले एंड्रॉइड ऐप और विस्तृत क्षेत्र के लिए वाई-फाई के साथ बदला जा सकता है।

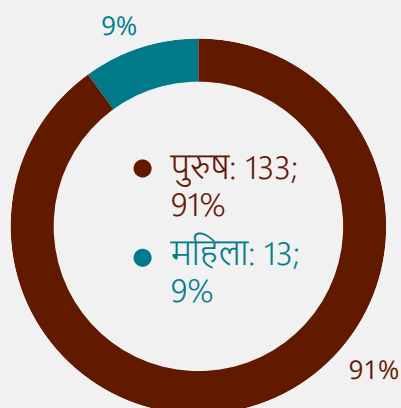


डीआईसी की अब तक की स्थिति

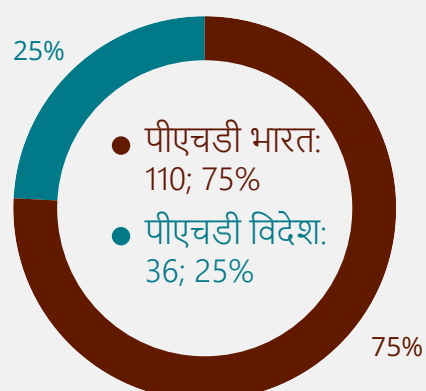
- लगभग 15000 छात्रों तक पहुंचा
- स्टार्ट-अप उठाए गए: 03
- प्रवक्ता साथी: 04
- पेटेंट भरे गए : 20
- छात्रों का प्रोजेक्ट लिया गया: लगभग 85
- आयोजित प्रमुख कार्यक्रम: लगभग 25

हमारे संकाय

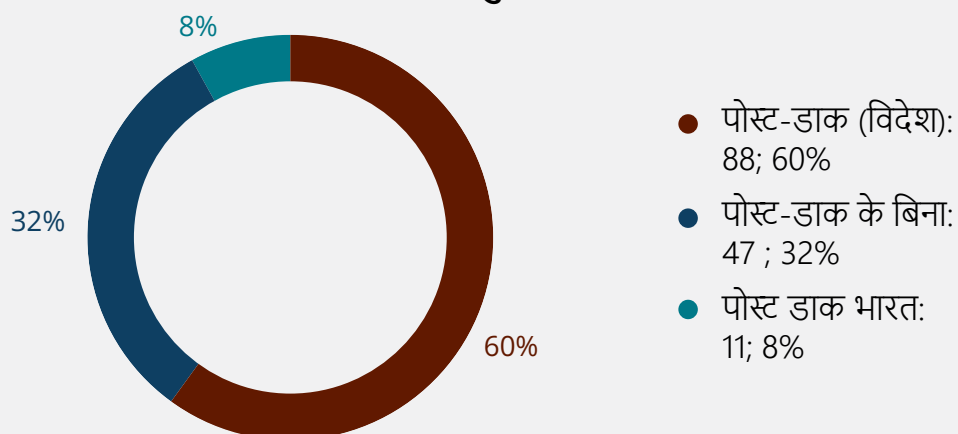
संकाय के लिंगवार वितरण



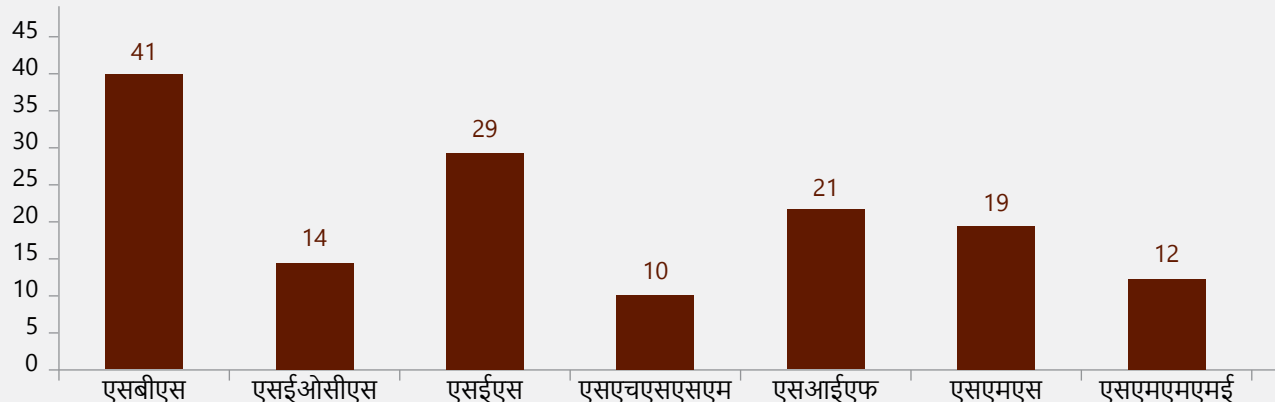
पीएचडी के साथ सभी संकाय



पोस्ट-डॉक्टरल के अनुभव के साथ संकाय



संकाय का विद्यापीठवार वितरण



आधारीय विज्ञान विद्यापीठ			
क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
1.	प्रो. सरोज कुमार नायक प्राध्यापक nayaks@iitbbs.ac.in	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 1995	आणविक गतिशीलता सिमुलेशन के पहले सिद्धांत, नैनोस्ट्रक्चर, क्रांटम परिवहन, क्रांटम जीवविज्ञान
2.	प्रो.सुजीत रॉय प्राध्यापक sroy@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1987	ऑर्गेनोमेट्रिक केमिस्ट्री, समरूप उत्प्रेरक
3.	प्रो. वी. आर. पेदिरेड्डी प्राध्यापक vr.pedireddi@iitbbs.ac.in	हैदराबाद विश्वविद्यालय,, 1993	सॉलिड स्टे रसायन; सुप्रामॉलिक्यूलर रसायन शास्त्रय जैविक, जैविक और अजैविक एन्सेम्ब्लेस की सेल्फ एसेंब्ली
4.	प्रो. पी.वी सत्य प्राध्यापक satyam@iitbbs.ac.in	भौतिकी संस्थान/उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा, 1997	सतह एवं इंटरफेस, इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी, प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ भौतिकी, ऊर्जा सामग्री।
5.	डॉ. टी. वी. एस. शेखर सह प्राध्यापक sekhartvs@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 1995	संख्यात्मक तरीके; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी;
6.	प्रो. वी.आर यारिकलापुडु अभ्यागत प्राध्यापक ryvasudeva@iitbbs.ac.in	आंध्रा विश्वविद्यालय,, 1980	आल्ट्रासोनिक नॉनस्ट्रैक्टिव परीक्षण के लिए गणितीय मॉडलिंग, लोचदार तरंग गति और कंपन
7.	प्रो. प्रवाल सिन्हा अभ्यागत प्राध्यापक prawal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं बाम्बे, 1976	मैथमैटिशियन माडॉलिंग-लुबरीके शन थियोरी
8.	डॉ. अक्षय कुमार ओझा सह प्राध्यापक akojha@iitbbs.ac.in	उत्कल विश्वविद्यालय, 1997	सॉफ्ट कं प्यूटिंग; अनुकूलन सिद्धांत (ज्यामितीय प्रोग्रामिंग और फ्रे कशनल प्रोग्रामिंग; डेटा खनन और पोर्टफोलियो अनुकूलन
9.	डॉ. कारी विजयकृष्ण सह प्राध्यापक kvijayakrishna@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2006	कार्यविशिष्ट आईएलएस का संश्लेषण और पोलीमिज़ेबल आईएल मोनोमर्स; चिरल पॉलिमर का संश्लेषण और चिरल इंडक्शन में उनके अनुप्रयोग; अचिरल और चिरल रेजिन का संश्लेषण और संश्लेषण में उनके अनुप्रयोग; जनहित याचिका धातु नैनोकणों और उनके अनुप्रयोगों को स्थिर करती है; पॉलीइलेक्ट्रोलाइट-डीएनए इंटरैक्शन अध्ययन; गैस पृथक्करण झिल्ली के लिए जनहित याचिका; परमाणु अपशिष्ट उपचार के लिए एमआईपी और रेजिन का संश्लेषण; (आरएएफटी व्युत्पन्न) आयनिक, पीएच, तापमान और विलायक उत्तरदायी होमो- और दवा वितरण के लिए अपने स्वयं के संयोजन के प्रति कोपोलिमर का संश्लेषण।
10.	डॉ. वासुदेव राव अल्लू सह प्राध्यापक avrao@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं.मद्रास, 2010	जटिल विश्लेषण; ज्यामितीय कार्यसिद्धांत; प्लेन में हार्मोनिक मैपिंग।
11.	डॉ. आशीष विश्वास सह प्राध्यापक abiswas@iitbbs.ac.in	बोस इंस्टीट्यूट, 2006	जैव रासायनिक और बायोफिज़िकल तकनीकों का उपयोग करते हुए छोटे गर्म के सदमे प्रोटीन और मानव रोगों (कुष्ठ और तपेदिक) में इसके महत्व के संबंध में संरचना-फ़ंक्शन संबंधों का संवर्धन; नेत्र लेंस क्रिस्टलीय प्रोटीन पर विभिन्न पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधनों के प्रभाव की जांच करना और बायोफिज़िकल तरीकों का उपयोग करके मानव लेंस में मोतियाबिंद के गठन को विकसित करने में उनकी भूमिका; विभिन्न जैव रासायनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए डीएनए और प्रोटीन के साथ धातु परिसरों (एंटी-कैंसर एजेंट) की बातचीत के पीछे तंत्र को स्पष्ट करना।

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
12.	डॉ. चंद्रशेखर भामिदीपति सह प्राध्यापक chandrasedkhar@iitbbs. ac.in	भौतिकी संस्थान, 2006	हीट इंजन, ऊष्मप्रवैगिकी और सांख्यिकीय यांत्रिकी; ब्लैक होल्स; स्ट्रिंग सिद्धांत
13.	डॉ. राजन झा सह प्राध्यापक rjha@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2007	ऑप्टिकल डिवाइस; प्लाज्मोनिक्स; फाइबर ऑप्टिक
14.	डॉ. सब्यसाची पाणि सह प्राध्यापक spani@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2004	भिन्नता संबंधी असमानताएं और पूरक समस्याएं ; एप्लाइड फंक्शनल एनालिसिस; अनुकूलन तकनीक
15.	डॉ. सस्मिता बारिक सह प्राध्यापक sasmita@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2007	कॉम्प्यूटेशनल मैट्रिक्स थ्योरी; ग्राफ सिद्धांत;;
16.	डॉ. शांतनु पाल सहायक प्राध्यापक spal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2006	नवीन पद्धति का विकास और जैविक रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; चिकित्सीय एजेंट के रूप में रासायनिक रूप से संशोधित छोटे अणुओं का विकास; एंटीकैंसर या एंटीवायरल दवा के रूप में संशोधित न्यूक्लिक एसिड का संश्लेषण.
17.	डॉ. श्यामल चटर्जी सह प्राध्यापक shyamal@iitbbs.ac.in	हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2007	प्रायोगिक परमाणु, आणविक और सतह भौतिकी; नेनो सामग्री; बायोमोलेकुलस, क्लस्टर
18.	डॉ. स्नेहासिस चौधरी सह प्राध्यापक snehasis@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर,, 2005	सैद्धांतिक रसायन शास्त्र; सांख्यिकीय यांत्रिकी; आणविक गतिशीलता सिमुलेशन
19.	डॉ. तारकांता नायक सह प्राध्यापक tnayak@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2007	कॉम्प्लेक्स यनेमिक्स; भ्रम; स्वतंत्रता बहुपद और ग्राफ के स्वतंत्रता भ्रम
20.	डॉ. अभिजीत दत्त बनिक सह प्राध्यापक adattabanik@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2007	क्युइंग थ्योरी, एप्लाइड प्रोबेबिलिटी मॉडल, स्टोचैस्टिक मॉडलिंग और सिमुलेशन, ऑपरेशन रिसर्च में स्टोचैस्टिक मॉडल और कम्प्युनिके शन सिस्टम, ट्रांसपोर्टेशन, मैनुफैक्चरिंग, प्रोडक्शन और इन्वेंटरी सिस्टम में उनके प्रयोग.
21.	डॉ. अखिलेश कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक aksingh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर,, 2007	फ्लोरोजेनिक और क्रोमोजेनिक कैमोसेंसर; चुंबकीय सामग्री और एमआरआई कंट्रास्ट एजेंट; संश्लेषण और कार्यविशिष्ट आयनिक तरल पदार्थ और उनके अनुप्रयोग की विशेषता
22.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी सहायक प्राध्यापक aroychowdhury@iitbbs. ac.in	टेक्सास मेडिकल शाखा विश्वविद्यालय,, 2009	रसायन विज्ञान शरीर क्रिया विज्ञान और एंजाइम एटीपास के वर्ग का विनियमन; कैंसर जीवविज्ञान में एटीपास की भूमिका; जैविक घड़ी में एटीपास की भूमिका
23.	डॉ. कौशिक सामंत सहायक प्राध्यापक kousik@iitbbs.ac.in	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कॉलेज स्टेशन, यूएसए,, 2009	कॉन्टम केमिस्ट्री; चापलूसी सिद्धांत; मिश्रित कॉन्टम-शास्त्रीय गतिशीलता
24.	डॉ. मलय कुमार बंद्योपाध्याय सहायक प्राध्यापक malay@iitbbs.ac.in	जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता,, 2008	ओपन कॉन्टम सिस्टम; गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; नानोमैट्रिसम

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
25.	डॉ. निहारिका महापात्र सहायक प्राध्यापक niharika@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2006	मल्टीफ़ाइरोनिक्स; थर्मोइलेक्ट्रिक्स; पदार्थ के सामयिक चरण
26.	डॉ. सच्चिदानंद रथ सहायक प्राध्यापक srath@iitbbs.ac.in	भौतिकी संस्थान भुवनेश्वर, 2006	सेमीकंडक्टर नैनोशीट्स, दिल्यूट मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर, मेटल क्लस्टर, ग्राफीन; ऑप्टिकल गुण, तेज़ संक्रमण, रमन स्कैटरिंग, स्मॉल एंगल एक्स-रे स्कैटरिंग, रियोलाॅजी; सौर सेल, प्रकाश उत्सर्जक डायोड
27.	डॉ. सीमा बहिनपति सहायक प्राध्यापक seema.bahinipati@iitbbs.ac.in	सिनसिनाटी विश्वविद्यालय, ओहियो, यू.एस., 2008	प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी [बी भौतिकी, सीपी उल्लंघन, मानक मॉडल भौतिकी से परे]
28.	डॉ. सौमेंद्र राणा सहायक प्राध्यापक soumendra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2007	जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर जीवविज्ञान; आणविक मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान; डिजाइन, संश्लेषण और पेप्टाइड्स की विशेषता
29.	डॉ. श्रीकांत पात्रा सहायक प्राध्यापक srikanta@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2005	मेटल मेडिएटेड ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन (कैटलिसिस); मेटल बेस्ड एंटीकैंसर ड्रग्स; कार्यात्मक सामग्री, लुमीनेसेंट सामग्री, सेंसर
30.	डॉ. तबरेज खान सहायक प्राध्यापक tabrez@iitbbs.ac.in	मुंबई विश्वविद्यालय,, 2009	सिंथेटिक विधि विकास; प्राकृतिक उत्पाद और प्राकृतिक उत्पाद जैव सक्रिय अणु संश्लेषण से प्रेरित हैं
31.	डॉ. बंकिम चंद्र मंडल सहायक प्राध्यापक bmandal@iitbbs.ac.in	जिनेवा विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड, 2014	संख्यात्मक विश्लेषण, वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग, आंशिक अंतर समीकरण, डोमेन अपघटन विधियां
32.	डॉ. सुनील कुमार प्रजापति सहायक प्राध्यापक skprajapati@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं दिल्ली, 2013	बीजगणित
33.	डॉ. अभिषेक चौधरी सहायक प्राध्यापक achowdhury@iitbbs.ac.in	हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान (डीईए), इलाहाबाद, 2016	स्ट्रिंग थियोरी, ब्लेक हॉल्स, क्युएफटी, मूनसाइन
34.	डॉ. हेमंत कुमार सहायक प्राध्यापक hemant@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलोर, 2014	कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ; 2डी सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुण; कार्यात्मक सामग्री ऊर्जा भंडारण; क्रोमेटिन फोल्डिंग और डीएनए ट्रांसक्रिप्शन
35.	डॉ. अनिश एम. सहायक प्राध्यापक aneesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर,	आपरेटर थियोरी; आपरेटर डायनामिक्स क्रियात्मक विश्लेषण
36.	डॉ. अरपन कबि राज सहायक प्राध्यापक akabiraj@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलोर, 2016	जियोमेट्रिक समुह थियोरी; निम्न डिमेंशनल टॉपलाॅजी
37.	डॉ. निर्मलेन्दु आचार्य सहायक प्राध्यापक nirmalendu@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलोर, 2015	गणित भौतिक, ओपेन क्वान्टम सिस्टम, बायो सेन्सिंग

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
38.	डॉ. प्रमोद पद्मानाभन सहायक प्राध्यापक ppadmana@iitbbs.ac.in	सरयासुस विश्वविद्यालय, 2012	फिजिक्स ऑफ नानकॉम्प्यूटीभ स्पेसटाईमस
39.	डॉ. इन्द्रजीत जाना सहायक प्राध्यापक ijana@iitbbs.ac.in	केलफोर्निया विश्वविद्यालय, दाविश, 2017	प्रोबविलिटी थ्योरी, रेन्डम माट्रीक्स थिवरी
40.	डॉ. अभिजीत सूत्रधार अभ्यागत संकाय abhijits@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2017	बायो फ्यूड मेकेनिस्म, मेगनेटिंग ड्रग टारगेटींग नेनो फ्यूल्ड कॉम्प्लेक्शन इन पोरस मिडिया
41.	डॉ. अभिजित कुमार अभ्यागत संकाय avijitkumar@iitbbs.ac.in	यूनिवर्सिटी ऑफ़, दी निदरलैंड,, 2013	दो-आयामी सामग्री; मेटलऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ); आणविक सभा; आणविक इलेक्ट्रॉनिक्स; स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोपी (एसटीएम); गैर-संपर्क परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (एनसी-एफएएम)
पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ			
42.	प्रो. उमा चरण महांती अभ्यागत प्राध्यापक ucmohanty@iitbbs.ac.in	ओडेसा हाइड्रो-मौसम विज्ञान संस्थान, USSR, 1978	उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान, संख्यात्मक मौसम की भविष्यवाणी, मानसून गतिशीलता, क्षेत्रीय जलवायु अध्ययन और मेसो-स्केल मॉडलिंग
43.	प्रो. हृषिकेश मिश्र अभ्यागत प्राध्यापक hrusikesh@iitbbs.ac.in	वोल्गॉन विश्वविद्यालय, न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया, 1987	कोल जियोलॉजी / पेट्रोलॉजी, कोयला तैयारी, कोल पेट्रोलॉजी और कोयला और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण में इसके प्रयोग
44.	प्रो. रामभतला जी शास्त्री अभ्यागत प्राध्यापक rgsastry@iitbbs.ac.in	मास्को स्टे यूनिवर्सिटी, रूस,, 1980	भूभौतिकी / उपग्रह गुरुत्वाकर्षण, भू-तकनीकी भूभौतिकी (इंजीनियरिंग भूभौतिकी), अन्वेषण भूभौतिकी
45.	प्रो. एक्सल हॉफमैन विदेशी मूल के अभ्यागत प्राध्यापक alexhofmann@iitbbs.ac.in	यूनिवर्सिटी ऑफ़ जोहानसबर्ग, 2002	आर्कियन भूविज्ञान, तलछट भू-रसायन और आर्थिक भूविज्ञान
46.	डॉ. देवदत्त स्वैन सहायक प्राध्यापक dswain@iitbbs.ac.in	पुणे विश्वविद्यालय,, 2009	सैटेलाइट और फिजिकल ओशनोग्राफी; महासागर-वायुमंडल के अंतःक्रिया और मॉडलिंग; वायुमंडलीय गतिशीलता
47.	डॉ. किरणमयी लांडू सहायक प्राध्यापक kiranmayi@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान, 2008	जलवायु गतिशीलता; उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान; चरम मौसम की घटनाओं
48.	डॉ. सौरव सिल सहायक प्राध्यापक souravsil@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2012	फिजिकल ओशनोग्राफी; महासागर परिसंचरण मॉडलिंग; तटीय गतिशीलता
49.	डॉ. राज कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक rksingh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2009	पेलिओक्लाईमाटोलॉजी और पेलिओओसीओनोग्राफी ; समुद्री सूक्ष्मजीव विज्ञान; हाइड्रोज्योलॉजी
50.	डॉ. संदीप पटनायक सहायक प्राध्यापक spt@iitbbs.ac.in	आंध्र विश्वविद्यालय,, 2006	उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान; मानसून, क्लाउड भौतिकी; चरम घटनाएँ (जैसे उष्णकटिबंधीय चक्रवात, भारी वर्षा, बिजली)

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
51.	डॉ. सैयद हिलाल फारूक सहायक प्राध्यापक hilalfarooq@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2010	हाइड्रोगेमोकेमिस्ट्री; भूतापीय ऊर्जा; कार्बनिक जियोकेमिस्ट्री
52.	डॉ. विनोज. वी सहायक प्राध्यापक vinoj@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2009	एरोसोल क्लाउड क्लाइमेट इंटरैक्शन; सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग, रेडियोधर्मी बल, क्षेत्र मापन; मानसून और जलवायु परिवर्तन, जलवायु मॉडलिंग
53.	डॉ. येगखोम के सोरजित सिंह सहायक प्राध्यापक yksingh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2011	संरचनात्मक भूविज्ञान और विवर्तनिकी; जेओक्रोनोलोजी; फोटोग्राम्मेट्री; जीआईएस और रिमोट सेंसिंग; प्राकृतिक खतरा और आपदा प्रबंधन; संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता।
54.	डॉ. पथिकृत भट्टाचार्य अभ्यागत सहायक प्राध्यापक pathikri@iitbbs.ac.in	प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, 2017	भूकंप और फॉल्टिंग के मैकेनिज्म; प्रयोगशाला घर्षण प्रयोग; भौतिकी और घर्षण के यांत्रिकी; भूकंप के आँकड़े; द्रव-रॉक इंटरैक्शन; दोष-क्षेत्र जल विज्ञान; भूकंप प्रक्रियाओं के मॉडलिंग में उच्च प्रदर्शन कं प्यूटिंग; अत्यधिक सहसंबद्ध रिक्त स्थान पर बायेसियन का अनुमान।
55.	डॉ. सौरव भट्टाचार्य अभ्यागत संकाय sourabh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2014	ओरे भूविज्ञान; हाइड्रोथर्मल अयस्क जमा; द्रव के निष्कर्ष और लेजर रमन माइक्रोस्पेक्ट्रोस्कोपी
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ			
56.	प्रो. आर. वी. राजकुमार प्राध्यापक, निदेशक director@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1987	वायरलेस संचार प्रणाली; वायरलेस नेटवर्किंग ग प्रोटोकॉल; चैनल समकारीकरण और बेसबैंड प्रसंस्करण; जांच के तरीके और सिस्टम; ट्रैकिंग एल्गोरिदम; अनुकूल फिल्टरिंग एल्गोरिदम और उनका प्रदर्शन विश्लेषण; समय-भिन्न संकेतों और प्रणालियों का अनुमान; स्पेक्ट्रल आकलन के तरीके; ऑडियो और वीडियो कोडिंग; वायरलेस संचार प्रणाली के लिए वीएलएसआई आधारित प्रोसेसर; आईपी पर आवाज और मल्टीमीडिया
57.	प्रो. एन. सी. साहू प्राध्यापक ncsahoo@iitbbs.ac.in	सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, 2001	अक्षय ऊर्जा प्रणाली; पावर सिस्टम अनुकूलन और नियंत्रण; इलेक्ट्रिक ड्राइव का नियंत्रण
58.	डॉ. चंद्रशेखर नारायण भेंडे सह प्राध्यापक cnb@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2008	नवीकरणीय ऊर्जा, वितरित पीढ़ी; पावर क्वालिटी, कस्टम पावर डिवाइस; बिजली प्रणालियों के लिए सॉफ्ट कं प्यूटिंग तकनीकों का अनुप्रयोग
59.	डॉ. मनोरंजन सतपथी सह प्राध्यापक manoranjan@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 1997	सॉफ्टवेयर परीक्षण और सत्यापन; उन्नत कं प्यूटर वास्तुकला; प्रोग्रामिंग की भाषाएँ
60.	डॉ. प्रशांत कुमार साहू सह प्राध्यापक pks@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	ऑप्टिकल कम्युनिकेशन; सुदूर संवेदन; भाषण और सिग्नल प्रोसेसिंग
61.	डॉ. प्रवास रंजन साहू सह प्राध्यापक prs@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2006	डिजिटल संचार, मोबाइल संचार, लुप्त होती चैनलों में रिसेवर का प्रदर्शन।
62.	डॉ. सुभ्रंसु रंजन सामंतराय सह प्राध्यापक srs@iitbbs.ac.in	एनआईटी राउरकेला, 2007	पावर सिस्टम संरक्षण; स्मार्टग्रिड; पीएमयू और डब्ल्यूएम

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
63.	डॉ. भारतराम रामकुमार सहायक प्राध्यापक barathram@iitbbs.ac.in	वर्जीनिया टेक,, 2011	सिग्नल प्रोसेसिंग; ताररहित संपर्क; बायो-सिग्नल प्रोसेसिंग
64.	डॉ. शंकरसन महापात्र सहायक प्राध्यापक sankarsan@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान 2011	हाई वोल्टेज इंजीनियरिंग; प्रदूषण नियंत्रण के लिए उच्च वोल्टेज का औद्योगिक अनुप्रयोग; अक्षय ऊर्जा प्रणाली
65.	डॉ. विजय शंकर राव पशुपुरेड्डी सहायक प्राध्यापक vijay@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2011	एनालॉग, आरएफ और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई एकीकृत सर्किट और सिस्टम; वायरलेस और वायरलाइन संचार के लिए आईसी डिजाइन; अगली पीढ़ी के वायरलेस मानकों के लिए नए रेडियो सिस्टम आर्किटेक्चर; आरएफ/वायरलेस सिस्टम-ऑन-चिप (एसओसी)
66.	डॉ. देबलीना घोष सहायक प्राध्यापक deghosh@iitbbs.ac.in	सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज़, एनवाई, यूएसए, 2007, 2007	रिमोट सेंसिंग; इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंजीनियरिंग और एंटेना; रडार सिस्टम
67.	डॉ. देबी प्रोसाद डोगरा सहायक प्राध्यापक dpdogra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2012	विज्ञान सर्विलांस एंड डेटा केंद्र कंप्यूटर विज्ञान; मानव केंद्र कंप्यूटर इंटरफ़ेस; संवर्धित वास्तविकता
68.	डॉ. दीपांकर दे सहायक प्राध्यापक dipankar@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर,, 2011	स्विचड मोड पावर कन्वर्टर और डिजाइन ऑफ इंटिग्रेटेड मैग्नेटिक्स; पावर सिस्टम्स में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग; वाइड बैंड-गैप डिवाइस आधारित पावर रूपांतरण
69.	डॉ. जॉय चंद्र मुखर्जी सहायक प्राध्यापक joy@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2015	वितरित एल्गोरिदम, समय-बदलती नेटवर्क एल्गोरिदम, बुद्धिमान परिवहन प्रणाली, स्मार्टग्रिड
70.	डॉ. एम. सबरीमालई मणिकं दन सहायक प्राध्यापक msm@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी,, 2009	सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेट्रिक और मल्टीमॉडल इंटरफेस; वीएलएसआई और एंटेना सिस्टम
71.	डॉ. नीलाद्रि बिहारी पुहन सहायक प्राध्यापक nbpuhan@iitbbs.ac.in	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर,, 2007	इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेट्रिक्स; बायोमैडिकल इमेजिंग
72.	डॉ. पद्मलोचन बेरा सहायक प्राध्यापक plb@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2011	नेटवर्क और सिस्टम सुरक्षा; क्रिप्टोग्राफी; सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क
73.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर कारंकी सहायक प्राध्यापक skaranki@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास,, 2012	पावर क्वालिटी; नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए डीसी डीसी कन्वर्टर; पावर सिस्टम्स के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन
74.	डॉ. सुदीप्त साहा सहायक प्राध्यापक sudipta@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2015	वायरलेस सेंसर नेटवर्क; साइबर-फिजिकल सिस्टम; चीजों की इंटरनेट
75.	डॉ. चंद्रशेखर पेरुमल सहायक प्राध्यापक pcsekhar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली,, 2014	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों का एकीकरण और नियंत्रण; माइक्रोग्रिड / स्मार्ट ग्रिड सिस्टम के लिए स्मार्ट नियंत्रकों का डिजाइन और विकास; सक्रिय वितरण प्रणाली का नियंत्रण; हाइब्रिड एसी / डीसी माइक्रोग्रिड सिस्टम में ऊर्जा प्रबंधन; पावर सिस्टम्स के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग; बिजली की गुणवत्ता की समस्याओं के लिए सॉफ्ट कम्प्यूटिंग का अनुप्रयोग

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
76.	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी सहायक प्राध्यापक spinisetty@iitbbs.ac.in	आईएनआरआईए रेनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ रेनेस 1, फ्रांस	औपचारिक तरीके , रनिंग मॉनिटरिंग
77.	डॉ. श्रीनिवास बोप्पु सहायक प्राध्यापक srinivas@iitbbs.ac.in	एरलंजेन-नूर्नबर्ग विश्वविद्यालय, 2015	प्रोग्राम हार्डवेयर परीक्षक
78.	डॉ. देवप्रतिम घोष सहायक प्राध्यापक debapratim@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे,, 2017	माइक्रोवेव घटक, सर्किट और सिस्टम, माइक्रोवेव माप प्रणाली, एनालॉग और छोटे पैमाने पर एम्बेडेड सिस्टम
79.	डॉ. अनूप थॉमस सहायक प्राध्यापक anoophthomas@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर,, 2018	कोडिंग तकनीक; बीजगणितीय त्रुटि कोड को ठीक करना; सूचकांक कोडिंग; नेटवर्क कोडिंग; कोडित कैशिंग; कोडित वितरित कम्प्यूटिंग
80.	डॉ. ओलिव रे सहायक प्राध्यापक olive@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर,, 2016	अक्षय ऊर्जा एकीकरण; कनवर्टर मॉडलिंग और नियंत्रण; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का डिजिटल नियंत्रण
81.	डॉ. सौम्या प्रकाश दाश सहायक प्राध्यापक spdash@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली,, 2019	संचार सिद्धांत; पॉवरलाइन संचार; स्मार्टग्रिड संचार; विविधता का संयोजन; नरम और विकासवादी कं प्यूटिंग
82.	डॉ. सिद्धार्थ एस. बोरकोटकी सहायक प्राध्यापक borkotoky@iitbbs.ac.in	क्लेमशन विश्वविद्यालय, दक्षिण कैरोलिना, 2017	वायरलेस संचार; आईओटी; अनुप्रयोग-परत कोडिंग; अनुकू ली ट्रांसमिशन प्रोटोकॉल
83.	डॉ. निजम वरी सहायक प्राध्यापक nijwmwary@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर,, 2018	एनालॉग सीएमओएस वीएलएसआई सर्किट डिजाइन; सर्किट उच्च गति धारावाहिक लिंक के लिए डिजाइन; सेरडेस; ऑन-चिप और ऑफ-चिप परस्पर; पूर्ण द्वैध और कोडित विभेदक संके त
84.	डॉ. शुभज्योति मुखर्जी सहायक प्राध्यापक sjm@iitbbs.ac.in	विज्ञान और तकनीक विश्वविद्यालय, रोला, एमओ, यूएसए, 2017	पावर कन्वर्टर मॉडलिंग और कंट्रोल, वाइड बैंड-गैप डिवाइसेस आधारित पावर कन्वर्टर, सॉफ्ट स्विचिंग तकनीक, मल्टीपोर्ट कन्वर्टर, ट्रांसपोर्टेशन इलेक्ट्रिफिकेशन, ग्रिड कनेक्टेड सिस्टम, और ऊर्जा के अक्षय स्रोतों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग।
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंध विद्यापीठ			
85.	प्रो .गोदाबरीशा मिश्रा अभ्यागत प्राध्यापक gmishra@iitbbs.ac.in	मद्रास विश्वविद्यालय, 1986	संस्कृत और भारतीय दर्शन
86.	प्रो. जोहान्स यूजीन मारी हूबेन विदेशी मूल के अभ्यागत प्राध्यापक gmishra@iitbbs.ac.in	यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय नीदरलैंड, 1992	संस्कृत और वैदिक भाषा; संस्कृत और वैदिक ग्रंथ; प्राचीन भारतीय अनुष्ठान; ब्राह्मणवादी दर्शन और संस्कृत त ज्ञान प्रणाली, विशेषता: संस्कृत त भाषाविज्ञान, भाषा का व्याकरण और दर्शनशास्त्र
87.	डॉ. अमृता सतपथी सहायक प्राध्यापक asatapathy@iitbbs.ac.in	उत्कल विश्वविद्यालय, 2009	राष्ट्रमंडल अध्ययन, भारतीय प्रवासी साहित्य, यात्रा लेखन / आत्मकथाएँ / संस्मरण
88.	डॉ. अनमित्र बसु सहायक प्राध्यापक anamitra-basu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2010	पार्श्वता; psycholin-guistics; नैदानिक मनोविज्ञान

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
89.	डॉ. दुखाबंधु साहू सहायक प्राध्यापक dsahoo@iitbbs.ac.in	सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बैंगलोर, 2007	2007 ओपन मैक्रोइकॉनॉमिक्स; विकास अर्थशास्त्र; पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र
90.	डॉ. नरेश चंद्र साहू सहायक प्राध्यापक naresh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2008	पर्यावरण अर्थशास्त्र; वित्त; खनन और ग्रामीण विकास
91.	डॉ. पुण्यश्री पंडा सहायक प्राध्यापक ppanda@iitbbs.ac.in	बेरहामपुर विश्वविद्यालय, 2008	पोस्टकोलोनियल वर्ल्डलिटेचर, स्वदेशी लेखन; भारतीय लेखन अंग्रेजी में; ईएलटी, क्रॉस-सांस्कृतिक संचार
92.	डॉ. राजकु मार गुडरु सहायक प्राध्यापक rajakumarguduru@iitbbs.ac.in	अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 2011	ईएसएल शिक्षार्थियों की महत्वपूर्ण शब्दावली विकसित करना; संज्ञानात्मक पढ़ना कौशल; दू सरी भाषा का प्रदर्शन; शिक्षक शिक्षा और विकास; संचार कौशल; प्रौद्योगिकी और भाषा सीखना
93.	डॉ. मधुस्मिता दाश सहायक प्राध्यापक madhusmita@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2016	प्राकृतिक संसाधन का अर्थशास्त्र प्रबंधन; नया संस्थागत अर्थशास्त्र; पर्यावरणीय अर्थशास्त्र; ग्रामीण विकास; नवीकरणीय ऊर्जा; ट्रांस-सीमा जल संघर्ष
94.	डॉ. विनीत साहू सह प्राध्यापक स्तर के अभ्यागत प्राध्यापक vineetsahu@iitbbs.ac.in	विश्वविद्यालय हैदराबाद, 2009	दर्शनशास्त्र

आधारिक संरचना विद्यापीठ

95.	प्रो. रवीन्द्र कुमार पंडा प्राध्यापक rkpanda@iitbbs.ac.in	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, 1984	जल विज्ञान; वाटरशेड प्रबंधन; जल संसाधन का गैर-बिंदु स्रोत प्रदूषण
96.	डॉ. दिनकर पासला सह - प्राध्यापक pdinakar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2005	कंक्रीट टेक्नोलॉजी
97.	डॉ. सुमंत हलधर सह - प्राध्यापक sumanta@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2008	अपतटीय पवन ऊर्जा; मृदा-संरचना बातचीत; मिट्टी और नींव की गतिशीलता
98.	डॉ. अरिंदम सरकार सहायक प्राध्यापक asarkar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2006	जलमग्न और उभरती हुई वनस्पति के माध्यम से प्रवाह; हाइड्रोलिक संरचनाओं के आसपास परिमार्जन; गणितीय प्रवाह मॉडलिंग
99.	डॉ. राजेस रोसन दास सहायक प्राध्यापक rrdash@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2008	पर्यावरणीय इंजीनियरिंग, जल और अपशिष्ट जल का पचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
100.	डॉ. अरिंदम सरकार सहायक प्राध्यापक asarkar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2006	जलमग्न और उभरती हुई वनस्पति के माध्यम से प्रवाह; हाइड्रोलिक संरचनाओं के आसपास परिमार्जन; गणितीय प्रवाह मॉडलिंग
101.	डॉ. बी हनुमंथा राव सहायक प्राध्यापक bhrao@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2009	जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग; पर्यावरण भूविज्ञान;

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
102.	डॉ. देबासीस बसु सहायक प्राध्यापक dbasu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	सतत परिवहन, सार्वजनिक परिवहन का संचालन; परिवहन अर्थशास्त्र; आवागमन अध्ययन
103.	डॉ. गौतम मोलंड सहायक प्राध्यापक gmondal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2011	भूकंप इंजीनियरिंग और संरचनात्मक गतिशीलता; पुलों का भूकंप पीय विश्लेषण; मृदा-संरचना सहभागिता
104.	डॉ. मनस्विनी बेहरा सहायक प्राध्यापक manaswini@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2012	जल और अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग; माइक्रोबियल ईंधन सेल में अपशिष्ट जल उपचार के दौरान बायोएनेर्जी की वसूली; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
105.	डॉ. मीनू रामदास सहायक प्राध्यापक meenu@iitbbs.ac.in	पुर्दुए विश्वविद्यालय, युएसए, 2015	जल विज्ञान; जल संसाधन; सूखा प्रतिरूपण
106.	डॉ. पार्थप्रतिम डे सहायक प्राध्यापक ppdey@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2006	ट्रैफिक फ्लो मॉडलिंग
107.	डॉ. रेम्या नीलांचेरी सहायक प्राध्यापक remya@iitbbs.ac.in	राष्ट्रीय चियाओ तुंग विश्वविद्यालय ताइवान, 2010	जटिल अपशिष्ट जल के माइक्रोवेव फोटोकैटलिटिक उपचार; मिश्रित ठोस अपशिष्ट का कैटेलिटिक कॉपीरोलिस; सौर फोटोकैटलिटिक उपचार और समर्थित उत्प्रेरक की तैयारी
108.	डॉ. शांतनु पात्रा सहायक प्राध्यापक shantanupatra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2013	जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, जियोसिंथेटिक्स और उनके आवेदन
109.	डॉ. सुरेश आर दाश सहायक प्राध्यापक srdash@iitbbs.ac.in	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, 2011	संरचनात्मक गतिशीलता और भूकंप इंजीनियरिंग; मिट्टी - संरचना इंटरैक्शन; भूकंप पीय विश्लेषण और पाइपलाइनों का डिजाइन
110.	डॉ. उमेश चंद्र साहू सहायक प्राध्यापक ucsahoo@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	फुटपाथ विश्लेषण और डिजाइन; फुटपाथ सामग्री; कम मात्रा वाली सड़कें
111.	डॉ. देवेश पुनेरा सहायक प्राध्यापक devesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2018	स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स; समग्र संरचनाएं; बीम, प्लेट और शेल संरचनाओं के कॉन्टिनम सिद्धांत; स्मार्ट सामग्री; जैव यांत्रिकी।
112.	डॉ. मोहम्मद मासीउर रहमान सहायक प्राध्यापक masiurr@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर, 2018	ठोस यांत्रिकी, फ्रैक्चर यांत्रिकी, पेरियाडमिक्स विस्को-प्लास्टिसिटी और क्षति
113.	डॉ. अनुष कानयाकनहली चंद्रप्पा सहायक प्राध्यापक akc@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2018	परिवहन और फुटपाथ अभियांत्रिकी
114.	डॉ. मयंक मिश्रा सहायक अभ्यागत प्राध्यापक mayank@iitbbs.ac.in	सिलिकाटा विश्वविद्यालय, इटली, 2017	ऐतिहासिक निर्माण का गैर-विनाशकारी परीक्षण, मशीन लर्निंग; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; अनुकूलन
115.	डॉ. जोती सरवन थियाग राजन सहायक अभ्यागत प्राध्यापक tjs@iitbbs.ac.in	टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान, 2018	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; रेलवे ट्रैक प्रोफाइल अनुमान

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ			
116.	प्रो स्वरूप कुमार महापात्र प्राध्यापक swarup@iitbbs.ac.in	जादवपुर विश्वविद्यालय, 2000	समझौता हीट ट्रांसफर; विकिरण मॉडलिंग; बायो हीट ट्रांसफर
117.	डॉ. अरुण कुमार प्रधान सह प्राध्यापक akpradhan@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	सॉलिड मैकेनिक्स, कम्पोजिट मटीरियल्स एंड डस्ट्रक्चर्स, फ्रैक्चर मैकेनिक्स एंड डेलेसिटी स्टडीज इन कम्पोजिट्स; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं; प्राकृतिक फाइबर प्रबलित कंपोजिट
118.	डॉ. मानस मोहन महापात्रा सह प्राध्यापक mmmahapatra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	वेल्डिंग अवशिष्ट तनाव और विरूपण नियंत्रण, घर्षण हलचल वेल्डिंग उपकरण डिजाइन, घर्षण हलचल प्रसंस्करण और घर्षण आवरण; पहनने और उच्च तापमान अनुप्रयोगों के लिए थर्मल स्प्रे और लेजर कोटिंग; इन-सीटू मेटल मैट्रिक्स कंपोजिट और उनकी विनिर्माण क्षमता
119.	डॉ. मिहिर कुमार पंडित सह प्राध्यापक mihir@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	डिजाइन और ठोस यांत्रिकी; सैडविच संरचनाएं; समग्र सामग्री
120.	डॉ. सत्यनारायण पाणिग्रही सह प्राध्यापक psatyan@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2007	पानी के नीचे ध्वनिक अवशोषक; मफलर और नलिकाओं के ध्वनिकी; ध्वनिक मेटामेट्रिक्स
121.	डॉ. मिहिर कुमार दास सह प्राध्यापक mihirdas@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2006	दो चरण हीट ट्रांसफर; पीसीएम आधारित कूलिंग सिस्टम; अंतः दहन इंजिन
122.	डॉ. वी. पांडु रंगा सह प्राध्यापक pandu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	रोबोटिक्स; विनिर्माण; नरम कम्प्यूटिंग
123.	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य सहायक प्राध्यापक anirban@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2014	मल्टी-फेज और मल्टीस्केल ट्रांसपोर्ट घटनाएं; चरण परिवर्तन और अनाज संरचना मॉडलिंग; उबलते गर्मी हस्तांतरण मॉडलिंग
124.	डॉ. के. श्रीनिवास रामानुजम सहायक प्राध्यापक sramanujam@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2012	सक्रिय निष्क्रिय रिमोट सेंसिंग; इंजीनियरिंग डिजाइन और अनुकूलन; वायुमंडलीय विकिरण
125.	डॉ. प्रसेनजीत रथ सहायक प्राध्यापक prath@iitbbs.ac.in	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, 2007	मटेरियल प्रोसेसिंग में ट्रांसपोर्ट फेनोमेना; अल्ट्राफास्ट ट्रांसपोर्ट; सीएफडी / हिंदुस्तान टाइम्स
126.	डॉ. ससिधर कोंडाराजू सहायक प्राध्यापक sasidhar@iitbbs.ac.in	वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, 2009	माइक्रोफ्लूइडिक्स; माइक्रो / नैनोस्केल थर्मोफ्लूइडिक्स; मल्टीफेज फ्लो
127.	डॉ. सतीश ढंडोले सहायक प्राध्यापक satish@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2009	डायनामिक डिजाइन; विब्रो ध्वनिक; तंत्र
128.	डॉ. वेणुगोपाल अरुमरु सहायक प्राध्यापक venugopal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2014	द्रव संरचना इंटरैक्शन और अस्थिर एरो-हाइड्रोडायनामिक्स; गर्मी हस्तांतरण वृद्धि; ध्वनि-विज्ञान

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
129.	डॉ. योगेश जी. भुमकर सहायक प्राध्यापक bhumkar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2012	उच्च प्रदर्शन कं प्यूटिंग; कम्प्यूटेशनल एयरो ध्वनिकी; संक्रमणकालीन और अशांत प्रवाह
130.	डॉ. गौरव बारतारा सहायक प्राध्यापक bartarya@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2014	पारंपरिक और गैर-पारंपरिक मशीनिंग प्रक्रिया
131.	डॉ. सुवरदीप मुलिक सहायक प्राध्यापक suvradip@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2016	लेजर सामग्री प्रसंस्करण, गैर-पारंपरिक मशीनिंग
132.	डॉ. पट्टाभि रामैया बुडारापु सहायक प्राध्यापक pattabhi@iitbbs.ac.in	वेल्ल, जर्मनी की बॉहॉस यूनिवर्सिटी, 2015	फ्रैक्चर के लिए मल्टीस्केल तरीके ; आणविक गतिशीलता; मल्टीफ़िज़िक्स समस्याओं में फ्रैक्चर; संरचनात्मक गतिकी
133.	डॉ. सोहम रॉयचौधरी सहायक प्राध्यापक soham@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2019	कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी; इनफाटेबल संरचनाओं के यांत्रिकी; नॉनलाइनर इलास्टिकिटी
134.	डॉ. चेतन सहायक प्राध्यापक chetan@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2018	सस्टेनेबल मशीनिंग; माइक्रो मशीनिंग; भूतल इंजीनियरिंग; में ट्राइबोलॉजी विनिर्माण
खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ			
135.	डॉ. ब्रह्म देव MGM चेयर प्राध्यापक bdeo@iitbbs.ac.in	बर्दवान विश्वविद्यालय, 1975	लौह और इस्पात निर्माण; गतिशील प्रक्रिया नियंत्रण और अनुकूलन; गतिक प्रणाली में अराजकता नियंत्रण
136.	डॉ. अनिमेष मंडल सह प्राध्यापक animesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2007	एल्यूमीनियम मिश्र; धातु मैट्रिक्स कं पोजिट; धात्विक प्रणालियों का अर्ध समेकन प्रसंस्करण
137.	डॉ. अमृतेंदु रॉय सहायक प्राध्यापक amritendu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2012	स्मृति और ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए फेरोइलेक्ट्रिक और मल्टीफ़िरोइक सामग्री; बहु घटक मिश्र धातु डिजाइन; इलेक्ट्रॉनिक संरचना की गणना
138.	डॉ. कौशिक दास सहायक प्राध्यापक kaushik@iitbbs.ac.in	मैकगिल विश्वविद्यालय, 2012	मैके निकल ऑफ़ नैनोमेट्रीज़ व्यवहार; माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (एमईएमएस) के लिए नैनोमैटेरियल्स का एकीकरण;
139.	डॉ. किशोर कुमार साहू सहायक प्राध्यापक kisersahu@iitbbs.ac.in	क्योटो विश्वविद्यालय, 2006	मॉडलिंग और सामग्री का अनुकरण; ऊर्जा सामग्री और सिस्टम; सामग्री की संरचनात्मक और चुंबकीय हताशा
140.	डॉ. पार्थ सारथी डे सहायक प्राध्यापक parthasarathi.de@iitbbs.ac.in	मिसौरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, यूएसए, 2010	घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र; धातुओं का थर्मो- मैके निकल प्रसंस्करण

क्र. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
141.	डॉ. सोभाकर पति सहायक प्राध्यापक spati@iitbbs.ac.in	बोस्टन विश्वविद्यालय, 2010	इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री; ऊर्जा सामग्री; सतत सामग्री और प्रक्रिया
142.	डॉ. श्रीकांत गोलपुड़ी सहायक प्राध्यापक srikant@iitbbs.ac.in	नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, 2007	टाइटेनियम, जिर्कोनियम, मैग्नीशियम और एल्यूमीनियम मिश्र धातुओं के क्रेता व्यवहार और अनाकार और नैनोक्रीस्टलाइन मिश्र के यांत्रिक मिश्र धातु
143.	डॉ. कोदंड राम मांगीपुड़ी सहायक प्राध्यापक kodanda@iitbbs.ac.in	ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, 2012	कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स (नैनो) कं पोजिट मटेरियल का यांत्रिक व्यवहार सेलुलर सॉलिड्स का यांत्रिकी
144.	डॉ. राम कृष्ण साबत सहायक प्राध्यापक rsabat@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2015	एक मैग्नीशियम-सेरियम मिश्र धातु के गंभीर प्लास्टिक विरूपण के दौरान माइक्रोस्ट्रक्चर और बनावट का विकास
145.	डॉ. सिवाहिया बथुला सहायक प्राध्यापक sivaiahb@iitbbs.ac.in	दिल्ली प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2016	थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री; उन्नत सामग्री प्रसंस्करण तकनीक; उन्नत सामग्री विशेषता तकनीक; नवीन सामग्री संश्लेषण के तरीके ।
146.	डॉ. मिथिपति शिव भास्कर सहायक प्राध्यापक mithipati@iitbbs.ac.in	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2017	चरण क्षेत्र मॉडलिंग थर्मोमैकनिकल प्रोसेसिंग; स्टील;मेटल मैट्रिक्स कमपोजिट; पुरा-धातु विज्ञान

एडजंक्ट फैकल्टी 2020-2021

क्र. सं.	नाम	मूल संस्थान का नाम	दौरा किया गया संस्थान का नाम
1.	डॉ. इंग. ओमकार नाथ मोहंती	निदेशक, तकनीकी व अकादमी इनिटिएटिव, आरएसबी मेटलटेक फईवेट ली. . आरएसबी मेटलटेक प्राइवेट लिमिटेड	एसएमएमएमई
2.	प्रो बी.के पाणिग्रह	निदेशक, सामग्री रसायन विज्ञान और धातु ईंधन चक्र समूह, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र	एसएमएमएमई
3.	डॉ. अश्विनी नंदा	संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एचपीसी अनुसंधान आईएनसी, यूएसए	एसइएस
4.	प्रो धनुष धारी मिश्रा	आईआईटी (आईएसएम) धनबाद	एसएमएमएमई
5.	डॉ एडवे मित्रा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर	एसइएस
6.	प्रो. पी.के.जे मोहापात्र	भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर	एसइएस
7.	डॉ. प्रमोद पद्मनाभन	इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंसेज, डेजॉन	एसबीएस
8.	डॉ निर्मलेंद्रु आचार्य	मैक्स बोर्न इंस्टीट्यूट	एसबीएस
9.	पद्मश्री कुमकुम मोहनति	ओडिसशा संगित महा विद्यालय	एसएचएसएस व एम
10.	डॉ. दामोदर त्रिपाठी	सेवानिवृत्त, भारतीय अर्थशास्त्री सेवा	एसएचएसएस व एम
11.	प्रो. सुर्यनरायण मीश्रा	भूतपूर्व उप-सभापति, आईआईपीए (अडिशा))	एसएचएसएस व एम
12.	प्रो. एम डी श्रीनिवास	अध्यक्ष,(सेंटर फॉर पोलीसी अध्ययन	एसएचएसएस व एम

क्र. सं.	नाम	मूल संस्थान का नाम	दौरा किया गया संस्थान का नाम
13.	प्रो. के. रामनसुब्रमण्यम	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे	एसएचएसएस व एम
14.	प्रो. एम.एस. श्रीराणी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	एसएचएसएस व एम
15.	डॉ. इलियाना सिटारिस्टी	ओडिसी डांसर और कोरियोग्राफर, संस्थापक सचिव, कला दृष्टि नृत्य अकादमी	एसएचएसएस व एम
16.	डॉ. अरुणा मोहंती	ओडिसी डांसर और कोरियोग्राफर, ओडिशा नृत्य अकादमी	एसएचएसएस व एम
17.	प्रो. प्रताप कुमार रथ	मनोविज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र	एसएचएसएस व एम
18.	प्रो. संगीता रथ	मनोविज्ञान विभाग, रेनशॉ विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
19.	प्रो. अंबा कुलकर्णी	संस्कृत विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
20.	डॉ. विनीत साहू	एचएसएस विभाग, आईआईटी कानपुर	एसएचएसएस व एम
21.	प्रो. एलएम पटनायक	राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान	एसइएस
22.	प्रो. ब्रजा किशोर स्वैन	जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
23.	प्रो. प्रतिभा मंजरी रथ	संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
24.	प्रो. प्रवल सिन्हा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर	एसबीएस
25.	प्रो. वासुदेव आर. येरीकलापुडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर	एसबीएस
26.	प्रो. जतिंद्र कुमार नायक	भाषा, साहित्य और संस्कृति में उत्कृष्टता केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
27.	डॉ. हेमंत रथ	टीसीएस इनोवेशन लैब, बैंगलोर	एसइएस
28.	प्रो. शांतनु बनर्जी	पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआईटी बॉम्बे	एसईओसीएस
29.	प्रो. भास्वती पटनायक	मनोविज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय	एसएचएसएस व एम
30.	डॉ. बालकृष्ण पामुलापर्थी	जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ग्रिड स्वचालन	एसइएस
31.	प्रो. दामोदर सुआरी	विकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी खड़गपुर	एसएचएसएस व एम
32.	डॉ सतीश कुमार पेड्डोजू	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	एसइएस
33.	डॉ. विक्रम विशाल	पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआईटी बॉम्बे	एसईओसीएस
34.	प्रो. रविकांत वदलमणि	भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर	एसईओसीएस
35.	डॉ. टी राज शेखर	गणित विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर	एसबीएस
36.	प्रो. दीपांकर दासगुप्ता	मेम्फिस विश्वविद्यालय	एसबीएस
37.	प्रो. बृज कुमार ढिंडा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर	एसएमएमएमई
38.	प्रो. शरत चंद्र पाणिग्रही	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर	एसएमएमएमई

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

आधारिक विज्ञान विद्यापीठ

1. घोष, एस., बानिक, ए. डी, और चौधरी, एम. एल. (2020). एनालाईसीस ऑफ बीएमएपी / आर / 1 कीई अंडर गेटडलिमिटेड सर्विस सिंगल केशन पॉलिसी (पी. 128) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-5951-8_8

पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

2. दास, एम., वैट, एन., सिंह, आर. के., मिश्रा, एस., बारिक, एस एस., दिव्या, आर. वी., सेनगुप्ता, एस., रंजन, ए, और पांडे, डी. के.र. (2020)। एसेसींग मीड प्लेस्टोसीन टू होलोसीन सी आईस एक्सटेंट एम्ड कारबोनेट कम्पेन्शन डेपथ फल्कचूएश्र इन द जापान सी ए मल्टीप्रोक्सी एप्रोच । इन डी. के. पांडे, एम. रविचंद्रन, एंड एन. नायर (एडीएस), द्यूनामिक्स ऑफ अर्थ सिस्टम एवोलुतिऑ प्रोसेस एंड इंटरकनेक्शन कॉन्टिब्यूशन फ्रॉम साइंटिफिक ओसियन ड्रिलिंग (पीपी. 55-72)। स्पिन्जर इंटरनेशनल प्रकाशन https://doi.org/10.1007/978-3-030-40659-2_3
3. पंडित, डी., भट्टाचार्य, एस., और पनगराही, एम. के. (2020)। दिस्सेक्टिंग थू द मेटाल्लोगेनिक पोर्टेशियल ऑफ प्रेकाम्ब्रियन गॅंटीड्श्रः केस स्टडीज फ्रॉम द बस्तर एंड इस्टर्न धर्वर क्रेअतॉस (वॉल्यूम 48 9, अंक 1, पी. 188) । लंदन के भूवैज्ञानिक सोसाइटी <https://doi.org/10.1144/sp489-2019-342>

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

4. मलिक, एस., और साहू, पी. के. (2020)। अन्तर वेहिचुलर कम्युनिकेशन इन अर्बन ट्रेफिक सिनेरियो (वॉल्यूम 109, पी. 1 9)। स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2774-6_2
5. पांडा, पी. के., और घोष, डी. (2020)। हाई गेन स्लॉट ऐन्टेना बी उसिंग आर्टिफीसियल मगनेटिक कंडक्टर (वॉल्यूम 109, पी 277) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2774-6_34
6. तांगुडू, आर., और साहू, पी. के. (2020)। डिस्ट्रिब्यूटेड ऑप्टिकल फाइबर सेंसिंग सिस्टम पेफॉरमनस इम्प्रोवेमन्त यूसिंग सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीक (वॉल्यूम 109, पी. 45)। स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2774-6_5

आधारीक संरचना विद्यापीठ

7. बागची, एस., और बाहेरा, एम. (2020)। फार्मास्यूटिकल वास्तेवाटर ट्रीटमेंट इन माइक्रोबियल फ्यूल सेल इन आर. अब्बासी, ए. के. यादव, एफ. खान, और वी. ग्रेनिया (ईडीएस), इंटीग्रेटेड माइक्रोबियल फ्यूल सेल्स फॉर वास्तेवाटर ट्रीटमेंट (पीपी. 135-155) । बटरवर्थ-हिनेमैन. <https://doi.org/10.1016/b978-0-12-817493-7.00006-0>
8. धूलिपला, वी. आर, गुरार, आर., और बाहेरा, एम. (2020)। ईव्डीईट्यू जनरेशन फ्रॉम कित्वे वास्ते इन अ लो कास्ट एअर्थे माइक्रोबियल फ्यूल सेल (बल्कि 57, पी 32 32) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0990-2_24
9. हद्दी, पी. एम., एंड डैश, एस. आर. (2020)। सिस्मिक वेव प्रोपगतिऑ इन लायेरेड व्हीऊईआळ साइल (55, पी 428) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0886-8_34
10. मोहंती, एल., दास, आर., और मंडल, जी. (2020)। पौन्डिंग प्रोबबिलिटी ऑफ थ्री सपन सिम्पली सपोर्टेड ब्रिज सुब्जेक्टेद तो नियर फील्ड एंड फार फील्ड ग्राउंड मोशन (वॉल्यूम 56, पी 5 575) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0890-5_47
11. मुदुली, एन., डैश, एस आर., एंड मंडल, जी. (2020)। रिव्यु ऑफ सिस्मिक पेफॉर्मसस ऑफ पार्शियल इन्फिल्ल आर सी फ्रेम्स (55, पी. 58 9) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0890-5_48
12. पेट्रो, एस के., मैनु, एस एन., और डिनकर, पी. (2020)। कोरोसिऑ प्रॉपर्टीज ऑफ सेल्फ कोम्पक्टिंग लाइट वेट कंक्रीट यूसिंग मेटाकोलिन (वॉल्यूम 25, पी 654) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2806-4_72
13. प्रधान, एस के., और साहू, यू. सी. (2020)। इम्पक्त्स ऑफ रीसाइक्लिंग एजेंट ऑ सुपेर्वे मिक्सचर कांतेनिंग रैप (एएलआईएल 48, पी. 255) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-3-030-29779-4_24
14. सिंह, आर., सैमल, के., भुनिया, पी., और डैश, आर आर. (2020)। इनकारपोरेशन ऑफ एअर्थवॉर्म एंड दोलोचार इन बायोफिल्टर : अन अत्तेम्ट टुवर्ड्स मक्सिमिज़िंग म=ण्टीण्ट्श्र रिमूवल (5 वॉल्यूम, पी 4 415) को अधिकतम करने की दिशा में एक प्रयास (5 वॉल्यूम, पी 415) । स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0990-2_33

15. वाघ, सी. डी., मैनु, एस एन., और डिनकर, पी. (2020)। हेँओलोगिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ सेल्फ- कोम्पक्टिंग लाइटवेट कंक्रीट विथ मेटाकोलिन (खंड 25, पी 244)। स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2806-4_27

यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

16. स्वेन, ए., शुक्ला, एन., और रेम्या, एन. (2020)। माइक्रोवेव Photolytic प्रक्रिया द्वारा पेय / शीतल पेय उद्योग से अपशिष्ट जल का उपचार (पेय 55, पी 343)। स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0990-2_26

सम्मेलन कार्यवाही

आधारीक विज्ञान विद्यापीठ

- दीनारा, एस. एम., राउट, सी. एस., सामनन्दरा, ए. के., बेहेरा, जे. एन., और नायक, एस. के.ए. (2020)। दो-चरणों के तरीकों के माध्यम से अल्ट्रा-उच्च सुपरकैपैक्ट आवेदन के लिए आत्म-समर्थित दो-आयामी निको 2एस 4माइक्रो-स्पेर्स: इलेक्ट्रो-बयान और रासायनिक वाष्प बयान. एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2276. <https://doi.org/10.1063/5.0025717>
- मल्लिक, जी., और रथ, एस. (2020)। सीडीएसई नैनोशीट्स के वर्तमान-वोल्टेज लक्षण एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2265. <https://doi.org/10.1063/5.0016633>
- नायक, पी., नायक, एस. के., और बदलंदा, टी. (2020)। P6zelectricity और उत्कृष्ट थर्मल स्थिरता में W6 + SDIBI4TI4O15CERMICICS संशोधित एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2265. <https://doi.org/10.1063/5.0017189>
- नायक, एस., और ओझा, ए. के. (2020)। अंतराल गुणांक के साथ द्वि-स्तरीय रैखिक आंशिक प्रोग्रामिंग समस्या को हल करना. (वॉल्यूम 979, पी. 273) स्प्रिन्जर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-3215-3_25
- रामूनायडू, वाई., ओझा, ए. के., और सुशेले देवी, वी. (2020)। बहु-उद्देश्य जया एल्गोरिथम मोडो बहु-उद्देश्य अनुकूलन समस्याओं को सुलझाने के लिए (वॉल्यूम 1063, पी. 98)। स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-3-030-31967-0_11
- स्वेन, डी. के., और रथ, एस. (2020)। ढांकता हुआ गुण और समय प्रिसिनिन और एमएन डोपेड AU8 क्लस्टर के सह-संबंधित क्षय व्यवहार. एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2270. <https://doi.org/10.1063/5.0019586>
- स्वेन, पी., और ओझा, ए. के. (2020)। कण झुंड अनुकूलन और आक्रामक घास का अनुकूलन का उपयोग करते हुए पोर्टफोलियो अनुकूलन (वॉल्यूम 979, पी. 314)। स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-3215-3_30

पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

- रे, एस., स्वेन, डी., पाटदार, जी., और जयराम, सी. (2020)। Scatsat-1 और अंदर से बुरे की ओर से अंतराल और प्रतिबंधित स्वरूपों में सत्यापन. 2020 33rd जनरल असेंबली और रेडियो साइंस ऑफ इंटरनेशनल यूनियन, यूर्सी गास 2020 के वैज्ञानिक संगोष्ठी. <https://doi.org/10.23919/ursass49373.2023.9232375>
- स्वैडन, डी., और समर, एस. (2020)। एन्सो और हिंद महासागर के द्विघों के वर्षों के बाद उत्तर भारतीय महासागर में गुप्त और समझदार गर्मी प्रवाह भिन्नता. 2020 33rd जनरल असेंबली और रेडियो साइंस ऑफ इंटरनेशनल यूनियन, उर्सी गास 2020 के वैज्ञानिक संगोष्ठी. <https://doi.org/10.23919/ursass49373.20232002005>

आधारीक विज्ञान विद्यापीठ

- अरविंद, टी. के. आर., ब्रांड, एम., हीडोर्न, सी., बोप्पू, एस., हनीग, एफ., और टेक्स, जे. (2020)। फ्लोटिंग पॉइंट प्रारूपों के लिए हाइपरबोलिक स्पशरिखा सक्रियण फ़क्शन का हार्डवेयर कार्यान्वयन. वीएसएलएस डिजाइन और टेस्ट, 20 डी 24 वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर, 20 वीं.
- बेहेरा, पी., और रे, ओ. (2020)। एक पावर-फैक्टर-सही एसी और स्टैंडर्डन डीसी भार के लिए डीसी इनपुट को इंटरफेस करने के लिए एक दोहरे इनपुट कनवर्टर टोपोलॉजी. 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ़ेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2020.9379830>
- बेहेरा, एस.एस., मंडल, बी., और पुहान, एन. बी. (2020)। जुड़वां गहरी कॉन्फ्यूल्यूलर तंत्रिका नेटवर्क-आधारित क्रॉस-स्पेक्ट्रल पेराम्युलर मान्यता. संचार पर 26 वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, एनसीसी 2020. <https://doi.org/10.1109/ncc48643.2020.9056008>
- बेहेरा, एस., डोगरा, डी. पी., बांड्योपैध्याय, एम. के., और रॉय, पी. पी. (2020)। हाइब्रिड बल मॉडल का उपयोग करते हुए भीड़ में सेब के प्रेषण और विजुअलाइज़ेशन. विसिग्राप 2020 - कंप्यूटर दृष्टि, इमेजिंग और कंप्यूटर ग्राफिक्स सिद्धांत और अनुप्रयोगों पर 4 वां अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त सम्मेलन की कार्यवाही, 4, 861-867. <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85083590254&partnerid=40&md5=62429ecadcc5822e8f8bfbc9342473e5>
- बिस्वाल, एस., शर्मा, एन. के., और सामनाररा, एस. आर. (2020)। माइक्रोग्रिड के लिए इष्टतम ओवरकेरेंट रिले समन्वय योजना 2020 21 वीं राष्ट्रीय पावर सिस्टम कॉन्फ़ेंस, एनपीएससी 2020. <https://doi.org/10.1109/npsc49263.2020.9331890>
- बुडुरू, एन. के., कराकी, एस. बी., और मनिकंदन, एस. (2020)। हिल्बर्ट के डीएसपी कार्यान्वयन वोल्टेज विविधता ट्रेकिंग के लिए ट्रांसफॉर्मेशन. सिग्नल प्रोसेसिंग और एकीकृत नेटवर्क पर 2020

- 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020, 1039-1043 <https://doi.org/10.1109/spin48934.2020.9071150>
16. चंद्र, एम. वी. एस. एस., बड़तिया दीपक, बी, कुमार, एल. वी. और मोहापाट्रो, एस. (2020)। ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए सौर पीवी फेड स्टैंड-अलोन कम वोल्टेज डीसी माइक्रोग्रिड का वोल्टेज नियंत्रण और ऊर्जा प्रबंधन. 2020 21 वीं राष्ट्रीय पावर सिस्टम सम्मेलन, एनपीएससी 2020. <https://doi.org/10.1109/npsc49263.2020.9331911>
17. दास, एस., और पांडा, जी. (2020)। आईओटी पर स्मार्ट ग्रीच वास्तुकला पर गोपनीयता जोखिम शमन के प्रति एक पहल स्मार्ट ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण पर 2020 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: प्रौद्योगिकी मॉडलिंग और सिमुलेशन, आईसीआरईएसजी 2020, 168-173 के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण. <https://doi.org/10.1109/icreig49226.2020.9174557>
18. दादाडरशिनी, जे, साहा, एस., लैंडसाइडेल, ओ., और चॉन चैन, एम. (2020)। एक साथ इंटर-समूह के लिए सभी प्रसार के लिए फ्रेम के लिए फ्रेम डीलिटिस्टर्स (एसएफडी) शुरू करें. कार्यवाही - स्थानीय कंप्यूटर नेटवर्क, एलसीएन, 2020 नवंबर, 100-111 पर सम्मेलन <https://doi.org/10.1109/lcn48667.2020.9314842>
19. दिदरशनी, जे., शेखर, सी., और साहा, एस. (2020)। एक साथ इंटर-समूह के लिए सभी फैलाने के लिए दाएं-अकुच्च आवृत्तियों. कार्यवाही - मोबाइल विज्ञापन एचओसी और स्मार्ट सिस्टम, 20 बड़े पैमाने पर 2020, 473-481 पर 2020 आईईईई 17 वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. <https://doi.org/10.1109/mass50613.2020.00064>
20. गणपति, यू. और सबारामलाई मणिकंदन, एम. (2020)। अनौपचारिक क्षेत्र में एमेच्योर ड्रोन की उपस्थिति का पता लगाने के लिए कॉन्स्युलर तंत्रिका नेटवर्क आधारित ध्वनि मान्यता विधियां: वॉल्यूम 1241 सीसीआईएस (पी 244)। स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-6318-8_20
21. गोगिनेनी, ए. के., किशोर, आर., राज, पी., नायक, एस., और साहू, के. के. (2020)। सीएनएन: वॉल्यूम का उपयोग करके कैसर का पता लगाने के लिए ब्याज प्रस्तावों के क्षेत्र के रूप में अनसुएक क्लस्टरिंग एल्गोरिथ्म 1108 एआईएससी (पी. 13 9 6) स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-3-030-37218-7_146
22. गिटकककला, जी. एन, सत्य साई चंद्र, एम. वी. और मोहापाट्रो, एस. (2020)। एलवीडीसी माइक्रोग्रिड में बोल्ट और गैर-बोल्ट दोषों के लिए पीपीयू का उपयोग करने वाले गलती का अनुमान. 2020 आईईईई 15 वीं औद्योगिक सम्मेलन में औद्योगिक और सूचना प्रणाली, आईसीआईआईएस 2020 - कार्यवाही, 75-80 <https://doi.org/10.1109/icicis51140.2020.9342709>
23. हजारी, एस., और रे, ओ. (2020)। एकीकृत दोहरे आउटपुट कनवर्टर के संचालन और नियंत्रण गैर-रैखिक भार को इंटरफेस करना. 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2037999504>
24. जसवंथ, डी., डैश, एस. पी., और जोशी, एस. (2020)। एक सेलुलर डिवाइस-टू-डिवाइस संचार नेटवर्क का इष्टतम कवरेज विश्लेषण आईईईई वाहन प्रौद्योगिकी सम्मेलन, 2020 नवंबर <https://doi.org/10.1109/vtc2020-fall49728.2020.9348452>
25. जोशी, एस., मनोज, बी. आर., और डैश, एस. पी. (2020)। बोमेर-एडिड एएफ सहकारी रिलेइंग नेटवर्क ने नामो ट्रांसमिशन स्कीम के साथ. उन्नत नेटवर्क और दूरसंचार प्रणालियों, एंट्स, 2020 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी. <https://doi.org/10.1109/ants50601.2020.9342814>
26. कबाबा, जी., और रे, ओ. (2020)। पेरुवस्केट सौर कोशिकाओं के व्यवहार मॉडलिंग और संरचना के आधार पर इसके गुणों का अध्ययन. 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2037999804>
27. केरेटा, एस. आर., और घोष, डी. (2020)। हड्डी खनिज घनत्व पर माइक्रोवेव विश्लेषण एंटेना और प्रचार पर 2020 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, एपीएसआईएम 2020, 83-86 <https://doi.org/10.1109/apsym50265.2020.9350679>
28. किशोर, आर., सतपथी, एम., पेरिडा, डी. के., नुसिनोव, जेड, और साहू, के. के. (2020)। अनजाने मशीन सीखने की विधि का उपयोग कर फेफड़े के नोडल्स का पता लगाने: विधि 1108 एआईएससी (पी. 471) स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-3-030-37218-7_52
29. कुमार, एन., साहू, एन. सी., और पाटी, ए. के. (2020)। तीन चरण ग्रिड से जुड़े पीवी सिस्टम का बैकस्टेपिंग नियंत्रण. सिग्नल प्रोसेसिंग और एकीकृत नेटवर्क पर 2020 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020, 923- 9 28 <https://doi.org/10.1109/spin48934.2020.9070903>
30. कुमार, आर., और मुखर्जी, जे. सी. (2020)। मोबाइल चार्जिंग वाहनों का उपयोग करते हुए वायरलेस रिचार्जिंग नेटवर्क में चार्ज शेड्यूलिंग 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम्स कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम्स और नेटवर्क, कॉमसेन्स 2020, 375-382 <https://doi.org/10.1109/comsnets48256.2020.9027418>
31. कुमार, आर., सेठी, के., प्रजापति, एन., आरओटी, आर. आर., एंड बेरा, पी. (2020)। क्लस्टरिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके क्लाउड वातावरण में मशीन सीखने आधारित मैलवेयर का पता लगाने. कंप्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज, आईसीसीसीएनटी 2020 पर 2020 11 वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. <https://doi.org/10.1109/iccntt94239.2020.9225627>

32. महाराणा, एस., डी. डी., और कैस्टेलज़ी, ए. (2020)। एक सामान्य मॉड्यूल उद्देश्य के साथ दोहरी सक्रिय पुल के लिए एक नया zvs जोन पहचान. 2020 22 वें पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अनुप्रयोगों पर यूरोपीय सम्मेलन, ईपीई 2020 ईसीसीई यूरोप <https://doi.org/10.23919/epe20ecceurope43536.2020.9215626>
33. मलिक, एस., और साहू, पी. के. (2020)। मजबूत वायुमंडलीय अशांति चैनलों (41046, पी. 39 9) के लिए कमजोर पर विभिन्न मॉड्यूल योजनाओं का उपयोग करके नि: शुल्क अंतरिक्ष ऑप्टिकल संचार प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण. स्पिंगर वेरागैग https://doi.org/10.1007/978-981-13-6159-3_41
34. मनोजकुमार, के., बीओपीपीयू, एस., और मणिकंदन, एम. एस. (2020)। पीपीजी सिग्नल से श्वसन दर का आकलन करने के लिए एक स्वचालित एल्गोरिथ्म: वॉल्यूम 1241 सीसीआईएस (पी. 57)। स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-6318-8_5
35. मोहन कृष्णा, पी. वी. एन., सेखर, पी. सी., और अली, एम. डी. (2020)। हाइब्रिड माइक्रोग्रीड-ए सत्यापन की इष्टतम योजना कार्यवाही - एसटीए 2020: 2020 20 वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान और स्वचालित रूप से स्वचालित नियंत्रण और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की तकनीक, 255-260 <https://doi.org/10.1109/sta50679.2020.9329323>
36. नायक, एस., ईबोट, सी. ए., प्रताप सिंह चौहान, ए, डडीडीजी, आर. बी., रे, पी., सिकार, ए., रेड्डी दंड, एस के के., और भटनागर, एस. (2020)। माइक्रोक्रीड नेटवर्क में कुशल ऊर्जा प्रबंधन के लिए स्टोचस्टिक गेम फ्रेमवर्क आईईईई पीईएस अभिनव स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजीज सम्मेलन यूरोप, 2020-अक्टूबर, 116-120 <https://doi.org/10.1109/isgt-europe47291.2020.9248952>
37. नीलम, एस. जी, और साहू, पी. आर. (2020)। आईसीआई और पीए गैर-नैतिकता की उपस्थिति में ओटीएफ के त्रुटि प्रदर्शन संचार पर 26 वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, एनसीसी 2020. <https://doi.org/10.1109/ncc48643.2020.9056040>
38. पांडा, एस., और पांडा, जी. (2020)। मशीन सीखने की तकनीकों का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य देखभाल में आईओटी टैफ्रिक का बुद्धिमान वर्गीकरण 2020 6 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर नियंत्रण, स्वचालन और रोबोटिक्स, आईसीसीएआर 2020, 2020 अप्रैल, 581-585. <https://doi.org/10.1109/iccar49639.2020.9107979>
39. पटी, ए. के., और साहू, एन. सी. (2020)। ग्रिड से जुड़े हाइब्रिड पीवी-बैटरी ईंधन सेल सिस्टम के ऊर्जा प्रबंधन पर एक प्रायोगिक अध्ययन. 2020 आईईईई कलकत्ता सम्मेलन, कैलकॉन 2020 - कार्यवाही, 20-24 <https://doi.org/10.1109/calcon49167.2020.9106485>
40. प्रधान, ए, पनीथ, आर., सेठी, के., और बेरा, पी. (2020)। स्मार्ट ग्रिड डेटा सुरक्षा को व्यावहारिक सीपी-एबीई का उपयोग करके ओबफ्यूडेड पॉलिसी और आउटसोर्सिंग डिफ्रिक्शन के साथ. 2020 साइबर स्थित जागरूकता, डेटा विश्लेषिकी और मूल्यांकन, साइबर एसए 2020. पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन <https://doi.org/10.1109/cybersa49311.2020.9139628>
41. प्रधान, ए, यतम, वी. एम. और बेरा, पी. (2020)। साइबरबुलिंग डिटेक्शन के लिए आत्म-ध्यान 2020 साइबर स्थित जागरूकता, डेटा विश्लेषिकी और मूल्यांकन, साइबर एसए 2020. पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन <https://doi.org/10.1109/cybersa49311.2020.9139711>
42. प्रियदर्शी, ए, कार, पी. के., और कराकी, एस. बी. (2020)। एक एकल स्रोत ट्रांसफार्मर-आत्म-वोल्टेज संतुलन के साथ बहुस्तरीय पलटनेवाला टोपोलॉजी कम हो गया. उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई लेनदेन, 56 (4), 3954-3965 <https://doi.org/10.1109/tia.2020.2988012>
43. प्रियदर्शी, ए, कार, पी. के., और कराकी, एस. बी. (2020)। डीसी-लिंक वोल्टेज नियंत्रण के साथ ग्रिड से जुड़े एकल स्रोत बहुस्तरीय कनवर्टर के पावर प्रवाह नियंत्रण. 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2020.9379494>
44. प्रियदर्शिनी, एम., मित्तल, पी., और बेरा, पी. (2020)। एसडीएन फ्रेमवर्क का उपयोग करके स्मार्ट सिटी नवीकरण 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम्स कॉन्टैक्ट सिस्टम्स और नेटवर्क, कॉमसेन्स 2020, 794-79 9. <https://doi.org/10.1109/comsnets48256.2020.9027417>
45. राणा, डी., और रे, ओ. (2020)। सौर-बैटरी एकीकरण के लिए तीन स्विच-आधारित एकीकृत दोहरे डीसी बूस्ट कनवर्टर टोपोलॉजी. 2020 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा, पीप्रे 2020. <https://doi.org/10.1109/pesgre45664.2020.9070507>
46. राणा, डी., बेहेरा, पी., और रे, ओ. (2020)। एकीकृत दोहरी डीसी बूस्ट कनवर्टर का मूल्यांकन स्टैंडअलोन सौर-बैटरी अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के रूप में. 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2020.9379628>
47. राव, बी. टी., और डी, डी. (2020)। संशोधित Duk विन्यास के साथ अतिरिक्त वोल्टेज सहायता प्राप्त उच्च लाभ डीसी-डीसी सीएन्टर. 2020 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा, पीप्रे 2020. <https://doi.org/10.1109/pesgre45664.2020.9070343>
48. राव, बी. टी., डी, डी., डे, यू. और सत्यमईडी, के. (2020)। समानांतर जुड़े डीसी-डीसी कन्वर्टर के लिए सामान्यीकृत चर इंटरनेशनल तकनीक. 2020 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा, पीप्रे 2020. <https://doi.org/10.1109/pesgre45664.2020.9070391>

49. राठी, एस., थॉमस, ए. और दत्ता, एम. (2020)। छोटे केश आकारों के साथ साझा कैशिंग के लिए एक इष्टतम रेखिक त्रुटि सही काम कर रहा है. आईईईई इंटरनेशनल संगोष्ठी पर सूचना सिद्धांत - कार्यवाही, 2020 जून, 1670-1674 <https://doi.org/10.1109/isit44484.2020.9174076>
50. रे, ओ., राणा, एम. एस., मिश्रा, एस., डेविस, के., और सेपीसी, एस. (2020)। ई-रिक्शा के लिए बैटरी-स्वैप तकनीक: चुनौतियां, अवसर और दायरा. 2020 21 वीं राष्ट्रीय पावर सिस्टम्स सम्मेलन, एनपीएससी 2020. <https://doi.org/10.1109/npsc49263.2020.9331876>
51. साहू, एन. सी., सेनपाती, आर एन., और पाटी, ए. के. (2020)। संशोधित बहुपद न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके सौर ऊर्जा के फोइसिंग 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2020.9379700>
52. साहू, एच. के., साहू, पी. आर., और मिश्रा, जे. (2020)। रिले और स्वच्छता पर गन्ने के साथ एसकेएस के साथ एसकेईपी ने रैले लुप्त होकर गंतव्य पर गंतव्य पर जोड़ा. संचार पर 26 वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, एनसीसी 2020. <https://doi.org/10.1109/ncc48643.2020.9056036>
53. सजन, एस., चक्को, एस जे जे, पै, वी. और कार्तिक पै, बी. एच. (2020)। वायरलेस सेंसर नेटवर्क में गलती का पता लगाने के विभिन्न एल्गोरिदम के प्रदर्शन मूल्यांकन. आविष्कारशील प्रणालियों और नियंत्रण, 4 आईसीआईएससी 2020, 540-545 पर 4 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही. <https://doi.org/10.1109/icisc47916.2020.9171070>
54. सतपथी, जी., भट्टाचार्य, जी., पुहान, एन. बी, और हो, ए. टी. एस. (2020)। नकली फिंगरप्रिंट का पता लगाने के लिए सामान्यीकृत बेनफोर्ड का कानून 2020 आईईईई की सिफारिश सिग्नल प्रोसेसिंग कॉन्फ्रेंस, एस्पॉन 2020, 242-246 <https://doi.org/10.1109/aspcn49795.2020.9276660>
55. सेठी, ए. और राज कुमार, आर वी. (2020)। मिलीमीटर लहर संचार में हाइब्रिड एमआईएमओ सिस्टम के लिए अनुमानित संयुग्मित ढाल का उपयोग करने का चैनल आकलन. कार्यवाही - 2020 आईईईई इंडिया काउंसिल इंटरनेशनल उपसमूह सम्मेलन, इंडिसकॉन 2020, 236-241 <https://doi.org/10.1109/indiscon50162.2020.00056>
56. सेठी, के., कुमार, आर., मोहंती, डी., और बेरा, पी. (2020)। उन्नत गहरी सुट्टीकरण सीखने का उपयोग करके मजबूत अनुकूली बादल घुसपैठ पहचान प्रणाली: वॉल्यूम 12586 एलएनसी (पी 85)। स्पिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूबलैड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-3-030-66626-2_4
57. सेठी, के., कुमार, आर., प्रजापति, एन., और बेरा, पी. (2020)। बाएफोर्ड के कानून और नेटवर्क प्लो आकार के अंतर का उपयोग करते हुए एक हल्के घुसपैठ पहचान प्रणाली. 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम कम्युनिकेशन सिस्टम और नेटवर्क, कॉमसेन्स 2020, 1-6 <https://doi.org/10.1109/comsnets48256.2020.9027422>
58. सेठी, के., कुमार, आर., प्रजापति, एन., और बेरा, पी. (2020)। क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए गहरी सुट्टीकरण सीखने के घुसपैठ का पता लगाने के लिए 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम कम्युनिकेशन सिस्टम और नेटवर्क, कॉमसेन्स 2020, 1-6 <https://doi.org/10.1109/comsnets48256.2020.9027452>
59. सेठी, के., प्रधान, ए. और बेरा, पी. (2020)। स्मार्ट ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए अति-एक्सेस एक्सेस पॉलिसी के साथ विशेषता-आधारित डेटा सुरक्षा 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम्स कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम्स और नेटवर्क, कॉमसेन्स 2020, 503-506 <https://doi.org/10.1109/comsnets48256.2020.9027398>
60. शालिनी, और सामनाररा, एस. आर. (2020)। सीएम पीएमयूएस के साथ सुसंगत रेखा पहचान के लिए एक wabp योजना 2020 21 वीं राष्ट्रीय पावर सिस्टम सम्मेलन, एनपीएससी 2020. <https://doi.org/10.1109/npsc49263.2020.9331762>
61. शंकर, एस., उजवाल, वी. आर, पिनिस्टीटी, एस., और रूप, पी. (2020)। स्वायत्त वाहनों के लिए औपचारिक रनटाइम मॉनिटरिंग दृष्टिकोण सीईआर वर्कशॉप कार्यवाही, 2785, 89-94 <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85099373363&partnerid=40&md5=6e4b48eb631de34eddad214d566cdd52>
62. शर्मा, एन के के., पटानकायक, आर., सामनाररा, एस आर., और भेंडे, सी. एन. (2020)। कम वोल्टेज डीसी माइक्रोग्रिड के लिए एक तेज़ गलती का पता लगाने 2020 21 वीं राष्ट्रीय पावर सिस्टम सम्मेलन, एनपीएससी 2020. <https://doi.org/10.1109/npsc49263.2020.9331862>
63. शेखर, सी., और साहा, एस. (2020)। आईओटी में क्रॉस टेक्नोलॉजी हस्तक्षेप से मुकाबला करने के लिए ठीक-ग्रीन आवृत्तियां: एक माप अध्ययन उन्नत नेटवर्क और दूरसंचार प्रणालियों, एंट्स, 2020 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी. <https://doi.org/10.1109/ants50601.2020.9342764>
64. श्रुति, और रामकुमार, बी. (2020)। एलडीपीसी डीकोडर के एफपीजीए कार्यान्वयन (वॉल्यूम 1085, पी. 411)। स्पिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1366-4_32
65. सियाल, एम. आर., और साहू, एन. सी. (2020)। स्विचिद अनिच्छा मोटर के टोक नियंत्रण के लिए हिस्टेरिसिस और पीआई वर्तमान नियंत्रक के तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण 9 इलेक्ट्रॉनिक्स आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव और एनर्जी सिस्टम्स, 2020. पीड्स <https://doi.org/10.1109/Pedes49360.2020.9379724>

66. श्रीनिवासुलु, जी., साहू, एन. सी., और बलकृष्णा, पी. (2020)। स्मार्ट ग्रिड में विभिन्न प्रकार के बिजली लेनदेन के तुलनात्मक विश्लेषण 2020 आईईईईई कलकत्ता सम्मेलन, कैलकॉन 2020 - कार्यवाही, 302-307 <https://doi.org/10.1109/calcon49167.2020.9106483>
67. तांगुडू, आर., और साहू, पी. के. (2020)। कण झुंड-अनुकूल डीएलएस सिस्टम के कण झुंड-अनुकूल डीएलएस सिस्टम का उपयोग किनारा संकल्प और स्थानिक संकल्प में एल्गोरिथ्म (वॉल 546, पी. 1 9 2)। स्प्रिंगर वेरागैग https://doi.org/10.1007/978-981-13-6159-3_20
68. तांगुडू, आर., और साहू, पी. के. (2020)। सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए बैकस्केट किए गए ऑप्टिकल संकेतों में डायनामिक रेंज सुधार 2020 आईईईईई की सिफारिश सिग्नल प्रोसेसिंग कॉन्फ्रेंस, एस्पॉन 2020, 66-69 <https://doi.org/10.1109/aspcn49795.2020.9276692>
69. तिरमनवार, एस. और घोष, डी. (2020)। नेटवर्क विश्लेषकों के लिए एकल चिप ब्रॉडबैंड टेस्टसेट रेडियो साइंस, 20 रिसर्च पर 2020 यूसीएसआई क्षेत्रीय सम्मेलन - आरसीआरएस 2020 - कार्यवाही <https://doi.org/10.23919/ursircrs49211.2020.9113514>
70. त्रिपाठी, डी., ज़ामनी, एच., साहू, डी., भुयन, एल. एन. और सतपथी, एम. (2020)। नींद: जीपीजीपीआर रजिस्टर फ़ाइलों के लिए स्थैतिक-शक्ति प्रबंधन. एसीएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आगे बढ़ने वाली श्रृंखला <https://doi.org/10.1145/3370748.3406577>
71. त्रिपाठी, एस., साहू, डी., सतपथी, एम. और म्यूताम, एम. (2020)। एनवीएमई एसएसडीएस के लिए फजी फेयरनेस नियंत्रक सुपरकॉम्पिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही <https://doi.org/10.1145/3392717.3392766>
72. टुममाला, एम. और साहा, एस. (2020)। टीडीएमए अनुसूची के रन-टाइम विविधता के साथ समवर्ती ट्रांसमिशन आधारित डेटा साझा करना कार्यवाही - स्थानीय कंप्यूटर नेटवर्क, एलसीएन, 2020 नवंबर, 461-464 पर सम्मेलन <https://doi.org/10.1109/lcn48667.2020.9314855>
73. वातांकहहघादिम, बी, वरी, एन., और कारसोन, ए सी. (2020)। वायरलाइन संचार के लिए असतत मल्टीटोन सिग्नलिंग कार्यवाही - सर्किट और सिस्टम पर आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2020 अक्टूबर <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85109300621&partnerid=40&md5=05b47e8246588ac9b7c84cd5549a7b92>
74. वाया, एन., चैन, पी डब्ल्यू, वांग, एल., वांग, क्यू, और कारसोन, ए. सी. (2020)। सभी डिजिटल कैलिब्रेशन एल्गोरिदम एडीसी में स्थिर गैर-रेखीयताओं के लिए सही करने के लिए कार्यवाही - सर्किट और सिस्टम पर आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2020 अक्टूबर <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85104658198&partnerid=40&md5=853E3D3C5C377C3CCACA6D8496ACA4B7D>

आधारीक संरचना विद्यापीठ

75. बसु, डी., रॉय, एस., मैत्रा, एस आर., और मजुमदार, बी. बी. (2020)। शहरी बस स्टॉप इंफ्रास्ट्रक्चर की सुधार की पहचान करने की दिशा में मूल्यांकन: भुवनेश्वर से प्राप्त ज्ञान परिवहन अनुसंधान प्रक्रिया, 48, 3802-3813 <https://doi.org/10.1016/j.trpro.2020.08.039>
76. चामलिंग, पी. के., हल्दार, एस., और पेट्रा, एस. (2020)। रेलवे के लिए स्टील लावा गिट्टी का व्यवहार CCLICLINE लोड हो रहा है (वॉल्यूम 85, पी. 722)। स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूचलैंड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-981-15-6086-6_57
77. चंडा, डी., साहा, आर., और हल्दार, एस. (2020)। संयुक्त ऊर्ध्वाधर पार्श्व और क्षण भार के तहत ढेर-रफ़ फाउंडेशन का व्यवहार: एक पैरामीट्रिक अध्ययन. मिट्टी यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, एआरसी 201 9 पर 16 वीं एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन. <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85084945574&partnerid=40&md5=86C9FFA1204D39CFE6B22789B90494C>
78. चंडा, डी., साहा, आर., और हल्दार, एस. (2020)। संयुक्त ऊर्ध्वाधर, पार्श्व और क्षण भार (48, पी 33 33) के तहत निर्वाचित रफ फाउंडेशन की प्रायोगिक जांच. स्प्रिंगर साइंस और बिजनेसएस मीडिया ड्यूचलैंड GMBH. https://doi.org/10.1007/978-981-15-6090-3_22
79. दत्ता, डी., और हल्दार, एस. (2020)। गेंद पेनट्रोमिटर का उपयोग कर नरम मिट्टी की अनिश्चित शताब्दी की अनिश्चितता का मूल्यांकन (वॉल. 92, पी. 415)। स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूचलैंड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-981-15-6832-9_24
80. मिश्रा, एम. सी., गंगधारा रेड्डी, एन., हनुमान्थ राव, बी, और कुमार दास, एस. (2020)। बेहद क्षारीय लाल म्यूडी अपशिष्ट को निष्क्रिय करने के लिए एडिटिव्स की उपयोगिता और प्रयोज्यता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन (वॉल्यूम 89, पी. 149)। स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूचलैंड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-3-030-51350-4_16
81. पंचल, जे., मजूमदार, बी. बी, राम, वी. वी., और बसु, डी. (2020)। साइकिल मेट्रो एकीकरण से संबंधित विशेष प्रकार के विशेष सेट के लिए उपयोगकर्ता धारणा का विश्लेषण: हैदराबाद, भारत का एक मामला अध्ययन परिवहन अनुसंधान प्रक्रिया, 48, 3532-3544 <https://doi.org/10.1016/j.trpro.2020.08.098>
82. पेट्रा, एस के., और हल्दार, एस. (2020)। मनीपाइल का दीर्घकालिक व्यवहार, सिली रेत में अपतटीय पवन टरबाइन समर्थित है. मिट्टी यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, एआरसी 2019 पर 16 ए एटीआई क्षेत्रीय सम्मेलन. <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85084943848&partnerid=40&md5=853E3D3C5C377C3CCACA6D8496ACA4B7D>

83. पेट्रा, एस., कुमार, पी. वी. पी, और हल्दार, एस. (2020)। परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग कर पेंटरी से भरी हुई पेंच ढेर की फॉरेंसिक जांच. मिट्टी यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, एआरसी 201 9 पर 16 ए एटीआई क्षेत्रीय सम्मेलन. <https://www.com/inward/record.uri?eid=2-s2.0-85084945765&partnerid=40&md5=8836B049DC7BA96FB776E9182CD840FF>
84. पवन कुमार, पी. वी., पेट्रा, एस., और हल्दार, एस. (2020)। ऑफशोर एनर्जी फाउंडेशन के लिए रेत में अक्षीय संपीड़न और पार्श्व लोडिंग के तहत पेंच ढेर का व्यवहार (वॉल्यूम 92, पी. 403) । स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूचलैंड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-981-15-6832-9_23
85. पवन कुमार, पी. वी., पेट्रा, एस., और हल्दार, एस. (2020)। परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके आंशिक रूप से एम्बेडेड अपतटीय पाइपलाइनों के लिए वी-एच उपज की सतह का विकास (वॉल्यूम 85, पी. 958) । स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया ड्यूचलैंड जीएमबीएच https://doi.org/10.1007/978-981-15-6086-6_75
86. रॉय, एस., और बसु, डी. (2020)। शहरी स्थानीय बस स्टॉप के लिए चलने वाली पहुंच फीडर पथ की इन-सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चरल सुविधा का मूल्यांकन । परिवहन अनुसंधान प्रक्रिया, 48, 3824-3831 <https://doi.org/10.1016/j.trpro.2020.08.037>
87. थियाग राजन, जे एस. (2020)। अक्षांश के साथ निर्देशित लहर बातचीत की जांच, एक्सिसमेट्रिक भेदी लहरगुह में. कार्यवाही, 67 (1) <https://doi.org/10.3390/asec2020-07539>
88. थियाग राजन, जे एस. (2020)। अल्ट्रासोनिक निर्देशित लहर निगरानी का उपयोग करके अक्षांशित नरम स्टील वायर में प्रीलोड प्रभाव का विश्लेषण. इंजीनियरिंग कार्यवाही, 2 (1) <https://doi.org/10.3390/ecsa-7-08162>
92. कापार्टिअर, एस. जी., मंडावा, आर के के., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। गोदाम अनुप्रयोगों के लिए 3-डीओएफ स्थानिक सीरियल मैनिपुलेटर का डिजाइन और विश्लेषण (पी. 178) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_19
93. कुंडु, पी. के., प्रधान, ए. के., और पंडित, एम. के. (2020)। घास एफजीएम से बने लोडिंग के लिए लैप कतरनी संयुक्त नमूना में आसंजन विफलता विश्लेषण (पी. 307) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0772-4_26
94. पटी, एस के., प्रधान, ए. के., और पंडित, एम. के. (2020)। ट्रांसवर्स लोड (पी 243) के अधीन फ्लैट फाइबर प्रबलित पॉलिमर कम्पोजिट लम्बी के साथ बनाई गई गोद कतरनी जोड़ों के डेलमिनेशन क्षति का विश्लेषण (पी 243) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0772-4_21
95. समाल, पी., राज, आर., मंडावा, आर के के., और वंडावली, पी. आर. (2020)। एल्यूमीनियम मैट्रिक्स कम्पोजिट के मैकेनिकल और माइक्रोस्ट्रक्चरल विशेषताओं पर लाल कीचड़ का प्रभाव (पी 82) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_8
96. श्रीनिवास, के., वुंडावली, पी. आर, और मंगूर हुसैन, एम. (2020)। पीएसओ प्रशिक्षित आरबीएफएन का उपयोग करके वेल की गुणवत्ता की भविष्यवाणी (पी 439) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_48
97. वोलोडिन, ओ. ए., पेरकेकिन, एन. आई, पवलेको, ए. एन., जुबकोव, एन. एन., काटाव, ए., मिरोनोवा, आई. बी., और दास, एम. के. (2020)। क्षेत्रीय ट्यूबों के एक बंडल पर माइक्रोस्ट्रक्चरल सतह के साथ बंडल फिल्मों में गर्मी हस्तांतरण की गहनता. ज्योरो ऑफ फिजिक्स: सम्मेलन श्रृंखला, 1677 (1)। <https://doi.org/10.1088/1742-6596/1677/1/012099>

यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

89. ए.के., जिसनु, मंडावा, आर के के., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। पीएसओ का उपयोग करते हुए 4-डीओएफ प्लानर मैनिपुलेटर के लिए इष्टतम राज्य पर्यवेक्षक-आधारित नियंत्रक का डिजाइन (पी. 162) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_17
90. दत्ता, पी., बर्मन, ए. कुमार, ए. और दास, एम. (2020)। माइक्रो-होल ड्रिलिंग के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल माइक्रोमार्किंग (ईसीएमएम) प्रायोगिक सेटअप का डिजाइन और निर्माण (पी 573) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-0124-1_51
91. गंगाधारा राव, वुंडावली, पी. आर., और मीरा साहेब, के. (2020)। माइक्रोस्ट्रक्चरल और एल 6061 / जीआर / डब्ल्यूसी हाइब्रिड मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट के पीएच / यांत्रिक व्यवहार (पी. 531) । स्प्रिन्जर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_59

खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

98. किशोर, आर., स्वेयम्योटी, एस., नुसिनोव, जेड, और साहू, के. के. (2020)। स्थानिक नेटवर्क के लिए एक नए प्रस्तावित मॉड्यूलरिटी फंक्शन के प्रदर्शन गुण: अनसर्जि लर्निंग के लिए क्लस्टरिंग का बेहतर मूल्यांकन. आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 872 (1)। <https://doi.org/10.1088/1757-899x/872/1/012017>
99. कुमार, ए. और रॉय, ए. (2020)। ऊर्जा संचयन के लिए पीएमएन-पीटी / पीडीएमएस पाइज़ोइलेक्ट्रिक कम्पोजिट के संश्लेषण: वॉल्यूम 978 एमएसएफ (पी. 215)। ट्रांस टेक प्रकाशन लिमिटेड <https://doi.org/10.4028/www.scientific.net/msf.978.209>
100. कुमार, एस डी., देवानंग, एस., झा, एस के के., और मंडल, ए. (2020)। Trioxoformed A356-5tib2 के सूक्ष्म स्लाइडिंग पहनने के पैरामीटर का अनुकूलन आरएसएम का उपयोग करते हुए

- इन-सीट कंपोजिट सामग्री आज: कार्यवाही, 33, 5061-5065
<https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.02.844>
101. माही, जे., मंडल, ए. साहू, एस के के., पटनायक, एस सी., सारंगी, बी, और जेना, के. पी. (2020)। अल -16 एसआई -2% अल 2 ओ 3 हाइपरेटक्टिक मिश्रों में माइक्रोस्ट्रक्चर और यांत्रिक गुणों पर तापमान डालने का प्रभाव. सामग्री आज: कार्यवाही, 33, 5539-5543 <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.03.496>
102. मेहर, एस., चौधरी, पी., वेम्पाती, वी. एस, देओ, बी, और चट्टोपाध्याय, पी. (2020)। रोटरी स्पंज आयरन भट्टों में गतिशील गुणवत्ता पूर्वानुमान और नियंत्रण आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 872 (1)। <https://doi.org/10.1088/1757-899x/872/1/012077>
103. मिश्रा, एन., शाह, सी., और दास, के. (2020)। परिमित तत्व विधि का उपयोग करते हुए पीबी-ग्री पॉलिमर कम्पोजिट के प्रभावी विद्युत गुणों की भविष्यवाणी करना: विधि 978 एमएसएफ ट्रांस टेक प्रकाशन लिमिटेड (पी 343) <https://doi.org/10.4028/www.scientific.net/msf.978.337>
104. पांडे, ए, सेल्वम, पी., दिंदो, बी के के., और पाती, एस. (2020)। कार्बन कार्बन कम्पोजिट के निर्माण के लिए रासायनिक वाष्प घुसपैठ प्रक्रिया के मल्टीस्केल मॉडलिंग. सामग्री आज: कार्यवाही, 21, 1059-1063 <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.01.005>
105. पारिडा, एच., डीओ, बी, चौधरी, पी., मलकर, पी., और साहू, एस के.र. (2020)। टाटा स्टील लॉग प्रोडक्ट्स लिमिटेड में धर्माकोपल तापमान और स्पंज आयरन की गुणवत्ता के पूर्वानुमान के लिए लौ विश्लेषण. आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 872 (1)। <https://doi.org/10.1088/1757-899x/872/1/012078>
106. स्वर्णकार, पी., बेसरा, एल डी., चटर्जी, एस., मुखर्जी, एस., और रॉय, ए. (2020)। संभावित फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए उपन्यास मल्टीफेरोओर पेरोवस्किट ऑक्साइड डिजाइन करना: वॉल्यूम 978 एमएसएफ (पी. 359)। ट्रांस टेक प्रकाशन लिमिटेड <https://doi.org/10.4028/www.scientific.net/msf.978.353>
- 8 TeV पर का उपयोग करते हुए. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (8) [https://doi.org/10.1007/jhep08\(2020\)051](https://doi.org/10.1007/jhep08(2020)051)
2. अबूडिनेने, एफ., आदी, आई., अहलबर्ग, पी., अहारा, एच., अकोपोव, एन., अलॉइसियो, ए, अमेलली, एफ., एंड्राइस्क, एल. एएन केवाई, एन., एएसर, डी. एम., एटम, एच., एशेव, टी., एशेव, वी., अज़ीज़, टी., आजमी, के., बबू, वी., बीएचएआर, एस, बहिनीपती, एस., बाकिच, ए एम., ... जुपनक, ए (2020)। बेले द्वितीय प्रयोग के चरण 2 डेटा के एकीकृत चमक के माप चीनी भौतिकी सी, 44 (2) <https://doi.org/10.1088/1674-1137/44/2/021001>
3. अबूडिनेने, एफ., आदी, आई., अहारा, एच., अकोपोव, एन., अल्कोइस, ए, अमली, एफ., एनएचवाईवाईवाई, एन., एएसएनई, डी. एम., एशेव, टी., एशेव, वी., बाबू, वी., बीएचएआर, एस., बहिनीपति, एस. बाम्बेड, पी., बनर्जी, एस, बंसल, एस., बॉडोट, जे, बेकर, जे., शेफ, पी. के., ... Zhukova, v. I. (2020)। बेले द्वितीय में ई + ई-टकरावों में उत्पादित एक्सऑप्टिक कणों के लिए खोजें शारीरिक समीक्षा पत्र, 125 (16) <https://doi.org/10.1103/physrevlett.125.161806>
4. एडम, डब्ल्यू. बर्गोयर, टी., ब्लॉच, डी., ब्रॉडोलिन, ई., ड्रैगिसविक, एम., फ्रूहवर्थ, आर., हिंगर, वी., स्टीनिंगर, एच., ट्रेबरर-ट्रेबरपुर्ग, डब्ल्यू., बीमांट, डब्ल्यू. क्रोक, डी. डी., जेनसन, एक्स., लाउवर, जे., मेसेनन, पी. वी., रिमोटेल, एन. वी., ब्लेकमैन, एफ., चिब्रा, एस एस., क्लर्क, जे डी, डी 'होंडा, जे, ... पेडकेन, के ओ ओ (2020)। सीएमएस बाहरी ट्रैकर के उन्नयन के लिए विभिन्न सिलिकॉन सेंसर विकल्पों का प्रायोगिक अध्ययन. जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (04), पी 04017-पी 04017 <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/04/p04017>
5. अग्रवाल, एन., साहा, सी., कुमार, सी., सिंह, आर., झांग, बी, जेएचए, आर., और कुमार, एस. (2020)। चांदी नैनोकणों और graphene ऑक्साइड के साथ lin-सिस्टीन का पता लगाने Amblecized पतला एसएमएस ऑप्टिकल फाइबर संरचना. आईईईई सेंसर जर्नल, 20 (1 9), 11372-11379 <https://doi.org/10.1109/jsen.2020.2997690>
6. अलागुबिबिशा, जी., नायक, जे के के., महेश्वरी, पी., प्रियदर्शिनी, एन., निशा, ए, जारोस्ज़ीविक, जेड, राजेश, के. बी, और जेएचए, आर. (2020)। घनत्व के संवेदनशीलता संवर्धन संवर्धन संवेदनशीलता संवेदनशीलता संवर्धन सीयू-नी के द्विघटक परत पर 2 डी सामग्री के संकर विन्यास का उपयोग करते हुए. ऑप्टिक्स संचार, 463. <https://doi.org/10.1016/j.Optcom.2020.125337>
7. अली, एम. एफ., एलू, वी., और घोष, एन. (2020)। यूनिवलेन्ट हार्मोनिक दाएं आधा विमान मैपिंग की एक कन्फोलेशन प्रॉपर्टीज मोनोटसफे फर मैथैमिक, 1 9 3 (4), 729-736 <https://doi.org/10.1007/s00605-020-01442-3>

पत्रिका लेख

स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज

1. एडी, जी., एबॉट, बी., एबॉट, डी. सी, एबेड अबूड, ए, एबेलिंग, के., अभयिंग, डी. के., अबीडी, एस. एच., अबू ज़िद, ओ. एस., इब्राहीम, एन. एल., अब्रामोविज़, एच., अबू, एच., अबूलीटी, वाई, आचार्य, बी. एस, अकरकर, बी, एडम, एल., एडम बोर्डरीओस, सी., एडम्ज़क, एल., एडमेक, एल, एडलमैन, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस बोसन पोलिज़ाइजेशन मापन का संयोजन एएलएलए और सीएमएस डेटा का उपयोग कर vs =

8. अली, एम., अलु, वी., और यनागहारा, एच. (2020)। अंतर असमानता द्वारा परिभाषित अप्रत्यक्ष कार्यों की एक कक्षा पर
9. अलु, वी., सोकोल, जे., और थॉमस, डी. के. (2020)। कुछ स्टारकाइन कार्यों के एक करीबी-एनालॉग एनालॉग पर. ऑस्ट्रेलियाई गणितीय सोसायटी के बुलेटिन, 102 (2), 268-281 <https://doi.org/10.1017/s0004972719001606>
10. अमान, ए, प्रसाद, एस., प्रकाश, एस., शर्मा, जी., और सिंह, वी. (2020)। बैंड संरचनाओं और भेड़ की बहर के साथ एक-आयामी फोटोनिक क्रिस्टल में मोड की विद्युत चुम्बकीय घनत्व को नियंत्रित करना. यादृच्छिक और जटिल मीडिया में लहरें <https://doi.org/10.1080/17455030.2020.1810362>
11. अमृत, एस., गिरि, एल., सीठेलेक्ष्मी, एस., और वरुगेस, एस. (2020)। एक बीसीएस वर्ग -2 एंटी-टीबीआर दवा की प्रचुर मात्रा में बढ़ोतरी के लिए बढ़ोतरी की. क्रिस्टल विकास और डिजाइन, 20 (8), 5086-5096 <https://doi.org/10.1021/acs.cgd.0c00266>
12. अवस्थी, ए, यादव, पी., कुमार, वी., और तिवारी, डी. के. (2020)। ए-एमिनो एसिड मध्यस्थता सी-सी डबल बांडों को आज-स्पिरोसायकलिक पाइराज़ोलोन्स के डायनेटेरेस्टेक्टिव संश्लेषण में तेलकेज. उन्नत संश्लेषण और कटैलिसिस, 362 (20), 4378-4383 <https://doi.org/10.1002/adsc.202000884>
13. बांड्योपैध्याय, एम., दत्तगुप्त, एस., और दुबे, ए. (2020)। एक तंग-बंधन जाली में एक चार्ज कण के क्रांतिम परिवहन पर शोर का प्रभाव. शारीरिक समीक्षा बी, 101 (18) <https://doi.org/10.1103/physrevb.101.184308>
14. बानककी, ए, चौधरी, ए, किडम्बी, ए, और शिम्फ्र, एम. (2020)। मैथियू मोशनशन और ग्रोमोव-वितन इन्ट्रियनों पर उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (2) [https://doi.org/10.1007/jhep02\(2020\)082](https://doi.org/10.1007/jhep02(2020)082)
15. बारिक, एन. बी, और सेखर, टी. वी. एस. (2020)। नौविर-स्टोक समीकरणों के लिए मेष-फ्री बहुस्तरीय इटरेटिव एल्गोरिथ्म संख्यात्मक गर्मी हस्तांतरण, भाग बी: बुनियादी बातों, 79 (3), 150-164 <https://doi.org/10.1080/10407790.2020.1803611>
16. बारिक, एस., नायक, टी., और प्रधान, ए. (2020)। जिनका आजादी फ्रैक्टल लाइन सेगमेंट हैं मलेशियाई गणितीय विज्ञान समाज के बुलेटिन <https://doi.org/10.1007/s40840-020-00936-5>
17. बारिक, एस., और रानी, एस. (2020)। एक पेड़ के एबीसी स्पेक्ट्रल त्रिज्या पर सीमाएं ग्रुप थ्योरी और एप्लीकेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक, जॉपर थ्योरी और एप्लीकेशन, 8 (2), 423-434 <https://doi.org/10.5614/ejgta.2020.8.2.18>
18. बेले सहयोग, ओस्किन, पी., एमआईजुक, आर., अहारा, एच., एएसएन, डी. एम., एटमैक, एच., ऑचेन्को, वी., एशेव, टी., एयड, आर., बेहेरा, पी., बेल्स, के., बेनेट, जे., बेसनर, एम., भारद्वाज, वी., भुआयन, बी, बिल्का, टी., बिस्वाल, जे, बोनविकिनी, जी., बोझेक, ए, ... Zhukova, v. (2020)। एक एसएम टी लेटन, एक अत्यधिक ऊर्जावान जेट और वी एस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में बड़ी लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में एक संकुचित जन स्पेक्ट्रम के साथ सुपरसिमेट्री के लिए खोजें. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (9), 092011. <https://doi.org/10.1103/physrevlet.124.048033>
19. कारिया, जी., उर्दूजो, पी., आदी, आई., अहारा, एच. अल अल ने कहा, एस, एएसएनर, डी. एम., एटमैक, एच., एशेव, टी., बाबू, वी., बांध, आई., बहिनीपति, एस., बाकिच, ए. एम, बेहेरा, पी., बीलेन, सी., बेनेट, जे, भुआयन, बी, बिल्का, टी., बिस्वाल, जे., बोझेक, ए, ... (बेले सहयोग). (2020)। एक सेमिटीट्रिक टैगिंग विधि के साथ आर (डी) और आर (डी *) का माप. शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (16) <https://doi.org/10.1103/physrevlett.124.161803>
20. कासोसा, जी, अहारा, एच., अजीज, टी., बाकेर, एस., बिंदीनती, एस., बार्बरियो, ई., बारनसेल्ली, टी., बारोनेल्ली, टी., बेसिथ, ए. के., बैटिगनी, जी., बाउर, ए., बीहेरा, पी. के., बर्टाकची, वी., बेटारिनी, एस., भुआन, बी, बिल्का, टी., बोसि, एफ, बोसिसियो, एल., बोझेक, ए, ... बेले द्वितीय एसवीडी सहयोग. (2020)। बेले द्वितीय सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर की कमीशनिंग परमाणु उपकरणों और भौतिकी अनुसंधान में विधियों, अनुभाग ए: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टरों और संबद्ध उपकरण, 958. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2019.05.025>
21. चक्रवर्ती, ए, और बिस्वास, ए. (2020)। मैकोबैक्टीरियम लेपरा गर्मी शॉक प्रोटीन 18 की संरचना, स्थिरता और चप्पर फ़क्शन 18 से सोने और चांदी के नैनोकणों के साथ बातचीत पर प्रभावित होते हैं. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेकल्स, 152, 250-260 <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2020.02.182>
22. चटर्जी, एस., दास, पी., त्रिपाथी, यू., सिंह, बी पी., और बेसा, एल. (2020)। कपड़ों पर बहुलक आधारित सुपरहाइड्रोबिक कोटिंग का विकास सामग्री विज्ञान के बुलेटिन, 43 (1)। <https://doi.org/10.1007/s12034-020-02103-9>
23. चटर्जी, एस., वेर्ब, डब्ल्यू ए., पेट्रा, एस., राउट, बी, ग्लास, जी ए., डी सुऊजा, एफ., और चटर्जी, एस. (2020)। डार्ड संवेदी सौर सेल में टियो 2 नैनोरोड-नैनोपार्टिकल कम्पोजिट फोटोऑनोड की बेहतर दक्षता की उपलब्धि. जर्नल ऑफ अलॉयज और यौगिकों, 826. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2020.154188>
24. चैन, वाई. क्यू ली, एल. के.ए., यान, डब्ल्यू बी, एडा, आई., अहारा, एच. अल, ने कहा, एस., एएसएन, डी. एम., एटमैक, एच., ऑलचेन्को, वी., एशेव, टी., एयड, आर., बाबू, वी., बंधी, आई.,

- बहिनीपति, एस., बेहेरा, पी., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., बिल्का, टी., बिस्वाल, जे., ... बेले सहयोग. (2020)। डी 00 के डीआईटीआईटीज़ विश्लेषण? K-P +? बेले में डेसी शारीरिक समीक्षा डी, 102 (1) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.012002>
25. चेतिकांदी, पी., घोष, आर., और चौधरी, एस. (2020)। अमोनिया की जलीय सॉलिवेशन संरचना और एक्शन पर निर्भर करता है। द्रव चरण संतुलन, 511. <https://doi.org/10.1016/j.fluid.2020.112507>
26. चिलिकिन, के., अदांसी, आई., अहारा, एच. अल, ने कहा, एस., एएसएनर, डी. एम. ए.ए.ए., एयलचेन्को, वी., एशेव, टी., एड, आर., बाबू, वी., बहिनीपति, एस., शाह, बीहरा, पी., बीलेओ, सी., बेल्स, के., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., बिल्का, टी., बिस्वाल, जे., बोनविकिनी, जी, बोझेक, ए, ... बेल बेस्ट. (2020)। बेले में बी डेक में सी 2 (1 डी) के लिए पहली खोज करें उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (5)। [https://doi.org/10.1007/jhep05\(2020\)034](https://doi.org/10.1007/jhep05(2020)034)
27. चौधरी, ए, किडाम्बी, ए., मूर्ति, एस, आरईएस, वी., और ब्रेज़, टी. (2020)। दाओलककर-हार्वे डिफेनेरेस से एन = 4 स्ट्रिंग सिद्धांत में डोनिक ब्लैक होल डिफेनेरेस उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (10) [https://doi.org/10.1007/jhep10\(2020\)184](https://doi.org/10.1007/jhep10(2020)184)
28. चू, के., वांग, एम.जेड, एडाची, आई., अहारा, एच., अल ने कहा, एस., एएसएनर, डी. एम., ऑलेचेको, वी., एशेव, टी., एडेड, आर., बाबू, वी., बधरी, आई., बहिनीपति, एस., बाकिच, ए. एम., बेहेरा, पी., बेलन, सी., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., भुआयन, बी, बिस्वाल, जे., ... बेले सहयोग. (2020)। बी \square PpP of का अध्ययन शारीरिक समीक्षा डी, 101 (5) <https://doi.org/10.1103/physrevd.101.052012>
29. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., ... वुड्स, एन. (2020)। Me मेसन के उत्सर्जन के साथ ((5 एस) और ((5 एस) और \square b (2 एस) से संक्रमण के लिए खोजें. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (9), 041803. <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.092011>
30. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., ... वुड्स, एन. (2020)। जेट जन वितरण और शीर्ष क्वार्क द्रव्यमान में मापा शीर्ष पीएस \$ में \$ 2 एसक्यूआरटी (एस) = $13 \sqrt{\text{TeV}}$ में \$ 2 एसपीआर में टोपी बढ़ाने के शीर्ष क्वार्क में माप शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (20), 202001. <https://doi.org/10.1103/physrevd.124.202001>
31. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। वी एस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर में मूत्र की एक जोड़ी के लिए 200 जीईवी से बचने के लिए एक संकीर्ण अनुनाद हल्का की खोज करें. शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (13), 131802. <https://doi.org/10.1103/physrevd.124.131802>
32. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। टी डी टी एच उत्पादन और मापा के बोसन और शीर्ष क्वार्क के बीच युक्वा इंटरैक्शन के सी पी संरचना का डिफोटॉन तुदय चैनल में. शारीरिक समीक्षा पत्र, 125 (6), 061801. <https://doi.org/10.1103/physrevd.125.061801>
33. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तमसान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। बी 0 एस के अवलोकन? एक्स (3872)? क्षय. शारीरिक समीक्षा पत्र, 125 (15), 152001. <https://doi.org/10.1103/physrevd.125.152001>
34. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तमसान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। डब्ल्यू + डब्ल्यू - बोसन जोड़ी उत्पादन में एस -3 टीएच में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर शारीरिक समीक्षा डी, 102 (9), 092001. <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.092001>
35. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तमसान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। बी सी (2 एस) + और बी * सी (2 एस) + क्रॉस सेक्शन में मापें, एसटी 133 टीओटी में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर में. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (9), 092007. <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.092007>

36. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तमसान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। $TQ \setminus \text{orpline qu up unkline q up unkline \{ \} } \text{ \$ kymmatic वितरण से detipton अंतिम राज्य में protonon प्रोटोट collions में } \text{ \$ } \sqrt{s} = 13 \setminus \{ \} \setminus \text{ text } \{ \} \setminus \text{ mathrm } \{ \text{tev} \} \text{ \$}$. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (9), 092013. <https://doi.org/10.1103/physrev.102.092013>
37. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, टीट, डब्ल्यू. (2020)। वी एस जेड 2 में टी प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में बी बी जेड चैनल में हिग्स बोसॉन्स के गुंजयमान युग के उत्पादन के लिए खोजें. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (3), 032003. <https://doi.org/10.1103/physrev.102.032003>
38. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, टीट, डब्ल्यू. (2020)। नाभिक-नाभिक टकरावों में शीर्ष क्वार्क उत्पादन के लिए सबूत. शारीरिक समीक्षा पत्र, 125 (22), 222001. <https://doi.org/10.1103/physrevlet.125.222001>
39. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तमसान, ए, एडम, डब्ल्यू, बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए, फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे, स्कोफबेक, आर, टीट, डब्ल्यू. (2020)। V-Type, वेक्टर के रूप में खोज करें, वॉटरलिओयल कार्ड जोड़ी उत्पादन को प्रो -टन-प्रोटोट टोल्स में वी एस = 13 टीईवी में. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (11), 112004. <https://doi.org/10.1103/physrev.102.112004>
40. कोहेन, एन., और कोव, एम. (2020)। सभी आंशिक क्यूब्स टी-सुंदर नहीं हैं असतत गणित, 343 (10) <https://doi.org/10.1016/j.disc.2020.112031>
41. दास, ए. और प्रदा, बी. (2020)। एन-(बोक-एमिनोइथिल्लिगिन्सिन) थाइमिन एलाथ एस्टर, संश्लेषण के लिए एक सहायक मार्ग, पीएनए-ओलिगोनक्लियोटाइड संयुग्मों के संश्लेषण के लिए आवेदन. जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज, 132 (1) <https://doi.org/10.1007/s12039-020-1738-y>
42. दास, पी., राउट, बी, मंजू, यू. और चटर्जी, एस. (2020)। घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत और आणविक गतिशीलता जांच से अंतर्दृष्टि के साथ ग्रेफेन ऑक्साइड सतह की ट्यूनबल वेटिलेबिलिटी और चालकता. जर्नल ऑफ फिजिकल रसायन विज्ञान सी, 124 (1 9), 10541-10549 <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.0c01166>
43. दास, एस., सजीव, वाई., और सामन्ता, के. (2020)। एक जटिल अवशोषित संभावित विधि का उपयोग करके नकारात्मक आयन अनुनादों की जांच के लिए एक मल्टीकॉन्फिग्युरल स्टेट स्टेट पर आधारित एक इलेक्ट्रॉन प्रचारक दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ केमिकल थ्योरी और कम्प्यूटेशन, 16 (8), 5024-5034 <https://doi.org/10.1021/acs.jctc.0c00434>
44. डैश, जे एन., जेएचए, आर., और दास, आर. (2020)। माइक्रो-एयर गुहा शामिल पतला-टिप फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर आधारित कॉम्पैक्ट रेफ्रेक्टोमीटर लेजर भौतिकी पत्र, 17 (5)। <https://doi.org/10.1088/1612-202x/ab8738>
45. दास, एस., कच्छाप, एस., और जेएचए, आर. (201 9)। एस-आकार का माइक्रोफाइबर आधारित डायफ्राम समर्थित ऑप्टिकल माइक्रोफोन ज्योरो ऑफ फिजिक्स: फोटोनिक्स, 1 (2), 025005. <https://doi.org/10.1088/2515-7647/ab1a6C>
46. दास, एस., कच्छाप, एस., और जेएचए, आर. (2020)। ऑप्टिकल फाइबर माइक्रोट्र-आधारित हाइड्रोफोन का उपयोग करके जलीय जीवन की आवाज़ सुनना इंस्ट्रुमेंटेशन और मापन पर आईईईई लेनदेन, 69 (7), 4015-4020 <https://doi.org/10.1109/tim.2019.2943732>
47. दत्ता बनिक्, ए, घोष, एस., और चौधरी, एम. एल. (2020)। एक जीआई / सी-बीएमएसपी / 1 / एन कतारबद्ध सिस्टम में हानि संभावना और लाभ के इष्टतम नियंत्रण पर. ऑप्सर्व, 57 (1), 144-162 <https://doi.org/10.1007/s12597-019-00409-9>
48. देहरी, एन., मिश्रा, एस आर., लाह, पी., और पेट्रा, एस. (2020)। हेडोडीमेटेटलिक रूटेनियम-इरिडियम कॉम्प्लेक्स द्वारा ए /-अल्किलेशन और स्थानांतरण हाइड्रोजनीकरण Inorganica Chimica Acta, 511. <https://doi.org/10.1016/j.ica.2020.119796>
49. दुबे, ए. और बांटोपाध्याय, एम. (2020)। बैरियरलेस रिएक्शन कैनेटिक्स: प्रासंगिक ब्राउनियन फंक्शन के विभिन्न वितरण कार्यों. भौतिकी ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 54 9. <https://doi.org/10.1016/j.physa2020.124343>
50. एडलबर्ग, डी., कुमार, एच., शेनॉय, वी., ओचोआ, एच. और सैसुथी, ए एन. (2020)। ट्यून करने योग्य तनाव सोलिटन नेटवर्क वैन डेर वाल्स सामग्री में इलेक्ट्रॉनों को सीमित करते हैं. प्रकृति भौतिकी, 16 (11), 1097-1102 <https://doi.org/10.1038/s41567-020-0953-2>

51. गेंडर, एम. जे., केवोक, एफ., और मंडल, बी सी. (2020)। कई उपडोमेन में परवल्यिक और हाइपरबोलिक समस्याओं के लिए Dirichlet-Neumann तरंग छूट विधियों बिट संख्यात्मक गणित, 61 (1), 173-207 <https://doi.org/10.1007/s10543-020-00823-2>
52. घोष, ए. और भामिदिपती, सी. (2020)। थर्मोडायनामिक ज्यामिति और बीटज ब्लैक होल के माइक्रोस्ट्राउटिंग इंटरैक्टर्स. शारीरिक समीक्षा डी, 101 (10) <https://doi.org/10.1103/physrevd.101.106007>
53. घोष, ए. और भामिदिपती, सी. (2020)। विज्ञापन स्पेसटाइम्स में चार्ज गॉस-बोन्ट ब्लैक होल के लिए थर्मोडायनामिक ज्यामिति शारीरिक समीक्षा डी, 101 (4) <https://doi.org/10.1103/physrevd.101.046005>
54. घोष, एन., और अलु, वी. (2020)। हार्मोनिक मैपिंग के कुछ उपक्रमों पर ऑस्ट्रेलियाई गणितीय सोसायटी के बुलेटिन, 101 (1), 130-140 <https://doi.org/10.1017/s0004972719000698>
55. घोष, आर., चक्रवर्ती, ए, बिस्वास, ए, और चौधरी, एस. (2020)। कंप्यूटर की सहायता प्राप्त की गई संभावित सार्स की सीडीवी 2- मुख्य प्रोटीज अवरोधक डिटेरपेनिड्स और टोरेयु न्यूपेफरा के पत्ते के बाइफ्लावोनोइड्स ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1841680>
56. घोष, आर., चक्रवर्ती, ए, बिस्वास, ए, और चौधरी, एस. (2020)। सार्स कोव -2 के मुख्य प्रोटेसे के खिलाफ इसाबेस इंडिगोप्टिक एट से पॉलीफेनोल की निरोधक क्षमता को दर्शाती हैकम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण का उपयोग करना ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1858164>
57. घोष, आर., चक्रवर्ती, ए, बिस्वास, ए, और चौधरी, एस. (2020)। उपन्यास कोरोना वायरस (सार्स कोव -2) मुख्य प्रोटेसे (एमपीआरओ) इनहिबिटर-ए में सिलिको डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन में हरी चाय पॉलीफेनोल का मूल्यांकन. ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1779818>
58. घोष, आर., चक्रवर्ती, ए, बिस्वास, ए, और चौधरी, एस. (2020)। ब्रूससनिया पपिरिफरा से पॉलीफेनोल की पहचान सर्सिको डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन दृष्टिकोण में एसयूआरओओएस 2 -2 मुख्य प्रोटीज अवरोधक के रूप में. ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1802347>
59. घोष, आर., चक्रवर्ती, ए, बिस्वास, ए, और चौधरी, एस. (2020)। साओर्स कोव -2 के मुख्य प्रोटीज अवरोधकों के रूप में कॉर्टिकोस्टेरॉइड के संभावित चिकित्सीय उपयोग: एक कम्प्यूटेशनल अध्ययन ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1835728>
60. हुसैन, एस. एम., बांध, जी. के., मिश्रा, एस., और सिंह, ए. के. (2020)। एक नैनो-मोलर स्तर फ्लोरोजेनिक और ऑक्सीकरण राज्य-चयनात्मक क्रोमोजेनिक दोहरी प्रतिवर्ती केमोसेंसर, एक लक्ष्य के लिए, CU2 + / S2-और FE3 + / F-आयनों. रसायन विज्ञान के नए जर्नल, 44 (35), 15186-15194 <https://doi.org/10.1039/d0nj02777d>
61. हुसैन, एस. एम., प्रकाश, वी., ममदी, पी., चट्टोपाध्याय, एस., और सिंह, ए. के. (2020)। प्यरीने-जोड़ी बिपरीडिन हाइड्रोजेन लिगैंड CU2 + और इसके बायोमाइजिंग एप्लिकेशन के लिए एक बारी-से सेंसर के रूप में. आरएससी अग्रिम, 10 (7), 3646-3658 <https://doi.org/10.1039/c9ra09376a>
62. इरलर, सी., अहारा, एच., अजीज, टी., बाकेर, एस., बिननती, एस., बार्बरियो, ई., बारनसेल्ली, टी., बारोनेल्ली, टी., बेसिध, ए. के., बैटिगनी, जी., बाउर, ए, बेहेरा, पी. के., बर्टाकची, वी., बेटारिनी, एस., भुआन, बी, बिल्का, टी., बोसि, एफ., बोसिसियो, एल., बोझेक, ए, ... बेल्ट-द्वितीय एसवीडी सहयोग. (2020)। भागो और धीमी नियंत्रण प्रणाली Belle II सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर की. परमाणु उपकरणों और भौतिकी अनुसंधान में विधियों, अनुभाग ए: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टरों और संबद्ध उपकरण, 958. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2019.162706>
63. जैन, एस., सैमल, ए. जी, दास, बी, प्रधान, बी, साहू, एन., मोहापत्र, डी., बेहेरा, पी. के., सतपती, पी. एस, मोहंती, ए. के., सतपती, एस. और सेनपाती, एस. (2020)। Escherichia कोली, सौम्य प्रोस्टेट हाइपरप्लासिया से जुड़े माइक्रोबायोटा के एक आम घटक प्रोस्टेट उपकला कोशिकाओं में सूजन और डीएनए क्षति को प्रेरित करता है. प्रोस्टेट, 80 (15), 1341-1352 <https://doi.org/10.1002/pros.24063>
64. जिया, एस., बांड्योपैध्याय, ए, कुमार, एच., झांग, जे., वांग, डब्ल्यू, ज़ीई, टी., शेनॉय, वी. बी, और लो, जे. (2020)। मोनोलायर जानस संक्रमण धातु के द्रव्य -भार के सतह-बढ़ाया रमन बिखरने से बायोमोलेकुलर सेंसिंग. नैनोस्केल, 12 (1 9), 10723-10729 <https://doi.org/10.1039/d0nr00300j>
65. जिया, एस., शेन, सी. पी., आदी, आई., अहारा, एच. अल अल ने कहा, एस, एसएनर, डी. एम., एटमैक, एच., ऑच्चेन्को, वी., एशेव, टी., एयड, आर., बधरी, आई., बेहेरा, पी., बेल्स, के., बेनेट, जे, बेसन, डी., भारद्वाज, वी., बिल्का, टी., बिस्वाल, जे, बोनविकिनी, जी., ... (बेले सहयोग)। (2020)। ई + ई में एक वेक्टर चार्मोनियम प्लेट राज्य के लिए सबूत? डीएस + डीएस 2 * (2573) - + सी सी. शारीरिक समीक्षा डी, 101 (9) <https://doi.org/10.1103/physrevd.101.091101>

66. क्रेरेन्को, पी., आदी, आई., अहारा, एच. अल, ने कहा, एस., एएसएनर, डी. एम., एशेव, टी., बांध, आई., बेहिनती, एस., बेहेरा, पी., बीलेओ, सी., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., भुआय, बी, बिस्वाल, जे, बाँबोव, ए, बोनविकिनी, जी, ब्रैको, एम., कैम्पाजोल, एम., काओ, एल., ... बेले सहयोग. (2020)। विकिरणिक दशकों का अवलोकन? (1 एस) से? सी 1 शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (12) <https://doi.org/10.1103/physrevlett.124.122001>
67. कोविस, एम., रसाला, वी. ए, और विजयकुमार, ए. (2020)। ब्लॉक आलेख के स्टीनर वीनर इंडेक्स आकाश इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्राफ़ एंड कम्बिटेटर, 17 (3), 833-840 <https://doi.org/10.1016/j.akcej.2019.11.001>
68. कू, वाई., चांग, पी., आदी, आई., एडम्ज़क, के., अहारा, एच., एएस, डी. एम., एशेव, टी., आयाद, आर., बेहेरा, पी., बीलेओ, सी., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., बिल्का, टी., बिस्वाल, जे., बोनविकिनी, जी, बोझेक, ए, ब्रैको, एम., चांग, एम.सी., चेकेलियन, वी., ... बेले सहयोग. (2020)। बेले में अदृश्य फाइनल राज्यों (+?) के लिए बी 0 डेसी के लिए खोजें शारीरिक समीक्षा डी, 102 (1) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.012003>
69. कुमार, वी., सलाम, ए, कुमार, डी., और खान, टी. (2020)। लैंडेलिन जेड और अन्य प्राकृतिक लामेलेरिन के संक्षिप्त और स्केलेबल कुल संश्लेषण. रसायन प्रीसीस, 5 (45), 14510-14514 <https://doi.org/10.1002/slct.202004008>
70. ली, वाई., जिया, एस., शेन, सी. पी., आदी, आई., अहारा, एच. अल, ने कहा, एस., एएस, डी. एम., एशेव, टी., एडाद, आर., बाबू, वी., बिनिनती, एस., बेहेरा, पी., बेल्स, के., बेनेट, जे, बेसनर, एम., भारद्वाज, वी., भुआयन, बी, बिल्का, टी., बिस्वाल, जे., ... झोलानोव, वी. (2020)। एक दोगुना खराब डीडीके बाउंड राज्य के लिए खोजें? (1 एस, 2 एस) समावेशी दशक और ई = ई-टोल्स में एस = 10.520, 10.580, और 10.867 जीईवी में प्रत्यक्ष उत्पादन के माध्यम से. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (11) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.112001>
71. महिशिले, एस, घोष, ए, और भमिदिपती, सी. (2020)। श्वार्ज़स्क्रिल्ड-विज्ञापनों की थ्रोडायनामिक वक्रता ब्लैक होल और बोस कंडेनसेशन. भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 811. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135958>
72. मतारी, एन., साहू, ए, बोधधुला, आर., चटर्जी, एस., पेट्टा, एस., पांडा, बी. बी, और मतारी, एन. (2020)। फ्लार्ड ईश समर्थित पीडी-एजी बिमेटेलिक नैनोकणिक नाइट्रोफेनॉल की कमी के लिए एक सहजतापूर्ण उत्प्रेरक प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं. डाल्टन लेनदेन, 49 (31), 11019-11026 <https://doi.org/10.1039/d0dt01899f>
73. मिश्रा, पी., बेहेरा, ए, कंडी, डी., रथ, एस. और पारिदा, के. (2020)। उपन्यास चुंबकीय पुनर्प्राप्ति दृश्य-प्रकाश-संचालित टर्नरी एफई 3 ओ 4 @ एनआईईएफ 2 ओ / फास्फोरस-डोपेड जी-सी 3 एन 4 नैनोकॉमोसाइट फोटोकैटलिस्ट एक डबल-जेड-स्कीम सिस्टम के माध्यम से काफी बढ़ी हुई गतिविधि के साथ. अकार्बनिक रसायन विज्ञान, 59 (7), 4255-4272 <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.9b02996>
74. मिश्रा, आर आर., सामनाररा, बी, चंद्र बेहेरा, बी, प्रधान, बी. आर. और मोहापात्रा, एस. (2020)। एक खमीर सह संस्कृति किण्वन प्रणाली द्वारा बर्बाद के बाइलबिल के लिए बर्बाद के साथ पोल्स के रूपांतरण के लिए अनुकूलन प्रक्रिया. अक्षय ऊर्जा, 162, 478-488 <https://doi.org/10.1016/j.renene.2020.08.045>
75. मिश्रा, आर., बीहेरा, एल. एम. और रण, एस. (2020)। रिमॉक्सीफिन के बंधन मानव पूरक टुकड़े 5 ए (एचसी 5 ए): सिटीगोइन तूफान और कोवीडिया 1 पर एक परिप्रेक्ष्य. ज्योतिल बायोमोलेक्युलर संरचना और गतिशीलता <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1820381>
76. मिश्रा, एस., हुसैन, एस एम., एंड सिंह, ए. के. (2020)। एएल 3 + के लिए टीसीटी फ्लोरोसेंट जांच: अर्ध-जलीय माध्यम और वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों में पीपीआई, एटीपी और एडीपी के अनुक्रमिक पहचान. स्पेक्ट्रोचिमिका ACTA - भाग ए: आणविक और बायोमोलेकुलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 240. <https://doi.org/10.1016/j.saa.2020.118600>
77. मुखी, पी., और रॉय, एस. (2020)। बमेटेलिक पीडी-स्रो नैनोकैटलिस्ट्स अमीन के चयनात्मक संश्लेषण और पानी में इमीन्स के लिए. रसायन प्रस्थान, 5 (3), 1000-1006 <https://doi.org/10.1002/slct.201903671>
78. नंदी, एस के., चक्रवर्ती, ए, पांडा, ए. के., और बिस्वास, ए. (2020)। एम. लेप्रे एचएसपी 18 कॉपर (आईआई) को मध्यस्थ आरओएस पीढ़ी दबाकर: इसकी संरचना और समारोह पर रेडॉक्स तनाव का प्रभाव. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेकल्स, 146, 648-660 <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2019.12.215>
79. नायक, ए, रॉय, ए डी, राउट, एन., सिंह, एस पी., भट्टाचार्य, ए. और रॉयडधरी, ए. (2020)। एचएपी 1 ए-एटैड के अपरिवर्तनीय हिपोक्सिया के जवाब में पेट कैसर कोशिकाओं के प्रसार और प्रवास को बढ़ावा देता है. जैव रासायनिक और बायोफिजिकल रिसर्च कम्प्युनिकेशंस, 523 (4), 916- 9 23. <https://doi.org/10.1016/j.bbrc.2019.12.130>
80. नायक, एम., सिनाब्रो, डी., आदी, आई., अहारा, एच. अल अल ने कहा, एस, एएसएनर डी डी एम, एटमैक, एच., एशेव, टी., एडाद, आर., बाबू वी., बहिनीपति, एस., बेहेरा, पी., बीलेओ, सी., बेनेट, जे., भारद्वाज, वी., भुआयन, बी, बिस्वाल, जे., बोनविकिनी, जी, बोझेक, ए, ... (बेले सहयोग)। (2020)। डीएल में आकर्षण-मिश्रण

- पैरामीटर वाईसीपी का माप Belle पर \square KOS dec decaas. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (7) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.071102>
81. नायक, पी., साहू, एम., और नायक, एस के. (2020)। हाइड्रॉथर्मल मार्ग द्वारा उंचिन की तरह निकोओ 2 ओ माइक्रोफायर: स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रोकेमिकल, ऑप्टिकल और चुंबकीय गुण. चीनी मिट्टी की चीज़ें इंटरनेशनल, 46 (3), 3818-3826 <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2019.10.105>
82. पांडा, ए. के., चक्रवर्ती, ए. नंदी, एस के के., और बासवास, ए. (2020)। संरचना पर आर्गेनिन 141 में विभिन्न उत्परिवर्तन का प्रभाव, सब्यूनिट एक्सचेंज डायनेमिक्स और एचएसपी 16.3 की चैपरोन गतिविधि. प्रोटीन: संरचना, समारोह और जैव सूचना विज्ञान, 88 (6), 759-774 <https://doi.org/10.1002/prot.25864>
83. पांडा, एन आर., और साहू, डी. (2020)। ढेर की बाधा निर्वहन प्लाज्मा पद्धति का उपयोग करके और इलेक्ट्रोड के रूप में समुद्र के पानी का उपयोग करते हुए मेथनॉल की बढ़ी हुई हाइड्रोजन पीढ़ी की दक्षता. हेलियोन, 6 (9) <https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2020.e04717>
84. पाठक, एम., तमंग, डी., कंडैमी, एम., चक्रवर्ती, बी, और राउट, सी. एस. (2020)। COSE2, NISE2 और MNSE2 नैनोस्ट्रक्चर के ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन पर एक तुलनात्मक प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक जांच. एप्लाइड सामग्री आज, 19. <https://doi.org/10.1016/j.apmt.2020.100568>
85. पेट्रा, एन., साहू, ए. और बाहेरा, ए. (2020)। संश्लेषण और विभेदक बायोटेकलिस नैनोकणों की विभेदात्मक जीवाणुरोधी गतिविधि. फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान जर्नल, 54 (8), 865-869 <https://doi.org/10.1007/s11094-020-02289-6>
86. प्रधान, एस के के., साहू, एम. आर, रथ, एस., पोलई, बी, मित्रा, ए, सथपथी, बी, साहू, ए, कार, एस., सत्यम, पी. वी., अजयन, पी. एम. और नायक, एस के.ए. (2020)। सौर गर्मी कलेक्टरों के लिए बढ़ाया थर्मल और यांत्रिक गुणों के साथ ग्रेफेन-इन्कॉर्पोरेटेड एल्यूमीनियम. एआईपी अग्रिम, 10 (6) <https://doi.org/10.1063/5.0008786>
87. राजभार, एम. के., दास, पी., सतपथी, बी, मोलर, डब्ल्यू. रामगीर, एन. और चटर्जी, एस. (2020)। ऊर्जा अनुप्रयोगों में उच्च स्थिरता के लिए नमी को निसोकीज को निसोभारित करना. एप्लाइड सतह विज्ञान, 527. <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2020.146683>
88. राजभार, एम. के., मोलर, डब्ल्यू. सतीपति, बी, मंजू यू., चौधरी, वाई. एस. और चटर्जी, एस. (2020)। ब्रॉड बीम प्रेरित विखंडन और टंगस्टन ऑक्साइड नैनोरोड्स में शामिल हो: नैनोडेविस निर्माण और फ्यूजन रिएक्टरों के विकास के लिए निहितार्थ. एसीएस ने नानो सामग्री, 3 (9), 9064-9075 लागू किया. <https://doi.org/10.1021/acsanm.0c01750>
89. रानी, एस. (2020) पलाब के तहत आलेख का सबसे छोटा सकारात्मक इंजनब्यूल् आर्किव डेर मैथेमैटिक, 114 (4), 39 9 -407 <https://doi.org/10.1007/s00013-019-01431-5>
90. रानी, एस., और बाइकि, एस. (2020)। बारी बारी से पट्टियों के सबसे छोटे और सकारात्मक eigenvalue पर. जॉर्नल ऑफ कॉम्बिनेटोरियल ऑप्टिमाइज़ेशन, 39 (2), 58 9 -601 <https://doi.org/10.1007/s10878-019-00503-0>
91. एस कुमार, जेड गुओ, आर सिंह, क्यू वांग, बी. झांग, एस. चेंग, एफ. लियू सी. मार्क्स, बी के. कौशिक, और आर. झा. (2020)। स्थानीय प्लास्टर के आधार पर शिगोला बैक्टीरिया के चयनात्मक पहचान के लिए एमओएस 2 कार्यात्मक मल्टीकोर फाइबर जांच. जर्नल ऑफ लाइटवॉव टेक्नोलॉजी, 39 (12), 4069-4081 <https://doi.org/10.1109/JLT.2020.3036610>
92. साहू, ए. और पटरा, एस. (2020)। पानी के घुलनशील सुगंधित अमीन और एज़ो रंजक के फोटोकैटेलेक्टिक गिरावट के लिए एक चुंबकीय से अलग-अलग और पुनः प्रयोज्य जी-सी 3 एन 4 / एफई 3 ओ 4 / झरझरा रुटेनियम नैनोकैटलिस्ट. आरएससी अग्रिम, 10 (10), 6043-6051 <https://doi.org/10.1039/c9ra08631e>
93. साहू, डी., मोहंती, जी. बी, ट्रैबेल्सी, के., आदी, आई., एडम्ज़कक, के., अहारा, एच. अल, ने कहा, एस., एएस, डी. एम., एशेव, टी., एयड, आर., अजीज, टी., बाबू, वी., बहिनीपति, एस., शाह, बी, बी, बनेवाद, जे., बेसनर, एम., भारद्वाज, वी., बिल्का, टी., बिस्वव, जे., ... (बेले सहयोग)। (2020)। लेटन-नंबर-और बरियोन-नंबर-वेलिंग टो बेले में बेल्ड में खोजें. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (11) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.111101>
94. साहू, बी के के., चडली, ओ., मोहापात्र, आर एन., एंड पनी, एस. (2020)। अर्धता के परिणामों के लिए सेट-मूल्य वाले ऑपरेटरों को अर्ध-हेमिवरीयल असमानताओं के साथ अनुप्रयोगों के साथ प्राप्त करने वाले परिणामों के लिए अस्तित्व के परिणाम. ऑप्टिमाइज़ेशन सिद्धांत और अनुप्रयोगों के जर्नल, 184 (3), 810-823 <https://doi.org/10.1007/s10957-019-01629-1>
95. साहू, बी के के., चडली, ओ., मोहापात्र, आर एन., एंड पनी, एस. (2020)। विस्तारित सामान्यीकृत पूरक समस्याओं के समाधान के अस्तित्व सकारात्मकता, 25 (2), 769-789 <https://doi.org/10.1007/s11117-020-00786-2>
96. साहू, बी के के., पने, एस., और मोहापात्रा, आर एन. (2020)। सामान्यीकृत आराम वाले मोनोटोन और आराम से अनिवार्य psudomonotone मैपिंग के साथ मिश्रित इन्वेक्स संतुलन समस्याएं. गणितीय असमानताओं और अनुप्रयोगों, 23 (1), 201-215 <https://doi.org/10.7153/mia-2020-23-16>

97. साहू, डी., पांडा, एन. आर., और डैश, डी. (2020)। सनस्क्रीन में प्रभावी आवेदन के लिए उच्च यूवी ब्लॉकिंग दक्षता का प्रदर्शन करने वाले जो नैनोशीट एशियाई जर्नल ऑफ रसायन विज्ञान, 32 (7), 1809-1814 <https://doi.org/10.14233/ajchem.2020.22726>
98. समाल, आर., मंडल, एस., गंगान, ए.एस., चक्रवर्ती, बी, और राउट, सी. एस. (2020)। कोबाल्ट सल्फाइड और कोबाल्ट ऑक्साइड नैनोशीट्स के तुलनात्मक इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन: घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत सिमुलेशन से प्रायोगिक और सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि. भौतिक रसायन विज्ञान रासायनिक भौतिकी, 22 (15), 7903-7911 <https://doi.org/10.1039/c9cp06434f>
99. सिंह, आर., कुमार, एस., लियू, एफ. - Z., शुआंग, सी., झांग, बी, जेए, आर. , और कौशिक, बी के.ए. (2020)। कॉपर ऑक्साइड और सोने के नैनोकणों का उपयोग करके कैसर कोशिकाओं का पता लगाने के लिए सफ़ेद मल्टीकोर फाइबर सेंसर सजाया ग्रेफेन ऑक्साइड संरचना का उपयोग किया गया. बायोसेंसर और जैवइलेक्ट्रॉनिक, 168. <https://doi.org/10.1016/j.bios.2020.112557>
100. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., अनॉल्ड, बी, बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., वैल, ए. डी., फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्केमर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., ... ली, वाई. - जे. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स में सीएमएस स्तर -1 ट्रिगर का प्रदर्शन. जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (10), पी 10017-पी 10017 <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/10/p10017>
101. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे. ब्रॉडोलिन, ई., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। अतिव्यापी प्रोटॉन-प्रोटॉन इंटरैक्शन की उपस्थिति में सीएमएस विद्युत चुम्बकीय कैलोरीमीटर में सिग्नल एम्प्लिट्यूड का पुनर्निर्माण. जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (10) <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/10/p10002>
102. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे. ब्रॉडोलिन, ई., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। जड़ में एक प्रकाश शुल्क लिया हिग्स बोसन के लिए खोजें - + / - -> आरएस में एक्शन-प्रोटॉन टकराव में सीएस चैनल. शारीरिक समीक्षा डी, 102 (7) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.072001>
103. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए. ई, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... ब्लॉक, डी. (2020)। अंतर्निहित-घटना माप से सीएमएस पायथिया 8 धुनों के एक नए सेट के निष्कर्षण और सत्यापन. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (1), 4. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-019-7499-4>
104. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए. ई, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। टी टी measure का माप, पीएस टकरावों में पीएस टकरावों में सामान्य रूप से बहु-विभेदक क्रॉस अनुभाग, और मजबूत युग्मन ताकत, शीर्ष क्वार्क पोल मास, और पार्टन वितरण कार्यों के एक साथ दृढ़ संकल्प. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (7) <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-7917-7>
105. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहे, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., जिटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्केमर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एसपीएन = 8.16 टीवी पर पीपीबी टकरावों में मल्टीपार्टिकल सहसंबंध अध्ययन शारीरिक समीक्षा सी, 101 (1) <https://doi.org/10.1103/physrevc.101.014912>
106. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। बनाम-आईस्टीन के प्रेसन-प्रोटॉन टूर्स में फसोन-प्रोटेक्ट्स टोल्स में बोस-आईस्टीन सहसंबंध उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)014](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)014)
107. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। सिलेस्टोस्कर बॉसन जोड़े के लिए पिछले 53 जीईवी हिग्स बोसन के दशक से उत्पादित किया जाता है जिसमें दो म्यून और दो पास के पटरियों में एस = 13टीवी पर दो पास के पटरियों के साथ. भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 800. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2019.135087>

108. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काट्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेहे, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... गोरालच, यू. (2020)। रूट एस = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो जेट के साथ संघ में एक डब्ल्यू बोसन के इलेक्ट्रोकेक उत्पादन का मापन. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (1), 43. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-019-7585-7>
109. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काट्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... बुड्स, एन. (2020)। एसएनएन = 8.16 टीवी पर पीपीबी टकरावों में डब्ल्यू ± बोसन उत्पादन में परमाणु संशोधनों का अवलोकन भौतिकी पत्र बी, 800, 135048. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2019.135048>
110. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काट्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... बुड्स, एन. (2020)। वी एस एन एन = 5.02 टीईवी में पीपी और पी पीबी टकराव में अजीब हाड्रॉन उत्पादन. मानसिक. रेव सी, 101 (6), 064 9 06. <https://doi.org/10.1103/physervc101.064906>
111. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काट्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... बुड्स, एन. (2020)। पी एस-पीबी और पी पी टोल्डर्स वी के एन एन एन = 5.02 टीईवी में इस्तेमाल किए गए जेट के अंदर आकर्षक चौराहों का अध्ययन. मानसिक. रेव लेट., 125 (10), 102001. <https://doi.org/10.1103/physrevlet.125.102001>
112. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काट्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेहेई, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... बुड्स, एन. (2020)। एस 3 चैनल में एकल शीर्ष कार्क और एंट्यूकार्क उत्पादन क्रॉस अनुभागों का माप और एस = 13 टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स में उनके अनुपात. भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 800. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2019.135042>
113. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., असर, ई., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., वैल, ए. डी., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., गेस्टे, वी. एम., एचआरयूबीसी, जे., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., ... चबर्ट, ई. सी. (2020)। सीटीएस और कुलदेव प्रयोगों के साथ $\sqrt{s} = \sqrt{s} \text{ tlic (t) \ text (v) } \sqrt{s}$ पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में एकल-विस्फोटक डिज्सेट उत्पादन का मापन. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (12), 1164. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-08562-yy>
114. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन, स्कीके, जे., ... AGRAM, J.-L. (2020)। एसवी = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में टी-चैनल एकल शीर्ष कार्क उत्पादन के लिए अंतर क्रॉस अनुभागों और चार्ज अनुपात का मापन. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (5), 370. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-7858-1>
115. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन, शिका, जे., ... Bourgatte, जी. (2020)। एसवी = 5.02 और 13 टीवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में केंद्रीय अनन्य उत्पादन का अध्ययन यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (8), 718. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-8166-5>
116. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए. ई., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन, शिका, जे., ... ब्रोम, जे. - एम. (2020)। एसवी = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में एक ही साइन या कई लीएन के साथ अंतिम राज्यों में चार शीर्ष कार्क के उत्पादन की खोज करें. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (2), 75. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-019-7593-7>
117. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। 13 से तेज़ में डीवेट फाइनल राज्य में डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डब्ल्यूएफ, या जेडजेड बोसन जोड़े को बढ़ावा देने के लिए नए भारी रेनोर्नेस के लिए एक बहु-आयामी खोज. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (3) <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-7773-5>

118. सिरुयन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए., फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... Fontaine, J--c. (2020)। एसडी = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में गायब होने वाले पटरियों के साथ और बिना किसी गांव के साथ मानक मॉडल से परे भौतिक विज्ञान के लिए खोज और शॉट के लिए खोज. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (1), 3. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-019-7493-x>
119. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., डेल वैले, ए., फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रिस्ट्स, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एसवी = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर्स में टी लेटन के लिए सुपरसिमेट्रिक पार्टनर्स के प्रत्यक्ष जोड़ी उत्पादन के लिए खोजें यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (3), 18 9. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-7739-7>
120. सिरुयन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। जीएस टकरावों में पीपी टकरावों में बढ़ती शीर्ष कार्क के जामबैक के दशकों में जेट जन वितरण और शीर्ष कार्क द्रव्यमान का माप. शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (20) <https://doi.org/10.1103/physrevlett.124.202001>
121. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में पीपी टकराव में एंटी-केटी डिस्टेंस पैरामीटर पर समावेशी जेट उत्पादन की निर्भरता. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (12) [https://doi.org/10.1007/jhep12\(2020\)082](https://doi.org/10.1007/jhep12(2020)082)
122. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। बीएस 0 के गुणों का माप? $\mu + \mu^-$ decays और B0 के लिए खोज? सीएमएस प्रयोग के साथ $\mu + \mu^- \mu$ उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (4) [https://doi.org/10.1007/jhep04\(2020\)188](https://doi.org/10.1007/jhep04(2020)188)
123. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एक जेड बोसन, इलेक्ट्रॉनिक्स-प्रोटॉन टूटर में एक फोटॉन और दो जेट्स के लिए क्रॉस सेक्शन का माप बनाम = 13 टीईवी और विषम क्वार्टिक कूपलिंग पर बाधाओं पर दो जेट. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (6) [https://doi.org/10.1007/jhep06\(2020\)076](https://doi.org/10.1007/jhep06(2020)076)
124. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। डीएल = 13 टीईवी में पीपी टकरावों में एक टी लेटन युक्त डिलीवरी फाइनल राज्यों में शीर्ष कार्क जोड़ी उत्पादन क्रॉस सेक्शन का माप. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (2) [https://doi.org/10.1007/jhep02\(2020\)191](https://doi.org/10.1007/jhep02(2020)191)
125. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर्स में जेड बोसन के साथ सहयोग में शीर्ष कार्क जोड़ी उत्पादन का मापन. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)056](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)056)
126. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एक एसएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर्स में इलेक्ट्रॉनों या मूड्स के साथ घटनाओं में शीर्ष और नीचे कार्क में एक चार्ज हिग्स बोसन को बचाने के लिए खोजें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (1) [https://doi.org/10.1007/jhep01\(2020\)096](https://doi.org/10.1007/jhep01(2020)096)
127. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्टेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में डब्ल्यू बोसन की एक जोड़ी में भारी हिग्स बोसन से बचने के लिए खोजें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)034](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)034)

128. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एक भारी छद्मोस्कर हिग्स बोसन से बचने के लिए 125 जीईवी हिग्स बोसन और फाइनल राज्यों में एक जेड बोसन में दो टाउ और दो प्रकाश लेटन्स वीएस = 13 टीईवी में. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)065](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)065)
129. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एक उत्साहित लेटन के लिए खोजें, जो एक लेटन के संपर्क संपर्क के माध्यम से है और दो-नाइट्स में दो जेट्स में एसएस = 13 टीईवी में उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (5)। [https://doi.org/10.1007/jhep05\(2020\)052](https://doi.org/10.1007/jhep05(2020)052)
130. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। पीएस टोल्स के सभी जेट फाइनल राज्य में वीएस = 13 टीईवी में सभी जेट फाइनल राज्य में एक शीर्ष और नीचे की ओर एक बार में एक हिराग बोसॉन्स में क्षय की खोज करें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (7) [https://doi.org/10.1007/jhep07\(2020\)126](https://doi.org/10.1007/jhep07(2020)126)
131. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। बनाम = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर में हिग्स बोसन के साथ जुड़ा हुआ डेक कण कणों के लिए खोजें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)025](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)025)
132. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। सीएमएस प्रयोग के साथ 13 टीईवी पर एक लेटन, जेट और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में प्रत्यक्ष शीर्ष स्क्रायर जोड़ी उत्पादन की खोज करें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (5)। [https://doi.org/10.1007/jhep05\(2020\)032](https://doi.org/10.1007/jhep05(2020)032)
133. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। पूरी तरह से Hadronic फाइनल राज्यों का उपयोग करके एक वेक्टर की तरह टी कार्क के इलेक्ट्रोइक उत्पादन के लिए खोजें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (1) [https://doi.org/10.1007/jhep01\(2020\)036](https://doi.org/10.1007/jhep01(2020)036)
134. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीजी = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर में एक शीर्ष कार्क जोड़ी के लिए भारी हिग्स बोसॉन्स के लिए खोज करें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (4) [https://doi.org/10.1007/jhep04\(2020\)171](https://doi.org/10.1007/jhep04(2020)171)
135. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। लेटन स्वाद के लिए खोज करें कि तटस्थ रूप से एक उच्च तटीय भारी हिग्स बोसन के रूप में वीओ = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉल टोल्डर में $\mu\tau$ और एट. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)103](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)103)
136. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एच के माध्यम से नई तटस्थ हिग्स बोसॉन्स खोजें? एल + एल-बी बी process प्रक्रियाओं में पीपी टकरावों में एसएस = 13 टीईवी उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)055](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)055)
137. सिरुयन्या, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। दो टाउ लेटन के साथ अंतिम स्थिति में शीर्ष स्क्रायर जोड़ी उत्पादन के लिए खोजें वीएस = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (2) [https://doi.org/10.1007/jhep02\(2020\)015](https://doi.org/10.1007/jhep02(2020)015)

138. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... AGRAM, J.-L. (2020)। मिश्रित उच्च-आदेश एनिसोट्रोपिक प्रवाह और एनबीएन - $V = 2.76$ और 5.02TeV पर पीबीपीबी टकरावों में चार्ज कणों के गैर-लाइनर प्रतिक्रिया गुणांक यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (6), 534. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-7834-9>
139. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... सीएमएस सहयोग. (2020)। एसवी = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स में डबल-पार्टन इंटरैक्शन से डब्ल्यूडब्ल्यू उत्पादन के लिए साक्ष्य यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (1), 41. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-019-7541-6>
140. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। टीटी का माप? बीबी? एस = 13टीवी पर पीपी टकराव में सभी जेट फाइनल राज्य में उत्पादन क्रॉस सेक्शन भौतिकी पत्र बी, 803, 135285. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135285>
141. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। उत्पादन और नियंत्रण के लिए + एन $+5.02\text{वी वी}$ में प्रोटॉन-प्रोटॉन और लीड-लीड टकराव का उत्पादन. भौतिकी पत्र बी, 803, 135328. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135328>
142. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स से शीर्ष क्वार्क द्रव्यमान चल रहा है भौतिकी पत्र बी, 803, 135263. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135263>
143. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। जे / का अध्ययन: एस = 8TeV पर पीपी टकराव में जेट के अंदर मेसन उत्पादन भौतिकी पत्र बी, 804, 13540 9. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135409>
144. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। $Q_{strs} = 13$ \ text \ text \ Mathrmtev \$ में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में आकर्षण या नीचे क्वार्क जेट के साथ z बॉसन के संबंधित उत्पादन का माप मानसिक. रेव डी, 102 (3), 032007. <https://doi.org/10.1103/physrev.102.032007>
145. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्काल्ले डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... बुड्स, एन. (2020)। एस = 13टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स में फोटॉन के साथ सुपरसिमेट्री के लिए संयुक्त खोज भौतिकी पत्र बी, 801, 135183. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2019.135183>
146. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., वैल, ए. डी., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., जेटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... जेना, जी. वार्ड. (2020)। का अंशांकनसीएसएम हाइड्रॉन कैलोरीमीटर का उपयोग पीएस = 13टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्कर डेटा का उपयोग करते हैं. जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (05), पी 05002-पी 05002 <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/05/p05002>
147. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ब्रैटेटेटर, जे., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., वैले, ए. डी., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., जेटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., ... नबिली, एस. (2020)। सीएमएस हेड्रॉन एंडकैप कैलोरीमीटर में प्लास्टिक स्कैनटाइलेटर टाइल्स के विकिरण क्षति में खुराक दर के सिलिकॉन फोटोमुल्टीपिलरों के साथ मापन जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (06), पी 0600 9-पी 0600 9. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/06/p06009>
148. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिस्विक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर,

- आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। आकर्षक कार्क के मानक मॉडल हिग्स बोसन से बचाने के लिए एक खोज उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)131](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)131)
149. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। बनाम = 7 और 8 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में समावेशी डब्ल्यू ± और जेड बोसन उत्पादन क्रॉस अनुभागों के माप से मजबूत युग्मन निरंतर ए एस (एमजेड) का निर्धारण. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (6) [https://doi.org/10.1007/jhep06\(2020\)018](https://doi.org/10.1007/jhep06(2020)018)
150. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। घटना के बारे में जांच की जा रही है? (एनएस) वीएस = 7 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टकराव में सापेक्ष उत्पादन उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (11) [https://doi.org/10.1007/jhep11\(2020\)001](https://doi.org/10.1007/jhep11(2020)001)
151. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। 5.02 टीईवी पर पीबीपीबी और पीपी टकरावों में जेट प्रभार का उपयोग करके कार्क और ग्लुओन जैसी जेट का मापन. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (7) [https://doi.org/10.1007/jhep07\(2020\)115](https://doi.org/10.1007/jhep07(2020)115)
152. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। टी टी for के लिए क्रॉस सेक्शन का माप, पीएस टकरावों में पीएटी टकरावों में अतिरिक्त जेट विमानों और बी जेट के साथ उत्पादन. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (7) [https://doi.org/10.1007/jhep07\(2020\)125](https://doi.org/10.1007/jhep07(2020)125)
153. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में पीपी टकराव में शीर्ष कार्क फॉरवर्ड-पिछड़े उत्पादन असममितता और विषम क्रोमोइलेक्ट्रिक और क्रोमोमैग्नेटिक क्षणों का माप. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (6) [https://doi.org/10.1007/jhep06\(2020\)146](https://doi.org/10.1007/jhep06(2020)146)
154. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। प्रोटॉन में एक नई पृष्ठभूमि भविष्य की विधि के साथ उच्च जनज डेजेट के अनुशासन के लिए खोजें-वीएस = 13 टीईवी पर प्रोटॉन टकराव उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (5)। [https://doi.org/10.1007/jhep05\(2020\)033](https://doi.org/10.1007/jhep05(2020)033)
155. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। बनाम = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में बहु-चालन फाइनल राज्यों में मानक मॉडल से परे भौतिकी के लिए खोजें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (3) [https://doi.org/10.1007/jhep03\(2020\)051](https://doi.org/10.1007/jhep03(2020)051)
156. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। पीएसपीबी में पीसपीबी और पीपी टकरावों में बीएसएन = 5.02 टीईवी में उत्पादन के उत्पादन उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (7) [https://doi.org/10.1007/jhep07\(2020\)116](https://doi.org/10.1007/jhep07(2020)116)
157. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, गेल, डी. (2020)। एसवी = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में जेट और दो समान-चिह्न या कम से कम तीन चार्ज वाले लेटन के साथ घटनाओं में मानक मॉडल से परे भौतिक विज्ञान खोजें. यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 80 (8), 752. <https://doi.org/10.1140/ejic/s10052-020-8168-3>
158. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए, एडम, डब्ल्यू, अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रेगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेंट डेल वैले, ए, फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई, रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में पीपी टकराव में शीर्ष कार्क फॉरवर्ड-पिछड़े उत्पादन असममितता और विषम क्रोमोइलेक्ट्रिक और क्रोमोमैग्नेटिक क्षणों का माप. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (6) [https://doi.org/10.1007/jhep06\(2020\)146](https://doi.org/10.1007/jhep06(2020)146)

- जे., स्कोफबेक, आर, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। डीपॉटन डीक चैनल में हिग्स बोसन द्रव्यमान का माप. भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 805. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135425>
159. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। पीएस टकरावों में पी एस टोल्स में एस के लिए 131 एफबी - 13 फेसी के साथ 137 एफबी - 1 के साथ लीजिएट के बड़े पैमाने पर जेटियों के जनता की राशि का उपयोग करके एक सीमप्टन के साथ खोजें. मानसिक. रेव डी, 101 (5), 052010. <https://doi.org/10.1103/physrev.101.052010>
160. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। बी 0 का खूनी? जे / ??? एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्स में क्षय भौतिकी पत्र बी, 802, 135203. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135203>
161. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। उत्साहित अध्ययन का अध्ययन? बी 0 राज्यों को क्षय कीटनाशक है; बी = पी + पी- प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्स में एस = 13टेव में भौतिकी पत्र बी, 803, 135345. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135345>
162. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में तीन जेट के साथ ईवेंट का उपयोग करके डिज़िट रेनोनेस के लिए खोजें भौतिकी पत्र बी, 805, 135448. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135448>
163. सिरुन्यन्या, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्काटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर., ... ट्रेमबाद-रीचर्ट, एस. (2020)। एस = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में एकल शीर्ष क्वार्टर टी चैनल के उत्पादन में सीकेएम मैट्रिक्स तत्वों का माप. भौतिकी पत्र बी, 808, 135609. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135609>
164. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... Trembath-Reichert, एस. (2020)। वाई (1 एस) जोड़ी उत्पादन क्रॉस सेक्शन का माप और एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में वाई (1 एस) $\mu + \mu^-$ के लिए खरादों के लिए अनुशासन के लिए खोज. भौतिकी पत्र बी, 808, 135578. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135578>
165. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्लेकल, एम., फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कमेर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., एसएचआईसीएचएल, सीएसीएमएस, सीएमएस. (2020) एस. 8 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में बाधाओं पर शारीरिक प्रोटीन-टोल्स पर बौछार. शारीरिक समीक्षा पत्र, 124 (16)। <https://doi.org/10.1103/physrevlet.124.162002>
166. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। वीएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटोल टोल्डर में तवर-क्वार्ट-एटीक्वार्ट जोड़े के लिए अत्यधिक बढ़ाया हिग्स बोसॉन्स के लिए समावेशी खोज उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (12) [https://doi.org/10.1007/jhep12\(2020\)085](https://doi.org/10.1007/jhep12(2020)085)
167. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। 125 जीईवी हिग्स बोसन के डीईसी के लिए एक जेड बोसन और ए में खोजें? या? meson. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (11) [https://doi.org/10.1007/jhep11\(2020\)039](https://doi.org/10.1007/jhep11(2020)039)
168. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गौयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए. फ्रूहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... सीएमएस सहयोग. (2020)। उच्च गति वाले जेडोसन और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में

- वीएस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्स में सुपरसिमेट्री के लिए खोजें. जर्नल ऑफ हाई ऊर्जा भौतिकी, 2020 (9) [https://doi.org/10.1007/jhep09\(2020\)149](https://doi.org/10.1007/jhep09(2020)149)
169. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। वी एस = 13 टीईवी में तीन बड़े गेज बोसन के उत्पादन का अवलोकन मानसिक. रेव लेट., 125 (15), 151802. <https://doi.org/10.1103/physrevlet.125.151802>
170. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में दो जेट के साथ संघ में कूज और कूज के सीडब्ल्यूएस के साथ-साथ-साथ विजे बोसन जोड़े के माप. भौतिकी पत्र बी, 80 9, 135710. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135710>
171. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., पिटर, एफ. एम., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। डब्ल्यू के इलेक्ट्रोफेक उत्पादन का अवलोकन? एस = 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्स में दो जेट के साथ भौतिकी पत्र बी, 811, 135988. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135988>
172. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रीहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, स्परिंग, एम., सीएमएस सहयोग. (2020)। बनाम = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर में बढ़ाया $\mu\mu$ अंतिम राज्य में एक प्रकाश छद्मस्कर हिग्स बोसन की खोज करें. उच्च ऊर्जा भौतिकी के जर्नल, 2020 (8) [https://doi.org/10.1007/jhep08\(2020\)139](https://doi.org/10.1007/jhep08(2020)139)
173. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रीहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, स्परिंग, एम., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। एस = 13टीवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टोल्डर्स में गायब पटरियों के लिए खोजें भौतिकी पत्र बी, 806, 135502. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135502>
174. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासियन, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., एस्केलेटेल डेल वैले, ए., फ्रीहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., लेन्नेर, एल., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, स्परिंग, एम., ... टीट, डब्ल्यू. (2020)। वी बोसन की गति, हेलिसिटी, डबल-अंतर क्रॉस अनुभागों और पी एस टोल्स में पी एस टोल्स में चार्ज में असममितता. मानसिक. रेव डी, 102 (9), 092012. <https://doi.org/10.1103/physrev.102.092012>
175. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., वैल, ए. डी. डी, फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... फिनको, एल. (2020)। 13 टीईवी डेटा में सीएमएस में पिल्लिम शमन जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (09), पी 0 9 01-पी 0 9 018 <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/09/p09018>
176. सिरुन्यन, ए. एम., टुमासान, ए. एडम, डब्ल्यू. अंबोगी, एफ., बर्गोयर, टी., ड्रैगिसविक, एम., एरो, जे., वैल, ए. डी., फ्लेकल, एम., फ्रुहवर्थ, आर., येटलर, एम., क्रामर, एन., क्रैत्स्कर, आई., लिको, डी., मदलेनर, टी., मिकुलेक, आई., रेड, एन., शिका, जे., स्कोफबेक, आर, ... गोल्फ, एफ. (2020)। मशीन-लर्निंग तकनीकों का उपयोग करते हुए भारी, ऊर्जावान, हेडोनिक-पिकिंग कणों की पहचान. जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 15 (06), पी 06005-पी 06005 <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/06/p06005>
177. शिवकृष्ण, बी, इस्लाम, एस., सैंटा, एम. के., और पाल, एस. (2020)। एपिआरैबिनोफुरनोसिस डायप्रिडिन्स के संश्लेषण और साइटोटॉक्सिक मूल्यांकन ड्रग डेवलपमेंट रिसर्च, 81 (3), 274-282 <https://doi.org/10.1002/ddr.21613>
178. शिवकृष्ण, बी, शुक्ला, एम., सैंटा, एम. के., और पाल, एस. (2020)। डिज़ाइन, संश्लेषण और चमकदार 3'-डोक्सी-3', 3' डिफ्लोरोरिफोरनोसिसिल पायमिमिनिन न्यूक्लोसाइड्स का सही, संश्लेषण और साइटोटॉक्सिक मूल्यांकन. कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 497. <https://doi.org/10.1016/j.Carres.2020.108113>
179. श्रीकांत, के. वी., महालक्ष्मी, पी., हान, एस., विगसस्वारन, डी., मनी राजन, एम. एस., जेएचए, आर., एंड सिंह, आर. (2020)। सुपरकंडक्टर हाइपरबोलिक मेटामेटीरल्टी के आधार पर एक टैराहर्ट्ज ब्रूस्टर स्विच ज्यूरल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 128 (17)। <https://doi.org/10.1063/5.0025925>
180. श्रीवास्तव, टी., और झा, आर. (2020)। एक कार्बनिक अर्धचालक के आधार पर Plexcitonic नाक एप्लाइड भौतिकी पत्र, 117 (9) <https://doi.org/10.1063/5.0019027>

181. स्वेन, एन., मित्रा, ए., सारावाकुमार, बी, बैससिंगम, एस. के., मोहंती, एस., नायक, एस के के., और रामदास, ए. (2020)। उच्च प्रदर्शन सुपरकैपैक्टर्स के लिए एक कुशल इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में तीन आयामी एमएनओ 2 / एनआई नेटवर्क का निर्माण. इलेक्ट्रोचिमिका एक्टा, 342. <https://doi.org/10.1016/j.Electacta.2020.136041>
182. तनिगावा, एच., एडम्ज़क, के., अहारा, एच., अजीज, टी., बाकेर, एस., बाहिनती, एस., बैटिगनी, जी, बाउडोट, जे., शेर, पी. के., बेटारिनी, एस., बिल्का, टी., बोझेक, ए, बुचस्टीनर, एफ., कैसोसा, जी., सेरेन्कोव, डी., चेन, वाई. क्यू., कोरोना, एल., सीज़ैक, टी., दास, एस बी, ... बेल-द्वितीय एसवीडी सहयोग (2020)। बेले द्वितीय सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर के लिए बीम पृष्ठभूमि अध्ययन परमाणु उपकरणों और भौतिकी अनुसंधान, विधायना में एक्सेस, एक्सेसलेटर, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टरों और संबद्ध उपकरण, 982. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2020.164580>
183. तनिगावा, एच., एडम्ज़क, के., अहारा, एच., अजीज, टी., बाकेर, एस., बाहिनती, एस., बैटिगनी, जी, बाउडोट, जे., शेर, पी. के., बेटारिनी, एस., बिल्का, टी., बोझेक, ए, बुचस्टीनर, एफ., कैसोसा, जी., सेरेन्कोव, डी., चेन, वाई. क्यू., कोरोना, एल., सीज़ैक, टी., दास, एस बी, ... बेल-द्वितीय एसवीडी सहयोग (2020)। बेले द्वितीय सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर का प्रदर्शन परमाणु उपकरणों और भौतिकी अनुसंधान, विधायना में एक्सेस, एक्सेसलेटर, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टरों और संबद्ध उपकरण, 972. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2020.164129>
184. थम्मियर, आर., अहारा, एच., अजीज, टी., बाकेर, एस., बिंदीनती, एस., बार्बरियो, ई., बारनसेल्ली, टी., बारनसेल्ली, टी., बेसिथ, ए. के., बैटिगनी, जी., बाउर, ए, बेहेरा, पी. के., बर्टाकची, वी., बेटारिनी, एस., भुआन, बी, बिल्का, टी., बोसी, एफ, बोसिसियो, एल., बोझेक, ए, ... बेल्ट-द्वितीय एसवीडी सहयोग. (2020)। बैलियर द्वितीय एसवीडी रीडआउट सिस्टम की श्रृंखला उत्पादन परीक्षण और कमीशनिंग परमाणु उपकरणों और भौतिकी अनुसंधान में विधियों, अनुभाग ए: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टरों और संबद्ध उपकरण, 958. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2019.162942>
185. वासुडिवरो, ए, और पांडे, ए. (2020)। कुछ विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कार्यों के लिए ज़ालकैनन इंजेक्शन जर्नल ऑफ गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोग, 492 (2)। <https://doi.org/10.1016/j.jmaa.2020.124466>
186. विजयकृष्ण, के., मनोजकुमार, के., हरिबाबू पी. एम., ग्यांगरण, बी, तिलोतामा, बी, एग्री, ए., मेवे, एल., मठ, डी., पोर्केल्ली, एल. आर आर लीज़ा, जे., और मेसेरेरे, डी. (2020)। मर्फोलिन आधारित रफ़ता एजेंट प्रतिवर्ती निष्क्रिय करने के लिए विनाइल एसीटेट और एन-विमिनीलीडाजोल के कट्टरपंथी पॉलिमराइजेशन. पॉलिमर इंटरनेशनल, 69 (9), 883-890 <https://doi.org/10.1002/pi.6032>
187. येलटन, जे., आदी, आई., एएच, जे के के., अहारा, एच. अल अल ने कहा, एस., एएस, डी. एम., एशेव, टी., एडाद, आर., बाबू वी., बिंदीनती, एस., शेर, बी., बीलेन, सी., बेनेट, जे, बिदवाड़, वी., भुआय, बी, बिल्का, टी., बिस्वाल, जे, बोनविकिनी, जी., बोझेक, ए, ... झोलानोव, वी. (2020)। ऑब्स्टिकली के उत्साह के विद्युत चुम्बकीय दशकों का अध्ययन? सी बरियस शारीरिक समीक्षा डी, 102 (7) <https://doi.org/10.1103/physrevd.102.071103>
188. यररा, पी. के., और भमिदिपती, सी. (2020)। बड़े ग्रेविटी में महत्वपूर्ण गर्मी इंजन शास्त्रीय और क्रांटम गुरुत्वाकर्षण, 37 (20)। <https://doi.org/10.1088/1361-6382/abb2d1>
189. यररा, पी. के., और भमिदिपती, सी. (2020)। बड़े गुरुत्वाकर्षण में खुले रंग के ढेर, चरण संक्रमण और काले छेद के माइक्रोस्ट्रक्चर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉरन फॉर फॉरैन्सिक्स ए, 35 (22)। <https://doi.org/10.1142/s0217751x20501201>

पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

190. बाईसिया, एच., पटनानिक, एस., और चक्रवर्ती, टी. (2020)। बंगाल बेसिन की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के महासागर युग्मन और ऊर्जावान को समझने के लिए एक युग्मित मॉडलिंग दृष्टिकोण. वायुमंडलीय अनुसंधान, 246. <https://doi.org/10.1016/j.atmosres.2020.1050922>
191. बार्डी, वी., नागेशरायो, एम. एम, मोहंती, यू. सी., पांडा, आर के के., और रमदास, एम. (2020)। दक्षिण पश्चिम में मॉनसून वर्षा की घटनाओं ईस्ट भारत में विशेषताओं सैद्धांतिक और लागू क्लाइमैटोलॉजी, 141 (3-4), 1511-1528 <https://doi.org/10.1007/s00704-020-03251-y>
192. बारिक, एस एस., प्रोस्टी, पी., सिंह, आर. के., त्रिपाठी, एस., फारूक, एस एच., और शर्मा, के. (2020)। ललन और अनाज आकार वितरण में परिवर्तन के जवाब में चिलिका झील के सतह के तलछट में मौलिक वितरण में मौसमी और स्थानिक विविधताएं. पर्यावरण पृथ्वी विज्ञान, 79 (11) <https://doi.org/10.1007/s12665-020-09009-z>
193. बेहेरा, एन., एसईएल, एस., और स्वेन, डी. (2020)। क्लोरोफिल के मौसमी और अंतर-विविधताएं- Agulhas में एक सांद्रता वर्तमान क्षेत्र वापस आती है समुद्री विज्ञान में क्षेत्रीय अध्ययन, 39. <https://doi.org/10.1016/j.rsmas.2020.101423>
194. बेहेरा, एन., स्वेन, डी., और एएस, एस. (2020)। दक्षिणी महासागर में क्लोरोफिल एकाग्रता पर अंटार्कटिक सागर बर्फ का प्रभाव. गहरे समुद्र के फैसले भाग II: महासागर में सामयिक अध्ययन, 178. <https://doi.org/10.1016/j.jsr.2020.104853>
195. भट्टला, आर., सरकार, डी., वर्मा, एस., सिन्हा, पी., घोष, एस. और मॉल, आर. के. (2020)। क्षेत्रीय जलवायु मॉडल प्रदर्शन और भारत में कृषि-जलवायु क्षेत्र के लिए गरम ग्रीष्मकालीन मानसून का सिमुलटिंग में पूर्वाग्रह सुधार का आवेदन. सैद्धांतिक और

- लागू क्लाइमेटोलॉजी, 142 (3-4), 15 9 5-1612 <https://doi.org/10.1007/s00704-020-03393-z>
196. डैश, जे., बेहेरा, एम. डी., जिगनाथन, सी., झा, सी. एस. शर्मा, एस., लुकास, आर., खुरू, ए. ए., हैरिस, ए. एटिन्सन, पी. एम., बॉयड, डी. एस. सिंह, सी. पी., कले, एम. पी., कुमार, पी., शाह, वी. एस, जयकुमार, एस., शर्मा, एल. के., पांडे, ए. सी, एविसेह, के., ... वर्गी, एस के के. (2020)। वनस्पति प्रबंधन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए भारत का योगदान. उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी, 61 (1), 168-171 <https://doi.org/10.1007/s42965-020-00075-9>
197. गोगोई, पी. पी., वीनोज, वी., और फूक्सन, पी. (2020)। कम उपनिरोधी बेसिन और एक बार बाढ़ में भूमि के उपयोग और भूमि कवर में एक बाढ़ की घटना पर मौसम संबंधी और स्थानीय यारी की भूमिका. वर्तमान विज्ञान, 118 (5), 778-785 <https://doi.org/10.18520/cs/v118/i5/778-785>
198. हज़रा, वी., और पटनानिक, एस. (2020)। ओडिशा और उसके पड़ोस क्षेत्र के राज्य के दोष के दोषों के लिए डब्ल्यूआरएफ मॉडल ग्रहों की सीमा परत योजनाओं में व्यवस्थित त्रुटियाँ सैद्धांतिक और लागू क्लाइमेटोलॉजी, 13 9 (3-4), 1079-1096 <https://doi.org/10.1007/s00704-019-03023-3>
199. हज़रा, वी., पटनानिक, एस., सिसोदिया, ए. बाईसा, एच., टर्नर, ए. जी, और भट, जी एस. (2020)। भारतीय क्षेत्र पर क्लाउड माइक्रोफैजिकल पैरामीटरकरण के प्रदर्शन का आकलन: अस्सू प्रभागों के साथ मानसून अवसाद और सत्यापन का सिमुलेशन. वायुमंडलीय अनुसंधान, 23 9. <https://doi.org/10.1016/j.atmosres.2020.104925>
200. जंगीर, बी, स्वे, डी., घोष, एस. के., गोयल, आर., और भास्कर, टी. वी. एस यू यू. (2020)। उत्तर भारतीय महासागर में मॉडल, उपग्रह और सटीक उष्णकटिबंधीय चक्रवात गर्मी क्षमता की अंतर-तुलना. प्राकृतिक खतरों, 102 (2), 557-574 <https://doi.org/10.1007/s11069-019-03756-4>
201. जयगोंडपेरमल, आर., मिश्रा, आर एल., प्रियंका, आर एस., यादव, आर. के., मोहंती, डी. पी., पांडे, ए. सिंह, आई., अनिल, ए. और डैश, एस. (2020)। हिमालय की सक्रिय टेक्टोनिक्स, मध्य भारत में तिरित घाटियों और अलग-अलग समय के तराजू पर क्रस्टल विरूपण से संबंधित. भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 86 (1), 445-458 <https://doi.org/10.16943/ptinsa/2020/49805>
202. केशव, बी एस., और लैंडु, के. (2020)। इक्वेटोरियल तरंगों और इंटरस्टोनल दोलन पर समुद्र की सतह के तापमान की भूमिका. सैद्धांतिक और लागू क्लाइमेटोलॉजी, 140 (3-4), 993-1004 <https://doi.org/10.1007/s00704-020-03128-0>
203. लैंडु, के., गोयल, आर., और केशव, बी एस. (2020)। बंगाल की खाड़ी पर साइक्लोजिनेसिस पर कई भूमध्यक्षित तरंगों की भूमिका जलवायु गतिशीलता, 54 (3-4), 2287-2296 <https://doi.org/10.1007/s00382-019-05112-5>
204. मंडल, एस., एसईएल, एस., और गंगोपाध्याय, ए. (2020)। ज्वार-वर्तमान-एडीएट इंटरैक्शन: 16 डिग्री सेल्सियस के पास बंगाल के पश्चिमी बे के साथ उच्च आवृत्ति रडार अवलोकन का उपयोग करने वाला एक मौसमी अध्ययन एस्टुअरीन, तटीय और शेल्फ साइंस, 232. <https://doi.org/10.1016/j.ecs.2019.106523>
205. मंडल, एस., एसिल, एस., गैंगोपाध्याय, ए. जेना, बी के के., और वेंकटेश, आर. (2020)। खमातट की खाड़ी में ज्वार में असहमति की प्रकृति पर, अरब सागर एचएफ रडार सतह धाराओं का उपयोग करते हुए. एस्टुअरीन, तटीय और शेल्फ साइंस, 232. <https://doi.org/10.1016/j.ecs.2019.106481>
206. मौर्य, आर. के. एस., मोहंती, एम. आर, सिन्हा, पी., और मोहंती, यू. सी. (2020)। भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून सिमुलेशन के लिए RegCM4.6 में हाइड्रोस्टैटिक और गैर-हाइड्रोस्टैटिक गतिशील कोर का प्रदर्शन. मौसम संबंधी अनुप्रयोग, 27 (3) <https://doi.org/10.1002/met.1915>
207. मिश्रा, डी. आर, कुमार, ए. मुदुली, पी. आर., इकोनेडुद्दीन, एस. एम., रस्टोगी, जी., आचार्य, टी., और स्वेन, डी. (2020)। कोवेड-19 लॉकडाउन के कारण भारतीय तटीय तट पर फाइटोप्लान्ट बायोमास में गिरावट आई है. रिमोट सेंसिंग, 12 (16) <https://doi.org/10.3390/rs12162584>
208. मोहंती, एस., नादिमपल्ली, आर., मोहंती, यू. सी., मोहापत्र, एम., शर्मा, ए. दास, ए.ए., और एसआईएल, एस. (2020)। अ राजक-परिचालन पूर्वानुमान बे पर अत्यधिक गंभीर चक्रवात तूफान फैन के मार्गदर्शनबेजल का उच्च संकल्प MESSCALSE मॉडल का उपयोग कर मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय भौतिकी, 133 (2), 331-348 <https://doi.org/10.1007/s00703-020-00751-4>
209. मोहंती, यू. सी., मोहापत्र, एम., अशोक, के., कृष्णन, आर., चौधरी, जे एस एस, और मुक्ताध्याय, पी. (2020)। भारतीय मानसून परिवर्तनशीलता और चरम मौसम की घटनाएं: टिप्पणियां और मॉडलिंग में हाल ही में सुधार भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 86 (1), 503-524. <https://doi.org/10.16943/ptinsa/2020/49817>
210. मुखर्जी, टी., और वीनज, वी. (2020)। वायुमंडलीय एरोसोल ऑप्टिकल गहराई और पूर्वी भारत में शहरी स्थान पर इसकी परिवर्तनशीलता प्राकृतिक खतरों, 102 (2), 591-605 <https://doi.org/10.1007/s11069-019-03636-x>
211. मुखर्जी, टी., वीनोज, वी., मिडिया, एस के के., एंड एडीकरी, बी. (2020)। दक्षिण एशिया पर भारी धूल और बायोमास जलने के दौरान सतह ओजोन पर एरोसोल विकिरणिक प्रभाव. वायुमंडलीय पर्यावरण, 223. <https://doi.org/10.1016/j.atmosenv.2019.117201>

212. मुखर्जी, टी., वीनोज, वी., मिडिया, एस के., पिल्पला, एस पी., और एडिकरी, बी. (2020)। दिल्ली पर मानसून प्रदूषण के लिए अलग-अलग क्षेत्रीय योगदान के संख्यात्मक सिमुलेशन. *हेलीयॉन*, 6 (3) <https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2020.e03548>
213. नादिमपल्ली, आर., ओसुरी, के. के., मोहंती, यू. सी., दास, ए. के., कुमार, ए. एसईएल, एस., और नियाजी, डी. (2020)। बौद्ध की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की भविष्यवाणी क्यूसी-परिचालन WRF और एचडब्ल्यूआरएफ मॉडलिंग सिस्टम: एक आकलन अध्ययन. *मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय भौतिकी*, 132 (1)। <https://doi.org/10.1007/s00703-019-00669-6>
214. नादिमपल्ली, आर., श्रीवास्तव, ए. प्रसाद, वी. एस, ओसुरी, के. के., दास, ए. के., मोहंती, यू. सी, और नियाजी, डी. (2020)। बंगाल की खाड़ी पर उष्णकटिबंधीय चक्रवात टिटली की भविष्यवाणी में इनसैट -3 डी / 3 डीआर रेडियंस डेटा आत्मसात का प्रभाव भू-सिनेमा और रिमोट सेंसिंग पर आईईईई लेनदेन, 58 (10), 6945-6957 <https://doi.org/10.1109/tgrs.2020.2978211>
215. नागवारेराओ, एम. एम., सिन्हा, पी., मोहंती, यू. सी., और मिश्रा, एस. (2020)। हाल ही में वार्मिंग युग में भारत के मध्य पूर्वी तट पर अधिक गर्मी तरंगों की घटना. *शुद्ध और लागू भूभौतिकी*, 177 (2), 1143-1155 <https://doi.org/10.1007/s00024-019-02304-2>
216. नविन्या, सी. डी, वीनोज, वी., और पांडे, एस के.र. (2020)। भारत में एनएएसए के मरेरा संस्करण 2 एयरोसोल पुनर्मिलीस द्वारा सिमुलेशन पीएम 2.5 सतह सांद्रता का मूल्यांकन और वायु गुणवत्ता सूचकांक के संबंध में इसका सदाचार. *एयरोसोल और वायु गुणवत्ता अनुसंधान*, 20 (6), 1329-1339 <https://doi.org/10.4209/aaqr.2019.12.0615>
217. नियाजी, डी., ओसुरी, के. के., बसदरी, एन. के. आर., और नादिमपल्ली, आर. (2020)। शहरी स्प्रॉल द्वारा परिवर्तित होने वाली वर्षा की समय शहरी जलवायु, 33. <https://doi.org/10.1016/j.uclim.2020.100643>
218. निजाम, एस., सेन, आई. एस, वीनो, वी., गैली, वी., सेल्बी, डी., आजम, एम. एफ., पांडे, एस के के., क्रिएजर, आर ए. एगरवाल, ए. के., सिंह, ए. पी., और बिज़िमिस, एम. (2020)। बायोमास-व्युत्पन्न प्रदाता पश्चिमी हिमालय में ग्लेशियल सतह जैविक कार्बन पर हावी है. *पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी*, 54 (14), 8612-8621 <https://doi.org/10.1021/acs.est.0c02710>
219. ओसुरी, के. के., अंकुर, के., नादिमपल्ली, आर., और बसिंएडी, एन. के. आर. (2020)। उत्तर भारतीय महासागर पर उष्णकटिबंधीय चक्रवात वर्षा पूर्वानुमान में एआरडब्ल्यू मॉडल की त्रुटि लक्षण वर्णन *जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी*, 590. <https://doi.org/10.1016/j.jhydrol.2020.125433>
220. ओसुरी, के. के., नादिमपल्ली, आर., अंकुर, के., नायक, एच. पी., मोहंती, यू. सी., डीएस, ए. के., और नियाजी, डी. (2020)। भारत से मिट्टी की नमी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मानसून अवसाद और भारी बारिश के बेहतर सिमुलेशन. *जॉर्नल ऑफ रियोजर: वायुमंडल*, 125 (14)। <https://doi.org/10.1029/2020jd032400>
221. पांडे, एस के., वीनोज, वी., और पनवार, ए. (2020)। एयरोसोल की अल्पावधि परिवर्तनशीलता और बादल गुणों पर उनके प्रभाव और भारत-गंगा के सादे पर विकिरण प्रभाव. *वायुमंडलीय प्रदूषण अनुसंधान*, 11 (3), 630-638 <https://doi.org/10.1016/j.apr.2019.12.017>
222. पॉल, पी. पी, चक्रवर्ती, पी. पी., शिरिशी, एफ., दास, के., किमी, ए. और भट्टाचार्य, एस. (2020)। ट्रेस तत्व और दुर्लभ पृथ्वी तत्व (सी) से लेंस आउटर से आयरन गठन और कार्बोनेट चट्टानों की रचना से देर से पीलेओपोटेरोज़ोआओ मोरार गठन, ग्वालियर समूह, मध्य भारत से. *जर्नल ऑफ मिर्चामालिकल और पेट्रोलॉजिकल साइंसेज*, 115 (2), 175-191 <https://doi.org/10.2465/jmps.191011>
223. प्रैमिक, एस., एसिल, एस., गैगोपाध्याय, ए. सिंह, एम. के., और बाहेरा, एन. (2020)। बुलाल की खाड़ी में श्रीलंका के गुंबद पर एक क्लोरोफिल-एक एकाग्रता की अंतरंग परिवर्तनशीलता. *इंटरमेड जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग*, 41 (15), 5974-5991 <https://doi.org/10.1080/01431161.2020.1727057>
224. प्रैमिक, एस., सौरव, एस., और मंडल, एस. (2020)। 1951-2015 के दौरान भारत के चार शहरी शहरों में मनाए गए अधिकतम और न्यूनतम हवा का समय विश्लेषण का समय सीरीज विश्लेषण. *मौसम*, 71 (1), 57-68
225. प्रोस्टी, पी., और फारूक, एस एच. (2020)। तटीय पानी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए पानी की गुणवत्ता सूचकांक और मल्टीवीरिएटिकल आंकड़ों के आवेदन. *पर्यावरण प्रक्रियाएं*, 7 (3), 805-825 <https://doi.org/10.1007/s40710-020-00453-4>
226. प्रोस्टी, पी., फारूक, एस एच., स्वेन, डी., और चंद्रशेखराम, डी. (2020)। तटीय क्षेत्रों में भूजल की गुणवत्ता और मीठे पानी की उपलब्धता के साथ जियोमॉर्फिक सुविधाओं का एसोसिएशन. *अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 17 (6), 3313-3328 <https://doi.org/10.1007/s13762-020-02706-z>
227. राजन, डी., पटनानिक, एस., और करुणासगर, एस. (2020)। Monsoon के न्यूनतम दरार का मतलब वर्ष: एकीकृत मॉडल एनक्यूम मॉडलिंग पृथ्वी सिस्टम और पर्यावरण <https://doi.org/10.1007/s40808-020-01023-1>

228. मंडल, एस, एसआईएल-एस, गंगोपाध्याय, ए, जेना, बी के. ए., आर. वेंकटेशन, और जी. गावारकिविक (2020)। 2012-2017 के दौरान एचएफ रडार और बोय टिप्पणियों का उपयोग करके पश्चिमी अंडमान सागर में सतह के धाराओं की मौसमी और ज्वार की विविधता. भू-विज्ञान और रिमोट सेंसिंग पर आईईईई लेनदेन, 1-10 <https://doi.org/10.1109/tgrs.2020.3032885>
229. मंडल, एस., प्रैमिक, एस., एसआईएल-एस, अरुणारज, के. एस. और जेना, बी. के. (2020)। आंध्र प्रदेश तट के साथ उप-मेसोस्केल संचलन सुविधाओं, बंगाल की खाड़ी: एचएफ रडार से टिप्पणियां. जर्नल ऑफ कोरस्ट रिसर्च, 89 (एसपी 1), 132-138 <https://doi.org/10.2112/si89-022.1>
230. सानन, एम. सी., नागेश्वरोओ, एम. एम, एंड मोहंती, यू. सी. (2020)। दक्षिण प्रायद्वीप भारत पर पूर्वोत्तर मानसून वर्षा के वर्षा के कॉर्डेक्स-दक्षिण एशिया सिमुलेशन और भविष्य के अनुमानों का प्रदर्शन मूल्यांकन. मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय भौतिकी, 132 (5), 743-770 <https://doi.org/10.1007/s00703-019-00716-2>
231. सिसोदिया, ए, पटनानिक, एस., और बिस्वा, एच. (2020)। एक उष्णकटिबंधीय स्थान पर सतह की टिप्पणियों से अलग वर्षा प्रकार के लक्षण वर्णन. शुद्ध और एप्लाइड भूभित्ति, 177 (2), 1111-1123 <https://doi.org/10.1007/s00024-019-02338-6>
232. स्वेन, एम., पटानकायक, एस., मोहंती, यू. सी, और साहू, एस. सी. (2020)। ओडिशा से मॉनसून अवसाद से जुड़े अतिरिक्त वर्षा की भविष्यवाणी: जिला स्तर पर तटीय क्षेत्र की भेद्यता का आकलन. प्राकृतिक खतरों, 102 (2), 607-632 <https://doi.org/10.1007/s11069-019-03633-0>
233. स्वेन, एम., सिन्हा, पी., पटानकायक, एस., गहखाकूर, पी., और मोहंती, यू. सी. (2020)। ओडिशा से मनाया वर्षा के लक्षण: भारत के पूर्वी तट में एक अत्यधिक कमजोर क्षेत्र. सैद्धांतिक और लागू क्लाइमेटोलॉजी, 13 9 (1-2), 517-531 <https://doi.org/10.1007/s00704-019-02983-w>
234. टर्नर, ए. जी, भट, जी एस एस, मार्टिन, जी. एम., पार्कर, डी. जे., टेलर, सी. एम., मित्रा, ए. के., त्रिपाठी, एस एन., मिल्टन, एस., राजगोपाल, ई. एन, इवांस, जे. जी., मॉरिसन, आर, पटनानिक, एस., सेखर, एम., भट्टाचार्य, बी के के., मदन, आर, गोविंदाचुटी, एम., प्लेचर, जे. के., विल्टेड्स, पी. डी, मेनन, ए. ... नया, बी. (2020)। मॉनसून वर्षा, वातावरण, सतह और समुद्र के साथ संवहनी संगठन का इंटरैक्शन: भारत में 2016 के इनकंपास क्षेत्र अभियान रॉयल मौसम विज्ञान समाज के त्रैमासिक जर्नल, 146 (731), 2828-2852 <https://doi.org/10.1002/qj.3633>
235. वैट, एन., मिश्रा, एस., सिंह, आर. के., गुप्ता, ए. के., और पांडे, डी. के. (2020)। पिछले ~ 400 किय के दौरान पूर्व चीन के समुद्र में पालेओसैनोग्राफिक परिवर्तन प्लैकिक फोरामिफेरा का उपयोग करते हुए पुनर्निर्माण करते हैं. ग्लोबल और ग्रहों के परिवर्तन, 18 9. <https://doi.org/10.1016/j.gloplacha.2020.103173>

आधारीक विज्ञान विद्यापीठ

236. आचार्य, एस., रे, ओ., और मिश्रा, एस के. र. (2020)। मेगावाट्स को मिल्वाटेड्स को पावर करना आईईईई उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पत्रिका, 9 (2), 70-75 <https://doi.org/10.1109/mce.2019.2954044>
237. अहमद, एस., डोगरा, डी. पी., कार, एस. पटनायक, आर., ली, एस. - सी., चोई, एच., नाम, जी पी., और किम, आई. - जे. (2020)। बुद्धिमान ट्रैफिक मॉनिटरिंग अनुप्रयोगों के लिए क्रेरी-आधारित वीडियो सारांश इंटेलेजेंट परिवहन प्रणालियों पर आईईईई लेनदेन, 21 (8), 3457-3468 <https://doi.org/10.1109/tits.2019.2929618>
238. ऑलमस्टीटी, एस., मोहाट्टो, एस., और कुमार, पी. (2020)। नाइट्रोजन ऑक्साइड हटाने के लिए एन्थ्रैमल प्लाज्मा आधारित डीजल निकास उपचार के लिए आवश्यक वोल्टेज की भविष्यवाणी. पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 27 (10), 11195-11201 <https://doi.org/10.1007/s11356-020-07726-3>
239. ऑलमस्टीटी, एस., मोहाट्टो, एस., और पुहान, एन. बी. (2020)। बिजली के निर्वहन आधारित उपचार के साथ डीजल निकास में नाइट्रोजन के आचरण की भविष्यवाणी के लिए प्रतिगमन-आधारित मॉडल. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एनवानी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 17 (5), 2731-2742 <https://doi.org/10.1007/s13762-019-02616-9>
240. बाबू, ए. ए. एंड रमकुमार, बी. (2020)। फेफड़े की आवाज़ और भाषण के साथ भ्रष्ट भौतिक हृदय ध्वनि के क्षेत्रों से स्वचालित मान्यता. आईईईई पहुंच, 8, 179983-179994 <https://doi.org/10.1109/access.2020.3023044>
241. बेहेरा, एस एस., मिश्रा, एस एस., मंडल, बी, और पुहान, एन. बी. (2020)। क्रॉस-स्पेक्ट्रल पेरायस्कुलर मान्यता के लिए विचारे-निर्देशित ध्यान-जुड़वा जुड़वां गहराई से. छवि और दृष्टि कंप्यूटिंग, 104. <https://doi.org/10.1016/j.imavis.2020.104016>
242. बेहेरा, एस., डोगरा, डी. पी, बांड्योपैध्याय, एम. के., और रॉय, पी. पी. (2020)। लेंसविन मॉडल का उपयोग करके घने में भी रेखिक मोशन का आकलन. अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ सिस्टम, 150. <https://doi.org/10.1016/j.eswa.2020.113333>
243. भेदी, सी. एन., हॉटा, एस के के., नायक, के. आर., और करारकी, एस. बी. (2020)। फोटोवोल्टेआइक आधारित पानी पम्पिंग सिस्टम के सहकारी नियंत्रण. आईईईई अक्षय ऊर्जा उत्पादन, 14 (12), 2278-2286 <https://doi.org/10.1049/iet-rpg.2019.1018>

244. चटर्जी, आर., और चटर्जी, ए. (2020)। मोटर-इमेजरी ईईजी सिग्नल वर्गीकरण के लिए ऑर्थोगोनल मिलान पीछा-आधारित सुविधा चयन. प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कंप्यूटर अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 64 (4), 403-414 <https://doi.org/10.1504/ijcat.2020.112686>
245. दास चकलाडर, डी., डे, एस., रॉय, पी. पी. और डोगरा, डी. पी. (2020)। गहरे ब्लास्टम-एलएसटीएम नेटवर्क और विकासवादी एल्गोरिथम का उपयोग करते हुए ईईजी-आधारित मानसिक वर्कलोड आकलन. बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और कंट्रोल, 60. <https://doi.org/10.1016/j.bspc.2020.101989>
246. डैश, एस पी., और जोशी, एस. (2020)। नोम के साथ एक सहकारी डी 2 डी संचार नेटवर्क का प्रदर्शन विश्लेषण आईईटी कम्युनिकेशंस, 14 (16), 2731-2739 <https://doi.org/10.1049/iet-com.2020.0265>
247. डैश, एस पी., जोशी, एस., और मल्लिक, आर के के. (2020)। डी 2 डी संचार और सुसंगत पीएलसी के साथ स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क: त्रुटि विश्लेषण. वाहन प्रौद्योगिकी पर आईईईई लेनदेन, 69 (1), 1051-1054 <https://doi.org/10.1109/tvt.2019.2953273>
248. डैश, एस पी., मलिकिक, आर के के., और मोहम्मद, एस के.ए. (2020)। नाकागामी-एम शोर वातावरण में एमपीएसके सिग्नलिंग के साथ सुसंगत पीएलसी का प्रदर्शन विश्लेषण. वाहन प्रौद्योगिकी पर आईईईई लेनदेन, 69 (3), 3057-3067 <https://doi.org/10.1109/tvt.2020.2966796>
249. गोयल, आई., प्यूहान, एन. बी. और मंडल, बी. (2020)। डबल पहचान फ़िंगरप्रिंट का पता लगाने के लिए दीप कन्वॉल्यूशन तंत्रिका नेटवर्क आईईईई सेंसर पत्र, 4 (5)। <https://doi.org/10.1109/lsens.2020.2987863>
250. गुप्ता, एस., रॉय, पी. पी., डोगरा, डी. पी. और किम, बी.जी.जी. (2020)। स्थानीय दिशात्मक पीक घाटी बाइनरी पैटर्न का उपयोग करके रंग और बनावट चित्रों की पुनर्प्राप्ति. पैटर्न विश्लेषण और अनुप्रयोग, 23 (4), 1569-1585 <https://doi.org/10.1007/s10044-020-00879-4>
251. कार, पी. के., प्रियदर्शी, ए. और करारकी, एस. बी. (2020)। एक कुशल मौलिक स्विचिंग तकनीक का उपयोग करके एक उन्नत बहुस्तरीय कनवर्टर का विकास. अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विद्युत शक्ति और ऊर्जा प्रणालियों, 119. <https://doi.org/10.1016/j.ijje.2020.105960>
252. कार, एस., और सामनाररा, एस. आर. (2020)। ओवरक्रेंट रिले के समन्वय और अंतर रिले समन्वय के मूल्यांकन के प्रदर्शन पर माइक्रोग्रिड ऑपरेशन का प्रभाव. इलेक्ट्रिक पावर अवयव और प्रणालियों, 48 (9-10), 1049-1062 <https://doi.org/10.1080/15325008.2020.1825550>
253. कराट, एन एस., थॉमस, ए. और राजन, बी एस. (2020)। दो इष्टतम कोडित कैशिंग योजनाओं के लिए डिलीवरी योजनाओं को सही करने के लिए इष्टतम रैखिक त्रुटि. एंट्रोपी, 22 (7) <https://doi.org/10.3390/e22070766>
254. कुमार, ए. और साहू, पी. आर. (2020)। नाकागामी-एम लुप्त होन चैनलों पर डीसीकेएस-बीडीआर सिस्टम्स का प्रदर्शन विश्लेषण. आईईईईटीटीटी रेटेड (इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स, भारत), 37 (2), 137-146 <https://doi.org/10.1080/02564602.2019.1572548>
255. कुमार, एस., गाहालावत, एम. रॉय, पी. पी., डोगरा, डी. पी. और किम, बी.जी. (2020)। मशीन सीखने का उपयोग करके भावनाओं और लिंग पर लिंग का प्रभाव तलाशना इलेक्ट्रॉनिक्स (स्विट्जरलैंड), 9 (2) <https://doi.org/10.3390/electronics9020374>
256. लू, एक्स., ट्रैन, सी., टैन, आर., याउ, डी. के. वाई., कलबार्कज़, जेड टी., बनर्जी, ए. के., और गणेश, पी. (2020)। समय विलंब हमले का आकलन और कम करना: पावर ग्रिड नियंत्रण के लिए केस स्टडीज IEEE जर्नल संचार में चयनित क्षेत्रों पर, 38 (1), 141-155 <https://doi.org/10.1109/jsac.2019.2951982>
257. महाराणा, एस., मुखर्जी, एस., डी, डी., डैश, ए. और कैस्टेलज़ी, ए. (2020)। चुंबकीय में कम लिंक वर्तमान पीक तनाव और हार्मोनिक हानि के लिए संशोधित मॉडुलन तकनीकों के साथ दोहरी सक्रिय पुल का अध्ययन. उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई लेनदेन, 56 (5), 5035-5045 <https://doi.org/10.1109/tia.2020.2996540>
258. मलिक, एस., और साहू, पी. के. (2020)। कण झुंड अनुकूलन का उपयोग करके नि: शुल्क अंतरिक्ष ऑप्टिकल सिस्टम डिजाइन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम, 33 (12)। <https://doi.org/10.1002/dac.4452>
259. मलिक, एस., और साहू, पी. के. (2020)। 5 जी के लिए नि: शुल्क अंतरिक्ष ऑप्टिक्स / मिलीमीटर-वेव आधारित ऊर्ध्वधर और क्षैतिज स्थलीय बैकहाल नेटवर्क ऑप्टिक्स संचार, 45 9. <https://doi.org/10.1016/j.OptCom.2019.125010>
260. मलिक, एस., और साहू, पी. के. (2020)। एम-एरी चरण-शिफ्ट कुंजीयन-एकल एकल-इनपुट-एकाधिक-आउटपुट मुक्त अंतरिक्ष ऑप्टिकल संचार प्रणाली एक गामा-गामा लुप्त होती चैनल पर इशारा करते हुए त्रुटियों के साथ. एप्लाइड ऑप्टिक्स, 59 (1), 59-67 <https://doi.org/10.1364/ao.59.000059>
261. मोहापात्रा, एस., साहू, पी. के., रथ, एस. और मर्ती, एन. वी. एन. (2020)। एकल-क्रिस्टल अल्ट्रा-शुद्ध आंतरिक डायमंड के दोषपूर्ण विशेषताएं और संख्यात्मक मॉडलिंग हीरा और संबंधित सामग्री, 106. <https://doi.org/10.1016/j.diamond.2020.107822>

262. मोहापात्रा, एस., साहू, पी. के., रथ, एस., साहू, पी. के., वर्मा, एस. और नारसिंह मूर्ती, एन. वी. एल. (2020)। हीरा फोटोडेटर्स के यूवी प्रतिक्रिया पर नाइट्रोजन प्रेरित दोष गतिशीलता का प्रभाव सुपरलेटस्ट्स और माइक्रोस्ट्रक्चर, 142. <https://doi.org/10.1016/j.sppi.2020.106504>
263. मोहापात्रा, एस., सतापति, जी., डैश, एस. पी., और साहू, पी. आर. (2020)। अपूर्ण सीएसआई के साथ दृश्य प्रकाश संचार प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण आईईईईई कम्प्युनिकेशंस अक्षरों, 24 (12), 2844-2848 <https://doi.org/10.1109/lcomm.2020.3016044>
264. नरेंद्र कुमार रेड्डी, जी., सबारिमलाई मणिकंदन, एम., और नरसिंह मोर्ती, एन. वी. एल. (2020)। ऑन-डिवाइस इंटीग्रेटेड पीपीजी क्वालिटी आकलन और सिपेटिक विंटेनक्शन / एटेक्ट मॉनिटरिंग के लिए संतृप्ति पहचान प्रणाली. इंस्ट्रूमेंटेशन और मापन पर आईईईईई लेनदेन, 69 (9), 6351-6361 <https://doi.org/10.1109/tim.2020.2971132>
265. पटी, ए. के., और साहू, एन. सी. (2020)। इन्वर्टर-आधारित हाइब्रिड फोटोवोल्टेइंट-बट्टी सिस्टम नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए एक सुपर मोड स्लाइडिंग मोड ऑब्ज़र्वर. माप और नियंत्रण संस्थान के 420 (12), 2139-2154 <https://doi.org/10.1177/0142331220906964>
266. मोती, एच., पिनिस्टीटी, एस., छप, पी. एस. कू, एम. एम., और गन् एक, (2020)। औद्योगिक नियंत्रण प्रणालियों पर साइबर-शारीरिक हमलों को कम करने के लिए स्मार्ट आई / ओ मॉड्यूल औद्योगिक सूचना विज्ञान पर आईईईईई लेनदेन, 16 (7), 4659-4669 <https://doi.org/10.1109/tii.2019.2945520>
267. प्रियदर्शी, ए. कार, पी. के., और करकी, एस. बी. (2020)। डायोड-कैपेसिटर वोल्टेज गुणक सर्किट के आधार पर एक विस्तृत लोड रेंज ZVS उच्च वोल्टेज हासिक डीसी-डीसी बूस्ट कनवर्टर. विद्युत ऊर्जा प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन, 30 (1)। <https://doi.org/10.1002/2050-7038.12171>
268. प्रियदर्शिनी, एम., कुमार, एस., बेरा, पी., और रहमान, एम. ए. (2020)। एसडीएन नियंत्रकों के लिए एक ऊर्जा कुशल भार वितरण ढांचा कंप्यूटिंग, 102 (9), 2073-2098 <https://doi.org/10.1007/s00607-019-00751-2>
269. रेड्डी, बी. आर., और डैश, एस. पी. (2020)। नकलैम-एम शोर वातावरण में पीएलसी प्रणाली के लिए इष्टतम क्यूपीएस नक्षत्र. आईईईईई कम्प्युनिकेशंस अक्षरों, 24 (6), 1206-1210 <https://doi.org/10.1109/lcomm.2020.2980822>
270. रुची केकेटा, एस. और घोष, डी. (2020)। मानव हड्डी स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए माइक्रोवेव सेंसिंग एईयू - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्युनिकेशंस, 127. <https://doi.org/10.1016/j.aueue.2020.153469>
271. साहू, बी, साहू, बी, सामनराय, एस. आर. एंड, भाल्जा, बी. (2020)। ट्रांसमिशन सिस्टम के व्यापक क्षेत्र बैंक अप अप संरक्षण को बढ़ाने के लिए दूरी रिले का एक प्रभावी क्षेत्र -3 पर्यवेक्षण. बिजली वितरण पर आईईईईई लेनदेन <https://doi.org/10.1109/tpwr.2020.3035885>
272. साहू, के. एस, त्रिपाठी, बी के के., नाइक, के., रमसबुब्रुडी, एस., बासुमी, बी, खरी, एम. और एंड बर्गोस, डी. (2020)। सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क में डीडीओएस हमला पहचान के लिए एक विकासवादी एसवीएम मॉडल आईईईईई पहुंच, 8, 132502-132513 <https://doi.org/10.1109/access.2020.3009733>
273. साहू, एच. के., और साहू, पी. आर. (2020)। एसएसके मॉडुलन के साथ दोहरे हॉप एएफ रिले सिस्टम पर सममित और असममित लुप्त होती चैनलों का प्रभाव. वायरलेस नेटवर्क, 26 (3), 1887-1896 <https://doi.org/10.1007/s11276-018-1876-z>
274. सैनी, एम., पायल, और सातजा, यू. (2020)। विविधता मोड अपघटन पर आधारित एकल-चैनल ईईजी सिग्नल से ओक्यूर्ट आर्टिफैक्ट हटाने के लिए एक प्रभावी और मजबूत ढांचा. आईईईईई सेंसर जर्नल, 20 (1), 36 9-376 <https://doi.org/10.1109/jsen.2019.2942153>
275. सरकार, ए. और घोष, डी. (2020)। मशीन सीखने का उपयोग करके आईआर-यूडब्ल्यूबी सिसो रडार से कई इंसानों के निदक का पता लगाना. आईईईईई सेंसर पत्र, 4 (1)। <https://doi.org/10.1109/lsens.2019.2961962>
276. सतपथी, ए. पांडा, जी., गोगुला, आर., और शर्मा, आर. (2020)। पीरियडोनियल रोग के निदान के लिए कम जटिलता अनुकूली गैर-लाइन मॉडल. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेंसर, वायरलेस कम्प्युनिकेशंस और कंट्रोल, 10 (4), 508-521. <https://doi.org/10.2174/2210327909666191211125358>
277. सेख, ए. ए., डोगरा, डी. पी., चोई, एच., चाई, एस. और किम, आई -जे. (2020)। स्पैटियो-टेम्पलल ट्यूबों का विश्लेषण करके व्यक्ति में फिर से पहचान मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 79 (33-34), 24537-24551 <https://doi.org/10.1007/s11042-020-09096-x>
278. सेख, ए. ए., डोगरा, डी. पी., कार, एस. और रॉय, पी. पी. (2020)। अनोलेस्टेड क्लस्टरिंग और मल्टी-मानदंड रैंकिंग का उपयोग करते हुए वीडियो प्रक्षेपक विश्लेषण. सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 24 (21), 16643-16654 <https://doi.org/10.1007/s00500-020-04967-9>
279. सेख, ए. ए., डोगरा, डी. पी., कार, एस., रॉय, पी. पी. और प्रसाद, डी. के. (2020)। क्या हम आरेखनीय तर्क को स्वचालित कर सकते हैं? पैटर्न मान्यता, 106. <https://doi.org/10.1016/j.patcog.2020.107412>

280. सेख, ए.ए., डोगरा, डी. पी., कार, एस., रॉय, पी. पी. और प्रसाद, डी. के. (2020)। एल्म-एचटीएम निर्देशित जैव-प्रेरित अनजानता के लिए अनोखी प्रक्षेपवक्र वर्गीकरण के लिए. संज्ञानात्मक सिस्टम्स अनुसंधान, 63, 30-41 <https://doi.org/10.1016/j.cogsys.2020.04.003>
281. सेठी, के., प्रधान, ए. और बेरा, पी. (2020)। आउटसोर्सिंग डिफ्रिप्शन और एक्सेस पॉलिसी अपडेट के साथ व्यावहारिक ट्रेसबल योग्य मल्टी-एंट्रीटी सीपी-एबीई. जर्नल ऑफ सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोग, 51. <https://doi.org/10.1016/j.jisa.2019.102435>
282. शर्मा, एन के के., और सामनाररा, एस आर. (2020)। पीएमयू ने एकीकृत प्रतिबाधा कोण-आधारित माइक्रोग्रिड संरक्षण योजना की सहायता की. बिजली वितरण पर आईईईई लेनदेन, 35 (1), 183-193 <https://doi.org/10.1109/tpwr.2019.2925887>
283. थॉमस, ए. और राजन, बी एस. (2020)। सामान्यीकृत सूचकांक कोडिंग समस्या और असतत पॉलीमैट्रॉइड एंट्रोपी, 22 (6) <https://doi.org/10.3390/e22060646>
284. त्रिपाठी, बी के के., जेना, एस के., बेरा, पी., और दास, एस. (2020)। मोबाइल एड हॉक नेटवर्क के लिए एक अनुकूली सुरक्षित और कुशल रूटिंग प्रोटोकॉल वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 114 (2), 1339-1370 <https://doi.org/10.1007/s11277-020-07423-x>
285. त्रिपाठी, बी के के., साहू, के एस एस, लुच, ए. के., झंझी, एन. जेड, और जेना, एस के.ए. (2020)। एनएफवी का उपयोग करते हुए ओपनफ्लो नियंत्रक के लिए एक आभासी निष्पादन मंच जर्नल ऑफ किंग सऊद विश्वविद्यालय - कंप्यूटर और सूचना विज्ञान <https://doi.org/10.1016/j.jksuci.2020.03.001>
286. वेनूरुपुल्ली, पी., गोविंदासवा, पी. के., और पायुप्पूरडीडीआई, वी. एस. आर. (2020)। अवशेष मॉनिटर ऑन-चिप इंटरकनेक्ट्स पर एक साथ द्विदिश सिग्नलिंग के लिए प्रभारी-सक्षम अनुकूलन के लिए प्रभार सक्षम है. माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक जर्नल, 104. <https://doi.org/10.1016/j.mejo.2020.104899>
287. वरीय, एन., चौधरी, ए आर., और मंडल, पी. (2020)। ऑनपीप ग्लोबल इंटरकनेक्ट्स में मल्टीपॉइंट-टू-मल्टीपॉइंट सिग्नलिंग के लिए हाइब्रिड द्विदिश ट्रांसीवर आईईटी सर्किट, डिवाइसेज और सिस्टम, 14 (6), 780-787. <https://doi.org/10.1049/iet-cds.2019.0465>
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ**
288. भट्टाचार्य, पी., और पांडा, पी. (2020)। लुभावना, स्त्रीत्व, और हंसदा बोवकी की रहस्यमय बीमारी के हंसदा शवर्ण में गुस्से का अभ्यास और प्रचार. आईआईटी जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज, 15 (4), 7-16
289. कुमार, एस., साहू, एन. सी., और कुमार, पी. (2020)। पोस्टिंग उदारीकृत भारत में बीमा की खपत और आर्थिक वृद्धि: एक अनुभवजन्य विश्लेषण एशियाई आर्थिक और वित्तीय समीक्षा, 10 (2), 218-228 <https://doi.org/10.18488/journal.aefr.2020.102.218.228>
290. मोहापात्रा, डी., सुना, एस., और साहू, डी. (2020)। एमजीएनएगाए की प्रभावकारिता के लिए लाभार्थियों की धारणा: ओडिशा, भारत के कालाहांडी जिले से एक माइक्रो स्तर विश्लेषण. एगर, 2020 (2 9), 107-129 <https://doi.org/10.4422/ager.2020.03>
291. नायक, एस., और साहू, डी. (2020)। 1991 के बाद भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह के आयाम. FII B व्यापार की समीक्षा, 9 (2), 106-117 <https://doi.org/10.1177/2319714520914203>
292. पांडा, पी. (2020)। थॉमस राज में स्वदेशी हास्य कल्लुए के पीछे है: एक इकोक्रिटिकल परिप्रेक्ष्य अमेरिकी हास्य में अध्ययन, 6 (2), 323-340 Jstor. <https://doi.org/10.5325/studamerhumor.6.2.0323>
293. साहू, ए. के., साहू, डी., और साहू, एन. सी. (2020)। उत्पादकता विकास और नीति परिवर्तन: भारतीय धातु खनन का एक अपघटन विश्लेषण. सार्वजनिक मामलों के जर्नल, 20 (3)। <https://doi.org/10.1002/pa.2118>
294. साहू, एन. सी., और कुमार, पी. (2020)। भारत में सीओ 2 उत्सर्जन पर वैश्वीकरण, वित्तीय विकास, ऊर्जा खपत और आर्थिक विकास का प्रभाव: एआरडीएल दृष्टिकोण से सबूत जोब, 8 (3), 241-245 <https://doi.org/10.18178/joebm.2020.8.3.644>
295. ठाकुरता, आर., बस, ए. और एंडबैक, एन. (2020)। प्रौद्योगिकी संक्रमण को समझना: पीसी से टेबलेट कंप्यूटर से संक्रमण पर एक क्रॉस-सांस्कृतिक अध्ययन. इंडर साइंस, 82 (2/3), 276-321 <https://doi.org/10.1504/ijtm.2020.108986>
- आधारिक संरचना विद्यापीठ**
296. बागची, एस., और बाहेरा, एम., (2020)। कम लागत वाली माइक्रोबियल ईंधन सेल के प्रदर्शन पर एंटीबायोटिक एम्पिसिलिन के प्रभाव का मूल्यांकन करना. जर्नल ऑफ होज़र्डस, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे, 24 (3)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000516](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000516)
297. बाउरी, के. पी., और सरकार, ए. (2020)। अशांत के भीतर अशांत फसलिंग घटनाओं को संरक्षित जलमग्न सिलेंडर के चारों ओर छेद घूमता है. जर्नल ऑफ टनबुलेन्स, 21 (2), 53-83 <https://doi.org/10.1080/14685248.2020.1733587>
298. बीरहा, बी, और साहू, यू. सी. (2020)। क्रॉस-एनिसोट्रोपिक सामग्री गुणों के साथ लचीला फुटपाथ का विश्लेषण अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका फुटपाथ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, 13 (4), 411-416 <https://doi.org/10.1007/s42947-020-0284-9>

299. बीरहा, बी, और साहू, यू. सी. (2020)। नमक ऊर्जा का उपयोग थक गई ऊर्जा का उपयोग करते हुए स्थिर सामग्री अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका फुटपाथ अनुसंधान और प्रौद्योगिकी, 13 (4), 434-441 <https://doi.org/10.1007/s42947-020-0274-y>
300. बीरहा, बी, साहू, यू. सी., और मिश्रा, डी. (2020)। क्रॉसपेव: एक बहु-परत लोचदार विश्लेषण कार्यक्रम जो कि असंबद्ध कुल फुटपाथ परतों के तनाव-निर्भर और क्रॉस-एनिसोट्रोपिक व्यवहार को देखते हुए. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ पै फुटमैटर इंजीनियरिंग <https://doi.org/10.1080/10298436.2020.1821025>
301. बिस्वाल, डी. आर, साहू, यू. सी., और डैश, एस. आर. (2020)। सीमेंट-स्थिर दानेदार की फटिंग विशेषताओं की आवश्यकताएं जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग पार्ट बी: फुटपाथ, 146 (1)। <https://doi.org/10.1061/jpeodx.0000147>
302. बिस्वाल, डी. आर, साहू, यू. सी., और डैश, एस. आर. (2020)। सीमेंट के मैकेनिकल विशेषताओं को फुटपाथ की स्ट्रक्चरल परत के रूप में उपयोग के लिए बादल की धरती के बाद की आवश्यकता होती है. सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन, 21 (5), 1201-1223 <https://doi.org/10.1080/14680629.2018.1545687>
303. बिस्वाल, डी. आर, साहू, यू. सी., और डैश, एस. आर. (2020)। सीमेंट-स्थिर दानेदार की एकमात्र विनाशकारी ताकत और कठोरता का मूल्यांकन. सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन, 21 (3), 835-849 <https://doi.org/10.1080/14680629.2018.1511458>
304. चक्रवर्ती, पी., और सरकार, ए. (2020)। एक सिनेमाइडल बिस्तर पर एक यादृच्छिक कठोर जलमग्न वनस्पति के माध्यम से अशांत प्रवाह. जर्नल ऑफ एप्लाइड वॉटर इंजीनियरिंग और रिसर्च, 9 (2), 147-160 <https://doi.org/10.1080/23249676.2020.1844602>
305. चामलिंग, पी. के., हल्दार, एस., और पेट्रा, एस. (2020)। रेलवे गिट्टी के रूप में इस्पात लावा के फिजिको-रसायन और यांत्रिक लक्षण भारतीय भू-तकनीकी जर्नल, 50 (2), 267-275 <https://doi.org/10.1007/s40098-020-00421-7>
306. चंडा, डी., साहा, आर., और हल्दार, एस. (2020)। संयुक्त वी-एम-एच लोडिंग के अधीन रेत में ढेर की चढ़ाई का व्यवहार. महासागर इंजीनियरिंग, 216. <https://doi.org/10.1016/j.oceaneng.2020.107596>
307. चौधरी, सी. एच., चंदा, डी., साहा, आर., और हल्दार, एस. (2020)। मिट्टी-पिल्ड बेड़ा-स्टैटिक प्रणाली के भूकंपीय व्यवहार पर तीन आयामी संख्यात्मक विश्लेषण. संरचनाएं, 28, 905-922 <https://doi.org/10.1016/j.istruc.2020.09.024>
308. हल्देर, डी., खेरोर, एस. श्रीवास्तव, आर के के., और पांडा, आर. के. (2020)। पूर्वी भारत में मूंगफली और खरीफ चावल की उपज पर भविष्य के जलवायु परिवर्तनशीलता और संभावित अनुकूलन रणनीतियों का मूल्यांकन. सैद्धांतिक और लागू क्लाइमेटोलॉजी, 140 (3-4), 823-838 <https://doi.org/10.1007/s00704-020-03123-5>
309. हुआंग, एस., गर्ग, ए., मेई, जी., हुआंग, डी., चंद्र, आर. बी, और सदसिव, एस. जी. (2020)। उपन्यास बायोचर के आवेदन में हरे छतों के जल विज्ञान के प्रदर्शन पर प्रायोगिक अध्ययन जल विज्ञान प्रक्रियाओं, 34 (23), 4512-4525 <https://doi.org/10.1002/hyp.13881>
310. जयसी, पी., और रेम्या, एन. (2020)। PUMCETAMILL का Putcetamolic का उपयोग करने के लिए SummanSilicate समर्थित Tio2 जल विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 82 (10), 2114-2124 <https://doi.org/10.2166/wst.2020.484>
311. जेना, एस., पांडा, आर. के., रमदास, एम., मोहंती, बी पी., और पटनाका, एस के.ए. (2020)। भूजल भंडारण और चित्रण रिहाई करने के संभावित क्षेत्रों को रिसाइज़-जीआईएस-एएचपी का प्रयोग करना: आरक्षण योग्य विस्तार में आवेदन. रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन: सोसाइटी और पर्यावरण, 19. <https://doi.org/10.1016/j.rsase.2020.100354>
312. जोती सारवन, टी. (2020)। निर्देशित रणनीति दृष्टिकोण का उपयोग करके एक अक्षय प्रकार के बेलनाकार वेवगाइड में मौलिक मोड के लिए निर्देशित वेव फैलाव विशेषताओं की जांच. उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी <https://doi.org/10.1080/15376494.2020.1777601>
313. लियू, जे., गणेश, एस पी., ली, एक्स., गर्ग, ए., सिंघल, ए, डोसेटी, के. डी., और फेंग, एच. (2020)। चीन के क्विगदाओ क्षेत्र से तटीय मिट्टी और उपन्यास पीच बायोचर के एक केस अध्ययन के बायोचेर-सिल्टी मिट्टी इंटरैक्शन की गतिशीलता: स्थिरता (स्विट्जरलैंड), 12 (7) <https://doi.org/10.3390/su12072599>
314. मल्लिकार्जुना, सी., और डैश, आर आर. (2020)। औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार के लिए व्युत्क्रम द्रवों के बायोरिएक्टर के हाइड्रोडायनामिक पैरामीटर और बायोफिल्म लक्षणों पर एक समीक्षा. जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, 8 (5)। <https://doi.org/10.1016/j.jece.2020.104233>
315. मेई, जी., कुमार, एच., रेड्डी, एन. जी., हुआंग, एस., बालाजी, सी. आर, सदसिव, एस. जी, और झू, एच.एच. (2020)। Geometireters की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना- Landfill लाइनर के लिए संशोधित मिट्टी: एक तुलनात्मक अध्ययन जर्नल ऑफ होन्डसस, विषाक्त, और रेडियोधर्म कचरे, 24 (4)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000551](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000551)

316. मिश्रा, एम. सी., और राव, बी. एच. (2020)। बड़े पैमाने पर कार्बनिक एसिड के साथ लाल मिट्टी का निष्पादन और पीएच पलटाव को कम करने में उनकी उपयोगिता का आकलन. *जर्नल ऑफ होज़र्ड्स, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे*, 24 (1)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000469](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000469)
317. मिश्रा, एम. सी., रेड्डी, एन. जी., और राव, बी. एच. (2020)। बेहद क्षारीय बाँवसाइट अवशेष के उपचार के लिए साइट्रिक एसिड की क्षमता: जेटोटेक्निकल और जियोओन्विरन्सल गुणों पर प्रभाव. *जर्नल ऑफ होन्डसस, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे*, 24 (4)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000541](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000541)
318. मिश्रा, एम., बर्मन, एस के., माईटी, डी., और मैटी, डी. के. (2020)। कंपन प्रतिक्रियाओं में परिवर्तन से बड़े पैमाने पर स्थानिक टूस के लिए क्षति के निर्धारण में 10 मेटाब्योरिस्टिक तकनीकों के प्रदर्शन अध्ययन सिविल इंजीनियरिंग में कंप्यूटिंग जर्नल, 34 (2) [https://doi.org/10.1061/\(asce\)cp.1943-5487.0000872](https://doi.org/10.1061/(asce)cp.1943-5487.0000872)
319. मिश्रा, एम., बाससन, एम. एस., रामना, जी वी., और वासालो, आर. (2020)। पूर्वी भारत में एक तटबंध विफलता पर लागू ढलान स्थिरता विश्लेषण के लिए एंटी कॉलोनी अनुकूलन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ गियो-इंजीनियरिंग, 11 (1)। <https://doi.org/10.1186/s40703-020-00110-7>
320. मिश्रा, एम., भाटिया, ए एस., और मतारी, डी. (2020)। नॉन्डिस्ट्रिक्टिव टेस्टिंग के माध्यम से एक संग्रहालय के मामले में मान्य मशीनरी सीखने की तकनीक का उपयोग करके बिना निरंतर ईंट चिनाई की संपीड़न शक्ति की भविष्यवाणी करना. *जर्नल ऑफ सिविल स्ट्रक्चरल स्वास्थ्य मॉनिटरिंग*, 10 (3), 38 9-403 <https://doi.org/10.1007/s13349-020-00391-7>
321. मिश्रा, एम., रमन, जी. वी., और मतारी, डी. (2020)। ढलान स्थिरता विश्लेषण में महत्वपूर्ण पर्वी सतह पर कब्जा करने के लिए बहुवचन अनुकूलन एल्गोरिथ्म. *जिओटेक्निकल और भूवैज्ञानिक इंजीनियरिंग*, 38 (1), 45 9-474 <https://doi.org/10.1007/s10706-019-01037-2>
322. मोहंती, एम., डे, पी. पी., और पांडा, बी. (2020)। सरोगेट सुरक्षा उपायों का उपयोग करते हुए औसत उद्घाटन में यातायात सुरक्षा का आकलन: भारत में एक मामला अध्ययन यूरोपीय परिवहन - ट्रांसपोर्ट यूरोप, 80, 1-12
323. मोहंती, एम., और डे, पी. पी. (2020)। यू-मोड़ के कारण प्रमुख स्टीम ट्रैफिक के लेन बदलते व्यवहार को मॉडलिंग करना. *परिवहन इंजीनियरिंग*, 2. <https://doi.org/10.1016/j.treng.2020.100012>
324. नामबीर, एन., रेग्या, एन., और वर्सेस, जी के.ए. (2020)। कम्पनीट लैंडफिल लाइनर में संशोधन के रूप में कचरे की सामग्री का प्रभावी पुनः उपयोग: भू-तकनीकी गुणों और प्रदूषात्मक प्रतिधारण क्षमता का मूल्यांकन. *अपशिष्ट प्रबंधन और अनुसंधान*, 38 (2), 134-141 <https://doi.org/10.1177/0734242x19886920>
325. पेट्रा, एस के., और हल्दार, एस. (2020)। द्रवीय ब्याज में एक-दूसरे और एक-से-पक्ष-पक्ष की ओर से एक्शन-ऑफ-टू-साइड रिस्पांस की ओरयूअर पवन टरबाइन समुद्री जियोसोरोस और जियोटेक्नोलॉजी <https://doi.org/10.1080/1064119x.2020.1843570>
326. पेट्रा, एस., और शाहु, जे. टी. (2020)। Pasternak मॉडल पर आधारित प्रबलित मिट्टी की दीवार का छिद्रित-स्थिर विश्लेषण. *भारतीय भू-तकनीकी जर्नल*, 50 (2), 252-260 <https://doi.org/10.1007/s40098-019-00400-7>
327. प्रधान, एस के., और साहू, यू. सी. (2020)। पुनःप्राप्त डामर (आरएपी) सामग्री के उच्च उपयोग के लिए पोंगामिया पिननाटा तेल के प्रभाव को फिर से पेश किया. *अभिनव बुनियादी ढांचा समाधान*, 5 (3) <https://doi.org/10.1007/s41062-020-00343-6>
328. प्रियंका, के., बेहेरा, एम., और नीलनचेरी, आर. (2020)। कोरसॉर पर फॉस्फेट सोखना के गतिज अध्ययन के साथ, एक साथ निचले नाइट्रिकेशन, अस्वीकरण, और फास्फोरस हटाने का उपयोग करके बैच रिएक्टर के गठन के लिए ग्रेवॉटर उपचार. *जर्नल ऑफ होज़र्ड्स, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे*, 24 (3)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000504](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000504)
329. पुणेना, डी., और कांट, टी. (2020)। झुकने और मुक्त कंपनी के लिए परिष्कृत पदानुक्रमित Kinmatic मॉडल का आकलन टुकड़े टुकड़े में और कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सैंडविच बेलनाकार पैनलों का विश्लेषण. *जर्नल ऑफ सैंडविच संरचनाएं और सामग्री* <https://doi.org/10.1177/1099636220909826>
330. रचुधुरी, ए. और बेहेरा, एम. (2020)। माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं में आवेदन के लिए चावल के हस को राशी के साथ संशोधित सिरैमिक झिल्ली. *इलेक्ट्रोचिमिका एक्टा*, 363. <https://doi.org/10.1016/j.Electacta.2020.137261>
331. रचुधुरी, ए. और बेहेरा, एम. (2020)। चावल मिल अपशिष्ट जल उपचार के दौरान माइक्रोबियल ईंधन सेल में मेथनोजेनेसिस दमन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन. *पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार*, 17. <https://doi.org/10.1016/j.eti.2019.100509>
332. रेड्डी, एन. जी., नोंगमिटेम, आर एस., बसु, डी., और राव, बी. एच. (2020)। लाल मिट्टी के कचरे की ताकत की विशेषताओं में सुधार के लिए बायोपॉलिमर्स के आवेदन पर्यावरण भू-तकनीकी, 1-20 <https://doi.org/10.1680/jenge.19.00018>
333. रेड्डी, पी. एस, मोहंती, बी, और राव, बी. एच. (2020)। विशाल मिट्टी के सूजन व्यवहार पर मिट्टी की सामग्री और मॉन्टमोरिलोनाइट सामग्री का प्रभाव. *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ जियोसिनेटिक्स और ग्राउंड इंजीनियरिंग*, 6 (1)। <https://doi.org/10.1007/s40891-020-0186-6>

334. रेम्या, एन., और सिंह, ए. (2020)। सोखना परीक्षा में प्रसार और प्रसार सेल टेस्ट-एक तुलनात्मक विश्लेषण द्वारा सल्फामेथोक्साजोल के भाग्य का अनुमान. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ वातानुकूलन और अपशिष्ट प्रबंधन, 25 (4), 441-453 <https://doi.org/10.1504/ijewm.2020.107564>
335. राउट, ए. और सरकार, ए. (2020)। संरिखण कोण में परिवर्तन के कारण जलमग्न अग्रानुक्रम और ऑफसेट सिलेंडर के आसपास स्थानीय घुमक्कड़. सिविल इंजीनियर्स की संस्था की कार्यवाही: जल प्रबंधन, 173 (1), 14-30 <https://doi.org/10.1680/jwama.18.00030>
336. रॉय, एस., और बसु, डी. (2020)। एक्सेस सड़कों पर उचित साइडवॉक सुविधा का चयन करने के लिए शहरी बस-रोक वाले कैशमेंट का वर्गीकरण. वर्तमान विज्ञान, 119 (2), 1-10 <https://doi.org/10.18520/cs/v119/i2/364-373>
337. रॉय, एस., और बसु, डी. (2020)। चलने वाले पहुंच वाले उपयोगकर्ताओं की यात्रा की स्थिति में सुधार के लिए हस्तक्षेप क्षेत्रों का चयन उनकी पहुंच पर ध्यान केंद्रित करने के लिए: भुवनेश्वर में एक अनुभव. परिवहन नीति, 96, 29-39 <https://doi.org/10.1016/j.tranpol.2020.06.004>
338. सबू, एन., निर्मल प्रसाद, ए. सुखी, एम., चौधरी, एम. और चंद्रप्पा, ए. के. (2020)। पुनर्नवीनीकरण डामर फुटपाथ (आरएपी) के उपयोग का प्रभाव पवित्र पॉवर ब्लॉकों (पीपीबी) के प्रदर्शन पर समुच्चय. निर्माण और निर्माण सामग्री, 262. <https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2020.120581>
339. साहा, आर., देनाथ, आर., डैश, एस. और हल्दार, एस. (2020)। इंजीनियरिंग टोहमोनिका 5 जनवरी, 2017 को तृणा 5.7 त्रिपुरा भूकंप के बाद. निर्माण की पूर्णता, 34 (4) के प्रदर्शन के जर्नल. [https://doi.org/10.1061/\(asce\)cf.1943-5509.0001446](https://doi.org/10.1061/(asce)cf.1943-5509.0001446)
340. साहा, आर., दत्ता, एस सी., हल्दार, एस., और कुमार, एस. (2020)। लोचदार और असाधारण भूकंपीय व्यवहार पर मिट्टी-ढेर रफ़्ता-संरचना बातचीत का प्रभाव. संरचनाएं, 26, 378-395 <https://doi.org/10.1016/j.istruc.2020.04.022>
341. साहू, डी., और रेम्या, एन. (2020)। चावल के हकीक के माइक्रोवेव पाइरोलिस पर ऑपरेटिंग पैरामीटर का प्रभाव: बायोचर उपज, ऊर्जा उपज, और बायोचर की संपत्ति बायोमास रूपांतरण और बायोरफिनरी <https://doi.org/10.1007/s13399-020-00914-8>
342. साहू, एस., बिस्वाल, यू एस एस, और पसाला, डी. (2020)। पुनर्नवीनीकरण कुल का उपयोग करके कंसक्रेट्स का विकास और प्रदर्शन मूल्यांकन. भारतीय कंक्रीट जर्नल, 94 (1), 43-50
343. सरवनन, टी. जे. (2020)। एक अक्षय तत्वों के बेलनाकार वावगाइड में अल्ट्रासोनिक निर्देशित लहर प्रसार मोड पर अभिसरण अध्ययन. उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी <https://doi.org/10.1080/15376494.2020.1842949>
344. सतपथी, एम., राउट, पी. आर., डैश, आर आर., एंड डैश, ए. के. (2020)। डोलोकर द्वारा जलीय समाधानों से वस्त्र रंजक को हटाने: संतुलन, काइनेटिक, और थर्मोडायनामिक अध्ययन. जर्नल ऑफ होज़र्ड्स, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे, 24 (3)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000509](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000509)
345. शमी, एस., डैश, आर आर., वर्मा, ए. के., डैश, ए. के., और प्रधान, ए. (2020)। डोलोकर का उपयोग करके सर्फैक्टेंट का अनुपयोगी हटाने: एक काइनेटिक और सांख्यिकीय मॉडलिंग दृष्टिकोण. जल पर्यावरण अनुसंधान, 92 (2), 222-235 <https://doi.org/10.1002/wer.1193>
346. शमी, एस., डैश, आर आर., वर्मा, ए. के., डैश, ए. के., और प्रधान, ए. (2020)। डोलोकर का उपयोग करके एनियोनिक सर्फैक्टेंट को हटाने के लिए तंत्रिका मॉडलिंग और प्रक्रिया डिजाइन जर्नल ऑफ होज़र्ड्स, विषाक्त, और रेडियोधर्मी कचरे, 24 (3)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)hz.2153-5515.0000492](https://doi.org/10.1061/(asce)hz.2153-5515.0000492)
347. सिंह, जी., पांडा, आर के के., और नायर, ए. (2020)। पूर्वी भारत के मध्य-महाडीदी नदी बेसिन में कृषि-जलवायु क्षेत्र पर वर्षा पैटर्न की क्षेत्रीय पैमाने पर प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता. जर्नल ऑफ हाइड्रो-पर्यावरण अनुसंधान, 29, 5-19 <https://doi.org/10.1016/j.jher.2019.11.001>
348. श्रीवास्तव, आर. के., डॉ., पांडा, आर. के., प्रोफेसर, और चक्रवर्ती, ए. प्रोफेसर (2020)। वर्षा और सिंचाई की स्थिति के तहत मक्का फसल के लिए कृषि प्रबंधन के लिए नाइट्रोजन परिवर्तन और लिफ्टिंग प्रतिक्रिया का ठहराव. पर्यावरण प्रदूषण, 265. <https://doi.org/10.1016/j.envpol.2020.114866>
349. श्रीवास्तव, आर. के., पांडा, आर. के., चक्रवर्ती, ए. और हल्देर, डी. (2020)। मिट्टी के स्तंभों में संतृप्त या असंतृप्त परिस्थितियों में निंदा की गई मिट्टी में नाइट्रेट लिफ्टिंग का मूल्यांकन. मिट्टी विज्ञान और संयंत्र विश्लेषण में संचार, 51 (4), 541-553 <https://doi.org/10.1080/00103624.2020.1718686>
350. श्रीवास्तव, आर. के., पांडा, आर. के., चक्रवर्ती, ए. और हल्देर, डी. (2020)। बारिश के नाइट्रोजन स्तरों के तहत पानी के उपयोग की दक्षता और अंडाकार पत्रे का मात्रात्मक आकलन और बारिश के नीचे और सिंचाई हुई मक्का के लिए बुवाई की तारीख. सैद्धांतिक और लागू क्लाइमेटोलॉजी, 13 9 (3-4), 1385-1400 <https://doi.org/10.1007/s00704-019-03005-5>
351. ताओरी, पी., डैश, एस आर., और मंडल, जी. (2020)। बाहरी ऊर्जा के साथ पोस्ट टाइन्ड हाइब्रिड कतरनी दीवारों की भूकंपी प्रतिक्रिया प्रतिरोधी (ईईडीआर)। जर्नल ऑफ द भूकंप इंजीनियरिंग <https://doi.org/10.1080/13632469.2020.1778587>

352. थियाग राजन, जे एस. (2020)। ध्वनिक उत्सर्जन निगरानी का उपयोग करते हुए पूर्व-तनावपूर्ण स्टील वायर के लिए गैर-विनाशकारी परीक्षण तंत्र सामग्री, 13 (21), 1-30 <https://doi.org/10.3390/ma13215029>
353. थियाग राजन, जे एस., और खुध्रथुलह इकबाल, एस ए. के. (2020)। परियोजना से प्रभावित लोगों की आर्थिक परिस्थितियों में सुधार: पुनर्वास और पुनर्वास पर केस अध्ययन. इंजीनियरिंग और निर्माण में कानूनी मामलों और विवाद समाधान के जर्नल, 12 (2)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)la.1943-4170.0000370](https://doi.org/10.1061/(asce)la.1943-4170.0000370)
354. वेंकटेश वर्मा, टी., सरकार, एस., और मंडल, जी. (2020)। ट्रेस संरचनाओं के आकार का आकार और आकार अनुकूलन करना. जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग (संयुक्त राज्य), 146 (5)। [https://doi.org/10.1061/\(asce\)st.1943-541x.0002590](https://doi.org/10.1061/(asce)st.1943-541x.0002590)
355. वर्मा, एम., रॉय, आई., और साहू, यू. सी. (2020)। भारत में खुले कार्ट खानों में ढलान की डिजाइन- एक तंत्रिक डिजाइन दृष्टिकोण पत्रिका इंजीनियर्स ऑफ इंडिया (भारत): जर्नल डी, 101 (2), 285-301 <https://doi.org/10.1007/s40033-020-00229-y>
356. अरुमुरु, वी., अग्रवाल, ए, और प्रभु, एस. वी. (2020)। एक परिपत्र पाइप में एक परिपत्र सिलेंडर पर प्रवाह पर प्रायोगिक जांच. तरल पदार्थों के भौतिकी, 32 (9) <https://doi.org/10.1063/5.0019725>
357. अरुमुरु, वी., पासा, जे., और सामनाररा, एस एस. (2020)। चेहरे मास्क और ढाल की छींकने और प्रभावकारिता का प्रयोगात्मक दृश्य. तरल पदार्थों के भौतिकी, 32 (11) <https://doi.org/10.1063/5.0030101>
358. बार्व, ए. प्रसाद, आर एन., और यादव, डी. के. (2020)। भारतीय संदर्भ में आपदा जोखिम में कमी की गतिविधियों का परीक्षण संबंध. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट, 16 (1), 1-21 <https://doi.org/10.1504/ijem.2020.110107>
359. बसु, एच. एस, बगा, एस एस., और कोंडराजू, एस. (2020)। एक पूरी तरह से युग्मित हाइब्रिड जालीटटमान और परिमित अंतर विधि आधारित क्षणिक प्रक्षेपक प्रवाह के अध्ययन: क्षणिक इलेक्ट्रोकिनेटिक सिमुलेशन रॉयल सोसाइटी ए की कार्यवाही: गणितीय, शारीरिक और इंजीनियरिंग विज्ञान, 476 (2242)। <https://doi.org/10.1098/rspa.2020.0423>
360. बुडारापू, पी. आर, ठाकुर, एस., कुमार, एस. और पगगी, एम. (2020)। नाक-जैसे समग्र संरचनाओं में इंजीनियर इंटरपेज की माइक्रोपैचिक्स उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी <https://doi.org/10.1080/15376494.2020.1733714>
361. दास, ए, पटेल, एस के के., बिस्वाल, बी. बी, साहू, एन., और प्रधान, ए. (2020)। एआईएसआई 4340 मिश्र धातु इस्पात की कड़ी मेहनत में एमक्यूएल तकनीक का उपयोग करते हुए विभिन्न कटिंग तरल पदार्थों का प्रदर्शन मूल्यांकन. मापन: अंतर्राष्ट्रीय माप परिसंघ के जर्नल, 150. <https://doi.org/10.1016/j.measurement.2019.107079>
362. दिनेश, बी वी. एस., और भट्टाचार्य, ए. (2020)। ऊर्जा की अवशोषण की तुलना पीसीएम-धातु फोम सिस्टम की विभिन्न ताकना आकार वितरण के साथ. ऊर्जा भंडारण के जर्नल, 28. <https://doi.org/10.1016/j.est.2019.101190>
363. गायकवाड़, एस. वी., महापात्रा, एम. एम, और मुलिक, आर एस. (2020)। ड्रिलिंग जोर और टोकर के माप के लिए ईईए के साथ अष्टकोणीय अंगूठी प्रकार डायनामोमीटर के डिजाइन, विकास और अंशांकन. जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड मूल्यांकन, 48 (4)। <https://doi.org/10.1520/jte20170791>
364. गांता, एन., महात्मा, बी, और भुमकर, वाई. जी. (2020)। एक सिलेंडर के प्रवाह के कारण उत्पन्न वायुगतिकीय ध्वनि की भविष्यवाणी संयुक्त स्थिर रोटेशन और रोटरी दोलन प्रदर्शन अकॉलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अटॉर्सेज ऑफ जियान, 147 (1), 325-336 <https://doi.org/10.1121/10.0000585>
365. जडन, एल., और अरुमुरु, वी. (2020)। भट्टा के साथ एक सीमित परिपत्र सिलेंडर की गर्मी हस्तांतरण और प्रवाह विशेषताओं पर संख्यात्मक जांच. थर्मल विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के जर्नल, 12 (5)। <https://doi.org/10.1115/1.4046061>
366. जाखार, ए, रथ, पी., चक्रवर्ती, पी. आर, और महापात्रा, एस के.र. (2020)। बाइनरी मिश्र धातु में थर्मल अनिसोट्रोपी: एक समकक्ष आइसोट्रोपिक मॉडल संख्यात्मक गर्मी हस्तांतरण, भाग बी: बुनियादी बातों, 385-411 <https://doi.org/10.1080/10407790.2020.1787759>
367. खन्ना, एन., शाह, पी., और चेतन (2020)। 15-5-पीएच एसएस मिश्र धातु की मशीनिंग के दौरान सूखी, बाढ़, एमक्यूएल और क्रायोजेनिक सीओ 2 तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण. ट्राइबोलॉजी इंटरनेशनल, 146. <https://doi.org/10.1016/j.triboint.2020.106196>
368. लाम्बा, डी., यादव, डी. के., बारव, ए, और पांडा, जी. (2020)। फजी-विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया का उपयोग करते हुए ई-कॉमर्स आपूर्ति श्रृंखला के रिवर्स लॉजिस्टिक्स में बाधाओं को प्राथमिकता देना. इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च, 20 (2), 381-403 <https://doi.org/10.1007/s10660-019-09333-y>
369. महाराणा, एस. एम, प्रधान, ए. के., और पंडित, एम. के. (2020)। नैनोफिलर के यांत्रिक गुणों के प्रदर्शन मूल्यांकन को जूट-केवलर हाइब्रिड समग्र प्रबलित किया गया. प्राकृतिक फाइबर के जर्नल <https://doi.org/10.1080/15440478.2020.1777246>

यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

370. महातो, बी, गांटा, एन., और भुमकर, वाई. जी. (2020)। काउल प्लेट्स की एक जोड़ी का उपयोग करके एक स्क्रायर सिलेंडर के पीछे एक लामिना के प्रवाह के लिए वायुगतिकीय ध्वनि का शमन. तरल पदार्थों के भौतिकी, 32 (7)। <https://doi.org/10.1063/5.0010932>
371. महातो, बी, गांटा, एन., और भुमकर, वाई. जी. (2020)। लामिना के प्रवाह के बाद से एलईडी पंप के प्रवाह के बाद संख्याएं. संख्यात्मक गणित, 13 (1), 27-62 <https://doi.org/10.4208/nmtma.oa-2019-0042>
372. महातो, बी, नवीन, जी., और भुमकर, वाई. जी. (2020)। एक उपन्यास फैलाव संबंध का चयन करने वाले एक प्रजनन फैलाव संबंधों का उपयोग करके एरोकोउस्टिक्स और द्रव प्रवाह की समस्याएं. सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल ध्वनिकी के जर्नल, 28 (1)। <https://doi.org/10.1142/s2591728518500639>
373. मंडावा, आर के के., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। एक ढलान पर चलने वाले दो पैर वाले रोबोट के लिए एक अनुकूली पीड नियंत्रण एल्गोरिथ्म. तंत्रिका कंप्यूटिंग और एप्लीकेशन, 32 (8), 3407-3421 <https://doi.org/10.1007/s00521-019-04326-2>
374. मेहर, ए, महापात्रा, एम. एम, सैमल, पी., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। टीबी 2 के अपघर्षक पहनने के व्यवहार में प्रवाहित इन-स्टूनेस संश्लेषित मैग्नीशियम आरजेड 9 एमएल आधारित धातु मैट्रिक्स कंपोजिट. धातु और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय <https://doi.org/10.1007/s12540-020-00746-1>
375. मेहर, ए, महापात्रा, एम. एम, सैमल, पी., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। मैग्नीशियम आरजेड 5 मिश्र धातु आधारित मैट्रिक्स कंपोजिट के माइक्रोस्ट्रक्चरल या मैकेनिकल गुणों पर टीआईबी 2 सुट्टीकरण के प्रभाव पर अध्ययन. जर्नल ऑफ मैग्नीशियम और मिश्र, 8 (3), 780-792 <https://doi.org/10.1016/j.jma.2020.04.003>
376. मिश्रा, पी. के., प्रधान, ए. के., पंडित, एम. के., और पांडा, एस के.र. (2020)। चिपकने वाले बंधुआ स्पारिंग विंमिन जोड़ों के नि:शुल्क कंपन प्रतिक्रियाओं में डिलमिनेशन का प्रभाव. संरचनाओं और मशीनों के यांत्रिकी आधारित डिजाइन <https://doi.org/10.1080/15397734.2020.1858869>
377. मिश्रा, पी. के., प्रधान, ए. के., पंडित, एम. के., और पांडा, एस के.र. (2020)। थैमोलेस्टिक प्रभाव पर अंतर-लामिनार पर चिपकाने वाले डिलमिनेशन विशेषताओं में टुकड़े टुकड़े में एफआरपी कंपोजिट के साथ बनाया गया. स्टील और समग्र संरचनाएं, 35 (3), 43 9-447 <https://doi.org/10.12989/scs.2020.35.3.439>
378. मोहंती, आर एल., और दास, एम. के. (2020)। उबलते के भौतिकी के आधार पर गैर-आयामी दो चरण गर्मी हस्तांतरण सहसंबंध का विकास. थर्मल साइंसेज के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 156. <https://doi.org/10.1016/j.lndhermalsci.2020.106433>
379. मोहंती, आर एल., स्वेन, ए, और डा, एम. के. (2020)। सर्फेक्टेंट के उबलते व्यवहार का अध्ययन लेपित सतह पर खारा पानी जोड़ा गया. गर्मी और जन ट्रांसफर / WAERME- und Stoffuebertragung, 56 (7), 2079-2092 <https://doi.org/10.1007/s00231-020-02842-9>
380. मोहापात्रा, जे, नायक, एस., और महापात्रा, एम. एम (2020)। हल्के वजन संरचनाओं के लिए अल-4.5% सीयू -5% सीआईसी धातु मैट्रिक्स कंपोजिट के मैकेनिकल और ट्राइबोलॉजी गुण. हल्के सामग्री के निर्माण और 3, 2), 120-126 के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. <https://doi.org/10.1016/j.ijlmm.2019.09.004>
381. मुवला, जी., मुलिक, एस., और नाथ, ए. के. (2020)। इनकेल 7718 / टिक मैट्रिक्स मैट्रिक्स कम्पोजिट कोटिंग्स के लेजर क्लैडिंग के दौरान पिंडल पूल थर्मल इतिहास के आधार पर प्रक्रियाओं का विकास. सतह और कोटिंग्स प्रौद्योगिकी, 399. <https://doi.org/10.1016/j.surfcoat.2020.126100>
382. नायक, एस., मोहंती, जे आर., सैमल, पी. आर., और नंदा, बी के.ए. (2020)। पॉलीविनाइल क्लोराइड ने एरेका शीथ फाइबर कंपोजिट के साथ प्रबलित किया - एक प्रायोगिक अध्ययन जर्नल ऑफ फॉर्ब्स फाइबर, 17 (6), 781-792 <https://doi.org/10.1080/15440478.2018.1534186>
383. ओझा, एस., ठाकरे, जे. जी, गिरि, ए, पांडे, सी., महापात्रा, एम. एम. और मुलिक, आर एस. (2020)। स्टील पर कोटिंग्स में अवशिष्ट तनाव की प्रायोगिक और संख्यात्मक जांच जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड मूल्यांकन, 48 (6), 4370-4386. <https://doi.org/10.1520/jte20180247>
384. पारिडा, ए. भट्टाचार्य, ए, और रथ, पी. (2020)। चरण परिवर्तन सामग्री के धातु लक्षणों पर भ्रष्टाचार प्रभाव का प्रभाव-धातु फोम कम्पोजिट थर्मल ऊर्जा भंडारण प्रणाली. ऊर्जा भंडारण के जर्नल, 32. <https://doi.org/10.1016/j.est.2020.101804>
385. राज, के. एम. और अरुमुरु, वी. (2020)। दो साइड-बाय-साइड द्वारा जेट विक्षेपण एक हनफोफिल्स को एक शिष्टसुन द्रव में पिचिंग कर दिया. एआईपी अग्रिम, 10 (10) <https://doi.org/10.1063/5.0026263>
386. सैनी, एन., मुलिक, आर एस., और महापात्रा, एम. एम (2020)। वेल्डेड जोड़ों के ग्रैनजॉन इम्प्लान्ट परीक्षण का उपयोग करके ग्रेड पी 9 2 स्टील के एम्ब्रेटलमेंट पर वेल्डिंग प्रक्रिया पैरामीटर का प्रभाव. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ हाइड्रोजन ऊर्जा, 45 (16), 10189-10198 <https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2020.01.146>
387. सैनी, एन., मुलिक, आर एस., महापात्रा, एम. एम, कन्नन, आर., शर्मा, एन. के., और ली, एल. (2020)। डी-फेराइट का विघटन और पी 92 स्टील वेल्ड्स के यांत्रिक गुणों पर इसका प्रभाव. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग ए, 796. <https://doi.org/10.1016/j.ssea.2020.139370>

388. सैनी, एन., मुलिक, आर एस., महापात्रा, एम. एम., शर्मा, एन के के., और ली, एल. (2020)। रिब्यू-स्टेसिंग और फेरोचर स्ट्रॉर की ओर से फ्रेमर स्टील द्वारा लेवेज चरण का विघटन. सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यूनाइटेड किंगडम), 36 (5), 631-644 <https://doi.org/10.1080/02670836.2020.1724404>
389. समाल, पी., बाबू, डी. एम., किरण, एस. वी., सुखा, बी, वुंडावली, पी. आर., और मंडल, ए. (2020)। फोटोवोल्टिक अनुप्रयोग के लिए वायर-ईडीएम का उपयोग करके हाइपरेटक्टिक अल-एस मिश्र धातुओं के माइक्रोस्ट्रक्चरल और मशीनिंग विशेषताओं का अध्ययन. सिलिकॉन. <https://doi.org/10.1007/s12633-020-00742-5>
390. समाल, पी., मंडावा, आर के के., और वुंडावली, पी. आर. (2020)। सूद स्लाइडिंग पहनने के लिए एएडी 6082 धातु मैट्रिक्स कंपोजिट के लाल रंग की कणों के साथ प्रबलित. एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2 (2) <https://doi.org/10.1007/s42452-020-2136-2>
391. शाह, पी., खन्ना, एन., और चेतन (2020)। सटीक शीतलन और स्नेहन तकनीक के रूप में क्रायोजेनिक एलएन 2 और एलसीओ 2 की स्थापना के लिए व्यापक मशीनिंग विश्लेषण. ट्राइबोलॉजी इंटरनेशनल, 148. <https://doi.org/10.1016/j.triboint.2020.106314>
392. शर्मा, ए. खान, वी. सी., बालागानसन, जी., और कुशवा, वी. (2020)। नैनो-भराव के प्रदर्शन को क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों को बदतर-स्थिर और प्रभाव लोडिंग के लिए प्रबलित समापन ओवरट्रेप सिस्टम को मजबूत किया गया. जर्नल ऑफ फेल असफलता और रोकथाम, 20 (6), 2017-2028 <https://doi.org/10.1007/s11668-020-01013-6>
393. शेट्टिग, ए. के., पटेल, जी सी सी. चतु, जी. आर, वुंडावली, पी. आर., और परपागुदार, एम. बी. (2020)। कृत्रिम मधुमक्खी कॉलोनोनी, आनुवंशिक, पीछे की प्रचार और पुनर्निर्मित तंत्रिका नेटवर्क की बुरी तरह की प्रक्रिया के विकास के लिए. एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2 (4) <https://doi.org/10.1007/s42452-020-2475-z>
394. शेट्टी, एच., सेथुरम, डी., राममोहन, बी, और बुडारापू, पी. आर. (2020)। कम वेग प्रभाव अध्ययन एमएफआरपी और हाइब्रिड कम्पोजिट संरचनाएं इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रथम गणित में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 12 (3), 125-141 <https://doi.org/10.1007/s12572-021-00287-9>
395. सिंह, जी., कलिता, बी, विष्णु नारायणन, के. आई., अरोड़ा, यू. के., महापात्रा, एम. एम. और जयगांठान, आर. (2020)। स्वीकृत तत्व विश्लेषण और ज़र्रा के माध्यम से संसाधित जेडआर -4 मिश्र धातुओं के अवशिष्ट तनाव का प्रयोगात्मक मूल्यांकन. धातु, 10 (10), 1-15 <https://doi.org/10.3390/met10101281>
396. सिरुरी, एस डी. वी. एस एस वी., और बुडारापू, पी. आर. (2020)। शीतलन द्रव के रूप में पानी का उपयोग करते हुए लिथियम आयन बैटरी पैक के थर्मल प्रबंधन पर अध्ययन. ऊर्जा भंडारण के जर्नल, 29. <https://doi.org/10.1016/j.est.2020.101377>
397. श्रीवास्तव, टी., और कोंडराजू, एस. (2020)। ठोस सतहों पर गोद लेने के अधिकतम प्रसार की भविष्यवाणी करने के लिए विश्लेषणात्मक मॉडल. तरल पदार्थों के भौतिकी, 32 (9) <https://doi.org/10.1063/5.0020219>
398. सुजिथ, एस. वी., महापात्रा, एम. एम. और मलिक, आर एस. (2020)। माइक्रोस्ट्रक्चरल लक्षण वर्णन और प्रयोगात्मक जांच दो-खबरों में अल -7079 / टिक इन-सीट धातु के अपार्टमेंट पहनने के व्यवहारमैट्रिक्स कंपोजिट मैकेनिकल इंजीनियर्स की संस्था की कार्यवाही, भाग जे: जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग ट्राइबोलॉजी, 234 (4), 588-607 <https://doi.org/10.1177/1350650119883559>
399. सुमन, एस., तिवारी, ए, बिस्वास, पी., और महापात्रा, एम. एम (2020)। जलमग्न चाप में थर्मल प्रेरित तनाव का परिमित तत्व विश्लेषण क्रोमियम-मोलिब्डेनम स्टील और गर्मी उपचार के माध्यम से उनकी कमीफा. जर्नल ऑफ मैनेजमेंट इंजीनियरिंग और प्रदर्शन, 29 (12), 8271-8285 <https://doi.org/10.1007/s11665-020-05262-2>
400. तारदरदर, पी. के., महापात्रा, एम. एम. प्रदा, ए. के., सिंह, पी. के., शर्मा, के., और कुमार, एस. (2020)। पारंपरिक और संकीर्ण ग्रहीत स्टेनलेस स्टील वेल्ड्स में माध्यमों पर अविश्वास के तनाव के तनाव के तनाव. मैकेनिकल इंजीनियरों की संस्था की कार्यवाही, भाग एल: जर्नल ऑफ सामग्री: डिजाइन और अनुप्रयोग, 234 (8), 1165-1179. <https://doi.org/10.1177/1464420720930355>
401. तारदर, पी. के., पांडे, सी., और महापात्रा, एम. एम (2020)। एआईएसआई 304 एल मल्टीप्रेस ग्रूव वेल्ड्स में आईजीएससीसी-प्रोन क्षेत्र की परिमित तत्व जांच. सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, 20 (2)। <https://doi.org/10.1007/s43452-020-00056-8>
402. ताराफार, पी. के., ठाकरे, जे. जी., पांडे, सी. और महापात्रा, एम. एम (2020)। मोटाई अवशिष्ट तनाव क्षेत्रों के माध्यम से मूल्यांकन करने के लिए उपन्यास अवशिष्ट तनाव माप तकनीक. सामग्री पत्र, 277. <https://doi.org/10.1016/j.Amlet.2020.128347>
403. ठाकरे, जे. जी, मुलिक, आर एस., और महापात्रा, एम. एम (2020)। वायु प्लाज्मा में अवशिष्ट तनाव का आकलन एमडब्ल्यूसीएनटी-प्रबलित 8ysz-एल्यूमिना समग्र कोटिंग छिड़काव. सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, 20 (4)। <https://doi.org/10.1007/s43452-020-00108-z>
404. ठाकरे, जे. जी, मुलिक, आर एस., और महापात्रा, एम. एम (2020)। N22So4-60% V2O5 पिघला हुआ नमक पर्यावरण में प्लाज्मा-स्प्रेड कम्पोजिट कोटिंग के चक्रीय गर्म संक्षारण प्रतिरोध

का मूल्यांकन. थर्मल स्प्रे प्रौद्योगिकी के जर्नल, 29 (4), 811-824
<https://doi.org/10.1007/s11666-020-01010-z>

405. यादव, एच., वेणुगोपल, ए. प्रभु, एस. वी. और अग्रवाल, ए. (2020)। क्षणिक दबाव माप के लिए ट्यूब डायनेमिक्स को जोड़ने पर अध्ययन करें. साधना - इंजीनियरिंग विज्ञान में अकादमी कार्यवाही, 45 (1)। <https://doi.org/10.1007/s12046-020-1310-y>

खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

406. अबू सिमन, ए. चान, जे के के., नो राजमैन, एम. ए. हुसैन, जेड, ब्रिज, डी., और इस्माइल, ए. (2020)। अलग-अलग क्लोराइड आयन सांद्रता में गर्मी-इलाज और क्रॉरोल्ड अल 5052 मिश्र धातुओं के संक्षारण व्यवहार. विरोधी जंग तरीकों और सामग्री, 67 (1), 7-15 <https://doi.org/10.1108/acmm-03-2019-2092>

407. आचार्य, एम., मोंडोल, एस., और मंडल, ए. (2020)। उच्च शक्ति चूषण का विकास, ग्रेमा एल्यूमिना और स्ट्रॉटियम युक्त उच्च-जेल अल्सरेटिक अल-20 एसआई मिश्र धातु का विकास. सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यूनाइटेड किंगडम), 36 (5), 623-630 <https://doi.org/10.1080/02670836.2020.1724403>

408. आचार्य, टी., और चौधरी, आर एन. पी. (2020)। बिस्मथ और लीड टाइटेनेट के साथ संशोधित करके निकेल टाइटेनेट में मल्टीफेरिओसिटी को सुदृढ़ बनाना. सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 251. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2020.123215>

409. आचार्य, टी., और चौधरी, आर एन. पी. (2020)। रासायनिक संश्लेषित द्वि / पीबीटीओ 3-संशोधित कोबाल्ट टाइटेनेट के संरचनात्मक, विद्युत और चुंबक-बिजली के गुण. भौतिकी बी: संघनित पदार्थ, 582. <https://doi.org/10.1016/j.phys.2019.411970>

410. आचार्य, टी., और चौधरी, आर एन. पी. (2020)। संरचनात्मक, ढांकता हुआ, और 0.5 (बिमन 1/2 टीआई / 2 ओ 3) -0.5 पीबीटीओ 3 इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के विद्युत विशेषताओं के अध्ययन. जर्नल ऑफ मैटिकल्स साइंस: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 31 (13), 99 9 7-10005 <https://doi.org/10.1007/s10854-020-03544-y>

411. आनंद, ए. सिंह, आर., सामंते, जे., घोष, एम. के., और संजय, के. (2020)। सल्फ्यूरिक एसिड के साथ कचरा फॉस्फोर के लिक्विडेशन द्वारा उत्पन्न अवशेषों से दुर्लभ पृथ्वी के तत्वों का लिक्विडेशन. भारतीय संस्थान के 70 (4), 1081-1091 के लेनदेन <https://doi.org/10.1007/s12666-020-01939-3>

412. बसक, एस., शर्मा, एस के के., मोंडल, एम., साहू, के. के., गोल्लुपुडी, एस दत्ता, मुमुमार, जे., एंड हांग, एस.टी.टी. (2020)। इलेक्ट्रॉन बीम की सतह के उपचार की उपन्यास 36L ऑस्टेनितिक

स्टेनलेस स्टील: कठोरता, पहनने और संक्षारण प्रतिरोध में सुधार. धातु और सामग्री इंटरनेशनल, 27 (5), 953-961 <https://doi.org/10.1007/s12540-020-00773-y>

413. भारद्वाज, आर., जोहारी, के. के., गाहतोरी, बी, चौहान, एन एस एस, बाथुला, एस., ढकेट, एस आर., अकुक, एस. और धार, ए. (2020)। Fe_{0.25}Co_{0.75}sb₃ स्कर्टरडाइट के इलेक्ट्रिकल और थर्मल ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टी के अनुकूलन ISOELECTRONIC द्वि-डोपिंग को रोजगार. इंटरमेटलिक्स, 123. <https://doi.org/10.1016/j.intermet.2020.106796>

414. चंदा, यू. के., पादी, एस पी., पांडे, ए. के., रॉय, एस., और पाती, एस. (2020)। एआईसीआई 1020 स्टील द्विध्रुवी प्लेट्स के लिए इलेक्ट्रोडोसिटेड नी-मो-सीआर-पी कोटिंग्स. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ हाइड्रोजन ऊर्जा, 45 (41), 21892-21904 <https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2020.06.014>

415. चर्जी, के., पाठक, ए डी., लकमा, ए. शर्मा, सी. एस, साहू, के. के., और सिंह, ए. के. (2020)। इलेक्ट्रोलाइट योजक के रूप में लिथियम आयन बैटरी में एक गैर-ज्वलनशील डिक्शनरी आयनिक तरल के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और आवेदन. वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10 (1) <https://doi.org/10.1038/s41598-020-66341-x>

416. चर्जी, के., पाठक, ए डी., साहू, के. के., और सिंह, ए. के. (2020)। लिफार्म आयन बैटरी में इलेक्ट्रोकेमिकल प्रदर्शन में वृद्धि करने के लिए एक इलेक्ट्रोलाइट व्यापीत के रूप में नई थियोरिया आधारित आयनिक तरल. एसी ओमेगा, 5 (27), 16681-16689 <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c01565>

417. चौहान, एन. एस, रघुवंशी, पी. आर, त्यागी, के., जोहारी, के. के., त्यागी, एल., गाहतोरी, बी, बाथुला, एस., भट्टाचार्य, ए. महांती, एस डी., सिंह, वी. एन, कोलेन'को, वाई. वी. और धार, ए. (2020)। थर्मोइलेक्ट्रिक प्रदर्शन (ZT, एचएफ) एनआईएसएन-आधारित एन-प्रकार आधा-हसर एलर्जी के संवर्धन के लिए दोष इंजीनियरिंग. जर्नल ऑफ फिजिकल रसायन विज्ञान सी, 124 (16), 8584-8593 <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.0c00681>

418. दास, पी., भाडू, एस., और गोल्लुपुडी, एस. (2020)। थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री की थर्मल चालकता पर अनाज आकार वितरण के प्रभाव का मूल्यांकन करना. नैनो एक्सप्रेस, 1. <https://doi.org/10.1088/2632-959x/abb43F>

419. दास, एस., नायक, एस के., और साहू, के. के. (2020)। दुर्लभ पृथ्वी धातु पर दुखद हाइड्रोजन सोखना में अंतर्दृष्टि 2-आयामी हेक्सागोनल बोरन नाइट्राइड पर सजाया गया: एक घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत अध्ययन. आरएससी अग्रिम, 10 (22), 12 9 2 9 -12940 <https://doi.org/10.1039/d0ra01835j>

420. डैश, टी., राउट, टी. के., पाली, बी. बी, बाजा, एस., कुंडु, एस., भगत, ए. एन., सतपथी, बी के के., बिस्वाल, एस के के., राजपूत, ए. साहू, ए. के., और बिस्वाल, एस के.ए. (2020)। ए-अल 2

- ओ-ग्रेफेन मिश्रित के संश्लेषण: स्टील पट्टी की सतह पर बहु-कार्यशीलता प्रदान करने के लिए एक उपन्यास उत्पाद. एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2 (7) <https://doi.org/10.1007/s42452-020-2672-9>
421. देबटा, एम. के., बिशॉय, बी. डी., सबट, आर. के., मुहम्मद, डब्ल्यू और साहू, एस. के.ए. (2020)। टीआई -6 एल -4 वी मिश्र धातु के एनीलिंग के दौरान माइक्रोस्ट्रक्चर और बनावट विकास सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यूनाइटेड किंगडम), 36 (4), 417-424 <https://doi.org/10.1080/02670836.2019.1706816>
422. धिंदा, बी., सिंह, एस., मंडल, ए. और पांडे, ए. (2020)। एल्यूमीनियम मिश्र धातु ए 356 के ऊर्ध्वधर जुड़वां रोल कास्टिंग में प्रसंस्करण मापदंडों का मॉडलिंग और प्रयोगात्मक लक्षण वर्णन. फाउंड्री इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, 20 (4), 121-132 <https://doi.org/10.24425/afe.2020.133358>
423. डीएसओझा, एस. एम., वर्गस, टी. एम., बुडारपु, पी. आर. और नट राजन, एस. (2020)। सामग्री अनिश्चितता के साथ कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत प्लेटों का एक गैर-घुसपैठ स्टोस्टिकस्टिक आइडोयोमेट्रिक विश्लेषण. Axioms, 9 (3) <https://doi.org/10.3390/axioms9030092>
424. गोल्लुपुडी, एस., और सोनी, ए. के. (2020)। नैनोक्रिस्टलाइन सामग्री की स्थिरता पर अनाज आकार वितरण के प्रभाव को समझना: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण. सामग्री, 9. <https://doi.org/10.1016/j.mtla.2019.100579>
425. गोल्लुपुडी, एस., सीईई, डब्ल्यू. पटिबाबा, एस., राजुलापति, के. वी., और नीलकंतन, एल. (2020)। इलेक्ट्रोडेपोसिटेड एनआई -182 में अनाज का आकार के संक्षारण अवरोधन को सहसंबंधित करना आकस्मिक सामग्री, 3 (6), 98 9-997 <https://doi.org/10.1007/s42247-020-00135-9>
426. गुप्ता, पी., महापात्रा, पी. के., चौधरी, आर. एन. पी., और आचार्य, टी. (2020)। बाय 2 एसएनवीवी 9 सिरेमिक के संरचनात्मक और विद्युत गुण चीनी मिट्टी की चीज़ें इंटरनेशनल, 46 (17), 27717-27724 <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2020.07.270>
427. गुप्ता, पी., महापात्रा, पी. के., चौधरी, आर. एन. पी., और आचार्य, टी. (2020)। La₃VI₂O₉ सिरेमिक की संरचनात्मक, ढांकता हुआ, प्रतिबाधा, और मापांक स्पेक्ट्रोस्कोपी भौतिकी पत्र, अनुभाग ए: सामान्य, परमाणु और ठोस राज्य भौतिकी, 384 (33)। <https://doi.org/10.1016/j.physleta.2020.126827>
428. जैन, आर., जैन, ए. राहुल, एम. आर., कुमार, ए. दुबे, एम., सबट, आर. के., सैमल, एस., और फानिकुमार, जी. (2020)। प्रयोग और सिमुलेशन का उपयोग करके एक एकीकृत दृष्टिकोण से Ultrahigh शक्ति उपन्यास सह-सीआर-एफई-नी-जेडआर अर्ध-परतटिक उच्च एंटीपी मिश्र धातु का विकास. सामग्री, 14. <https://doi.org/10.1016/j.mtla.2020.100896>
429. जोहारी, के. के., भारद्वाज, आर., चौहान, एन. एस., गाहतोरी, बी, भाड़, एस., अलबुक, एस., और ढकेट, एस. आर. (2020)। बैंड संरचना संशोधन और जेरिसन के थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों पर Isoelectronic जर्मेनियम-डोपिंग के बड़े पैमाने पर उतार-चढ़ाव प्रभाव. एसीएस ऊर्जा सामग्री, 3 (2), 1349-1357 लागू <https://doi.org/10.1021/acsaem.9b01740>
430. किशोर, आर., साहू, बी., स्वेन, डी., और साहू, के. के. (2020)। सीयर मॉडल का उपयोग करके भारत में कोवीड 1 9 प्रकोप का विश्लेषण. Arxiv.org. <https://doi.org/doi:phicss.soc-ph> Arxiv: 2010.13610
431. कुमार, ए. एस. डी., भास्कर, एम. एस., सरकार, एस., और अबिनंदन, टी. ए. (2020)। वेग फल मॉडलिंग, वायुसेना में घुमावदार चरण में फॉल्ट की परमाणु गतिशीलता के संबंध में घेराबंदी के लिए. भारतीय संस्थान के 70 (6), 1469-1474 के लेनदेन <https://doi.org/10.1007/s12666-020-01910-2>
432. कुमार, जी. वी. एस., मंगिपुडी, के. आर., सास्त्री, जी. वी. एस., सिंह, एल. के., धानशेकर, एस., और शिवप्रसाद, के. (2020)। नैनोटीनिंग और क्रायोरलड ऑस्टेनितिक स्टेनलेस स्टील में एक बायोडोडल संरचना के कारण तन्यता लचीलापन और ताकत का उत्कृष्ट संयोजन. वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10 (1) <https://doi.org/10.1038/s41598-019-57208-x>
433. मोर्य, एम. आर., टाउटम, वी., भाड़ू, एस., पाल, पी., और गुप्ता, बी. के.ए. (2020)। टेम्पलेट के व्यापक स्पेक्ट्रल फोटरल्सन्स ने विमान से बाहर ज्वार जियोनो / नियो समग्र नैनोअर फोटोडेक्टर के लिए सहायता की. नैनो प्रौद्योगिकी, 31 (2) <https://doi.org/10.1088/1361-6528/ab474e>
434. मिश्रा, एन., और दास, के. (2020)। गोलाकार समावेश के साथ ऑर्थोट्रोपिक पाइज़ोइलेक्ट्रिक कंपोजिट के प्रभावी इलेक्ट्रोफास्टिक गुणों की भविष्यवाणी करने के लिए एक मोरी-तनाका आधारित माइक्रोकेनिकल मॉडल. एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2 (7) <https://doi.org/10.1007/s42452-020-2958-y>
435. मुरुगन, एन., अमृतस्कुमार, पी., नंदो, जी. बी, और सिंघा, एन. के. (2020)। ईएमए और एनबीआर के आधार पर थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमर मिश्रण; प्रक्रिया पैरामीटर का अनुकूलन जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, 137 (27)। <https://doi.org/10.1002/app.48900>
436. पेमदाडा, आर., झू. एक्स., डैश, एम., झोउ, वाई., रामकृष्ण, एस., पेंग, एक्स., थॉमस, वी., जैन, एस., एंड नंदा, एच. एस. (2020)। कोवेड -19 जैसे महामारी की तरह एंटीवायरल कोटिंग्स की विज्ञान-आधारित रणनीतियां सामग्री, 13 (18) <https://doi.org/10.3390/ma13184041>
437. राय, एन., सामनाररा, बी. के. के., राजलोगती, के. वी., रवि, आर., बक्षी, एस. आर., कोगिन्या, एन. टी. बी. एन., कोटाडा, आर. एस.,

- और गोल्लुपुडी, एस. 20 () 2020)। नानोक्रीस्टलीन एमजी-मो मिश्र धातु की धर्मल स्थिरता पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन सामग्री, 14. <https://doi.org/10.1016/j.mtla.2020.100933>
438. रानी, आर., योशिमुरा, ए. दास, एस., साहू, एम. आर. कुंडू, ए. साहू, के. के., मेथियर, वी., नायक, एस के के., कोरटकर, एन. और हज़रा, के एस एस (2020)। सतह-बढ़ाया रमन हॉटस्पॉट्स के नियंत्रित गठन के लिए मोनोलायर एमओएस 2 में कृत्रिम किनारों को मूर्तिकला. एसीएस नैनो, 14 (5), 6258-6268 <https://doi.org/10.1021/acsnano.0c02418>
439. रैंक, ओ., घोष, पी., सबट, आर. के., ईकर्ट, जे., और पिप्पन, आर. (2020)। यंत्रवत रूप से प्रेरित अनाज सीमा प्रवास पर क्रिस्टलोग्राफिक बनावट की भूमिका. एक्टा मेट्रोशिया, 200, 404-416 <https://doi.org/10.1016/j.actamat.2020.08.071>
440. सबट, आर के के., मुहम्मद, डब्ल्यू. मिश्रा, आर के के., और इनल, के. (2020)। उम्र में कट्टर अल अलॉय में फ्रैक्चर पर माइक्रोस्ट्रक्चर का प्रभाव दार्शनिक पत्रिका, 100 (11), 1476-1498 <https://doi.org/10.1080/14786435.2020.1726524>
441. सामन्ते, जे., आनंद, ए. डैश, बी., घोष, एम. के., और शाहे, ए. के. (2020)। एग्शेल पाउडर का उपयोग करते हुए फेल्ड्सपर से पोटेशियम के निष्कर्षण के लिए टिकाऊ प्रक्रिया एसी ओमेगा, 5 (25), 14990-14998 <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c00586>
442. शुक्ला, ए. के., डीओ, बी., और रॉबर्टसन, डी. जी. सी. (2020)। विभिन्न तरीकों से गर्मी हस्तांतरण-नियंत्रित प्रक्रिया के मामले में और उनके विकारों की तुलना में पिघला हुआ आयरन में स्क्रेप विघटन का मॉडलिंग. जर्नल ऑफ थ्रंट ट्रांसफर, 142 (1) <https://doi.org/10.1115/1.4045100>
443. सिंह, आर के., किशोर, आर., साहू, के. के., चावलवा, जी., और सिंह, आर. (2020)। फाल्कन सांद्रता के स्तरीकरण क्षेत्र में द्रव वेग प्रोफाइल का अनुमान. खनन, धातु विज्ञान और अन्वेषण, 37 (1), 321-331 <https://doi.org/10.1007/s42461-019-00133-4>
444. सिंह, आर. के., साहू, के. के., चावलव, जी., स्वे, ए. के., और सिंह, आर. (2020)। जुदाई क्षमताओं और फाल्कन अर्द्ध-बैच सांद्रता की सीमा पर प्रायोगिक जांच. पृथक्करण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 56 (11), 1944-1955 <https://doi.org/10.1080/01496395.2020.1797799>
445. उपाध्याय, एन. के., चौहान, एन एस एस, कुमारस्विदिश, एल. ए., जोहारी, के. के., गाहतोरी, बी, बाथुला, एस., रेड्डी, आर., कोलेन'को, वाई. वी., ढकेट, एस आर., और धार, ए. (2020)। थर्मोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च प्रदर्शन के लिए उच्च प्रदर्शन--ZN4SB3 के सहायक बल्क संश्लेषण. सामग्री पत्र, 265. <https://doi.org/10.1016/j.Amletlet.2020.127428>
446. वर्गीनी, पी., छांगनी, एस., प्रसाद, एम. जे. एन. वी., पटी, एस. और गॉलापुडी, एस. (2020)। नैनोक्रीस्टलीनी नी-पी मिश्र धातु के जंग व्यवहार पर अनाज सीमा छूट का प्रभाव. जर्नल ऑफ अलॉयज और यौगिकों, 830. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2020.154616>
447. विनजुरी, आर., बिशॉय, बी. डी., सबट, आर के के., कुमार, एम. और साहू, एस के.ए. (2020)। माइक्रोस्ट्रक्चर, बनावट, उंचा तापमान पर निर्बाध संपीड़न के दौरान टीआईई -6 एल -4 वी मिश्र धातु के विस्फोटों और यांत्रिक गुणों का मुक्त पथ का मतलब है. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग ए, 776. <https://doi.org/10.1016/j.ssea.2020.139042>
448. विश्वकर्मा, ए, चौहान, एन. एस., भारद्वाज, आर., जोहारी, के. के., ढकेट, एस. आर, गाहतोरी, बी, और भाडू, एस. (2020)। रचनात्मक मॉडुलन, थर्मोइलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्ट के लिए एन-टाइप टिकोस्क के आधे-हसर वाले में एक साथ बढ़ती है. इंटरमेटलिक्स, 125. <https://doi.org/10.1016/j.intermet.2020.106914>
449. यांग, एक्स., बरकर, एन एस एस, जी, एस., भिंदा, बी के के., और प्रशंसक, जेड. (2020)। अल-एसआईसीपी कंपोजिट की कास्टिंग विशेषताओं पर कण वितरण को मजबूत करने का प्रभाव जर्नल ऑफ सामग्री प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, 279. <https://doi.org/10.1016/j.jmatprotc.2019.116580>

अनुसंधान, विकास और सहयोग

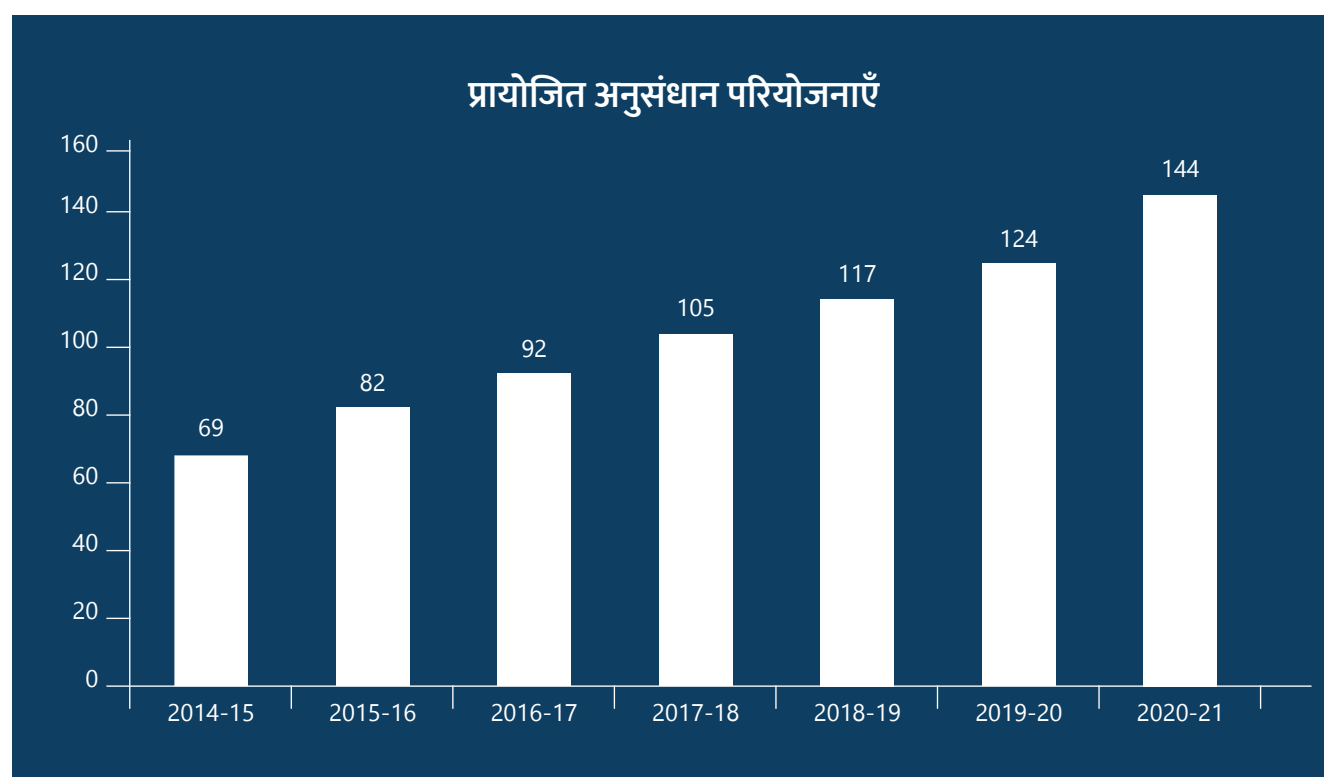
समय के साथ अनुसंधान और विकास की गतिविधियाँ बढ़ती जा रही है। संस्थान द्वारा (2008-21) तक प्राप्त परियोजनाओं का कुल मूल्य 141.19 प्रायोजित अनुसंधान और 269 परामर्शी परियोजनाओं के माध्यम से 269 करोड़ रुपये के आस-पास है। अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं का अलग-अलग मूल्य क्रमशः 121.57 करोड़ रुपये और 19.62 करोड़ रुपये है। वर्तमान वर्ष (2020-21) के दौरान 18.44 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं, जिसमें 13.02 करोड़ रुपये की प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ और 5.42 करोड़ रुपये की परामर्श परियोजनाएँ शामिल है। प्रमुख वित्त पोषक अभिकरण डीएसटी, एमएचआरडी, सीएसआईआर, यूजीसी, इसरो, डीआरडीओ, आईसीएसएसआर, डीईई, डीईई, सीपीआरआई, डीएसी, डीबीटी, डेटी, नाल्को, एनपीओएल, आईयूएसएसटीएफ, आईएनसीओआईएस, एमओईएस, एमओईएस, एमओडब्ल्यूआर, आईआईटीयएम, एनसीएओआर, बीआरएनएस के

पीआईटी. पी व सी विभाग, ओडिशा सरकार इत्यादि के अलावा हाल ही में प्रस्तुत 58.48 करोड़ रुपये राशि की 86 प्रस्तावित परियोजनाएँ प्रगति में है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार से है उन्नत सामग्री, ऊर्जा, नैनोटेक हार्डवेयर, स्वास्थ्य देखभाल, रक्षा, सीएस और आईसीटी, पर्यावरण विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन और नदी विज्ञान, विनिर्माण और सतत शहरी डिजाइन। हमारे संकाय सदस्य ने एमएचआरडी की प्रमुख पहलों में भाग लिए है जैसे-आईएम प्रिंटिंग, उच्चतर अविष्कार योजना, स्वच्छता कार्य योजना, फिस्ट और उन्नत भारत अभियान इत्यादि। यह संस्थान राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास के कई उद्देश्यों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहा है, जिसका नाम है- "प्रभावित अनुसंधान, अविष्कार और प्रौद्योगिकी (इमप्रिंट)। इमप्रिंट के तहत 4.06 करोड़ की कुल सात परियोजनाएँ अभी चल रही है।

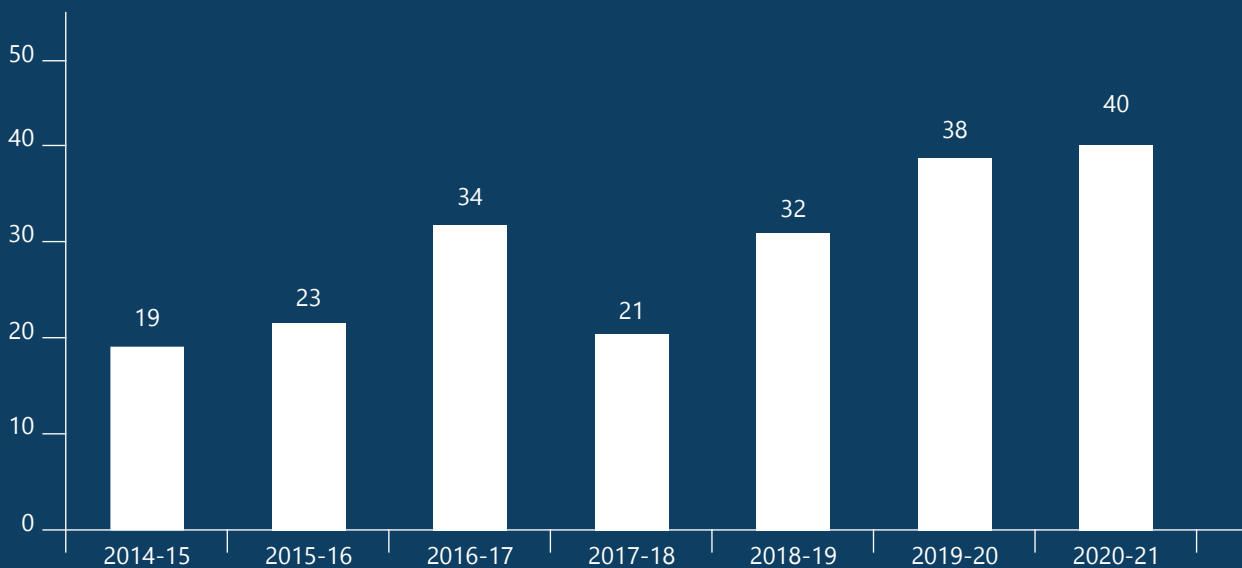
2020-21 की अविरत प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

2020-21 की अविरत प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या = 144

2020-21 की नविन प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ = 40



नई चल रही प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं



क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ			
1.	नवीन ऊर्जा सामग्री के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CENEMA)	एमओई	प्रो. सरोज नायक
2.	कॉम्पैक्ट मून सोलेनॉइड अपग्रेड, ऑपरेशन और उपयोग	डीएसटी	डॉ. सीमा बाहिनिपति
3.	सी 5 एआर के एन टरमिनस पेप्टाइड्स और सी 5 एल 2 रिसेप्टर के साथ एच5ए की चर्चा पर संरचनात्मक अध्ययन	डीएसटी	डॉ. सौमंद्र राणा
4.	अर्धचालक ग्राफीन का विकास और लक्षण वर्णन सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए हाइब्रिड नैनोशीट	डीएसटी	डॉ. सच्चिदानंद रथ
5.	कुछ प्राकृतिक समुद्री पिरामिड एल्कालॉयड्स का संश्लेषण और बहु-दवा प्रतिरोध के लिए उनसे अणु प्रेरित (एमडीआर) कैंसर कोशिकाएं	सीएसआईआर	डॉ. तबरेज खान
6.	फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर मोडल इंटरफेरोमीटर पर आधारित नैनो डिजाइन और अध्ययन और माइक्रो विस्थापन सेंसर	इसरो	डॉ. राजन झा
7.	ग्रिड-डिपराइज्ड समुदायों के लिए सामग्री और संबंधित भंडारण उपकरण	डीएसटी	प्रो. सरोज नायक
8.	मल्टीग्राफ के स्पेक्ट्रा और उनके अनुप्रयोगों को जटिल नेटवर्क	डीएसटी	डॉ. सषमिता बारिक
9.	इसकी संरचना पर Hsp16.3 में लाइसिन एसिटिलीकरण का प्रभाव, चैपरोनकार्य और वृद्धि, साथ ही साथ अस्तित्व माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की रोगजनन	डीएसटी	डॉ. आशीष विश्वास
10.	नैनोस्ट्रक्चर्ड सामग्रियों के आयन प्रेरित संशोधन और प्रोपटी वेट्टिंग गीला की ट्यूनिंग	डीएसटी	डॉ. श्यामल चटर्जी
11.	संभावित ल्यूमिनसेंट प्रोब और एंटीकैंसर एजेंट के रूप में इरिडियम और सोना का Dppz आधारित मोनोन्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स का विकास	सीएसआईआर	डॉ. श्रीकांत पात्रा
12.	रेखांकन और संबद्धित फ्रेक्टलस की स्वतंत्र पोलिनोमिल्स	डीएसटी	डॉ. ताराकांत नायक

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
13.	लागत प्रभावी प्रक्रिया का विकास और विकसित यांत्रिक गुण, ग्राफीन / ग्रेपैम ऑक्साइड को शामिल करते हुए, ऑटोमोबाइल एप्प के लिए उपयुक्त एएल-एमजी एलोयस के उत्पाद के लिए जाना जाता है	एनएएलसीओ	प्रो. सरोज नायक
14.	नितिनोल आकार मेमेरी एलॉय की फेटिग्यूव्यवहार पर लेज़र शॉक पीनिंग का प्रभाव	डीएसटी	डॉ. श्रीकांत गोलापुड़ी
15.	विषमकोणीय परिसरों का विकास और उनके चिकित्सीय और उत्प्रेरक पहलू	डीएसटी -इंप्रिंट II	डॉ. श्रीकांत पात्रा
16.	तेजी से पता लगाने के लिए एक नवीन प्रतिदीप्ति-आधारित परख और एक्सोसोम की मात्रा का ठहराव	डीएसटी	डॉ. श्रीकांत पात्रा
17.	पोर्टेबल 5जी नेटवर्क एनालाइजर के लिए सिंगल चिप टेस्ट सेट	डीएसटी	डॉ. देवप्रतीम घोष
18.	ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग-सुपरकैपेसिटर के लिए एल्यूमीनियम आधारित सामग्री का विकास	नालको-आईएमएमटी	प्रो. सरोज नायक
19.	सौर सेल विरोधी कोटिंग्स और मजबूत एल्यूमीनियम चिंतन के लिए उच्च शुद्ध नैनो-एल्यूमिना	नालको	प्रो. सरोज नायक
20.	एक घूर्णन तरल पदार्थ में अक्षीय रूप से अनुवाद करने वाले टेलर स्तंभ की घटना - एक संख्यात्मक अध्ययन	डीएसटी	प्रो. टी.वी.एस शेखर
21.	फोटोवोल्टिक ऊर्जा रूपांतरण दक्षता में वृद्धि के लिए धातु-ऑक्साइड हेटेरो-संरचनाओं का डिजाइन और विकास	डीएसटी	डॉ. निहारिका मोहपात्रा
22.	स्पेस-टाइम डोमेन अपघटन विधियाँ nonlinear Cahn-Hilliard समीकरण और समानांतर कं प्यूटरों में उनके कार्यान्वयन के लिए	डीएसटी	डॉ. बंकिम चंद्र मंडल
23.	डिजाइन, तैयारी और एस (सल्फर) और पी का मूल्यांकन (फॉस्फोरस) के रूप में मध्यस्थ क्रियात्मक ठोस सह-क्रिस्टल, धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क संरचनाएं और सहसंयोजक कार्बनिक फ्रेमवर्क)	डीएसटी	प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी
24.	रेजियो- / कार्यात्मक कार्बो के स्टिरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस- / हेटरोसाइकल: असममित कुल की ओर आवेदन कुछ जटिल बायोएक्टिव टेरपेनॉइड एल्कलॉइड्स का संश्लेषण के लिए पारंपरिक और नए सिंथेटिक तरीकों का सम्मिश्रण	डीएसटी	डॉ. तबरेज़ खान
25.	अर्ध-क्रमपरिवर्तन अभ्यावेदन और Gel'fand जोड़ी?	डीएसटी-मैट्रिक्स	डॉ. सुनील कुमार प्रजापति
26.	कुछ विशिष्ट के हार्मोनिक एनालॉग का अध्ययन और विश्लेषणात्मक कार्य	डीएसटी-मैट्रिक्स	डॉ. वासुदेव राव अल्लु
27.	अग्राशय के कैंसर में कैंसर वृषण प्रतिजन ATAD2 के कार्यात्मक परिणाम	डीबीटी	डॉ. अनसूया रायचौधरी
28.	यादृच्छिक बैंड मैट्रिक्स का स्पेक्ट्रम	डीएसटी इंस्पायर	डॉ. इंद्रजीत जाना
29.	होमो, डीआई और ट्राई (एबीए टाइप) का संश्लेषण प्रतिवर्ती निष्क्रियता द्वारा कम सक्रिय मोनोमर्स के ब्लॉक को-पॉलीमर	डीएसटी	डॉ. विजयकृष्णा कारी
30.	टी1 के रूप में मैक्रोसाइक्लिक / एसाइक्लिक लिगैंड्स के रेडिकल पॉलीमराइजेशन मेटल कॉम्प्लेक्स और एमआरआई	डीएसटी	डॉ. अखिलेश कुमार सिंह
31.	बीटा-लैक्टम आधारित एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति जीवाणु प्रतिरोध को समझने के लिए मल्टीस्केल (क्यूएमएमएम) मॉडलिंग दृष्टिकोण	डीएसटी	डॉ. कौशिक सामंत
32.	बायोमेट्रिक सतह का उपयोग करके नमी से फोटोवोल्टिक सहायता प्राप्त जल संचयन	डीएसटी	डॉ. श्यामल चटर्जी
33.	डॉ. सुरजीत साहू को राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप	डीएसटी	प्रो. सरोज कुमार नायक
34.	सौर सेल अनुप्रयोग के लिए सेमीकंडक्टर हेटरोस्ट्रक्चर नैनोलेयर्स का विकास	सर्व	डॉ. सच्चिदानंद रथ
35.	नैनोस्केल पर हीट फ्लोट को नियंत्रण करना: अपशिष्ट ताप से सतत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए एक बहुमुखी दृष्टिकोण	सर्व	डॉ. मलय कुमार बंद्योपाध्याय
36.	सी-एच, सीओ एक्टिवेशन और सी-1 प्लेटफार्म केमिक्लस: टू मेटल सिनर्जी पर सिंथेटिक और मैकेनिस्टिक स्टडीज	सर्व	प्रो. सुजीत राय

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
37.	धातु-जैविक ढांचे पर आधारित टोपोलॉजिकल चरण	सर्ब-डीएसटी	डॉ. अभिजीत कुमार
38.	थर्मोडायनामिक्स सांख्यिकीय यांत्रिकी और विघटनकारी गतिशीलता के लिए ज्योमेट्री फ्रेमवर्क से संपर्क करें?	सर्ब-डीएसटी	डॉ. चंद्रशेखर भामादीपति
39.	फोटोनिक नैनोवायर के साथ युग्मित क्रांम उत्सर्जक के साथ भंवर बीम की बातचीत	सर्ब-डीएसटी	डॉ. राजन झा
40.	"हर्ष पर्यावरण के लिए एक थर्मामीटर के रूप में विशेषता फाइबर मोडल इंटरफेरोमीटर का विकास" पर परामर्श कार्य	आईजीसाएआर	डॉ. राजन झा
41.	जियोमेट्रिक फ्रंक्शन थ्योरी में समस्याओं की जांच,	डीएसटी-सर्ब	डॉ. वासुदेव राव अल्लू
42.	पेट के कैंसर के लिए चिकित्सीय रणनीति के रूप में संभावित एटीएडी2 लिगेंड्स की पहचान, संश्लेषण और सत्यापन	आईसीएमआर	डॉ. अनसूया रायचौधरी
43.	नियंत्रित इंटरफेरोमेट्री आधारित उच्च तापमान औद्योगिक प्रवाह माप उपकरण का स्वदेशी विकास	डीएसटी	डॉ. राजन झा
पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ			
44.	महानदी और ब्राह्मणी-बैतरणी नदी प्रणाली के विशेष संदर्भ में ओडिशा राज्य पर वर्षा पूर्वानुमान कौशल का आकलन और सुधार	सीएसआईआर	डॉ. संदिप पट्टनायक
45.	भारतीय और वैश्विक महासागरों में समुद्र के मोर्चों के प्रसार के संकेत और अध्ययन का अनुमान SCATSAT-1 हवाओं का उपयोग करके ओडिशा तट के साथ उप-मेसोस्केल की संख्यात्मक सिमुलेशन	इसरो	डॉ. देवदत्ता स्वेन
46.	SCATSAT हवाओं का उपयोग करके ओडिशा तट के साथ उप-मेसोस्केल की संख्यात्मक सिमुलेशन	इसरो	डॉ. सौरभ सिल
47.	लाइटनिंग फेनोमेना और एसोसिएटेड प्रोसेस का पता लगाना और अब इसकी कास्टिंग	इसरो	डॉ. देवदत्ता स्वेन
48.	भारत के चुनिंदा शहरों में सतह के तापमान और वर्षा पर बदलते एयरोसोल लोडिंग और शहरीकरण का प्रभाव	डीएसटी	डॉ. वी. विनोज
49.	भुवनेश्वर पेरी-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों और भविष्य के प्रक्षेपण के लिए दीर्घकालिक उच्च संकल्प भूमि उपयोग भूमि कवर डेटा का विकास	डीएसटी- स्पलाईस	डॉ. देवदत्ता स्वेन
50.	उप-मेसोस्केल तटीय प्रक्रियाओं की जांच के लिए एचएफ रडार सरफेस धाराओं की गुणवत्ता नियंत्रण और INCOIS मॉडल में आत्मसात करने के लिए इसका उपयोग	आईएनसीओआईएस	डॉ. सौरभ सिल
51.	स्मार्टसिटी भुवनेश्वर और पड़ोस के क्षेत्रों के लिए हाइपरलोकल पूर्वानुमान प्रणाली का मूल्यांकन और विकास	डीएसटी	डॉ. संदिप पट्टनायक
52.	शहरी मॉडलिंग: शहरी पर्यावरण के मुद्दों के समाधान के लिए बहु-क्षेत्रीय सिमुलेशन प्रयोगशाला और विज्ञान आधारित निर्णय समर्थन ढांचे का विकास	सी-डीएसी अंडर मेट्री	प्रो. यूसी मोहंती
53.	भारतीय क्षेत्र में वायुमंडलीय एरोसोल वितरण और उष्णकटिबंधीय इंटरसेन्सलल दोलनों के बीच अंतर-संबंध	डीएसटी	डॉ. वी. विनोज
54.	टिप्पणियों और मॉडलों से बंगाल की खाड़ी की सबसर्विसिटी परिवर्तनशीलता: भारतीय मानसून और साइक्लोजेनेसिस के साथ संबंध	डीएसटी	डॉ. सौरभ सिल
55.	भुवनेश्वर के ऊपर कण प्रदूषण (PM205) हॉटस्पॉट्स का उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह मानचित्रण	एसपीसीबी	डॉ. वी. विनोज
56.	चिल्का झील में डॉल्फिन / वास करने की क्षमता और पर्यटक नौकाओं की क्षमता ले जाने का अध्ययन	चिलका वन्यजीव प्रभाग, ओडिशा सरकार	डॉ. देवदत्ता स्वेन
57.	मध्य प्लीस्टोसिन से अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट की होलोसिन गतिकी और वैश्विक जलवायु पर इसके प्रभाव: दक्षिणी प्रशांत से साक्ष्य	सर्ब	डॉ. राजकुमार सिंह

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
58.	डॉ अमित कुमार मिश्रा को राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (एन-पीडीएफ), (जीवन विज्ञान)	सर्ब डीएसटी	डॉ. सैयद फारूक हिलाल
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ			
59.	सिस्टम डिजाइन के लिए चिप्स के लिए विशेष जनशक्ति विकास कार्यक्रम (एसएमडीपी-सी2एसडी)	डाइट वाई	डॉ. नेती एन. वी. एल मूर्ति
60.	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए विश्वेश्वरैया पीएच योजना	डाइट वाई	डॉ. नेती एन. वी. एल मूर्ति
61.	सस्ती और चल सौर फोटोवोल्टिक जल पम्पिंग प्रणाली का डिजाइन और विकास	डीएएफपी	डॉ. एस. बी. करंकी और डॉ. एम.एस मनीकं दन
62.	बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए हाई-स्पीड कम-पावर एम्बेडेड सिग्नल प्रोसेसर आधारित कस्टम बिजली उपकरणों का डिजाइन और कार्यान्वयन	डीएसटी	डॉ. एस. बी. करंकी
63.	स्वायत्त ड्राइविंग के लिए ड्राइवर का व्यवहार	के पीआईटी	प्रो. एन.सी. साहू
64.	यूके इंडिया स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (UKICERI)	डीएसटी	डॉ. एस. बी. करंकी
65.	कम डीसी मशीन आधारित सौर पम्पिंग सिस्टम ब्रश	डीएसटी	डॉ. सी.एन. भेंड़े
66.	पीवी आवेदन के लिए एसआई / एसआईसी हाइब्रिड सेमीकंडक्टर आधारित ठोस राज्य ट्रांसफार्मर	डीएसटी	डॉ. दिपांकर दे
67.	UI-ASSIST: भंडारण के साथ स्मार्टवितरण प्रणाली के लिए यूएस-इंडिया सहयोगी	इंडो-युएस साइंस एंड टेकनोलोजी फोरम	डॉ. एस. आर. सामंतराय
68.	2 वाट और 3वाट इलेक्ट्रिक ड्राइव-डिजाइन, विकास और प्रोटोटाइप के उन्नत आईएम और साईनोरन्स अनिच्छा ड्राइव और वाहन एकीकरण के लिए हब और स्पोक कं सॉर्टियम ई2वाट और ई3वाट वाहन अनुप्रयोगों के लिए वाहन एकीकरण	एनएफटीडीसी	प्रो. एन. सी. साहू
69.	एफआईएसटी कार्यक्रम	डीएसटी	डॉ. पी.के. साहू
70.	संसाधनों के समन्वित नियंत्रण के माध्यम से नवीकरणीय समृद्ध स्मार्ट माइक्रोग्रिड में भंडारण आवश्यकताओं का न्यूनतमकरण	डीएसटी	डॉ. चंद्रशेखर पेरुमुल्ला
71.	हल्के वजन, एम2एम और आईओटी अनुप्रयोगों के लिए पुनः उपयोग योग्य संज्ञानात्मक रेडियो प्लेटफॉर्म	डीएसटी इमप्रिंट 2	डॉ. भरतराम रामकु मार
72.	यूडब्ल्यूबी में इमेजिंग रडार का प्रोटोटाइप	डीएसटी इमप्रिंट 2	डॉ. श्रीनिवास बोप्पु
73.	प्रकृति का उपयोग करते हुए स्मार्टग्रिड सुरक्षा नियंत्रण - प्रेरित विकेन्द्रीकृत सहकार रणनीतियाँ	डीएसटी टीएआरई	प्रो. एन.सी. साहू
74.	स्मार्ट ग्रिड एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) में साइबर हमलों का पता लगाने और उनकी रोकथाम के लिए उपकरणों का डिजाइन और विकास	सीपीआरआई	डॉ. पद्मलोचन वेरा
75.	अंतिम मील कनेक्टिविटी के लिए हाइब्रिड स्मार्टग्रिड संचार नेटवर्क का विकास: ए डी 2 डी और पीएलसी दृष्टिकोण	डीएसटी	डॉ. सौम्यप्रकाश दास
76.	ग्रामीण भारत के विद्युतीकरण के लिए बड़े पैमाने पर बिखरे मिनीग्रिड्स / माइक्रोग्रिड्स के लिए ग्रिड इंटरकनेक्शन प्रोटोकॉल (मल्टीग्रिड)	डीएसटी	डॉ. चंद्रशेखर पेरुमुल्ला
77.	अक्षय अनुप्रयोगों के लिए द्विघात बूस्टर कनवर्टर आधारित बहु-इनपुट पावर कनवर्टर इंटरफ़ेस	डीएसटी	डॉ. ओलीव रॉय
78.	डायनेमिक फे जर का डिजाइन और विकास और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए शिक्षक संघ के तहत IEEE C37.118 मानक का अनुपालन	डीएसटी टीएआरई	डॉ. एस.आर. सामंतराय
79.	यूएवी को जाम करने के लिए रडार पर जोड़ें	रक्षा मंत्रालय	डॉ. देबलीना घोष
80.	एंटरप्राइज़ नेटवर्क में सक्रिय मूल्यांकन और सुरक्षा खतरों की रोकथाम के लिए औपचारिक सत्यापन उपकरण का विकास	डीआरडीओ	डॉ. पद्मलोचन बेर
81.	डॉ. हैमाबती दास को राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप	डीएसटी	डॉ. एन. बी. पुहान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
82.	गहन सुदृढीकरण सीखने का उपयोग करके कुशल केश सहायता प्राप्त डेटा वितरण	डीएसटी	डॉ. अनूप थॉमस
83.	इंटरनेट ऑफ थिंग्स में विश्वसनीय संचार प्राप्त करना: एक मिटा-सुधार कोडिंग दृष्टिकोण	डीएसटी	डॉ. एस. एस. बोरकोटोक्यो
84.	लो पावर और लॉन्ग रेंज नेटवर्क के लिए डायनामिक मैक और PHY SoC का डिजाइन	मैट्टी	डॉ. विजया शंकर राव पसुपुरेड्डी
85.	फुल-डुप्लेक्स चिप-टू-चिप सीरियल लिंक के लिए उच्च गति और ऊर्जा कुशल सीएमओएस ट्रांसीवर डिजाइन	सर्ब-डीएसटी	डॉ. निज्जम वारी
86.	सस्टेनेबल हेल्थ एंड वेलनेस मैनेजमेंट के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) क्लाउड-अवेयर हेल्थ मॉनिटरिंग एंड डिजीज प्रेडिक्शन सिस्टम का डिजाइन और कार्यान्वयन	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)	डॉक्टर एम. एस. मणिचंद
87.	स्मार्ट पावर ग्रिड के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स सक्षम फेजर और पावर गुणवत्ता निगरानी उपकरणों का विकास	सर्ब-डीएसटी	सुभ्रंसु रंजन डॉ. सामंतराय
88.	मशीन लर्निंग का उपयोग करके अस्थि स्वास्थ्य वर्गीकरण	सर्ब-डीएसटी	डॉक्टर देबलीना घोष
89.	अंधेपन की प्रारंभिक चेतावनी के लिए डीप लर्निंग आधारित ऐप का डिजाइन और विकास	सर्ब-डीएसटी	डॉक्टर एन. बी. पुहान
90.	सड़क सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए एक सॉफ्टवेयर परिभाषित रडार का डिजाइन और विकास	ओडिशा मोटर वाहन विभाग, उड़ीसा सरकार	डॉक्टर प. के. साहू
आधारिक संरचना विद्यापीठ			
91.	संयुक्त लीच बिस्तर रिएक्टर और कम लागत माइक्रोबियल ईंधन सेल में रसोई के कचरे के उपचार के दौरान बायोइलेक्ट्रिकिटी रिकवरी	डीएसटी	डॉ. मानषविनी बेहरा
92.	संयुक्त अनुक्रमण बैच रिएक्टर और सौर फोटोकैटलिटिक रिएक्टर द्वारा ग्रेयवॉटर उपचार और पुनः उपयोग	डीएसटी	डॉ. रेम्या नीलानचेरी
93.	हाइड्रोमेटेरोलॉजिकल प्रक्रियाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन: पूर्वी भारत में विभिन्न स्थानिक और लौकिक पैमानों पर सूखा और बाढ़	डीएसटी	प्रो. आर.के. पांडा
94.	बायोमास और प्लास्टिक के उत्प्रेरक सह-पायरोलिसिस के लिए रिएक्टर का डिजाइन और विश्लेषण: मिश्रित ठोस अपशिष्ट के लिए एक उपचार तकनीक	डीएसटी	डॉ. रेम्या नीलानचेरी
95.	भारत में टिकाऊ निर्माण डिजाइन के लिए थर्मल भंडारण उपकरणों में नैनो-संवर्धित चरण परिवर्तन सामग्री की विशेषता अध्ययन	डीएसटी	डॉ.बी. हनुमंत राय
96.	शहरी स्थानीय बस स्टॉप तक पहुँचने के लिए यात्री सुविधा के आकर्षण में सुधार के उपाय	एमओई इमप्रिंट 1	डॉ. देबाषीश बसु
97.	माइक्रोफ़ाइट असिस्टेड वर्मीफिल्टरेशन सिस्टम का उपयोग करके घरेलू अपशिष्ट जल के लिए उपचार	एमओई शेयर फॉर स्वच्छ एक्शन प्लान)	डॉ. आर. आर. दास
98.	महानदी नदी के बेसिन के जलविद्युत प्रक्रियाओं और जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव का आकलन	जल संसाधन मंत्रालय	डॉ. अरिंदम सरकार
99.	शहरी बाढ़ मॉडलिंग - एक वेब-आधारित निर्णय उपकरण। यूएवी आधारित सूचना का आदान-प्रदान	डीएसटी	डॉ. मीनू रामदास
100.	निगरानी और लक्ष्यीकरण के माध्यम से स्मार्ट भूजल प्रबंधन के साथ कृषि पंपिंग में ऊर्जा दक्षता	ईईएसएल	प्रो. आर. के. पांडा
101.	पाइपलाइनों का भूकंपीय डिजाइन	एनडीएमए और बीआईएस	डॉ. एस. आर. दास
102.	कोल्ड मिक्स सड़कों का जीवन चक्र और प्रदर्शन मूल्यांकन	एनआरआईडीए	डॉ. यू. सी. साहू
103.	सटीक कृषि में पानी और उर्वरक के कुशल प्रबंधन के लिए लागत प्रभावी आईसीटी-डेटा एनालिटिक्स प्रणाली	डीएसटी इमप्रिंट 2	डॉ. मीनू रामदास

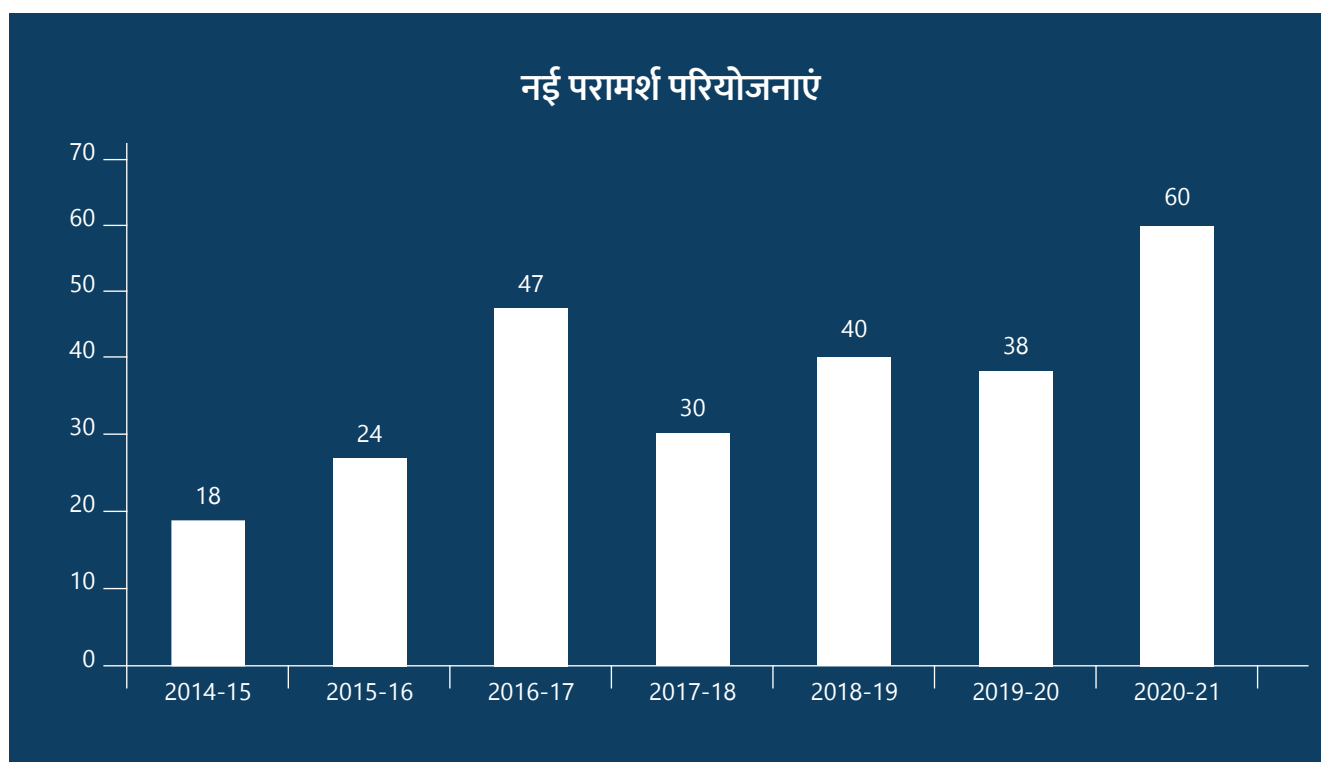
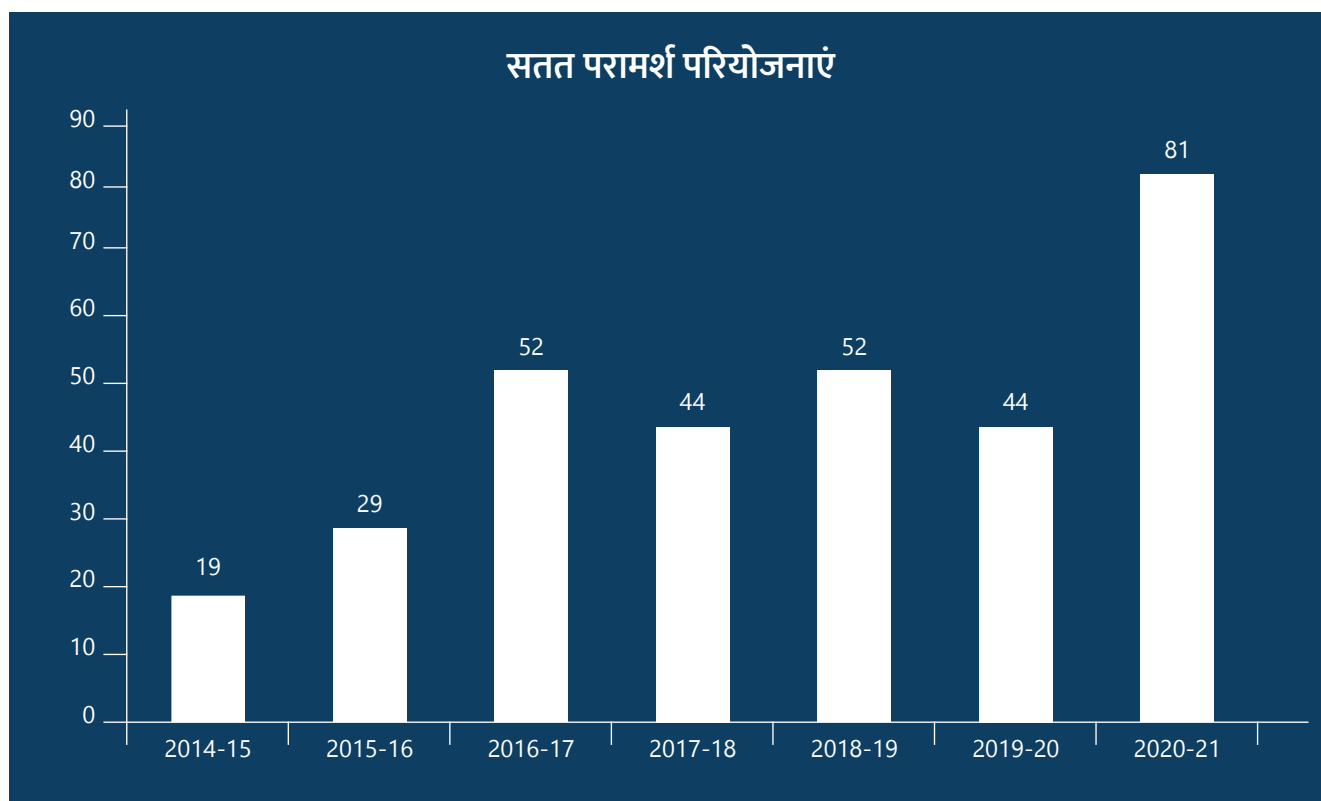
क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
104.	सरस्वती 2.0 - भारत के लिए विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार और संसाधन वसूली के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकियों की पहचान करना	डीएसटी	डॉ. मानषविनी बेहरा
105.	स्टोकेस्टिक मैटेरियल डिग्रेडेशन आधारित बड़े विरूपण परिमित तत्व विश्लेषण हाइग्रोथर्मल पर्यावरण में एफआरपी कंपोजिट्स का मोटाई स्ट्रेचिंग काइनेमेटिक मॉडल-ज्वारीय टर्बाइन ब्लेड की विशेष जांच का उपयोग करना	डीएसटी	डॉ. देवेश पुनेरा
106.	अपशिष्ट प्लास्टिक संशोधित बिटुमिनस मिश्रणों में बहुलक सामग्री के निर्धारण के लिए एक प्रक्रिया विकसित करना	एनआरआईडीए	डॉ. यू.सी. साहू
खनिज, धातुकर्म तथा पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ			
107.	सिलोस, बिन्स और हॉपर डिजाइन का अनुकूलन मॉडलिंग के माध्यम से, मुख्य रूप से लौह अयस्क भंडारण के लिए किया जाता है	यीएवाई आफ् एमएचआरडी और एनएमडीसी	डॉ. के .के . साहू
108.	नौसेना अनुसंधान बोर्ड की सामग्रियों के पैनल प्रमुख	डीआरडीओ	डॉ. बी.के . ढिढवा
109.	ओडिशा के समुद्र तट रेत से जिरकोन से प्राप्त मूल्य विद्युत रासायनिक उपकरणों को जोड़ा गया	खान मंत्रालय	डॉ. सुभांकर पति
110.	कास्ट निकल एल्यूमीनियम कांस्य मिश्र की भिगोना क्षमता में सुधार	एनआरबी	डॉ. पार्थ सार्थी दे
111.	नौसेना संरचनाओं में ऑनलाइन जंग की निगरानी	एनआरबी	डॉ. सुभांकर पति
112.	मैग्नीशियम मिश्र धातुओं के लिए स्टैंड-अलोन, लागत प्रभावी रूपांतरण कोटिंग्स का विकास	यूएवाई आफ् एमओइ	डॉ. के .के . साहू
113.	नौसेना अनुप्रयोगों के लिए सामग्री के तनाव जंग क्रैकिंग मूल्यांकन: डबल कैटिलीवर बीम तकनीक से नई अंतर्दृष्टि	एनआरबी	डॉ. के .के . साहू
114.	उच्च शुद्धता एल्यूमीनियम (4N और अधिक) के उत्पादन के लिए कम तापमान इलेक्ट्रो शोधन प्रक्रिया	नालको	डॉ. सुभांकर पति
115.	H2 सॉल्यूशंस के लिए केंद्र - सामग्री ऊर्जा प्रणाली (H2- M & ES)	डीएसटी एनएफटीडीसी	डॉ. सुभांकर पति
116.	संरचनात्मक और कार्यात्मक अनुप्रयोगों के लिए निर्मित पदानुक्रमित माइक्रो-आर्किटेक्चरल मेटामेट्री और कंपोजिट का यांत्रिक व्यवहार	डीएसटी	डॉ. कोडनडरम मांगीपुडी
117.	बस बॉडी पैनल की बेहतर सतह की कठोरता: शॉट पीनिंग द्वारा एक सरल मार्ग	नालको	डॉ. श्रीकांत गोलापुडी
118.	ए1-टीआई आधारित उच्च एन्ट्रॉपी मिश्रों का डिजाइन और लक्षण वर्णन	डीएसटी	डॉ. पार्थ सार्थी दे
119.	दृश्य प्रकाश फोटोवोल्टिक अनुप्रयोग के लिए नवीन संक्रमण धातु ऑक्साइड आधारित फेरोइलेक्ट्रिक पर्कोसाइट्स का डिजाइन	डीएसटी	डॉ. अमृतेंदु रॉय
120.	नैनोपोरस सिलिकॉन एनोड के साथ फास्ट चार्जिंग उच्च ऊर्जा घनत्व लिथियम आयन बैटरी	एसईआरबी	डॉ. शुभंकर पति
121.	कम्प्यूटेशनल मिश्र धातु डिजाइन और जटिल केंद्रित मिश्र धातुओं का यांत्रिक संपत्ति अध्ययन	नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला, अंबरनाथ	डॉ. कोडंडा राम मंगीपुडी
122.	संरचनात्मक अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन कंपोजिट के नए वर्ग को विकसित करने के लिए धातुकर्म सिलिकॉन को नियोजित करना	खान मंत्रालय	डॉ. श्रीकांत गोलापुडी
123.	स्मार्ट ऑटोमोबाइल के लिए PIEZOELECTRIC सिरैमिक-पॉलीमर फ्लेक्सिबल कम्पोजिट आधारित एनर्जी हार्वेस्टर का विकास	सीएसआईआर-एचआरडीजी	डॉ. अमृतेंदु रॉय
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ			
124.	डिजाइन इनोवेशन के लिए राष्ट्रीय पहल	एमओई	डॉ. एस.एन. पाणिग्रही
125.	फोगवाटर कटाई के लिए वेटिंग और डी-वेटिंग संक्रमण का अध्ययन	डीएसटी इनसपायर अनुसंधान ग्रांट	डॉ. शशिधर कोंडराजु
126.	तिरछा प्रभाव और तिरछा सतह पर छिड़काव	डीएसटी	डॉ. शशिधर कोंडराजु

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि प्रदाता का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
127.	संवर्धित हाइड्रोफोबिक सतह के माध्यम से भाप जनरेटर का प्रदर्शन सुधार	सीपीआरआई	डॉ.मिहिर कुमार दास
128.	मिश्र धातु 617 बॉयलर ट्यूब वेल्ड संयुक्त में अवशिष्ट तनाव का मूल्यांकन और वेल्डेड टरबाइन रोटर के लिए 10Cr स्टील / मिश्र धातु 617 असमान धातु वेल्ड संयुक्त	आईजीसीएआर	डॉ. एम. एम. महापात्र
129.	एफआईएसटी कार्यक्रम	डीएसटी	डॉ. ए. सत्यनारायण
130.	इलेक्ट्रॉनिक्स कूलिंग के लिए सह-अक्षीय सिंथेटिक जेट का डिजाइन और विकास	डीएसटी	डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु
131.	चयनात्मक लेजर पिघलने की प्रक्रिया का उपयोग करके धातु मैट्रिक्स नैनो-कंपोजिट का विकास	डीएसटी	डॉ. अनिर्वन भट्टाचार्य
132.	वायुगतिकीय ड्रैग और प्रवाह प्रेरित ध्वनिक शोर को कम करने के लिए एक प्रक्षेपण यान के आकार को अनुकूलित करने के लिए तीन आयामी अस्थिर,संकुचित प्रवाह सॉल्वर (एलईएस पद्धति पर आधारित) का विकास।	इसरो	डॉ. योगेश भोमकर
133.	रिसर्च एक्सीलेंस टीचर्स एसोसिएशियन के तहत गुरुत्वाकर्षण डार्क कास्टिंग द्वारा निरंतर ढाल कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड सामग्रियों का विकास)	डीएसटी-टीएआरई	डॉ. एम. एम. महापात्र
134.	हाइब्रिड "पीसीएम-सिंथेटिक जेट" का डिजाइन और विकास इलेक्ट्रॉनिक कूलिंग के लिए हीट सिंक	डीएसटी	डॉ. एम. के . दास
135.	लिम्ब एक्सोस्केलेटन के लिए डायनामिकली बैलेंस्ड गेट कंट्रोलर का डायनामिक एनालिसिस एंड डिजाइन लोअर	डीएसटी	डॉ. पांडु रंग वुंदावली
136.	अनुकूलित बहुलक संरचनाओं की छपाई के लिए एक उप-माइक्रोमीटर संकल्प इलेक्ट्रो हाइड्रोडायनामिक जेट प्रिंटर का विकास	डीएसटी-इमप्रिंट	डॉ. शशिधर कोंडराजु
137.	हल्के और दुर्घटनाग्रस्त पदानुक्रमित सामग्री और संरचनाओं का डिजाइन और विकास	डीएसटी	डॉ. बी. पट्टाभिरम्या
138.	सटीक थर्मल मॉडलिंग के साथ प्रक्षेप्य और कवच प्लेट के प्रभाव की गतिशीलता की भविष्यवाणी	डीआरडीओ	प्रो. एस. के . मोहपात्र
139.	गतिशील फायरिंग के दौरान बंदूक बैरल का थर्मल चरित्र	डीआरडीओ	डॉ. एस. के . मोहपात्र
140.	गिरने वाली फिल्मों और तरल पदार्थों के मजबूत प्रवाह के लिए क्षैतिज ट्यूब बंडलों पर उबलते और वाष्पीकरण पर गर्मी हस्तांतरण वृद्धि के तरीकों का विकास	डीएसटी	डॉ. मिहिर कु मार दास
141.	मौसम अनुसंधान के साथ ग्राउंड रडार डेटा का आकलन और सूचना थ्योरेटिक फ्रेमवर्क में पूर्वानुमान मॉडल	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	डॉ. श्रीनिवास रामानुजम कन्नम
142.	उन्नत दक्षता के साथ विमानन अनुप्रयोग के लिए कॉम्पैक्ट और हल्के जेट पंपों का डिजाइन और विकास	सीटीटीसी	डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु
143.	निकल आधारित सुपर मिश्र धातुओं का अल्ट्रासोनिक असिस्टेड लेजर एडिटिव निर्माण और अनाज के विकास में दिशात्मकता को नियंत्रित करने के लिए इसकी ऑनलाइन तापमान निगरानी, यांत्रिक गुणों में अनिसोट्रॉपी और मौलिक अलगाव; और लेजर शॉक पीनिंग द्वारा घटक जीवन में वृद्धि।	एसईआरबी-डीएसटी	डॉ सुवरदीप मलिक
144.	अवशिष्ट तनाव मापन के लिए इन-रिफ्लेक्शन फाइबर आधारित इंटरफेरोमीटर का विकास	डीएसटी	डॉ एम एम महापात्रा

वर्ष 2020-21 के लिए परामर्श/विकास परियोजनाएं

वर्ष 2020-21 के लिए चल रही परामर्श परियोजनाओं की संख्या = 81

वर्ष 2020-21 के लिए नई परामर्श परियोजनाओं की संख्या = 60



क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि एजेंसी का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ / यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ / बुनियादी विज्ञान विद्यापीठ और खनिज, धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विद्यापीठ की अंतःविषय परियोजना			
1.	मानव पशु के संघर्ष को कम करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप	राज्य वन्यजीवों	प्रो. एनसी साहू, डॉ. एस.एन. पाणिग्रही, डॉ. विजयकृष्ण कारी डॉ. मीठीपति शिव भास्कर
आधारिय विज्ञान विद्यापीठ			
2.	आणविक मॉडलिंग और सिमुलेशन का उपयोग करके कोटिंग का डिजाइन और निर्माण	सुश्री टाटा स्टील लिमिटेड	प्रो. सरोज कुमार नायक
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ			
3.	वीडियो में विसंगति का पता लगाना	कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के आईएसटी)	डॉ. देबी प्रसाद डोगरा
4.	पुनः पहचान निर्देशित वीडियो सारांश	कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के आईएसटी)	डॉ. देबी प्रसाद डोगरा
5.	क्लस्टर विस्तार के लिए उन्नत मशीन लीमिंग एल्गोरिदम का कार्यान्वयन	एम.एस. इण्डो कोरिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी केन्द्र बैंगलोर,	डॉ. देबी प्रसाद डोगरा
6.	अंत से अंत तक सुरक्षा के सात वितरित एसडीएन नियंत्रक	केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	डॉ. पद्मलोचन बेरा
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंध विद्यापीठ			
7.	दक्षिणी अफ्रीका में विकास और समानता के लिए रीजनल एंड सब-रीजनल एनालिसिस ऑफ मैक्रोइकॉनॉमिक पॉलिसी स्ट्रैटेजीज	यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स रिसर्च	डॉ. दुखबंधु साहू
8.	भारत में तंबाकू नियंत्रण पर डब्लू एचओ के फ्रेमवर्क कन्वेंशन का प्रभाव आकलन –ए कॉल टू एक्शन रिपोर्ट 2021	एमएस ए. एफ. विकास देखभाल (एएफडीसी)	डॉ. दुखबंधु साहू
आधारिक संरचना विद्यापीठ			
9.	मृदा कोर प्रयोगशाला परीक्षण	मेसर्स रामकी एनविरो इंजीनियर्स लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
10.	सीएचडब्ल्यूटीएसडीएफ का पर्यावरण लेखा परीक्षा	मेसर्स रामकी एनविरो इंजीनियर्स लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
11.	सीबर्ड परियोजना के लिए हाइड्रोफोबिक कंक्रीट का विकास	मेसर्स मास्टर बिल्डर्स सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
12.	GTA रॉकफॉल प्रोटेक्शन नेटिंग स्पेसिफिकेशंस "D-WR" की जांच	बियन टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
13.	वेदांत लिमिटेड में आरएमपी और राख तालाब के टेलिंग बांधों के लिए सुरक्षा के कारक का मापन	वेदांत लिमिटेड एल्यूमिनियम और पावर	डॉ. बी. हनुमंत राव
14.	आरसीएस-उड़ान (दीर्घावधि) के तहत जयपुर हवाई अड्डे के बॉक्स पुलिया डिजाइन की जांच	विमानन निदेशालय भुवनेश्वर सी/ओ मैसर्स निर्माण सौध	डॉ. गौतम मंडल
15.	बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, भुवनेश्वर में पीईबी हैंगर के संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की सबूत जांच	मेसर्स यज्जदानी इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड / सी/ओ कैप्टन ज़ाहीद परवेज़	डॉ. गौतम मंडल
16.	रेलवे भवनों की संरचनात्मक जांच	मेसर्स पीआईआर प्रोजेक्ट्स एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. गौतम मंडल

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि एजेंसी का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
17.	प्री-कास्ट आरसीसी बॉक्स सेगमेंट (स्पैन 2 x 6.0 x 6.0 मीटर) के लॉन्च के दौरान विकसित दरारों के लिए सुधारात्मक कार्रवाई के लिए परामर्श	मेसर्स राइट्स लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
18.	अंगुल में स्मेल्टर प्लांट नाल्को में सुरक्षित लैंडफिल का पर्यावरण ऑडिट	नालको	डॉ. आर. आर. दाश
19.	लाल मिट्टी के भंडारण तालाब का डाइक और स्थिरता अध्ययन-ए	मैसर्स उत्कल एल्युमिना इंटरनेशनल लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
20.	प्रोवेंस 907 का उपयोग करके सीजीबीएम का डिज़ाइन, एक तैयार मिक्स ग्राउट	मेसर्स अविजीत एजेंसियां प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. यू.सी. साहू
21.	कार्य के लिए मृदा जांच रिपोर्ट का पुनरीक्षण: आईएनए एशिमाला में जीई (पी) एशिमाला के तहत डिफिसिएंट इंटीग्रेटेड सिक्वोरिटी वॉच टावर्स के प्रावधान के लिए मृदा जांच।	इडेक्स कंसल्टिंग एंड रिसर्च प्रा लिमिटेड	डॉ सुमंत हलदार
22.	एनएच 44ए के मनु-लालचेरा खंड के किमी 0.000 से किमी 16.290 (लंबाई- 16.290 किमी) तक सड़क का पुनर्वास और उन्नयन ईपीसी आधार (पीकेजी -1) के आधार पर त्रिउप्रा राज्य में पक्की कंधे के साथ दो लेन - सुरक्षा सलाहकार सेवा स्था.	मेसर्स एस. एस. के. इन्फ्रास्ट्रक्चर	डॉ. पार्थ प्रतिम डे
23.	पारादीप में PEQCTPL साइडिंग के मेजर ब्रिज नंबर 8बी की प्रूफ चेक	मेसर्स इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) भुवनेश्वर	डॉ. देवेश पुनेरा
24.	संकरा बाईपास रोड के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए कंक्रीट के मिक्स-डिजाइनों को पूरा करना	मैसर्स अल्टिमा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड	डॉ दिनकर पासला
25.	एनटीपीसी-लारा परियोजना के संबंध में 3 प्रमुख पुलों के लिए उपसंरचना के डिजाइन और रेखाचित्रों की प्रूफ जांच और स्कुटनी	मेसर्स राइट्स लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
26.	पात्रापड़ा के लिए उत्कल डेवलपर्स भुवनेश्वर द्वारा विकसित परियोजनाओं की जांच करना	मेसर्स उत्कल बिल्डर्स	डॉ दिनकर पासला
27.	पीपी फाइबर के साथ स्प्रे कंक्रीट पैनलों का परीक्षण	मेसर्स मास्टर बिल्डर्स सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ मेसर्स बीएसएफ इंडिया लिमिटेड	डॉ दिनकर पासला
28.	एश डाइक की स्थिरता परीक्षण	मेसर्स जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
29.	ब्रज राजनगर, झारसुगुडा में छह छोटे पुलों (गैर-आरडीएसओ मानक आरसीसी बॉक्स) के डिजाइन और ड्राइंग की सबूत जांच	मेसर्स राइट्स लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
30.	दैतारी लौह अयस्क खदान, दक्षिण कालियापानी क्रोमाइट खान और सुकरंगी क्रोमाइट खान, में मेसर्स ओएमसी लिमिटेड क द्वारा भूतल रन-ऑफ प्रबंधन अध्ययन	ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	प्रो. आर. के. पांडा
31.	एनएच-57 के पहाड़ी भाग पर सड़क की असफलता के उपाय सुझाना	मेसर्स एससीआईडब्ल्यू-वाईएफसी संयुक्त उद्यम	डॉ. उमेश चंद्र साहू
32.	ढलान स्थिरता पर डिजाइन नोट की जांच	मेसर्स साई जीआर इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. बी. हनुमंत राव
33.	एसटीपी, ईटीपी और एसआरटी के लिए अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र उपकरण इकाइयों के डिजाइन की जांच	मेसर्स एस.जे. पर्यावरण समाधान	डॉ. आर. आर. दाश

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि एजेंसी का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
34.	अंगुल-सुकिंदा नई बीजी रेल लिंक परियोजना के संबंध में पुल के लिए उपसंरचना के डिजाइन और ड्राइंग की सबूत जांच	मेसर्स रेल विकास निगम लिमिटेड	डॉ. आर. आर. दाश
35.	पूर्वी भारत में कोल्ड मिक्स डामर अनुप्रयोग के लिए उत्पाद विकास और तकनीकी सहायता	बिटकेम डामर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	डॉ. यू.सी. साहू
36.	अंगुल में टाटा-भूषण टाउनशिप के लिए पर्यावरण मंजूरी के लिए यातायात घनत्व अध्ययन यातायात घनत्व अध्ययन का पुनरीक्षण	इनवोटेक और प्रबंधन के लिए केंद्र	डॉ. आर. आर. दाश
37.	एसएसआरएम और एचआरओ, आरएमएस 'एन' डिवीजन, कटक, ओडिशा के भवन का डिजाइन और ड्राइंग	डाक सिविल डिवीजन	डॉ. सुमंत हलधर
38.	भुवनेश्वर के उत्कल डेवलपर्स द्वारा विकसित परियोजनाओं की पुनरीक्षण करना	उतक्ल विल्डर्स प्रावेट लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
39.	भुवनेश्वर के पहाला में आवास परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी के लिए यातायात घनत्व अध्ययन का पुनरीक्षण	इनवोटेक तथा प्रबन्धन केंद्र	डॉ. पी. पी. डे
40.	एमसीआरएल कॉरिडोर के अंगुल-बलराम अनुभाग पर 5 वीआर की पंखों की दीवारों पर दोष के कारण का अध्ययन और संरचना के लिए उपचारात्मक उपायों पर सुझाव	इरकोन अंतराष्ट्रीय लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
41.	डालमिया सीमेंट्स के पीपीसी, पीएससी और कंपोजिट सीमेंट्स का मूल्यांकन	डालमिया सिमेंट भारत	डॉ. दिनकर पासला
42.	ओडिशा के जगतसिंहपुर में केन्द्रीय विद्यालय के निर्माण और विकास के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन परामर्श (टीपीक्यूएसी) का संचालन करना	राष्ट्रीय प्रयोजना निर्माण निगम लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
43.	झारसुगुडा के ब्रज राजनगर, में 5 बड़े पुल के सबस्ट्रक्चर और नींव के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेकिंग	राइटर्स लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
44.	राजकोट (गुजरात) के हीरासार में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए कंक्रीट मिक्स डिजाइन तैयार करना	दिलिप बिल्डकॉन लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
45.	एनटीपीसी-लारा परियोजना के संबंध में ब्रिज सबस्ट्रक्चर और फाउंडेशन (Br.3 और Br.79) के डिजाइन और ड्राइंग की सबूत जांच और स्कुटनी	राइटर्स लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
46.	एम्स भुवनेश्वर के निर्माण के दूसरे चरण के लिए कंक्रीट मिक्स डिजाइन का संचालन	सीपीडब्ल्यू	डॉ. दिनकर पासला
47.	ब्रिज नंबर 180 (आरओबी) के लिए सबस्ट्रक्चर के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेकिंग	रेल विकाश निगम लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
48.	गुजरात के राजकोट में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण के लिए विस्तृत डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेकिंग	दिलिप बिल्डकॉन लिमिटेड	डॉ. अनुश के.सी.
49.	ओएमसी लिमिटेड की दुबुना सकराधी लौह एवं मैंगनीज अयस्क खदानों के लिए जलग्रहण क्षेत्र उपचार योजना तैयार करना।	ओएमसी	प्रो. आर. के. पांडा
50.	मिट्टी कोर लैब परीक्षण	रामकी	डॉ. बी. हनुमंत राव
51.	पीर परियोजनाओं और परामर्श के लिए प्रस्तावित पुलों का संरचनात्मक (पी) लिमिटेड	पीर परियोजनाएं और परामर्श प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. गौतम मण्डल
52.	ओडिशा में बीडीए के अनुसार आवासीय टावरों की संरचनात्मक पुनरीक्षण	मणि तिरुमाला	डॉ. देवस पुनेरा
53.	केएमसी-आरकेडी के लिए रोब के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ जांच	आरकेडी निर्माण (पी) लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि एजेंसी का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
54.	172 अंगुल-सुकिडा न्यू बीजी रेल लिंक परियोजना के संबंध में Br के संशोधित सबस्ट्रक्चर (पियर-पी 1) में से एक के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेकिंग।	रेल विकास निगम लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
55.	झारसुगुडा के वीएसएस हवाई अड्डे पर 3.0 मीटर की ऊंचाई को बनाए रखने वाली दीवार शीट का पुनरीक्षण	एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया पीआर कंस्ट्रक्शन	डॉ. दिनकर पासला
56.	झारखंड और ओडिशा के राज्यों के लिए प्रमुख तकनीकी एजेंसी और राज्य तकनीकी एजेंसी के लिए डाटाबेस	एनआरआरडीए	डॉ. यू.सी.साहू
57.	भद्रक के धामनगर में एकीकृत बुनियादी ढांचे के परिसर के लिए नमूनों का परीक्षण	ब्रिज एंड रूफ कंपनी, इंडिया) लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
58.	झारसुगुडा के वीएसएस हवाई अड्डे पर आईएलएस की स्थापना के लिए सिविल कार्यों का निर्माण	भारत के हवाई अड्डे के प्राधिकरण पीआर निर्माण	डॉ. दिनकर पासला
59.	तालचेर में एमसीएल के पुल (आरयूबी) के तहत रोड के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेक, (स्पैन 2x6.0x6.0 एम आरसीसी पूर्वाग्रह बॉक्स)	आरआईटीईटी लिमिटेड	डॉ. एस. आर. दाश
60.	कालीनगर के टाटा स्टील में भूजल की मेज और सतह जल निर्वहन का अध्ययन	टाटा स्टील लिमिटेड	डॉ. अरिंदम सरकार
61.	“भारी यातायात ले जाने वाली ग्रामीण सड़कों के लिए सेल भरे कंक्रीट फुटपाथ का डिजाइन	एम / एस कोहिनूरप्लासटेक, कोलकाता	डॉ. अनुस केसी
62.	बर में एनटीपीसी-बीएचएल परियोजना के लिए डिजाइन मिश्रण	आरडीसी कंक्रीट इंडिया लिमिटेड	डॉ. दिनकर पासला
63.	पुरी जिला के हाइड्रोलिक और स्ट्रक्चरल डिजाइन और आरडब्ल्यूएस मेगा जल परियोजना के चित्रों का सत्यापन	एम / एस वोल्टस लिमिटेड	डॉ. पुष्पेन्द्र भुईआ
64.	बौध वस्य का डिजाइन सत्यापन	लार्सन एंड टुब्रो(L और T)कंसट्रक्सन	डॉ. दिनकर पासला
65.	रायराखोल की आरडब्ल्यूएसएस मेगा जल परियोजना के बुनियादी और विस्तृत इंजीनियरिंग डिजाइन का सत्यापन	वोल्टस लिमिटेड	डॉ. अरिंदम सरकार
66.	टेलिंग बांधों में स्थिरता अध्ययन और लाल मिट्टी की सूखी स्टैकिंग प्रक्रिया की जांच	वेदांत सीमित	डॉ. बी. हनुमंत राव
67.	ईपीसी मोड (लंबाई 21.9 किमी) पर त्रिपुरा राज्य में NH8 (पुराना NH44) के चुरेबाड़ी से अगरतला खंड पर ज्यामितीय सुधार Ch.318.650 किमी से 339.940 किमी (लंबाई 21.949 किमी) सहित पक्की सड़को के साथ 2-लेन तक चौड़ीकरण का निर्माण	एम / एस रैमकृपाल सिंह निर्माण प्रा. लिमिटेड	डॉ. पी.पी दे
68.	ग्रामीण सड़कों में ठंडे मिश्रण बिटुमेन के आवेदन के लिए तकनीकी सहायता	सपको बिटुमेन कंपनी लिमिटेड	डॉ. यू.सी.साहू डॉ. एस. आर. दाश
खनिज, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विद्यापीठ			
69.	टीएमटी रीबार का परीक्षण	एम.एस रूंगटा माइन्स लिमिटेड सी / ओ आर एंड डी एंड क्यूपी (आर एंड बी), उड़ीसा सरकार	डॉ. शुभंकर पती
70.	टाटा स्टील बोफ के लिए स्थिर मॉडल का विकास	टाटा स्टील लिमिटेड	प्रो.ब्रह्म देव
71.	15 एमएमटीपीए की नेम प्लेट क्षमता से अधिक कच्चे तेल के प्रसंस्करण के लिए पारादीप रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को "प्रदूषण भार में कोई वृद्धि नहीं" प्रमाण पत्र जारी करने के लिए मूल्यांकन अध्ययन = 10% अधिकतम	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	डॉ. राम कृष्ण सबती

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	निधि एजेंसी का नाम	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)
72.	आईएस:1786:2008 . के अनुसार टीएमटी बार्स का परीक्षण	कार्यालय मुख्य अभियंता, अनुसंधान विकास एवं गुणवत्ता संवर्धन, ओडिशा	डॉ. शुभंकर पति
73.	पीपीएल में प्रक्रिया संबंधी सुधार	मेसर्स पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड	प्रो. ब्रह्मा देव
74.	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड में प्रक्रिया नियंत्रण और अनुकूलन जयपुर, ओडिशा	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड	प्रो. ब्रह्मा देव
यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ			
75.	विभिन्न स्थानों (बेस मेटल और वेल्ड) पर रोटर सतह और रोटर वेल्ड की मॉडलिंग-एयूएससी परियोजनाओं के लिए अवशिष्ट तनाव मापन	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	डॉ. एम. एम. महापात्र
76.	पैरामीटर अनुमान और कंपनी विश्लेषण के लिए गणितीय मॉडलिंग	आईटीआर, डीआरडीओ	डॉ. एस. आर. कन्नन
77.	अर्ध-क्रायोजेनिक चरण के लिए गैसीय ऑक्सीजन हीट एक्सचेंजर का डिजाइन और विकास	तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र	डॉ प्रसेनजीत रथ
78.	कोरिओलिस प्रवाहमापी अध्ययन	हनीवेल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लैब प्रा. लिमिटेड	डॉ वेणुगोपाल अरुमुरु
79.	प्रवाह माप समाधान का डिजाइन और विकास	हनीवेल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लैब प्रा. लिमिटेड	डॉ वेणुगोपाल अरुमुरु
80.	डीप-होल ड्रिलिंग तकनीक द्वारा अवशिष्ट तनाव मापन	एनएमआरएल, डीआरडीओ	डॉ. एम. एम. महापात्र

2019-21 के दौरान आयोजित स्पार्क परियोजना

क्र. सं.	प्रोजेक्ट कोड और शीर्षक	परियोजना प्रभारी का नाम	अंतर्राष्ट्रीय जांचकर्ताओं का नाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	कोड: P701: शीर्षक: औपचारिक तरीकों का उपयोग करके प्रत्यारोपण योग्य चिकित्सा उपकरणों को सुरक्षित करना	डॉ. एस. पिनिसेट्टी	डॉ. पार्थ एस रूप	ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड
			डॉ मार्क थ्रिव	ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड
2	कोड: P420 शीर्षक: कम्प्यूटेशनल रूप से निर्देशित लेजर आधारित ट्यूमर निदान और चिकित्सा	प्रो. एस. के. महापात्र	प्रो. सुनील कुमार	न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय (एनवाईयू), यूएसए
			प्रो. जीगोंग गौड	रटगर्स यूनिवर्सिटी- (न्यू ब्रंसविक), यूएसए
			प्रो. कुणाल मित्र	फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
3	कोड: P275 शीर्षक: अक्षय ऊर्जा उपकरणों के लिए कम लागत, स्थापित करने में आसान, सतत नींव का डिजाइन और विकास	डॉ. एस. पात्रा	डॉ. माइकल ब्राउन	डंडी विश्वविद्यालय, यूके
			डॉ. जोनाथन कन्नपेटी	डंडी विश्वविद्यालय, यूके
4	कोड: P468 शीर्षक: E3DCRM: डेटा-संचालित कार्डियक रिदम मॉनिटरिंग के लिए ऊर्जा-कुशल एंबेडेड सिस्टम	डॉ. एम. एस. मणिकंदन	प्रो. केशव के. परी	मिनेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए
			डॉ. अलीना तालकाचोवा	मिनेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए

क्र. सं.	प्रोजेक्ट कॉड और शीर्षक	परियोजना प्रभारी का नाम	अंतर्राष्ट्रीय जांचकर्ताओं का नाम	विश्वविद्यालय का नाम
5	कोड: P712 शीर्षक: विषम में मेमोरी सिस्टम का कठोर सत्यापन और सत्यापन	डॉ मनोरंजन सत्वथ	प्रो. लक्ष्मी नारायण भुइयां डॉ. सुमित कुमार झा प्रो. एस रमेश	यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, यूएसए सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, यूएसए जनरल मोटर आर एंड डी, यूएसए
6	कोड: P1080 शीर्षक: जल-कृषि-ऊर्जा जलवायु लचीलापन के लिए योजना बनाने के लिए ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए हितधारकों द्वारा संचालित निर्णय समर्थन साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर।	डॉ. मीनू रामदास	डॉ. मेघना बब्बर-सबेंस डॉ. जेना टिल्टो श्री सुरेश माररू	ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन, यूएसए
7	कोड: P680 शीर्षक: बहु सामग्री और पोस्ट प्रोसेस्ड फाइबर पर आधारित पहनने योग्य उपकरण	डॉ. राजन झा	डॉ. लेई वेइस डॉ. राजन सिंह	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर
8	कोड: P879 शीर्षक: टिकाऊ भू-सामग्री में रूपांतरण के लिए बॉक्साइट अवशेषों का एक उपन्यास जैव उपचार	डॉ हनुमंत बी राव	प्रो. कृष्णा आर रेड्डी प्रो. क्रेग डी फोस्टर	इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो (यूआईसी), यूएसए इलिनोइस विश्वविद्यालय शिकागो (यूआईसी), यूएसए

कोविड-19 के खिलाफ किए गए शोध

आईआईटी भुवनेश्वर में एक रोगी उत्तरदायी सक्रिय सहायक नियंत्रण (PRAAN) वेंटिलेटर का विकास किया गया

आईआईटी भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों और छात्रों ने कोविड-19 आपात स्थितियों के लिए एक रोगी उत्तरदायी सक्रिय सहायक नियंत्रण (पीआरएएएन) वेंटिलेटर विकसित किया। इसे सांस-प्रति-मिनट, श्वास और निकास समय अनुपात, और ज्वर की मात्रा निर्धारित करके मानक वॉल्यूम नियंत्रण मोड में संचालित किया जा सकता है। एलसीडी विभिन्न नियंत्रण नैदानिक मापदंडों को प्रदर्शित करता है और दोष अलार्म की सुविधा देता है। कुछ महत्वपूर्ण संरचनात्मक सदस्यों को 3डी प्रिंटेड किया गया है।



खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ के संकाय सदस्य डॉ. कोडंडा राम मंगिपुडी, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. श्रीनिवास बोप्पू और डॉ. श्रीनिवास कारंकी ने अपने छात्रों श्री चिन्मय पांडा, श्री अरविंद टीके आर, श्री कार्तिक सिन्सेटी, श्री ईश्वर साई प्रसाद, श्री सुधांसू शेखर नाथ, और श्री राहुल कुमार के साथ विकास को आगे बढ़ाया



इस प्राण वेंटिलेटर का मुख्य आकर्षण इसका सक्रिय असिस्ट कंट्रोल मोड है। ऑपरेशन के इस तरीके में, वेंटिलेटर से समझ आता है कि मरीज सांस लेने की कोशिश कर रहा है और जब वह मरीज की सांस लेगा तो वह सांस की आवृत्ति के अनुकूल हो जाएगा, जिससे फेफड़ों पर भार कम हो जाएगा। लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के बिना वेंटिलेटर में यह सुविधा प्रदान की गई है।



आईआईटी भुवनेश्वर ने एक आपातकालीन महामारी की स्थिति में कोविड-19 से लड़ने के लिए एक पोर्टेबल वेंटिलेटर विकसित किया

आईआईटी भुवनेश्वर के यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ ने एक आपातकालीन महामारी की स्थिति में कोविड-19 से लड़ने के लिए एक पोर्टेबल वेंटिलेटर विकसित किया है। इस डिवाइस की कल्पना और निर्माण (घर में) डॉ एम एम महापात्रा और टीम (डॉ जे जी ठाकरे, श्री अरविंद मेहर, श्री बिबदत्त मोहंती, श्री उमेश मेलकानी) द्वारा किया गया था। टीम ने आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर वी राज कुमार, को इस प्रोत्साहन और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।



रिससिटेटर की कुल मात्रा 1650 मि.ली. है और स्ट्रोक की मात्रा 800 मि.ली है। पोर्टेबल वेंटिलेटर की पंपिंग प्रोग्रामेबल स्टेपर मोटर ड्राइव का उपयोग करके की जाती है। स्टेपर मोटर की गति और स्ट्रोक की लंबाई दोनों को मैनुअल रूप से नियंत्रित किया जा सकता है और यह वेंटिलेटर 12-15 सांस प्रति मिनट की अधिकतम श्वास आवृत्ति का काम कर सकता है। ऑक्सीजन को आरक्षित करने के लिए रिससिटेटर को 2000 मिलीलीटर जलाशय बैग के साथ जोड़ा जाता है। ऑक्सीजन की आपूर्ति को जोड़कर पुनर्जीवन इकाई को ऑक्सीजन की आपूर्ति का प्रावधान किया जा सकता है। डिवाइस बिना किसी हलचल, कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल के सुचारू रूप से संचालित होता है। ऑक्सीजन की सुचारू जाने के लिए डिलीवरी की मात्रा अधिकतम 500 मिलीलीटर तक भिन्न हो सकती है।





आईआईटी भुवनेश्वर ने यूभीसी कीटाणुशोधन कैबिनेट विकसित किया

आईआईटी भुवनेश्वर ने एक सरल, लेकिन प्रभावी यूभीसी कीटाणुनाशक कक्ष विकसित किया। इस चैंबर का इस्तेमाल मेडिकल स्टाफ, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, गारमेंट्स, पैकेट्स और अन्य संभावित फोमाइट्स के पीपीईएस कीटाणुरहित करने के लिए किया जा सकता है।



आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राज कुमार, ने डिजाइन की कल्पना की। स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल साइंसेज के डॉ. श्रीनिवास भास्कर कारंकी और डॉ. डी.पी. डोगरा के संकाय सदस्यों ने अपने दो शोधार्थियों, श्री प्रतीक कुमार कर और श्री श्रीतम बेहरा की मदद से उपकरण बनाया और परीक्षण किया।

इस प्रोटोटाइप के दो संस्करण विभिन्न आकारों के नमूनों का परीक्षण कर सकते हैं। एक्सपोजर का समय शक्ति के साथ कारोबार किया जा सकता है। वर्तमान में, उपकरण को SARS COV-1 के व्यावहारिक परिणामों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है। यह SARS-OOV-2 के लिए काम करने की उम्मीद है क्योंकि SARS-COV-2, SARS-COV-1 के एक ही परिवार से संबंधित है। डेवलपर्स की टीम आने वाले कुछ दिनों में ICMR-RMRC भुवनेश्वर की मदद से SARS-COV.2 के खिलाफ सिस्टम का परीक्षण करने का विचार रखती है। संस्थान इसे उत्पादन से पहले प्रमाणन के लिए आईसीएमआर को आवेदन करेगा।



आईआईटी भुवनेश्वर के शोधकर्ताओं द्वारा रोगाणुरोधी गुणों के साथ एक फेस शील्ड का विकास

इस परियोजना का उद्देश्य कोविड-19 के खिलाफ काम कर रहे स्वास्थ्य सुरक्षा कर्मियों के स्वास्थ्य के रक्षा के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के रूप में एंटी-वायरल फेस शील्ड के डिजाइन, प्रोटोटाइप उपकरण निर्माण, परीक्षण और उन्नत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करना है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पारदर्शी शीट (जिसे फेस शील्ड सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है) पर कोटिंग के माध्यम से विभिन्न नैनोस्ट्रक्चर्ड कम्पोजिट फिल्मों (जैसे TiO₂, ZnO, RGO, आदि) को शामिल किया जाएगा। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में फेस शील्ड सामग्री के उपयोग की प्रभावशीलता के लिए ICMR- RMRC के साथ परीक्षण किया जाएगा। अब तक, एक सरल डिजाइन और एक सरलीकृत फेस शील्ड का निर्माण किया गया है। पारदर्शी शीट पर नैनोकणों की कोटिंग के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की गई है और जल्द ही एंटी-वायरल प्रभाव के लिए नैनोमटेरियल्स के साथ प्रारंभिक कोटिंग्स का परीक्षण किया जाएगा।

एंटी-वायरल फेस शील्ड के विकास की दिशा में काम करने वाली टीम है

1. डॉ. श्रीकांत जी. (खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ)
2. डॉ. निहारिका महापात्रा (आधारीय विज्ञान विद्यापीठ)
3. प्रो. पीवी सत्यम, एचओएस (खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ)
4. प्रो सुजीत रॉय, डीन (एसआरआईसी)
5. डॉ वी पांडुरंगा (यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ)
6. डॉ आशीष विश्वास (आधारीय विज्ञान विद्यापीठ)
7. श्रीमान बिकाश सामंतराय (खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ)
8. श्री राजेंद्र गौड़ (खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ)
9. श्री के पवन श्रीकांत (खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ)



पॉकेट सेनिटाइजर का विकास

आईआईटी भुवनेश्वर के खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने निम्नलिखित विशेषताओं के साथ पॉकेट सेनिटाइजर विकसित किया है।

1. बनाने में आसान और कम लागत वाली सामग्री का उपयोग करता है।
2. फिर से भरने योग्य।
3. अल्कोहल सेनिटाइज़र और साबुन के घोल दोनों के वितरण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
4. एटीएम लिफ्ट में स्विच ऑन/ऑफ और पुशंग बटन को चालू करने के लिए एक उपकरण के रूप में काम करता है। अंदर मौजूद

सेनिटाइज़िंग लिक्विड स्विच और बटन को कीटाणुरहित करने में मदद कर सकता है।



आईआईटी भुवनेश्वर ने कोविड-19 से मुकाबला करने के लिए किटाणुनाशक स्टेशन विकसित किया।



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर, नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के चल रहे प्रकोप के संबंध में शिविर स्थलों के स्वास्थ्य और कल्याण

के लिए प्रतिबद्ध है, और इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और वर्तमान में संस्थान के मुख्य द्वार पर एक कीटाणुनाशक स्टेशन विकसित किया है।

संकाय और स्टाफ सदस्यों के समूह (डॉ. मिहिर कुमार पंडित, डॉ. वी. पांडु रंगा, डॉ. सुवरदीप मलिक, और यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ से श्री बिबदत्त

मोहंती और बेसिक साइंसेज के स्कूल से डॉ. आशीष बिस्वास) इस काम में शामिल हैं।



कीटाणुशोधन स्टेशन एक खुली संरचना है जो तीन तरफ से ढकी होती है और स्टील चैनल, प्लाईवुड और प्लास्टिक शीट से बनी होती है। विकसित कीटाणुनाशक इकाई का उपयोग वर्तमान में परिसर में प्रवेश करने वाले लोगों को छाती से कमर तक (हाथों पर जोर देते हुए) और पैरों सहित पैर के निचले हिस्से को ठीक धुंध के रूप में आइसोप्रोपिल अल्कोहल और ऑक्सीकरण एजेंट युक्त उपयुक्त कीटाणुनाशक का छिड़काव दो नोजल द्वारा उत्पन्न करके किया जा रहा है। स्टेशन का उपयोग बैग और सामान, पर्स, मोबाइल फोन आदि को साफ करने के लिए भी किया जा सकता है। व्यक्ति को पर्याप्त कीटाणुशोधन के लिए नोजल के सामने कम से कम 20-30 सेकंड लगता है।

आईआईटी भुवनेश्वर डब्ल्यूएचओ के मापदंडों के अनुसार अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र तैयार करता है

आईआईटी भुवनेश्वर के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र तैयार किया है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने छोटी सतहों से कोरोनावायरस और इसके बीजाणुओं के प्रसार को रोकने के लिए तथा परिसर समुदाय द्वारा उपयोग के लिए निर्धारित किया है। डॉ. ए. बिस्वास और उनके शोध दल ने हैंड सैनिटाइज़र तैयार किया है।



घर में तैयार हैंड सैनिटाइज़र में एक ऑक्सीडाइज़िंग एजेंट होता है जो आमतौर पर अधिकांश व्यावसायिक हैंड सैनिटाइज़र में अनुपस्थित होता है। आईआईटी भुवनेश्वर ने भी मेडिकल यूनिट, सुरक्षा इकाई (इकाइयों) के साथ-साथ परिसर के भीतर रहने वाले कर्मचारियों और संकाय सदस्यों

के लिए एक ही सैनिटाइज़र वितरित करना शुरू कर दिया है। आईआईटी भुवनेश्वर में तैयार किए गए अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र में कम से कम 70% अल्कोहल होता है, जो 30 सेकंड के भीतर या उसके बाद हाथों पर सूक्ष्मजीवों और वायरस को कुशलता से कीटाणुरहित कर सकता है।

आईआईटी भुवनेश्वर ने कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए एक कीटाणुनाशक टनल विकसित किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड-19) के प्रकोप की वर्तमान स्थिति के दौरान आईआईटी भुवनेश्वर परिवार के स्वास्थ्य और विस्तार के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ एक

कीटाणुनाशक सुरंग विकसित और स्थापित की है। यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों (डॉ. सुवरदीप मलिक, डॉ. गौरव बाटीरिया, डॉ. चेतन, डॉ. मिहिर कुमार पंडित, श्री बिबदत्त मोहंती, श्री दिलीप कुमार साहू और श्री उमेश मेलकानी) का एक समूह और आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. आशीष बिश्वाश इस काम में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।



कीटाणुशोधन सुरंग एक अर्ध-बंद संरचना है और वर्तमान में इसका उपयोग आईआईटी भुवनेश्वर के मुख्य द्वार पर किया जा रहा है ताकि यह व्यक्तियों के शरीर के लगभग पूरे हिस्से (वेहरे और सिर को छोड़कर) को साफ करने में सहायक हो सके। यह इकाई अलग-अलग ऊंचाई पर लगाए गए चार नोजल से उत्पन्न महीन धुंध के रूप में आइसोप्रोपिल अल्कोहल और हाइड्रोजन पेरोक्साइड से युक्त उपयुक्त कीटाणुनाशक

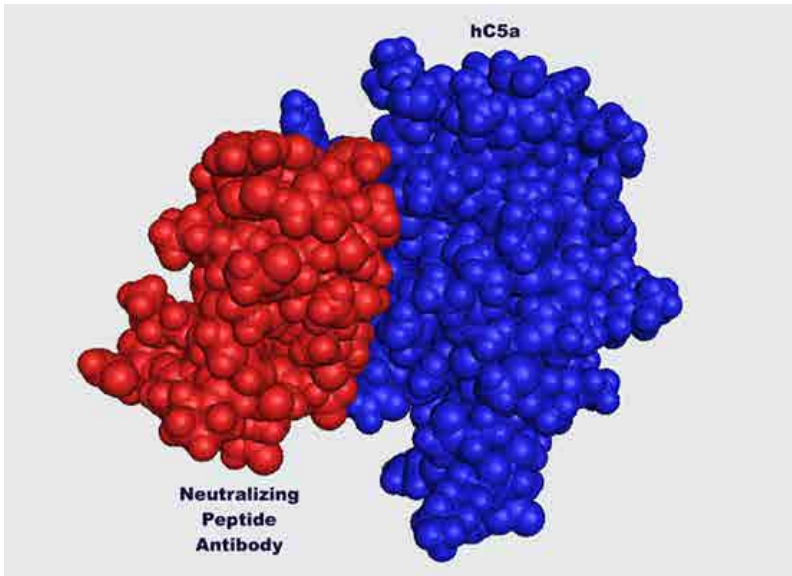
का स्प्रे करता है, यह एक निश्चित स्थान की ओर केंद्रित होती है और एयर ब्लोअर से जुड़ी होती है। एक बार जब व्यक्ति केंद्रीय स्थिति में पहुंच जाता है, तो विकसित प्रणाली की संवेदन इकाई से निस्संक्रामक धुंध को 15-20 सेकंड के लिए चालू किया जाता है। स्प्रे धुंध को शरीर के सभी अंगों तक पहुंचने के लिए व्यक्ति को निर्धारित स्थान पर खड़े होकर शरीर को चारों तरफ घुमाना पड़ता है



आईआईटी भुवनेश्वर मानव पूरक फ़ैगमेंट 5a (hC5a) के लिए पेप्टाइड एंटीबॉडी को निष्क्रिय करने के तर्कसंगत डिजाइन और विकास पर काम कर रहा है

कोविड-19 बीमारी SARS-CoV-2 के कारण होने वाली एक बीमारी है, जो मेजबान शरीर में एक आक्रामक सूजन प्रतिक्रिया को उत्प्रेरीत करती है। मेजबान सेल में वायरस का प्रवेश अनियंत्रित पूरक सक्रियण को उत्प्रेरीत करता है, जिसके परिणामस्वरूप "साइटोकाइन स्टॉर्म" की शुरुआत होती है, जो तीव्र फेफड़ों को हानि पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाता है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस से संबंधित मृत्यु दर के पीछे सांस की तकलीफ प्रमुख कारण है। SARS कोरोनावायरस के संपर्क में आने से होने वाली फेफड़ों की भयावह समस्या को रोकने के लिए hC5a की प्रिनपलेमेटरी प्रतिक्रिया को नियंत्रित करना एक विकल्प के रूप में काम कर सकता है।



आईआईटी भुवनेश्वर के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. एस. राणा (रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला) का अनुसंधान समूह hC5a के हानिकारक प्रिनपलेमेटरी कार्य को बेअसर करने के लिए पेप्टाइड आधारित सिंथेटिक एंटीबॉडी को डिजाइन और विकसित करने के मिशन पर है।

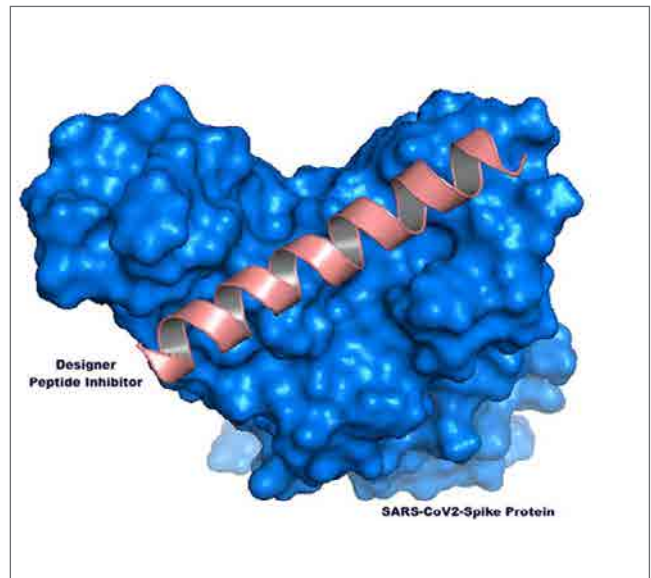
परियोजना का कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान पहलू आईआईटी दिल्ली की एचपीसी सुविधा के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिसने हाल ही में कोविड-19 संबंधित अनुसंधान के वित्तपोषण के लिए एक विशेष कॉल के माध्यम से परियोजना को मंजूरी दी है।

आईआईटी भुवनेश्वर SARS COV2-स्पाइक प्रोटीन को लक्षित ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एंटीवायरल पेप्टाइड्स के तर्कसंगत डिजाइन पर काम कर रहा है

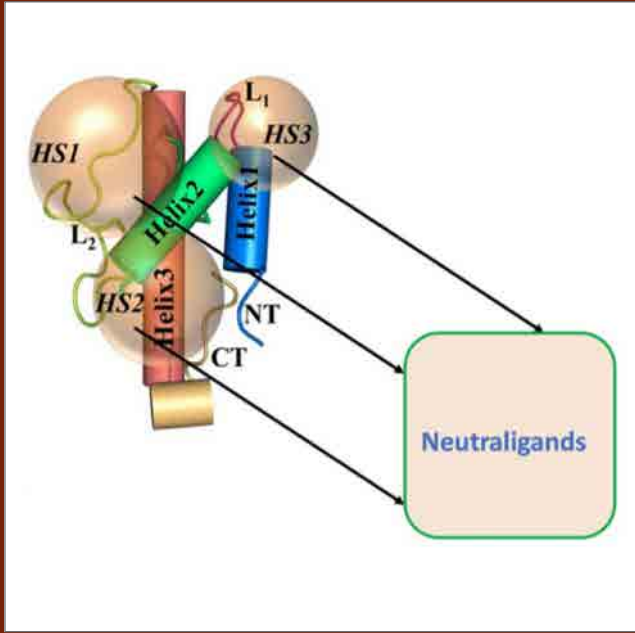
मानव ACE2 रिसेप्टर से बंधे SARS-CoV-2 स्पाइक प्रोटीन की संरचना को हाल ही में हल किया गया है। प्रथम दृष्टया, पेप्टाइड-आधारित अवरोधक का डिजाइन छोटे अणु-आधारित अवरोधक की तुलना में अधिक उपयुक्त प्रतीत होता है।

आईआईटी भुवनेश्वर के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. एस. राणा (रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला) का अनुसंधान समूह ने व्यापक स्पेक्ट्रम डिजाइनर पेप्टाइड्स के साथ सीधे SARS-CoV-2 को लक्षित करने के लिए एक दृष्टिकोण अपनाया है, ताकि (i) वायरस के लिपिड आवरण को प्रभावी ढंग से खत्म किया जा सके, वायरल लोड को कम किया जा सके या (ii) वीनस के स्पाइक प्रोटीन और मेजबान सेल ACE2 रिसेप्टर्स के बीच प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन को नियंत्रित किया जा सके, मेजबान सेल को कम किया जा सके।

संक्रमण परियोजना का कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान पहलू आईआईटी दिल्ली की एचपीसी सुविधा के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिसने हाल ही में कोविड 19 संबंधित अनुसंधान के वित्तपोषण के लिए एक विशेष कॉल के माध्यम से परियोजना को मंजूरी दी है।



आईआईटी भुवनेश्वर के शोधकर्ता का सुझाव है कि दवा के पुनर्प्रयोजन के माध्यम से hC5a के प्रिनप्लेमेटरी फंक्शन को बेअसर करना कोविड-19 प्रबंधन के लिए फायदेमंद हो सकता है।



पूरक और प्रतिरक्षा प्रणाली सिक्के के दो पहलुओं की तरह हैं जबकि पूरक की सक्रियता संभावित संक्रामक एजेंटों या अभिकर्मकों को मानव शरीर से बाहर निकालने में मदद करती है, यह प्रक्रिया स्वयं कई प्रिनप्लेमेटरी मध्यस्थों जैसे hC5a का उत्पादन शुरू करती है, जो दोनों ट्रिगर तीव्र और क्रोनीक इनफ्लेमेशन कर सकते हैं जिसे मनुष्यों में "साइलेंट किलर" के रूप में जाना जाता है। वास्तव में, अधिक उत्तेजित पूरक प्रणाली मनुष्यों में कई पैथोफिजियोलॉजिकल स्थितियों की प्रगति में सहायक रही है, जैसे कि मल्टीऑर्गन विफलता, सेप्सिस, रुमेटीइड गठिया, हृदय संबंधी जटिलताओं के लिए तीव्र फेफड़े की हानि, इत्यादी है। यह उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में कोविड-19 के रोगियों में मृत्यु दर में श्वसन संकट, सेप्सिस और हृदय प्रणाली को नुकसान के अलावा प्रमुख योगदानकर्ता हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कई दवा कंपनियों द्वारा वर्तमान में पूरक के विभिन्न चरणों को लक्षित करने वाले 20 ड्रग उम्मीदवारों का विकास किया जा रहा है।

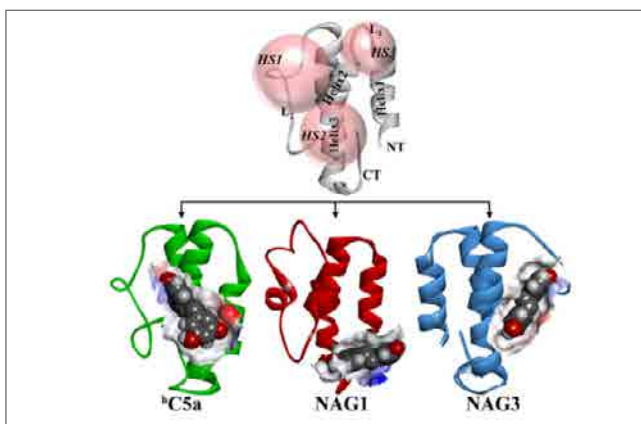
हालांकि, छोटे अणुओं का विचार, अत्यधिक hC5a के कार्य को सीधे बेअसर करना साहित्य में अस्पष्टीकृत रहता है। इस संबंध में, आईआईटी भुवनेश्वर के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. एस. राणा (रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला) का अनुसंधान समूह के एक हालिया अध्ययन (बायोऑर्गेनिक मेडिसिनल केमिस्ट्री, 2019, 27(19):115052) ने अब तक दवा पुनर्प्रयोजन दृष्टिकोण के माध्यम से hC5a की पहली पीढ़ी के टेम्पलेट न्यूट्रिलिगैंड्स की पहली तर्कसंगत खोज दस्तावेज का दस्तावेजीकरण किया है। अवधारणा अध्ययन के प्रमाण से पता चलता है कि चयनित दवाएं शायद hC5a पर कार्यात्मक रूप से अलग हॉट स्पॉट (HS) को बांधती हैं, जिसे बाद में hC5a-C5aR सिग्नलिंग अक्षों को

दृढ़ता से संशोधित करने और बाद में कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट चिकित्सीय पूरक के रूप में अनुकूलित किया जा सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि एलेक्सियन का इकुलिजुमाब" (सोलिरिस) 2007 के बाद से एफडीए द्वारा अनुमोदित एकमात्र एंटी-सी5 एंटीबॉडी है, जो वर्तमान में कोविड-19 के प्रबंधन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (NCT04288713) में सावधानीपूर्वक पुनर्पूजीकरण के अध्ययन से गुजर रहा है। इसी तरह, InflaRx ने भी कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए यूरोप में एक एंटी-C5a एंटीबॉडी IFX-1 के साथ अपना क्लिनिकल परीक्षण (NCT04333420) कोविड-19 परीक्षण शुरू कर दिया है।

आईआईटी भुवनेश्वर के शोधकर्ता का सुझाव है कि रेस्वेराट्रोल जैसे पॉलीफेनोल्स hC5a के प्रिनप्लेमेटरी फंक्शन को कम कर सकते हैं, जो कोविड-19 प्रबंधन के लिए फायदेमंद हो सकता है।

रेस्वेराट्रोल, कई फलों, नट्स और विषणन किए गए न्यूट्रास्यूटिकल्स में पाया जाने वाला सक्रिय दवा घटक (API) अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले कई पॉलीफेनोलिक फाइटोएलेक्सिन में से एक है, जो प्रसिद्ध रूप से "फ्रेंच पाराडाक्स" से जुड़ा है। रेस्वेराट्रोल के स्वास्थ्य लाभ इसकी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि या लक्ष्य प्रोटीन के साथ इसके सीधे संपर्क के कारण हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई कोशिकाओं के

संकेतन और सूजन पथ का मॉड्यूलेशन होता है। वास्तव में, एक प्रकाशित अध्ययन से संकेत मिलता है कि रेस्वेराट्रोल एमईआरएस कोरोना वायरस सहित इन्फ्लूएंजा ए वायरस की प्रतिकृति को प्रभावी ढंग से रोक सकता है। इसके अलावा, रेस्वेराट्रोल ACE2 रिसेप्टर अभिव्यक्ति को भी बढ़ा सकता है, SARS-CoV-2 संक्रमण की गंभीरता के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रभाव प्रदान करता है।



दिलचस्प बात यह है कि आईआईटी भुवनेश्वर के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. एस. राणा (रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला) का अनुसंधान समूह ने हाल ही में दिखाया है (जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 2020, doi: 10.1080/07391102.2020.1738958) कि रेस्वेराट्रोल पूरक प्रणाली के प्रिनपलेमेटरी प्रोटीन h C5a दृढ़ता से बांध सकता है , जो सार्स-सीओवी-2 जैसे संक्रामक रोगजनकों द्वारा चुनौती दिए जाने पर पूरक प्रणाली द्वारा ट्रिगर की गई तीव्र प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए फायदेमंद हो सकता है।

नोवेल कोरोनावायरस (SARS COV-2) में प्रोटीज (एमपीआरओ/3सीएलपीआरओ) इनहिबिटर्स के रूप में प्राकृतिक पॉलीफेनोल्स और न्यूक्लियोसाइड एनालॉग्स यौगिकों का मूल्यांकन- सिलिको डॉकिंग और मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स सिमुलेशन स्टडी

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के डॉ. स्नेहासिस चौधरी और डॉ. आशीष बिस्वास ने एक साथ नोवेल कोरोनावायरस (सार्स कोविड-2) मुख्य प्रोटीज के संभावित अवरोधकों की पहचान के लिए एक परियोजना प्रस्ताव तैयार किया और उच्च प्रदर्शन गणना समर्थन पर विशेष कॉल के खिलाफ प्रस्तुत किया। यह परियोजना ही में वित्त पोषण के लिए आईआईटी दिल्ली उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) सुविधा द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस परियोजना की अवधि 3-6 महीने है।

- ओडिशा में सार्वजनिक नीति के लिए कोविड-19 के भविष्य मॉडलिंग की दिशा में एक अंतःविषय दृष्टिकोण (नबाकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, एनसीडीएस के सहयोग से)

- नवाचार डिजाइन के साथ लागत प्रभावी पल्स ऑक्सीमीटर और थर्मल स्कैनर का विकास।
- कोविड -19 प्रकोप के लिए अपशिष्ट उपचार और स्वच्छता विधियां एंव तैयारी
- रोगाणुरोधी विशेषताओं के साथ धातु ऑक्साइड नैनोमैटेरियल्स और नैनोफाइबर का बड़े पैमाने पर उत्पादन जिसका उपयोग एयर फिल्टर और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

वर्ष 2020-21 में भरे गए पेटेंट

क्र. सं.	शीर्षक	संकाय का नाम	आवेदन संख्या	वर्ष	विद्यापीठ
1.	लिथियम बैटरी के रीसाइक्लिंग के लिए एक नई प्रक्रिया	डॉ. सुभंकर पती, श्री विनय अहीर, श्री गुरुदेव सिंह, श्री सार्थक पटनायक, श्री योगेश सरमा सेडाई, और श्री अश्वनी कुमार पांडे	202031049971	2020	खनिज, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विद्यापीठ
2.	एक मल्टीपॉइंट सेंसिंग के लिए एक सिस्टम और विधि	डॉ. राजन झा, डॉ. वेनुगोपाल और श्री कलपादा चटर्जी	202031053901	2020	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ और यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ
3.	डबल उण्ड योजनाकार सर्पिल माइक्रोस्ट्रिप इंडिकेटर्स के लिए एक पूर्ण बंद फॉर्म इलेक्ट्रिकल सर्किट और विश्लेषणात्मक मॉडल	डॉ. देवप्रतीम घोष घोष और श्री प्रवीन कुमार निशीद	202131015202	2021	विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

संकाय द्वारा आमंत्रित व्याख्यान / प्रस्तुति / सम्मेलन / कार्यशाला / कार्यक्रम / संगोष्ठी / व्याख्यान / वार्तालाप

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियाँ
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ				
1.	केमिकल इंजीनियरों के लिए रसायन विज्ञान की उन्नत अवधारणा	डॉ. कारी विजयकृष्ण	अनिल नेरुकोंडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेस, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश 10th फरवरी 2021	आमंत्रित स्पीकर
2.	धीमी आयन: फ्रंटियर अनुप्रयोगों के लिए नैनोस्ट्रक्चर सामग्री को हेरफेर करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण	डॉ. श्यामाल चटर्जी	भौतिक विज्ञान 2020 की उभरती हुई प्रवृत्ति पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, महा राज भोज सरकार पी.जी कॉलेज, धार, इंदौर, 5th- 7th 20 जुलाई,	आमंत्रित स्पीकर
3.	कम्प्यूटेशनल विश्लेषण और गैर-संपूर्ण सेवा अवकाश कतारबद्ध मॉडल का इष्टतम नियंत्रण	डॉ. ए. डी. बैंके और श्री साँविक घोष	ऑटोमाइज़ेशन तकनीक.; 5 वीं - 10 अक्टूबर 2020 में हाल ही के रुझान और एप्लीकेशन इंजीनियरिंग	एमकेंडीवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित हावड़ा। पश्चिम बंगाल
4.	एसआईआर और लॉजिस्टिक ग्रोथ मॉडल का उपयोग करके कोविड-19 के प्रकोप की भविष्यवाणी और बायेसियन इंटेस के माध्यम से उनके मापदंडों का अनुमान	श्री सौम्याजीत देव और डॉ. ए. बानिक	चार दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) "इंजीनियरिंग में गणित के अनुप्रयोग (सीरीज IV)", 25th- 28th 20 अगस्त	केपीआर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अरसूर, कोयंबटूर द्वारा आयोजित
5.	कोविड 19 की अवधि का आकलन	डॉ. कौशिक सामंत	कोविड -19 पर वेबिनार: जोखिम प्रबंधन और सिमुलेशन प्रयास, 2nd- 3rd जुलाई 20	
6.	मल्टीमेटिकल सिस्टम और उनके एंटीकैन्सर पहलू	डॉ. श्रीकांत पात्रा	पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में रसायन विज्ञान में टेकप-आईआईटी प्रायोजित विशेषज्ञ बात	विशेषज्ञ व्याख्यान
7.	हेटेरोडिमेटेलिक सिस्टम और उनके उत्प्रेरक पहलू	डॉ. श्रीकांत पत्र	आईआईटी-ISM धनबाद में उत्प्रेरक सामग्री पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	आमंत्रित व्याख्यान
8.	एक तंग बंधन जाली पर चलने वाले आवेशित कण के क्वांटम परिवहन में शोर का प्रभाव	डॉ. मलय कुमार बंद्योपाध्याय	संघनित पदार्थ भौतिकी में फ्रंटियर्स	आमंत्रित व्याख्यान
9.	कुछ विश्लेषणात्मक और असमान कार्यों के लिए बोहर घटना	डॉ. वासुदेव राव अल्लू श्री मोल्ला बसीर अहमद और श्री हिमाद्री हलदर	गणित और कंप्यूटर विज्ञान का VI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	पूर्ण वार्ता
10.	कुछ निकट-से-उत्तल फलनों के लघुगणक गुणकों पर	डॉ. वासुदेव राव अल्लू	जियोमेट्रिक फंक्शन थ्योरी और एप्लीकेशन -2020 में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, केआईआईटी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर, 2020, 18-21 सितंबर 2020	आमंत्रित व्याख्यान
11.	विश्लेषणात्मक और हार्मोनिक मैपिंग के कुछ वर्गों के लिए बोहर त्रिज्या	डॉ. वासुदेव राव अल्लू	विज्ञान और इंजीनियरिंग में गणितीय दृष्टिकोण 2021, 8 से 12 फरवरी 2021 पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	आमंत्रित व्याख्यान

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियों
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ				
12.	नेतृत्व संचार का परिचय	डॉ. पुण्यश्री पांडा	एआईसीटीई अटल (एफडीपी) पर "प्रभावी नेतृत्व के लिए संचार रणनीतियाँ", 22 - 26 सितंबर 2020	आमंत्रित संसाधन व्यक्ति
13.	कहानी कहने का महत्व	डॉ. पुण्यश्री पांडा	एआईसीटीई अटल (एफडीपी) पर "प्रभावी नेतृत्व के लिए संचार रणनीतियाँ", 22 - 26 सितंबर 2020	आमंत्रित संसाधन व्यक्ति
14.	नेता के भाषा का उपयोग करना	डॉ. पुण्यश्री पांडा	एआईसीटीई अटल (एफडीपी) पर "प्रभावी नेतृत्व के लिए संचार रणनीतियाँ", 22 - 26 सितंबर 2020	आमंत्रित संसाधन व्यक्ति
15.	डिजाइन सोचना	डॉ. पुण्यश्री पांडा	एआईसीटीई अटल (एफडीपी) पर "प्रभावी नेतृत्व के लिए संचार रणनीतियाँ", 22 - 26 सितंबर 2020	आमंत्रित संसाधन व्यक्ति
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ				
16.	चरणबद्ध ऐरे रडार सिस्टम	डॉ. डी. घोष	बैलिस्टिक इंस्ट्रुमेंटेशन पर सीईपी, डीआरडीओ, पीएक्सई, चांदीपुर, 15 से 19 फरवरी 2021	
17.	ऑप्टिकल सेंसर और LIDAR सिस्टम का उपयोग करके रिमोट सेंसिंग	डॉ. पी. के. साहू	पीएक्सई में बैलिस्टिक इंस्ट्रुमेंटेशन पर सीईपी, 15 - 19 फरवरी 2021.	आमंत्रित वार्ता
18.	ऑप्टिकल सिस्टम डिजाइन और स्कोप	डॉ. पी. के. साहू	RASET - सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज में हालिया प्रगति, SRMIST, 9 - 14 अक्टूबर 2020	आमंत्रित वार्ता
19.	माइक्रोग्रिड संरक्षण में मुद्दे और चुनौतियां	डॉ. एस. आर. सामंतराय	नवाचार और खुफिया	
20.	माइक्रोग्रिड के लिए बुद्धिमान सुरक्षा योजनाएं	डॉ. एस. आर. सामंतराय	फ्यूचर माइक्रोग्रिड कंट्रोल में एआई की भूमिका, सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जून 2020	
21.	माइक्रो-ग्रिड संरक्षण में मुद्दे और चुनौतियां	डॉ. एस. आर. सामंतराय	"सतत विकास के लिए ऊर्जा नियंत्रण" विषय के साथ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा (आईसीपीईई-2021) पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2 - 3 जनवरी 2021	
22.	माइक्रोग्रिड के लिए बुद्धिमान सुरक्षा योजनाएं	डॉ. एस. आर. सामंतराय	CISPSSE 2020, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग क्यॉंझर, 30 -31 जुलाई 2020	
23.	अक्षय ऊर्जा प्रणालियों के साथ एकीकृत माइक्रो-ग्रिड के लिए सुरक्षा कार्य	डॉ. एस. आर. सामंतराय	ATAL ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP), GIET भुवनेश्वर, 4 -11 नवंबर 2020	
24.	रनटाइम मॉनिटरिंग, मॉडल वेरिफिकेशन और ऑटोमेटेड प्रोग्राम रिपेयर	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी	सैमसंग सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग टीम	आमंत्रित वार्ता
25.	वेव-इंग अराउंड: आरएफ सिस्टम डिजाइन फंडामेंटल्स, चुनौतियाँ, और अनुप्रयोग	डॉ. देवप्रतिम घोष	एनआईई मैसूर, आईईईई दिवस	आमंत्रित वार्ता

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियों
26.	सिक्स पोर्ट रिफ्लेक्टोमीटर: एक वैकल्पिक नेटवर्क विश्लेषक	डॉ. देबप्रतिम घोष	वीजेटीआई मुंबई में माइक्रोवेव से एमएमवेव टेक्नोलॉजीज में आरएफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स के विकास पर एसटीटीपी	
27.	एस-पैरामीटर आरएफ मापन के लिए ब्रॉडबैंड और मल्टी-सेक्शन टेस्टसेट डिजाइन	डॉ. देबप्रतिम घोष	आईआईटी खड़गपुर	
28.	चार्ज एम्पलीफायर का डिजाइन और अंशांकन	डॉ. निज्जम वारी	बैलिस्टिक इंस्ट्रुमेंटेशन पर सीईपी, डीआरडीओ, 2021	
29.	FPGA वास्तुकला और तंत्रिका नेटवर्क का कार्यान्वयन	डॉ. श्रीनिवास बोप्पू	एसटीटीपी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोसेसर के लिए मिश्रित सिग्नल डिजाइन दृष्टिकोण	
30.	एआई और एमएल प्रोसेसर का आर्किटेक्चर एक्सप्लोरेशन	डॉ. श्रीनिवास बोप्पू	एसटीटीपी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोसेसर के लिए मिश्रित सिग्नल डिजाइन दृष्टिकोण	
31.	मशीन इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में इसका अनुप्रयोग	डॉ. पद्मलोचन बेर	मशीन लर्निंग में हालिया रुझान और अनुप्रयोग, 2021, IEST शिबपुर	आमंत्रित वेबिनार
32.	स्मार्ट ग्रिड में साइबर सुरक्षा खतरों का औपचारिक विश्लेषण	डॉ. पद्मलोचन बेर	आईओटी सक्षम स्मार्ट ग्रिड, 2020, एनआईटी कुरुक्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां, उद्देश्य और मुद्दे	आमंत्रित वेबिनार
33.	क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म में सुरक्षा चुनौतियां	डॉ. पद्मलोचन बेर	इंटरनेट ऑफ थिंग्स एप्लिकेशन, 2020, एनआईटी वारंगल के लिए क्लाउड और फॉग कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म	आमंत्रित वेबिनार
34.	साइबरबुलिंग डिटेक्शन के लिए आत्म-ध्यान	डॉ. पद्मलोचन बेर	आईईईई साइबर साइंस 2020, यूके	मौखिक पेपर प्रस्तुति (वर्चुअल मोड)
35.	अस्पष्ट नीति और आउटसोर्सिंग डिफ्रिप्शन के साथ व्यावहारिक सीपी-एबीई का उपयोग करके स्मार्ट ग्रिड डेटा सुरक्षा।	डॉ. पद्मलोचन बेर	आईईईई साइबर साइंस 2020, यूके	मौखिक पेपर प्रस्तुति (वर्चुअल मोड)
36.	डीसी-डीसी पावर रूपांतरण: सिद्धांत से अभ्यास तक	ओलिव राय	TEQIP- प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	
37.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स परिप्रेक्ष्य से भंडारण एकीकरण चुनौतियां	ओलिव राय	एमएनआईटी जयपुर, राजस्थान में "ऊर्जा भंडारण" पर अटल प्रायोजित ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	
38.	वायरलेस संचार के लिए आईसी डिजाइन का परिचय	डॉ. विजया शंकर राव पसुपुरेड्डी	सभी पीजी छात्रों के लिए वेबिनार	
39.	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग का परिचय	डॉ. विजया शंकर राव पसुपुरेड्डी	अभिविन्यास व्याख्यान	
40.	रिन्यूएबल इंटीग्रेशन के लिए हाई-गेन ट्रांसफॉर्मर कम पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर टोपोलॉजीज	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	सस्तेनेबल लिविंग के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर के आवेदन सितंबर 18-22, 2020	एनआईटी सूरत

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियाँ
41.	सहायक सेवाओं के लिए ग्रिड में ऊर्जा भंडारण एकीकरण	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	एआईसीटीई-आईएसटीई प्रायोजित एक सप्ताह का प्रेरण / पुनश्चर्या कार्यक्रम (चरण- I), हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण प्रणाली - डीपीई, 24 से 30 मार्च 2021	
42.	अक्षय ऊर्जा एकीकरण के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर टोपोलॉजी	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	अक्षय ऊर्जा प्रणालियों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रिम और ई-मोबिलिटी एप्लिकेशन (चरण- II)	
43.	एकल-चरण अनुप्रयोगों के लिए संशोधित बहुस्तरीय इन्वर्टर टोपोलॉजी का डिजाइन और विकास	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन-2020 के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रिम	एनआईटी आंध्र प्रदेश
44.	अक्षय ऊर्जा स्रोतों के लिए उच्च लाभ ट्रांसफार्मर कम बिजली इलेक्ट्रॉनिक कनवर्टर टोपोलॉजीज	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	2020 आईईईई इंडिया काउंसिल इंटरनेशनल सब सेक्शन कॉन्फ्रेंस, इंडिया (इंडिसकॉन), 3-4 अक्टूबर 2020	इंडिस्कॉन 2020
पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ				
45.	जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएं	डॉ संदीप पटनायक	जलवायु जोखिम मूल्यांकन और कृषि मौसम विज्ञान दृष्टिकोण के माध्यम से इसका प्रबंधन, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और कश्मीर के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SKUAST-K), 21-30 अक्टूबर 2020	आमंत्रित वार्ता
46.	उष्णकटिबंधीय चक्रवात भविष्यवाणी पर युग्मित अंतःक्रियाओं का प्रभाव	डॉ संदीप पटनायक	"दक्षिण एशिया में मौसमी भविष्यवाणी के लिए उप-मौसम की भविष्य की दिशा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	आमंत्रित वार्ता
47.	समग्र विश्लेषण के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में मानसून कम दबाव प्रणाली का अनुकरण करने में क्लाउड माइक्रोफिजिकल पैरामीटराइजेशन का प्रभाव	श्री वी. हाजरा और डॉ. एस. पटनायक	ट्रॉपमेट2020	मौखिक प्रस्तुति
48.	सुपर साइक्लोन अम्फान की तीव्र तीव्रता पर समुद्र की सतह के तापमान की भूमिका	श्री वी. विश्वकर्मा और डॉ. एस. पटनायक	ट्रॉपमेट2020	मौखिक प्रस्तुति
49.	विपरीत मानसून वर्षों के लिए ओडिशा और उसके आस-पास के क्षेत्रों में ग्रहों की सीमा परत की विशेषताएं	श्री एस. एस. सामंतराय और डॉ. एस. पटनायक	ट्रॉपमेट2020	मौखिक प्रस्तुति
50.	भूतल अवलोकनों से क्लाउड माइक्रोफिजिकल गुणों की जांच	श्री सिसोदिया ए और डॉ एस पटनायक	ट्रॉपमेट2020	मौखिक प्रस्तुति
51.	फोरामिनिफेरा प्रॉक्सी का उपयोग करके लघु और दीर्घकालिक जलवायु चक्र का आकलन करना	डॉ. आर. के. सिंह	विभागीय संगोष्ठी, समुद्री भूविज्ञान विभाग चार्नी समुद्री विज्ञान के स्कूल हाइफ्रा विश्वविद्यालय	
52.	फोरामिनिफेरल प्रॉक्सी का उपयोग करके लघु और दीर्घकालिक जलवायु चक्र का आकलन करना	डॉ. आर. के. सिंह	पेलियोक्लाइमेट परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीसी - 2020)	

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियाँ
53.	रिमोट सेंसिंग: रुझान और परिप्रेक्ष्य	डॉ. डी. स्वैनी	रिमोट सेंसिंग में मशीन लर्निंग और IoT के अनुप्रयोग पर वर्चुअल स्कूल (CHAPNET-2020), 4 - 5 दिसंबर 2020	आमंत्रित व्याख्यान
54.	आकाश में प्रहरी	डॉ. डी. स्वैनी	आईईईई-जीआरएसएस व्याख्यान श्रृंखला, 2020, 12 सितंबर 2020	आमंत्रित व्याख्यान
55.	ENSO और हिंद महासागर द्विध्रुवीय वर्षों के दौरान उत्तर हिंद महासागर में अव्यक्त और संवेदनशील हीट फ्लक्स भिन्नता	डॉ. डी. स्वैन और श्री एस. के. घोष	यूआरएसआई गैस 2020 29 अगस्त - 5 सितंबर 2020	
56.	बदलते जलवायु परिदृश्य में उत्तर हिंद महासागर में वायु-समुद्र की बातचीत	डॉ. डी. स्वैन और श्री एस. के. घोष	छठा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संरक्षण कांग्रेस, 2020, 22-28 अगस्त 2020	
57.	दक्षिणी महासागर में प्राथमिक उत्पादकता को संशोधित करने में अंटार्कटिका समुद्री बर्फ की भूमिका	डी. स्वैन, एन. बेहरा और एस. सिलो	अंटार्कटिक विज्ञान - वैश्विक कनेक्शन (SCAR COMNAP 2020), 31 जुलाई - 11 अगस्त 2020	
आधारिक संरचना विद्यापीठ				
58.	बायोपॉलिमर के साथ बॉक्साइट अवशेषों का संशोधन: विशेषता और परिप्रेक्ष्य उपयोग	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	सतत पर्यावरण के लिए औद्योगिक/खनन अपशिष्ट के उपचार और उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (TUIMW-2020)	
59.	क्षार-सक्रिय फ्लाइ ऐश / स्लैग कंक्रीट: यांत्रिक और सूक्ष्म संरचना विशेषताएँ:	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	सतत सामग्री और लचनशील भवन - दर्शन, डिजाइन, कार्यान्वयन और प्रदर्शन, 2020	
60.	हरित सतत सामग्री में रूपांतरण के लिए अत्यंत क्षारीय लाल मिट्टी अपशिष्ट का स्थिरीकरण	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	सतत विकास के लिए पर्यावरणीय भू-तकनीकी में हालिया रुझान, 2021	
61.	जियोप्रिड प्रबलित मिट्टी की दीवार (आरएसडब्ल्यू) का डिजाइन और विश्लेषण	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	आईजीसी 2020	
62.	मिट्टी की ढलानों के लिए भूस्खलन शमन उपाय, भूमि सुधार तकनीक	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	भूस्खलन शमन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना, 2020	
63.	मिट्टी की ढलानों के लिए भूस्खलन शमन उपाय, भूमि सुधार तकनीक	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	भूस्खलन शमन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना, 2020	
64.	हरित सतत सामग्री में रूपांतरण के लिए अत्यंत क्षारीय लाल मिट्टी अपशिष्ट का स्थिरीकरण	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	स्ट्रक्चरल और जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में अग्रिम (Asge-2020), 2020	
65.	ग्रामीण सड़कों में जियोसिंथेटिक / जियोटेक्स्टाइल अनुप्रयोग	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	ग्रामीण सड़कों में नई प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग, 2021	

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियाँ
66.	बैरियर सिस्टम घटकों का प्रदर्शन	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	सस्टेनेबल इंजीनियर वेस्ट बैरियर सिस्टम, 2021	
67.	रासायनिक तत्वों के लिए विस्तृत मिट्टी की विशेषता और सूजन गुणों पर उनका प्रभाव	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	सिविल इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में चुनौतियां और अवसर (COCEI-2021), 2021	
68.	औद्योगिक अपशिष्ट और उप-उत्पादों के संघनन लक्षण: जमीनी सुधार में भूमिका	डॉ. हनुमंत राव बेंदादी	स्काई एंड अर्थ, 2020	
69.	स्मार्टफोन का उपयोग करके रेलवे ट्रैक प्रोफाइल मॉनिटरिंग	डॉ. ज्योति सरवनन त्याग राजन	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में उभरते अनुसंधान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020	
70.	दो समानांतर तारों में तरंग फैलाव की जांच के लिए निर्देशित तरंग प्रसार	डॉ. ज्योति सरवनन त्याग राजन	कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 7 वां एशियाई सम्मेलन (ACMFMS 2020+1), 2021	
71.	पेचदार तार में फैलाव व्यवहार की जांच के लिए लोचदार तरंग प्रसार	डॉ. ज्योति सरवनन त्याग राजन	कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 7 वां एशियाई सम्मेलन (ACMFMS 2020+1), 2021	
72.	अपशिष्ट से जैव-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रगति	डॉ मनस्विनी बेहरा	जल, ऊर्जा और पर्यावरण पर TEQIP-III प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) (WEE- 2020), वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी संस्थान, बुर्ला, ओडिशा, 5 -9 सितंबर 2020	
73.	सतत अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा वसूली	डॉ मनस्विनी बेहरा	पर्यावरण इंजीनियरिंग में हालिया विकास (RDEE-2020), वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी संस्थान, बुर्ला, ओडिशा, 15-19 सितंबर, 2020	
74.	अपशिष्ट जल उपचार के दौरान बायोएनेर्जी उत्पादन: एक सतत दृष्टिकोण	डॉ मनस्विनी बेहरा	सस्टेनेबल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग प्रैक्टिसेज (SEEP-2020), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी राउरकेला, 21 से 25 सितंबर 2020	
75.	औद्योगिक अपशिष्ट जल उपचार के लिए बायोइलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम	डॉ मनस्विनी बेहरा	एआईसीटीई प्रायोजित शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम - वेबिनार सीरीज, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक, 19 -24 अक्टूबर 2020	
76.	यांत्रिकी में चर कठोरता की अवधारणा: कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत और परिवर्तनीय कोण टो कंपोजिट का अवलोकन	डॉ. देवेश पुनेरा	सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी में अग्रिमों पर एफडीपी	
77.	भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में अपतटीय पवन टरबाइन संरचनाओं के डिजाइन में चुनौतियां	डॉ सुमंत हलदार	निर्मित बुनियादी ढांचे के लिए आपदा लचीलापन	वेबिनार

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियों
78.	ब्रिज डिजाइन में भू-तकनीकी पहलू	डॉ. सुमंत हलदार	लघु पुलों और पुलियों का विश्लेषण और डिजाइन	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
79.	भूकंप प्रतिरोधी संरचनाओं का डिजाइन: सिद्धांत और व्यवहार का अवलोकन	डॉ. एस. आर. दाश	सिविल इंजीनियरिंग संरचनाओं में अनुसंधान के हालिया रुझान (RTRCES-2020) NIT राउरकेला, 22-26 सितंबर 2020	
80.	भूकंप प्रतिरोधी संरचनाओं का डिजाइन: सिद्धांत और व्यवहार का अवलोकन	डॉ. एस. आर. दाश	स्ट्रक्चरल और जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति, आईआईटी इंदौर, 8 से 11 मार्च 2021	
81.	पुलों का भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन	डॉ. एस. आर. दाश	एआईसीटीई-आईएसटीई प्रायोजित "भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम, 17 से 22 मई 2021	
82.	भूकंप प्रतिरोधी संरचनाओं का डिजाइन: सिद्धांत और व्यवहार का अवलोकन	डॉ. एस. आर. दाश	"भूकंप इंजीनियरिंग के अंकगणित" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (ताई -2020), 31 जुलाई 2020	
83.	भूकंप परिमाणीकरण: परिमाण बनाम तीव्रता	डॉ. एस. आर. दाश	एआईसीटीई-आईएसटीई प्रायोजित "भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम, 05 से 10 अप्रैल 2021	
84.	भूकंप प्रतिरोधी संरचनाओं का डिजाइन: हाल के विकास, सिद्धांत और व्यवहार	डॉ. एस. आर. दाश	अल्ट्राटेक सीमेंट ऑनलाइन तकनीकी वेबिनार, 25 जून 2020	
यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ				
85.	पॉलिमर नैनो-समग्रों के सूक्ष्म यांत्रिकी	डॉ. पी. आर. बुदारपु	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रगति पर वेबिनार श्रृंखला, 11 जून 2020।	एमआईसी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी
86.	मशीनिंग प्रक्रिया में मॉडलिंग और सिमुलेशन पर एक परिचयात्मक वार्ता	डॉ. गौरव बरतारिया	एआईसीटीई प्रायोजित ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) पर "डिजिटल मैनुफैक्चरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का अनुप्रयोग, जीआईटी गुनुपुर, 3 नवंबर 2020	
87.	पारंपरिक मशीनिंग में मॉडलिंग और सिमुलेशन	डॉ. गौरव बरतारिया	उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं पर TEQIP III एसटीसी, आईआईटी गुवाहाटी, 25 दिसंबर 2020	
88.	सस्टेनेबल मशीनिंग में हाल के रुझान	डॉ. चेतन	आईआईटी और एनआईटी संकाय द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला 2021	जी एच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पुणे, भारत
89.	घर्षण परिष्करण संचालन का अनुप्रयोग	डॉ. चेतन	विनिर्माण और उनके अनुप्रयोगों में समकालीन दृष्टिकोण, 2021	श्री साई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पठानकोट, भारत

क्रं. सं.	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक (एस)	सम्मेलन का नाम, अवधि, स्थान	टिप्पणियाँ
90.	मशीनिंग में सतत तकनीकों का अनुप्रयोग	डॉ. चेतन	निर्माण में प्रगति पर ई-कार्यशाला: सामग्री, प्रक्रियाएं और प्रणालियां (एएमएमपीएस-2020), 2020	एनआईटी हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत
91.	एयरोस्पेस मिश्र धातु की मशीनिंग के लिए सतत मशीनिंग तकनीकों का अनुप्रयोग	डॉ. चेतन	TEQIP-III RTU ने उन्नत मशीनिंग और एडिटिव मैनुफैक्चरिंग में हालिया रुझानों पर FDP प्रायोजित किया, 2020	राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा, भारत
92.	इंजीनियरिंग सामग्री की फ्रैक्चर विफलता	डॉ. चेतन	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला का हिस्सा, 2020	श्री साई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पठानकोट, भारत
93.	अल्ट्रा-शॉर्ट लेजर पल्स इंटरैक्शन, वाटर असिस्टेड लेजर प्रोसेसिंग	डॉ सुवरदीप मलिक	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर द्वारा आयोजित "लेजर माइक्रो-मैनुफैक्चरिंग, सरफेस एंड मैटेरियल प्रोसेसिंग" पर शॉर्ट टर्म ऑनलाइन सीईपी कोर्स, 17 जुलाई 2020	
94.	लेजर कटिंग और इसके अग्रिम; पानी के नीचे लेजर काटना	डॉ सुवरदीप मलिक	नेशनल वेबिनार, द स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जीआईईटी विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा आयोजित, 06 जून 2020	
खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ				
95.	विद्युत उत्पादन के लिए उपन्यास और कुशल हाफ-हेस्लर थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री का डिजाइन	डॉ. सिवैया बथुला	ऊर्जा सामग्री, उपकरण और विशेषता, 9 जनवरी 2021	नैनो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (एनआरसी), एसआरएमआईएसटी, कट्टनकुलथुर चेन्नई द्वारा आयोजित
96.	क्रिस्टलोग्राफी के मूल सिद्धांत	डॉ अमृतेंदु राय	NITTTR चंडीगढ़ में इंजीनियरिंग भौतिकी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 23 अक्टूबर 2020	
97.	समरूपता, एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी और पाउडर एक्स-रे विवर्तन का रिटवेल्ड शोधन	डॉ अमृतेंदु राय	एएमपीसीए - 2020, वीएसएसयूटी, बुर्ला, 10 सितंबर 2020	
98.	पीजोइलेक्ट्रिक और फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री की मूल बातें	डॉ अमृतेंदु राय	एएफएम 2020, भुवनेश्वर, 26 अगस्त 2020	

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में संकाय द्वारा भाग लिया

क्रं.स.	नाम	शीर्षक	दिनांक		स्थान	टिप्पणियाँ
			कब से	कब तक		
आधारिक विज्ञान विद्यापीठ						
1.	डॉ सौमेंद्र राणा	ग्लाइकोबायोलॉजी	23-06-2020	23-06-2020	वर्चुअल मोड	एसबीएमबी द्वारा होस्ट किया गया
2.	डॉ. सस्मिता बारिको	गणित में हाल के रुझानों और ग्राफ, नेटवर्क और पेट्री नेट्स के लिए इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICRTMA-GPN-2020)	20-07-2020	24-07-2020	जेएनयू, नई दिल्ली	आमंत्रित वक्ता
3.	डॉ सौमेंद्र राणा	आईसीबीएस-2020-वर्चुअल	11-11-2020	13-11-2020	वर्चुअल मोड	
4.	डॉ. निर्मलेंद्रु आचार्य	2020 अल्ट्राफास्ट फेनोमेनन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	16-11-2020	19-11-2020	शंघाई	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
5.	डॉ. निहारिका महापात्र	छोटे परमाणुओं से ठोस से ब्रह्मांड तक: क्रांटम पहलू	01-12-2020	05-12-2020		
6.	डॉ. वासुदेव राव अल्लू	जटिल विश्लेषण पर रामानुजन गणितीय सोसायटी (आरएमएस) पूर्व सम्मेलन संगोष्ठी	27-12-2020	27-12-2020	केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान	वर्चुअल कॉन्फ्रेंस मोड के माध्यम से भाग लें
7.	डॉ. वासुदेव राव अल्लू	रामानुजन गणितीय सोसायटी का 35वां वार्षिक सम्मेलन	28-12-2020	30-12-2020		वर्चुअल कॉन्फ्रेंस मोड के माध्यम से भाग लें
8.	डॉ. निहारिका महापात्र	क्रांटम मीटर हेटरोस्ट्रक्चर II	18-02-2021	20-02-2021		
9.	डॉ सौमेंद्र राणा	SRISTI-SIIE BioNEST ग्लोबल बायो-इंडिया रोड शो 2021	26-02-2021	26-02-2021	आभासी	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
10.	डॉ सौमेंद्र राणा	आईसीटी-आईओसी, भुवनेश्वर के तीसरा स्थापना दिवस समारोह	18-03-2021	18-03-2021	आभासी	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
11.	डॉ सौमेंद्र राणा	इंडियन पेप्टाइड सोसाइटी वर्चुअल सिम्पोजियम, आईआईएससी, बैंगलोर	24-03-2021	26-03-2021	आभासी	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ						
12.	डॉ पुण्यश्री पांडा	SASNET 2020: दक्षिण एशिया सम्मेलन में स्मृति की राजनीति पर पुनर्विचार (आभासी)	09-12-2020	10-12-2020	लुंड विश्वविद्यालय स्वीडन	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ						
13.	डॉ. विजया शंकर राव पसुपुरेडुडी	सर्किट और प्रणालियों पर 2020 IEEE अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	17-05-2020	20-05-2020	सेविला, स्पेन	ऑनलाइन
14.	डॉ. अनूप थॉमस	सूचना सिद्धांत पर 2020 IEEE अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, (आईएसआईटी 2020)	21-06-2020	26-06-2020	एलए, यूएसए	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
15.	डॉ. विजया शंकर राव पसुपुरेडुडी	वीएलएसआई पर आईईईई कंप्यूटर सोसायटी वार्षिक संगोष्ठी	06-07-2020	08-07-2020	लिमासोल, साइप्रस,	ऑनलाइन

क्रं. स.	नाम	शीर्षक	दिनांक		स्थान	टिप्पणियाँ
			कब से	कब तक		
16.	डॉ. अनूप थॉमस	एसपीसीओएम 2020	19-07-2020	24-07-2020	बेंगलुरु भारत	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
17.	डॉ. दीपांकर दे	ईपीई ईसीसीई 2020	07-09-2020	11-09-2020	फ्रांस	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें और एक पेपर प्रस्तुत करें
18.	डॉ. सुभज्योति मुखर्जी	आईईईई ऊर्जा रूपांतरण कांग्रेस और प्रदर्शनी (ईसीसीई)	17-09-2020	21-09-2020	मिशिगन यूएसए	
19.	डॉ. एन. सी. साहू	पीईईएससी 2020	04-12-2020	05-12-2020	भुवनेश्वर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
20.	डॉ. ओलिव राय	पीईईएससी 2020	04-12-2020	05-12-2020	भुवनेश्वर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
21.	डॉ. ओलिव राय	पेड्स 2020	16-12-2020	19-12-2020	जयपुर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
22.	डॉ. एन. सी. साहू	आईईईई पेड्स-2020	16-12-2020	19-12-2020	जयपुर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
23.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स ड्राइव्स एंड एनर्जी सिस्टम 2020	16-12-2020	19-12-2020	एमएनआईटी, जयपुर	प्रस्तुत पेपर
24.	डॉ. ओलिव राय	एनपीएससी 2020	17-12-2020	19-12-2020	गांधीनगर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
25.	डॉ. दीपांकर दे	आईसीपीईई (2021)	02-01-2021	03-01-2021	भुवनेश्वर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें और एक पेपर प्रस्तुत करें
26.	डॉ. ओलिव राय	आईसीपीईई 2021	02-01-2021	03-01-2021	भुवनेश्वर	वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लें
27.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	02-01-2021	03-01-2021	केआईआईटी भुवनेश्वर	प्रस्तुत पेपर
28.	डॉ. सिद्धार्थ एस बोरकोटोक्यो	आईईईई उपभोक्ता संचार और नेटवर्किंग सम्मेलन	09-01-2021	12-05-2021	लास वेगास, यूएसए	आभासी सम्मेलन
29.	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी	एप्लाइड कंप्यूटिंग पर एसीएम संगोष्ठी	22-03-2021	26-03-2021	आभासी	
30.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	स्मार्ट सिटीज इंडिया 2021 एक्सपो	24-03-2021	26-03-2021	दिल्ली	परियोजना को प्रदर्शन के लिए स्वीकार कर लिया गया है
पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ						
31.	डॉ. देबदत्त स्वैन	अंटार्कटिक विज्ञान - वैश्विक संपर्क (SCAR COMNAP 2020)	31-07-2020	11-08-2020	ऑनलाइन	
32.	डॉ. देबदत्त स्वैन	छठा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संरक्षण कांग्रेस	22-08-2020	28-08-2020	ऑनलाइन	

क्रं. स.	नाम	शीर्षक	दिनांक		स्थान	टिप्पणियाँ
			कब से	कब तक		
33.	डॉ. देबदत्त स्वैन	अंतर्राष्ट्रीय रेडियो संघ की महासभा और वैज्ञानिक संगोष्ठी (URSI GASS 2020)	29-08-2020	05-09-2020	ऑनलाइन	
34.	डॉ संदीप पटनायक	कृषि मौसम विज्ञान दृष्टिकोण के माध्यम से जलवायु जोखिम मूल्यांकन और इसका प्रबंधन	21-10-2020	30-10-2020	वेबिनार	शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर (SKUAST-K)
35.	डॉ संदीप पटनायक	पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम और जलवायु सेवाएं	14-12-2020	17-12-2020	वेबिनार	ट्रॉपमेट-2020, एनईएसएसी, शिलांग
36.	डॉ संदीप पटनायक	"दक्षिण एशिया पर मौसमी भविष्यवाणी के लिए उप-मौसम की भविष्य की दिशा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	29-03-2021	31-03-2021	वेबिनार	आईआईटीएम पुणे
आधारीक संरचना विद्यापीठ						
37.	डॉ. एस. आर. दाश	आपदा न्यूनीकरण के लिए भू-तकनीकी पर पहली भारत-जापान वेबिनार श्रृंखला	08-06-2020	13-06-2020	ऑनलाइन	एनआईटीके सूरतकल, आईजीएस, आईआईटी तिरुपति और क्यूशू विश्वविद्यालय जापान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित
38.	डॉ. एस. आर. दाश	नेशनल डिजास्टर रेजिलिएशन फॉर बिल्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर (NDRBI) पर पहली अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला	24-08-2020	28-08-2020	ऑनलाइन	प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सिडनी (यूटीएस) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटीएम) द्वारा आयोजित।
39.	डॉ. एस. आर. दाश	"मोरांडी ब्रिज पतन की कहानी, इटली" पर वेबिनार	15-10-2020	15-10-2020	ऑनलाइन	आईएसएसटूक्चरई, भारत द्वारा आयोजित
40.	डॉ शांतनु पात्रा	भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन	17-12-2020	19-12-2020	विज्ञाग	ऑनलाइन मोड
41.	डॉ. एस. आर. दाश	अटल सुरंग रोहतांग पर वेबिनार	11-01-2021	11-01-2021	ऑनलाइन	सीमा सड़क संगठन द्वारा आयोजित
42.	डॉ. मोहम्मद मसीउर रहमानी	एमआई-स्पार्क: मेटामटेरियल्स के यांत्रिकी पर ऑनलाइन कार्यशाला	18-01-2021	25-05-2021	ऑनलाइन	
43.	डॉ. एस. आर. दाश	डिस्क बियरिंग्स और भूकंपीय अलगाव उपकरणों के डिजाइन, निर्माण और परीक्षण पर वेबिनार	29-01-2021	29-01-2021	ऑनलाइन	आईएसएसटूक्चरई, भारत द्वारा आयोजित
44.	डॉ. एस. आर. दाश	"आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास का दोहन" पर वेबिनार	03-03-2021	03-03-2021	ऑनलाइन	शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित
45.	डॉ. अरिंदम सरकार	हाइड्रो 2020 इंटरनेशनल	26-03-2021	28-03-2021	एनआईटी राउरकेला	

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

क्र. सं.	शीर्षक	संगठन	दिनांक		स्थान	टिप्पणियां
			कब से	कब तक		
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ						
1.	आणविक और सामग्री रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स	संगोष्ठी	04-04-2020	06-04-2020	आईआईटी भुवनेश्वर	हाल ही में कोविड-19 महामारी के कारण संगोष्ठी स्थगित कर दी गई है
2.	जियोमेट्रिक फंक्शन थ्योरी (जीएफटी) -इंडिया पर ऑनलाइन ग्रुप डिस्कशन	संगोष्ठी	27-02-2021	01-06-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ						
3.	व्यक्तिगत प्रभावशीलता पर एआईसीटीई अटल एफडीपी	कार्यशाला	02-11-2020	06-11-2020	आईआईटी भुवनेश्वर	लगभग 200 प्रतिभागियों की भागीदारी के साथ
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ						
4.	वीएलएसआई डिजाइन और परीक्षण पर 24वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	सम्मेलन	23-07-2020	25-07-2020	भुवनेश्वर	वर्चुअल प्लेटफॉर्म चेयर
5.	आईईईई वीडिओ आयोजन समिति सदस्य	सम्मेलन	23-07-2020	25-07-2020	आईआईटी भुवनेश्वर	टीपीसी सदस्य, मुख्य आयोजन सदस्य और सर्वश्रेष्ठ पेपर चयन समिति सदस्य
6.	वीएलएसआई डिजाइन और टेस्ट 2020	सम्मेलन	23-07-2020	25-07-2020	ऑनलाइन मोड	पंजीकरण चेयर
7.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अक्षय ऊर्जा प्रणाली नियंत्रण	संगोष्ठी	03-12-2020	05-12-2020	आईआईटी भुवनेश्वर	
8.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अक्षय ऊर्जा प्रणाली नियंत्रण 2020 . पर संगोष्ठी		04-12-2020	05-12-2020	भुवनेश्वर	प्रचार अध्यक्ष, सत्र अध्यक्ष और अन्य भूमिकाएं
9.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	02-01-2021	03-05-2021	ऑनलाइन मोड	संयुक्त प्रकाशन अध्यक्ष
10.	उच्च दक्षता उच्च शक्ति घनत्व इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ई-केपलेस ऑन बोर्ड बैटरी चार्जर	संगोष्ठी	08-01-2021	08-01-2021	ऑनलाइन मोड	IEEE PELS भुवनेश्वर चैप्टर के भाग के रूप में
11.	भारी शुल्क वाले वाहनों के लिए वाइड बैंडगैप (WBG) पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	संगोष्ठी	30-01-2021	30-01-2021	ऑनलाइन मोड	IEEE PELS भुवनेश्वर चैप्टर के भाग के रूप में
12.	ऊर्जा-कुशल एंबेडेड हेल्थकेयर सिस्टम के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर	कार्यशाला	26-02-2021	28-02-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
13.	"ऊर्जा कुशल एंबेडेड हेल्थकेयर सिस्टम के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर" पर इंडो-यूएसए ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स	कार्यशाला	26-02-2021	28-02-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
14.	एचवीडीसी प्रौद्योगिकी: आज और भविष्य	संगोष्ठी	05-03-2021	05-03-2021	ऑनलाइन मोड	IEEE PELS भुवनेश्वर चैप्टर के भाग के रूप में

क्र. सं.	शीर्षक	संगठन	दिनांक		स्थान	टिप्पणियां
			कब से	कब तक		
15.	डेटा-संचालित IoT और स्मार्टफोन स्वास्थ्य निगरानी के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग तकनीक	कार्यशाला	26-03-2021	30-05-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
16.	डेटा-संचालित IoT और स्मार्टफोन स्वास्थ्य निगरानी के लिए "सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग तकनीक" पर इंडो-यूएसए ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स	कार्यशाला	26-03-2021	30-03-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ						
17.	कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन के दौरान पृथ्वी की डिटॉक्सिंग पर अंतरिक्ष प्रेक्षण	संगोष्ठी	30-04-2020	30-04-2020	वेबिनार	आईआईआरएस/इसरो के माध्यम से
18.	रिमोट सेंसिंग डेटा वर्गीकरण के लिए मशीन लर्निंग	कार्यशाला	01-06-2020	01-06-2020	ऑनलाइन	आईआईआरएस/इसरो के माध्यम से
19.	भू प्रेक्षण आधारित मानचित्रण, निगरानी और भूस्खलन की मॉडलिंग: हाल के रुझान और पूर्व चेतावनी प्रणाली को समर्थन	संगोष्ठी	08-11-2020	19-11-2020	वेबिनार	आईआईआरएस/इसरो के माध्यम से
20.	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोग	कार्यशाला	11-01-2021	11-01-2021	ऑनलाइन	आईआईआरएस/इसरो के माध्यम से
आधारीक संरचना विद्यापीठ						
21.	युवा वैज्ञानिकों का सम्मेलन (इंजीनियरिंग प्रभाग)	संगोष्ठी	23-12-2020	25-12-2020	ऑनलाइन	भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2020 का हिस्सा
22.	ग्रामीण सड़कों में नई प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग	कार्यशाला	25-02-2021	27-02-2021	आईआईटी भुवनेश्वर	
23.	छोटे पुलों और पुलियों का विश्लेषण और डिजाइन	कार्यशाला	08-03-2021	10-03-2021	आईआईटी भुवनेश्वर (ऑनलाइन)	
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ						
24.	आंशिक विभेदक समीकरणों के लिए डीप मशीन लर्निंग आधारित समाधान (MS317)	संगोष्ठी	11-01-2021	15-01-2021	ऑनलाइन	कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी में चौथा विश्व कांग्रेस
खनिज ,धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ						
25.	एयरोस्पेस और अन्य अनुप्रयोगों के लिए जंग और भूतल इंजीनियरिंग	सम्मेलन	19-03-2020	20-03-2021	आईआईटी भुवनेश्वर (वर्चुअल मोड)	वैमानिकी अनुसंधान विकास बोर्ड (एआरडीबी) के सामग्री और विनिर्माण पैनल द्वारा प्रायोजित

संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ

क्र.सं.	शीर्षक का विषय	वक्ता	दिनांक
1.	ऑनलाइन स्पेस और महिलाओं का उत्पीड़न	प्रो. बिजयलक्ष्मी नंदा, कॉलेज मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य	03/07/2020
2.	शिक्षा और जीवन में पूर्ति ढूँढना	प्रो. देवदास मेनन, संस्थान के चेयर प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास	05/09/2020
3.	जमीनी स्तर पर नवाचारों को बढ़ावा देना: इंजीनियरिंग में अंतःविषय समावेशी नवाचार	प्रो. अनिल के. गुप्ता, पद्म श्री, संस्थापक: द हनी बी नेटवर्क, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	18/09/2020
4.	मिश्रित समाधान स्केलिंग: ओपन इनोवेशन इकोसिस्टम के लिए नॉलेज नेटवर्क बनाना	प्रो. अनिल के. गुप्ता, पद्म श्री, संस्थापक: द हनी बी नेटवर्क, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	25/09/2020
5.	परमाणुओं से पतली फिल्मों तक	प्रो. के. एल. चोपड़ा, पद्म श्री, पूर्व निदेशक आईआईटी खड़गपुर	07/11/2020
6.	ओडिशा का इतिहास	प्रो. जतिन्द्र कुमार नायक	20/11/2020
7.	नवनियुक्त प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रेरक वार्ता	कमांडर वी. के. जेटली, आईआईटी केजीपी के पूर्व छात्र, आईएनएस (सेवानिवृत्त), बुक-वी कैम के लेखक! हम कर सकते हैं!	30/12/2020
8.	इलेक्ट्रिक वाहन का परिचय, वैश्विक रुझान और भारत की अनिवार्यता	प्रो अशोक झुनझुनवाला, पद्म श्री, प्रमुख- आईआईटीएम इनक्यूबेशन सेल	18/01/2021
9.	सौर और परमाणु ऊर्जा के बीच पूरकता	डॉ. श्रीकुमार बनर्जी, पद्म श्री, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के पूर्व निदेशक	25/02/2021
10.	अगली पीढ़ी की बैटरी सामग्री और सिस्टम	डॉ. जगजीत नंदा, समूह नेता और विशिष्ट कर्मचारी वैज्ञानिक, ओआरएनएल	05-03-2021
11.	स्केल के पार विषम मीडिया में क्रैक मॉडलिंग के लिए फेज फील्ड मेथड्स"।	डॉ जोस रेइनोसो, कॉन्टिनम मैकेनिक्स और स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स विभाग, यूनिवर्सिटी डी सेविला, स्पेन में इंजीनियरिंग स्कूल	04-12-2020
12.	हाइब्रिड मल्टी-स्केल मैनुफैक्चरिंग प्रोसेस एंड सिस्टम्स: ए वर्चुअल टूर ऑफ नॉर्थवेस्टर्न मैनुफैक्चरिंग	प्रो. कोर्नेल एहमन, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, इवान्स्टन, यूएसए में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर	01-12-2020
13.	यांत्रिकी का एक परिचय: इंजीनियरिंग में अनुप्रयोग	प्रो. डॉ. आईएनजी. टिमोन रैबजुक, चेयर-कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स बॉहॉस यूनिवर्सिटी वीमर, जर्मनी	24-11-2020
14.	उद्योग 4.0 के लिए कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी की भूमिका: अन्य सक्षम प्रौद्योगिकियों के साथ एक सिनर्जिक परिदृश्य	प्रो मार्को पग्गी, आईएमटी स्कूल फॉर एडवांस्ड स्टडीज लुक्का, इटली, और अनुसंधान इकाई मुसम के निदेशक भी - सामग्री के बहु-स्तरीय विश्लेषण	20-11-2020

संकाय पुरस्कार/सम्मान/विशिष्टता/अध्येतावृत्ति/ उद्योग इंटरनशिप/छात्रवृत्ति/सदस्यता

क्र. सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्ति का विवरण	टिप्पणियां
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ			
1.	डॉ. सस्मिता बारिक	सियाम अंडरग्रेजुएट रिसर्च ऑनलाइन (एसआईयूआरओ) के लिए एसोसिएट एडिटर।	3 साल के लिए, 1 जनवरी 2021 से

क्र. सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार / सम्मान / अध्यातावृत्ति का विवरण	टिप्पणियां
2.	डॉ. राजन झा	अनुसंधान के लिए SERB विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार (SERB-STAR) अध्यातावृत्ति	प्रति माह 15,000/-, अध्यातावृत्ति, प्रति वर्ष 10 लाख रुपये अनुसंधान अनुदान रु. तीन साल की अवधि के लिए और ओवरहेड शुल्क के रूप में प्रति वर्ष 1 लाख रुपये।
3.	डॉ. निर्मलेंद्रु आचार्य	2020 के लिए टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
4.	प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी	उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
5.	डॉ. राजन झा	उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
6.	डॉ. शांतनु पाल	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ			
7.	डॉ. राजकुमार गुडरू	2020 के लिए टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ			
8.	डॉ. संकर्षण महापात्रो	ओडिशा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	यह पुरस्कार ओडिशा सरकार के ओडिशा विज्ञान अकादमी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, द्वारा दिया जाता है।
9.	डॉ. बाराथराम रामकुमार और डॉ. एम. एस. मणिकंदन	IET प्रीमियम अवार्ड्स: 2019 हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी लेटर्स प्रीमियम अवार्ड	आईईटी के प्रत्येक जर्नल में पिछले दो वर्षों के भीतर प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार
10.	डॉ. अनूप थॉमस	2020 के लिए टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
11.	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी	समग्र सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए 2020 के लिए टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड्स	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
12.	डॉ. सुभ्रांसु रंजन सामंतराय	उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
13.	डॉ. बाराथराम रामकुमार	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
14.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर
15.	डॉ. दीपांकर दे	आईईईई वरिष्ठ सदस्यता	
16.	डॉ. मनोरंजन सत्पथ	आईईईई सदस्यता	
17.	डॉ. पसुपुरेड्डी विजया शंकर राव	कम पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अनुप्रयोगों के संपादकीय बोर्ड सदस्यता जर्नल	
18.	डॉ. सुभ्रांसु रंजन सामंतराय	अध, आईईटी (इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी 2020), यूके	
19.	डॉ. सुभ्रांसु रंजन सामंतराय	IEEE PES चैप्टर आउटस्टैंडिंग इंजीनियर अवार्ड-2020	
20.	प्रो. एन. सी. साहू	आईईईई सदस्यता	
21.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	आईईईई वरिष्ठ सदस्यता	
22.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	आईईईई पेल्स के लिए भारत संपर्क	

क्र. सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार / सम्मान / अध्यातावृत्ति का विवरण	टिप्पणियां
आधारीक संरचना विद्यापीठ			
23.	डॉ मनस्विनी बेहरा	ओडिशा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	यह पुरस्कार ओडिशा विज्ञान अकादमी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिया जाता है। उड़ीसा सरकार
24.	डॉ. यू.सी. साहू और डॉ. पी. रथ	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त करें (पीसीएम शामिल कंक्रीट फुटपाथ का थर्मल व्यवहार)	Kआईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित ICRDSI 2020 में 'स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में स्थिरता' सत्र में
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ			
25.	डॉ. एम.एम. महापात्र:	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेटल्स जर्नल के लेनदेन की संपादकीय बोर्ड सदस्यता	
26.	डॉ. पी.आर. बुदारापु	कम्प्यूटेशनल विधियों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेसीएम) जर्नल की संपादकीय बोर्ड सदस्यता	01.03.2021 से आगे
27.	डॉ वेणुगोपाल अरुमुरु	उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर

स्टाफ सदस्यों के लिए पुरस्कार/सम्मान

क्र. सं.	स्टाफ का नाम	पुरस्कार / सम्मान / अध्यातावृत्ति का विवरण	टिप्पणियां
1.	श्री चंद्र वड्डे, प्रोग्रामर		
2.	श्री प्रसन्ना कुमार दास, ओएसडी - आंतरिक लेखा परीक्षा और वित्त और लेखा अनुभाग		
3.	डॉ. गगनदीप कौर मक्कड़, स्टूडेंट काउंसलर		
4.	श्रीमती सुहाना परवीन, कनिष्ठ लेखा अधिकारी		
5.	श्री प्रदीप कुमार पटनायक, निजी सचिव		
6.	श्री तपन कुमार महापात्र, सहायक सुरक्षा अधिकारी	सराहनीय सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशस्ति 2020	संस्थान के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर

छात्रों के पुरस्कार और उपलब्धियां

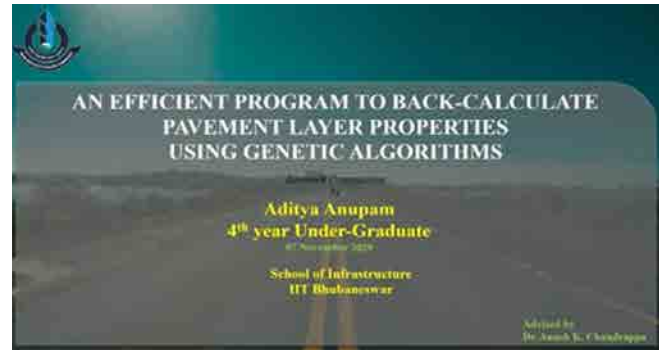
- विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के पीएचडी शोध विद्वान श्री निखिल कुमार शर्मा, को डॉक्टरेट श्रेणी में टाइफून एचआईएल निबंध पुरस्कार-2021 के लिए चुना गया है।
- विद्युत विज्ञान विद्यापीठ के पीएचडी शोध विद्वान सुश्री शिल्पी रुचि केरकेट्टा, ने CUSAT द्वारा आयोजित वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर TEEE APSYM 2020 सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ छात्र पेपर का पुरस्कार हासिल किया।
- डॉ अरिंदम सरकार द्वारा निर्देशित यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ के पीएचडी शोध विद्वान श्री सुनील मनोहर महाराणा, ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और 11वें रिसर्च स्कॉलर्स दिवस पर प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में "नैनोफिलर प्रबलित जूट-केवलर में इंटरलामिनर फ्रैक्चर और क्रैक्स की भविष्यवाणी और रोकथाम" पर उनके पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

4. डॉ. रेम्या नीलांचेरी द्वारा निर्देशित छात्र श्री हर्षवर्धन मीणा, श्री पार्थ शर्मा, श्री रोमित केशरवानी श्री कौशिक गुप्ता, श्री देवस्मिथ दत्ता, (आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के तृतीय वर्षीय यूजी छात्र) "आईआईटी रुड़की सिविल कॉन्क्लेव (2020) में गंगा नदी का कायाकल्प में केस स्टडी के लिए दूसरा स्थान प्राप्त किया।



5. डॉ अरिदम सरकार द्वारा निर्देशित छात्र श्री रवि तेजा, श्री गौरव पांडे, श्री जी रूथविक, श्री प्रियंश राज शौर्य, श्री के. राम सात्विक (आधारीक संरचना विज्ञान विद्यापीठ तृतीय वर्षीय यूजी छात्र) ने आईआईटी रुड़की सिविल कॉन्क्लेव (2020) में केस स्टडी टिकर द वॉटर व्हील के लिए दूसरा स्थान हासिल किया।

6. डॉ. अनुश के चंद्रप्पा द्वारा निर्देशित श्री आदित्य अनुपम (आधारीक संरचना विज्ञान विद्यापीठ के चतुर्थ वर्षीय यूजी छात्र) ने यूजी रिसर्च ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।



विशिष्ट आगंतुक (ऑनलाइन/व्यक्तिगत रूप से)

क्र.स.	दिनांक	घटना का नाम	विशिष्ट आगंतुक	पद
1	21 जून, 2020	योग का छठा अंतर्राष्ट्रीय दिवस	श्री अरुल देवी (ऑनलाइन)	एक लेखक, रेडिएंट यूनिवर्सल लीडर कोच और इंटीग्रल एजुकएटर और आईआईटी मद्रास में एक अतिथि संकाय
2	04 नवम्बर, 2020	"आईआईटी भुवनेश्वर में व्यक्तिगत प्रभावशीलता" पर एआईसीटीई अटल संकाय विकास कार्यक्रम	डॉ विनय सहस्रबुद्धे, (ऑनलाइन)	माननीय अध्यक्ष, एमओई पर संसदीय स्थायी समिति, भारत सरकार
3	04 नवम्बर, 2020	"आईआईटी भुवनेश्वर में व्यक्तिगत प्रभावशीलता" पर एआईसीटीई अटल संकाय विकास कार्यक्रम	प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे, (ऑनलाइन)	माननीय अध्यक्ष, एआईसीटीई और निदेशक, अटल अकादमी

क्र.स.	दिनांक	घटना का नाम	विशिष्ट आगंतुक	पद
4	04 दिसम्बर, 2020	09वां दीक्षांत समारोह	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' (ऑनलाइन)	माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
5	04 दिसम्बर, 2020	09वां दीक्षांत समारोह	श्री. संजय धोत्रे (ऑनलाइन)	माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
6	30 दिसम्बर, 2020	नवनियुक्त प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रेरक वार्ता	कमांडर वी के जेटली (ऑनलाइन)	अध्यक्ष, सी-क्यूब कंसल्टेंट्स, सी क्यूब बिजनेस एक्सीलेंस में कार्यक्रम आयोजित करता है
7	12 फरवरी, 2021	आईआईटी भुवनेश्वर का 13वां स्थापना दिवस	डॉ जी सतीश रेड्डी (ऑनलाइन)	अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (DRDO), रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग और महानिदेशक, वैमानिकी विकास एजेंसी (ADA)
8	28 फरवरी, 2021	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और शोध विद्वान दिवस	प्रो. अशोक कुमार महापात्र (स्वयं)	पूर्व निदेशक, एम्स भुवनेश्वर और वर्तमान कुलपति, SOA विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
9	26 फरवरी, 2021	विश्व दर्शन दिवस	श्रीमती सुष्मिता बागची (स्वयं)	अध्यक्ष मो स्कूल, उडीसा सरकार
10	26 फरवरी, 2021	ई-शिखर 2021 (उद्घाटन)	श्री क्रिस गोपालकृष्णन (ऑनलाइन)	अध्यक्ष एक्सिलोर वेंचर्स और सह-संस्थापक इंफोसिस
11	29 मार्च, 2021	ई-शिखर 2021 (समापन)	डॉ किरण बेदी, (ऑनलाइन)	पुडुचेरी के पूर्व उपराज्यपाल



केंद्रीय पुस्तकालय

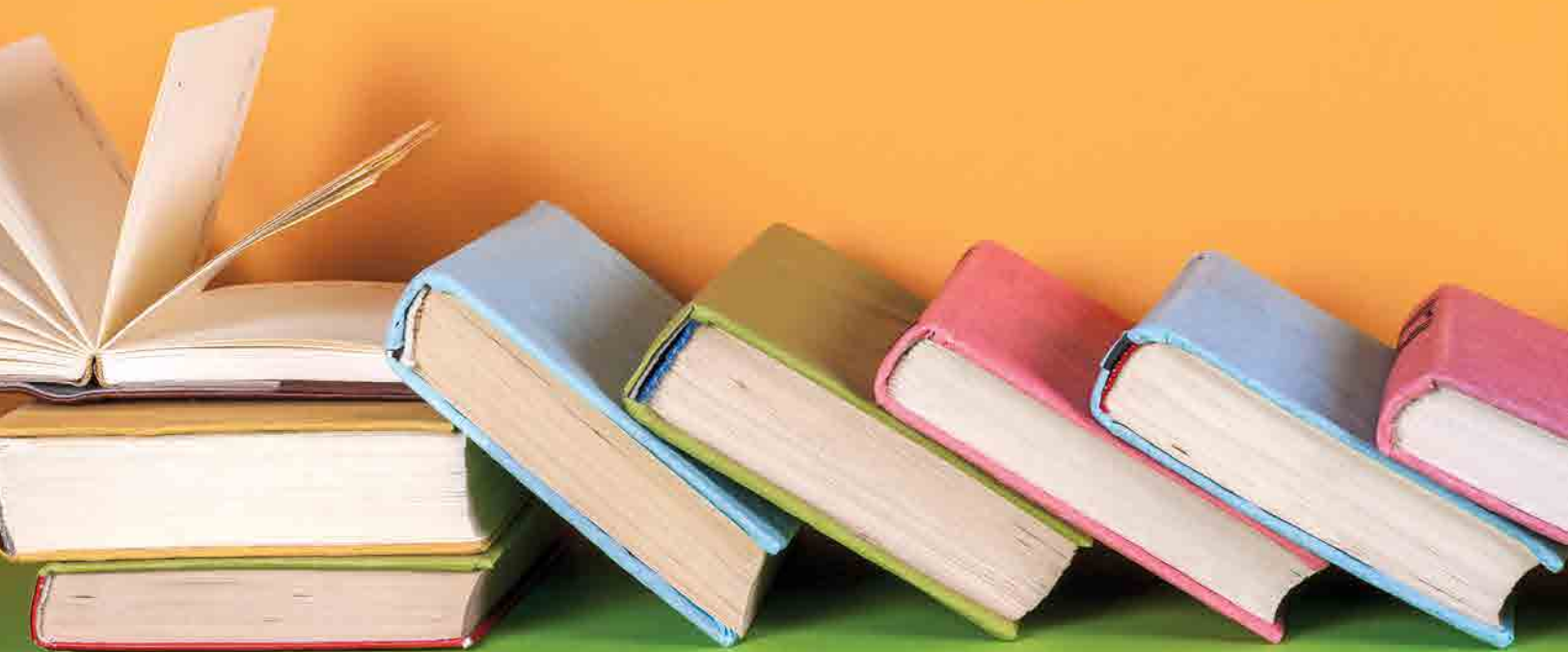
केंद्रीय पुस्तकालय, शिक्षा के स्रोत का प्रमुख केंद्र है, एवं भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के समुदाय को शैक्षणिक और अनुसंधान के सभी प्रारूपों में गुणवत्तापूर्ण जानकारी के स्रोत प्रदान करने के मिशन के साथ काम करने वाली प्रमुख सुविधाओं में से एक है। भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर के केंद्रीय पुस्तकालय ने जुलाई, 2009 में भा.प्रौ.सं खड़गपुर के परिसर में महज 2300 पाठ्य पुस्तकों के संग्रह के साथ 300 वर्ग फुट क्षेत्र के एक छोटे से कमरे में कार्य करना प्रारंभ किया और उसके बाद 1 अप्रैल 2011 में सत्यनगर के तोषली भवन के 2200 वर्ग फुट के फर्श वाले कमरे में इसको स्थानांतरित कर दिया गया। वर्ष 2016 में, पुस्तकालय ने अपनी सेवाओं को संस्थान के स्थाई परिसर खोरधा, के अरगुल तक विस्तृत कर लिया। वर्ष 2018 में केंद्रीय पुस्तकालय को खोरधा स्थित अरगुल के अपने स्थाई परिसर में, पूर्णतः स्थानांतरित कर दिया गया। उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, पुस्तकालय उपयोगकर्ता समुदाय की शैक्षणिक और अनुसंधान की आवश्यकता का समर्थन करने के लिए सामयिक और नवीन सेवाओं द्वारा सभी प्रकार के सूचना स्रोतों का प्रचार उपलब्ध करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और श्रेणी भारत के अंतर्राष्ट्रीय मानक के किसी भी आधुनिक पुस्तकालय के बराबर है।

संक्षेप में, वर्तमान में इस पुस्तकालय के पास 20000 से अधिक पुस्तकों का संस्करण, 52 से अधिक पूर्ण पाठ और साथ ही ग्रंथ सूची डेटाबेस, और अन्य स्रोत जैसे लोकप्रिय पत्रिकाएँ / प्रिंट पत्रिकाएँ, शोध और लघु शोध प्रबंध, अभियांत्रिकी के रिपोर्ट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान मौजूद है। प्रिंट पुस्तकों की उपलब्धि के अलावा

केंद्रीय पुस्तकालय ने ई-संसाधनों की सदस्यता में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की, "24 x 7 लाइब्रेरी" को डिजिटल संग्रह बनाने के लिए 9000 से अधिक ई-पत्रिकाएँ शामिल की गई हैं, वास्तविक अर्थों में संस्थान-वाइड नेटवर्क और ऑफ-कैम्पस का अर्थ EzProxy के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुँचना है।

पुस्तकालय संग्रह

केंद्रीय पुस्तकालय में प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है जो भा.प्रौ.सं भुवनेश्वर से संबंधित लोगों को शैक्षणिक और अनुसंधान की जरूरत को पूरा करती है। इस संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएँ, डेटाबेस, सॉफ्टवेयर उपकरण, शोध, पत्रिकाएँ और समाचारपत्र भी शामिल हैं। पुस्तकालय 2300 से अधिक उपयोगकर्ताओं को साहायता प्रदान करती है, जिसमें छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और कर्मचारी शामिल हैं।



मार्च 2021 तक पुस्तकालय का कुल संग्रह इस प्रकार है:

संग्रह (प्रिंट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स)	मात्रा	संग्रह (प्रिंट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स)	मात्रा
पुस्तकें	22000+	सम्पूर्ण पाठ डेटाबेस	41
ई-पुस्तकें (वर्ल्ड ई बुक लाइब्रेरी)	75 लाख+	ग्रंथ सूची डेटाबेस	04
ई-पुस्तकें (संस्थान का चंदा)	865	ई-पुस्तक डेटाबेस	03
ई-जर्नल	9000+	स्टैंडलोन डेटाबेस	01
ई-सम्मेलन	29000+	सांख्यिकीय डेटाबेस	01
ई-मानक	4000+	क्रिस्टेलोग्राफि डेटाबेस	01
प्रिंट जर्नल और पत्रिकाएँ	38	साहित्यिक चोरी जाँच का उपकरण	02
दैनिक समाचारपत्र	10	संदर्भ प्रबंध उपकरण	01
Institute पीएचडी शोध	135	लेखन सहायक उपकरण	01
प्रोक्सेस निबंध/थीसिस	6.8 लाख+	रिमोट एक्सेस उपकरण	01

पुस्तकालय की सेवाएँ और सुविधाएँ

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ इस प्रकार है :

- पुस्तकालय की सदस्यता और पुस्तक प्राप्त करने की सुविधाएँ
- परिसंस्तरण सेवा (जारी, वापसी, नवीनीकरण, आरक्षण, ई-मेल चेतावनी)
- WebOPAC (आन लाइन पब्लिक एक्सेस कै टलॉग का वेब संस्करण)
- संदर्भ सेवा
- वर्तमान जागरुकता सेवा (नई आगमन पुस्तकें)
- दस्तावेज वितरण सेवा
- अनुसंधान सहायता सेवा
- दुरस्थ पहुँच सेवा
- चेतावनी सेवा (पुस्तकालय वेबसाइट के माध्यम से आईआईटीबीबीएस का नवीनतम अनुसंधान प्रकाशन)
- साहित्यिक चोरी की जाँच की सुविधा
- व्याकरणिय उपकरण के उपयोग करके लेखन सहायता
- अभिविन्यास कार्यक्रम
- पढ़ने की सुविधा
- हिंदी संग्रह (राजभाषा संग्रह)
- गैर पुस्तक सामग्री

- पठनीय क्षेत्र में आरक्षित संग्रह
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के लिए विशेष संग्रह
- छात्रवृत्ति और फैलोशिप सूचना का प्रदर्शन
- अनुसंधानकर्ता और संकाय के लिए लेखक कार्यशाला
- आगामी सम्मेलनों, अन्य घटनाओं, रोजगार के अवसरों और विदेशी विश्वविद्यालय का विवरण-पत्रिका
- विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नात्कोत्तर के छात्रों के लिए अल्प कालिन इंटरशिप (MILS)

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधन प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधन

केंद्रीय पुस्तकालय के पास बहुत अधिक पुस्तकें, शोध ग्रंथ, पत्रिकाएँ और समाचारपत्रों का समृद्ध संग्रह है। इन संसाधनों की ग्रंथसूची जानकारी WebOPAC के माध्यम से सुलभ है। संस्थान के पास इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों का भी एक समृद्ध संग्रह है और पुस्तकालय सदस्यता और ई-शोधसिंधु के माध्यम से 53+ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस तक की सुविधा उपलब्ध है। इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस में पूर्ण-पाठ डेटाबेस (ई-पत्रिका),ग्रंथ सूची डेटाबेस, प्रशस्ति पत्र डेटाबेस (स्कोप्स और वेब विज्ञान) डेटा सेट्स, साफ्टवेयर उपकरण, ई-पुस्तक आदि शामिल हैं। ये संसाधन eSS के सहयोग से प्रतिवर्ष सदस्यता और नवीनिकृत किए जा रहे हैं। (ई-शोध सिंधु: उच्च शिक्षा ई-संसाधन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा एक राष्ट्रव्यापी पहल है।)

सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधन इस प्रकार हैं:

फुल-टेक्स्ट डेटाबेस

- ♦ एएएस (साइंस)
- ♦ एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी
- ♦ अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस)
- ♦ अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (एआईपी)
- ♦ अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी (एएमएस)
- ♦ अमेरिकन मौसम विज्ञान सोसायटी (एएमएस)
- ♦ अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी (एपीएस)
- ♦ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (एएससीई)
- ♦ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई)
- ♦ अमेरिकन वेल्डिंग सोसाइटी (एडब्ल्यूएस)
- ♦ वार्षिक समीक्षाएं
- ♦ एएसटीएम मानक और डिजिटल लाइब्रेरी
- ♦ कैम्ब्रिज जर्नल्स (5 टाइटल)
- ♦ सेल प्रेस जूमल्स (14 टाइटल)
- ♦ ईसीएस डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन
- ♦ इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली
- ♦ एमराल्ड सीएफटीआई कलेक्शन
- ♦ जियो साइंस वर्ल्ड
- ♦ आईसीई थॉमस टेलफोर्ड
- ♦ आईईईई आईईएल ऑनलाइन
- ♦ आईओपी साइंस एक्स्ट्रा
- ♦ आईएसआईडी
- ♦ जेगेट प्लस (जेसीसीसी)
- ♦ जेएसटीओआर
- ♦ मैकग्रा-हिल एक्सेस ई इंजीनियरिंग
- ♦ नेचर (12 टाइटल)
- ♦ ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका (ओएसए)
- ♦ ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- ♦ प्रोजेक्ट म्यूजियम
- ♦ प्रॉक्विस्ट निबंध और थीसिस (पीक्यूडीटी)
- ♦ रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी)

- ♦ साइंस डायरेक्ट 7 सबजेक्ट कलेक्शन
- ♦ सियाम ऑनलाइन

पूर्ण-पाठ डेटाबेस

- ♦ साउथ एशिया अर्चीव
- ♦ स्प्रिंगर जर्नल
- ♦ सेज इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस कलेक्शन
- ♦ टायलर और फॉसीस आनलाइन
- ♦ वीले ऑनलाइन (63 टाइटल)

बाईविलियों ग्राफिकल डाटाबेस

- ♦ सीफाईनडल स्कोलर
- ♦ मैथसाईसनेट
- ♦ कोपर्स
- ♦ वेब ऑफ साइन्स

ई-बुक डेटाबेस

- ♦ मैकग्रा-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग लाइब्रेरी
- ♦ वर्ल्ड ईबुक लाइब्रेरी

स्टैंडअलोन डेटाबेस

- ♦ कैम्ब्रिज स्ट्रक्चरल सिस्टम (रिसर्चर लाइसेंस)

स्टैटिस्टिकल डेटाबेस

- ♦ ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज

क्रिस्टलोग्राफिक डेटाबेस

- ♦ पियर्सन क्रिस्टल डेटाबेस

रिसर्च सपोर्ट सॉफ्टवेयर टूल्स

- ♦ टर्निटिन
- ♦ उरकुंड
- ♦ एंडनोट
- ♦ ग्रामरली
- ♦ ईज़प्रोक्सी

संस्थागत डिजिटल कोष (IDR)

केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर के जनादेश के अनुसार एक बाहरी स्त्रोत डिजिटल पुस्तकालय सॉफ्टवेयर "डी स्पेस" का उपयोग करके संस्थागत डिजिटल कोष भी विकसित किया है। वर्तमान में इसने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय अनुसंधान प्रकाशन (केवल मेटाडेटा) और वार्षिक प्रतिवेदन को संग्रहित किया है। कोष को बिना किसी तीसरे पक्ष के समर्थन से पुस्तकालय समूह द्वारा नियमित रूप से अनुरक्षित और नवीनतम स्थिर संस्करण में अपडेट किया जा रहा है। संस्थागत डिजिटल कोष यहाँ उपलब्ध है : <http://idr.आईआईटीbbs.ac.in/jspui>

यह विभिन्न स्रोतों से विद्वानों के प्रकाशन को अंतर्ग्रहण करने के लिए IRINS को ORCID ID, कोपस आईडी, रिसर्च आईडी, माइक्रो शैक्षणिक आईडी, गूगल स्कॉलर आईडी जैसी शैक्षणिक पहचान के साथ एकीकृत और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है। आईआईटी भुवनेश्वर

संस्थागत रैंकिंग गतिविधियां

केंद्रीय पुस्तकालय आईआईटी भुवनेश्वर की रैंकिंग संबंधी सभी गतिविधियों का समन्वय कर रहा है। पुस्तकालय की भूमिका विभिन्न राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रणालियों/एजेंसियों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न स्कूल विभागों/केंद्रों/अनुभागों से डेटा एकत्र करना और इस उद्देश्य के लिए इसे संकलित करना और सक्षम प्राधिकारी के उचित

आईआरआईएनएस: एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (RIM) प्रणाली

आईआरआईएनएस (भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली), सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र द्वारा विकसित एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (RIM) प्रणाली स्थापित की गई है। जो आईआईटी भुवनेश्वर के लिए केंद्रीय पुस्तकालय पहल द्वारा स्थापित किया गया है। आईआईटी भुवनेश्वर अनुसंधान के क्षेत्र में, विद्वानों की संचार गतिविधियों को एकत्र करने और एक विद्वान नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है।

का IRINS उदाहरण वर्तमान में 150 संकाय सदस्यों, 3636 प्रकाशनों, 8 पेटेंटों और 62536 उद्धरणों को दिखा रहा है। यह यहां उपलब्ध है: <https://itbbs.irins.org/>

अनुमोदन के साथ उन डेटा को ऑनलाइन जमा करना है। संस्थान ने निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भाग लिया:

- इंडिया टुडे रैंकिंग- सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेज रैंकिंग और सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय रैंकिंग दोनों में * एनआईआरएफ- समग्र रैंकिंग और इंजीनियरिंग रैंकिंग दोनों में

- एआरआईएलए (नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग)
- सप्ताह हंसा रिसर्च इंजीनियरिंग रैंकिंग- सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेज सर्वेक्षण और सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय सर्वेक्षण दोनों में
- टाइम्स वार्षिक इंजीनियरिंग कॉलेज रैंकिंग सर्वेक्षण और टाइम्स वार्षिक इंजीनियरिंग अनुसंधान क्षमता सर्वेक्षण
- उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई)
- फिक्की हायर एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी-एआईयू
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी/ब्रिक्स/एशिया/इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग
- टाइम्स हायर एजुकेशन (द) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग/एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग/इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग/युवा यूनिवर्सिटी रैंकिंग/
- टाइम्स उच्च शिक्षा (द) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी इम्पैक्ट रैंकिंग
- उच्च शिक्षा संस्थानों पर एआईयू ग्लोबल सर्वे

केन्द्रीय पुस्तकालय के आउटरीच कार्यक्रम

18 मई 2020 को टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो और ग्रेडस्कोप पर वेबिनार

केन्द्रीय पुस्तकालय ने 18 मई 2020 ऑनलाइन मोड (ज़ूम प्लेटफॉर्म) के माध्यम से “टुमिनिटिन फीडबैक स्टूडियो और ग्रेडस्कोप” पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता क्षेत्रीय प्रबंधक-सदस्यता उच्च शिक्षा और सरकारी अनुसंधान श्री बिनय के. गिन, थे। वेबिनार के दौरान कवर किया गया विषय: टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो (टीएफएस) और ग्रेडस्कोप था। मिस्टर गिन ने अपने भाषण की शुरुआत टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो पर एक संक्षिप्त परिचय के साथ की और बताया कि

कैसे उपयोगकर्ता इसका उपयोग व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान करने, रूब्रिक और त्वरित अंक लागू करने, वॉयस टिप्पणियों को साझा करने आदि के लिए छात्र की रिपोर्ट पर कर सकते हैं। इसके अलावा, वेबिनार के दौरान ग्रेडस्कोप प्लेटफॉर्म और इसके लाभों पर भी चर्चा की गई है। संकाय सदस्यों, छात्रों और शोध विद्वानों सहित प्रतिभागियों की एक बहुत अच्छी संख्या ने इस वेबिनार में भाग लिया।

10 जून 2020 को आई.ई.ई.ई. एक्सप्लोर के साथ डिस्कवर योर रिसर्च पोर्टेशियल पर वेबिनार

केन्द्रीय पुस्तकालय ने “10 जून 2020 को ऑनलाइन मोड (वेबएक्स प्लेटफॉर्म) के माध्यम से “आई.ई.ई.ई. एक्सप्लोर के साथ डिस्कवर योर रिसर्च पोर्टेशियल” पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता रणबीर एस सेधे, आई.ई.ई.ई. क्लाउंट सर्विसेज मैनेजर इंडिया, मिडिल ईस्ट (एशिया) और बांग्लादेश से थे। वेबिनार के दौरान: कोविड-19 के दौरान आई.ई.ई.ई. पहल, आई.ई.ई.ई. डेटा पोर्ट, कोड ओशन, आई.ई.ई.ई. प्री-प्रिंट सर्वर, आई.ई.ई.ई. लेखक केंद्र, और 4आईआर,

नई सुविधाओं और अपडेट के साथ आई.ई.ई.ई. का संक्षिप्त अवलोकन, मुफ्त आई.ई.ई.ई. व्यावसायिक विकास अभ्यास इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के लिए पाठ्यक्रम कवर किया गया विषय। वेबिनार पुस्तक प्रदर्शनी में संकाय सदस्यों, छात्रों, शोधार्थियों और कर्मचारियों सहित बहुत अच्छी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया

हिंदी पखवाड़ा, गांधी जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन

केन्द्रीय पुस्तकालय ने हिंदी पखवाड़ा, गांधी जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती), आदि जैसे विभिन्न शुभ

अवसरों पर पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने संबंधित अवसरों पर प्रदर्शनी का दौरा किया।

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रकोष्ठ (CITSC)

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रकोष्ठ में अत्याधुनिक सर्वर निहित है, जो वितरित वातावरण में उच्च गति गिगाबिट ऑप्टिकल फाइबर आधारित नेटवर्क से जोड़ती है। सीआईटीएससी ने ऑनलाइन कक्षाएँ संचालित करने के लिए सुझाव निकाला है। इस सुझाव के माध्यम से कोविड-19 महामारी के दौरान भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में सफलतापूर्वक ऑनलाइन कक्षा का संचालन किया गया है। सीआईटीएससी ने हाउस में सुझाव दिया कि पारंपरिक परीक्षा ऑनलाइन आयोजित करे साथ ही वर्चुअल परीक्षा कक्ष में अन्वीक्षण करे और इस सुझाव को ध्यान में रखते हुए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने सफलतापूर्वक सेमीस्टर परीक्षाओं को ऑनलाइन लागू किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान, सीआईटीएससी ने संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह को हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक आयोजित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई, जहाँ छात्रों को व्यक्तिगत रूप से और ऑनलाइन मोड में भी डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। हमारी टीम ऑनलाइन मोड में सम्मेलनों और बैठकों के संचालन के लिए सहायता प्रदान करती है। संस्थान में सीआईटीएससी

के टीम द्वारा कक्षाओं की सभी श्रव्य-दृश्य सुविधाओं को कार्यान्वित और रखरखाव किया जाता रहा। सभी प्रयोगशालाओं, संकाय कार्यालयों और कर्मचारी के कार्यालयों में डेस्कटॉप/लैपटॉप, प्रिंटर और टेलिफोन के साथ-साथ वायर्ड और वायरल इंटरनेट/इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की जाती रही। सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने संस्थागत विकसित ई.आर.पी प्रणाली तक प्रवेश कर पाते रहे है। ई.आर.पी प्रणाली का उपयोग छात्रों की श्रेणीकरण, प्रतिपुष्टि और प्रशासनिक अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है, जिसमें इवेंट्स प्रबंधन, शिक्षाविदों, खातों और प्रवेशों के साथ-साथ प्लेसमेंट से संबंधित एप्लिके शन भी शामिल हैं। परिसर नेटवर्क अत्याधुनिक एंटीवायरस और अगली पीढ़ी के यूटीएम से संरक्षित है। छात्रों संकायों, कर्मचारियों और अधिकारियों सहित भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सभी सदस्यों को परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह मेल के उपयोग के लिए एक ई-मेल आईडी प्रदान की जाती है,



यह संस्थान उच्च गिगाबिट कनेक्टिविटी से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा संस्थान में 200 एमबीपीएस वोडाफोन भी है। संस्थान का अपना टेलिफोन एक्सचेंज है जो 10,000 उपयोगकर्ताओं को पूरा कर सकता है संस्थान में कई हॉट-स्पॉट वाई-फाई पॉइंट है, जिनका उपयोग भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर उपयोगकर्ताओं द्वारा वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ-साथ एक ई-क्लास रूम के लिए किया जा रहा है, जो उपयोगकर्ताओं को विभिन्न शैक्षणिक वीडियो सामग्री का उपयोग करने की अनुमति देता है। सीआईटीएससी डेस्कटॉप वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संस्थागत उपयोगकर्ताओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग और साथ ही हाडवेयर वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा प्रदान करता है। संस्थान की सभी आईसीटी आवश्यकताओं का योजना बनाई जा रही है भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की इन- हाउस समुह द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। सीआईटीएससी समूह वर्षनेटवर्क और हाडवेयर संस्थान के सभी सदस्यों को समर्थन प्रदान करती है। हमारा समुह परिसर के इनमेट्स के बीच मुक्त और खुले स्रोत सॉफ्टवेयर के उपयोग को प्रोत्साहित करती है। हमारा समुह कई उन्नत और विशेष उद्देश्य सॉफ्टवेयर जैसे कि एनसेस, मेटलब, गणित आदि को भी सहायता प्रदान करती है।



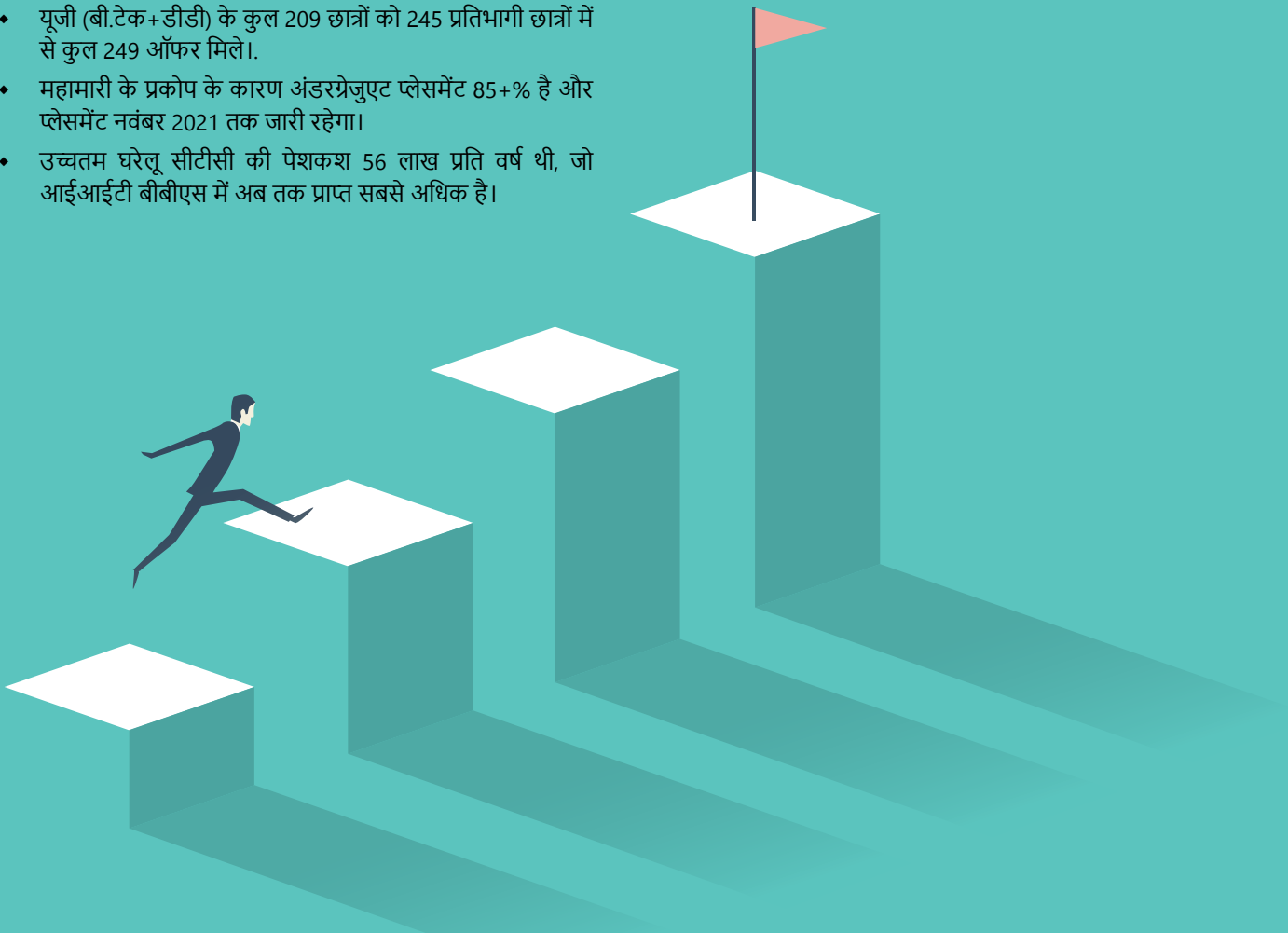
वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ

वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ पोर्टफोलियो की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जिसमें छात्रों को अपने कैरियर के लक्ष्यों का पता लगाने, परिभाषित करने और महसूस करने के लिए सशक्त बनाना शामिल है। यह प्रकोष्ठ एक-पर-एक परामर्श सत्र, कैरियर नियोजन प्रक्रिया के दौरान परामर्श, और विभिन्न प्रकार के कैरियर अन्वेषण गतिविधियों के माध्यम से लक्ष्य-निर्धारण और लक्ष्य उपलब्धि में सहायता करता है। अंतिम उद्देश्य व्यावसायिक विकास, नौकरी की खोज की सफलता, और कैरियर की संतुष्टि के लिए जीवन भर के उपकरण और कौशल प्रदान करना है, छात्रों को पूर्ण पेशेवर होने के लिए आवश्यक मुख्य सामग्री के निर्माण और उनके करियर को बनाने में छात्रों का समर्थन करना। इस प्रकोष्ठ का अंतिम उद्देश्य है पेशेवर विकास, नौकरी खोज सफलता और कैरियर संतुष्टि के लिए आजीवन उपकरण और कौशल प्रदान करना, छात्रों को एक पूर्ण पेशेवर होने के लिए आवश्यक प्रमुख अवयवों के निर्माण द्वारा अपने कैरियर को आकार देने और प्रबंधित करने में छात्रों का समर्थन करना है। 2020-21 के परिसर प्लेसमेंट ने दुनिया भर के विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा किए गए प्लेसमेंट और इंटरनशिप प्रस्तावों की सुरक्षा के मामले में कोविड-19 महामारी के प्रकोप ने नई चुनौतियों को जन्म दिया।

- 10% से अधिक छात्रों को 30LPA से अधिक CTC के साथ ऑफ़र प्राप्त हुए, जबकि लगभग 25% छात्रों को 20LPA से अधिक CTC वाले ऑफ़र प्राप्त हुए।
- महामारी के प्रकोप के कारण एमटेक प्लेसमेंट नवंबर 2021 तक जारी रहेगा।
- औसत और औसत सीटीसी क्रमशः 16.15 और 14 लाख प्रति वर्ष है, जो महामारी के बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में 25% की जबरदस्त वृद्धि है।
- गेल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, ट्राई, वैपकोस आदि जैसे सार्वजनिक उपक्रमों ने प्लेसमेंट में भाग लिया।
- माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़ॉन, जगुआर लैंडरोवर, गोल्डमैन सैक्स, जीई इंडिया, कालकॉम, विप्रो, एलएंडटी, इंफोसिस, टीसीएस आर एंड डी, एडोब जैसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इस वर्ष प्लेसमेंट में भाग लिया है।
- प्री-फाइनल वर्ष बी.टेक छात्रों को प्रतिष्ठित उद्योगों में इंटरनशिप ऑफ़र प्राप्त हुए हैं। इंटरनशिप में लगी अधिकांश सीएसई शाखा में पूर्णकालिक प्रस्ताव की संभावना है।

कैंपस प्लेसमेंट 2021 की मुख्य विशेषताएं

- यूजी (बी.टेक+डीडी) के कुल 209 छात्रों को 245 प्रतिभागी छात्रों में से कुल 249 ऑफ़र मिले।
- महामारी के प्रकोप के कारण अंडरग्रेजुएट प्लेसमेंट 85+% है और प्लेसमेंट नवंबर 2021 तक जारी रहेगा।
- उच्चतम घरेलू सीटीसी की पेशकश 56 लाख प्रति वर्ष थी, जो आईआईटी बीबीएस में अब तक प्राप्त सबसे अधिक है।



कंपनियां:



प्लेसमेंट का कोर्स/स्ट्रीम वाइज वितरण: 2020-21

	सीएसई	ईसीई	ईई	मेक	सिविल	एमएमई	आईडीडी सिविल	आईडीडी मेक	कुल
ग्रेजुएट	52	43	48	46	43	22	16	20	290
भाग लिया	48	34	48	40	32	15	12	16	245
प्राप्त स्थान	47	33	43	29	24	12	8	13	209
प्राप्त प्रतिशत	97.92%	97.06%	89.58%	72.50%	75.00%	80.00%	66.67%	81.25%	85.31%
ऑफर	54	46	54	33	25	13	10	14	249
प्रति छात्र ऑफरों की संख्या	1.13	1.35	1.13	0.83	0.78	0.87	0.83	0.88	1.02
उच्चतम सीटीसी	45	45	56	18	56	12.5	25	30	56
न्यूनतम सीटीसी	6	5	8.5	5.2	5	5	6	6	5
औसत सीटीसी	22.6	18.6	21.6	9.9	11.4	8.5	15.5	13.5	16.15
मीडियम सीटीसी	20.5	16.3	17.3	9	8	7.95	15	11	14

ऑफर का क्षतिपूर्तिवार वितरण (राशि लाख में प्रतिवर्ष)

5 और 6.5 के बीच

7.6%

6.5 और 8 के बीच

10.8%

8 और 10 के बीच

12.9%

10 और 12 के बीच

9.6%

12 और 15 के बीच

11.6%

30 से ऊपर

10.8%

20 और 30 के बीच

6.4%

20 और 25 के बीच

7.2%

17.5 और 20 के बीच

9.2%

15 और 17.5 के बीच

13.7%

*** प्लेसमेंट प्रक्रिया अभी खत्म नहीं हुई है और नवंबर 2021 तक चलेगी।

क्षेत्रवार प्लेसमेंट विश्लेषण

सेमीकंडक्टर

5.6%

पीएसयू

4.4%

अन्य

5.6%

निर्माण

8.0%

आईटी-सेवा

34.9%

सॉफ्टवेयर

15.7%

परामर्श

5.2%

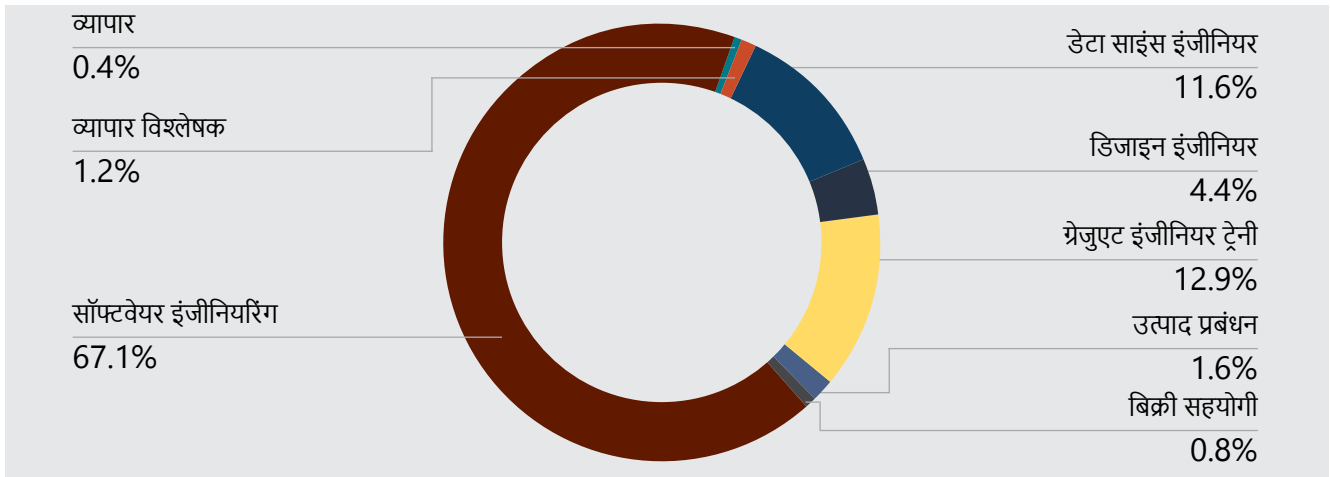
एड-टेक

7.2%

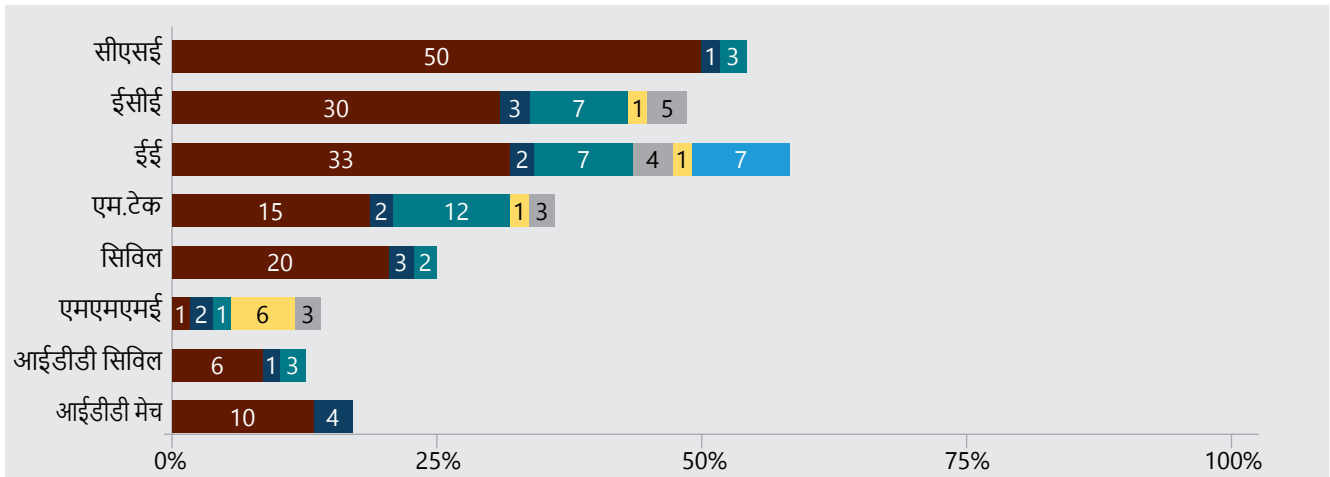
वित्त

13.3%

प्रोफाइल के अनुसार ऑफ़र का वितरण



शाखावार प्रोफाइल वितरण की पेशकश की



शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में पूर्णकालिक भर्ती के लिए आईआईटी भुवनेश्वर परिसर में आने वाली सभी कंपनियों की सूची

एक्सचर	सेरमॉर्फिक	गूगल	नेटक्रैकर	सीगमोईड
एकोलाईट	क्लियरटेल	ग्रेडअप	फ्रेन्स	एसएएण्डसी
एडभर्ब	काँगनीजेंट	हैसमैप	नवीदा	सन्टेक
एडलॉयड	काँवयलूट	एचसीएल	ऑबजर्व आई	टाटाबीएसएल
एडोब	डीबीएस	इंम्पेक्ट गूरू	ऑयल	टाटा स्टील
एयरप्रोब टेक	डीई साव	जीसा इन्फोटेक	ओप्पो	टीसीएस डिजिटल
अमागी	दिल्लीवेरी	जेएलआर	परसेपटीक एनालिटिकल	टेक वेनटेज
अमाजन	ड्रीम 11	कोरियाई	पब्लिक सापिन्ट	टाईगर एनालिटिक्स
एएनएमएस	एक्सटा मार्क्स	एलएण्डटी	कालकॉम	टॉपर
एनालॉग डिवाइस	फ्रक्टीकल	एलटीआई	रामग्रुप	टाई
एक्सीस मई इण्डिया	फ्यूचर फास्ट	मैथवर्क	रोजारो पे	वेदान्ता
ब्ल्यू विन्डर	गेल	मिडीया नेट	आरइसी	वेदान्तु
ब्रेन	जी ई	मेंटर ग्रफिक्स	रिभेचर	विरोहन
रिगोसा	जीईपी स्लूशन	मेरीलिटिक्स	रूपेक	वेपकास
कॉडेन्स	गो लॉरी	माईक्रोसॉफ्ट	सैण्डविना	विप्रो
सीडेक	गोल्ड मैन सैच	मनी ट्रीप	सेफ्रीन्स	जेएस एसोसीएट
पलेस किए गए छात्रों की संख्या	उच्चतम सीटीसी	न्यूनतम सीटीसी	औसत सीटीसी	माध्य सीटीसी
209	56एलपीए	5 एलपीए	16.15 एलपीए	14 एलपीए



स्टार्ट-अप केंद्र

20 जून, 2016 को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कु मार द्वारा भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर स्टार्ट अप केंद्र का उद्घाटन किया गया था। यह सुविधा क्षेत्र के सभी नवोदित उद्यमियों को उपलब्ध है। संस्थान ने 50,000 वर्ग मीटर से अधिक जमीन निर्धारित किया है। अब तक स्टार्ट -अप सेंटर में चौदह स्टार्ट अप्स को इनक्यूबेशन मिल चुके हैं और वर्तमान में स्टार्ट - अप सेंटर में 3 स्टार्ट -अप्स इनक्यूबेटेड हैं ।

स्टार्ट अप के लिए सुविधाएं

- इकाई की आवश्यकता के अनुसार सुसज्जित/ अर्ध-सुसज्जित/
- असुसज्जित स्थान
- पुस्तकालय, प्रयोगशाला और कार्यशाला की सुविधाएं
- नेटवर्किंग
- संकाय सदस्यों द्वारा सलाहत्मक समर्थन
- इंटरशिप के लिए भा.प्रौ.सं. के छात्रों की क्षमता
- एंजेल इन्वेस्टर्स और उद्यम पूंजीपतियों के साथ इंटरएक्टिव
- कार्यशालाएं
- उद्यमिता के विभिन्न मुद्दों पर कार्यशाला
- उद्यमी कौशल विकास
- पेटेंट दाखिल करने के लिए मार्गदर्शन और समर्थन
- पास के आत्माराम होटल में उपलब्ध भोजन और ठहरने की सुविधा।

भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क

भुवनेश्वर और उसके आसपास इंजीनियरिंग, विज्ञान और कृषि पर पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले कई कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं। प्रतिभा से संपन्न पूल को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता गतिविधियों के लिए निर्देशित करने की जरूरत है । भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने न केवल इस राज्य में बल्कि आसपास के राज्यों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने की बात दोहराई । भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क, एक सेक्शन -8 (लाभ के लिए नहीं) कंपनी चलाने के लिए रजिस्ट्रार ऑफ़ कंपनीज़ से लाइसेंस और निगमन प्रमाण पत्र प्राप्त है। यह कंपनी राजधानी भुवनेश्वर के बीचोबीच स्थित भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सामंतपुरी परिसर से संचालित होती है और उद्यमिता, अनुसंधान और स्टार्ट अप गतिविधियों को बढ़ावा देती है। धारा-8 के तहत, कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12एए के तहत भी सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया है ताकि वह उद्यमिता, अनुसंधान और स्टार्ट अप गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न

सरकारी योजनाओं के तहत अनुदान प्राप्त कर सके ।अंततः पार्क संस्थान के स्थायी परिसर से संचालित होगा। छात्र के नवाचार को आकार देने और उनके उद्यमिता हितों को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क एक मुख्य केंद्र के रूप में कार्य करेगा । भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राज कु मार की अध्यक्षता में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क संचालित होता है। उन्हें कंपनी के दो अन्य निदेशकों के रूप में प्रो. आर.के. पांडा, डीन आरएंडडी भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर और डॉ. योगेश भुमकर, पीआईसी स्टार्ट अप सेंटर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क भुवनेश्वर द्वारा सहायता प्रदान की गई है।

अनुसंधान और उद्यमिता पार्क पहले से ही आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए धन प्राप्त किया है जिसका विवरण निचे प्रस्तुत है:

I. श्रीमती सुष्मिता बागची	₹2.50 करोड़
II. ओड़िशा सरकार	₹2.50 करोड़
III. एस.टी.पी.आई.	₹2.50 करोड़

संस्थान का लगभग 36000 वर्ग फुट का क्षेत्र सामन्तीपुर में संस्थान के परिसर (भुवनेश्वर) ऊष्मायन गतिविधियों के लिए समर्पित है। इसके साथ-साथ अरगुल के परिसर में यांत्रिकी विज्ञान और विद्युत विज्ञान विद्यापीठ ने आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र के लिए 400 वर्ग फुट क्षेत्र प्रदान किया है। इन सुविधाओं के अलावा, विभिन्न विद्यापीठों में कार्यशाला सुविधाओं और विभिन्न प्रयोगशालाओं का उपयोग आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र से जुड़े अनुसंधान कार्यों को करने के लिए किया जाता है। सभी कार्यक्षेत्र अच्छी तरह से इंटरनेट कनेक्टिविटी से सुसज्जित हैं। वर्तमान में, विभिन्न स्कूलों के लगभग 10 संकाय सदस्य हैं जो आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं को पूरा करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख गतिविधि में से एक आभासी और संवर्धित वास्तविकता के क्षेत्र में इनक्यूबेट और स्टार्ट - अप को सहायता प्रदान करना होगा। यह केंद्र भुवनेश्वर के एसटीपीआई के स्टार्ट -अप सेंटर के लिए पोषक के रूप में कार्य करेगा। एआर/वीआर पर काम करने वाली देश भर की एसटीपी पंजीकृत इकाइयों को रियायती दर पर एआर/वीआर प्रयोगशाला में उत्तम पहुंच मिलेगी । आभासी और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र में सभी प्रवेश परियोजना सलाहकार समिति के मार्गदर्शन / सहमति के तहत भा.प्रौ.सं. की एक परिभाषित प्रक्रिया के माध्यम से होंगे । हालांकि , एआर/वीआर पर काम करने वाली देश भर में एसटीपी पंजीकृत इकाइयों को एसटीपीआई द्वारा अनुशंसित उत्तम पहुंच मिलेगी ।

प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र

गतिविधियां 20-21

प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र के तहत चल रही चार परियोजनाएं अपने अंत के करीब हैं और ये सभी प्रोटोटाइप के विकास के चरण में हैं। परियोजनाएं इंटरनेट ऑफ थिंग्स अवधारणा पर आधारित हैं। टीआईसी के तहत चल रही तीन परियोजनाओं का उद्देश्य घरेलू सुरक्षा समाधान (पीआई: डॉ. भरथराम रामकुमार), विद्युत पावर ग्रिड स्थिरता (पीआई डॉ. श्रीनिवास बी. कारंकी) और स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों (पीआई: डॉ. एमएस मणिकंदन) सभी तीनों आईओटी आधारित परियोजनाएं अपने अंतिम विकास चरण में हैं और अधिकांश उद्देश्यों को हासिल कर लिया

गया है और प्रोटोटाइप विकसित किया जा रहा है। एक अन्य परियोजना का उद्देश्य आईआईटी छात्रावासों की रसोई (पीआई डॉ. प्रसेनजीत रथ) में उत्पादित होने वाले जैव अपशिष्ट का उपभोग करके बायोगैस उत्पादन के लिए कुशल जैव-पाचन प्रणाली का विकास करना है। बायो डाइजेस्टर का निर्माण महानदी हॉल ऑफ रेसीडेंस में किया गया है जो मूविंग बेड बायो रिएक्टर सिस्टम का उपयोग करता है। परियोजना भी पूरी होने के करीब है क्योंकि अधिकांश काम कुछ मामूली तत्वों के साथ पूरा हो चुका है। निकट भविष्य में टीआईसी के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए संकाय और छात्रों की कुछ और परियोजनाएं विचाराधीन हैं।

ई-कक्ष

ई-शिखर सम्मेलन 2021

ई-शिखर सम्मेलन'21 का सातवां संस्करण "लचीलापन का शासन" विषय के साथ, 26-29 मार्च के दौरान आयोजित की गई जो एक शानदार सफलता थी, इस शिखर सम्मेलन में प्रमुख अतिथि वार्ता के साथ साथ प्रतियोगिताओं, घटनाओं और कार्यशालाओं की भागीदारी में तेजी से वृद्धि देखी गई। कॉन्क्लेभ और कई नई पहल, इसे ओडिशा के सबसे बड़े उद्यमी सम्मेलनों में से एक बनाते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो आर.वी. राज कुमार ने किया। इंफोसिस के एक्सिलर वेंचर्स और सह-संस्थापक अध्यक्ष श्री क्रिस गोपालकृष्णन, ने उद्घाटन समारोह में ऑन-लाइन मोड के माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और एक बेहतर दुनिया बनाने के अवसर के रूप में देखे जाने वाले संकट पर अपने विचार साझा किए।

ई-शिखर सम्मेलन 21 में कई कॉन्क्लेव और कार्यक्रम हुए जिसमें प्रतिभागियों ने वर्चुअल मोड में अच्छी तरह से भाग लिया। क्रिप्टो-मुद्रा कॉन्क्लेव पैनल में क्रेबाको ग्लोबल इंक के सीईओ, सिद्धार्थ सोगनी, बाययूकोइन कंसल्टेंट्स के सीईओ और सह-संस्थापक शिवम ठकराल, डेल्टा डिजिटल के सीओओ अनिल लुल्ला हैशकैश के प्रबंध निदेशक, राज चौधरी शामिल थे। कॉन्क्लेव ने निकट भविष्य में क्रिप्टो-मुद्रा और ब्लॉक चैन स्टार्टअप की वर्तमान प्रवृत्ति और परिदृश्य पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। इनोवेशन एक्सपो कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 20 टीमों ने भाग लिया और सामाजिक कल्याण के लिए उपयोगी

परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। नेत्रहीनों के लिए एक स्मार्ट फोन और एक आपातकालीन बचाव ड्रोन जैसी नवीन परियोजनाओं ने इस आयोजन के लिए शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किए। आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। टीआईएफआर के प्रोफेसर विवेक पोलशेट्टीवार के पैनल के साथ अनुसंधान और विकास सम्मेलन आयोजित किया गया था। एनआईआईएच के डॉ अरुणा शंकरकुमार, आईआईटी गांधीनगर उमाशंकर सिंह, जिन्होंने नैतिक अनुसंधान पर अपने विचार रखे। पैनल ने डीएनए कटिंग, इम्यूनोलॉजी और नैनो टेक्नोलॉजी जैसे अनुसंधान एवं विकास के तकनीकी पक्ष पर भी चर्चा की। इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव में पैनलिस्ट सीरियल एंटरप्रेन्योर और टीईडीएक्स स्पीकर श्री विनायक नाथ, गो नॉर्थ वेंचर्स के संस्थापक और सीईओ श्री संजय जेसरानी, और वीसी के संस्थापक श्री शशांक रणदेव, जिन्होंने वर्तमान निवेश परिदृश्य के बारे विस्तृत में जानकारी दी। इस साल के ई-शिखर सम्मेलन के संस्करण के साथ इन्वेस्टअप एक नई शुरुआत थी जिसमें कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया और खुद को प्रस्तुत किया। दो स्टार्ट-अप निवेशकों से जुड़ने में सफल रहे, और उन सभी को कुछ मूल्यवान रचनात्मक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आईपीएल नीलामी में वर्चुअल मोड के जरिए 140 लोगों की भागीदारी भी देखी गई।

इस कार्यक्रम में कई स्टार्टअप के संस्थापक और स्टॉर्म द नॉर्म पुस्तक के लेखक सुश्री अनीशा मोटवानी, सीटीओ के सह-संस्थापक और ऑब्जर्व श्री आकाश सिंह जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के साथ कई बातचीत भी हुई तथा आईआईटी दिल्ली के एआई श्री आचार्य प्रशांत, IIM अहमदाबाद

के एक पूर्व छात्र वेदांत शिक्षक और 60 से अधिक पुस्तकों के लेखक की प्रशंसा की। लचीलापन वार्ता श्रृंखला का समापन भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी

की आमंत्रित वार्ता के साथ हुआ। वह ई-समिट 21 के समापन समारोह की मुख्य अतिथि थीं, जिन्होंने अपने "आप जो बोते हैं वही काटते हैं" के विशाल अनुभव और गहन विचारों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट



राजभाषा एकक

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में, संस्थान की राजभाषा एकक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा दे रही है। वर्तमान में एकक के पास कनिष्ठ हिंदी अनुवादक का एक स्वीकृत पद है, जो रिक्त पड़ा हुआ है। संस्थान ने संस्थान के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों की नियुक्ति करके पूरी तरह से सरकार के राजभाषा हिंदी से संबंधित नियमों और वि नियमों का पालन करने की कोशिश की है। राजभाषा गतिविधियों की कुछ झलकियां इस प्रकार हैं:

चल रही गतिविधियां

राजभाषा एकक संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखा, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और विभिन्न अन्य दस्तावेजों का अनुवाद प्रदान करती है, जो राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत आती है। इसके अलावा, विभिन्न अन्य पत्र और पत्राचार, उत्तर आदि, या तो अनुवादित हैं या हिंदी में तैयार किए गए हैं। राजभाषा एकक संस्थान में भारत सरकार की "राजभाषा" नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी प्रयास करता है। एकक द्विभाषी प्रदर्शन और विभिन्न नेमप्लेट, नोटिस बोर्ड, रबर स्टैम्प, नियमित प्रकार के रूपों का उपयोग सुनिश्चित करता है और मदद भी करता है। दीक्षांत समारोह के दौरान संस्थान द्वारा प्रदान किए गए द्विभाषी डिग्री प्रमाण पत्र तैयार करने में एकक ने छात्रों को शामिल किया और उन्हें राजभाषा का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और छात्र व्यायामशाला के तहत हिंदी साहित्यिक समाज "अभिव्यक्ति" की मदद से विभिन्न संस्थान कार्यों के दौरान एक आधिकारिक भाषा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

हिंदी प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

राजभाषा एकक द्वारा समय-समय पर संस्थान के उन सभी कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्हें हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान नहीं है। राजभाषा के प्रयोग में कर्मचारियों की समस्या का समाधान करने के लिए राजभाषा एकक ने संस्थान के कर्मचारियों के लिए कार्यशालाओं/प्रशिक्षण का आयोजन किया। संस्थान रिपोर्टिंग वर्ष में निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:- 9 सितंबर 2020 को एक एच कर्मचारियों के लिए "त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट और आधिकारिक हिंदी के उपयोग" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पीआईसी राजभाषा एकक डॉ. राज कुमार सिंह ने कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हिन्दी दिवस के अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, राजभाषा एकक और हिंदी साहित्यिक सोसाइटी ऑफ स्टूडेंट्स व्यायामशाला ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने कैपस

में एक 14 दिवसीय "अभिव्यक्ति", (1 सितंबर-14 सितंबर, 2020), "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया। चल रही महामारी की स्थिति के कारण, सभी कार्यक्रमों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था। आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य दैनिक जीवन में इसके उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ हिंदी भाषा के महत्व का जश्न मनाना था। कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर बोलते हुए आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार ने कहा "हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे पूरे देश में बोली जा सकता है, और छात्रों को हमारी राष्ट्रीय भाषा का महत्व सिखाया जाना चाहिए, हम परिसर में हिंदी पखवाड़ा की मेजबानी करके खुश हैं, और चल रही महामारी की स्थिति के कारण छात्र, संकाय और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से ऑनलाइन मोड के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

आईआईटी भुवनेश्वर में, हम भारत सरकार की राजभाषा नीतियों को लागू करने के लिए उचित महत्व देते हैं। मैं एक भाषा के रूप में हिंदी की सादगी, मधुरता और शक्ति पर भी जोर देना चाहता हूँ और आप सभी से हिंदी को अपने दैनिक कार्यालय की दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आग्रह करता हूँ।" छात्रों के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम हिंदी रचनात्मक लेखन "कविता लेखन" और "लेख" थे। लेखन छात्रों के लिए अन्य कार्यक्रम "आवाज दिल की" विभिन्न विषयों पर उनके विचार प्राप्त करने के लिए था। संस्थान के कर्मचारियों के लिए, हिंदी एक्सटेम्पोर (दृष्टिकोण), हिंदी निबंध लेखन (निबंध लेखन) और "त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट" पर हिंदी कार्यशाला। और आधिकारिक हिंदी का उपयोग" पखवाड़ा के दौरान आयोजित किया गया था। विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों ने कार्यक्रम में भाग लिया है। आईआईटी भुवनेश्वर के केंद्रीय पुस्तकालय और राजभाषा एकक ने संयुक्त रूप से आईआईटी भुवनेश्वर के प्रशासनिक भवन की चौथी मंजिल पर स्थित पुस्तकालय में 1 सितंबर 2020 से 14 सितंबर 2020 तक केंद्रीय में "हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी" का आयोजन किया। आगंतुकों को हिंदी किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना इसका आदर्श वाक्य था।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो आरवी राज कुमार ने समापन समारोह की शोभा बढ़ाई और विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को बधाई दी। प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार और भागीदारी का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रो वीआर पेडिरेड्डी, डीन, छात्र मामले, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, संकाय और स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे। आईआईटी भुवनेश्वर के पीआईसी, राजभाषा एकक, डॉ. राज कुमार सिंह ने भी भारत सरकार के गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह, और भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक के संदेश को पढ़ा। लेफ्टिनेंट कमांडर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। आईआईटी भुवनेश्वर के मुख्य सुरक्षा अधिकारी, राज कुमार, जहां उन्होंने संस्थान के निदेशक को उनके निरंतर मार्गदर्शन, समर्थन और प्रेरणा के लिए अपना इशारा

व्यक्त किया।

द्विभाषी वेबसाइट

भारत सरकार के राजभाषा नीति के अनुसार, राजभाषा एकक, संस्थान की वेबसाइट का द्विभाषी अद्यतन रखती है। राजभाषा एकक लिंक हमारे संस्थान की वेबसाइट पर सक्रिय हैं, जिसमें राजभाषा नीति-समितियों के प्रभावी उपयोग से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारी शामिल हैं

समितियाँ

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

संस्थान में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति है जो सरकार की राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन की देखभाल करती है, और संस्थान में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग की समीक्षा करती है। संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में पिछले वर्ष समिति की पांच त्रैमासिक बैठकें आयोजित की गईं। बैठक में, संस्थान में हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग में तेजी लाने पर चर्चा हुई। पिछले वित्तीय की चौथी बैठक 24 मार्च 2020 के लिए निर्धारित वर्ष 3 जून 2020 को कोविड-19 लॉकडाउन के कारण स्थगित कर दिया गया था।

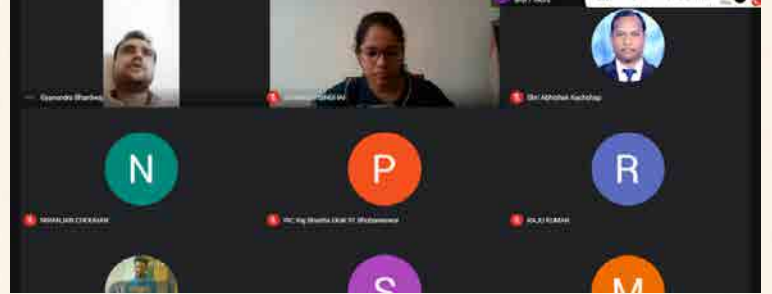
आवाज दिल की

टाउन राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC)

TOLIC भुवनेश्वर (C) की 65 वीं बैठक प्रधान महालेखाकार भुवनेश्वर कार्यालय द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई थी। बैठक में आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार, के अलावा पीआईसी राजभाषा एकक डॉ. राज के सिंह, और सीएसओ और हिंदी अधिकारी (आई / सी) राजभाषा एकक लेफ्टिनेंट कमांडर राज कुमार, ऑनलाइन उपस्थित थे। टॉलिक की 65वीं बैठक के लिए राजभाषा एकक ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और तकनीकी सहायता प्रदान की। बैठक 15 सितंबर 2020 को आयोजित की गई थी, और आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा प्रदान किए गए समर्थन की TOLIC भुवनेश्वर (C) के सभी सदस्यों द्वारा सराहना की जाती है। टॉलिक भुवनेश्वर (सी) की 66 वीं बैठक का आयोजन भुवनेश्वर कार्यालय के प्रधान महालेखाकार द्वारा 28/01/2021 को ऑनलाइन किया गया था। पीआईसी राजभाषा एकक डॉ राज कु. सिंह, और राजभाषा एकक के सीएसओ और हिंदी अधिकारी (स्वतंत्र प्रभार) लेफ्टिनेंट कमांडर राज कुमार, ने बैठक में भाग लिया और अपने सुझाव दिए।



मोडरेटर के रूप में सुश्री सारशी संचाई



श्री ज्ञानेन्द्र भारद्वाज अपने विचार प्रकट करते हुए



प्रो. आर. वी. राजकुमार, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक महोदय

आयोजन

आईआईटी भुवनेश्वर ने फंसे हुए प्रवासी कामगारों की मदद के लिए हाथ बढाया

23 मई, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने प्रो. आर.वी. राज कुमार की पहल पर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक ने शिक्षा मंत्रालय (MOE) के उन्नत भारत अभियान (UBA) तहत पेयजल की बोटलों के साथ श्रम आयोग से प्राप्त 1008 पैकेट पके और पैक किए गए भोजन प्रदान किए। इसके अलावा, परिसर में फंसे 2022 प्रवासी कामगारों को एनबीसीसी परियोजना प्रबंधन सलाहकार और ठेकेदारों के सहयोग से कोविड-19 महामारी की लॉकडाउन अवधि के दौरान देखभाल की गई है। साथ ही, शिक्षक और छात्र आर्थिक सहायता के टोकन के साथ मृतक मजदूर के परिवार के पास पहुंचे।

भोजन वितरण के पहले जल्ये का नेतृत्व आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, 20 मई, 2020 को खोरधा ओवरब्रिज के पास चक्रवात अम्फान के बीच स्वयं राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 पर जा कर किया, जिसके बाद स्वयंसेवकों की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जटानी गेट के पास संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों को पूर्ण अलगाव बनाए रखा। इसे 21 मई, 2020 को फिर से उसी स्थान पर प्रवासी श्रमिकों की सेवा करने वाले स्वयंसेवकों की एक टीम द्वारा दोहराया गया। समन्वयक प्रो. आर के पांडा, और सह-समन्वयक, डॉ. सीमा बहिनीपति, उन्नत भारत अभियान ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वयंसेवकों की टीम में डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. श्रीकांत गोलपुडी, डॉ. एस. मणिकंदन, डॉ. बाराथराम रामकुमार और डॉ. तारकांता नायक शामिल थे। आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार कहते हैं, "यहां तक कि 1900 निर्माण श्रमिक जो आईआईटी परिसर में बंद थे, तालाबंदी की घोषणा से पहले अपने घरों के लिए नहीं जा सके। परिसर के अंदर फंसे सभी प्रवासी श्रमिकों की अच्छी तरह से देखभाल की

गई थी। एनबीसीसी और ठेकेदारों, कोविड -19 से सुरक्षित और उनके लिए काम की सुविधा के लिए निर्माण कार्य अप्रैल के अंत तक शुरू किया गया था। वे पूरे अप्रैल में पैदल अपने घरों के लिए निकलने की कोशिश कर रहे थे और हमने उन्हें बिना बताए उस रास्ते से नहीं जाने के लिए राजी किया। यह एक बहुत छोटी चुनौती रही है। फिर भी वे जाने के लिए बहुत उत्सुक थे, और तब जब कुछ जल्ये सरकार द्वारा दी गई छूट के बाद अपने घरों के लिए रवाना हुए। अनुमतियाँ प्राप्त की गईं और उनमें से 1800 बसों द्वारा रवाना हुईं पिछले दो सप्ताह के दौरान पूरी औपचारिकताएं पूरी कीं, इसके बावजूद कि उन्हें महीनों से कोई काम नहीं मिल रहा है और वहां भुखमरी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्यों को भी पूर्ण रूप से फिर से शुरू करने में महीनों लगेंगे। व्यक्तिगत रूप से उनकी सूचियां उनके गृह राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजकर उनकी उपलब्धता के बारे में सूचित किया ताकि उन्हें तत्काल पुनः रोजगार में मदद मिल सके।"

कैंपसाइट्स ने परिसर के अंदर रहने वाले करीब 1014 निर्माण श्रमिकों को सूखा भोजन, साबुन और मास्क के साथ 92 बच्चों को कुकीज़ वितरित किया। आवश्यक धन आईआईटी भुवनेश्वर समुदाय के 56 लोगों से स्वैच्छिक दान द्वारा जुटाया गया था, जिसमें भुवनेश्वर के कलिंग रिन्यूएबल एनर्जी मैम्यूफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड से उदार दान भी शामिल था जिसे प्रो. सरोज कुमार द्वारा सह-संयोजित किया गया।। इसे 07 और 10 मई, 2020 को डॉ. पार्थ प्रतिम डे, डॉ. तारकांता नायक और आईआईटी भुवनेश्वर के स्टाफ सदस्यों द्वारा स्टाफ क्वार्टर के पास आईआईटी डिस्पेंसरी साइट के पास वितरित किया गया था।



92 दाताओं से 46,000 की राशि जुटाई गई, जिसमें आईआईटी भुवनेश्वर के छात्र, कर्मचारी और संकाय शामिल थे। यह पश्चिम बंगाल के मालदा एक मृतक कार्यकर्ता की पत्नी के खाते में जमा किया गया था, वही आईआईटी भुवनेश्वर के पीएचडी छात्र श्री सौमेन पाल द्वारा समन्वित किया गया था,

जिन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर में समुदाय से धन जुटाया था। समुदाय को वापस देना, विशेष रूप से कठिन समय में, आईआईटी भुवनेश्वर में हमारे शैक्षिक लोकाचार के मूल में रहा है।

समय पर स्नातक होने की सुविधा के लिए आउटगोइंग छात्रों के लिए अंतिम सेमेस्टर परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।

03 जून, 2020 को

आईआईटी भुवनेश्वर ने आउटगोइंग छात्रों के लिए अंतिम सेमेस्टर परीक्षा ऑनलाइन मोड में आयोजित करने का निर्णय लिया ताकि उनके समय पर स्नातक हो सके। परीक्षा आयोजित करने के पक्ष में निर्णय सीनेट द्वारा संस्थान के नियमों को बनाए रखने और मूल्यांकन के मानकों से समझौता किए बिना छात्रों को स्नातक करने के लिए लिया गया था।

दो वैकल्पिक परीक्षाएं निर्धारित किए गए, एक 24 जून 2020 से और दूसरी जुलाई के अंत में अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान छात्रों को किसी

भी एक परीक्षा में बैठने की सुविधा प्रदान करने के लिए यदि किसी छात्र के पास घर पर या नजदीकी सुविधा से ऑनलाइन परीक्षा देने के लिए उपकरण की सुविधा नहीं है। यदि कोविड -19 के कारण महामारी की स्थिति में सुधार होता है, तो छात्र के पास आईआईटी के परिसर में आने और दूसरी परीक्षा देने का विकल्प भी हो सकता है। हमें विश्वास है कि आईआईटी भुवनेश्वर के छात्र पूरे सम्मान और मूल्यांकन मानकों के साथ खुद को स्नातक करने के लिए इस चुनौती को स्वीकार करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित वृक्षारोपण अभियान

05 जून, 2020

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर आईआईटी भुवनेश्वर ने परिसर के अंदर एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य हरित संस्कृति के लिए अभियान चलाना और प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ हरित पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। परिसर के अंदर के निवासी कोविड -19 के कारण सामाजिक दूरियों के मापदंडों का पालन कर रहे हैं। इस अभियान का उद्घाटन आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर आर.वी. राज कुमार, द्वारा किया गया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वृक्षारोपण सफलतापूर्वक किया गया। पौधरोपण अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार और बड़े आकार के कई पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण में संस्थान के सदस्यों, संकायों, कर्मचारियों, उनसे संबंधित परिवारों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इस अभियान में प्रोफेसर वी. आर. पेडिरेड्डी, डीन-छात्र, मामले, डॉ. श्रीनिवास भास्कर कारंकी, पिक (बागवानी) और कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, रजिस्ट्रार सहित अन्य संकाय और स्टाफ सदस्य भी शामिल थे।



एम.टेक प्रवेश के लिए गेट स्कोर में महत्वपूर्ण वृद्धि

16 जून, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने संस्थान के पांच स्कूलों से 14 एमटेक विशेषज्ञता में जुलाई 2020 शैक्षणिक सत्र के लिए एमटेक प्रवेश के लिए चयन सूची का पहला दौर जारी किया और पिछले सप्ताह वेबसाइट पर अपलोड किया, कोविड -19 महामारी को देखते हुए, इस बार उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग और चयन गेट स्कोर के आधार पर किया गया है, जिसमें बी टेक और 12 वीं की परीक्षाओं में उम्मीदवारों के प्रदर्शन को कुछ प्रमुखता दिया गया है।

संस्थान ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष आरक्षण की सभी श्रेणियों और सभी कार्यक्रमों में चयनित उम्मीदवारों के प्रारंभिक और अंतिम गेट स्कोर में बहुत महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की। पिछले साल की तुलना में ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक में इस साल औसत वृद्धि क्रमशः 8.6 और 12.17 प्रतिशत है। इस साल कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग स्पेशलाइजेशन के लिए ओपनिंग और क्लोजिंग गेट स्कोर सामान्य वर्ग के लिए क्रमशः 888 और 779 और एससी वर्ग के लिए क्रमशः 737 और 616 है।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर आर.वी. राज कुमार, ने इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए कहा कि "निश्चित रूप से एक छात्र अपनी शिक्षा के लिए सर्वोत्तम संभव संस्थान का चयन करना चाहेगा। जैसा कि आप जानते हैं कि उम्मीदवारों की चयनित सूची का समापन और

शुरुआती अंक एक एसिड टेस्ट है कि कैसे एक संस्थान काम कर रहा है क्योंकि यह सीधे हितधारकों के आत्मविश्वास के स्तर को दर्शाता है। हम पिछले तीन वर्षों से आईआईटी भुवनेश्वर में बी.टेक, एम-टेक और एमएससी सहित सभी कार्यक्रमों में इस बढ़ती प्रवृत्ति को देख रहे हैं, इसके बावजूद आईआईटी सिस्टम में सीटों समय के साथ उल्लेखनीय रूप से बढ़ रहा है। 12.17% की वृद्धि बहुत महत्वपूर्ण है, यह आईआईआईटी भुवनेश्वर में हम सभी के लिए बहुत संतोषजनक है, यह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और मुझे विश्वास है कि संस्थान आने वाले वर्षों में इस बढ़ती प्रवृत्ति को जारी रखेगा।"

डीन अकादमिक मामलों के " डॉ पीआर साहू , ने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष की तरह, संस्थान उम्मीदवारों को प्रवेश देने के लिए कॉमन ऑफर एक्सेसेस पोर्टल (COAP) के माध्यम से केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले रहा है। प्रस्तावों का पहला दौर अंतिम सप्ताह में जारी किया गया था और यह प्रस्ताव कुल 10 राउंड रहेगा । , जिनमें से अंतिम राउंड 07-09 अगस्त 2020 को हुआ था। इस वर्ष कोविड -19 महामारी के कारण स्नातक प्रवेश में कुछ और समय लगेगा।

6वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2020

21 जून 2020 (रविवार) को आईआईटी भुवनेश्वर में योग का 6 वां अंतर्राष्ट्रीय दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 19 जून, 2020 से स्थायी परिसर में शुरू हुआ था। लेखक, रेडिएंट यूनिवर्सल लीडर कोच और इंटीग्रल एजुकएटर और आईआईटी मद्रास में एक अतिथि संकाय , श्री अरुण देव, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और एक ऑनलाइन माध्यम से योग सत्र में शामिल हुए। आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, निदेशक, ने छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम घर पर योग और परिवार के साथ योग है।



प्रतिभागियों और योग शिक्षकों ने सोशल डिस्टेंसिंग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए और मास्क पहनना अनिवार्य करके सामुदायिक केंद्र में अभ्यास सत्र के लिए इकट्ठा हुए। माईक्रोसॉफ्ट टीमों के माध्यम से पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, कई छात्रों ने अपने छात्रावासों से भाग लिया। साथ ही विभिन्न राज्यों से कई छात्रों ने अपने घर से ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री अरुल देव, ने आंतरिक योग पर एक दिलचस्प आध्यात्मिक व्याख्यान दिया - दिन-प्रतिदिन के जीवन में शांत, रचनात्मक और हर्षित रहने के लिए आंतरिक योग।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीकांत गोलापुडी और डॉ. बंकिम चंद्र मंडल ने किया। ईएए समन्वयक। इस कार्यक्रम में आईआईटी भुवनेश्वर छात्र

व्यायामशाला, अध्यक्ष, डॉ. संकर्षण महापात्रो और आईआईटी भुवनेश्वर के रजिस्ट्रार, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, भी उपस्थित थे। योग सत्र की शुरुआत विभिन्न आसनों जैसे खड़े होने, बैठने और लेटने की स्थिति (दोनों पीठ के बल लेटकर) के व्यवस्थित अभ्यास के साथ योग शिक्षक के निर्देशों और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की देखरेख में क्रमिक रूप से सुचारू रूप में बदलने के साथ हुई। संपूर्ण "योगभ्यास" एक घंटे तक चला और सभी प्रतिभागियों द्वारा शपथ के साथ समाप्त हुआ कि वे अपने शरीर और दिमाग को स्वस्थ, तनाव मुक्त और हंसमुख स्थिति में रखने के लिए योग का अभ्यास करना जारी रखेंगे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन हुआ।



आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, द्वारा एचपीटी-32 दीपक विमान और टी-55 युद्धक टैंक का उद्घाटन

23 जून, 2020

यह बेहद गर्व की बात है कि टी-55 युद्धक टैंक और एचपीटी-32 दीपक विमान के रक्षा नमूनों के प्रदर्शन का उद्घाटन आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार ने 23 जून, 2021 (मंगलवार) रथयात्रा के शुभ दिन पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया।

निदेशक के अनुरोध पर टी-55 बैटल टैंक और एचपीटी-32 दीपक एयरक्राफ्ट सेंट्रल आर्मर्ड फाइटिंग व्हीकल डिपो (सीएएफवाईडी), पुणे के किरकी, और वायु सेना स्टेशन, तमिलनाडु के चेन्नई के तांबरम, से प्राप्त हुए थे।



इसका उद्देश्य देशभक्ति की भावना पैदा करना, देश की संप्रभुता की रक्षा करने की भावना, रक्षा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास में भागीदारी को प्रेरित करना तथा अतीत और भविष्य दोनों में रक्षा उपकरणों के पीछे तकनीकी चुनौतियां और रक्षा सेवाओं में करियर बनाना।

इस रक्षा नमूनों का प्रदर्शन आईआईटी भुवनेश्वर के मुख्य प्रवेश मंडल किया जा रहा है। ताकि छात्रों और संस्थान के आगंतुक इसका लुप्त उठा सके है।



महामारी 24 से 30 जून, 2020 के दौरान हमेशा की तरह अंतिम सत्र की परीक्षाएँ

24 से 30 जून, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने अपने अंतिम वर्ष के विषय के लिए 24 से 30 जून, 2020 तक ऑनलाइन मोड में अपने मानकों के अनुसार सामान्य व्यापक तरीके से अंतिम सत्र की परीक्षाओं का आयोजन किया। परीक्षा में भाग लेने वाले अंतिम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत अन्य छात्रों के एक अंश सहित अंतिम वर्ष के छात्रों की संख्या इस प्रकार है।

उपाधि	प्रतिभागियों की संख्या	परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों का प्रतिशत
बी-टेक	206	100
दोहरी डिग्री	36	100
एम.एससी	75	100
एम.टेक	167	100
पी.एचडी	42	100
कुल	526	



ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध प्रणालियों को आम तौर पर कंप्यूटर आधारित परीक्षण आयोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, न कि पारंपरिक परीक्षाओं के लिए व्यापक रूप में तथा निश्चित सीमाओं के लिए। आईआईटी भुवनेश्वर ने वर्चुअल परीक्षा हॉल में ऑनलाइन पारंपरिक परीक्षा आयोजित करने के लिए इन-हाउस एक अभिनव प्रणाली बनाई और अपने अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इसे अपनाया। प्रणाली का वैचारिक और वास्तुशिल्प डिजाइन निदेशक प्रो आरवी राज कुमार, द्वारा प्रदान किया गया था और प्रणाली को संस्थान के कंप्यूटर और आईटी सेवा सेल (सीआईटीएससी) द्वारा विकसित किया

गया था। जिसमें अध्यक्ष डॉ बराथराम, और प्रोग्रामर श्री चंद्र वड्डे की प्रमुख भूमिका रही। सिस्टम व्हीबॉक्स द्वारा प्रदान की गई एक वाणिज्यिक प्रणाली का उपयोग अपने उपप्रणाली के रूप में करता है जिसमें संस्थान के मार्गदर्शन के अनुसार बहुत सारे अनुकूलन और संवर्द्धन किए जाते हैं। संगठन का दावा है कि इस नवाचार और एसटीएस एप्लिकेशन को बनाने की प्रेरणा हमारे माननीय प्रधान मंत्री के आह्वान से आई है " आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में महामारी संकट को एक अवसर में बदलने के लिए"।



An Invigilator handling a Virtual Examination Hall



Students appearing in Online Examination from personal Area

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक, प्रोफेसर राज कुमार ने कहा, "सिस्टम डिजाइन में आने वाली चुनौतियों में सबसे महत्त्वपूर्ण उन छात्रों तक पहुंच की निष्पक्षता प्रदान करना है, जिनके पास उपलब्ध गैजेट्स और इंटरनेट कनेक्टिविटी में बहुत भिन्नता है। चूंकि उत्तर कलम और कागज के साथ भी किया जा सकता है, पत्र पत्र देने तथा उत्तर पत्र अपलोडिंग और निरीक्षण के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल कम कर दिया गया है। संस्थान ने छात्रों को निष्पक्षता के साथ परीक्षा देने की सुविधा के लिए कई विकल्प प्रदान किए हैं, हालांकि उनके पास प्रौद्योगिकी के विभिन्न स्तर हैं (एक से दो गैजेट)। हालांकि संस्थान ने छात्रों को सुविधा प्राप्त करने की सुविधा के लिए दो परीक्षाएं निर्धारित कीं, यदि उनके पास सुविधा नहीं है, तो उनमें से सभी (100%) ने पहला अवसर प्राप्त किया है और सफलतापूर्वक परीक्षा दे सकते हैं। इस प्रणाली में एक पारंपरिक परीक्षा हॉल के जैसा माहौल बनाया जाता है, प्रत्येक छात्र को उनके घर पर परीक्षा के लिए व्यक्तिगत वातावरण प्रदान किया जाता है और नियंत्रण भी आंशिक रूप से प्रत्येक छात्र के सहयोग पर निर्भर करता है। हमारे छात्र भा अच्छी तरह से सहयोग करते हैं, वे प्रौद्योगिकी अत्यधिक के जानकार हैं, उन्होंने गंभीरता से परीक्षाओं में भाग लिया और संस्थान को अच्छे मानकों पर परीक्षा आयोजित करने में मदद की।"

संस्थान ने सहायक प्रोफेसर डॉ एसबी करंकी की अध्यक्षता में एक सशक्त हेल्प डेस्क की स्थापना की, जो परीक्षा के दौरान छात्रों के गैजेट्स और इंटरनेट बैंडविड्थ से संबंधित समस्याओं शत-प्रतिशत समाधान करने के लिए को बहुत अच्छी तरह से बातचीत कर सकता है।

डॉ. पीआर साहू, डीन (अकादमिक) ने कहा, "महामारी की स्थिति के बावजूद नियमों से समझौता किए बिना परीक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं। एक बदलाव किया गया है जैसा कि हमारे सीनेट द्वारा सिफरिश की गई"। कि ऑनलाइन अंतिम-सत्र परीक्षा की अवधि सामान्य से 3 घंटे से घटाकर 2 घंटे तक कम कर दी गई है और तदनुसार वेटेज 50% के स्थान पर 40% कर दिया गया।

प्रो-इन-चार्ज, और परीक्षक डॉ. राजन झा, ने कहा "नई प्रणाली में परीक्षाओं को आयोजित करना एक चुनौती थी और इसे व्यवहार में लाना और संस्थान की परीक्षाओं को उसी प्रभावशीलता के साथ आयोजित करना जैसा कि पारंपरिक परीक्षाओं ने हमें एक पुरस्कृत अनुभव प्रदान किया है" कुल मिलाकर, परीक्षा सभी पहलुओं में बहुत अच्छी रही।

74वां स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने कोविड-19 महामारी के बीच सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार सामाजिक दूरी और अन्य मानदंडों का पालन करते हुए अपने परिसर में 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, राष्ट्रपिता भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित की और अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण के बाद राष्ट्रगान दिया, जिसे सभी ने लयबद्ध कोरम में गाया।

चल रही महामारी के कारण प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए, कोई भी उत्सव और मार्च पास्ट शिविरों की सुरक्षा को ध्यान में नहीं रख रहा था। संस्थान के सुरक्षा कर्मियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

इसके अलावा, इस कार्यक्रम के दौरान डीन ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी), प्रो सूजीत राॅय, डीन, स्टूडेंट अफेयर्स प्रोफेसर वी.आर पेडिरेड्डी, भी उपस्थित थे। वार्डन डॉ शांतनु पाल। रजिस्ट्रार, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, ईएए को-ऑर्डिनेटर डॉ. बंकिम मंडल, संकाय सदस्य,

स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। ईएए समन्वयक, डॉ. श्रीकांत गोलपुडी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।



आईआईटी भुवनेश्वर ने अपना नया शैक्षणिक वर्ष 17 अगस्त, 2020 को शुरू किया

17 अगस्त, 2020

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने कोविड-19 महामारी के बीच 17 अगस्त, 2020 को अपने ऑन-रोल छात्रों के लिए और 27 अगस्त, 2020 को नए स्नातकोत्तर छात्रों (एम. टेक, एमएससी और पीएचडी छात्रों) के लिए कक्षाएं शुरू की। अब सभी कक्षाएं परिसर में छात्रों की भौतिक उपस्थिति के बिना उनके घरों में कक्षाओं की लाइव स्ट्रीमिंग द्वारा संचालित की जा रही हैं। यानी वर्तमान सेमेस्टर लगभग समय पर शुरू हो गया है, सामान्य या गैर-महामारी की स्थिति की तुलना में केवल तीन सप्ताह की देरी के साथ वर्तमान सत्र लगभग समय पर शुरू हुआ। स्थिति में सुधार और अनुमति के रूप में छात्रों को एक एसओपी के माध्यम से परिसर में लाया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक प्रोफेसर आरवी राज कुमार ने कहा, "हम समय पर नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत कर सकते हैं और अब हमारे पास बीटेक छात्रों के नए और 2020-21 बैच के लिए कक्षाएं शुरू करने की एकमात्र चुनौती है। अब जब जेईई मेन्स और जेईई (उन्नत) परीक्षाएं क्रमशः (01 - 06) और 27 सितंबर 2020 के लिए निर्धारित हैं, हम छात्रों को प्रवेश देने में सक्षम होंगे, और कुछ महीनों के बाद उनकी कक्षाएं शुरू करेंगे और बी.टेक के फ्रेशर छात्रों के शैक्षणिक वर्ष को बचाएंगे।" हमारे युवाओं को सही अवसर देने तथा जागरूक होने और सावधानी बरतने से महामारी से निपटने निश्चित रूप से संभव है।

शिक्षा के ऑनलाइन मोड की प्रभावशीलता पर संदेश हुए, प्रो कुमार ने कहा, "महामारी हमें नए शैक्षणिक वर्ष को ऑनलाइन मोड के माध्यम से शुरू करने के लिए मजबूर किया। इसमें कुछ कमियां भी हैं और कुछ फायदे भी। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम नुकसान को कम से कम करें और फायदे को भुनाएं। आईआईटी भुवनेश्वर में मैंने व्यक्तिगत रूप से संकाय को संबोधित किया है और उन्हें ऑनलाइन मोड में प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण, सर्वोत्तम प्रथाओं, स्वयं की नवीन प्रथाओं और कुछ प्रयोगों को अपनाकर 'कनेक्ट' और बातचीत को बनाए रखने की सलाह दी है। छात्रों को फीडबैक के साथ सही समस्या समाधान असाइनमेंट जो ऑनलाइन किया जा सकता है, सहभागी सीखने के लिए महत्वपूर्ण है। छात्रों के परिसर में लौटने के बाद प्रयोगशाला भाग के लिए हैंड्स-ऑन किया जाएगा। लेकिन कुछ समवर्ती ऑनलाइन प्रयोगशाला प्रशिक्षण भी अब स्वयं सिद्धांत कक्षाओं के साथ प्रदान किए जाएंगे, ताकि प्रयोगशाला अभ्यास में देरी के कारण उनकी शिक्षा प्रभावित न हो। लीमिंग शिक्षा का एक महत्वपूर्ण घटक है और इसलिए प्रयास की सफलता के लिए एक छात्र, मुख्य हितधारक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। एक छात्र को इसके बारे में पता होना चाहिए कि एक उपकरण की व्यवस्था करने में उद्यमी होना चाहिए तथा

कनेक्टिविटी और ऑनलाइन शिक्षा, प्रभावी रूप से ग्रहण के लिए अतिरिक्त प्रयास भी करते हैं। उच्च शिक्षा के छात्रों से वर्तमान समय में समाज इसकी उम्मीद कर सकता है।

डीन (अकादमिक) डॉ. प्रवास रंजन साहू, ने कहा, "आईआईटी भुवनेश्वर ने पिछले शैक्षणिक वर्ष की अपनी शिक्षा कोविड -19 महामारी के बावजूद बिना किसी समझौताके, अपने सभी छात्रों के लिए एक अनूठी और बहुत ही नवीन ऑनलाइन पद्धति बनाकर और अपनाकर पारंपरिक परीक्षाएं आयोजित कराया, ऑनलाइन माध्यम से शेष प्रयोगशाला कक्षाओं और थीसिस के काम को आयोजित कराया।"

हिंदी पखवाड़ा

14 सितंबर, 2019

हिंदी दिवस के अवसर पर, राजभाषा एकक और "अभिव्यक्ति", हिंदी साहित्यिक सोसाइटी ऑफ छात्र व्यायामशाला, आईआईटी भुवनेश्वर ने 14 दिनों (1* सितंबर-14 सितंबर, 2019) परिसर में "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया। आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य दैनिक जीवन में इसके उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ हिंदी भाषा के महत्व को बताना था। आईआईटी भुवनेश्वर के पीआईसी, राजभाषा एकक, डॉ. राज कुमार सिंह, कार्यक्रम ने सभी का स्वागत किया। तथा चल रही महामारी की स्थिति के कारण, सभी कार्यक्रम ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए गए

संस्थान के छात्रों के लिए आयोजित लोकप्रिय कार्यक्रम विभिन्न विषयों पर आधारित हिंदी रचनात्मक लेखन "कविता लेखन, लेख लेखन, और आवाज दिल की" थे। संस्थान के कर्मचारियों के लिए हिंदी एक्सटेम्पोर (दृष्टिकोण) हिंदी निबंध लेखन (निबंध लेखन) तथा "तिमाही प्रगति रिपोर्ट और आधिकारिक हिंदी के उपयोग" पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई थी। पूरे भारत में विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। आईआईटी भुवनेश्वर के केंद्रीय पुस्तकालय और हिंदी कक्ष ने संयुक्त रूप से आईआईटी भुवनेश्वर के केंद्रीय पुस्तकालय में 1 सितंबर, 2020 से 14 सितंबर, 2020 "हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी" का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य नई पुस्तकों के संग्रह की उपलब्धता के बारे में जानने के लिए और हिंदी पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना था।



फिट इंडिया मूवमेंट की वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए कैंपस के अंदर मिनी-मैराथन और वॉकथॉन का आयोजन

26 सितंबर, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने 26 सितंबर, 2020 (शनिवार) को फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में एक मिनी-मैराथन और एक वॉकथॉन का आयोजन किया। फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में फ्रीडम रन एक नई पहल है और सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए खुद को फिट रखने की दृष्टि से इसकी कल्पना की गई है। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार ने झंडी दिखाकर किया।

हालांकि छात्र नहीं थे हैं, इस कार्यक्रम में संस्थान के संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र समुदाय के लगभग 100 सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी गई और इसका आयोजन सामाजिक दूरियों के मानदंडों का कड़ाई से पालन करते हुए किया गया। इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रार कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, ने भी भाग लिया और डॉ. श्रीकांत गोलापुडी और डॉ. बंकिम चंद्र मंडल, ईएए समन्वयक द्वारा समन्वयित किया गया।



गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर मनाया गया स्वच्छ भारत कार्यक्रम

02 अक्टूबर, 2020

स्वच्छ भारत अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 02 अक्टूबर, 2020 को आईआईटी भुवनेश्वर में मनाया गया। यह कार्यक्रम शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार का "बापूजी" को पुष्पांजलि अर्पण के साथ सुबह 9:30 बजे शुरू हुआ। "स्वच्छता शपथ रजिस्ट्रार द्वारा दिलाई गई, जिसके बाद निदेशक ने सभा को संबोधित किया।

वर्चुअल मोड के माध्यम से संपूर्ण आईआईटी भुवनेश्वर में विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा

गांधी पर केंद्रित एक फिल्म समारोह भी शामिल है। आईआईटी भुवनेश्वर के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों ने मुख्य द्वार, कार्य स्थल और परिसर के आसपास के क्षेत्र में चल रही महामारी को देखते हुए सभी सुरक्षा और सामाजिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए "स्वच्छता ही सेवा" अभियान। स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर आईटी भुवनेश्वर के प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन-स्टूडेंट अफेयर्स, रजिस्ट्रार कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, स्टूडेंट व्यायामशाला के अध्यक्ष डॉ. शंकरन महापात्रो, साथ-साथ अन्य फैकल्टी, छात्र और स्टाफ सदस्य भी अच्छी संख्या में हैं।



सतर्कता जागरूकता सप्ताह

27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 मनाया, एक सप्ताह लंबा कार्यक्रम 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2020 तक केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा अनिवार्य रूप से शुरू हुआ। 27 अक्टूबर, 2020 को, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो आर.वी राज कुमार द्वारा मुख्य प्रशासनिक भवन में शपथ ग्रहण समारोह संबोधन का आयोजन किया गया था। इस वर्ष का विषय, "सतर्क भारत, समृद्ध भारत (सतर्क भारत, समृद्ध भारत) इस अवसर पर संस्थान के रजिस्ट्रार कर्नल डॉ. सुबोध कुमार अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थित थे।



राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

31 अक्टूबर, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने 31 अक्टूबर, 2020 को अपने परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को चिह्नित करने के लिए "राष्ट्रीय एकता दिवस" मनाया। इस कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राज कुमार द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। संकाय, अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली, जिसमें उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करने का संकल्प लिया और इस संदेश को साथी देशवासियों के बीच फैलाने का भी प्रयास किया। जो भारत गणराज्य के संस्थापक नेता, स्वर्गीय सरदार

वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और कार्यों से संभव हुआ है। संस्थान ने चल रही महामारी को देखते हुए सभी सामाजिक दूरियों के मापदंडों का पालन करते हुए एक साधारण समारोह में इस दिन को मनाया। इस अवसर पर सामाजिक-सांस्कृतिक परिषद, छात्र व्यायामशाला, आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा प्रश्नोत्तरी, कला प्रतियोगिता, लेख लेखन और स्लोगन लेखन से लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस अवसर पर, डीन स्टूडेंट अफेयर्स, प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी रजिस्ट्रार कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, और छात्र व्यायामशाला के अध्यक्ष डॉ. शंकरसन महापात्रो, सहित संस्थान के संकाय, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।



“व्यक्तिगत प्रभावशीलता” पर एआईसीटीई अटल संकाय विकास कार्यक्रम

04 नवंबर, 2020

“व्यक्तिगत प्रभावशीलता” पर एआईसीटीई अटल संकाय विकास कार्यक्रम 02 से 06 नवंबर 2020 से निर्धारित किया गया था, इसका उद्घाटन आईआईटी भुवनेश्वर के मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ (एसएचएसएसएम) में 02 नवंबर 2020 को किया गया था।

AICTE ATAL अकादमी पूरे देश से AICTE द्वारा अनुमोदित संस्थानों के संकाय सदस्यों को निरंतर सीखने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल कोविड 19 महामारी के इन चुनौतीपूर्ण समय में AICTE से संबद्ध शिक्षकों के लिए कौशल सुधार सुनिश्चित कर रही है। यह उल्लेखनीय है कि एसएचएसएसएम आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा आयोजित किया जा रहा यह पहला एआईसीटीई अटल एफडीपी है

एटीएल ऑनलाइन एफडीपी का आभासी उद्घाटन 02 नवंबर 2020 को माननीय अध्यक्ष, एमओई पर संसदीय स्थायी समिति, भारत सरकार, डॉ

विनय सहस्रबुद्धे, माननीय अध्यक्ष एआईसीटीई और एटीएल अकादमी निदेशक प्रो अनिल सहस्रबुद्धे तथा आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज.कुमार के सक्रिय मार्गदर्शन में तथा डॉ. रवींद्र कुमार सोनी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने स्पष्ट किया कि हमारे निरंतर शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आईआईटी भुवनेश्वर हमेशा देश भर के शिक्षकों के कौशल सेट तेज करने के निरंतर प्रयास के साथ शिक्षण और सिखने के मार्ग का नेतृत्व किया है।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक के सक्रिय मार्गदर्शन में और डीन सतत शिक्षा प्रोफेसर प्रवास रंजन साहू और एसएसएसएम के प्रधान प्रोफेसर रवींद्र कुमार पांडा से पर्याप्त समर्थन और आईआईटी भुवनेश्वर के एसएचएसएसएम के डॉ पुण्यश्री पांडा द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया जा रहा है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में पूरे भारत से एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थानों के लगभग 200 संकाय प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

आईआईटी रुड़की में आयोजित आईआईटी सिविल कॉन्क्लेव (2020) में छात्रों की उपलब्धियां

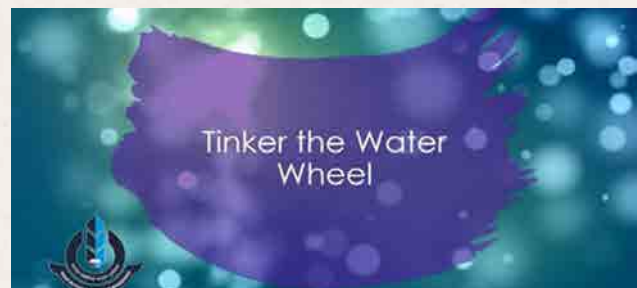
7 से 8 नवंबर, 2020

आईआईटी सिविल कॉन्क्लेव 2020, सिविल इंजीनियरिंग के प्रति उत्साही लोगों के लिए सबसे पहला और अनन्य इंटर आईआईटी मीटअप, ऑनलाइन मोड के माध्यम से 7 और 8 नवंबर 2020 को आयोजित किया गया था। कॉन्क्लेव में विभिन्न केस स्टडी और शोध कार्य के लिए 14 आईआईटी की भागीदारी देखी गई, आईआईटी भुवनेश्वर ने सिविल कॉन्क्लेव 2020 में मेजबान आईआईटी रुड़की ने कुल 250 अंकों के सामने कुल 225 अंकों के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया।

गंगा नदी का कायाकल्प करने वाली केस स्टडी में भाग लेने वाले 8 आईआईटी में से, आईआईटी भुवनेश्वर टीम श्री हर्षवर्धन मीणा, श्री पार्थ शर्मा, श्री रोमित केशरवानी, श्री कौशिक गुप्ता, सुश्री देवस्मिथ दत्ता (एसआईएफ से यूजी के तीसरे वर्ष के छात्र) ने मार्गदर्शन किया जिसमें डॉ. रेम्या नीलांचेरी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

केस स्टडी टिकर द वॉटर व्हील में भाग लेने वाले 4 आईआईटी में, आईआईटी भुवनेश्वर के टीम श्री रवि तेजा, श्री गौरव पांडे, श्री गृथविक, श्री प्रियंश राज शौर्य, श्री के. राम सात्विक (एसआईएफ से तीसरे वर्ष के यूजी छात्र), डॉ. अरिंदम सरकार द्वारा निर्देशित टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

डॉ. अनुश के चंद्रप्पा द्वारा निर्देशित श्री आदित्य अनुपम (एसआईएफ से चौथे वर्ष के यूजी छात्र) यूजी अनुसंधान (परिवहन इंजीनियरिंग) श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।



राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11 नवंबर, 2020

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी प्रख्यात शिक्षाविद् तथा पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती की पूर्व संध्या आईआईटी भुवनेश्वर में पर मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर आर.वी. राज कुमार द्वारा पुष्पांजलि समारोह के साथ की गई। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की पूर्व संध्या पर, उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर परिवार को महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देने, प्रेरणा प्राप्त करने और शिक्षा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने और राष्ट्र के लिए शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करने का आह्वान किया।

संस्थान ने चल रही महामारी को देखते हुए सभी सामाजिक दूरियों के मापदंडों का पालन करते हुए इस दिन को एक साधारण समारोह में मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन स्टूडेंट अफेयर्स, डॉ. पी. आर. साहू, डीन एकेडमिक्स, प्रो. ब्रह्मा देव और श्री. देब राज रथ, रजिस्ट्रार (आईसी), आईआईटी भुवनेश्वर के साथ-साथ संस्थान के संकाय, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।



प्रथम वर्ष बी.टेक और दोहरी डिग्री फ्रेशर के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम

17 नवंबर, 2020

आईआईटी भुवनेश्वर ने 10वीं-12 नवंबर, 2020 को छात्रों के लिए नव प्रवेशित बीटेक और दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इन छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम 17 से 18 नवंबर, 2020 तक आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम है। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, द्वारा ऑनलाइन संबोधन से हुई प्रवेश के छह दौर में संस्थान की सभी 475 सीटें आवंटित की गई हैं।



इस अवसर पर वक्तव्य हुए आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार कहते हैं, "यहां आईआईटी भुवनेश्वर में, हम दृढ़ता से विश्वास करते हैं कि बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण और पुरस्कृत पेशेवर यात्रा की शुरुआत है जो एक महत्वाकांक्षी भविष्य के लिए चुने गए क्षेत्र में एक छात्र के वास्तविक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। चल रही महामारी को देखते हुए, हमने वर्चुअल मोड पर नवागंतुकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करने के बाद प्रथम वर्ष की यूजी कक्षाएं को शुरू करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष, संस्थान में छः बी.टेक के लिए और नौ दोहरी डिग्री कार्यक्रम (बी.टेक-एम.टेक) के लिए 475 सीटें हैं जो पिछले साल 419 सीटों की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

"मौजूदा महामारी के कारण, हमारे पास पालन करने के लिए कुछ सख्त दिशानिर्देश हैं जिसे सरकार द्वारा बहुत सार्थक रूप से सामने रखा गया है और वर्तमान समय में संस्थान अपने नए छात्रों को कक्षाओं के लिए परिसर में लाने में सक्षम नहीं है। अपने छात्रों के लिए शिक्षा को समय

पर चलाने के यह अपने प्रयास में है। संस्थान ने छात्रों को वस्तुतः प्रवेश दिया है और 19 नवंबर, 2020 से समय सारिणी के अनुसार कक्षाओं की लाइव स्ट्रीमिंग द्वारा 2020-21 शरद सत्र के कक्षाओं का संचालन करेगा। जैसा कि स्थिति की अनुमति है, छात्रों को शिविरों में लाया जाएगा और शिक्षा सामान्य मोड में जारी रहेगी संस्थान ने फैसला किया है कि संबंधित तनावों से बचने के लिए छात्रों द्वारा उचित गति से सीखने को बनाए रखें। बी.टेक प्रथम वर्ष की शिक्षा भी पूरी तरह से दी जाएगी, जिसमें लेक्चर की कोई कमी नहीं होगी और समय की कमी नहीं होगी। हालांकि, नए छात्र जुलाई के मध्य तक अपनी प्रथम वर्ष की शिक्षा पूरी कर लेंगे और अपनी शिक्षा ऑनलाइन जारी रखेंगे। भुवनेश्वर अपने छात्रों को उनके व्यक्तित्व का पोषण करके, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानविकी, प्रबंधन और मानव उत्कृष्टता के अन्य क्षेत्रों में रचनात्मकता, नवीन मानसिकता और क्षमता को प्रोत्साहित करके कल के नेताओं को तैयार करने के लिए समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं छात्रों को भुवनेश्वर में एक सार्थक, यादगार और पुरस्कृत यात्रा की कामना करता हूँ, उन्होंने आगे कहा।



उन्मुखीकरण कार्यक्रम को प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन स्टूडेंट अफेयर्स, डॉ पी.आर. साहू, डीन एकेडमिक अफेयर्स, स्कूल के सभी प्रमुख, डॉ शांतनु पाल, वार्डन, डॉ शंकरन महापात्रो, अध्यक्ष छात्र व्यायामशाला, डॉ श्रीनिवास भास्कर कारंकी, पिक काउंसलिंग और फैकल्टी सलाहकार, आईआईटी भुवनेश्वर। इस अवसर पर प्रो सुजीत रॉय, डीन आर एंड डी, प्रो आर के पांडा, डीन एलुमनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस के साथ-साथ आईआईटी भुवनेश्वर के संकाय, अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। आईआईटी भुवनेश्वर नए बी.टेक छात्रों के लिए एक कायाकल्प और अभिविन्यास (आर एंड ओ) कार्यक्रम आयोजित करता है। कार्यक्रम की अवधारणा निदेशक द्वारा व्यक्तिगत रूप से की गई थी, जो एक बहुत ही अभिनव और अनूठा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य छात्रों

को जेईई (एड) परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रित कोचिंग के अस्वास्थ्यकर प्रभावों से बदलकर सच्ची शिक्षा में बदलने में मदद करना है जो एक छात्र को सशक्त बनाता है।

संस्थान द्वारा आयोजित अभिविन्यास और कायाकल्प कार्यक्रम अध्ययन और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने से पहले शरीर और दिमाग के कायाकल्प की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाता है। संस्थान पहले से ही कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एक साइकिल संस्कृति, योग, छात्रों के लिए जीवन कौशल पर व्याख्यान को अपनाता है। अन्य सत्र में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम, अंग्रेजी निदान परीक्षण और विफलताओं और सफलताओं पर कार्यशालाओं की शुरुआत पर व्याख्यान शामिल हैं।



संविधान दिवस

26 नवंबर, 2020

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (डीटी) भुवनेश्वर ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, निर्देशों के अनुसार भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में "कॉन्सटिट्यूशन डे" जिसे "संविधान दिवस" के रूप में भी जाना जाता है, प्रस्तावना का वाचन श्री. राम नाथ कोविंद, भारत के माननीय राष्ट्रपति (हिंदी और अंग्रेजी दोनों में) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मोड के माध्यम से केवड़िया, गुजरात में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के लाइव प्रसारण के साथ निर्धारित समय पर शिक्षकों संस्थान के अधिकारी और कर्मचारी की सभा के सामने हुआ।

संस्थान ने चल रही महामारी को देखते हुए सभी सामाजिक दूरियों के मापदंडों का पालन करते हुए एक साधारण समारोह के रूप में इसे मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन, स्टूडेंट अफेयर्स, श्री. देबराज रथ, रजिस्ट्रार (आई / सी), आईआईटी भुवनेश्वर के साथ-साथ संस्थान के संकाय, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।



आईआईटी भुवनेश्वर का एक अध्ययन सामाजिक दूरियों के मानदंडों, फेस-मास्क की प्रभावशीलता की पुष्टि करता है

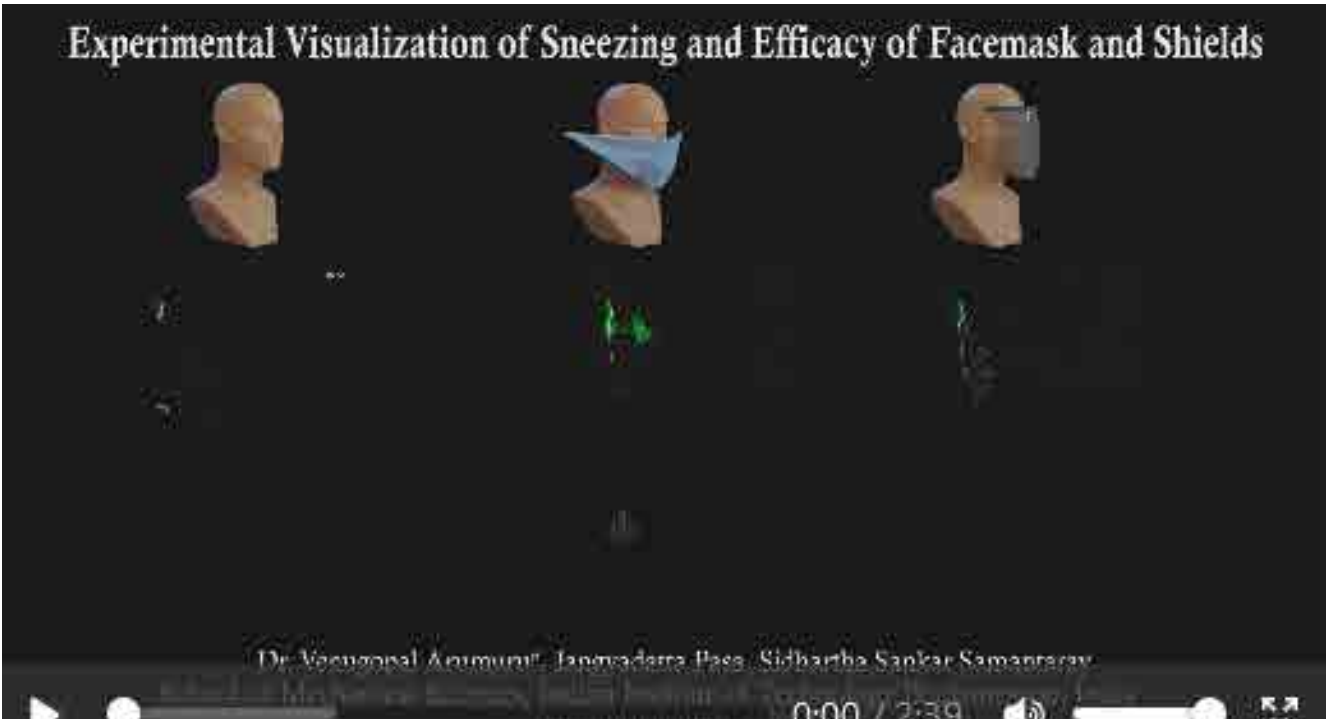
30 नवंबर, 2020

नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19- सार्स) का चल रहा प्रकोप 1.3 बिलियन से अधिक आबादी वाले भारत में विश्व स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है, इस वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती रही है। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कोविड-19 के प्रसार का मुकाबला करने के लिए "मास्क" और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे "सामाजिक वैक्सीन" को जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

इस संदर्भ में, आईआईटी भुवनेश्वर में छींकने की क्रिया के तहत विभिन्न गैर-मानक और मानक फेस मास्क की प्रभावकारिता पर एक अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मैकेनिकल साइंस (एसएमएस) और आईआईटी भुवनेश्वर में उनकी टीम द्वारा किया गया है। अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि फेस मास्क और फेस शील्ड जैसे सुरक्षात्मक उपाय 1 फीट -3 फीट के भीतर छींक के रिसाव और पहुंच को प्रभावी ढंग से कम करते हैं। हालांकि, वे छोटी बूंदों के रिसाव को पूरी तरह से नहीं रोकते हैं। इसलिए सोशल डिस्टेंसिंग भी उतनी ही जरूरी है। अध्ययन में खांसने और छींकने के दौरान मास्क पहनने के बाद भी बूंदों के रिसाव को रोकने के लिए कोहनी या हाथ का उपयोग करने की सलाह दी गई है। अध्ययन ने पुष्टि की कि फेस मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपायों के बिना, छींक के दौरान निष्कासित छोटी बूंदें स्थिर वातावरण में 22 सेकंड में 25 फीट तक की यात्रा कर सकती हैं। अध्ययन पुष्टि करता है और कोविड-19 के संचरण को रोकने के लिए सभी अभिविन्यासों से 6 फीट की सामाजिक दूरी की

भी सिफारिश करता है। वर्तमान कोविड-19 परिदृश्य में, वर्तमान अध्ययन अशांत प्रवाह में छोटी बूंदों / कणों की गतिशीलता की समझ में सुधार करेगा, जो वायरस के संचरण का कारण बनता है। ये विजुअलाइज़ेशन परिणाम आम जनता के लिए मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए जागरूकता लाएंगे।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार, ने वर्तमान सामाजिक प्रासंगिकता पर इस तरह के केंद्रित अध्ययन करने के लिए टीम को बधाई दी। अपनी टिप्पणी में, प्रो. राज कुमार ने कहा, "संस्थान के संकाय और छात्र समूहों ने उच्च सामाजिक प्रासंगिकता के प्रौद्योगिकी विकास और अनुसंधान अध्ययनों के साथ आकर कोविड 19 महामारी के दौरान अथक प्रयास किया है। वर्तमान अध्ययन इसी दिशा में एक कदम है। जैसा कि सर्वविदित है, कोविड-19 संक्रमण का प्रसार मुख्य रूप से खांसने, छींकने और बात करने के दौरान निकलने वाली बूंदों के माध्यम से होता है। वर्तमान अध्ययन से पता चलता है कि विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों के माध्यम से छोटी बूंदें कैसे लीक हो सकती हैं। इस अध्ययन से सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व स्पष्ट रूप से स्पष्ट होता है। ये परिणाम न केवल जागरूकता फैलाएंगे बल्कि शोधकर्ताओं को फेस मास्क डिजाइन में नवाचार लाने के लिए प्रेरित करेंगे। मैं दोहराना चाहता हूँ कि भुवनेश्वर में हमारे शोधकर्ता महामारी के खिलाफ चल रही लड़ाई में मानव जाति की मदद करने के लिए कोविड -19 संबंधित अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।"



आईआईटी भुवनेश्वर के डीन (आर एंड डी) प्रो. सुजीत रॉय, कहते हैं, “भुवनेश्वर टीम की खोज से कोविड-19 पर नई जागरूकता पैदा होने की उम्मीद है, जो सामुदायिक प्रसार के माध्यम से इसके संचरण को रोकने में मदद करेगी।”

भुवनेश्वर के यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ प्रमुख डॉ. मिहिर कुमार पंडित कहते हैं, “वर्तमान अध्ययन विभिन्न गैर-मानक मास्क से बूंदों के बचने को नेत्रहीन रूप से उजागर करने में बहुत अच्छी तरह से सामने आया है, जिसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसलिए, परिणाम आम जनता में जागरूकता लाएंगे।”

डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु कहते हैं, “हमारे प्रवाह दृश्य अध्ययन से पता चलता है कि विभिन्न फेस मास्क से छोटे कण कैसे बचते हैं और छींकने

के दौरान वे कितनी दूर तक जाते हैं। इस अध्ययन से सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व स्पष्ट रूप से स्पष्ट है, जो आम जनता को फेस मास्क के महत्व और कोविड19 के संचरण को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में शिक्षित करेगा। हमारे प्रस्तावित सरल प्रयोगात्मक सेटअप का उपयोग नए फेस मास्क डिजाइनों का परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है। छींक को एक मानक पुतले की नाक के बाहर हवा और ट्रेसर कणों का उपयोग करके नकली किया जाता है।”

अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी द्वारा पीयर-रिव्यू किए गए लेख को फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स जर्नल में “फीचर्ड आर्टिकल” के रूप में चुना गया है।

9वां वार्षिक दीक्षांत समारोह हाइब्रिड मोड द्वारा लाइव

02 दिसंबर, 2020 (प्रेस मीट)

भुवनेश्वर 04 दिसंबर, 2020 को अपना 9वां वार्षिक दीक्षांत समारोह मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है, एक हाइब्रिड मोड द्वारा लाइव जहां छात्र भौतिक उपस्थिति के साथ या महामारी के समय को देखते हुए ऑनलाइन भाग लेते हैं। डॉ. रमेश पोखरियाल ‘निशंक’, माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार। भारत के मुख्य अतिथि के रूप में ऑनलाइन के माध्यम से इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे और दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगे। श्री. संजय धोत्रे, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, सम्मानित अतिथि होंगे और डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी), आईआईटी भुवनेश्वर अध्यक्षता करेंगे। प्रोफेसर आर.वी. राज कुमार, निदेशक, भुवनेश्वर रिपोर्ट पेश करेंगे और छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगे। संस्थान ने दीक्षांत समारोह को वास्तविक या जीवंत रूप में आयोजित करने का एक बहुत ही नवीन तरीका विकसित किया है, जिसमें डिग्री प्राप्तकर्ताओं की भागीदारी और डिग्री प्रदान करने वाले छात्र की भौतिक या ऑनलाइन उपस्थिति के माध्यम से हो रहे हैं।

हाइब्रिड दीक्षांत समारोह के दौरान, संस्थान 446 छात्रों को डिग्री प्रदान करेगा, जिसमें 35 पीएचडी, 141 एम.टेक, 70 एमएससी शामिल हैं। और 200 बी.टेक. यह स्नातक छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और संस्थान के प्रशासन के लिए गर्व का क्षण है।

भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक श्री को प्रदान किए जाएंगे। संपूर्ण निवर्तमान बी.टेक छात्रों का बैच में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के आदित्य पाल।

निदेशक का स्वर्ण पदक श्री को प्रदान किया जाएगा। स्कूल ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर के संकेत डे चौधरी को संपूर्ण आउटगोइंग एम.टेक छात्रों का बैच में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

निदेशक का स्वर्ण पदक भी श्री को प्रदान किया जाएगा। भौतिक विज्ञान के सौविक चक्रवर्ती, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज को संपूर्ण निवर्तमान एम.एससी के छात्रों का बैच के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए।

संबंधित स्कूलों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान द्वारा श्री को रजत पदक प्रदान किया जाएगा। आदित्य पाल, श्री. अरविंद टी.के. आर, श्री. अभिषेक मिश्रा, श्री. अमन सिंघल, श्री. मणपुरम ज्योति वेंकट साई आदित्य और निवर्तमान बी.टेक छात्रों का बैच के बीच में श्री शुभजीत मंडल।

संबंधित स्कूलों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान द्वारा श्री को रजत पदक प्रदान किया जाएगा। संकेत डे चौधरी, श्री. दुसाने अजिंक्य राजेंद्र, श्री. प्रियव्रत दास, श्री. अनूप कुमार यादव, श्री. गौरव भट्टाचार्य, सुश्री खडके लीना संजय और श्री. निवर्तमान एम.टेक के छात्रों का बैच के बीच देबजीत राणा।

संबंधित स्कूलों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान द्वारा श्री को रजत पदक प्रदान किया जाएगा। सौविक चक्रवर्ती, सुश्री अधाना सुसान जेम्स, श्री। देबब्रोता मंडल, सुश्री सुदेशना गोस्वामी और निवर्तमान एम.एससी. के छात्रों का बैच के बीच श्री अर्कार्पा राय।

वर्तमान में संस्थान में 2490 छात्र (बी.टेक.-1174, बी.टेक. एवं एम.टेक. (दोहरी डिग्री) 418, एम.टेक.-388, एम.एससी.-178, पीएच.डी.-332) हैं। और 143 पूर्णकालिक संकाय सदस्य और कई सहायक संकाय सदस्य। इसके अलावा, संस्थान में 25 अधिकारी और अन्य सहायक कर्मचारी हैं। संस्थान में वर्तमान में 7 शैक्षणिक स्कूल हैं। यह बी.टेक., एम.टेक., डुअल डिग्री (बी.टेक.+एम.टेक.) और एम.एससी. कार्यक्रम।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और उपरोक्त जानकारी साझा की। उन्होंने यह भी

कहा, "दीक्षांत समारोह उन छात्रों के स्नातक स्तर की पढ़ाई का उत्सव है, जिन्होंने अपने चरम युवावस्था के दौरान महत्वपूर्ण शिक्षा के साथ अपनी डिग्री हासिल की और संस्थान उनकी लाइव भागीदारी के लिए उत्सुक है। इसलिए, संस्थान दीक्षांत समारोह आयोजित करने का एक अभिनव तरीका लेकर आया है जहां एक छात्र भौतिक उपस्थिति के साथ या महामारी की स्थिति को देखते हुए ऑनलाइन भाग ले सकता है, और इसे अपनाया। दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में छात्रों के शामिल होने की उम्मीद है। हमें बहुत खुशी है कि माननीय शिक्षा मंत्री और राज्य मंत्री ने इस अवसर की शोभा बढ़ाने और स्नातक करने वाले छात्रों को संबोधित करने की सहमति दी है।

इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री जी राज्य मंत्री की उपस्थिति में छात्र गतिविधि केंद्र (एसएसी), प्ले कोर्ट और संस्थान के मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन स्कूल के भवन का उद्घाटन करेंगे। , अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, निदेशक, संकाय, कर्मचारी और संस्थान के छात्र। सैक और प्ले कोर्ट 42 एकड़ के भव्य खेल परिसर का एक प्रमुख हिस्सा हैं, जिसे संस्थान शिक्षा मंत्रालय के समर्थन से चरण -2 के बुनियादी ढांचे के तहत बना रहा है।

04 दिसंबर, 2020

दुनिया भर में महामारी की स्थिति के बीच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (डीटी) भुवनेश्वर ने आज वास्तविक मोड पर अपना 09 वां दीक्षांत समारोह मनाया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने मुख्य अतिथि के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित हुए और दीक्षांत भाषण दिया। भारत सरकार के माननीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री. संजय धोत्रे, अतिथि ऑनर के रूप में ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए और संबोधित किया। आईआईटी भुवनेश्वर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) अध्यक्ष, डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह, ने ऑनलाइन समारोह की अध्यक्षता की। आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्नातक छात्रों को डिग्री प्रदान की और उन्हें उसी के साथ चार्ज किया।



आईआईटी भुवनेश्वर का दीक्षांत समारोह मिश्रित मोड में महामारी के समय में किया जाने वाला एक लाइव दीक्षांत समारोह है, जो दूसरों से अलग और दुनिया भर में अपनी तरह का पहला है। यह सहभागी है, जहां स्नातक करने वाले छात्रों ने भाग लिया और ऑनलाइन या भौतिक उपस्थिति के साथ अपनी डिग्री और पदक जीते। संस्थान ने आंतरिक रूप से तंत्र विकसित किया और इसे बहुत सफलतापूर्वक अपनाया। निश्चित रूप से दीक्षांत समारोह न केवल राष्ट्र के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक आदर्श है।

माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने छात्रों को संबोधित करते हुए संस्थान के सभी स्नातक छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि आने वाले समय में बड़ी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने उन्हें अल्मा मेटर यानी भुवनेश्वर के अभिनव शिक्षण, सीखने और सफलता के मार्ग पर मार्गदर्शन करने के योगदान को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने संस्थान को उत्कृष्ट कल्याण, शिक्षण उत्कृष्टता

और संस्थान द्वारा बनाई गई अनुसंधान आभा के लिए पूरक किया। उन्होंने महामारी के दौरान कई नवाचारों के माध्यम से वैश्विक स्तर की शिक्षा की क्रीम को सुविधाजनक बनाने और एक रोल मॉडल के रूप में सेवा करने के लिए निदेशक और उनकी टीम को विशेष रूप से पूरक किया, जिस पर राष्ट्र को गर्व हो सकता है।

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने छात्र गतिविधि केंद्र (एसएसी), प्ले कोर्ट, और स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंसेज एंड मैनेजमेंट (एसएचएसएसएम) भुवनेश्वर का उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे से जोड़ा। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि सरकार की शिक्षा नीति (NEP-2020)। भारत सरकार नए छात्रों के भविष्य को स्थापित करने में एक लंबा सफर तय करेगी जो समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगी। अंत में, समापन से पहले, उन्होंने संस्थान के सभी संकाय और छात्रों के भविष्य के सभी प्रयासों में सफलता की कामना की।



इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए श्री. शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने छात्रों को बधाई दी और महामारी के दौरान विभिन्न तकनीकों, नवाचारों, उनके द्वारा किए गए अध्ययनों के नवाचारों में संकाय, छात्रों, शोधकर्ताओं द्वारा

किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान भुवनेश्वर द्वारा किए गए छात्रों के समग्र विकास पर जोर दिया।



उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छात्र हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दूरदर्शी कार्यक्रम: "आत्मनिर्भर भारत अभियान" के सपने को पूरा करके नवाचारों

और अनुसंधान के माध्यम से देश के अंदर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए आत्मनिर्भर होकर योगदान देंगे।



आईआईटी भुवनेश्वर के अध्यक्ष, (बीओजी) डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह, ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर संतोष व्यक्त किया और सभी मेधावी छात्रों को उनकी जबरदस्त और मेधावी उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान के छात्र राष्ट्र निर्माण और आधुनिक और निर्णायक भारत का मार्ग प्रशस्त करने के पथ प्रदर्शक होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपलब्धि और उत्कृष्टता को ईमानदारी और अनुशासन में साथ-साथ चलना चाहिए और हमारे छात्र आगे की यात्रा में इसे सही साबित करेंगे।

उन्होंने संस्थान के निदेशक को देश के सर्वश्रेष्ठ दिमागों को आकर्षित करने के लिए विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के साथ शिक्षण, सीखने के मंच का एक उत्कृष्ट मिश्रण बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री और माननीय शिक्षा राज्य मंत्री को उनके बहुमूल्य समय और उपस्थिति के लिए और ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के लिए भी हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।



आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने शिक्षा मंत्रालय के माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', का स्वागत किया। शिक्षा मंत्रालय के माननीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे तथा अन्य दिग्गजों और उनकी बहुमूल्य उपस्थिति और समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों और इस अवसर पर उपस्थित लोगों का व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से भी गर्मजोशी से स्वागत किया।

ऐतिहासिक अवसर पर बोलते हुए आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, ने पदक विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इतने बड़े मंच पर बड़ी संख्या में लोगों के साथ अपनी हार्दिक संतुष्टि भी व्यक्त की। छात्रों की भागीदारी, ऑनलाइन के साथ-साथ भौतिक उपस्थिति। निदेशक ने अपने सभी नवीन प्रयासों में अपनी भव्य सफलताओं पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें शिक्षाविदों को समय पर चलाना, पेन और

पेपर व्यापक परीक्षा आयोजित करना और लाइव दीक्षांत समारोह, उच्च मानकों पर ऑनलाइन सफलतापूर्वक, ऑनलाइन द्वारा महामारी के दौरान शामिल हैं। उन्होंने इसे संभव बनाने के लिए संस्थान के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को तहे दिल से धन्यवाद दिया। 35 पीएच.डी., 141 एम.टेक को डिग्री प्रदान करना अत्यंत हर्ष और प्रसन्नता की बात है। 70 एमएससी और 200 बी.टेक. वास्तविक वास्तविकता में छात्र। उन्होंने एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करने सहित कई मोर्चों पर आईआईटीभुवनेश्वर के विभिन्न प्रयासों और उपलब्धियों को रेखांकित किया गया, लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से सामाजिक आवश्यकताओं की एक बहुत बड़ी श्रृंखला को संबोधित किया।



उन्होंने आगे उल्लेख किया कि यह 9वें दीक्षांत समारोह और भुवनेश्वर में अत्याधुनिक शैक्षिक परिदृश्य के उद्घाटन के साथ दोहरे उत्सव की बात है जो छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को जोड़ देगा जिससे संस्थान में वैश्विक स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार होगा। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि संस्थान अकादमिक कार्यक्रमों के अंतर्राष्ट्रीयकरण, उच्च औद्योगिक और सामाजिक प्रासंगिकता के अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और महामारी के बावजूद बहुत अधिक विचलन के बिना अकादमिक कैलेंडर को समय पर पूरा करने सहित सभी मोर्चों पर मानकों को लगातार बढ़ाकर गर्व महसूस करता है। उन्होंने सभी उत्तीर्ण छात्रों को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे आगे अपनी व्यावसायिक गतिविधियों में नवीन और रचनात्मक बनें।

9वें दीक्षांत समारोह में पुरस्कार समारोह के बाद डिग्री प्राप्तकर्ताओं को डिग्री और शुल्क सौंपे गए। भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक छात्रों के संपूर्ण आउटगोइंग बी टेक बैच के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी के श्री आदित्य पाल को प्रदान किया गया। निदेशक का स्वर्ण पदक छात्रों के पूरे आउटगोइंग एम टेक बैच के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए आचारिक संरचना विद्यापीठ के श्री संकेत डे चौधरी को प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक संपूर्ण निवर्तमान एम.एससी के छात्रों के बीच बीच स्कूल आधीरीय विज्ञान विद्यापीठ से भौतिकी डोमेन के श्री सौविक चक्रवर्ती को प्रदान किया गया।



संबंधित विद्यापीठों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान ने श्री आदित्य पाल, श्री. अरविंद टी.के.आर, श्री. अभिषेक मिश्रा, श्री. अमन सिंघल, श्री. मणपुरम ज्योति वेंकट साई आदित्य और श्री. निवर्तमान बी.टेक में शुभजीत मंडल को बी.टेक के छात्रों के बैच के लिए रजत पदक से सम्मानित किया। । संबंधित विद्यापीठों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान ने श्री संकेत डे चौधरी, श्री. दुसाने अजिंक्य राजेंद्र, श्री. प्रियव्रत दास, श्री. अनूप कुमार यादव, श्री. गौरव भट्टाचार्य, सुश्री खडके लीना संजय और श्री. निवर्तमान एम.टेक में देबजीत राणा के छात्रों का बैच को रजत

पदक से सम्मानित किया। । संबंधित विद्यापीठों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान निवर्तमान M. Sc. छात्रों के बैच के बीच श्री सौविक चक्रवर्ती, सुश्री अधाना सुसान जेम्स, श्री. देबब्रोता मंडल, सुश्री सुदेशना गोस्वामी और श्री अर्कापर्वा राय रजत पदक से सम्मानित किया। ।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ दीक्षांत समारोह का समापन हुआ और कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया।

फिट इंडिया मिशन के हिस्से के रूप में 'फिट इंडिया साइक्लोथॉन'

26 दिसंबर, 2020

फिट इंडिया मूवमेंट के हिस्से के रूप में भुवनेश्वर ने "फिट इंडिया साइक्लोथॉन" का आयोजन किया। फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में साइक्लोथॉन एक नई पहल है और सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए खुद को फिट रखने की दृष्टि से इसकी कल्पना की गई है। कार्यक्रम का उद्घाटन और ध्वजारोहण आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, द्वारा किया गया।

संस्थान ने संस्थान के संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र समुदाय सहित सभी 80 सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी, जो संख्या कोविड -19 के कारण प्रतिबंधित थी। इस कार्यक्रम का आयोजन चल रही महामारी को देखते हुए सामाजिक दूरियों के मानदंडों और कोविड-19 प्रोटोकॉल के सख्त पालन के साथ किया गया था। कार्यक्रम में प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स, श्री. देबराज रथ, रजिस्ट्रार (आई/सी) और डॉ. शंकरन महापात्रो, अध्यक्ष, डॉ. ओलिव रे, संकाय सलाहकार खेल और खेल, छात्र व्यायामशाला और डॉ. श्रीकांत गोलपुडी, ईएए समन्वयक द्वारा समन्वयित किया गया था।



महामारी के बीच नए साल 2021 का स्वागत

01 जनवरी, 2021

आईआईटीभुवनेश्वर ने सभी सामाजिक दूरियों के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए महामारी के बीच नए साल 2021 का स्वागत किया। प्रशासनिक

भवन के भूतल फ़ोर एरिया में सुबह के समय नए साल का जश्न शुरू हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. आर.वी. राज कुमार, निदेशक, भुवनेश्वर, केक काटना और उसके बाद हल्का जलपान



महामारी के बीच देशभक्ति के जोश के साथ 72वां गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2021

आईआईटी भुवनेश्वर ने संस्थान में देशभक्ति के उत्साह के साथ 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई और उसके बाद प्रो. आर.वी. राज कुमार, निदेशक, भुवनेश्वर। कार्यक्रम के दौरान प्रो. आर.के. पांडा, डीन एलुमनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, प्रो. सुजीत रॉय, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी), डॉ. वी.आर. पेडिरेड्डी, डीन, स्टूडेंट अफेयर्स, डॉ. पी.आर. साहू, डीन एकेडमिक अफेयर्स, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, रजिस्ट्रार, श्री. देबराज रथ, जे.टी. रजिस्ट्रार एवं डॉ. संकर्षण महापात्रो, अध्यक्ष, छात्र व्यायामशाला, भुवनेश्वर। फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने जगह-जगह सोशल डिस्टेंसिंग और कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान वादन और गायन के साथ हुआ।



शहीद दिवस

30 जनवरी, 2021

देश की संप्रभुता की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों की शहादत को सलाम करने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में शहीद दिवस मनाया गया। राष्ट्र के लिए अपनी प्राण न्यौछावर करने वाले सभी देशभक्त व्यक्तियों की स्मृति में महात्मा गांधी की स्मृति में हमारा राष्ट्र 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में चिह्नित करता है।

कर्मल (डॉ.) सुबोध कुमार, कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर सहित सभी संकाय और कर्मचारी सदस्यों ने शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनका उद्घाटन भाषण हुआ। सत्र में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।



राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी के रूप में परिसर में बच्चों के लिए पल्स पोलियो अभियान

31 जनवरी, 2021

स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी के रूप में परिसर में बच्चों (5 वर्ष से कम आयु) के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में एक पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया गया। भारत की। पल्स पोलियो अभियान का आयोजन भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की चिकित्सक इकाई द्वारा ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर वक्तव्य हुए प्रो. आर.वी. राज कुमार, निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने परिसर में बच्चों (5 वर्ष से कम आयु) के लिए पल्स पोलियो अभियान आयोजित करने के लिए राज्य सरकार के सहयोग से डॉ एम ए खान की अध्यक्षता में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की चिकित्सक इकाई की पहल की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि पोलियो प्रभावित लोगों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम हाल के वर्षों में पूरे देश में सफल रहा है। उन्होंने संकाय, कर्मचारी सदस्यों से आग्रह किया कि वे दुनिया से पोलियो उन्मूलन में मदद करने के लिए राज्य सरकार और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित शिविरों सहित परिसर के



अंदर आयोजित ऐसे टीकाकरण शिविरों का उपयोग करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अपनी स्थापना के समय से, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अपने छात्रों, कार्यबल और अपने आश्रितों की हितों के लिए अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप रहा है।



उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, हमने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में परिसर के बच्चों के सर्वोत्तम हित में इस पल्स पोलियो अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। भारत सरकार और राज्य सरकार ने पोलियो टीकाकरण अभियान के दौरान उनके बहुमूल्य समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। संकाय और कर्मचारी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के कारण पांच साल से कम उम्र के 55 बच्चों को परिसर के अंदर पल्स पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई।



13वां स्थापना दिवस ऑनलाइन तथा ऑफलाइन एक साथ मनाया गया

12 फरवरी, 2021

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भा.प्रौ.सं.) भुवनेश्वर ने अपने परिसर में अपना 13 वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ. जी. सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन(र.अ.वि.सं), रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के महानिदेशक ने इस अवसर पर ऑनलाइन और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने स्थापना दिवस से सम्बंधित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने किया।



इस शुभ अवसर पर भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी राज कुमार ने मुख्य अतिथि, अन्य दिग्गजों और सहकर्मियों का स्वागत किया, जिसमें ऑनलाइन शामिल होने वाले लोग भी शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर दूसरी पीढ़ी के भा.प्रौ.सं. में छात्र संख्या के मामले में प्रमुख और शीर्ष दो पर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि पिछले 12 वर्षों के अस्तित्व के दौरान संस्थान ने सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए संस्थान के मानकों को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है, भा.प्रौ.सं. के सह-मेजबान प्रवेश के सर्वश्रेष्ठ परिसरों का निर्माण करने के लिए

विकास किया है। भा.प्रौ.सं. प्राण और इसे उच्च मानकों में व्यवस्थित करें और बहुत ही प्रासंगिक अनुसंधान क्षेत्रों में उत्कृष्टता के बहुत महत्वाकांक्षी केंद्र बनाने की पहल करें, जिसमें उनमें से कुछ वायुमंडलीय विज्ञान समूह जैसे चक्रवात की गति के बारे में भविष्यवाणी करने की क्षमता को बड़ी सटीकता इसके भूस्खलन से 5-6 दिन पहले साथ प्राप्त करते हैं। संस्थान ने उत्कृष्ट स्नातकों और शोध परिणामों का उत्पादन करने के लिए विश्व स्तर

पर सम्मानित होने के लिए अपनी दृष्टि को बहुत महत्वाकांक्षी बनाया और उस दिशा में कई विकासात्मक कदम उठाए। प्रयासों के कुछ प्रारंभिक परिणाम पहले से ही दिखाई दे रहे हैं और यह अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ढांचे में रैंकिंग में प्रमुखता से शामिल होने सहित बहुत उत्साहजनक है।



आगे कहते हैं, उन्होंने बताया कि कैसे संस्थान के कोविड टास्क फोर्स के सतर्क दृष्टिकोण और संस्थान द्वारा कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए संस्थान द्वारा लगाए गए SOP के कारण अनुशासित कामकाज के कारण संस्थान महामारी के माध्यम से अपने शिविरों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने परिसर के अंदर संस्थान के सभी नवोन्मेषी प्रयासों में महान सफलताओं पर अपनी गहरी संतुष्टि व्यक्त की, जिसमें शिक्षाविदों को बिना किसी समझौता के वैश्विक स्तर पर चलाना, ऑनलाइन और भौतिक उपस्थिति दोनों के साथ प्रयोगशाला अभ्यास करना, पेन और पेपर व्यापक परीक्षा आयोजित करना शामिल है। 100 प्रतिशत उपस्थिति के साथ और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में अपनी तरह का पहला लाइव दीक्षांत समारोह बहुत सफलतापूर्वक उच्च मानकों पर, महामारी के दौरान मनाया गया। उन्होंने कोविड-19 के खिलाफ संस्थान के विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान के हिस्से के रूप में किए गए अभिनव प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस अवसर पर महामारी के दौरान बिना किसी समझौता के सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के प्रयास में अन्य संस्थानों के लिए एक आदर्श के रूप में सेवा करने के लिए संस्थान की मदद करने वाले संकाय और कर्मचारियों को पूरक बनाया। अंत में, समापन से पहले, उन्होंने संस्थान के प्रति उनके उदार समर्थन के लिए शिक्षा मंत्रालय (शि. मं.) को धन्यवाद दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने 13वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा डीआरडीओ में किए जा रहे योगदान को व्यक्त किया और अतीत की अपनी परियोजनाओं में डीआरडीओ के साथ प्रोफेसर राज कुमार के उत्कृष्ट योगदान और स्वस्थ जुड़ाव की सराहना की। उन्होंने अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण, नेतृत्व, अथक प्रयासों और दृढ़ संकल्प के लिए निदेशक को श्रेय दिया जिसने संस्थान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

उन्होंने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में अपने उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के साथ-साथ अनुसंधान, दीर्घकालिक परियोजनाओं, अनुप्रयुक्त अनुसंधान, स्टार्ट-अप केंद्रों के लिए ऊष्मायन और सलाह प्रदान करने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के साथ सहयोग करने के विभिन्न अवसरों का भी उल्लेख किया। उन्होंने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और र.अ.वि.सं. के बीच आदान-प्रदान की जा सकने वाली विभिन्न सहक्रियाओं के बारे में बात की जहां भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर राज्य और राष्ट्र की प्रगति में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तविक आत्मनिर्भर तब होता है जब रक्षा के लिए आवश्यक अत्याधुनिक प्रणालियों का डिजाइन, विकास और उत्पादन देश के भीतर किया जाता है। उन्होंने युद्ध टैंक अर्जुन और लड़ाकू विमानों के रूप में स्वदेशी विकास के बारे में गर्व से उल्लेख किया, जिनकी

अवधारणा, विकसित और भारत में निर्मित किया गया था। उन्होंने अच्छी गुणवत्ता के साथ सस्ती कीमतों पर उत्पाद लाकर विनिर्माण में उत्कृष्टता हासिल करने और इस तरह भारत को दुनिया भर में एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की बात कही। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर देश में विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अपनी विशेषज्ञता, अनुसंधान, तकनीकी योगदान से महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की और उनसे आग्रह किया कि वे अपनी ऊर्जा को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत मिसाइल प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा से लेकर अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित करें और इस तरह दुनिया भर में भारत के विकास का रोडमैप तैयार करें।

डॉ जी सतीश रेड्डी की उपस्थिति में प्रो. आर.वी. राज कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों को उत्कृष्ट शोध योगदान, सेवाओं और मेधावी सेवाओं के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया के आधार पर शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार और निदेशक की प्रशंसा के साथ सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर संबंधित क्षेत्र के सभी सदस्य सम्मानित लोगों में शामिल हैं।

2020 के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार (संकाय सदस्य):

1. डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी, सहायक प्रोफेसर, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ, समग्र सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए,
2. डॉ. निर्मलेंदु आचार्य, सहायक प्रोफेसर, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ,
3. डॉ. अनूप थॉमस, सहायक प्रोफेसर, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ,
4. डॉ. राज कुमार गुडुरु, सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए निदेशक की प्रशंसा 2020 (संकाय सदस्य):

1. प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, अधिष्ठाता, छात्र मामलों,
2. डॉ. राजन झा, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
3. डॉ सुभ्रांसु रंजन सामंतराय, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
4. डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु, सहायक प्रोफेसर, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशंसा 2020 (संकाय सदस्य):

1. डॉ शांतनु पाल, वार्डन
2. डॉ. बाराथराम रामकुमार, अध्यक्ष, कंप्यूटर और आईटी सेवा प्रकोष्ठ
3. डॉ. श्रीनिवास भास्कर कारंकी, प्रभारी प्रोफेसर (परामर्श)

सराहनीय सेवाओं के लिए निदेशक की प्रशंसा 2020 (कर्मचारी सदस्य)

1. श्री चंद्र वड्डे, प्रोग्रामर

2. श्री प्रसन्ना कुमार दास, ओएसडी - आंतरिक लेखा परीक्षा और वित्त और लेखा अनुभाग
3. डॉ. गगनदीप कौर मक्कड़, स्टूडेंट काउंसलर
4. श्रीमती सुहाना परवीन, कनिष्ठ लेखा अधिकारी
5. श्री प्रदीप कुमार पटनायक, निजी सचिव
6. श्री तपन कुमार महापात्र, सहायक सुरक्षा अधिकारी

इस कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर सरोज कुमार नायक, अधिष्ठाता (संकाय) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर प्रो. सुजीत रॉय, अधिष्ठाता रिसर्च एंड डेवलपमेंट, प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, अधिष्ठाता छात्र मामलों, प्रो. प्रवास आर साहू, अधिष्ठाता (अकादमिक), प्रो. ब्रह्मा देव, प्रो. पी.वी. सत्यम, प्रो. आर.जी. शास्त्री, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, कुलसचिव, और डॉ. संकर्षण महापात्रो, अध्यक्ष छात्र व्यायामशाला, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के कई संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।





राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और शोध विद्वान दिवस

28 फरवरी, 2021

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने 28 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। संस्थान इस दिन को संस्थान के अनुसंधान विद्वान दिवस के रूप में भी मनाता है। यह संस्थान का 11वां शोध छात्र दिवस है। भारतीय भौतिक विज्ञानी और नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी वी रमन द्वारा रमण प्रकीर्णन के आविष्कार का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। शोध छात्र दिवस की पूर्व संध्या पर संस्थान शोधार्थियों के बीच पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित करता है और सर्वश्रेष्ठ पोस्टरों को पुरस्कार प्रदान करता है। इस वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन 27 फरवरी को निदेशक, प्रो.आर.वी. राजकुमार ने किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम्स भुवनेश्वर के

पूर्व निदेशक प्रो. अशोक कुमार महापात्रा, और भुवनेश्वर के एसओए विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने की।

शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता, डॉ. पी आर साहू, और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के कुलसचिव, कर्नल (डॉ) सुबोध कुमार, अलावा संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में पुरस्कार विजेता पोस्टरों की घोषणा भी शामिल थी, जैसा कि विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा मूल्यांकन किया गया था, जिसके बाद इन पुरस्कार विजेता पोस्टरों के अनुसंधान विद्वानों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।





मातृभाषा दिवस

23 फरवरी, 2021

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने "शिक्षा और समाज में समावेश के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देने" के उपलक्ष्य में मातृभाषा दिवस मनाया, इस वर्ष यूनेस्को द्वारा पूरे विश्व में भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में पूर्ण जागरूकता के लिए मातृभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया विषय है। राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए मातृभाषाओं और अन्य भारतीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग की आवश्यकता पर लोगों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय इसे पूरे भारत में "मातृभाषा दिवस" के रूप में मना रहा है। ओडिशा सरकार के मो स्कूल

के अध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता बागची इस कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार, ने किया।

कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता पूर्व छात्र मामले और अंतर्राष्ट्रीय संबंध के प्रो. आर.के. पांडा, अधिष्ठाता छात्र मामलों के प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर के कुलसचिव कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में संकाय, अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों ने मातृभाषा में कहानियों, लेखों और कविताओं का पाठ करते हुए सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर को FICCI द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया

25 फरवरी, 2021

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर को हाल ही में संपन्न एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2021 समारोह में 11-30 वर्षों से अस्तित्व में विश्वविद्यालयों की श्रेणी में वर्ष के विश्वविद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आयोजन के इस 7वें संस्करण में पुरस्कारों की कुल 11 श्रेणियां थीं और पुरस्कारों की घोषणा आज 16वें एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2021 में की गई। न्यायपीठ में प्रो. आर. ए. माशेलकर की अध्यक्षता में विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित समिति शामिल है।



इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए निदेशक, प्रोफेसर आर.वी. राज कुमार ने कहा "भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर कई अद्वितीय शैक्षणिक और परिचालन सुधारों के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता लाकर वैश्विक स्तर के सर्वोत्तम संस्थानों के समान मानकों में अपने छात्रों को समग्र शिक्षा प्रदान करने की कोशिश कर रहा है। महामारी की अचानक शुरुआत ने हमें आत्म-प्रतिबद्ध प्रतिबद्धता को पूरा करने में काफी चुनौतियों का सामना किया और संस्थान को शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक सही नवीन प्रक्रियाओं को लाना पड़ा जो महामारी से समझौता या प्रभावित नहीं है। संस्थान इस प्रयास में कुछ विशिष्ट और अनूठी अभिनव पहल कर सकता है।

- छात्र सीखने का मूल्यांकन करने और लॉकडाउन की शुरुआत से ही इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए संकाय सदस्यों (जिसके लिए कोई व्यावसायिक उत्पाद उपलब्ध नहीं है) द्वारा ऑनलाइन निरीक्षण के साथ ऑनलाइन कलम और कागज़ व्यापक परीक्षा आयोजित करने के लिए एक विधि के साथ आ रहा है, जिसमें संचालन भी शामिल है पिछले शैक्षणिक वर्ष के लिए अंतिम सत्र परीक्षा ऑनलाइन हुई।

- लॉकडाउन की शुरुआत में जीरो गैप के साथ ऑनलाइन शिक्षा पर स्विच करना।
- आंशिक प्रयोगशाला अभ्यास का संयोजन ऑनलाइन और शेष छात्रों की भौतिक उपस्थिति के साथ आयोजित करना
- परिसर में रहने वाले छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और उनके संबंधित परिवारों और 2000 निर्माण श्रमिकों सहित पूरे परिसर की सुरक्षा, लॉकडाउन के दौरान और उसके बाद, सितंबर 2020 के दौरान 5 मामलों को छोड़कर परिसर को पूरी तरह से कोविड मुक्त रखना।
- छात्रों की ऑनलाइन और शारीरिक भागीदारी के साथ एक वास्तविक दीक्षांत समारोह आयोजित करने की एक अनूठी और नवीन पद्धति के साथ बाहर आना, प्रौद्योगिकी विकास कोविड -19 नियंत्रण सहित कई अन्य पहलों के साथ, संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह को आयोजित करने के लिए इसे लागू करना।

मेरे स्वयं के आह्वान पर इन सभी प्रयासों में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों सहित पूरे संस्थान ने भाग लिया और संस्थान इन सभी को

सफलतापूर्वक लागू कर सकता है, व्यवहार में लागू कर सकता है और सभी पहलों में सफल रहा है। इन पहलों को सफलतापूर्वक साकार करने में कई संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने एक दल के रूप में कड़ी मेहनत की है और सभी प्रशंसा के पात्र हैं।”

उन्होंने कहा कि संस्थान के लिए, अपने अस्तित्व के 13 वें वर्ष में, 11 से 30 वर्षों के लिए अस्तित्व में विश्वविद्यालयों की श्रेणी में सम्मान प्राप्त करना विशेष है, और यह निश्चित रूप से भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में सभी को प्रोत्साहित करता है और अपने सपनों के सपने को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संस्थान की मदद करेगा। । निदेशक ने शिक्षा मंत्रालय के समर्थन और प्रोत्साहन को

स्वीकार किया और न्यायपीठ सदस्यों और एफआईसीसीआई को सम्मान और मान्यता के लिए धन्यवाद दिया।

निदेशक ने स्वयं वैचारिक ढांचा और मार्गदर्शन किया और डॉ भरतराम रामकुमार (अध्यक्ष सीआईटीएससी), डॉ प्रवास रंजन साहू, (अधिष्ठाता, शैक्षणिक), प्रोफेसर वीआर पेडिरेड्डी (अधिष्ठाता छात्र मामलों), डॉ श्रीनिवास कारंकी डॉ. राजन झा और श्री चंद्रा पदाधिकारियों को मार्गदर्शित किया।, अलावा संस्थान के कई अन्य लोगों ने संस्थान में पद्धति और प्रक्रियाओं को लागू करने और सफलतापूर्वक लागू करने के लिए मिलकर काम किया।

विश्व दर्शन दिवस

26 फरवरी, 2021

विश्व दर्शन दिवस, एक यूनेस्को कार्यक्रम, 26 फरवरी, 2021 को आईआईटी भुवनेश्वर में मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रोफेसर रमेश चंद्र सिन्हा ने भाग लिया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो.आर.वी. राज कुमार, ने की ।



कार्यक्रम में एक विचारोत्तेजक सत्र भी शामिल था जिसे प्रो. पी.के. मुखोपाध्याय, पूर्व प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, प्रो. रघुराम राजू, प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, तिरुपति, एसएचएसएस, आंध्र प्रदेश। इसकी अध्यक्षता प्रो. जतिन ने की। के. नायक, पूर्व प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय सुबह। दोपहर के सत्र में डॉ. रंजन मुखोपाध्याय, विश्व



भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, प्रो. बिजॉय हाती बोरुआ, विजिटिंग प्रोफेसर, एसएचएसएस, रोपड़, पंजाब के कुछ समान रूप से दिलचस्प व्याख्यान भी शामिल थे। प्रो. जी.पी. दास, पूर्व प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय ने इस सत्र की अध्यक्षता की।



कार्यक्रम का संचालन प्रो. गोदारिशा मिश्रा, विजिटिंग प्रोफेसर, एसएचएसएसएम, भुवनेश्वर ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. पीआर साहू, डीन एकेडमिक्स, कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, रजिस्ट्रार और डॉ.



विभूति भूषण साहू, डिप्टी लाइब्रेरियन, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र देश भर के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने फैकल्टी के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च, 2021

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, 8 मार्च को, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के महिला कल्याण समिति (WWC) ने अपने परिसर में एक विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस के लिए इस वर्ष की विषय, "नेतृत्व में महिलाएं: कोविड-19 की दुनिया में एकसमान भविष्य प्राप्त करना", एकसमान भविष्य का निर्माण करना और कोविड-19 महामारी से उबरने के लिए दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों के जबरदस्त

प्रयासों का जश्न मनाना है। वर्ल्ड फोरम फॉर एथिक्स इन बिजनेस की अध्यक्ष श्रीमती रजिता कुलकर्णी और अध्यक्ष श्री श्री विश्वविद्यालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। ओडिशा के राज्य महिला आयोग के वरिष्ठ सदस्य, सलाह सेहंजलि मोहंती, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भा.प्रौ.सं के निदेशक, प्रो. आर.वी. राज कुमार के द्वारा किया गया।



उन्होंने महिलाओं को आज के जीवन में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करने के लिए उद्यमियों और संगठनों के प्रमुख के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। महिलाओं को प्रौद्योगिकियों

को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, तथा सलाह दिए कि स्टार्ट-अप बनाना और सीड फंडिंग के अवसर इस प्रयास में बहुत मदद करेंगे।



वर्ल्ड फोरम फॉर एथिक्स इन बिजनेस की अध्यक्ष और अध्यक्ष श्री श्री विश्वविद्यालय और शाम के मुख्य अतिथि श्रीमती रजिता कुलकर्णी ने अपने संबोधन में नारीत्व के कई जटिल पहलुओं और उनकी यात्रा के पाठ्यक्रम के बारे में दैनिक जीवन से उदाहरण देकर स्पष्ट रूप से तथा आसान तरीके से बताया। उन्होंने दर्शकों को आज की रूढ़ियों को तोड़ने और बदलाव के रास्ते को स्वीकार करने और 2021 की थीम, “चुनौती का चयन करें” के अनुसार हर दिन चुनौतियों के साथ जीने के गौरवशाली संदेश से प्रेरित किया। उन्होंने आज के भीड़ भरे और शोरगुल वाले समाज में महिलाओं को अधिक दृश्यमान बनाने के लिए सर्तक कार्रवाई, बुद्धिमानी, प्रशिक्षण में निवेश, खुद को प्लेटफार्मों और नेटवर्क से जोड़ने के तथ्य पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर भी विचार किया कि राष्ट्र आज महिला को विकास का इंजन मानता है और राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होने में विश्वास करता है।

ओडिशा राज्य महिला आयोग की वरिष्ठ सदस्य और इस अवसर पर सम्मानित अतिथि सलाहकार स्नेहांजलि मोहंती ने आज की महिलाओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में जागरूक करने और उन्हें गर्व और सम्मान की भावना के साथ अपना जीवन जीने के लिए सशक्त बनाने के मूल तथ्य पर जोर दिया। उन्होंने कार्यस्थलों पर और स्थानीय स्तर पर भी महिला सशक्तिकरण के लिए सही मायने में आंतरिक शिकायत समिति की आवश्यकता के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में डीन एकेडमिक्स (ऑनलाइन) के डॉ. पी.आर. साहू, रजिस्ट्रार (इन-पर्सन) डॉ. (कर्मल) सुबोध कुमार, के साथ-साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों की सक्रिय भागीदारी भी मौजूद थी। कार्यक्रम का समापन आईआईटी भुवनेश्वर के डब्ल्यूडब्ल्यूसी, अध्यक्ष, डॉ. रेम्या नीलांचरी धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ई-शिखर 2021, चार दिवसीय एंटरप्रेन्योरियल निर्वाचिका सभा

26 - 29 अक्टूबर, 2021

IIT भुवनेश्वर के वार्षिक चार दिवसीय उद्यमिता सम्मेलन के सातवें संस्करण, ई-शिखर सम्मेलन '21 का उद्घाटन श्री द्वारा किया गया। क्रिस गोपालकृष्णन, अध्यक्ष एक्सिलोर वेंचर्स और सह-संस्थापक इंफोसिस और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने की।



ई-शिखर सम्मेलन 21 (26-29 मार्च) में दिलचस्प अतिथि वार्ताएं, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं शामिल थीं, जो “रेगन ऑफ रेजिलिएशन” विषय पर केंद्रित थीं, जिसमें दुनिया भर की कुछ प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं। शिखर सम्मेलन 2021 उद्यमशीलता के प्रति उत्साही लोगों के लिए ज्ञान, प्रेरणा, अवसरों और मनोरंजन का एक संपूर्ण पैकेज था



इस अवसर पर कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, रजिस्ट्रार, डॉ. मधुस्मिता दास, चेयरपर्सन, डॉ. राजकुमार गुडुरु, वाइस-चेयरमैन, ई-समिट और डॉ. गौरव बाटीरिया, पीआईसी ई-सेल, भुवनेश्वर भी मौजूद थे। भारत भर के विभिन्न कॉलेजों के 2000 से अधिक प्रतिभागी पहले से ही कॉन्क्लेव में भाग ले रहे हैं। धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

ई-शिखर सम्मेलन 2021 का समापन समारोह सकारात्मक रूप से समाप्त हुआ

29 मार्च, 2021

भुवनेश्वर ने कई विचारोत्तेजक सत्रों और दिलचस्प कार्यशालाओं के साथ चार दिवसीय उद्यमशीलता सम्मेलन, ई-शिखर सम्मेलन '21 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी समापन समारोह की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार ने की।

ई-शिखर सम्मेलन 21(26-29 मार्च) में दिलचस्प अतिथि वार्ताएं, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं शामिल थीं, जो "रेगन ऑफ रेजिलिएशन" विषय पर केंद्रित थीं, जिसमें दुनिया भर की कुछ प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं। शिखर सम्मेलन 2021 उद्यमशीलता के प्रति उत्साही लोगों के लिए ज्ञान, प्रेरणा, अवसरों और मनोरंजन का एक संपूर्ण पैकेज था





ई शिखर सम्मेलन 21 (26-29 मार्च) में दिलचस्प अतिथि वार्ताएं, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं शामिल थीं, जो "रेगन ऑफ रेजिलिएशन" विषय पर केंद्रित थीं, जिसमें दुनिया भर की कुछ प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं। शिखर सम्मेलन 2021 उद्यमशीलता के प्रति उत्साही लोगों के लिए ज्ञान, प्रेरणा, अवसरों और मौज-मस्ती का एक संपूर्ण पैकेज था।

इस अवसर पर कर्नल (डॉ.) सुबोध कुमार, रजिस्ट्रार, भुवनेश्वर, भी उपस्थित थे। डॉ. मधुस्मिता दास, चेयरपर्सन और डॉ. राजकुमार गुडुरु, वाइस-चेयरमैन ई-समिट 2021, और डॉ गौरव बाटीरिया, पिक ई-सेल, भुवनेश्वर। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन समारोह का समापन हुआ। कॉन्क्लेव में भारत भर के विभिन्न कॉलेजों के 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



एक भारत श्रेष्ठ भारत

ईबीएसबी क्लब भुवनेश्वर ने 1 सितंबर 2020 को NITIE मुंबई के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (भाषा) का आयोजन किया

“एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)” कार्यक्रम, विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों के बीच एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक जुड़ाव का एक विचार है, जिसे 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मनाया गया था। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती। माननीय प्रधान मंत्री ने प्रतिपादित किया कि सांस्कृतिक विविधता एक खुशी है जिसे विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच पारस्परिक बातचीत और पारस्परिकता के माध्यम से मनाया जाना चाहिए ताकि पूरे देश में समझ की एक आम भावना गूंजती रहे।

आईआईटी भुवनेश्वर एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के तत्वाधान में कई सूचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है और एक गहरे और संरचित जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देने के लिए छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों से युक्त एक ईबीएसबी क्लब का गठन किया है। लोगों को राष्ट्र की विविधता को समझने और उसकी प्रशंसा करने में सक्षम बनाने के लिए युग्मित राज्य केंद्र शासित प्रदेश (यूटी), इस प्रकार सामान्य पहचान की भावना का पोषण करते हैं। एमएचआरडी के दिशानिर्देशों के अनुसार, ओडिशा राज्य को महाराष्ट्र राज्य के साथ जोड़ा गया है, इसलिए ओडिशा के उच्च शिक्षा का एक संस्थान होने के नाते भुवनेश्वर को महाराष्ट्र राज्य में बॉम्बे और एनआईटीआईआई मुंबई के साथ जोड़ा गया है।

निदेशक प्रो. आर.वी. राजकुमार, ईबीएसबी क्लब ऑफ भुवनेश्वर नियमित रूप से मासिक आधार पर महाराष्ट्र राज्य में उच्च शिक्षा संस्थान के साथ प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिताओं सहित ऑनलाइन साहित्यिक

और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। साथ ही, भुवनेश्वर के कई छात्रों ने NITIE मुंबई के EBSB क्लब द्वारा आयोजित पूर्णता में भाग लिया है और पेंटिंग, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

1 सितंबर 2020 को, भुवनेश्वर के EBSB क्लब ने एनआईटीआईआई मुंबई के साथ एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में ईबीएसबी क्लब के सदस्यों ने युग्मित राज्यों की थीम पर पोस्टर, फोटो और वीडियो की स्क्रीनिंग के साथ एक दूसरे के साथ बातचीत की। 9 अगस्त 2020 को एनआईटीआईआई मुंबई द्वारा आयोजित मराठी कक्षा को पारस्परिक रूप से, ईबीएसबी क्लब भुवनेश्वर ने इस अवसर पर एनआईटीआईआई छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए घंटे भर की ओडिया कक्षा का आयोजन किया। साहित्यिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के 200 से अधिक छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ ऑनलाइन भाग लिया। कार्यक्रम का समापन युगल राज्यों (ओडिशा-महाराष्ट्र) पर पोस्टर प्रदर्शन और राष्ट्रगान के कोरस गायन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का समन्वय ईबीएसबी टीम के सदस्य डॉ राजेश रोशन दाश (समन्वयक), डॉ मनस्विनी बेहरा और डॉ सीमा बहिनीपति (सह-समन्वयक), डॉ अनुश के चंद्रप्पा और डॉ देवेश पुनेरा द्वारा किया गया था।



ईए गतिविधियां

ईए गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट 2020-21

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
- फिट इंडिया मूवमेंट
- स्वतंत्रता दिवस
- गणतंत्र दिवस
- स्वच्छता अभियान

• वृक्षारोपण अभियान

स्नातक और दोहरी डिग्री फ्रेशर छात्रों द्वारा अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियां

महामारी के बावजूद, ईए कक्षाओं ने प्रथम वर्ष के स्नातक और दोहरी डिग्री छात्रों की पूर्ण और उत्साही भागीदारी देखी, जो वर्ष 2020 में शामिल हुए थे। इन कक्षाओं के कुछ स्लैपशॉट नीचे दिए गए हैं।



शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण सत्र में छात्रों की भागीदारी।



योग सत्र में विद्यार्थियों की भागीदारी

ईए-एनएसएस के छात्र स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए अपने आसपास की सफाई करते हुए।



उन्नत भारत अभियान रिपोर्ट

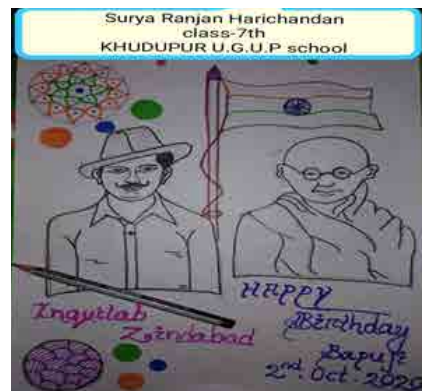
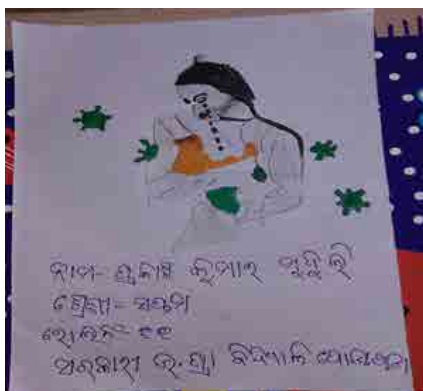
यूबीए गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट 2020-21

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन ड्राइंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता

गांधी जयंती, 2 अक्टूबर, 2020 की पूर्व संध्या पर, यूबीए टीम ने महात्मा गांधी, शाहीद भगत सिंह और लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन मनाने के लिए यूबीए द्वारा गोद लिए गए सभी गांवों के बच्चों के लिए एक ऑनलाइन

ड्राइंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। निम्नलिखित तीन विषयों पर उड़िया/अंग्रेजी/हिंदी में 200 शब्दों के भीतर अद्वितीय, रचनात्मक और सुंदर चित्र और निबंध आमंत्रित किए गए थे: "भारतीय होने पर गर्व", "जय जवान, जय किसान" और "भारत कोविड से लड़ता है"

इस कार्यक्रम में खुदपुर और पोडापोडा के बच्चों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। हमें कुल मिलाकर लगभग 30 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।



राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 संवेदीकरण पर घटना पर रिपोर्ट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रस्तावों के बारे में यूबीए स्वयंसेवकों और गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए यूबीए टीम ने 21.09.2020 और 22.09.2020 को लगातार दो वेबिनार आयोजित किए हैं। माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों ने चर्चा में भाग लिया, इसके अलावा स्वयंसेवक और ग्रामीण। वेबिनार वार्ता का मुख्य फोकस स्कूली शिक्षा पर था।

कार्यक्रम में खुदपुर गांव के सरपंच, सुंदरिया गांव, अभिभावक व शिक्षक समेत करीब 15 लोग शामिल हुए. बात होने के बाद हमने एक आकर्षक चर्चा की। गोद लिए गए गांवों के लोगों ने नीति की विशेषताओं की सराहना की। अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता

पर चिंता व्यक्त की। शिक्षकों ने स्कूलों के लिए अधिक शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती की आवश्यकता पर जोर दिया। छात्रों की उपस्थिति की निगरानी के लिए एक प्रणाली सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।



विज्ञान, अंग्रेजी और गणित पर ऑनलाइन कक्षाएं नवंबर 2020 से जारी

यह प्रत्येक रविवार को सौमेन, आयुष, अंकिता और मृत्युंजय के नेतृत्व में भुवनेश्वर के छात्र स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित किया जाता है। यह यूबीए की सह-समन्वयक डॉ. सीमा बहिनीपति द्वारा निर्देशित है। शिक्षण के अलावा, कहानी सुनाने के सत्र, प्रेरक वीडियो भी चलाए जाते हैं।



सामाजिक-सांस्कृतिक परिषद



आरोह-संगीत समाज

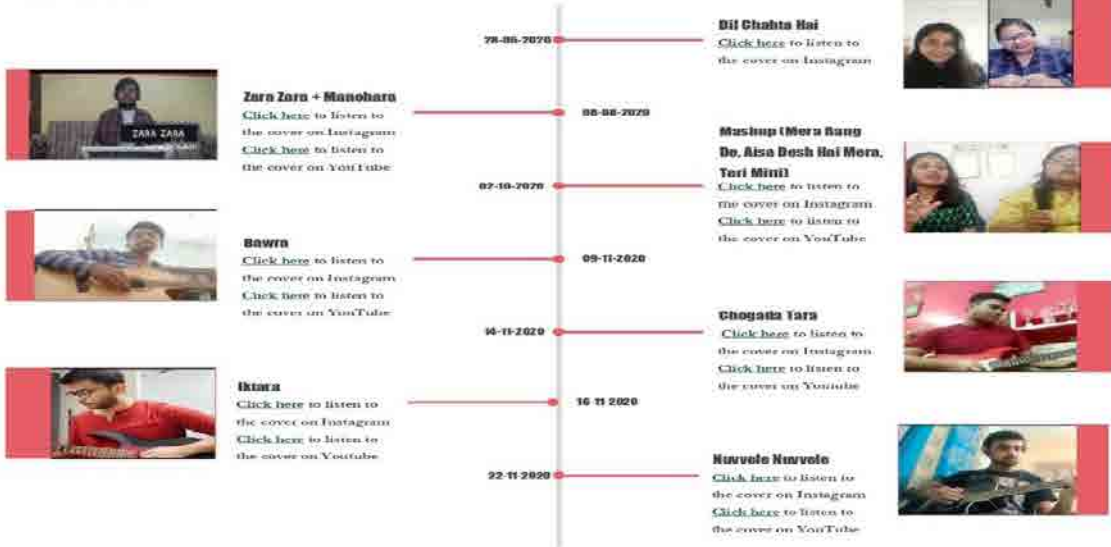
समाज का सबसे प्रमुख हिस्सा ऑनलाइन कवर किया जा रहा था जैसे हम पड़ोसी राज्य से दूर होने के बावजूद प्रदर्शन करते थे। इस लॉकडाउन में गाने परफॉर्म करने के लिए समाज के पास एक ही तरीका था कि वह इस स्थिति से सबसे ज्यादा फायदा उठाकर कवर किए। अपने पूरे दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हमने सभी प्रकार के गानों को कवर करने का प्रयास किया। हमने 6 हिंदी गाने, 3 अंग्रेजी गाने, 2 तेलुगु गाने गाए और अभी भी कुछ कवर पर काम कर रहे हैं। हालाँकि सोसाइटी के सदस्यों के पास हमारे पास आवश्यक सभी उपकरण नहीं थे, लेकिन हम किसी तरह अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए कवर बनाने में कामयाब हुए। कवर के लिए, सभी ने अपने हिस्से को अपने आप रिकॉर्ड किया, लेकिन जहाँ हम आवश्यक उपकरण से पिछड़े गए, हमने उन हिस्सों को रिकॉर्ड करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग करके इसे कवर करने का प्रयास किया, यानी ड्रम के प्रतिस्थापन के लिए हमने बास गिटार रिकॉर्ड करते समय एफएल स्टूडियो का इस्तेमाल किया, हमने सॉफ्टवेयर बनाने के लिए इस्तेमाल किया एक ध्वनिक गिटार से बास की भावना। अब सबसे महत्वपूर्ण और कठिन भाग पर आना अंतिम आवरण को मिलाना

और बनाना था। मिक्सिंग के लिए हमने मिक्सक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जहाँ सभी हिस्सों को एक साथ सिंक करना बहुत मुश्किल था, लेकिन किसी तरह 4-5 समय के बाद, हम फाइनल सॉन्ग बनाने में कामयाब रहे। वीडियो संस्करण के लिए, हमने सिनेवेव को उस हिस्से को करने के लिए कहा, लेकिन कुछ गीतों में कुछ समय की कमी के कारण, हमारे समाज के सदस्यों ने एक रात में संपादन करने की कोशिश की और अगले दिन गीत जारी किया। हम कवर बनाने में सफल रहे और उन्हें यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जारी किया और दर्शकों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

1. क्वारंटाईन कवर

- इसने हमारी नियमित प्रस्तुतियों के विकल्प के रूप में काम किया है।
- हमने उनमें विभिन्न शैलियों और भाषाओं को शामिल किया है।
- कुछ कवरों के वीडियो सिनेवेव के सहयोग से बनाए गए थे।
- हमारे पास अब तक 13 क्वारंटाईन कवर हैं

COVER TIMELINE:



05-01-2021 **Aagoe Tum Kabhi**
Click here to listen to the cover on Instagram
Click here to listen to the cover on YouTube

19-01-2021 **Tum Ho Toh**
Click here to listen to the cover on Instagram
Click here to listen to the cover on YouTube

07-02-2021 **Silhouette by Kana-Boon**
Click here to listen to the cover on Instagram

14-02-2021 **Gho Lo Cover**
Click here to listen to the cover on Instagram
Click here to listen to the cover on YouTube

23-03-2021 **I Will Remember You - Sarah McLachlan**
Click here to listen to the cover on Instagram

13-04-2021 **Anastasia Guitar Cover**
Click here to listen to the cover on Instagram
Click here to listen to the cover on YouTube

2. पूर्व छात्र कवर

- हमारे पूर्व छात्रों ने कवर भी बनाए हैं जिससे हमें प्रेरित करने और उनसे सीखने में मदद मिली।
- हमने इस उद्देश्य के लिए अपने यूट्यूब चैनल पर एक विशेष प्लेलिस्ट बनाई है।
- अब तक यूट्यूब पर 2 पूर्व छात्र कवर हैं।



प्रतिस्पर्धाएं



1. ग्राउंडेड साउंड्स (14 मई 2020-04 जून 2020)

- आरोह ने हमारे कॉलेज के छात्र समुदाय के लिए एक संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- प्रतियोगिता की दो श्रेणियां थीं; वोकल्स और इंस्ट्रुमेंटल।
- प्रतिभागियों ने अपने वीडियो जमा किए जो हमारे फेसबुक पेज पर अपलोड किए गए जिससे हमें अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिली।
- सभी को अपनी संगीत प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया गया और योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार दिए गए।
- भागीदारी: सं 34

2. सिनेस्थेसिया (07 जून 2020 - 09 जुलाई 2020)

- आरोह ने पूरे देश में लोगों के लिए मामूली प्रवेश शुल्क के साथ एक ऑनलाइन संगीत प्रतियोगिता आयोजित की।
- समाज के सदस्यों के योगदान के साथ जुटाई गई धनराशि को जोमाटो फिडिंग इण्डिया पहल और असम और बिहार बाढ़ राहत कोष के सहयोग से कोविड-19 राहत कोष में दान कर दिया गया था।
- प्रतियोगिता की दो श्रेणियां थीं; वोकल्स और इंस्ट्रुमेंटल। प्रतियोगिता के विजेताओं को भी प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
- सभी प्रतिभागियों के वीडियो नियमित रूप से आरोह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए जाते थे।
- पार्टिसिपेशन: वोकल्स - 21 नंबर, इंस्ट्रुमेंटल - 9 नंबर



3. संगीत प्रश्नोत्तरी (1 नवंबर 2020)

- आरोह ने संगीत क्लब के सहयोग से एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- क्विज क्लब ने प्रश्न तैयार किए और प्रश्नों से संबंधित ऑडियो हमारे द्वारा रिकॉर्ड किया गया।
- इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली, लगभग 20 प्रत्यक्ष भागीदारी और बाद में इसे लगभग 300 लोगों ने देखा।
- इससे हमारी पहुंच बढ़ाने में मदद मिली और हमारे दर्शकों को उनके संगीत ज्ञान में सुधार करने में मदद मिली।

4. बियॉन्ड द मेलोडी (29 दिसंबर 2020 से 12 जनवरी 2021)

- संकाय और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- यह 29 दिसंबर से 16 जनवरी तक आयोजित किया गया था।
- प्रतिभागियों की संख्या: 7 संख्या।
- विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



5. यूफोनिक कॉम्बैट (सामान्य चैम्पियनशिप)

- जनरल चैम्पियनशिप 2021 के तहत हमारे कॉलेज की सभी शाखाओं के लिए संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दो श्रेणियां थीं: वोकल्स और इंस्ट्रुमेंटल।
- प्रतिभागी: वोकल्स -18 नंबर और इंस्ट्रुमेंटल -4 नंबर।

कार्यशाला

ऑडियो सॉफ्टवेयर कार्यशाला (1 अगस्त 2020 से 10 अगस्त 2020)

यह कार्यशाला हमारे समाज के सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी। समाज के कुछ सदस्यों ने दूसरों को कई ऑडियो रिकॉर्डिंग और प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर के आदी होने में मदद की। सदस्यों को गाइड प्रदान किए गए और उनके प्रश्नों का समाधान किया गया। इससे हमें प्रभावी ढंग से कारंटाइन कवर बनाने में मदद मिली।



पहल

आरोह सबके लिए

- AAROH ने उन लोगों के लिए शुरू में एक व्हाट्सएप ग्रुप के रूप में एक समुदाय बनाया है, जो समाज में नहीं हैं, लेकिन संगीत में रुचि रखते हैं और अधिक सीखना चाहते हैं।
- हम उस समूह पर नियमित रूप से प्रशिक्षण वीडियो पोस्ट करते हैं।
- गाने के सुझाव भी दिए जाते हैं ताकि लोग उनसे सीख सकें।
- भागीदारी: 51 नम्बर।



महीने की शैली

समाज ने महामारी को हमें नीचे नहीं जाने देने का फैसला किया और एक प्रदर्शनकारी समाज के रूप में माने जाने के बावजूद, हमने समाज को कार्यशील रखने का फैसला किया और लोगों को दुनिया में विभिन्न प्रकार के संगीत के बारे में बताने का एक अच्छा अवसर मिला। यह ध्यान में रखते हुए कि अलग-अलग लोगों के संगीत के अलग-अलग स्वाद होते हैं, हमने आरोग्य समाज में हर महीने संगीत की अलग-अलग शैलियों को पोस्ट करने का फैसला किया, जिससे लोगों को संगीत के विभिन्न स्वादों पर अपडेट रखा गया और उन लोगों के लिए नई शैलियों और संगीत रूपों को भी पेश किया, जिन्होंने नहीं किया है इसके बारे में पहले सुना। हमने अगस्त 2020 से सोशल प्लेटफॉर्म पर महीने की शैली को पोस्ट करना शुरू किया और हर महीने संगीत की विभिन्न शैलियों के साथ खाते को मासिक रूप से अपडेट किया। इसके माध्यम से हम पहले से ही आधुनिक पॉप, इंडी रॉक, क्लासिक रॉक, साइकेडेलिक रॉक, ब्लूज, प्रोग्रेसिव मेटल, हिप हॉप, जैज़ और कंट्री म्यूज़िक जैसी कई शैलियों को कवर कर चुके हैं और बहुत कुछ आने वाला है।



Indie Rock		Psychedelic Rock		Progressive Metal		Jazz		
AUG 2020	SEPT 2020	OCT 2020	NOV 2020	DEC 2020	JAN 2021	FEB 2021	MAR 2021	APR 2021
Modern Pop		Classic Rock		Blues		Hip Hop		Country Music

कलाकार को जानें

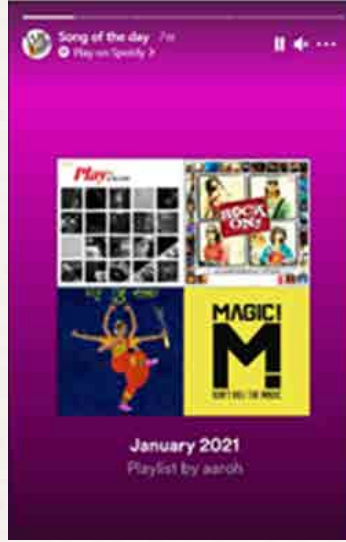
समाज ने सोशल मीडिया पर एक नई प्रकार की श्रृंखला की शुरुआत की, जो मूल रूप से दुनिया भर और भारत दोनों से उत्पन्न होने वाले कई प्रसिद्ध और नए बैंड और एकल कलाकारों के बारे में लोगों को सूचित करती थी। इस प्रकार की पोस्ट से लोगों को विभिन्न प्रकार के कलाकारों के बारे में पता चला जिनके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते हैं। हमने सितंबर में नो द आर्टिस्ट को पोस्ट करना शुरू किया और इसे हर महीने नियमित रूप से अपडेट करते रहे। ऐसे पदों में, सदस्य आम तौर पर बैंड के सदस्यों और उनके सबसे शानदार गीतों की समीक्षा करते हैं। हमने रेडियोहेड, एवेंज्ड सेवनफोल्ड, द लोकल ट्रेन, म्यूज़ियम, ड्रीम थियेटर, रेड हॉट चिली पेपर्स, यू२, आर्कटिक बंदरों और एकल कलाकारों और समूहों जैसे एसईएल, ओजी ऑस्बॉर्न और तबा चाके जैसे कई रॉक बैंड को कवर किया है। समाज के सदस्य बैंड, उनके सदस्यों और उनकी भूमिकाओं और अंत में उनके कुछ प्रसिद्ध गीतों के बारे में पोस्ट करते हैं ताकि लोग अपने संगीत स्वाद में विविधता ला सकें और उन अद्वितीय रचनाओं के पीछे के संगीत कलाकारों को जान सकें।



Radiohead	The Local Train	Sel	Red Hot Chilli Pepper	Taba Chake	Ozzy Osbourne					
24/09	10/10	27/10	11/11	27/11	10/12	07/01	29/01	10/02	01/03	29/03
Avenge Sevenfold		Muse	Dream Theater	U2	Arctic Monkeys					

दिन का गीत

संगीत के साथ लगातार और दैनिक जुड़ाव के रूप में, समाज “दिन के गीत” की योजना के साथ आया। हमने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नियमित कहानियां पोस्ट करना शुरू कर दिया, जिसे साँग ऑफ द डे कहा जाता है। विभिन्न विधाओं के विभिन्न प्रकार के गीत प्रतिदिन हमारी कहानियों पर पोस्ट किए जाते हैं। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि सभी संगीत स्वाद के लोग गीतों का आनंद ले सकें और साथ ही अपने संगीत स्वाद में विविधता ला सकें। गीतों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया जाता है और महीनों के सभी गीतों की प्लेलिस्ट कहानियों में साझा की जाती है। हम गानों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए, एक ऑडियो स्ट्रीमिंग और मीडिया सेवा प्रदाता Spotify का उपयोग करते हैं। हमने इस सीरीज की शुरुआत इस साल 2021 में की थी।



सिनेवेव-सिनेमैटिक सोसाइटी

सिनेवेव आईआईटी भुवनेश्वर की फिल्म बनाने वाली सोसाइटी है जो लघु फिल्में, वृत्तचित्र, विज्ञापन बनाती है और विभिन्न फिल्म निर्माण प्रतियोगिताओं में भाग लेती है

कवरेज

सिनेवेव ने विसेनेयर, ई-शिखर, और अल्मा फिएस्टा कार्यक्रम पर एफजीटी, स्वतंत्रता दिवस, यूनिटी रन, गणतंत्र दिवस, ओपन डे, आदि जैसे विभिन्न परिसर कार्यक्रमों को कवर किया है। इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट को सिनेवेव द्वारा कवर किया गया था जो आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था।

छोटी फिल्में

सिनेवेव ने कैम्पस में मौजूद रहते हुए 8 शॉर्ट फिल्मों का निर्माण किया है।

- द फोर बोर्डिंग
- डूबे डिक्टेटीभ
- इंजीमा
- #हरफोरसी
- माट्रोन
- भोज टू करेज
- बीट्रायल
- डेलिरियम

लॉकडाउन के दौरान, 'चिकन' (एक सामाजिक जागरूकता फिल्म) नामक एक लघु फिल्म टीम के साथ मिलकर बनाई गई थी।





प्रतियोगिताओं में भागीदारी

- सिनेवेव ने महिला दिवस के अवसर पर फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में शीर्ष दो स्थान हासिल किए हैं।
- लॉकडाउन के दौरान, सिनेवेव ने अच्छी संख्या में प्रविष्टियों के साथ आईआईटी बॉम्बे द्वारा सिल्वर एडिट प्रतियोगिता में भाग लिया है।
- हमने मैनफेस्ट-वर्चस्व (आईआईएम लखनऊ फेस्ट) में रील ऑफ चेंज इवेंट के लिए कोविड -19 पर आधारित एक मिनट की लघु फिल्म (ब्रेस अप!) बनाई है।
- सिनेवेव ने एनसेम्बल वल्लाह (एक्सएलआरआई जमशेदपुर उत्सव) में एड-मैड इवेंट में भाग लिया और फाइनल राउंड के लिए चयनित हो गया। हमने एक बहुउद्देश्यीय बेल्ट के लिए एक विज्ञापन बनाया है
- सिनेवेव आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम एक्सप्रेटेड एड में भाग ले रहा है जो अभी चल रहा है।



विदाई

- सिनेवेव ने 2020 में पासिंग आउट बैच की विदाई के लिए सभी आवश्यक वीडियो बनाए हैं। सिनेवेव ने अपने यूट्यूब चैनल पर फेयरवेल 2020 की मेजबानी भी की।
- हमने अपने यूट्यूब चैनल पर 19 मार्च को फेयरवेल 2021 का भी आयोजन किया है और आयोजन के लिए सभी आवश्यक वीडियो बनाए हैं।

फ्रेशर्स वीडियो 2020

- सिनेवेव ने फ्रेशर्स के साथ फर्स्ट इंप्रेशन वीडियो बनाया है। कोविड-19 के कहर के बीच हमने वीडियो को ऑनलाइन मोड में बनाया। यह एक वीडियो है कि आईआईटी भुवनेश्वर में छात्र जीवन के कुछ पहलुओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं और अगर वे कॉलेज में होते तो उनके अनुभव, अपेक्षाएं और कई अन्य कारक कैसा होता। इसे YouTube पर 20000 से अधिक बार देखा जा चुका है और यह केवल 4 सप्ताह में चैनल पर दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला वीडियो बन गया है।



कार्टाईन चुनौती: सिनेवेव ने "लॉकडाउन के दौरान कार्टाईन चुनौती" नाम के तहत प्रतियोगिताओं का एक सेट आयोजित किया। इसमें अभिनय, छायांकन और संपादन प्रतियोगिताएं शामिल हैं,

पटकथा लेखन प्रतियोगिता

हमने 10 प्रतिभागियों को मिलाकर अद्वैत स्क्रिप्ट के साथ 29 दिसंबर से 5 जनवरी तक एक पटकथा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की है।

ट्रेलर-मेकिंग कॉम्पिटिशन (री-कट)

सिनेवेव ने जनरल चैंपियनशिप के एक हिस्से के रूप में एक ट्रेलर-मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की है। प्रतिभागियों को अपनी पसंद की किसी भी फिल्म का ट्रेलर कट बनाना है, लेकिन एक अलग शैली में। यह है 19 मार्च से 28 मार्च तक आयोजित किया गया।



समसामयिक वीडियो

- सिनेवेव विशेष अवसरों पर लघु श्रद्धांजलि वीडियो तैयार कर रहा है। निम्नलिखित अवसर और तारीखें इस प्रकार हैं जिन पर वीडियो जारी किया गया है:

मित्रता दिवस (2 अगस्त)

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)

इंजीनियर दिवस (15 सितंबर)

गांधी जयंती (2 अक्टूबर)

राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर)

दिवाली (14 नवंबर)

- हमने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या पर अवसाद से संबंधित एक प्रेरक वीडियो बनाया। यह 10 अक्टूबर को रिलीज हुई थी।



स्टार गेज़

- सिनेव स्टार गेज़ नामक एक मासिक श्रृंखला बना रहा है, जो प्रमुख खगोलीय घटनाओं पर एक वीडियो श्रृंखला है। इसे नक्षत्र के सहयोग से बनाया गया है, और श्रृंखला के छह संस्करण निम्नलिखित तिथियों पर जारी किए गए हैं:

- 28 अगस्त
- 29 सितंबर
- 30 अक्टूबर
- 24 नवंबर
- 31 दिसंबर
- 31 जनवरी

सॉन्ग कवर्स

हमने आरोह के सहयोग से सॉन्ग कवर बनाए हैं। मार्च तक, हमने उनमें से चार बनाए हैं, पहली सितंबर में रिलीज हुई है। नवंबर में, एक और दो-गीत कवर और तीन टीज़र जारी किए गए हैं। चौथा कवर (चू लो) फरवरी में जारी किया गया था।



सेल्टक्स कार्यशाला

एक अच्छी तरह से तैयार और नियोजित स्क्रिप्ट हमेशा बेहतर आउटपुट देती है। सेल्टक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण प्रबंधन के लिए किया जाता है। हमारे वरिष्ठों द्वारा सेल्टक्स सॉफ्टवेयर पर सोसायटी के सदस्यों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

फिल्म निर्माण कार्यशाला

सिनेवेव ने 24 जनवरी को एक फिल्म निर्माण कार्यशाला आयोजित की जो सभी के लिए खुली है। हमने पटकथा लेखन, छायांकन, संपादन, और बहुत कुछ जैसे फिल्म निर्माण के कई क्षेत्रों को कवर किया। कार्यशाला में 70 से अधिक लोगों ने भाग लिया।



अन्य कार्य

- अश्वमेध और खेल परिषद द्वारा आयोजित इंटेस प्रेडिक्शन लीग के आयोजन के लिए आईपीएल पर एक अनूठा मैशअप वीडियो बनाया गया था। यह 18 सितंबर को रिलीज हुई थी।
- हमने विभिन्न परिषदों जैसे थ्रेड चैलेंज, इंटेस प्रेडिक्शन लीग, स्टार गेज, कोर वर्कआउट चैलेंज, फिटनेस ट्रेकिंग चैलेंज आदि के लिए ट्रेलर बनाए हैं।
- सिनेवेव ने आईआईटी भुवनेश्वर के पीटीआईएस की मेंटरशिप में स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर कोर वर्कआउट चैलेंज नामक फिटनेस प्रोग्राम के लिए वर्कआउट वीडियो तैयार किए हैं। 6 सप्ताह के इस कार्यक्रम के लिए एक ट्रेलर सहित कुल 16 वीडियो बनाए गए हैं। हमने इन्हें 28 अक्टूबर से पोस्ट करना शुरू किया था और यह 10 दिसंबर तक चलेगा।
- हमने द फोर्थ वॉल के साथ सहयोग किया है और एक लघु फिल्म (द गिफ्ट) बनाई है, जिसे 14 जनवरी को रिलीज किया गया था और इसे इंस्टाग्राम पर 650 से अधिक बार देखा गया था। हमने विजाग में एक यात्रा वीडियो (भाग्य का शहर) बनाया है जो 31 मार्च को जारी किया गया है

- हमने समाज में नए शामिल हुए सदस्यों के लिए एक फिल्म निर्माण सत्र का आयोजन किया है जो 16 मार्च से 29 मार्च तक निर्धारित है। उन्होंने इसके एक हिस्से के रूप में 4 लघु फिल्म समाजों को समाप्त कर दिया है।
- हमारी भविष्य की परियोजनाओं के लिए कुछ स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया गया है जिसे हम कैंपस में जाकर तैयार करेंगे।
- सिनेवेव द्वारा विभिन्न समाजों, उत्सवों और खेल और तकनीकी परिषदों के लिए कई टीज़र, ट्रेलर और इंट्रो बनाए गए थे।
- सिनेवेव ने अपने वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए आरोह, डी-गैंग, सोल्स फॉर सोलेस, अभिव्यक्ति आदि जैसे अन्य समाजों के साथ सहयोग किया। हमने उनके सोशल मीडिया पोस्ट के लिए कुछ एनट्रो, वीडियो के बाद, और कुछ अन्य संपादन किए हैं।
- सिनेवेव ने आरोह और नक्षत्र के लिए सोसाइटी परिचय वीडियो बनाया है होस्टिंग को आसान बनाने के लिए सभी वीडियो को संकलित और बड़े वीडियो में बनाया गया है इंट्रो को सिनेवेव के यूट्यूब चैनल पर भी होस्ट किया गया था।



सामाजिक मीडिया

- हमने अपने सोशल मीडिया पेजों को ट्यूजडे ट्रिविया जैसे पोस्ट की एक श्रृंखला पोस्ट करके व्यस्त रखा जो फिल्म तथ्यों और उनके सामान्य ज्ञान पर आधारित है। यह 18 अगस्त को शुरू हुआ, और हम प्रत्येक मंगलवार को एक पोस्ट करते रहे। हमने इस सीरीज में अप्रैल तक 16 पोस्ट किए हैं। हमें इंस्टाग्राम पर हर पोस्ट के लिए 400-450 लोगों की सराहना मिली है।
- शॉट ऑफ वीक 5 दिसंबर को शुरू हुआ। हम सिनेमैटोग्राफिक तकनीकों और विभिन्न प्रकार के शॉट्स, मूवमेंट आदि पर पोस्ट कर

रहे हैं और हर शनिवार को कुछ शॉट्स पोस्ट कर रहे हैं। हमने इस सीरीज में अप्रैल तक 12 पोस्ट (24 तरह के शॉट) पोस्ट किए हैं। हमें इंस्टाग्राम पर हर पोस्ट के लिए 500-600 लोगों की सराहना मिली है।

- बीटीएस 9 दिसंबर को शुरू हुआ था। हम वास्तविक दृश्य की तुलना अंतिम दृश्य से करते हुए प्रत्येक बुधवार को एक पोस्ट कर रहे हैं। इस सेरेस में अप्रैल तक 8 पद पोस्ट किए जा चुके हैं। हमें इंस्टाग्राम पर हर पोस्ट के लिए 500-600 लोगों की सराहना मिली है।



डी गैंग- डांस सोसाइटी

क्वारंटाइन चैलेंज

- डांस के स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक लाभों को ध्यान में रखते हुए, समाज ने ओपन फॉर ऑल डांस प्रतियोगिता, क्यूडीसी आयोजित करके कॉलेज में नृत्य को लोकप्रिय बनाने पर उचित ध्यान दिया है।
- प्रतियोगिता के परिणाम 26 जुलाई, 2020 को घोषित किए गए।
- प्रतिभागियों की संख्या: - 15+ संख्या



नृत्य कवर

- हम अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नियमित अंतराल पर एकल नृत्य कवर पोस्ट करते रहे हैं।
- पोस्ट किए गए डांस कवर की शैलियों में वैकिंग, फ्रीस्टाइल, गेय हिप हॉप, भरतनाट्यम, सेमी-क्लासिकल शामिल हैं।
- हमारे कैम्पस में शूट किया गया एक विशेष डांस कवर हमारे यूट्यूब और इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया गया था



डांस-ओ-पीडिया

- यह एक इंस्टाग्राम श्रृंखला है जिसमें लघु वीडियो के माध्यम से विभिन्न नृत्य रूपों के बारे में एक संक्षिप्त विचार दिया गया था।
- सोशल मीडिया पोस्ट की संख्या: - 7 नं

डी-फैक्ट

- यह एक सूचनात्मक इंस्टाग्राम धारावाहिक है जिसमें हम एक विशेष नृत्य रूप से संबंधित कुछ रोचक तथ्य प्रसारित करते हैं।
- सोशल मीडिया पोस्ट की संख्या:- सं 15



ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता

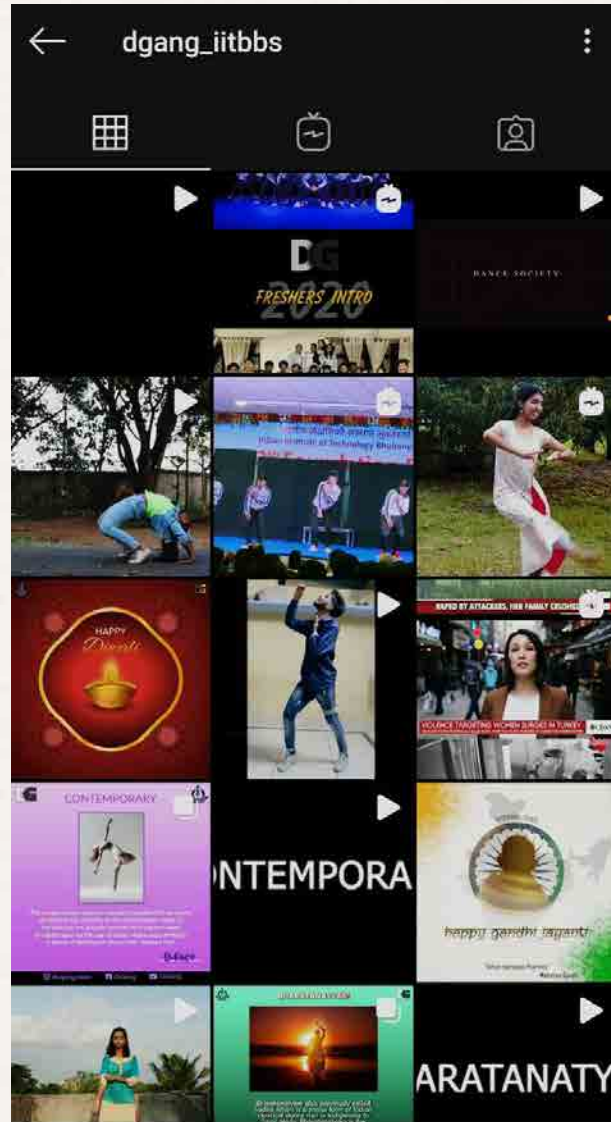
- हमारे समाज के कुछ सदस्यों ने ISM, धनबाद द्वारा आयोजित 21 से 28 सितंबर, 2020 को एक ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया।

सांस्कृतिक जीसी

- सांस्कृतिक जीसी, 2021 के तहत एक ऑनलाइन एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- यह एक व्यक्तिगत और एकल दौर का कार्यक्रम था, जो सभी के लिए खुला था।

अल्मा फिस्ता

- रिप (एकल नृत्य प्रतियोगिता) में भाग लिया और चरण का अनुकरण किया, जिसके परिणाम अभी तक 15 से 13 अप्रैल, 2021 को घोषित नहीं किए गए हैं।





कलाकृति – ललित कला सोसायटी

कला कृति, आईआईटी भुवनेश्वर की ललित कला सोसायटी का उद्देश्य सभी के भीतर रचनात्मक कल्पना का छाप को प्रोत्साहित करना और पोषित करना है। सोसाइटी अपने क्षेत्र में पेंटिंग, स्केचिंग, क्ले-मॉडलिंग, कोलाज मेकिंग और शिल्प के क्षेत्रों को शामिल करती है। समाज विभिन्न कॉलेजों में ललित कला प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है और अवसर प्रदान करता है

प्रतियोगिताएं

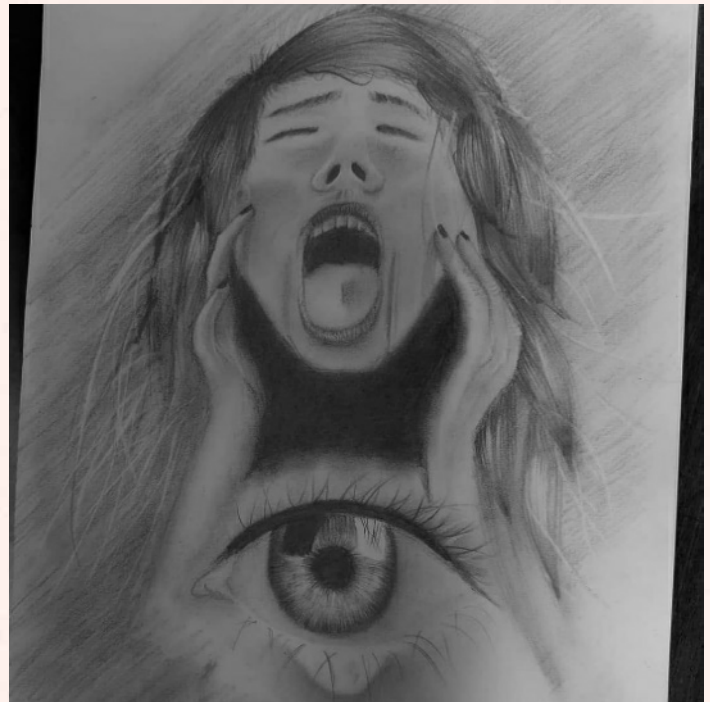
- समाज के टीम के सदस्यों ने आईआईटी मद्रास में "आर्ट एभाईल", सारंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान में प्राप्त किया।
- सोसाइटी के टीम सदस्यों ने आईआईटी खड़गपुर, स्प्रिंग फेस्ट 21 में भाग लिया।



आईआईटी मद्रास, में सारंग प्रतियोगिता में कला लाभ में प्रथम पुरस्कार



आईआईटी खड़गपुर में स्प्रिंग फेस्ट अचीवमेंट्स में फिगर पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार



आईआईटी खड़गपुर में शीर्ष 10 स्प्रिंग फेस्ट उपलब्धियों में दूसरा स्थान



आईआईटी खड़गपुर में स्प्रिंग फेस्ट अचीवमेंट्स में फेस पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार

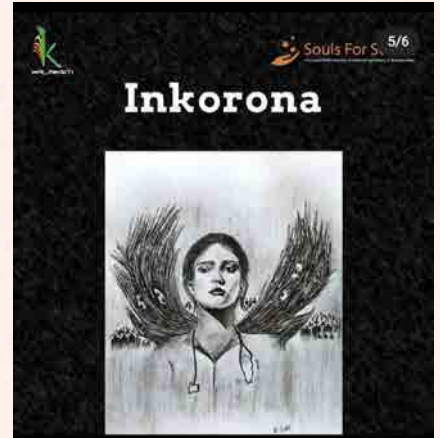
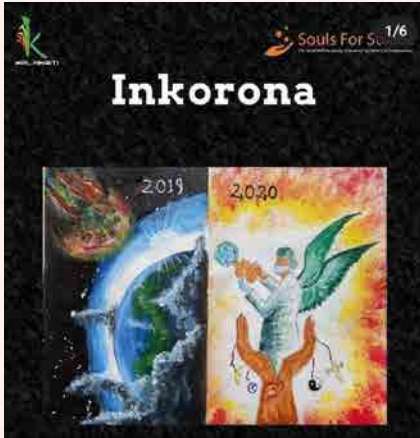


अल्मा फिस्ता में स्केचिंग में पहला स्थान



इकोरोनो

कोरोना के कारण वर्तमान महामारी के संदेश को फैलाने के लिए s4s के सहयोग से "लेट्स फाइट कोरोना" विषय के साथ एक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।



डू फॉर नेशन

"एलट्रिज्म" के विषय के साथ डूफॉरनेशन प्रतियोगिता विसेनेयर के सहयोग से आयोजित की गई थी। यह एक धन उगाहने वाली प्रतियोगिता है, और धन का अंश कोरोना से लड़ने के लिए पीएम केयर फंड में दान किया जाता है।

PRESENTED BY **DO4NATION** THE FUNDRAISER

IN ASSOCIATION WITH

ARTISTAS MANOS AMIGAS
ARTS COMPETITION



JUDGE
BIJAY BISWAAL

FOR WINNERS

TOTAL PRIZE WORTH RS.2500
AND
COUPONS OF THE SOULED STORE

TOKEN OF APPRECIATION
FOR ALL THE PARTICIPANTS

THEME : ALTRUISM

LAST DATE FOR SUBMISSION
15th MAY 2020

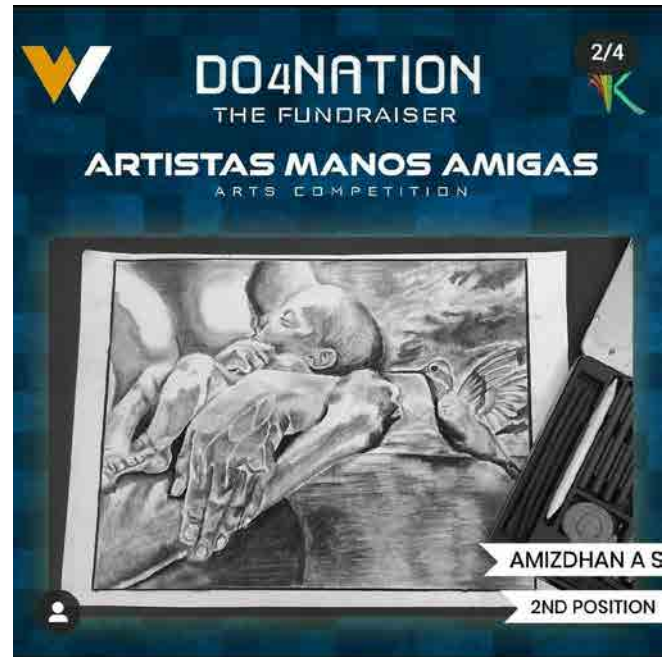
ENTRY FEE:RS.50



JUDGE
MAHIMA KEJRIWAL

CONTACT
SAIRAM - 7780740602

REGISTER AT
fundraiser.wissenaire.org.



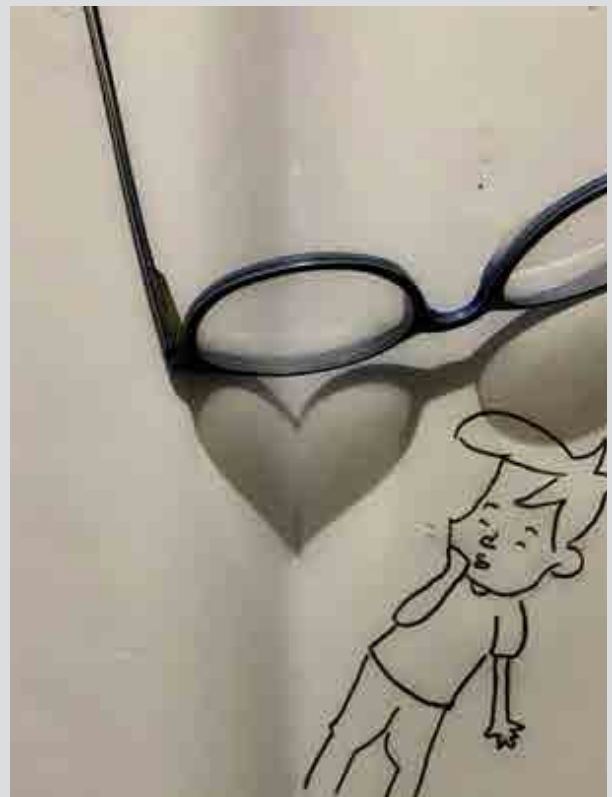
कलाकरी

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर 2डी कला माध्यम में कलाकारी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।



शैडोलॉजी

एक रचनात्मक छाया स्केचिंग मजेदार गतिविधि, जो रचनात्मक रूप से वस्तुओं की छाया पर स्केच बना रही है, इसे एक और अर्थ दे रही है.





इंटीबर

इंटीबर सभी कलाकारों के लिए एक महीने की वैश्विक चुनौती है। हर साल अक्टूबर में होने वाली प्रत्येक दिन की थीम है। कलाकृति के सदस्यों ने इस चुनौती में भाग लिया तथा अक्टूबर में हर दिन सदस्यों की कलाकृतियां पोस्ट कीं।



गौरांग सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित हेरिटेज फेस्ट पेंटिंग प्रतियोगिता में लिया हिस्सा



दीपावली उत्सव

- दीवाली के दौरान कलाकृति ने हमारे सोशल मीडिया हैंडल पर कई दीया सजावट वीडियो पोस्ट किए हैं।
- हमने "दिवाली ऑनलाइन मनाना" से संबंधित 3 अध्यायों वाली एक कॉमिक श्रृंखला भी बनाई है। जो पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित है।
- इसके अलावा, हमने आईआईटी बीबीएस के अपने मुख्य भवन को दीयों के साथ 3डी रेंडर किया है (45 के दशक का वीडियो हमारे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है), रंगीन लालटेन और सभी को बहुत खुश और सुरक्षित दिवाली की शुभकामनाएं।
- पिछले साल के समारोहों की यादों और फ्लैशबैक के साथ समाज के कई सदस्यों द्वारा बनाया गया एक विशाल रंगोली।



सहयोग

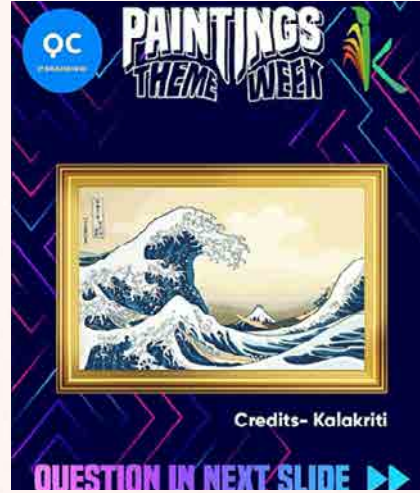
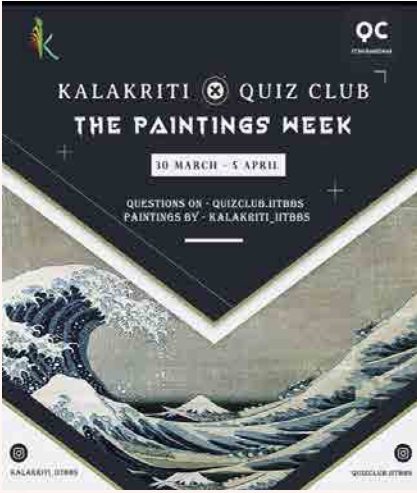
- कलाकृति और पेनेसीया ने पृष्ठभूमि में कविता से संबंधित कलाकृतियों के साथ एक कविता पर सफलतापूर्वक सहयोग किया, साथ ही टीम पूरी कविता को जारी करने से पहले सहयोग ने एक ट्रेलर वीडियो भी बनाया।

Stars and Chocolate Ice Cream

Hi I am a little girl, happy in my world, boy, so beautiful, neither.
Nana? I haven't come yet, did I ever bother?
People in big cars passing my car on the road call me stupid.
Also, some call me a thief, piece of shit, all kinds of things upset
I don't know the meaning of all the words but I smile at them.
Some of them mean mean things pretty, maybe a sweet, lovely name.
Here I live on the corner of the road, a torn coat, my best friend and me.
As abandoned as myself, the old dog makes my world a better place to be.
I call him Mango, after my favorite treat I steal from that big, red restaurant.
With him, I search edible on days, and on nights build my castle of illusion.



- कलाकृति ने किज़ क्लब के सहयोग से एक "पेंटिंग वीक" का आयोजन किया है, जिसमें कलाकृति के सदस्यों ने कुछ प्रसिद्ध कलाकृतियों को फिर से बनाया है, और उस पर आधारित प्रश्न किज़ क्लब द्वारा बनाए गए थे।



स्केचिंग पर कार्यशाला

- समाज कलाकृतियों में प्रयुक्त स्केचिंग, भागों और विभिन्न कला सामग्रियों का विवरण देने पर एक कार्यशाला आयोजित करता है। छात्रों की कुल संख्या: सं 40
- हमने फ्रेशर्स के लिए एक ऑनलाइन स्केचिंग कार्यशाला आयोजित की है, जिसमें बुनियादी से उन्नत तकनीक (स्कीन फर तथा हेयर, जैसे बनावट) शामिल हैं।



जनरल चैंपियनशिप '21

इस साल जनरल चैंपियनशिप की कला प्रतियोगिता का विषय "ड्रीम वर्ल्ड" था, और विभिन्न शाखाओं के कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। आयोजन का विवरण इस प्रकार है

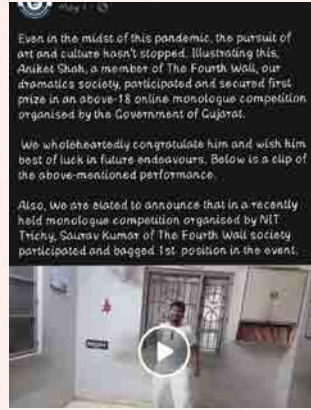


चौथी दीवार नाटकीय समाज

प्रतियोगिताएं

- एनआईटी के त्रिची ने फेस्टिवल द्वारा आयोजित मोनोलॉग ऑनलाइन प्रतियोगिता स्पॉटलाइट में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता। शैली पैरोडी और मोनोलॉग थी और सौरभ कुमार ने समाज की ओर से प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- गुजरात सरकार द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन मोनोलॉग प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता। विषय था कोविड 19 संकट पर एक सूचनात्मक और जागरूकता वीडियो। अनिकेत कमलेश शाह ने प्रथम पुरस्कार जीता।
- इंस्टाग्राम पेज द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन मोनोलॉग प्रतियोगिता में भाग लिया, फ़नकार परिणाम अभी तक जारी नहीं हुए हैं। प्रतियोगिता की शैली विविध थी और यह एक खुली प्रतियोगिता थी।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन गतिविधि के मामले में उच्च जुड़ाव बनाए रखना, जैसे कि लॉकडाउन अवधि में इंस्टाग्राम, लगातार पोस्ट, मोनोलॉग, श्रद्धांजलि पोस्टर, श्रद्धांजलि वीडियो आदि अपलोड करना।

- अंतराग्नी, आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित मोनोलॉग मोनो एक्ट माइम-मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। (परिणाम अभी नहीं आए हैं)।
- एनआईटी राउरकेला के थिएटर क्लब पैटोमाइम के सहयोग से ऑनलाइन मोनोलॉग प्रतियोगिता अनलॉक द एक्टर का आयोजन किया गया। पूरे भारत से भागीदारी की संख्या 50 से अधिक है।
- क्लिज़ क्लब के सहयोग से बॉलीवुड क्लिज़ का आयोजन किया।
- वर्तमान में स्प्रिंग फेस्ट, आईआईटी खड़गपुर के एलएमई माईसेल्फ मोनोलॉग प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।



कोविड लॉकडाउन अवधि के दौरान सामान्य गतिविधि

- **मोनोलॉग्स :** लॉकडाउन के दौरान, हम अपने इंस्टाग्राम पेजों पर समाज के सदस्य के कृत्यों के मोनोलॉग/लघु वीडियो लगातार पोस्ट कर रहे हैं। यह वीडियो सबसे लोकप्रिय एक को 1800 से अधिक बार देखा गया। यह सभी महीनों के लिए आम है। अब तक हमने 20+ मोनोलॉग और पोस्ट तथा पोस्ट किए हैं।

26 दिसंबर 2020 को मोनोलॉग्स

- यह एक नियमित रूप से निर्धारित कार्यक्रम है जहां मोनोलॉग्स एक एकालाप समाज के सदस्यों में से एक द्वारा किया जाता है और उसी का वीडियो "द फोर्थ वॉल" के सोशल मीडिया पेजों पर पोस्ट किया जाता है
- यह एकालाप देबद्विता दास द्वारा किया जाता है और 26 दिसंबर 2020 को पोस्ट किया जाता है
- वीडियो को 811 बार देखा गया और सभी से सराहना मिली।



14 जनवरी 2021 को लघु फिल्म

- यह एक नियमित रूप से निर्धारित कार्यक्रम है जहां समाज के सदस्यों द्वारा प्रदर्शित और लिखित एक लघु फिल्म सोशल मीडिया पेजों पर पोस्ट की जाती है।
- कलाकारों में देबद्विता दास, मयूर वस्तुकार और ओमकार घग थे और उन्हें 14 जनवरी 2020 को पोस्ट किया गया था।
- फिल्म को 650 बार देखा गया और सराहना मिली।

मूवी समीक्षा
6 जनवरी 2021 एपिसोड 1

- फिल्मों की समीक्षा करने वाले वीडियो बनाने के लिए यह एक नई पहल है।
- फिल्म "कुली नंबर 1" की समीक्षा प्रीतम प्रकाश सिंह, उमर घग और सौरभ कुमार द्वारा की गई थी।
- समीक्षा को 1165 बार देखा गया और दर्शकों से एक शानदार प्रतिक्रिया मिली।



5 फरवरी 2021 को एपिसोड 2

- यह मूवी समीक्षा श्रृंखला का दूसरा एपिसोड था।
- फिल्म लूडो की समीक्षा सौरभ कुमार ने की थी। अनिरुद्ध प्रताप सिंह प्रथम अग्रवाल, जसवंत, संजीत पात्रा सरंशी सिंघई मधु चौहान।
- समीक्षा को ईवर्स से 1342 लाइक और सराहना मिली।
- स्प्रिंग फेस्ट: आईआईटी खड़गपुर मोनोलॉग: आई मी माईसेल्फ (फरवरी 2021 का अंतिम सप्ताह)
- स्प्रिंग फेस्ट आईआईटी खड़गपुर का सांस्कृतिक कार्यक्रम है।
- सौरभ कुमार, देबद्विजा दास, प्रतिम प्रकाश सिंह और मधु चौहान ने ऑनलाइन मोड में उत्सव द्वारा आयोजित एकालाप प्रतियोगिता में भाग लिया।
- प्रतियोगिता के परिणाम अभी बाहर नहीं हैं।

जीसी इवेंट: कर्टेन्स अप (20 मार्च से 3 मार्च 2021)

- डामेटिक्स इवेंट "द फोर्थ वॉल" द्वारा आईआईटी बीबीएस जनरल चैंपियनशिप में "कर्टेन्स अप" नाम से आयोजित किया जाता है।
- यह एक व्यक्तिगत और एकल दौर का कार्यक्रम था।
- यह विषय 1 मिनट की समय सीमा के साथ प्रतिभागियों की रचनात्मकता के लिए खुला था।
- प्रतियोगिता सभी के लिए खुली है।
- आयोजन के लिए 15 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।



अभिव्यक्ति-साहित्य समाज-(अंग्रेजी)और अभिव्यक्ति-साहित्य समाज-(हिन्दी)

अभिव्यक्ति प्रतिवेदन

- हम आईआईटी भुवनेश्वर के विभिन्न व्यक्तित्वों पर लेख लिख रहे हैं, और वे फोटोग्राफी क्लब, क्लिक्स के सहयोग से 'हमन्स ऑफ आईआईटी भुवनेश्वर' के फेसबुक पेज पर प्रकाशित होते हैं। हम एलुमनी एसोसिएशन के लिए भी लेख लिख रहे हैं और इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को कवर किया है।
- ऑनलाइन प्रतियोगिता: हमने 9 अप्रैल 2020 को सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सोल्स फॉर सोलेस के सहयोग से, कोविड-19 महामारी और अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं से संबंधित विषयों पर एक ऑनलाइन लेख और कविता लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे पेनडेमिक कहा जाता है, जिसे अच्छी संख्या में प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

एनआईटी राउरकेला थिएटर फेस्ट (21मार्च से 26 मार्च)

- आईटी राउरकेला का रंगमंच उत्सव "हुंकार 21" 21 मार्च से 26 मार्च के बीच आयोजित किया गया।
- सोसाइटी के सदस्य इसके तीन कार्यक्रमों में भाग लेंगे जिसका नाम है रेडियोप्ले, अल्टरनेट इण्डींग, मूवी क्लिज।

ओडिओ प्ले(मार्च का पहला सप्ताह)

- पहला एपिसोड इंस्टाग्राम पर 1400 से अधिक बार देखा गया।
- कहानियां नीलेश मिश्रा द्वारा प्रेरित थीं

SOCH थिएटर ग्रुप, नई दिल्ली के सहयोग से

- उनकी कैम्पस वार्ता श्रृंखला के लिए सोच रंगमंच, नई दिल्ली के साथ सहयोग किया गया।
- सोच थिएटर ग्रुप के इंस्टाग्राम पर 4000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

अल्मा फिएस्टा (अप्रैल 2019)

- ऑडियोप्ले प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया
- दुबनाश, मोनोलॉग, आदि जैसी कई और प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

- साक्षात्कार कनेक्ट : हमने "कनेक्ट" नामक एक ऑनलाइन श्रृंखला शुरू की, जिसमें हम छात्र-संकाय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर के संकायों का साक्षात्कार लेते हैं।
- ऑनलाइन गतिविधि: हमारे फेसबुक, इंस्टाग्राम और वर्डप्रेस हैंडल पर कविता लेखन, फिल्मों की समीक्षा जैसे हमारे ब्लॉग पर किताबें/ एनिम्स, लेख लेखन 2020 की गर्मियों के दौरान प्रशिक्षु छात्रों के अनुभव विभिन्न साप्ताहिक श्रृंखला शुरू की ।
- गांधी जयंती 2020: हमने गांधी जयंती के अवसर पर दो कार्यक्रमों का आयोजन किया, आस्था, सत्य के गांधीवादी सिद्धांतों में से एक पर लघु कहानी लेखन और अहिंसा; महात्मा गांधी की आत्मकथा से एक प्रसिद्ध पंक्ति की प्रासंगिकता पर कविता लेखन।

- हमने खगोल विज्ञान से संबंधित विषयों पर नक्षत्र के सहयोग से एक लेख लेखन प्रतियोगिता आयोजित की। हमें इस आयोजन के लिए 25+ लेख प्राप्त हुए।
- हमने एक इंस्टीट्यूशंस के गलगोटिया ग्रुप के रोटारैक्ट क्लब के ऑनलाइन एमयूएनमें भाग लिया और हमें इसमें उच्च प्रशस्ति पुरस्कार मिला। हमने आईआईएम अहमदाबाद की वाद-विवाद प्रतियोगिता में भी भाग लिया जहां हमारी टीम प्रदर्शन करती है।
- एक कविता और कविता का वर्णन करने वाली विभिन्न कलाकृति के लिए कलाकृति के साथ सहयोग किया।
- 2020 के फ्रेशर बैच के लिए कॉन्सपिरेसी थ्योरी राइटिंग प्रतियोगिता और पोएट्री राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 25+ छात्रों की अच्छी भागीदारी रही।
- वाद विवाद में भाग लिया - आर.सी. द्वारा आयोजित एक ऑक्सफोर्ड शैली की वाद-विवाद प्रतियोगिता। अंबामठ, और इसमें पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।
- एलुमनी एसोसिएशन के साथ सहयोग किया और एलुमनी न्यूजलेटर के आगामी संस्करण के लिए 10+ लेख लिखे। • कनेक्ट इंटरव्यू का तीसरा एपिसोड अप्रैल के अंत तक जारी किया जाएगा।
- दो इवेंट आयोजित किए: डेविल्स एडवोकेट और विकिपीडिया गेम जनरल चैंपियनशिप 21 के तहत दोनों इवेंट्स में 50 की औसत भागीदारी के साथ,
- ओरेकल- आईआईटी भुवनेश्वर की पत्रकारिता संस्था का शुभारंभ किया और हमारे संस्थान और इसके वर्तमान और पूर्व छात्रों के बारे में 40- लेख लिखे। जिसे रेकल की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है।

आईआईटी बीबीएसएसआर एमयूएन'20 की एक झलक



ऑनलाइन गतिविधियों

- कनेक्ट इंटरव्यू के पहले एपिसोड का सैपशॉट”



- एनीमे रिव्यू, पोएट्री राइटिंग, क्रॉसवर्ड और अप्रैल 2020 में आयोजित ऑनलाइन इवेंट पेनडेमिक जैसी साप्ताहिक श्रृंखला।



ब्लॉग

पैनसिया का ब्लॉग जहां हम विभिन्न श्रेणियों के तहत लेख पोस्ट करते हैं, यह हमारे लिए अपने लेखों, कविताओं, अनुभवों और कहानियों को रखने के लिए एक भंडार के रूप में कार्य करता है और हमारे पाठकों से जुड़ने का एक माध्यम भी है।

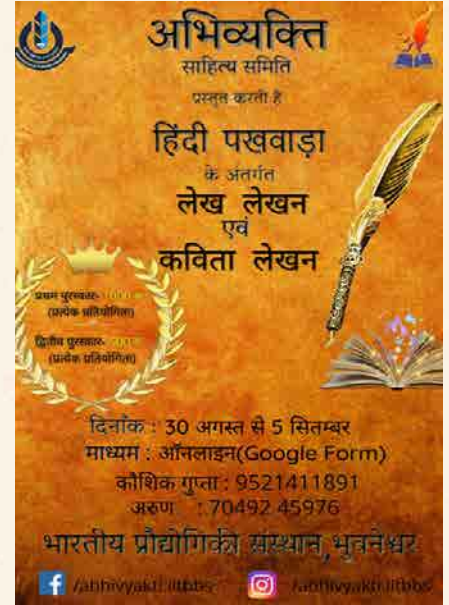


अभिव्यक्ति रिपोर्ट

प्रतियोगिताएं

14 सितंबर 2020 को हिंदी पखवाड़ा

- कविता लेखन प्रतियोगिता-इस प्रतियोगिता में हमने प्रतिभागियों से कविताएँ एकत्र कीं। प्रतिभागी हस्तलिखित कविता (किसी भी विषय पर) हमें गूगल फॉर्म के माध्यम से पीडीएफ प्रारूप में भेजते हैं, शीर्ष तीन कविताओं का चयन समिति द्वारा किया गया। कविता चोरी और अवैध शिकार निषिद्ध थे। (प्रथम पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि 1000 रुपये है, दूसरा पुरस्कार 800 रुपये है और तीसरा पुरस्कार 800 रुपये है)।



- लेख लिखना** - इस प्रतियोगिता में हमने प्रतिभागियों से कविताएँ एकत्र कीं। प्रतिभागियों ने हमें पीडीएफ प्रारूप में गूगल फॉर्म के माध्यम से हस्तलिखित लेख भेजे। प्रतिभागी निम्नलिखित 5 विषयों में से लेख का विषय चुन सकते हैं: -
 - भारत में निजीकरण की प्रक्रिया, देश के लिए विकास या बाधा।
 - राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF की टीम) किस तरह से बाढ़ और बारिश की आपदा में देशवासियों की रक्षा कर रही है।
 - संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसे छात्रों के लिए राष्ट्रीय परीक्षाएं स्थगित कर दी जानी चाहिए।
 - क्या भारत में अखबार अपने नैतिक तत्वों को भूल रहा है और नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है।
 - कोरोना काल में जारी लॉकडाउन ने दुनिया भर के लोगों की दिनचर्या कैसे बदल दी।
- आवाज़ दिल की** - प्रतिभागियों ने तस्वीर को देखकर अपने विचार व्यक्त किए जिसके लिए उन्हें 2 से 3 मिनट का समय दिया गया। यह प्रतियोगिता गूगल मीट के जरिए आयोजित की गई थी। समिति द्वारा 3 सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं का चयन किया गया। (प्रथम पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि 1000 रुपये है, द्वितीय पुरस्कार 800 रुपये है और तृतीय पुरस्कार 800 रुपये है)।

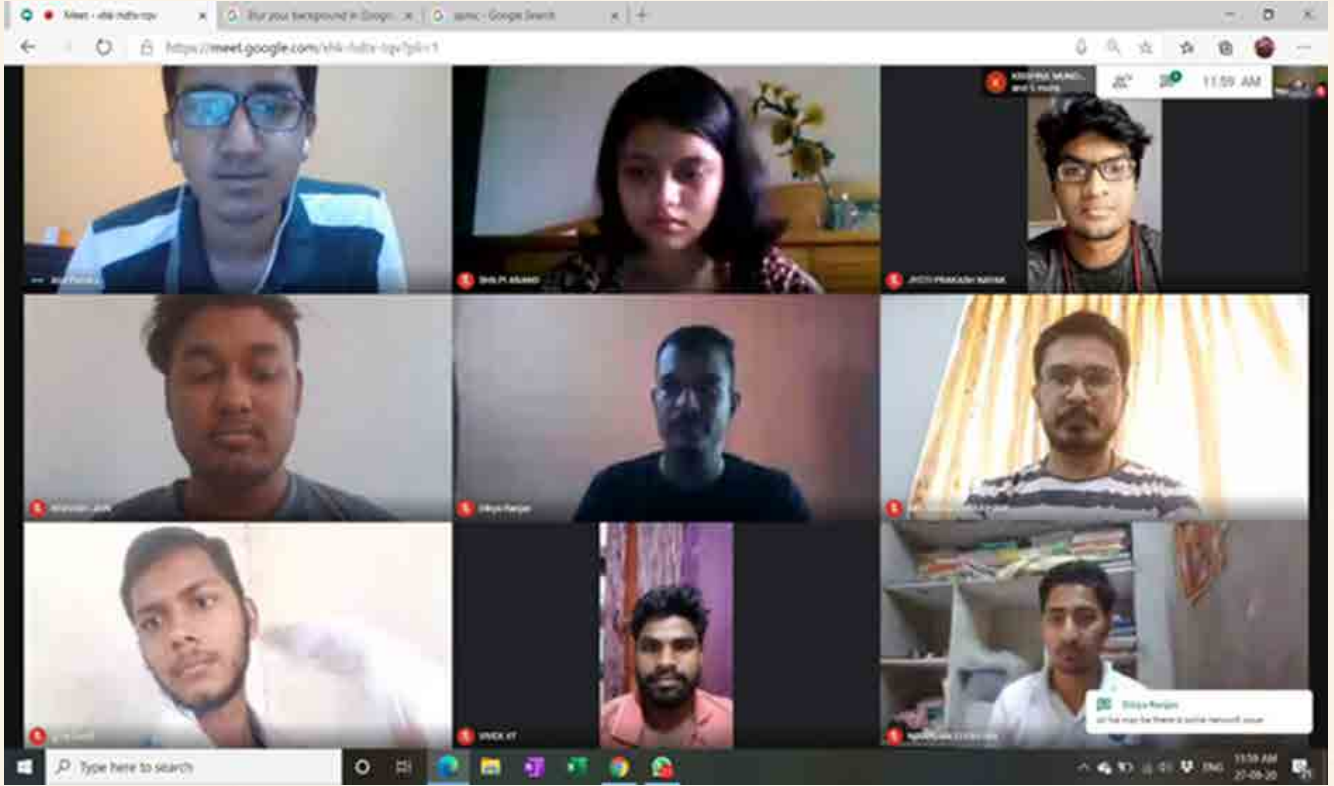
27 सितंबर 2020 को सोल्स फॉर सोलेस के सहयोग से रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता

- गांधी जयंती के अवसर पर अभिव्यक्ति एंड सोल्स फॉर स्कल्स ने असम और उड़ीसा बाढ़ संकट पर आधारित एक हिंदी रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका अंतिम उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाली स्थितियों से हमेशा के लिए अवगत कराना था।



वाद-विवाद प्रतियोगिता 27 सितंबर 2020

2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर, हमारी समिति (अभ्यक्ति) ने वर्चुअल मोड में "सामाजिक और आर्थिक विकास ग्रामीण किसानों में कृषि विधेयक 2020 मील का पत्थर" पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें छात्र भाग ले सकते हैं और निम्नलिखित विषयों में अपने विचारों और विचारों को व्यक्त करके अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।



वीडियो श्रृंखला

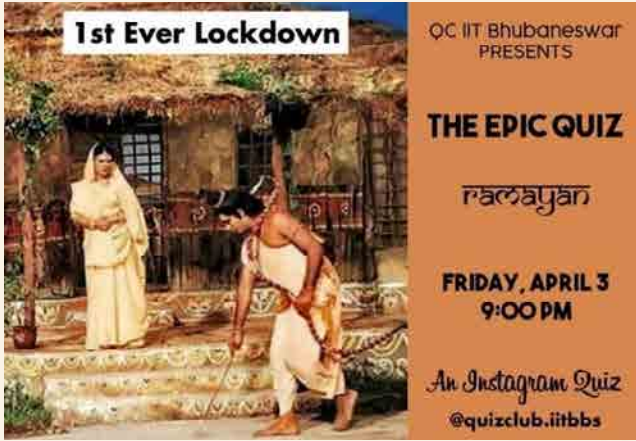
- अभ्यक्ति की शुरुआत "वक्रतत्व" के साथ हुई, एक श्रृंखला जहां हमने अपने सोशल मीडिया हैंडल से 5 वीडियो पोस्ट किए और सभी को कविता के एक नए रूप से परिचित कराने का प्रयास किया।
- दुनिया भर में मौजूद सामान्य विषयों पर इस साल एक नई वीडियो श्रृंखला शुरू हुई
- म्यांमार और स्वेज नहर पर दो वीडियो पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।



क्विज़ क्लब रिपोर्ट

कार्यक्रम

- दो अन्य ऑनलाइन क्विज़ आयोजित किए गए थे- 3 अप्रैल, 2020 को "द एपिक क्विज़ - रामायण" और 13 अप्रैल 2020 को द आईपीएल क्विज़।
- क्विज़ क्लब ने 23 अप्रैल 2020 को डेयर2कंपलीट पर ऑनलाइन क्विज़िंग फेस्टिवल 2020 के एक भाग के रूप में "ट्वेंटी-एन कारंटिनो - सामान्य प्रश्नोत्तरी के आयोजन में डेयर2कंपलीट के साथ सहयोग किया। इसमें 10.000 से अधिक टीमों ने भाग लिया



- 2 मई 2020 को भुवनेश्वर के सीईटी क्विज़ाइट क्विज़ क्लब के सहयोग से एक ऑनलाइन क्विज़ "द ज्वाइंट वेंचर" आयोजित किया गया। 15 मई 2020 को, एक और ऑनलाइन क्विज़ "द मेडगिनियरिंग क्विज़ और ट्रॉन क्विज़ क्लब एससीबी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से क्विज़ आयोजित किया गया था।
- विसेनेयर द्वारा डीओ4 नेशन फंडरेज़र इनिशिएटिव के लिए, क्विज़ क्लब ने 13 मई 2020 को 2 ऑनलाइन क्विज़-XI- फ़ैक्टर- 13 मई द क्रिकेट क्विज़ और 14 मई 2020 को HDroxychloroquine The ScitechBiz क्विज़ का आयोजन किया।



- इंस्टाग्राम पर क्विज़ क्लब ने 23 मई 2020 को द फुटबॉल क्विज़, 3 जून 2020 को वर्ल्ड ट्रेल फूड क्विज़ जैसे क्विज़ आयोजित किए।

- बनिया बुद्धि- एक ब्यावसायिक प्रश्नोत्तरी 13 जून 2020 को गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई।
- अगस्त में, क्विज़ क्लब ने इंस्टाग्राम पर विभिन्न विषयों से संबंधित क्विज़ आयोजित किए, इस समय तक इंस्टाग्राम पर क्विज़ क्लब पेज ने 1000+ से अधिक फॉलोअर्स प्राप्त कर लिए थे। क्विज़ के दौरान 20-30 लोगों ने क्विज़ में भाग लिया और इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर पोस्ट किए गए प्रश्नों को क्विज़ पूरा होने के एक दिन के भीतर लगभग 250-300 लोगों ने देखा
- 27 सितंबर को, क्विज़ क्लब ने फोर्थ वॉल के सहयोग से, ड्रामेटिक्स सोसायटी ने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड थीम पर आधारित क्विज़ का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी में दर्शकों की अच्छी भागीदारी (30-40) देखी गई जिसे द फोर्थ वॉल के सदस्यों के अच्छे अभिनय प्रदर्शन से अच्छी तरह से समर्थन मिला।

गान्धी जयंती के अवसर पर क्विज़ का आयोजन

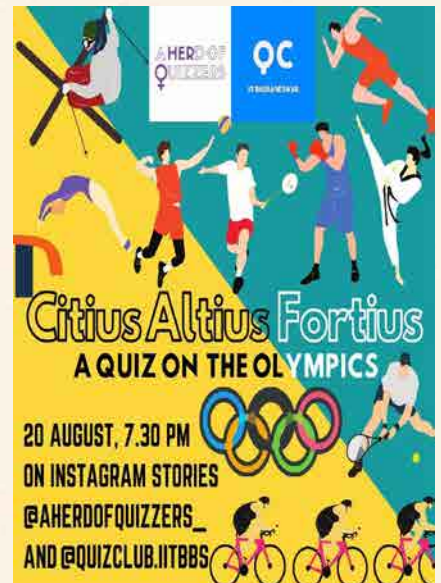


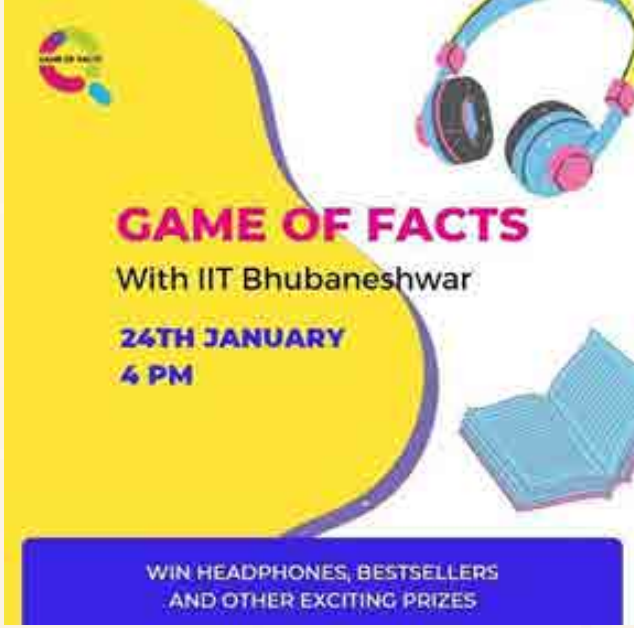
- 30 सितंबर को क्विज़ क्लब ने आईआईटी भुवनेश्वर के फैकल्टी और स्टाफ के बच्चों के लिए प्रहेलिका- एक सामान्य प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। प्रहेलिका (जूनियर श्रेणी) के लिए पंजीकरण (प्रतिभागियों- 9) प्रज्ञान के लिए पंजीकरण (खुली श्रेणी) - 24 (प्रतिभागियों- 16)
- 1 अक्टूबर को, क्विज़ क्लब का आयोजन किया जाता है - एक सामान्य प्रश्नोत्तरी जो सभी लोगों के लिए खुली है गूगलमीट के माध्यम से आईआईटी भुवनेश्वर के सभी लोगों के लिए सामान्य प्रश्नोत्तरी।
- अक्टूबर में, क्विज़ क्लब ने इंस्टाग्राम पर क्विज़ आयोजित किए जो इस प्रकार है।
- 2 अक्टूबर- कार्टून क्विज़

- 17 अक्टूबर- एमिनेम क्विज़
- 25 अक्टूबर - बिज़नेस क्विज़
- क्विज़ के रनटाइम के दौरान क्विज़ में 20-30 लोगों ने भाग लिया और क्विज़ पूरा होने के एक दिन के भीतर इंस्टाग्राम कहानियों पर पोस्ट किए गए प्रश्नों को लगभग 300-350 लोगों के द्वारा देखा गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तरी

- 30 अक्टूबर को, क्विज़ क्लब ने गूगलमीट के माध्यम से आईआईटी भुवनेश्वर के सभी लोगों के लिए एक भारत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। क्विज़ को 13 पंजीकरण (9 प्रतिभागी) प्राप्त हुए
- 1 नवंबर को - आरोह के सहयोग से संगीत प्रश्नोत्तरी, संगीत समाज को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, लगभग 20 प्रत्यक्ष भागीदारी और बाद में लगभग 300 लोगों ने देखा। आरोह ने हमें ऑडियो मुहैया कराए और क्विज़क्लब ने उन गानों पर सवाल किए।
- नवंबर में, हमने प्रसिद्ध टीवी शो/फिल्मों/किताबों पर आधारित प्रश्नोत्तरी के साथ "फेनडोम नवम्बर" नामक एक नई चीज शुरू की, जो दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। इस समय तक इंस्टाग्राम पर क्विज़ क्लब पेज के 1500+ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे।
- नवंबर हैरी पॉटर क्विज़ (एक मिनट के भीतर 50-60 प्रतिक्रियाएं लाइव भागीदारी)
- जीएच नवंबर - गेम ऑफ थ्रॉन्स क्विज़ (30-40 प्रतिक्रियाएं एक मिनट के भीतर लाइव भागीदारी)
- 11 नवंबर - लॉर्ड ऑफ द रिंग्स क्विज़ (10-15 लाइव भागीदारी)
- 14 नवंबर - स्टार वार्स प्रश्नोत्तरी (10-15 लाइव भागीदारी)
- 18 नवंबर - दोस्त।एस प्रश्नोत्तरी (30-40 लाइव भागीदारी)
- नवंबर - मैं आपकी मां से कैसे मिला प्रश्नोत्तरी (15-20 लाइव भागीदारी)
- नवंबर - कार्यालय प्रश्नोत्तरी (15-20 लाइव भागीदारी)
- नवंबर को-अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी नक्षत्र के सहयोग से, खगोल विज्ञान समाज आंशिक रूप से हमारे इंस्टाग्राम पेज पर आयोजित किया गया था। भागीदारी- 10-15 और अप्रत्यक्ष 200+
- दिसंबर में, हमने "फॉलोम्पिक्स" नामक कुछ नया शुरू किया, जिसमें हम एक वर्ष के आधार पर हर दिन एक नया प्रश्न पोस्ट करते हैं जो पेज के फॉलोअर्स की संख्या के समान है
- 27 दिसंबर को, क्विज़ क्लब ने विशेष रूप से प्रथम वर्ष के बीटेक छात्रों के लिए गूगलमीट के माध्यम से फ्रेशर्स क्विज़ एक का आयोजन किया था। (70 पंजीकरण, प्रश्नोत्तरी के लिए 34 लोग आए)
- 24 जनवरी को, इण्डियाफेक्ट्स क्विज़ ने विशेष रूप से आईआईटी भुवनेश्वर के लोगों के लिए जूम पर गेम ऑफ फैक्ट्स का आयोजन किया। 36 लोगों ने भाग लिया।
- 1 और 2 जनवरी को, क्विज़ क्लब ने फ्रेशर्स के लिए इंडक्शन आयोजित किया और नए सदस्यों को क्लब में शामिल किया।
- क्विज़ क्लब ने इंस्टाग्राम पर 6 जनवरी 2021 को "द नर्सरी राइम्स क्विज़" और 14 फरवरी 2021 को "वेलेंटाइन क्विज़" जैसे क्विज़ आयोजित किए। (25-30 भागीदारी)





जनरल चैंपियनशिप 2021

- प्रश्न बनाना-1 मार्च (9 प्रतिभागी)
- सामान्य क्विज़ एमएस टीमों पर -22 मार्च (21 प्रतिभागी)
- एमएस टीमों पर स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट - 27 मार्च (20 प्रतिभागी)
- दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन क्विज़िंग फेस्टिवल सीजन 6 के लिए, क्विज़ क्लब ने "द क्यू (क्यू) फैक्टर" का आयोजन किया, जो डेयर 2 कॉम्पीट डॉटकॉम पर एक ऑनलाइन क्विज़ है। जिसे 86 पंजीकरण मिले और वेबसाइट पर सहयोगियों की सूची में क्विज़ क्लब 12वें स्थान पर था।
- ई-शिखर सम्मेलन 2021 के एक कार्यक्रम के रूप में, रेमो सम्मेलनों पर SciTechBiz प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें 30 पंजीकरण (24 प्रतिभागी) प्राप्त हुए।
- क्विज़र का आयोजन विसेनेयर 2021 के एक कार्यक्रम के रूप में किया गया था, 23 ने रेमो सम्मेलनों के मंच पर प्रश्नोत्तरी में भाग लिया।
- कलाकृति, ललित कला सोसायटी के सहयोग से इंस्टाग्राम पर पेंटिंग क्विज़ सप्ताह का आयोजन किया गया। 7 प्रश्न, 7 दिनों की क्विज़िंग जिसमें लगभग 50 लोग प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं। पेंटिंग की आपूर्ति कलाकृति द्वारा की गई थी।
- क्विज़ क्लब ने सीडब्ल्यूसी 2011 क्विज़ को इंस्टाग्राम कहानियों (2 अप्रैल) पर होस्ट किया, जिसमें 24 घंटे के भीतर लगभग 40-45 डीएम के उत्तरों के साथ अच्छी भागीदारी मिली। |

क्विज़क्लब इंस्टाग्राम पेज

- पेज की शुरुआत एमफार्च 2020 में हुई थी और वर्तमान में इसके लगभग 2260+ फॉलोअर्स हैं। पेज सहित 500 के करीब पोस्ट हैं। विविध टॉपिक्स पर प्रश्न, तथ्य और सूचना पोस्ट और क्विज़ के पोस्टर

उपलब्धियां

- सार्थक पटनायक ने क्विज़िंग द्वारा डिस्कॉर्ड पर आयोजित एक टीम इवेंट- "द जनरल क्विज़" में पहला स्थान हासिल किया। (18 जून 2020)
- सार्थक पटनायक ने क्विज़िंग_ऑलवेज़ द्वारा डिस्कॉर्ड पर आयोजित एक टीम इवेंट- "मेलस- द म्यूज़िक। एंटरटेनमेंट, लिटेचर, आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स क्विज़" में तीसरा स्थान हासिल किया। (28-29 जून 2020)
- राहुल राजीव ने क्विज़िंगा, एलएनएमआईआईटी क्विज़ क्लब (24 जून 2020) द्वारा आयोजित इंस्टाग्राम पर मेस्सी क्विज़ में पहला स्थान हासिल किया
- 24 जनवरी 2021 को इंडिया फैक्ट्स क्विज़ द्वारा आयोजित "गेम ऑफ़ फैक्ट्स" में- अमल मैथ्यू जेम्स, वेदांत महापात्र और पवन कुमार रेड्डी ने क्रमशः दूसरा, चौथा वां स्थान हासिल किया
- सार्थक पटनायक ने सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (फरवरी 2021) द्वारा आयोजित अरबिंदा मफिशरा मेमोरियल क्विज़ 2021 में 5 वां स्थान हासिल किया
- क्विज़ क्लब वेदांत महापात्र के 3 सदस्य आयुष गहन, प्रथमेश पाटिल ने टाटा क्लब्स कैंपस क्विज़ के प्रीलिमिन्स राउंड को क्लियर किया। (15-16 फरवरी)

भागीदारी

- 24 जनवरी को जूम और कहुत पर इंडिया फैक्ट्स क्रिज द्वारा आयोजित द गेम ऑफ फैक्ट्स में हमारे संस्थान के 34 छात्रों ने भाग लिया।
- क्रिज क्लब के 4 सदस्यों ने सारंग-सामाजिक-पंथ उत्सव आईआईटी मद्रास के हिस्से के रूप में SciTech India, TLQ, MELAS और लोनवोफ 5 क्रिज में भाग लिया। (4-7 फरवरी)
- क्रिज क्लब के 18 सदस्यों ने 15-16 फरवरी को आयोजित टाटा कूसिबल कैम्पस क्रिज की प्रारंभिक परीक्षा में भाग लिया। क्रिज क्लब के सभी सदस्यों ने डेयर2कंपलीट पर ऑनलाइन क्रिजींग उत्सव सीजन 6 के तहत आयोजित क्रिज में भाग लिया।
- अन्य क्रिजिंग आयोजनों में भी इसकी उपस्थिति महसूस की गई,
- अरबिंदा मिश्रा मेमोरियल क्रिज (7 फरवरी)
- आईआईटीएम शास्त्र सामान्य क्रिज (25 फरवरी)
- फिर भी दिल है हिंदुस्तान क्रिज द्वारा क्रिजसोकड्सज (5 मार्च)
- आईआईटी बीएचयू फेस्ट क्रिज (21 मार्च)
- 4 क्रिजिंग सोसाइटी ऑफ़ द्राल सिंह सेलेज के वार्षिक क्रिजिंग फेस्टिवल के भाग के रूप में, कोयूस '21
- 4 क्रिज क्रिजिंग सोसाइटी ऑफ़ दयाल सिंह कॉलेज के वार्षिक क्रिजिंग फेस्टिवल के भाग के रूप में, कोयूस '21 (16 अप्रैल)
- नालसार विश्वविद्यालय ऑफ़ लॉ द्वारा इंटररो बैग 2021 के एक भाग के रूप में 4 क्रिज(24 अप्रैल)

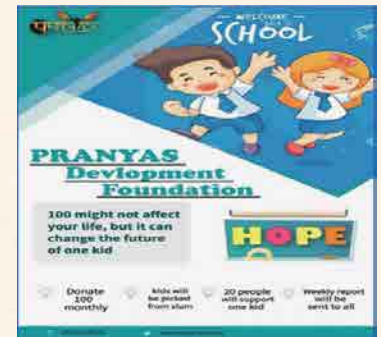


सोल्स फॉर सोलेस - सोशल वेलफेयर सोसाइटी

पहल

17 अगस्त 2020 को वंचित बच्चों के लिए आशा की पहल

- प्रणय विकास फाउंडेशन और चार अन्य कॉलेजों के सहयोग से आशा की पहल शुरू हुई। एक पहल जिसका उद्देश्य सभी के लिए शिक्षा है जहाँ हम सिर्फ 100रु का दान करके एक साल के लिए एक बच्चा गोद ले सकते हैं। बाकि हमारे द्वारा किया जाएगा। भागीदारी ने पूरे भारत में 60+ बच्चों को गोद लिया।



18 अगस्त 2020 से 23 अगस्त 2020 तक निर्माण श्रमिकों के लिए साइकिल दान अभियान का आयोजन

उन साइकिलों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए किया गया था जिनकी हमें भविष्य में आवश्यकता नहीं होगी जो विशेष रूप से थे 4 वर्ष बीत गए। यह कुछ पीएचडी और एमटेक विद्वानों की मदद से आयोजित किया गया था जो परिसर में थे। कुल 23 से 27 साइकिल दान किये गए।

14 सितंबर 2020 से YIF के सहयोग से फंडरेजिंग टेक फेस्ट

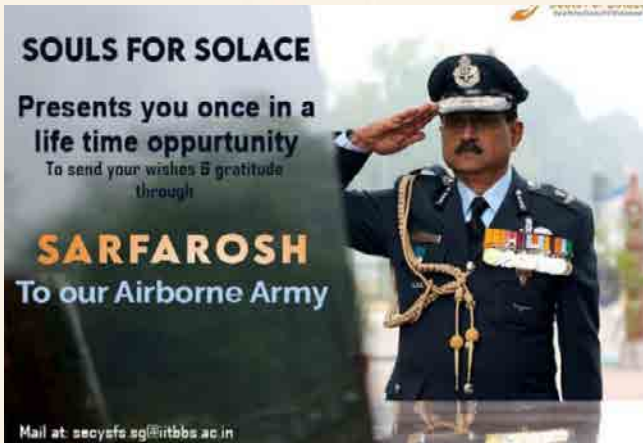
समाज कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले कुछ अन्य बड़े गैर सरकारी संगठनों के लिए धन जुटाने के लिए इस टेक फेस्ट का आयोजन किया गया था। यह यूथ इण्डिया फाउण्डेशन के साथ एक अलग इंस्टाग्राम पेज पर किया गया और प्रचारित किया गया।

19 सितंबर 2020 से 27 सितंबर 2020 तक अभिव्यक्ति के सहयोग से रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता

असम और ओडिशा बाढ़ के बारे में हमारे कॉलेज के साथियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को असम साहित्य सभा और ओडिशा साहित्य अकादमी को अर्पित किया गया था और उनकी वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया था।

29 सितंबर 2020 से 08 अक्टूबर 2020 तक भारतीय वायु सेना के लिए सरफरोश

भारतीय वायु सेना के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए, इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और प्रविष्टियां IAF के मीडिया मेल पर हमारे धन्यवाद के रूप में भेजी गई थीं। यह विचार अभ्युदय से लिया गया, आईआईटी बॉम्बे



एसओसीएच फाउंडेशन के सहयोग से ई-मेला 02 अक्टूबर 2020

अपने अमेज़ॉन के लिए एसओसीएच फाउंडेशन की सहायता से 2 अक्टूबर को उपहार वस्तुओं के रूप में कम भाग्यशाली लोगों के लिए खुशी प्रदान करने के लिए सूची दृष्टिकोण और राज्य भर में अपार भागीदारी देखी गई।

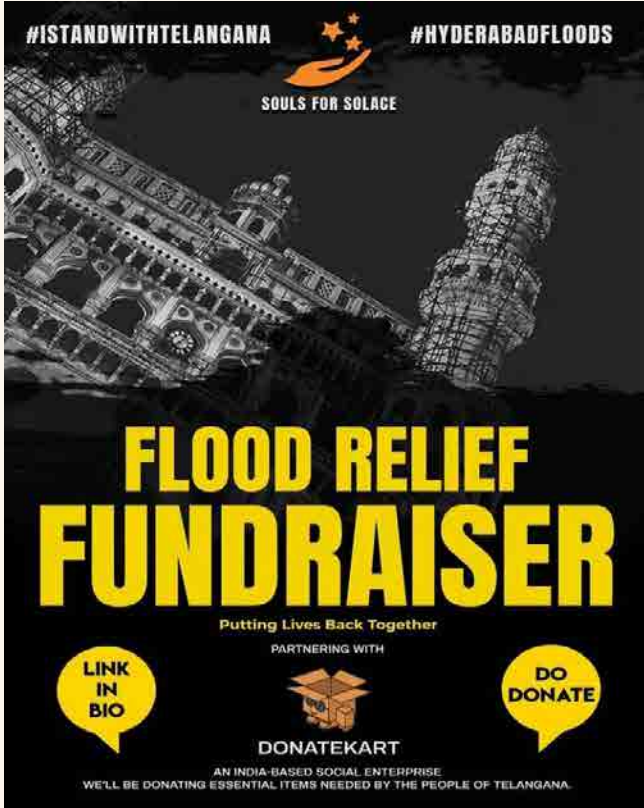
15 अक्टूबर 2020 से 18 अक्टूबर 2020 तक जाईआई के सहयोग से धन उगाहने वाले एमयूएन

वंचित बच्चों के लिए धन जुटाने के लिए गलगोटिया शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से एक मॉडल संयुक्त राष्ट्र का आयोजन किया गया था और इसे काफी सफलतापूर्वक किया गया था।



18 अक्टूबर 2020 से डोनेटकार्ट के साथ धन एकत्र करने की साझेदारी

तेलंगाना में बाढ़ पीड़ितों के लिए आवश्यक वस्तुओं के रूप में धन जुटाने के लिए डोनेटकार्ट के सहयोग से इस डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया गया था।



04 नवंबर 2020 को एनएएमआई को बढ़ावा देने के लिए

सोलेस फॉर सोलेस विद्वानों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए मानसिक बीमारी पर राष्ट्रीय गठबंधन के बारे में सभी को जागरूक करने का प्रयास किया और इसे हमारे सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचारित किया गया।

वोकल फॉर लोकल 11 नवंबर, 2020

सोल्स फॉर सोलेस ने एक इनिटिवे फोटोग्राफ सत्र का आयोजन किया, जिसके तहत हमने अपने कॉलेज के सहयोगियों से कहा कि वे भारत सरकार द्वारा वोकल फॉर लोकल पहल को बढ़ावा देने के लिए हमारे स्थानीय दुकानदारों और दुकानों से दिवाली की खरीदारी करते हुए हमें एक तस्वीर भेजें।



27 नवंबर से 18 दिसंबर 2020 तक सकोंसा संगठन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम 2020

सकोंसा संगठन के सहयोग से सोलेस फॉर सोलेस ने अन्य प्रतिष्ठित कॉलेजों के साथ-साथ एक अंतर्राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम 2020 का आयोजन किया। यह सतत विकास लक्ष्यों के लिए पूरे 4 सप्ताह का जागरूकता कार्यक्रम था जिसमें ओपन डायलॉग सत्र और प्रतिभागी के संबंधित सोशल मीडिया हैंडल पर सूचना या राय साझा करना शामिल था। हमने अलग-अलग सप्ताह में ओपन डायलॉग सत्रों के साथ ऑनलाइन मोड के माध्यम से विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों को कवर किया और सूचनात्मक सामग्री एकत्र की जिसका उपयोग मानव जाति की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है।

SDG month plan

WEEK 1 16 NOV. - 22 NOV. 2020	WEEK 2 23 NOV. - 29 NOV. 2020	WEEK 3 30 NOV. - 6 DEC. 2020	WEEK 4 7 DEC. - 13 DEC. 2020
<ul style="list-style-type: none"> 1 NO POVERTY 2 ZERO HUNGER 3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING 4 QUALITY EDUCATION 	<ul style="list-style-type: none"> 5 GENDER EQUALITY 6 CLEAN WATER AND SANITATION 7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH 	<ul style="list-style-type: none"> 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE 10 REDUCED INEQUALITIES 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES 12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION 	<ul style="list-style-type: none"> 13 CLIMATE ACTION 14 LIFE BELOW WATER 15 LIFE ON LAND 16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS 17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS

20 दिसंबर से शीतकालीन अभियान

यूटीएसए फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से सोलेस फॉर सोलेस ने दिसंबर और जनवरी के कांपले महीनों में उनकी सहायता के लिए कटक और भुवनेश्वर की सड़कों पर रहने वालों के लिए वार्षिक कंबल दान अभियान का आयोजन किया।

परिसर के व्यक्तियों के साथ-साथ कॉलेज के बाहर के सदस्यों के लिए एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया।

लॉकडाउन के दौरान प्रतियोगिताएं

डिजाइन प्रतियोगिता 6 अप्रैल, 2020 से 13 अप्रैल, 2020 तक

23 दिसंबर 2020 से 25 दिसंबर 2020 तक वृक्षारोपण अभियान

क्रिसमस के दौरान पेड़ों की कटाई को रोकने और लाइव क्रिसमस ट्री को अपनाने के अंतिम आदर्श वाक्य के साथ सोलेस फॉर सोलेस ने हमारे

भागीदारी की संख्या- कुल 05 प्रविष्टियां

सोलेस फॉर सोलेस ने वेब और डिजाइन सोसाइटी के सहयोग से एक पोस्टर मेकिंग इवेंट का आयोजन किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर कोई लॉकडाउन चरण के दौरान अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करे। हमने विद्वानों को कोविड -19 महामारी पर खुद को व्यक्त करने के लिए अपने ईमानदार विचार और चिंता दिखाने वाले पोस्टर बनाने के लिए आमंत्रित किया। यह प्रतियोगिता पूरे एक सप्ताह तक चली और 13 अप्रैल को विजेताओं की घोषणा की गई।



पेंटिंग प्रतियोगिता 7 अप्रैल, 2020 से 14 अप्रैल, 2020 तक

भागीदारी की संख्या- कुल 15 प्रविष्टियां

सोलेस के लिए आत्मा, समाज कल्याण समाज, कलाकृति के साथ, आईआईटी भुवनेश्वर की ललित कला समाज ने अपने घरों में सभी के रंग, पेंसिल और ब्रश लाने के लिए कोरोना की महामारी पर आधारित एक ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता INKORONA का आयोजन किया। हर कोई अपनी कल्पना को 'लेट्स फाइट कोरोना' थीम पर रंग सकता है। यह भी एक सप्ताह के लिए आयोजित किया गया था।



सामग्री लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिता 9 अप्रैल, 2020 से 16 अप्रैल, 2020 तक

भागीदारी की संख्या - 09 कुल में प्रविष्टियां

पैनासिया एंड सोल्स फॉर सोलेस पेनडेमिक के साथ आया, एक ऑनलाइन कार्यक्रम जिसमें दो प्रतियोगिताएं, सामग्री लेखन और कविता लेखन शामिल हैं, सभी को संगरोध अवधि से गुजरने के लिए और सभी को यह याद दिलाने के लिए कि सब कुछ अभी तक खोया नहीं है, वह आशा बनी हुई है।

पहल

- सोल्स फॉर सोलेस ने लॉकडाउन के दौरान आवश्यक मुद्दों से निपटने के लिए द्विसाप्ताहिक हैंडआउट्स और मासिक न्यूज़लेटर्स के साथ शुरुआत की, जो अंततः मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। परिचालित हैंडआउट्स की संख्या- 03 सप्ताह में दो बार विभिन्न उद्देश्यों पर हैंडआउट्स।
- समाज कल्याण के क्षेत्र में काम करने के लिए आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण से सभी को अवगत कराना, हमने अपने देश के कुछ सबसे प्रभावशाली सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साक्षात्कार आयोजित किए और उन्हें विशेष अवसरों पर अपने पेज पर अपलोड किया।
- सोल्स फॉर सोलेस, वर्ष की शुरुआत से कुछ सकारात्मकता फैलाने के लिए, हमारे बैच के साथियों के कुछ अनुभव प्रस्तुत किए जो कोरोना के कठिन दौर से गुजरे और इससे उबरे। सभी को उनके द्वारा पार की गई विभिन्न बाधाओं, अन्य घटनाओं के बारे में पढ़ने को मिला, और कैसे वे इससे बाहर निकलने में सफल रहे और सफलतापूर्वक आगे बढ़े।
- सोलेस फॉर सोलेस अपने अनुयायियों को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संलग्न करने के लिए संगठनों और कंपनियों की संख्या पर पोस्ट का एक आकर्षक सेट पेश किया जो हमेशा अपनी विभिन्न योजनाओं और दान के माध्यम से हमारे समुदाय की मदद करने के लिए खड़े रहे हैं।

- सोलेस फॉर सोलेस हमारे साप्ताहिक पोस्ट "रियल हीरोज" के माध्यम से हमारे साथियों के लिए दुनिया भर में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के लिए स्वयंसेवा को बढ़ावा दे रहा है, जहां हम सभी को उनके साथ जुड़े गैर सरकारी संगठनों के साथ-साथ सबसे प्रभावशाली सामाजिक कार्यकर्ताओं में से एक से परिचित करते हैं।



संजीवनी के साथ साक्षात्कार

विश्व कैसर दिवस (04 फरवरी, 2021) के विशेष अवसर पर, सोल्स फॉर सोलेस को एक गैर-लाभकारी संगठन के साथ बातचीत करने का सुनहरा अवसर मिला, जो अपने त्रुटिहीन प्रयासों के माध्यम से समाज में भारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने संजीवनी एनपीओ के सह-संस्थापक श्री अनिल अहलुवालिया की विशेषता वाला एक इंटरैक्टिव सत्र प्रस्तुत किया। संजीवनी- लाइफ बियॉन्ड कैसर, एक पुरस्कार विजेता पंजीकृत सार्वजनिक ट्रस्ट है जो कैसर रोगियों के जीवन को समृद्ध बनाने और भारत में कैसर देखभाल के स्तर को ऊपर उठाने के लिए समर्पित है।



SOULS FOR SOLACE
Presents
EDUCATION IS POWER CAMPAIGN

Online Fundraising Maze Competition in Collaboration with Pranyas Development Foundation on 21st February

Screen Splitting- Used Mobile phone and gadget collection drive in Collaboration with other colleges. Commencing from the last week of February

Seminar on Education for all by a reputed NGO in the First week of March

**"One Book
One Pen
One Child
Can change the world"**

Stay tuned on our pages for the individual details of all the events. We are expecting a lot of support from your side!

शिक्षा शक्ति अभियान है

सभी के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सोल्स फॉर सोलेस बिगिन एजुकेशन इन पावर कैम्पेन जिसके तहत हमने सेमिनारों के साथ 03 विभिन्न फंडरेजिंग प्रतियोगिताओं की योजना बनाई, जिनमें से एक गतिविधि पहले ही हो चुकी है और एजुकेशन इज पावर कैम्पेन अभी भी रोल पर है।

शिक्षा के तहत ऑनलाइन भूलभुलैया प्रतियोगिता पीडीएफ के सहयोग से शक्ति अभियान है

प्राण डेवलपमेंट फाउंडेशन ने सोलेस के सहयोग से एक ऑनलाइन धन उगाहने वाली भूलभुलैया प्रतियोगिता शुरू की।

यह स्मार्टफोन और वंचित बच्चों के लिए शिक्षा के लिए धन जुटाने का एक कार्यक्रम था। इस आयोजन में 20,000 रुपये के पुरस्कार दिए गए

भागीदारी की संख्या -384 व्यक्ति

ONLINE MAZE COMPETITION
Fundraiser for Smartphones for Underprivileged Kids

Solve 2 Mazes and win prizes worth 20k
Round 1 - Qualifying Round
Round 2 - Final Round

Registration fees: 100/- INR

1st Prize - 10000/- INR
2nd Prize - 5000/- INR
3rd Prize - 2500/- INR
4th Prize - 1500/- INR
5th Prize - 1000/- INR

A chance to win. A chance to absorb pain.

To Register Contact us at - 9555524576
Date of competition - 21st February

www.pdnyas.org | 9555524576

SOCH के सहयोग से Amazon शुभकामना लिस्ट का परिचय

सोसाइटी फॉर चिल्ड्रन एंड सोल्स फॉर सोलेस इन कोलैबोरेशन ने एक अमेज़न इच्छा सूची पेश की है जिसमें समाज के वंचित बच्चों के लिए आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं जो SOCH आवासीय शैक्षिक ब्रिज कैम्प के माध्यम से शिक्षा का अपना हिस्सा प्राप्त कर रहे हैं।

भागीदारी की संख्या- 146 व्यक्ति

सकोनसा के साथ पैनल चर्चा

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसी कुछ दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उत्तर खोजने की तलाश में। सोल्स फॉर सोलेस और सकॉसा ने सभी को पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

भागीदारी की संख्या - 12 व्यक्ति

कपड़ा दान अभियान

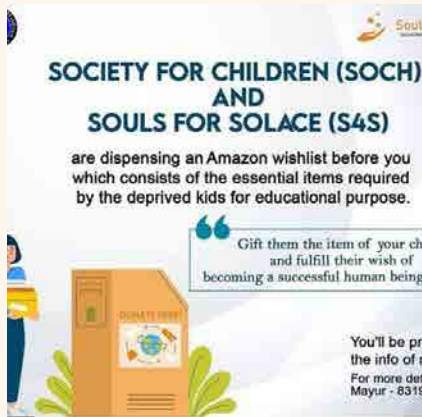
सोलेस फॉर सोलेस ने इस बार अपने हमेशा के लिए सफल कपड़ा दान अभियान को सबसे सुरक्षित तरीके से शुरू किया है क्योंकि हमने छात्रों से केवल उन कपड़ों को छोड़ने के लिए कहा है जिन्हें वे दान करना चाहते हैं, हमने उन्हें बताया है कि हमारे सदस्यों द्वारा सब कुछ व्यवस्थित रूप से स्थिर हो रहा है।

अंतिम टिप्पणी

आयोजनों के अलावा, धन उगाहने वाली गतिविधियाँ, सहयोग, सोशल मीडिया उन्नयन, और हैंडआउट्स, सोल्स फॉर सोलेस ने हमारे सोसाइटी के सदस्यों के लिए कुछ पीएस कार्यशालाओं और वीडियो संपादन ट्यूटोरियल का आयोजन किया है।

सोल्स फॉर सोलेस हमारे पूरे सत्र में सोसाइटी फॉर चिल्ड्रन एंड अर्थलिंम्स एनजीओ जैसे कुछ गैर सरकारी संगठनों को स्वयंसेवा कर रहे हैं और ऐसा करना जारी रखेंगे।

सोल्स फॉर सोलेस ने कुछ और कार्यक्रमों और सहयोगों की योजना बनाई, जिन्हें हम संचालित करने में सक्षम नहीं थे और निश्चित रूप से भविष्य में करेंगे।



सामाजिक-सांस्कृतिक परिषद
वेबएनडी - वेब और डिजाइन सोसायटी

कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं

21 मई 2020 से 3 जून 2020 तक PHP और MySQL के साथ फुल स्टैक डेवलपमेंट

सोसायटी ने अपने फेसबुक पेज पर सोसायटी के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन तैयार किए गए गूगल डॉक्स को पोस्ट कर 12 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इस वर्कशॉप के दौरान सोसायटी ने वर्कशॉप में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स का असेसमेंट भी गूगल फॉर्म के जरिए लिया है। इस कार्यशाला में पूरे 12 दिनों में लगभग 40 लोगों की भागीदारी देखी गई है।

27 जून 2020 को वेब यूआई डिजाइन कार्यशाला

सोसायटी ने ईवेनो के सहयोग से वेब यूआई डिजाइन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यशाला का आयोजन एक गूगल मीट के माध्यम से किया जाता है और यह 2 घंटे तक चलता है। सत्र के वक्ता श्री करण कपूर हैं, जो इस क्षेत्र में 9 वर्षों के अनुभव के साथ एक फ्रीलांसर के रूप में काम कर रहे हैं। इस वर्कशॉप में फिगमा के बेसिक टूल्स पर चर्चा की गई जो एक यूआई डिजाइनर के लिए बेहद जरूरी है। इस कार्यशाला में 90 की भागीदारी देखी गई है।

19 सितंबर से 10 नवंबर 2020 तक इंटेस प्रेडिक्शन लीग

सोसायटी ने आईपीएल के दौरान संस्थान के खेल उत्सव अश्वमेधा द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन फैंटेसी प्रीमियर लीग के आयोजन के लिए एक मंच विकसित किया है। साइट को जावास्क्रिप्ट में विकसित किया गया था और वास्तविक समय डेटाबेस और वेब होस्टिंग के लिए फायरबेस का उपयोग किया गया था।

27 अक्टूबर 2020 से 26 नवंबर 2020 तक CreatiWFacts

समाज ने डिजाइन कौशल के लिए एक बुनियादी आधार प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया है। यह आयोजन 30 दिनों का है और इसे एक मंच के रूप में इंस्टाग्राम का उपयोग करके अंजाम दिया गया है, जहां समाज फोटोशॉप के सभी उपकरणों को कवर करने वाले लघु वीडियो प्रदर्शनों के साथ दैनिक एडोब फोटोशॉप में एक टूल के उपयोग पर सुझाव पोस्ट कर रहा है। इस कार्यक्रम ने इंस्टाग्राम पर 250 की पहुंच देखी है

डिजिटल कला प्रतियोगिता 11 नवंबर 2020

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की पूर्व संध्या पर महामारी की स्थिति के बीच छात्रों के रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए समाज ने एक डिजिटल कला प्रतियोगिता का आयोजन किया है। कई छात्रों ने प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया और 'शिक्षा के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाना' विषय से संबंधित अपने डिजाइन कौशल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में लगभग 20 की भागीदारी देखी गई है।

17 जनवरी 2021 से 24 जनवरी 2021 तक डिजाइन पर फ्रेशर्स के लिए शुरुआती कार्यशाला

सोसायटी ने एक डिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया है जिसमें एडोब फोटोशॉप में विभिन्न उपकरणों और एडोब इलस्ट्रेटर की मूल बातों का उपयोग करने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। कार्यशाला में 75 से अधिक फ्रेशर्स ने भाग लिया।

वेब डेवलपमेंट पर फ्रेशर्स के लिए शुरुआती कार्यशाला 31 जनवरी 2021 से

14 फरवरी 2021

सोसायटी ने 31 जनवरी को इंट्रो टू गिट और इंट्रो वेब डेवलपमेंट पर एक सत्र के साथ शुरू होने वाली कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया है, जिसके बाद एक माध्यम के रूप में स्लैब का उपयोग करके एचटीएमएल, सीएसएस और बेसिक जावास्क्रिप्ट पर कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। फ्रेशर्स द्वारा प्राप्त ज्ञान का आकलन करने के लिए साप्ताहिक मूल्यांकन किया गया है। 70 से अधिक फ्रेशर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ज्ञान प्राप्त किया।

सामान्य चैम्पियनशिप में प्रतियोगिताएं

सोसायटी ने जनरल चैम्पियनशिप 2021 के एक भाग के रूप में 3 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है, जिनमें डिजाइन मैराथन लोगो रीब्रांडिंग में कौशल का परीक्षण करती है, ग्राफिक डिजाइन इलस्ट्रेटर में कौशल का परीक्षण करती है, वेबथॉन एचटीएमएल, सीएसएस और जावास्क्रिप्ट में उनके कौशल का परीक्षण करती है। प्रतियोगिताओं में 30 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

वेब कार्य

- अंतिम और पूर्व अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन प्लेसमेंट और इंटरशिप की एक आसान पंजीकरण प्रक्रिया प्रदान करने के लिए संस्थान के करियर विकास सेल के लिए एक नई वेबसाइट विकसित की।
- आईपीएल भविष्यवाणी लीग ऑनलाइन आयोजित करने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर के खेल उत्सव अश्वमेध के साथ सहयोग किया।
- संस्थान के छात्र व्यायामशाला के लिए एक नई वेबसाइट विकसित की।
- सभी छात्रों के लिए इसे उपलब्ध कराने के लिए अकादमिक परिषद द्वारा तैयार संसाधनों की मेजबानी की।
- संस्थान की खेल परिषद के सहयोग से एक ऑनलाइन फिटनेस चुनौती।
- हमारे समाज के लिए हिरोकू पर वेबसाइट लॉन्च की।
- सामान्य चैम्पियनशिप 2021 के लिए एक वेबसाइट विकसित और अनुरक्षित किया गया

कलात्मक कार्य

- एकता दिवस के अवसर पर संस्थान के लिए 6 बैनर और गणतंत्र दिवस के लिए 5 बैनर तैयार किए गए।
- संस्थान के लिए एक नया व्यायामशाला लोगो तैयार किया गया।
- नवंबर में स्पेगेटी पूर्व छात्र न्यूज़लेटर का पहला संस्करण तैयार किया गया।
- सामान्य चैम्पियनशिप 2021 के लिए लोगो, ब्रोशर और पोस्टर तैयार किए गए the रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, गणेश चतुर्थी, खेल दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयंती, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, क्रिसमस, नववर्ष, संक्रांति और फोटोशॉप टूलटिप्स जैसे अवसरों पर पोस्टरों के साथ सोशल हैंडल को सक्रिय बनाए हुए हैं।



नक्षत्र-खगोलीय सोसायटी

कार्यशाला और प्रतियोगिताएं

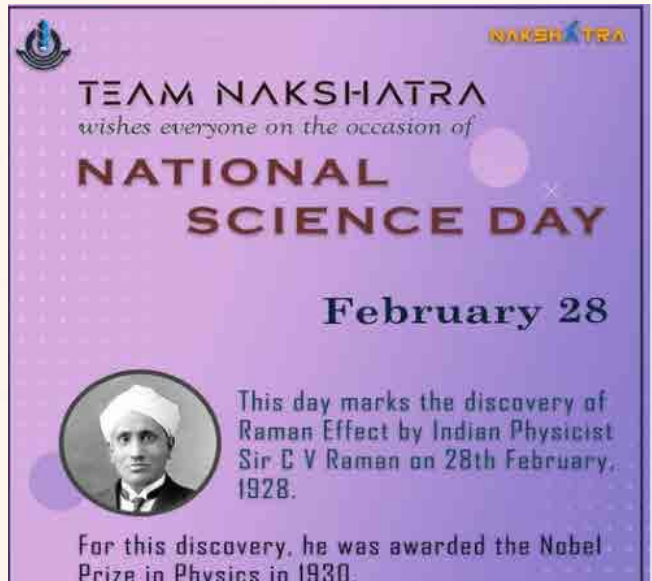
- संपादन उद्देश्यों के लिए सदस्य की आवश्यकताओं के अनुसार कई आंतरिक फोटोशॉप और इलस्ट्रेटर का आयोजन किया गया था।
- विभिन्न प्रकार की क्विज़ और क्रॉसवर्ड पज़ल सॉल्विंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और उन्हें बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाएं मिलीं।
- प्रश्नोत्तरी क्लब के सहयोग से अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

न्यूज़लेटर वर्कस

- द्वि-मासिक समाचारपत्रिकाएँ प्रकाशित की गईं (5 संस्करण) बड़ी मात्रा में जानकारी और गुणवत्ता के साथ।
- नए मजेदार कॉलम और एस्ट्रोगैलरी (कलाकृति के साथ सहयोग) जोड़े गए।

अन्य

- चूंकि हमारा अधिकतम काम ऑफलाइन में बेहतर है, फिर भी ज्ञान एकत्र करने के उद्देश्य से हमने छोटे सेमिनार आयोजित किए जहां वक्ता हमारे समाज से ही हैं।





RICS- रोबोटिक्स एंड इंटेलिजेंट सोसाइटी क्लब

कार्यशाला

- हमने रोबोटिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम के विषय पर कई कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस सीरीज में 2 सेशन हुए। हम पिछले सत्रों की प्रतिक्रिया के आधार पर और सत्र आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। प्रत्येक सत्र की तिथियां और एजेंडा इस प्रकार हैं:
 - कार्यशाला का पहला सत्र राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (11-11-2020) की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया था। पहला सत्र दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए आरओएस का परिचय देना था और सभी छात्रों के लिए खुला था। हमने लैपटॉप पर ROS स्थापित करने की विस्तृत प्रक्रिया के बारे में भी बताया। इस सत्र में कुल 10-12 छात्रों ने भाग लिया।
 - दूसरा सत्र 21/11/2020 को आयोजित किया गया था और हमने समझाया कि आरओएस कैसे स्थापित करें और उस पर काम करना शुरू करें। हमने कुछ उपयोगी पुस्तकालयों की भी शुरुआत की और उनका उपयोग कैसे किया जाए। इस सत्र में कुल 12-15 छात्रों ने भाग लिया।
 - एमएल परिचयात्मक सत्र: द्वितीय वर्ष के छात्रों को मशीन लर्निंग की अवधारणा से परिचित कराने के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था और एक रोडमैप देने के लिए कि वे शुरुआती से विशेषज्ञ स्तर तक एमएल सीखना कैसे शुरू कर सकते हैं। हमने एमएल के कुछ अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की और वे अपने सीखने को लागू करने के लिए मिनी-प्रोजेक्ट कैसे ढूंढ सकते हैं। सत्र 12-08-2020 को था और इसमें 15 आरआईएससी सदस्यों ने भाग लिया था।
 - अरुडिनो कार्यशाला (31 जनवरी और 7 फरवरी 2021): प्रथम वर्ष के छात्रों को अरुडिनो प्रोग्रामिंग और अरुडिनो बोर्ड के कामकाज की अवधारणाओं से परिचित कराने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। सत्र में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

परियोजनाएँ

- ई-यंत्र: हमारे समाज की ओर से कुल तीन टीमों ने ई-यंत्र-2020 में भाग लिया। परियोजनाएं वर्गी-बॉट से संबंधित थीं। बॉट्स के पीछे का विचार एक ऐसा बॉट बनाना था जो वस्तुओं को उनकी श्रेणी के आधार पर अलग करने में सक्षम हो। परियोजनाओं में रोबोटिक हेरफेर, रोबोटिक धारणा, आरओएस, आईओटी, Google ऐप स्क्रिप्टिंग, पायथन और जावास्क्रिप्ट जैसी अवधारणाओं का उपयोग किया गया था।

- व्यक्तिगत परियोजनाएं: हमारे समाज के सदस्य छोटी वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए व्यक्तिगत परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उनमें से एक Arduino सर्किट का उपयोग करने वाला एक स्वचालित हैंड सैनिटाइज़र डिस्पेंसर था।

प्रतियोगिताएं

आटोमैटिक मशीन

हमने छात्रों के महत्वपूर्ण सोच कौशल का परीक्षण करने के लिए एक ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता अवधारणात्मक रूप से एक स्वचालन प्रणाली विकसित करने के लिए थी जो आम घरेलू समस्याओं को हल करती है। यह जून में आयोजित किया गया था लेकिन कम भागीदारी के कारण प्रतियोगिता रद्द कर दी गई थी।

आंतरिक हैकार्थॉन

प्रतियोगिता प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच आयोजित की गई थी जिसने समाज में उनके शामिल होने का आधार भी बनाया। छात्रों को घटकों की एक सूची दी गई, जिसमें से उन्हें टिकरकैड पर एक Arduino आधारित मॉडल बनाना था और मॉडल के कामकाज को समझाते हुए एक छोटा वीडियो भी बनाना था। वास्तविक जीवन की समस्या को हल करने के लिए एक समान सर्किट को कैसे लागू किया जा सकता है, इस पर एक विचार भी प्रदान करना। विचारों की नवीनता और टिकर सीएडी मॉडल के कार्यान्वयन के आधार पर अंक दिए गए थे।

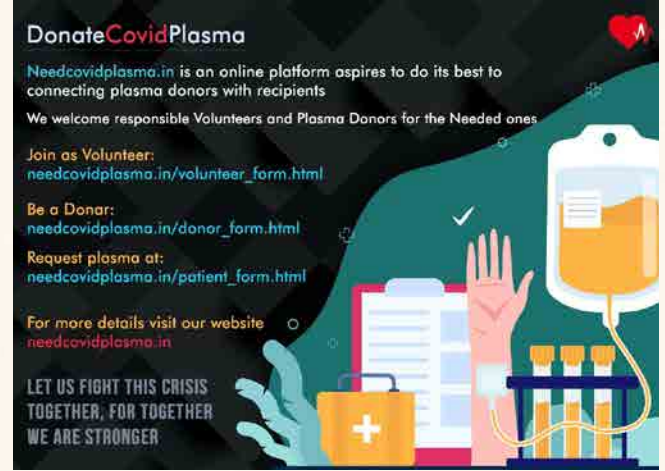
यांत्रिक प्रतियोगिताएं

सोसाइटी ने विसेनेयर द टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट के सहयोग से दो प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। प्रतियोगिताएं थीं:

- अर्दुिनियो हैथकान:** उम्मीदवारों को वास्तविक जीवन की समस्या प्रदान की गई। समस्या विवरण को हल करने और इसे कम से कम समय में जमा करने के लिए उन्हें टिकरकाड में इसके एक हिस्से के रूप में Arduino के साथ एक सर्किट को डिजाइन और अनुकरण करने की आवश्यकता थी।
- रोबोकैड:** प्रतिभागियों को कुछ घटकों की सीएडी ड्राइंग प्रदान की गई थी और उनका काम उसी के सीएडी मॉडल बनाकर उन्हें कम से कम समय में जमा करना था। मॉडल की सटीकता और इसे पूरा करने में लगने वाले समय पर अंक दिए गए।



टीम RICS की एक पहल: डोनेट करें कोविड प्लाज्मा



न्यूरोमांसर्स- प्रोग्रामिंग सौसाइटी

कार्यशालाएं

सी ++ कार्यशाला श्रृंखला

- उन लोगों के लिए C++ में प्रोग्रामिंग शुरू करने के उद्देश्य से कार्यशालाओं की एक श्रृंखला, जो प्रोग्रामिंग के लिए नए हैं, ज्यादातर प्रथम वर्ष के छात्र हैं।
- माइक्रोसॉफ्ट के माध्यम से उनकी शंकाओं का समाधान करके और संसाधनों को साझा करके कार्यशाला के बाद का समर्थन
- 27-12-2020 से 30-01-2021 के बीच कुल चार सत्र आयोजित किए गए। सभी चार सत्रों में लगभग 100 छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही।

प्रतियोगी प्रोग्रामिंग कार्यशालाएं

प्रतियोगी प्रोग्रामिंग पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इनका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग का अवलोकन देना था। डायनेमिक प्रोग्रामिंग जैसे कुछ अक्सर सामने आने वाले विषयों को विशेष रूप से पढ़ाया जाता था।

दो सत्र हुए और प्रत्येक में लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

ओओपीएस श्रृंखला

डीएससी आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। प्रतिभागियों को अभ्यास के रूप में असाइनमेंट दिए गए थे।

गूगल क्लाउड का परिचय और 30 दिन का गूगल क्लाउड प्रोग्राम

डीएससी आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित एक बूटकैम्प। इस श्रृंखला का उद्देश्य क्लाउड कंप्यूटिंग का परिचय प्रदान करना है। कई असाइनमेंट दिए गए और कार्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों को भत्तों और उपहार प्रदान किए गए।

मशीन लर्निंग का अन्वेषण करें

डीएससी आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित कार्यशाला। यह वर्कशॉप उन लोगों के लिए थी जो मशीन लर्निंग सीखने के इच्छुक थे।

ऐप विकास कार्यक्रम

डीएससी आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को एंड्रॉइड डेवलपमेंट में अपने अनुभव के आधार पर या तो शुरुआती ट्रेक या उन्नत ट्रेक चुनने की अनुमति दी गई थी। इस कार्यक्रम में कोटलिन में एनड्रॉइड विकास सीखने के लिए ट्रेक शामिल हैं।

प्रतियोगिताएं

न्यूरो वीकेंड चैलेंज

प्रतियोगिता कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के शीर्ष कलाकारों को चौथे वर्ष के समाज के छात्रों के साथ एक नकली साक्षात्कार में भाग लेने का मौका दिया गया। यह अवसर प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए दिया गया था।

ब्लॉगथॉन

तकनीकी लेखन एक महत्वपूर्ण कौशल बन गया है। छात्रों को तकनीकी लेखन की दुनिया का पता लगाने के लिए एक ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों को दिए गए चार विषयों में से एक विषय चुनने के लिए कहा गया था। कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में चारों टॉपिक ट्रेड कर रहे थे।

इंडक्शन कोडिंग प्रतियोगिता

प्रथम वर्ष के छात्रों के प्रोग्रामिंग ज्ञान का न्याय करने के लिए एक प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। परिणामों के आधार पर कुछ छात्रों को समाज में शामिल किया गया

जीसी कोडिंग प्रतियोगिता

जनरल चैंपियनशिप के एक भाग के रूप में एक कोडिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रश्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे सरणियों से लेकर जटिल विषयों जैसे ग्राफ तक थे।

उपलब्धियां

प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग

- द्वितीय वर्ष के छात्रों अर्पित केशरवानी और सार्थक गुप्ता ने प्रतिस्पर्धी कोडिंग प्लेटफॉर्म कोडशेफ में 7-स्टार रेटिंग हासिल की थी।
- अंतिम वर्ष के छात्र ऋषभ यादव को कोडफोर्स पर शीर्ष 50 रेटेड भारतीय कोडर्स में रखा गया है
- गूगल किकस्टार्ट गूगल द्वारा आयोजित एक एल्गोरिदम और डेटा संरचना प्रतियोगिता है। अर्पित केशरवानी, सार्थक गुप्ता ने राउंड एच

में 6000+ प्रतिभागियों के बीच क्रमशः 84 और 95 की अंतरराष्ट्रीय रैंक हासिल की

- चौथी वर्ष की दोहरी डिग्री की छात्रा आरोशी वर्मा ने 13,820 प्रतिभागियों के बीच फेसबुक हैकरकप राउंड 1 में 320 की वैश्विक रैंक हासिल की

विकास

- एक 4 सदस्यीय टीम (नवनीथ बिसानी, श्रीरंग, कार्तिकेय, साई कृष्णा) ने 36 घंटे तक चलने वाले हैकथॉन हैकवोस्प में 100+ टीमों के बीच चौथा स्थान हासिल किया।
- दूसरे वर्ष के सदस्य अतुल गोयल को कोडिनहैक में शीर्ष 20 में रखा गया था, हैकिनकोड द्वारा आयोजित एक ओपन सोर्स प्रतियोगिता
- व्यक्तिगत या समूह परियोजनाएं: सोसायटी के सदस्य विभिन्न व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं में शामिल रहे हैं। उनमें से अधिकांश को कोविड-19 संकट को ध्यान में रखते हुए चीजों को बेहतर बनाने के लिए विकसित किया जा रहा है।

सामाजिक मीडिया

- विभिन्न कोडिंग घटनाओं और प्रतियोगिताओं के बारे में अपडेट हमारे सोशल मीडिया पेजों के माध्यम से सूचित किया गया है
- हमारे सोशल मीडिया पेजों में कोडिंग के बारे में जानकारीपूर्ण पोस्ट पोस्ट की गई हैं
- प्रोग्रामिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के बारे में रोडमैप जैसे ऐप डेवलपमेंट, मशीन लर्निंग, समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा डिजाइन किए गए प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग, जो उन क्षेत्रों में कुशल हैं, को भी साझा किया गया।

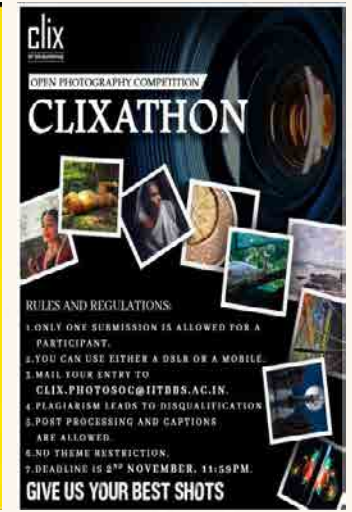
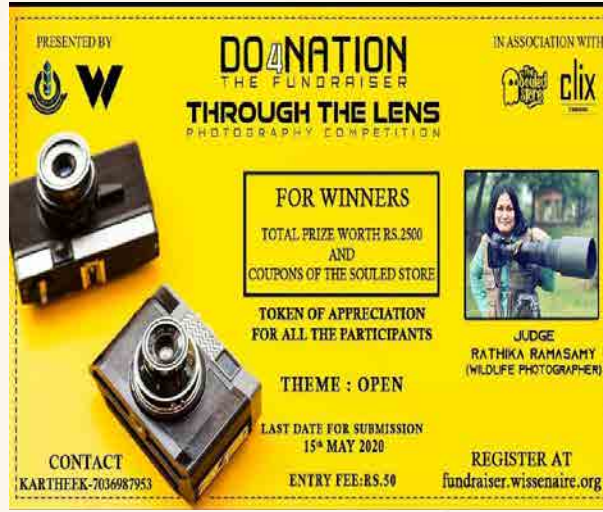
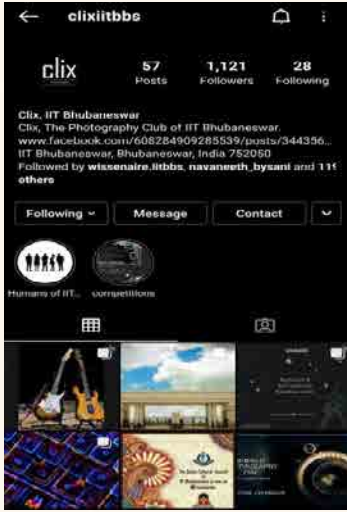


क्लिक्स- फोटोग्राफी सोसायटी

ऑनलाइन गतिविधियां

- हमने इस महामारी में मदद करने के लिए डूफारनेश्र अनुदान संचय के एक भाग के रूप में विसेनेयर के सहयोग से 5 मई को एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता "थू द लेंस" आयोजित की।
- भले ही हम महामारी की चपेट में आ गए थे लेकिन हमने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने नियमित पोस्ट के माध्यम से फोटोग्राफी के ज्ञान को साझा करना बंद नहीं किया। हमने सोशल मीडिया हैंडल पर 'हमन्स ऑफ आईआईटी बीबीएस' के जरिए आईआईटी बीबीएस के लोगों के अनुभव साझा किए।

- हमने 26 अक्टूबर 2020 को महामारी की चपेट में आने के बाद फोटोग्राफरों के उत्साह को बढ़ाने के लिए एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता, 'CLIXATHON' भी आयोजित की है।
- हमने सांस्कृतिक सामान्य चैंपियनशिप के एक भाग के रूप में एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें विभिन्न शाखाओं के छात्रों ने 23 मार्च 2021 को अपनी सक्रिय भागीदारी दी।



गतिविधियां कवर

- आईआईटी भुवनेश्वर के मानव



पेनेशिया के सहयोग से 'आईआईटी भुवनेश्वर के लोग' पदों के माध्यम से व्याख्यान, पूर्व छात्रों, कार्यकर्ताओं जैसे लोगों के साथ विभिन्न साक्षात्कार आयोजित करना और उन्हें सभी के सामने प्रस्तुत करना। यह आईआईटी भुवनेश्वर में प्रत्येक के अद्वितीय दृष्टिकोण पर एक नज़र डालने का एक प्रयास है, और इससे जुड़े सभी लोगों के साथ अपनी राय, विचार, उपाख्यान और अनुभव साझा करने को भी बढ़ावा देता है।

समाज श्रृंखला

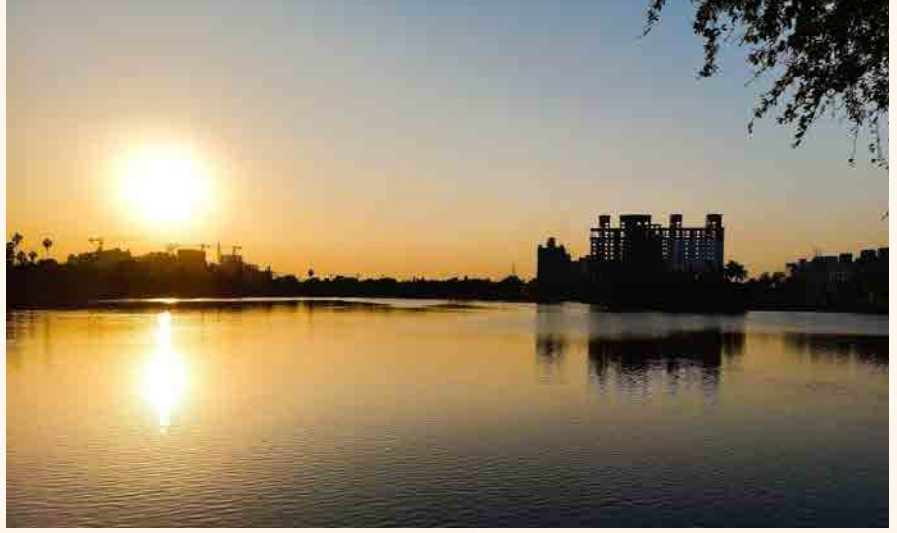
हमने क्लिक्स सोशल मीडिया पर हमारे द्वारा ली गई अन्य सोसाइटी की तस्वीरों पोस्ट करके और उनका प्रचार करके एक समाज श्रृंखला शुरू की है।

- 29 नवंबर 2020 को आरोह समाज के साथ और
- द्वितीय. 5 अप्रैल 2021 को - कलाकृति समाज

हमने 2014 से लेकर अब तक कैम्पस के सभी कार्यक्रमों का एक सुंदर फोटो संग्रह बनाया है और इसे एक Google ड्राइव लिंक के माध्यम से आईआईटी भुवनेश्वर के सभी छात्रों के साथ साझा किया है।

प्रतियोगिता

- हमने 23 फरवरी 2021 को मिस्टीच्यूज, आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित एक थीम आधारित ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता "आकृति" में भाग लिया है।
- 5 मार्च 2021 को शटरबक्स, आईआईटी जोधपुर द्वारा आयोजित एक वर्चुअल फोटोग्राफी प्रतियोगिता "AINDRI" में भाग लिया।
- 12 मार्च 2021 को ब्लिथक्रोन, आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित ओपन ऑनलाइन फोटोग्राफी इवेंट "लेज लॉ" में भागीदारी



उपलब्धियां

- हमारी टीम के सदस्यों में से एक श्री निखिल येरा ने आईआईटी पटना के अन्वेषा फेस्ट, मैक्रो फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- फोटोमेला 2020, आईएसएम धनबाद में श्री नरेश चौधरी द्वारा जीता गया सर्वश्रेष्ठ फोटो चित्रित किया गया
- श्री समीर चौधरी ने वीएनआर वीजेआईटी द्वारा आयोजित सिनीति फोटो प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।
- श्री बी. रघुनाथ ने क्लिक्सैथॉन आईआईटी BBS 2020 में प्रथम स्थान प्राप्त किया
- श्री सात्विकबोब्बा ने 'ध्रु द लेंस' फोटो प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।



खेल परिषद

आईआईटी भुवनेश्वर छात्रों को खेल और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यापक अवसर प्रदान करता है। छात्र क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, शतरंज, लॉन टेनिस, एथलेटिक्स और एकेटिक्स आदि जैसे विभिन्न प्रकार के खेल और खेल खेलते हैं। एक नवोदित संस्थान होने के नाते, आईआईटी भुवनेश्वर ने प्रदान करने में कभी समझौता नहीं किया है। छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए जरूरी सुविधाएं छात्रों की फिटनेस और स्वस्थ स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत छात्रावासों में एक अच्छी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला मौजूद है। छात्रों को क्रिकेट नेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और इनडोर कोर्ट आदि प्रदान किए जाते हैं।

गतिविधियां

29 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय खेल दिवस

आईआईटी भुवनेश्वर ने हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 29 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. ऑनलाइन इंद्रा कॉलेज शतरंज टूर्नामेंट

प्लेटफार्म: लिचेस

प्रारूप: ब्लिट्ज

समय नियंत्रण: 3 मिनट + 0 सेकंड

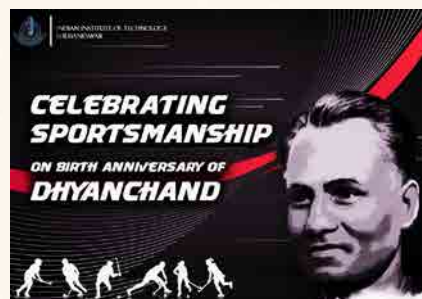
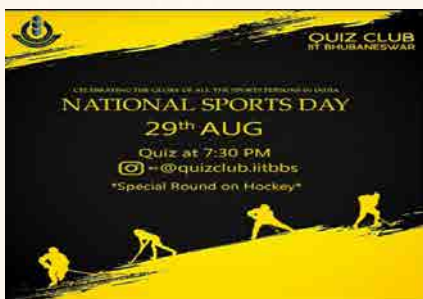
भागीदारी: 34

2. खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्लेटफार्म: क्रिज क्लब इंस्टाग्राम पेज

लाइव भागीदारी: 40

कुल दर्शक: 400



फिटनेस ड्राइव

कोविड महामारी के भयावह समय में, जब लोगों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ना शुरू हो गया था, खेल परिषद ने एक व्यापक योजना के साथ आगे आने का बीड़ा उठाया। इस योजना में विभिन्न गतिविधियों की एक सूची शामिल थी जो छात्रों को उनकी फिटनेस का ध्यान रखते हुए संलग्न करने के लिए तैयार की गई थी।

- वार्मअप और कूल डाउन रूटीन - (2 सितंबर 2020 को)
- श्रेड चैलेंज (3 सितंबर से 17 सितंबर 2020 तक)
- श्री बिस्वजीत पेगू द्वारा मुख्य कसरत चुनौती 6 सप्ताह तक जारी (28 अक्टूबर से 10 दिसंबर तक)



इंटेंस प्रेडिक्शन लीग 5 सितंबर से 10 नवंबर तक

टीम अश्वमेध के साथ सहयोग करके, एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है (वेब एंड डिज़ाइन सोसाइटी की मदद से) जो उपयोगकर्ताओं को आईपीएल 2020 के दौरान फैंटेसी क्रिकेट खेलने की अनुमति देता है। लीग के लिए कुल 350 सदस्य पंजीकृत हैं, लगभग 70 से 110 छात्र। दैनिक भाग लें।



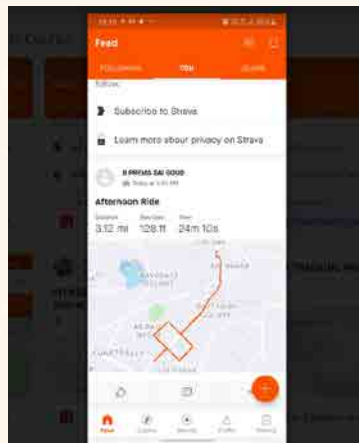
26 दिसंबर 2020 को साइक्लोथॉन

26 दिसंबर 2020 को फिट इंडिया मूवमेंट के हिस्से के रूप में, 80 छात्रों और कर्मचारियों की भागीदारी शक्ति (कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए) के साथ एक साइक्लोथॉन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। कुल दूरी लगभग 10 किमी थी।



8 जनवरी से 8 मार्च 2021 तक फिटनेस ट्रैकिंग कार्यक्रम

एक फिटनेस ट्रैकिंग वेबसाइट लॉन्च की गई है (वेब और डिज़ाइन सोसाइटी की मदद से) जो वर्कआउट रूटीन- साइकिलिंग, रनिंग और स्किपिंग पर नज़र रख सकती है। छात्रों को प्रमाण के साथ दूरी या गिनती वेबसाइट पर पोस्ट करनी चाहिए (आमतौर पर स्ट्रैवा जैसे फिटनेस ऐप से), दूरी और गिनती के आधार पर स्कोर दिया जाएगा। वेबसाइट: <http://sports-council-web-app.herokuapp.com/>



अखिल आईआईटी शतरंज क्लब

पिछले कुछ महीनों में, आईआईटी बॉम्बे द्वारा ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंटों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी। सभी आईआईटी के छात्रों ने भाग लिया और इन आयोजनों को एक शानदार सफलता दिलाई। जैसे-जैसे समुदाय बड़ा होता गया, न केवल खेलने के लिए बल्कि खेल पर चर्चा और बंधन के लिए एक मंच की आवश्यकता थी।

आईआईटी बॉम्बे ने Chess.com पर 'ऑल आईआईटीs Chess Club' के लिए पहल की; सभी 23 आईआईटी के खिलाड़ियों के लिए @chesscomindia द्वारा प्रायोजित हर 2 महीने में न केवल अपने साथियों के साथ नियमित टूर्नामेंट खेलने के लिए, बल्कि साथी शतरंज के प्रति उत्साही लोगों के साथ विचार, चर्चा और बंधन साझा करने के लिए एक मंच। 7 फरवरी 2021 को आयोजित पहले टूर्नामेंट में 701 खिलाड़ियों ने भाग लिया।



डिस्कॉर्ड चैनल में कौशल प्रशिक्षण वीडियो 15 फरवरी 2021 से शुरू हुआ

संबंधित कलह चैनलों में कौशल प्रशिक्षण पर हर दो सप्ताह में वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। वीडियो मुख्य रूप से बुनियादी अभ्यास और अभ्यास पर केंद्रित होंगे। इनमें से कुछ अभ्यास खेल के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा अपने संबंधित कोचों की सहायता से प्रदर्शित किए जाएंगे।

जीसी फिटनेस चैलेंज 18 फरवरी से 31 मार्च 2021 तक

संस्थान के आधिकारिक खेल फेसबुक पेज पर पुश अप्स, पुल-अप्स, वन-आर्म पुश-अप्स, बर्पीज, प्लैंक होल्ड, स्क्वाट्स पर शाखावार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। प्रतियोगिता एक मिनट में अधिकतम दोहराव करने की थी।



प्रतियोगिता

फ्रेशर्स 2के20 शतरंज टूर्नामेंट 23 जनवरी 2020 को

फ्रेशर्स के शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन फ्रेशर्स की मिड-सेमेस्टर परीक्षाओं के बाद किया गया था। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य फ्रेशर्स को व्यायामशाला गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। यूजी के साथ-साथ पीजी फ्रेशर्स से कुल 84 प्रतिभागी थे।



रैकेट गोम्स टूर्नामेंट 1 फरवरी से 9 फरवरी तक

रैकेट गोम्स टूर्नामेंट 1 फरवरी से 9 फरवरी 2021 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। तीन इवेंट बैडमिंटन, टेबल टेनिस और लॉन टेनिस टूर्नामेंट का हिस्सा थे। बैडमिंटन और टेबल टेनिस स्पर्धाएं सामुदायिक केंद्र में आयोजित की गईं, जबकि लॉन टेनिस खेल परिसर में आयोजित की गईं। कार्यक्रम छात्रों और कर्मचारियों (संकाय / अधिकारी) के लिए अलग-अलग आयोजित किए गए थे। सभी खिलाड़ियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया और खेल को जीतने के लिए पूरे जोश और उत्साह के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। टूर्नामेंट में कुल 77 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

खेल का नाम	छात्र की संख्या	कर्मचारी की संख्या	पुरुष /महिला	प्रतिभागियों की कुल संख्या
बैडमिंटन (एकल)	15	6	पुरुष	21
बैडमिंटन (एकल)	2	0	महिला	2
बैडमिंटन (डबल)	26	8	पुरुष	34
टेबल टेनिस	9	3	पुरुष	12
टेबल टेनिस	0	1	महिला	1
लॉन टेनिस	7	0	पुरुष	7
			कुल योग	77



पीजी क्रिकेट टूर्नामेंट 13 फरवरी से 28 फरवरी तक

टूर्नामेंट में 8 टीमों ने भाग लिया (7 छात्र और 1 संकाय)। उनमें से 12 लीग मैच खेले गए, प्रत्येक पूल से शीर्ष 2 टीमों सेमीफाइनल में पहुंचीं। एम-टेक टीम ने जीती चैंपियनशिप।



उपलब्धियां

27 सितंबर 2020 को आईआईटी बॉम्बे ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिता

प्लेटफार्म: लिचेस

प्रारूप: Chess960 टीम बैटल

समय नियंत्रण: 4 मिनट + 0 सेकंड

टीमें: टूर्नामेंट में कुल तीन टीमों ने भाग लिया है, जिनमें से प्रत्येक में कई संस्थान हैं। प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 271 लोगों ने हिस्सा लिया है। भाग लेने वाली टीमें हैं:

- 1) टीम वेस्ले: IIT बॉम्बे, IIT खड़गपुर, IIT भुवनेश्वर, IIT रोपड़
- 2) टीम कार्लसन: आईआईटी दिल्ली, मद्रास, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी रुड़की

Chess960 Fiesta		
27th September 5-7 PM		
TEAM WESLEY	IIT Bombay IIT Kharagpur	IIT Bhubaneswar IIT Ropar
TEAM CARLSEN	IIT Delhi IIT Madras	IIT Tirupati IIT Roorkee
TEAM NEPOMNIACHTCHI	IIT Kanpur IIT BHU	IIT Guwahati BITS United NITs United

Platform: Lichess | Format: Chess960 Team Battle
Time Control: 3.5min + 0sec

Chess960 Fiesta				
Final Standings				
1	TEAM WESLEY	IIT Bombay IIT Kharagpur	IIT Bhubaneswar IIT Ropar	854
2	TEAM NEPOMNIACHTCHI	IIT Kanpur IIT BHU	IIT Guwahati BITS United NITs United	853
3	TEAM CARLSEN	IIT Delhi IIT Madras	IIT Tirupati IIT Roorkee	738

- 3) टीम नपोमेनियाचिति: IIT कानपुर, IIT BHU, IIT गुवाहाटी, BITS यूनाइटेड, NITs यूनाइटेड

टीम वेस्ली टूर्नामेंट के अंत तक पहले स्थान पर रही, जिसमें अमलान स्वेन हमारे संस्थान से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले थे।

जनरल चैंपियनशिप 2021

इस साल, जनरल चैंपियनशिप तीन अलग-अलग व्यक्तिगत चैंपियनशिप में ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। तीनों चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से उनके प्रदर्शन के आधार पर टीमों को स्थान दिया गया और विजेता को जनरल चैंपियन घोषित किया गया। इस वर्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग को जनरल चैंपियन के रूप में चुना गया है।

श्रेणियाँ चैंपियनशिप

1. खेल और खेल
2. सामाजिक और सांस्कृतिक और
3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी

टीमें

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग और धातुकर्म
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- विद्युत अभियन्तण
- प्रथम वर्ष एम.टेक और एम.एससी
- द्वितीय वर्ष एम.टेक और एम.एससी और
- पीएच.डी.

1. खेल और खेल सामान्य चैंपियनशिप

• स्वास्थ्य चुनौती

इस आयोजन में पुश-अप्स, पुल-अप्स, वन-आर्म पुश-अप्स, बर्पीज़, प्लैंक होल्ड, स्कैट्स जैसे कई शारीरिक फिटनेस अभ्यासों को चुनौतियों के रूप में रखा गया। सभी समन में, प्लांक को छोड़कर एक मिनट के लिए दोहराव पर विचार किया गया था, जिसके तहत सबसे लंबे समय तक विचार किया गया था।

• शतरंज

यह एक सामान्य शतरंज चैंपियनशिप थी जिसके तहत सभी टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया था और टीमों को आगे 04- 04 टीमों में विभाजित किया गया था।

कुल तीन राउंड थे और स्कोरिंग पैटर्न सामान्य शतरंज स्कोरिंग पैटर्न के समान था।

- **सीएसजीओ (काउंटर स्ट्राइक: ग्लोबल ऑफेंसिव (स्टीम वर्जन))**

यह एक सामान्य 05 प्लेयर टीम टूर्नामेंट था और इस्तेमाल किया गया सॉफ्टवेयर काउंटर स्ट्राइक: ग्लोबल ऑफेंसिव (स्टीम वर्जन) था।

प्रारंभिक फिक्स्चर नॉकआउट थे और 03 के सर्वश्रेष्ठ को सेमीफाइनल और फाइनल खेलने की अनुमति दी गई थी।

- **वीरता**

यह इवेंट भी एक सामान्य 05 प्लेयर टीम टूर्नामेंट था और इस्तेमाल किया जाने वाला सॉफ्टवेयर वेलोरेंट बाय दंगा था। (वर्तमान अद्यतन संस्करण)।

13 राउंड जीतने वाली पहली टीम को सामान्य मैचों में विजेता घोषित किया गया था और शुरुआती फिक्स्चर नॉकआउट थे, जिसमें अगले दौर में 03 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

2. सामाजिक-सांस्कृतिक सामान्य चैम्पियनशिप

- **हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता: वृत्त**

हिन्दी साहित्य समाज ने आधुनिकता की आड़ में अपनी मूल संस्कृति के धीरे-धीरे लुप्त होने पर वृत्त, हिन्दी कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

शब्द सीमा 1000 शब्दों की थी और इसके लिए हमें कई प्रतिभागी मिले।

- **हिंदी कविता स्लैम: अक्षरी**

आईआईटी भुवनेश्वर के हिंदी साहित्यिक समाज ने एक कविता स्लैम व्यक्तिगत कार्यक्रम भी आयोजित किया।

प्रतिभागियों को अपनी कविताओं का पाठ करते हुए अपने रिकॉर्ड किए गए वीडियो भेजने के लिए कहा गया था।

- **कला प्रतियोगिता**

इस वर्ष जनरल चैम्पियनशिप की कला प्रतियोगिता का विषय “ड्रीम वर्ल्ड” था, और विभिन्न शाखाओं के कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। आयोजन का विवरण इस प्रकार था:

पात्रता: सभी के लिए खुला

थीम: ड्रीम वर्ल्ड

अवधि: 4 घंटे

माध्यम: कोई भी 2D माध्यम स्वीकार किया गया। (कोई डिजिटल कला नहीं)

- **कर्टन अप: इवेंट अंडर ड्रामेटिक्स**

कर्टन्स अप जीसी 2021 के तहत आयोजित एक मोनोलॉग आधारित नाटकीय कार्यक्रम था। प्रतिभागियों को किसी भी फिल्म/श्रृंखला

से स्व-लिखित / कॉपी किए गए किसी भी मोनोलॉग को करने की आवश्यकता थी। विजेता क्रम में ओजस्व, धनंजय और मिशेल थे और उनकी विशेष शाखाओं को आवंटित अंक क्रमशः 300, 200 और 100 थे। सभी प्रतिभागियों की शाखाओं को 30 अंकों से पुरस्कृत किया गया।

- **ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता**

कल्चरल जनरल चैम्पियनशिप के एक हिस्से के रूप में, क्लिक्स ने बिना किसी थीम प्रतिबंध के एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की है जिसमें विभिन्न शाखाओं के छात्रों ने एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा दी। हमें पीएच.डी., एमएससी, एम.टेक, बी.टेक सहित लगभग 48+ प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं और उनमें से शीर्ष 3 को सूचीबद्ध किया गया था।

- **अंग्रेजी साहित्यिक कार्यक्रम**

- **विकिपीडिया गेम: विकी ट्रेसिंग**

विकी गेम एक ऐसा गेम है जिसमें आप मस्ती करते हुए सीखते हैं।

ऐसा कैसे? आपको दो विकिपीडिया लेख मिलते हैं। आपका लक्ष्य सरल है; लेख में हाइपरलिंक पर क्लिक करके एक से दूसरे तक पहुंचें।

हमें अपने छात्रों से बहुत अच्छी भागीदारी मिली।

- **शैतान के वकील: “एक्यूजिओ सैलवारे”**

यह गेम आपको शैतान की पैरवी करने के लिए आमंत्रित करता है। आपको एक अपराधी का मामला मिलता है, जो आपका मुक्किल होगा, और आपको जूरी के सामने अपने मुक्किल का बचाव करने की पूरी कोशिश करनी होगी।

- **विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता**

एक प्रश्न-निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां प्रतिभागियों ने प्रश्नोत्तरी प्रश्न प्रस्तुत किए जिनका मूल्यांकन रचनात्मकता, प्रामाणिकता, संकेत आदि के आधार पर किया गया।

सामान्य प्रश्नोत्तरी में एनएफटी से लेकर कॉसमॉस और कई दिलचस्प फंडा तक की विभिन्न शैलियों में फैले सवालों के जवाब देने के लिए प्रतिभागियों ने दो टीमों में जोड़ी बनाई थी।

खेल और मनोरंजन प्रश्नोत्तरी दो शैलियों - खेल (बैडमिंटन, टेनिस, क्रिकेट, आदि) और मनोरंजन (साहित्य, फिल्में, संगीत, आदि) का समामेलन था। खेल प्रेमियों, सिनेप्रेमियों और बिब्लियोफाइल्स के लिए एक आदर्श उपचार।

• संगीत प्रतियोगिताएं

यूफोनिक कॉम्बैट

जनरल चैंपियनशिप 2021 के तहत हमारे कॉलेज की सभी शाखाओं के लिए संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दो श्रेणियां थीं: वोकल्स और इंस्ट्रुमेंटल।

प्रतिभागी: वोकल्स-18 और इंस्ट्रुमेंटल-4

पुनः कट: ट्रेलर बनाने की प्रतियोगिता

री-कट एक ट्रेलर मेकिंग प्रतियोगिता थी जिसमें प्रतिभागियों को अपनी पसंद की किसी भी फिल्म का ट्रेलर कट बनाना होता था, लेकिन एक अलग शैली में।

प्रस्तुतियाँ ऑनलाइन ली गईं और हमें अच्छी मात्रा में भागीदारी मिली।

• नृत्य कार्यक्रम

यह एक सामान्य एकल नृत्य प्रतियोगिता थी जिसमें समय सीमा 1-2 मिनट दी गई थी।

कार्यक्रम के तहत, प्रतिभागियों को अपने प्रदर्शन का वीडियो रिकॉर्ड करना होगा।

प्रति प्रतिभागी केवल एक प्रविष्टि की अनुमति थी और हमें सभी से अपार भागीदारी मिली।

3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी सामान्य चैंपियनशिप

• ट्रेडिंग प्रतियोगिता: वर्चुअल ट्रेडिंग प्रतियोगिता

ट्राकिनवेस्ट एक वर्चुअल इक्विटी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है जहां आप वास्तविक समय की कीमतों पर शेयरों में निवेश कर सकते हैं लेकिन पूरी तरह से जोखिम मुक्त वातावरण में आभासी पैसे के साथ।

• कोडिंग प्रतियोगिता

यह कार्यक्रम 2 से 3 घंटे का होगा और इसमें 5-7 कोडिंग से संबंधित प्रश्न होंगे जहां प्रतिभागियों को क्रमबद्ध तरीके से अधिक से अधिक प्रश्नों को हल करने की आवश्यकता होगी।

विजेताओं का निर्णय सही ढंग से किए गए प्रश्नों की अधिकतम संख्या के आधार पर किया गया।

• वेबथॉन

अपने 'संगठन' के लिए एक बहु-पृष्ठ वेबसाइट विकसित करें। आपका संगठन वास्तविक या काल्पनिक किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो सकता है।

डिजाइन मैराथन ('रीब्रांडिंग')

आवश्यकता के अनुसार लोगो का नया स्वरूप

ग्राफिक डिजाइन

अपनी पसंद की न्यूज एजेंसी चुनें। अपने उपयोगकर्ताओं के सामने आने वाली किसी भी मौजूदा समस्या को हल करके अपने मोबाइल समाचार एप्लिकेशन के लिए यूआई डिजाइन (या पहले से मौजूद होने पर फिर से डिजाइन करें) और इस प्रकार उपयोगकर्ता के पढ़ने के अनुभव में सुधार करें।

अंतिम परिणाम



POSITION	BRANCH	POINTS
1	ME	340
2	CS	309
3	CE	269
4	EE	247
5	ECE + MM	226
6	M1	147
7	Ph.D	38
8	M2	38

इस वर्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग को 340 अंक प्राप्त कर जनरल चैंपियन घोषित किया गया है।

फेस्ट

अल्मा फिएस्टा '21- वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव

आईआईटी भुवनेश्वर के वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव, अल्मा फिएस्टा ने सांस्कृतिक विषय "बॉलीवुड बुलेवार्ड: एकजीभीटींग बीलीअन सेंटीमेंट ऑन 24 फ्रेम" और सामाजिक विषय, "सशक्त नारी से बनता है सशक्त भारत" के साथ अपने 12 वें संस्करण की मेजबानी की। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम 15 से 18 अप्रैल, 2021 तक 4 दिनों तक चला।

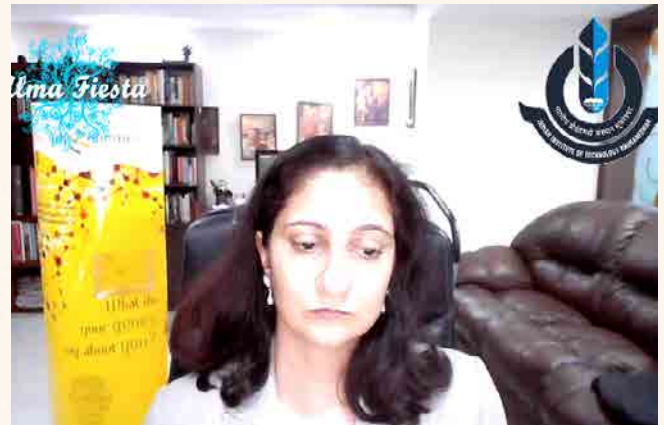
इस कम समय के दौरान, अल्मा फिएस्टा ने संसदीय वाद-विवाद, संगीत और नृत्य प्रतियोगिताओं, नाट्य कार्यक्रमों, रॉक-बैंड जैसे विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रतियोगिता, फेस आर्ट प्रतियोगिता और तकनीकी कार्यशालाओं सहित कई अन्य। जहां दिन में विभिन्न

प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम सामने आए और लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं रातें और भी उज्वल थीं।

पहली रात, लीला, हमारी उद्घाटन रात, ऑकटीम्म बायों साल्यूसन और मैपमाईजेनोम की संस्थापक और सीईओ आचार्य आदरणीय श्रीमती अनुराधा को देखा उन्होंने अपनी शानदार उपस्थिति से हमें आशीर्वाद दिया।

दूसरे दिन, हमने लेफ्टिनेंट कमांडर लक्ष्मी प्रिया, सुश्री निकिता बलियारसिंह और डॉ. नेहारिका यादव द्वारा उद्भव: द गेस्ट टॉक सीरीज़ देखी जिसका

कुछ नाम लम्हे नाम दिया गया, पहली स्टार नाइट, प्रसिद्ध अनुव जैन ने अपने सुखदायक संगीत के साथ रात को सजाया तथा उत्साह के साथ आयोजित किया। अंतिम रात, हेडबैंग में एक जबरदस्त उत्साह और उत्साह देखा गया क्योंकि प्रसिद्ध कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी ने बहुत मनोरंजन किया। अल्मा फिएस्टा 2021 ने एक शानदार सफलता देखी, टीम अल्मा को पता था कि उनकी सारी मेहनत अच्छी तरह से अर्जित किया था।



विसेनेयर '21- वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट

अपने 11 वें पुनरावृत्ति में, विसेनेयर 21 की थीम "ट्रांसहमनिज्म: एन्हांसिंग कंटेम्पररी टेक्नोलॉजी एनजेन्डरिंग एन इरा ऑफ इंजीनियर्ड ह्मन", 1 अप्रैल 2021 को भव्यता और अनुग्रह के साथ आयोजित की गई थी।

निम्नलिखित मुख्य विशेषताएं थीं:

प्रस्तावना

- डू4नेसन - अनुदान संचय

"अकेले हम इतना कम कर सकते हैं; एक साथ हम इतना कुछ कर सकते हैं!" विसेनेयर 21 ने "डू4नेसन" शीर्षक से कोविड19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में सहायता के उद्देश्य से पीएम केयर्स

के लिए एक फंडरेज़र का आयोजन किया था। यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी, जो प्रतिभागियों के निस्वार्थ और उत्साही योगदान का प्रतीक था। हमने पीएम केयर्स फण्ड में आईएनआर 15991 सफलतापूर्वक दान दिया है। हम उन सभी प्रतिभागियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके बिना यह आयोजन सफल नहीं होता।

PM CARES
Prime Minister's Citizen Assistance and Relief in Emergency Situations Fund

PAN: AAETP3993P

Receipt No: PMCARES/Web/202005281210082108 Date: 28-05-2020

Dear M/S Wissenaire IIT Bhubaneswar

Thank you very much for contributing to PM CARES Fund.

Prime Minister Shri Narendra Modi expresses his gratitude for the thoughtful and compassionate gesture on your part. The valuable contribution will greatly help India in fighting distress situations like COVID-19.

Under Secretary
PM CARES Fund

Received with thanks from: **M/S Wissenaire IIT Bhubaneswar**

IIT Bhubaneswar, Odisha, India 752050

The sum of **INR 16,001 (INR Sixteen Thousands One Only)**

(Contributions to PM CARES Fund have been notified for 100% deduction from Taxable Income under Section 80G of Income Tax Act, 1961)

Prime Minister's Office, New Delhi

- डेल ऑन-लाइन - डेल विसेनेयर द्वारा कार्यशालाएं

आईआईटी भुवनेश्वर लेबरनेट के सहयोग से आपके लिए "डेल ऑन-लाइन", एक सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) प्रोग्राम लेकर आया है, जो डेल द्वारा समर्थित है, जो मशीन लर्निंग/वेब डेवलपमेंट/डिजिटल मार्केटिंग में उम्मीदवारों को शिक्षित, प्रशिक्षित और प्रमाणित करने का प्रयास करता है। प्रशिक्षण की अवधि 2-2.5 महीने होगी, यह ऑनलाइन होगी और इसमें इंटरैक्टिव संदेह समाशोधन सत्र, तकनीकी व्याख्यान और व्यावहारिक गतिविधियां शामिल होंगी। प्रशिक्षण लेबरनेट अकादमी द्वारा संचालित किया जाएगा। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर उम्मीदवारों को डीईएल द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

- एनसीओ-नेशनल कोडिंग ओलंपियाड जूनियर

कोडिंग समय की मांग है! इस समय में, जहां सब कुछ अधिक से अधिक स्वचालित होता जा रहा है, सभी को कोड करने में सक्षम होना चाहिए। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 में कोडिंग को आधुनिक शिक्षा का एक अपूरणीय हिस्सा बताया गया है। विसेनेयर 21 नेशनल कोडिंग ओलंपियाड जूनियर के आयोजन के लिए सुपरटीचर एड्योरफॉर्म के साथ सहयोग कर रहा है। इस ओलंपियाड के माध्यम से, हमारा उद्देश्य रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और उन्हें कुछ अच्छे कोडिंग कौशल विकसित करने में मदद करना है।



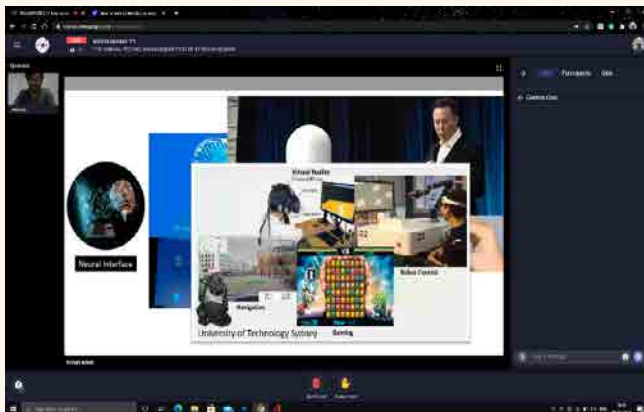
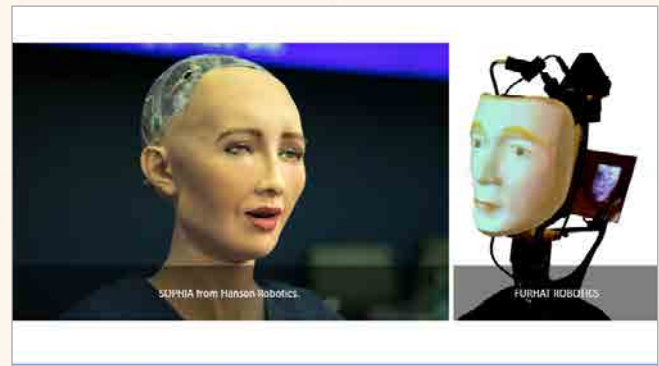
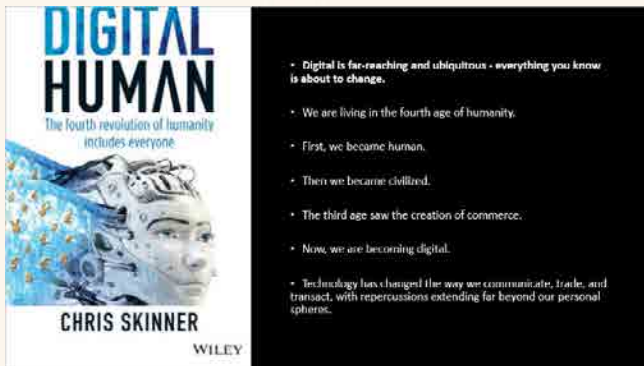
2 और 3 अप्रैल 2021 को TEKNITE

विसेनेयर की दूसरी रात, छात्रों के साथ अपनी औद्योगिक विशेषज्ञता साझा करने वाली प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान की श्रृंखला "TEKNITE" देखा गया।

मिस्टर माइकल रेडिस, वर्तमान में चार्टक्लाउड ग्रुप, न्यू हैम्पशायर, यूएसए आधारित कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने और विकास का नेतृत्व

करते हैं। उन्होंने हमें रोबोट और रोबोट व्यवहार सॉफ्टवेयर के बारे में समझाया।

इंडिया फ्यूचर सोसाइटी और लॉन्गविटी एलायंस इंडिया के संस्थापक श्री अविनाश के सिंह ने हमें अपने शोध क्षेत्रों की एक झलक दिखाई जिसमें ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआईएस) का प्रतिच्छेदन शामिल है। भौतिक मानव-रोबोट सहयोग (पीएचआरसी)।



4 अप्रैल 2021 मैग्राविस्टा

मैग्राविस्टा 2021 में स्टैंड-अप कॉमेडियन करुणेश तलवार ने शोभा बढ़ाई।



एक्जिबिट्स

विसेनेयर '21 ने भी इसरो के प्रदर्शनों को गर्व से होस्ट किया। एक आभासी अंतरिक्ष प्रदर्शनी और भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बातचीत।

विसेनेयर ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र से एक आभासी अंतरिक्ष प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। वैज्ञानिकों ने इसरो के भविष्य के अंतरिक्ष मिशन के बारे में एक सार दिया और उनके उद्देश्य के बारे में बताया। और वक्ताओं अर्थात्: विज्ञानिक नरेश भट्ट, वैज्ञानिक रवि वर्मा, वैज्ञानिक सतीश राव ने भविष्य के अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर व्याख्यान दिया और युवा उम्मीदवारों को प्रेरित करने में मदद की।

कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और कार्यशालाएं

- विसेनेयर, यान्त्रिक - द रोबोटिक्स प्रतियोगिता का प्रमुख कार्यक्रम आरआईएससी - द रोबोटिक्स सोसाइटी ऑफ़ भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसमें निम्नलिखित प्रतियोगिताएं शामिल थीं: अरुडिनो हैकथॉन और रोबोटिक्स सीए.
- राष्ट्रव्यापी हैकथॉन - " हैकथॉन " दो राउंड में आयोजित किया गया था, जिसमें छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करते देखा गया था।
- स्कूल चैम्पियन, विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए पहेलियों और पहेलियों से भरी एक प्रतियोगिता भी विसेनेयर '21 के दौरान आयोजित की गई थी। स्कूली बच्चों को भी अपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी परियोजनाओं का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

- इनके अलावा, बोलचाल (इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग विषयों पर एक पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता), ग्रैंड आर्कनम (सर्किट डिजाइनिंग, वाटर-प्रोपेल्ड रॉकेट डिजाइनिंग और स्मार्ट सिटी चैलेंज प्रतियोगिताएं), मैट्रिक (काउंटर) जैसी शाखा विशिष्ट प्रतियोगिताएं साइफर एंड आर्टेलिजेंस), ऑन-नेट इवेंट्स (शटर, शर्लक और साइसटून), क्लिज़ायर (ए साइटेकबिज़ क्लिज़ कॉम्पिटिशन), इन्वेस्टर (एक स्टॉक मार्केट प्रतियोगिता), एकज़ीक्यूटिव सूट (एक प्रबंधकीय कौशल प्रतियोगिता) और लैन वार्स (सीओडी 4 मॉडर्न में गोमिंग इवेंट) वारफेयर और सीएसजीओ) का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।
- विसेनेयर 21 के दौरान कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जो चाहने वालों को निम्नलिखित विषयों पर ज्ञान प्रदान करती हैं: एआई और एमएल, एंड्रॉइड डेवलपमेंट, साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन, ब्रिज डिजाइन। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को इंटरशिप की भी पेशकश की गई।
- मर्सिडीज इंजन एनालिसिस, गूगल सहायक हेक्सपोड, संचार कौशल के साथ सामाजिक मीडिया विपणन और एसईओ और वैज्ञानिक नवाचार। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को इंटरशिप की पेशकश की गई थी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

क्र. सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2020-21	गत वर्ष 2020-21	क्र. सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2020-21	गत वर्ष 2020-21
I.	आरंभिक जमा			I.	खर्च		
	क) हाथ में नकद	-	-		क) स्थापना व्यय	35,52,64,376.82	33,64,18,796.00
	ख) बैंक बैलेंस				ख) शैक्षणिक व्यय	13,40,74,215.55	16,16,44,442.10
	i) चालू खातों में				ग) प्रशासनिक व्यय	4,69,81,766.00	4,43,02,972.55
	ii) जमा खातों में				घ) परिवहन व्यय	62,219.00	1,31,039.00
	iii) बचत खातों में	12,56,09,487.73	17,25,69,182.10		ङ) मरम्मत और रखरखाव	1,28,165.00	3,11,520.00
					च) पूर्व अवधि व्यय	3,58,268.00	36,28,527.15
					छ) वित्त लागत	1,12,311.68	3,34,200.68
II.	प्राप्त अनुदान			II.	निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के खिलाफ भुगतान	37,05,719.00	11,96,039.00
	क) भारत सरकार से	87,71,39,119.00	64,46,00,000.00				
	ख) राज्य सरकार से						
	ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)						
	(पूँजीगत और राजस्व व्यय से अनुदान अलग से दिखाया जाएगा)						
III.	शैक्षणिक प्राप्तियां	29,75,79,626.00	26,17,09,907.12	III.	प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के लिए भुगतान	27,73,73,961.39	24,82,92,838.96
IV.	निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के प्रति प्राप्तियां :			IV.	प्रायोजित अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति के लिए भुगतान		
	क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि						
	ख) स्वयं के फंड (अन्य निवेश)						
V.	प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के बदले प्राप्तियां	30,60,02,487.33	19,84,11,161.03	V.	किए गए निवेश और जमा		
					क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से		-
					ख) स्वयं के फंड से (निवेश - अन्य)		
VI.	प्रायोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदें			VI.	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	1,17,18,69,503.12	1,00,40,04,780.00
VII.	निवेश पर आय/प्राप्ति			VII.	अचल संपत्तियों और पूँजीगत कार्य-प्रगति पर व्यय		
	क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	14,36,381.39	1,10,53,399.15		क) अचल संपत्ति	2,28,245.53	56,54,856.23
	ख) अन्य निवेश				ख) पूँजीगत कार्य-प्रगति		
VIII.	पर प्राप्त ब्याज			VIII.	वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	49,34,88,227.54	59,23,96,784.32
	क) बैंक जमा	1,77,51,699.85	27,65,427.08		पूँजीगत निधि		
	ख) ऋण और अग्रिम				एचईएफए ऋण	27,50,00,000.00	

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

क्र. सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2020-21	गत वर्ष 2020-21	क्र. सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2020-21	गत वर्ष 2020-21
	ग) बचत बैंक खाते	12,82,059.54	36,99,944.36				
IX.	भुनाया गया निवेश			IX.	अनुदान की वापसी		
X.	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा भुनाया गया	1,15,54,34,061.91	1,05,56,41,865.85	X.	जमा और अग्रिम	7,71,43,197.46	7,29,93,559.20
XI.	अन्य आय (पूर्व अवधि की आय सहित)	27,33,874.90	1,82,93,350.23	XI.	अन्य भुगतान		
	छात्रावास रसीद	2,45,14,993.56	21,88,216.13		छात्रावास	8,81,100.25	19,55,743.00
	छात्रावास वर्तमान संपत्ति के खिलाफ रसीद	2,63,59,581.00	90,74,799.00		अचल संपत्तियों के खिलाफ छात्रावास भुगतान	98,370.00	7,30,690.00
	व्यायामशाला रसीद	9,58,722.38	1,21,78,326.09		वर्तमान देनदारियों के खिलाफ छात्रावास भुगतान	3,78,86,040.00	1,54,45,709.11
	सीईपी रसीद	55,53,857.96	4,94,38,564.51		सीईपी भुगतान	1,31,13,097.44	1,04,57,404.26
	गेस्ट हाउस रसीद	20,24,647.62			व्यायामशाला भुगतान	10,10,174.00	
	एस के बेट रसीद	62,18,362.00			गेस्ट हाउस भुगतान	20,96,212.59	
					एस के बेट भुगतान	62,26,702.00	
XII.	जमा और अग्रिम	1,49,14,933.00	98,87,106.00	XII.	अंतिम शेष		
					क) हाथ में नकद		
XIII.	सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	18,54,52,612.38	17,39,98,140.64		ख) बैंक बैलेंस		
					ग) चालू खातों में		
XIV.	कोई अन्य रसीदें				घ) जमा खातों में		
					ङ) बचत खातों में	15,38,64,635.18	12,56,09,487.73
	कुल	3,05,09,66,507.55	2,62,55,09,389.29		कुल	3,05,09,66,507.55	2,62,55,09,389.29

कुलसचिव
भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर

निदेशक
भा.प्रौ. सं. भुवनेश्वर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
अनुसंधान एवं विकास
वर्ष 2020-21 के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

प्राप्तियां	राशि (रूपये में)
प्रारंभिक जमा	64,30,73,739.60
वर्ष के दौरान प्राप्ति	
परामर्श परियोजना	3,82,13,390.02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजना	9,57,57,824.00
घटाव : धन वापस	29,77,346.36
प्रायोजित अध्वेतावृत्ति	41,04,199.00
बीज अनुदान परियोजना	2,75,39,605.00
संस्थान का निश्चित खर्च	1,80,90,132.00
स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस)	66,64,659.00
वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)	90,00,644.25
जीएसटी टीडीएस	4,03,176.00
वृत्ति कर	4,900.00
तत्काल राशि जमा (ईएमडी)	6,95,000.00
प्रदर्शन बैंक गारंटी (पीबीजी)	10,62,183.00
अन्य वर्तमान देयता	3,71,390.00
विविध लेनदार	7,99,37,402.79
परिसमापन हर्जाना	73,451.00
बैंक का ब्याज	20,58,311.96
टीडीआर पर ब्याज	18,01,597.00
अर्जित टीडीआर पर ब्याज	2,29,44,552.67
गतावधि चेक	2,54,416.00
निविदा शुल्क	3,000.00
कुल	94,90,76,226.93

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
अनुसंधान एवं विकास
वर्ष 2020-21 के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

भुगतान	राशि (रु. में)
वर्ष के दौरान भुगतान	
जेआरएफ/एसआरएफ और परियोजना अधिकारी को वेतन	3,11,25,269.00
जेआरएफ/एसआरएफ और परियोजना अधिकारी को वेतन	78,72,107.80
उपभोग्य	51,79,768.00
आकस्मिक	22,15,687.50
आवर्ती व्यय	3,97,082.00
यात्रा व्यय	2,17,85,415.26
सलाहकारिता शुल्क एवं मानदेय	4,43,154.00
बैठक एवं कार्यशाला व्यय	1,03,00,747.00
संस्थान समग्र निधि	26,79,948.00
अध्येतीवृत्ति	18,000.00
ओवरहेड व्यय	1,19,469.00
नमूना तैयार करना	2,12,506.00
आउटसोर्सिंग सुविधा	15,45,377.00
आर एंड डी आवर्ती व्यय	64,976.00
निर्माण एवं अन्य लागत	1,33,948.00
स्टार्ट -अप एवं आईपीआर व्यय	2,22,46,707.13
कर्तव्य एवं कर	1,24,151.00
गतावधि चेक	6,81,84,593.66
विविध देनदार	22,500.00
अन्य चालू देय	4,12,329.00
संकाय विकाश निधि	6,29,111.00
बैंक ब्याज	15,86,138.00
अनुसंधान अनुदान	15,09,700.00
अरनेस्ट मनी गॉरंटी (ईएमडी)	2,59,565.00
प्रोफारमैस बैंक गॉरन्टी (पीबीजी)	10,055.00
निर्णित हर्जाना	76,99,97,922.58
कुल	94,90,76,226.93



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
अर्गुल, खोर्धा, पिन - 752050, ओड़ीसा, भारत
www.iitbbs.ac.in